

उवांगसुत्ताणि

४

[सण्ड २]

पणवणा, जंबुदीवपण्णती, चंपपण्णती, सूरपण्णती, निरयावलिगजो, कापवडिंनियमो, पुक्कियजो, पुक्कसुल्लियजो, वणिहरसज्जो



वाचना प्रमुख
आचार्य तुलसी

संपादक
युवाचार्य महाप्रज्ञ

प्रज्ञापर्व वर्ष के उपलक्ष्य में

निर्गम्यं पावयणं

उवंगसुत्ताणि

४

(खण्ड २)

पणवण्णा • जंबुद्वीवपण्णत्ती • चंदपण्णत्ती •
सूरपण्णत्ती • उवंगा निरयावलियाओ •
कप्पर्वडिसियाओ • पुप्फियाओ •
पुप्फिचूलियाओ • वण्हदसाओ

वाचना प्रमुख
आचार्य तुलसी

सम्पादक
युवाचार्य महाप्रज्ञ

प्रकाशक
जैन विश्व भारती
लाडनू [राजस्थान]

प्रकाशक :

जैन विश्व भारती

लाडनूँ [राजस्थान]

प्रबन्ध-सम्पादक :

श्रीचंद रामपुरिया

अर्थ सौजन्य :

श्री रामलाल हंसराज गोलछा

विराटनगर (नेपाल)

प्रकाशन तिथि :

विक्रम सम्वत् २०४५ (मर्यादा महोत्सव)

ईस्वी सन् १९८९

पृष्ठांक : ११७०

: जैन विश्व भारती
मूल्य ६००/-

मुद्रक :

मित्र परिषद्, कलकत्ता के आर्थिक सौजन्य से स्थापित

जैन विश्व भारती प्रेस, लाडनूँ (राजस्थान)

On the occasion of Pragyaprabh Year

Nigganthan Pāvayaṇam

UVAṄGA SUTTĀNI

IV

(PART II)

PAṆṆAṆAṆĀ . JAMBUDDĪVAPAṆṆATTĪ .
CANDAPAṆṆATTĪ . SŪRAPAṆṆATTĪ .
NIRAYĀVALIYĀO . KAPPAVAḌḌIṆSIYĀO .
PUPPHIYĀO . PUPPHACŪLIYĀO . VAṆHIDASĀO

(Original Text Critically Edited)

Vācanā-pramukha :
ĀCĀRYA TULSI

Editor :
YUVĀCĀRYA MAHĀPRAJÑA

Publisher :
JAIN VISHVA BHARATI
LADNUN (RAJASTHAN)

Publisher :
JAIN VISHVA BHARATI.
Ladnun—341 306

Managing Editor :
Shrichand Rampuria,

By Munificence :
Shri Ramlal Hansraj Golchha
Viratnagar (Nepal)

Year of Publication :
Vikram Samvat 2045 (Maryada Mahotsava)
1989 A.D.

Pages : 1170

जैन विश्व भारती
मूल्य ६००/-

Printers :
JAIN VISHVA BHARATI PRESS,
[Established through the financial co-operation of
Mitra Parishad, Calcutta)
Ladnun (Rajasthan)

अन्तस्तोष

अन्तस्तोष अनिर्वचनीय होता है उस माली का जो अपने हाथों से उप्त और सिंचित द्रुम-निकुंज को पल्लवित, पुष्पित और फलित हुआ देखता है, उस कलाकार का जो अपनी तूतिका से निराकार को साकार हुआ देखता है और उस कल्पनाकार का जो अपनी कल्पना को अपने प्रयत्नों से प्राणवान् बना देखता है । चिरकाल से मेरा मन इस कल्पना से भरा था कि जैन आगमों का शोधपूर्ण सम्पादन हो और मेरे जीवन के बहुश्रमी क्षण उसमें लगे । संकल्प फलवान् बना और वैसा ही हुआ । मुझे केन्द्र मान मेरा धर्म-परिवार उस कार्य में संलग्न हो गया । अतः मेरे इस अन्तस्तोष में मैं उन सबको समभागी बनाना चाहता हूँ, जो इस प्रवृत्ति में संविभागी रहें हैं । संक्षेप में वह संविभाग इस प्रकार है—

संपादक :	गुवाचार्य महाप्रज्ञ
पाठ-संशोधन सहयोगी :	मुनि सुदर्शन
"	मुनि हीरालाल
शब्दकोश	मुनि श्रीचन्द्र 'कमल'

संविभाग हमारा धर्म है । जिन-जिनने इस गुरुतर प्रवृत्ति में उन्मुक्त भाव से अपना संविभाग समर्पित किया है, उन सबको मैं आशीर्वाद देता हूँ और कामना करता हूँ कि उनका भविष्य इस महान् कार्य का भविष्य बने ।

आचार्य तुलसी

समर्पण

पुट्ठो वि पण्णा-पुरिसो सुदक्खो,
आणा-पहाणो जणि जस्स निच्चं ।
सच्चप्पओगे पवरासयस्स,
भिक्षुस्स तस्स प्पणिहाणपुट्ठं ॥

जिसका प्रज्ञा-पुरुष पुष्ट पटु,
होकर भी आगम-प्रधान था ।
सत्य-योग में प्रवर चित्त था,
उसी भिक्षु को विमल भाव से ॥

धिलोडियं आगमदुद्धमेव,
लद्धं सुलद्धं णवणीयमच्छं ।
सज्झाय-सज्झाण-रयस्स निच्चं,
जयस्स तस्स प्पणिहाणपुट्ठं ॥

जिसने आगम-दोहन कर कर,
पाया प्रवर प्रचुर नवनीत ।
श्रुत-सद्ध्यान लीन चिर चिन्तन,
जयाचार्य को विमल भाव से ।

पवाहिया जेण सुयस्स धारा,
गणे समत्थे मम माणसे वि ।
जो हेउभूओ त्स पवायणस्स,
कालुस्स तस्स प्पणिहाणपुट्ठं ॥

जिसने श्रुत की धार बहाई,
सकल संघ में मेरे मत में ।
हेतुभूत श्रुत-सम्पादन में,
कालुगणी को विमल भाव से ।



प्रकाशकीय

प्रस्तुत ग्रन्थ उवांगसुत्ताणि ४ का द्वितीय खण्ड है। इस में नौ आगम समाहित हैं—

१. पणवणा २. जंबुदीवपणत्ती ३. चंदपणत्ती ४. सूरपणत्ती ५. निरयावलियाओ ६. कप्पवडि-
सियाओ ७. पुप्फियाओ ८. पुप्फचूलियाओ ९. वण्हदसाओ ।

आगम संपादन एवं प्रकाशन की योजना इस प्रकार है—

१. आगम-सुत्त ग्रन्थमाला—मूलपाठ, पाठान्तर, शब्दानुक्रम आदि सहित आगमों का प्रस्तुतीकरण ।
२. आगम-अनुसंधान ग्रन्थमाला—मूलपाठ, संस्कृत छाया, अनुवाद, पद्यानुक्रम, सूत्रानुक्रम तथा मौलिक टिप्पणियों सहित आगमों का प्रस्तुतीकरण ।
३. आगम-अनुशीलन ग्रन्थमाला—आगमों के समीक्षात्मक अध्ययनों का प्रस्तुतीकरण ।
४. आगम-कथा ग्रन्थमाला—आगमों से संबंधित कथाओं का संकलन और अनुवाद ।
५. वर्गीकृत-आगम ग्रन्थमाला—आगमों का संक्षिप्त वर्गीकृत रूप में प्रस्तुतीकरण ।
६. आगमों के केवल हिंदी अनुवाद के संस्करण ।

प्रथम आगम-सुत्त ग्रन्थमाला में निम्न ग्रन्थ प्रकाशित हो चुके हैं—

- (१) अंगसुत्ताणि (१)—इसमें आयारो, सुयगडो, ठाणं, समवाओ—ये चार अंग समाहित हैं ।
- (२) अंगसुत्ताणि (२)—इसमें पंचम अंग भगवई प्रकाशित है ।
- (३) अंगसुत्ताणि (३)—इसमें नायाधम्मकहाओ, उवासगदसाओ, अंतगडदसाओ, अणुत्तरोव-
वाइयदसाओ, पण्हावागरणाइं, विवागसुर्यं—ये ६ अंग हैं ।
- (४) उवंगसुत्ताणि (४) (खं० १) —इसमें (१) ओवाइयं (२) रायपसेणियं और (३)
जीवाजीवाभिगमे—ये तीन आगम ग्रन्थ हैं ।
- (५) उवंगसुत्ताणि (४) (खण्ड २)—प्रस्तुत ग्रन्थ । इसमें पणवणा, जंबुदीवपणत्ती, चंद-
पणत्ती, सूरपणत्ती, निरयावलियाओ, कप्पवडिसियाओ, तुप्फियाओ, पुप्फचूलियाओ,
वण्हदसाओ प्रकाशित हो रहे हैं ।
- (६) नवसुत्ताणि (५)—इसमें आवस्सयं, दसवेआलियं, उत्तरज्झयणाणि, नंदी, अणुओग-
दाराइं, दसाओ, कप्पो, ववहारो, निसीहज्झयणं—ये नौ आगम ग्रन्थ हैं ।

द्वितीय आगम अनुसंधान ग्रन्थमाला में निम्न ग्रन्थ प्रकाशित हो चुके हैं—

(१) दसवेआलियं

१. इस ग्रन्थमाला के अन्तर्गत (१) दसवेआलियं तह उत्तरज्झयणाणि, (२) आयारो तह आयारचूला,
(३) निसीहज्झयणं, (४) ओवाइयं, (५) समवाओ—ये ग्रन्थ जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा,
कलकत्ता द्वारा भी प्रकाशित हुए थे ।

- (२) उत्तरज्जयणाणि (भाग १ और २)
- (३) ठाणं
- (४) समवाओ
- (५) सुयगडो (भाग १ और भाग २)

उक्त में से द्वितीय ग्रंथ जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा, कलकत्ता द्वारा प्रकाशित हुआ है।

तीसरी आगम-अनुशीलन ग्रन्थमाला में निम्न दो ग्रन्थ निकल चुके हैं—

- (१) दशवैकालिक : एक समीक्षात्मक अध्ययन।
- (२) उत्तराध्ययन : एक समीक्षात्मक अध्ययन।

चौथी आगम-कथा ग्रन्थमाला में अभी तक कोई ग्रन्थ प्रकाशित नहीं हो पाया है।

पांचवीं वर्गीकृत-आगम ग्रन्थमाला में दो ग्रन्थ निकल चुके हैं।

- (१) दसवैकालिक वर्गीकृत (धर्म प्रज्ञप्ति खं० १)
- (२) उत्तराध्ययन वर्गीकृत (धर्मप्रज्ञप्ति खं० २)

छठी केवल आगम हिंदी अनुवाद ग्रन्थमाला में एक 'दशवैकालिक और उत्तराध्ययन' ग्रन्थ का प्रकाशन हुआ है।

उक्त प्रकाशनों के अतिरिक्त दसवैकालिक एवं उत्तराध्ययन (मूल पाठ मात्र) गुटकों के रूप में प्रकाशित किए जा चुके हैं।

उक्त विवरण से पाठकों को विदित होगा कि भूलपाठ, पाठान्तर, शब्दानुक्रम आदि सहित ३२ आगम ग्रंथ आगमसुत्त ग्रन्थमाला के अन्तर्गत प्रकाशित हो चुके हैं। ३२ आगमों का इस प्रकार का आलोचनात्मक प्रकाशन आगम प्रकाशन के इतिहास में प्रथम बार ही सम्मुख आया है।

आगम प्रकाशन कार्य की योजना में निम्न महानुभावों का सहयोग रहा—

- (१) सरावगी चेरिटेबल फण्ड, कलकत्ता (ट्रस्टी रामकुमारजी सरावगी, गोविंदलालजी सरावगी एवं कमलनयनजी सरावगी)।
- (२) रामलालजी हंसराजजी गोलछा, विराटनगर।
- (३) स्व० जयचंदलालजी गोठी, सरदारशहर।
- (४) रामपुरिया चेरिटेबल ट्रस्ट, कलकत्ता।
- (५) बेगराज भंवरलाल चोरडिया चेरिटेबल ट्रस्ट।

यह ग्रन्थ जैन विश्व भारती के निजी मुद्रणालय में मुद्रित होकर प्रकाशित हो रहा है। मुद्रणालय के स्थापना में मित्र-परिषद्, कलकत्ता के आर्थिक-सहयोग का सीजन्य रहा, जिसके लिए उक्त संस्था को अनेक धन्यवाद।

आगम-संपादन के विविध आयामों के वाचना-प्रमुख हैं आचार्य श्री तुलसी और प्रधान संपादक तथा विवेचक हैं युवाचार्यश्री महाप्रज्ञजी। इस कार्य में अनेक साधु-साध्वी सहयोगी रहे हैं।

इस तरह अथक परिश्रम के द्वारा प्रस्तुत इस ग्रन्थ के प्रकाशन का सुयोग पाकर जैन विश्व भारती अत्यंत कृतज्ञ है ।

जैन विश्व भारती
२६-६-८७
लाडनूँ (राज०)

श्रीचंद रामपुरिया
कुलपति

सम्पादकीय

प्रस्तुत ग्रन्थ में नौ उपांग हैं—

१. पणवणा २. जंबुद्दीवपण्णत्ती ३. चंदपण्णत्ती ४. सूरपण्णत्ती ५. निरयावलियाओ ६. कप्पवडिसियाओ ७. पुप्फियाओ ८. पुप्फचूलियाओ ९. वण्हदसाओ ।

उपांग बारह हैं । उवंगसुत्ताणि भाग ४ खण्ड १ में तीन उपांग प्रकाशित हैं । प्रस्तुत ग्रन्थ में शेष नौ उपांगों का मूल-पाठ पाठान्तरसहित सम्मिलित है । अंगसुत्ताणि की शब्दसूची एक स्वतन्त्र पुस्तक (आगम शब्दकोश) में मुद्रित है । पाठक और शोधकर्त्ताओं की सुविधा की दृष्टि से इस खण्ड में उपर्युक्त नौ आगमों की संयुक्त शब्दसूची संलग्न है ।

प्रस्तुत पुस्तक के प्रकाशन के साथ बत्तीस आगमों के प्रकाशन का कार्य सम्पन्न हो जाता है । इस आगम सुत्त ग्रन्थमाला के सात ग्रन्थ सम्पन्न हो रहे हैं:—

१. अंगसुत्ताणि भाग-१

आयारो, सूयगडो, ठाणं, समवाओ ।

२. अंगसुत्ताणि भाग-२

भगवई !

३. अंगसुत्ताणि भाग-३

तायाधम्मकहाओ, उवासगदसाओ, अंतगडदसाओ, अणुत्तरोववाइयदसाओ, पण्हावागरणाई, विवागसुयं ।

४. उवंगसुत्ताणि भाग-४, खण्ड १

ओवाइयं, रायपसेणियं, जीवाजीवाभिगमे ।

५. उवंगसुत्ताणि भाग-४, खण्ड २

पणवणा, जंबुद्दीवपण्णत्ती, चंदपण्णत्ती, सूरपण्णत्ती, निरयावलियाओ, कप्पवडिसियाओ, पुप्फियाओ, पुप्फचूलियाओ, वण्हदसाओ ।

६. नवसुत्ताणि भाग-५

आवस्सयं, दसवेआलियं, उत्तरज्झयणाणि, नंदी, अणुओगवाराई, दसाओ, कप्पो, ववहारो, निसीहज्झयणं ।

७. आगम शब्दकोश (अंगसुत्ताणि शब्दसूची)

इस मूलपाठ की ग्रन्थमाला के अन्तर्गत अन्य ग्रन्थों के सम्पादन का कार्य अभी चल रहा है । उनमें प्रकीर्णक, निर्युक्ति और भाष्य सम्भावित हैं ।

विक्रम संवत् २०१२ (सन् १९५५) महावीर जयन्ती के दिन आचार्य श्री ने आगम-सम्पादन की घोषणा की । सम्पादन का कार्य उसी वर्ष चतुर्मास में प्रारम्भ हुआ । शुद्ध पाठ के बिना सम्पादन-कार्य में अवरोध आए । तब पाठ-शोधन की ओर ध्यान गया । पाठ-शोधन का कार्य वि० सं०

२०१४ (सन् १९५७) में प्रारम्भ हुआ। यह कार्य वि० सं० २०३७ (सन् १९८०) में सम्पन्न हुआ। इसका विवरण इस प्रकार है:—

दसवेआलियं	वि० सं० २०१४
उत्तरज्झयणाणि	वि० सं० २०१६
मंदी, अनुभोगदाराइं	वि० सं० २०१८
ओवाइयं, रायपसेणियं	वि० सं० २०१८
ठाणं	वि० सं० २०१८
समवाओ	वि० सं० २०१८
सूयगडो	वि० सं० २०१९
नायाबम्मकहाओ	वि० सं० २०२०
आयारो, आयारचूला	वि० सं० २०२२
उवासगदसाओ, अंतगडदसाओ	वि० सं० २०२६
अनुत्तरोववाइयदसाओ	वि० सं० २०२६
विपाक	वि० सं० २०२८
पण्हावागरणाइं	वि० सं० २०२८
निरयावलियाओ	वि० सं० २०२९
भगवई	वि० सं० २०३०
पणवणा	वि० सं० २०३१
दसाओ, पज्जोसवणाकप्पो	वि० सं० २०३२
कप्पो	वि० सं० २०३३
ववहारो	वि० सं० २०३३
जीवाजीवाभिगमे	वि० सं० २०३४
जंबुदीवपण्णत्ती	वि० सं० २०३५
निसीहज्झयणं	वि० सं० २०३५
चंदपण्णत्ती, सूरपण्णत्ती	वि० सं० २०३७

सम्पादन का कार्य सरल नहीं है—यह उन्हें सुविधित है, जिन्होंने इस दिशा में कोई प्रयत्न किया है। दो-ढाई हजार वर्ष पुराने ग्रन्थों के सम्पादन का कार्य और भी जटिल है, जिनकी भाषा और भाव-धारा आज की भाषा और भाव-धारा से बहुत व्यवधान पा चुकी है। इतिहास की यह अपवाद-शून्य गति है कि जो विचार या आचार जिस आकार में आरम्भ होता है, वह उसी आकार में स्थिर नहीं रहता। या तो वह बड़ा हो जाता है या छोटा। यह ह्रास और विकास की कहानी ही परिवर्तन की कहानी है। और कोई भी आकार ऐसा नहीं है, जो कृत है और परिवर्तनशील नहीं है। परिवर्तनशील घटनाओं, तथ्यों, विचारों और आचारों के प्रति अपरिवर्तनशीलता का आग्रह मनुष्य को असत्य की ओर ले जाता है। सत्य का केन्द्र-बिन्दु यह है कि जो कृत है, वह सब परिवर्तनशील है। कृत या शाश्वत भी ऐसा क्या है जहां परिवर्तन का स्पर्श न हो। इस विश्व में जो है, वह वही है जिसकी सत्ता शाश्वत और परिवर्तन की धारा से सर्वथा विभक्त नहीं है।

शब्द की परिधि में बँधने वाला कोई भी सत्य क्या ऐसा हो सकता है जो तीनों कालों में समान रूप से प्रकाशित रह सके ? शब्द के अर्थ का उत्कर्ष या अपकर्ष होता है भाषा-शास्त्र के इस नियम को जानने वाला यह आग्रह नहीं रख सकता कि दो हजार वर्ष पुराने शब्द का आज वही अर्थ सही है, जो आज प्रचलित है। 'पाषण्ड' शब्द का जो अर्थ आगम-ग्रंथों और अशोक के शिलालेखों में है, वह आज के श्रमण-साहित्य में नहीं है। आज उसका अपकर्ष हो चुका है। आगम साहित्य के सैकड़ों शब्दों की यही कहानी है कि वे आज अपने मौलिक अर्थ का प्रकाश नहीं दे रहे हैं। इस स्थिति में हर चिन्तनशील व्यक्ति अनुभव कर सकता है कि प्राचीन साहित्य के सम्पादन का काम कितना बुरुह है।

मनुष्य अपनी शक्ति में विश्वास करता है और अपने पौरुष से खेलता है, अतः वह किसी भी कार्य को इसलिए नहीं छोड़ देता कि वह बुरुह है। यदि यह पलायन की प्रवृत्ति होती तो प्राप्य की सम्भावना नष्ट ही नहीं हो जाती किन्तु आज जो प्राप्त है, वह अतीत के किसी भी क्षण में विलुप्त हो जाता। आज से हजार वर्ष पहले नवांगी टीकाकार (अभयदेव सूरि) के सामने अनेक कठिनाइयाँ थीं। उन्होंने उनकी चर्चा करते हुए लिखा है :—

१. सत् सम्प्रदाय (अर्थबोध की सम्यक् गुरु-परम्परा) प्राप्त नहीं है।
२. सत् ऊह (अर्थ की आलोचनात्मक कृति या स्थिति) प्राप्त नहीं है।
३. अनेक वाचनाएं (आगमिक अध्यापन की पद्धतियाँ) हैं।
४. पुस्तकें अशुद्ध हैं।
५. कृतियाँ सूत्रात्मक होने के कारण बहुत गंभीर हैं।
६. अर्थ विषयक मतभेद भी हैं।

इन सारी कठिनाइयों के उपरान्त भी उन्होंने अपना प्रयत्न नहीं छोड़ा और वे कुछ कर गए। कठिनाइयाँ आज भी कम नहीं हैं। किन्तु उनके होते हुए भी आचार्यश्री तुलसी ने आगम-सम्पादन के कार्य को अपने हाथों में ले लिया। उनके शक्तिशाली हाथों का स्पर्श पाकर निष्प्राण भी प्राणवान् बन जाता है तो भला आगम-साहित्य जो स्वयं प्राणवान् है, उसमें प्राण-संचार करना क्या बड़ी बात है ? बड़ी बात यह है कि आचार्यश्री ने उसमें प्राण-संचार मेरी और मेरे सहयोगी साधु-साध्वियों की असमर्थ अंगुलियों द्वारा कराने का प्रयत्न किया है। संपादन कार्य में हमें आचार्यश्री का आशीर्वाद ही प्राप्त नहीं है किन्तु मार्ग-दर्शन और सक्रिय योग भी प्राप्त है। आचार्यवर ने इस कार्य को प्राथमिकता दी है और इसकी परिपूर्णता के लिए अपना पर्याप्त समय दिया है। उनके मार्ग-दर्शन, चिन्तन और प्रोत्साहन का संवल पा हम अनेक दुस्तर धाराओं का पार पाने में समर्थ हुए हैं।

पाठ सम्पादन-पद्धति

पणवणा

प्रज्ञापना के पाठ-शोधन में चार हस्त-लिखित आदर्श काम में लिए गए। आचार्य मलयगिरि की वृत्ति का भी उसमें उपयोग किया गया। मुनि पुण्यविजयजी द्वारा सम्पादित प्रज्ञापना भी हमारे सामने रही। किन्तु हम किसी एक प्रति को आधार मानकर नहीं चलते। टीका की व्याख्या, अन्य आगम तथा शब्दों का अर्थ—ये सब पाठ-शोधन के महत्वपूर्ण आधार-बिन्दु रहे हैं। इसलिए हमारे सम्पादन में पाठ-शुद्धि के अनेक विशेष विमर्श उपलब्ध हैं। उदाहरण के लिए गण्ठी शब्द प्रस्तुत है :—“वत्थुल कच्छुल सेवाल गण्ठी”। यहाँ ‘गण्ठी’ पद अशुद्ध है। शुद्ध पाठ है ‘गत्थी’। पाठ-शोधन

में प्रयुक्त हस्तलिखित आदर्शों तथा मुनिश्री पुण्यविजयजी द्वारा सम्पादित आगमों में 'गण्ठी' पाठ ही उपलब्ध है। इस पाठ का शोधन जीवीजीवाभिगम और जम्बूद्वीपप्रज्ञप्ति के आधार पर किया गया है। इसके लिए प्रस्तुत आगम का १।३८ का पाद-टिप्पण द्रष्टव्य है।

दूसरा उदाहरण है—'तिट्टाणवडिते'। इसके स्थान पर कुछ आदर्शों में 'चउट्टाणवडिते' पाठ मिलता है। मुनिश्री पुण्यविजयजी ने भी 'चउट्टाणवडिते' पाठ स्वीकार किया है। किन्तु हमने 'तिट्टाणवडिते' पाठ वृत्ति के आधार पर मान्य किया है। इसका समर्थन पण्णवणा ५।११५, ११६, की वृत्ति से होता है। प्रज्ञापनावृत्ति पत्र १६५-१६६ तथा पण्णवणा ५।११५ का पाद-टिप्पण द्रष्टव्य है।

जम्बूद्वीपप्रज्ञप्ति

इसके पाठ-शोधन में सात प्रतियों और तीन टीकाओं का उपयोग किया गया है। उपाध्याय शान्तिचन्द्र की वृत्ति तथा हीरविजय वृत्ति में अनेक पाठान्तर और उनकी टिप्पणियाँ मिलती हैं। देखें—४।१५६ का पाद-टिप्पण। यह पाठान्तर-बहुल आगम है। उपाध्याय शान्तिचन्द्र ने वाचना-भेद की विस्तृत चर्चा की है। उदाहरण के लिए २।१२ का पाद-टिप्पण द्रष्टव्य है। कहीं-कहीं अशुद्ध पाठ के कारण व्याख्या भी अशुद्ध हुई है। देखें—४।४६ का पाद-टिप्पण।

चन्द्रप्रज्ञप्ति और सूर्यप्रज्ञप्ति

इनके पाठ-शोधन में पाँच हस्तलिखित आदर्शों तथा चन्द्रप्रज्ञप्ति और सूर्यप्रज्ञप्ति की वृत्तियों का उपयोग किया गया है। एक आदर्श का क्वचित् प्रयोग किया गया है।

चन्द्रप्रज्ञप्ति का पूर्ण रूप उपलब्ध नहीं है। उसका सूर्यप्रज्ञप्ति से जो भेद है वह एक परिशिष्ट में दिया गया है। कुछ हस्तलिखित आदर्श चन्द्रप्रज्ञप्ति के नाम से उपलब्ध हैं। उनके पाठ-भेद सूर्यप्रज्ञप्ति के पाद-टिप्पण में दिए हुए हैं।

निरयावलिका

निरयावलिका आदि पाँच वर्गों के पाठ-शोधन में तीन हस्तलिखित आदर्शों तथा श्रीचन्द्रसूरिकृत वृत्ति का प्रयोग किया गया है।

१. शान्तिचन्द्रीयवृत्ति पत्र ८७ :

पाठान्तरं—वाचनाभेदस्तद्गतपरिमाणान्तरमाह—मूले द्वादश योजनानि विष्कम्भेन मध्येऽष्ट योजनानि विष्कम्भेन उपरि चत्वारि योजनानि विष्कम्भेन, अत्रापि विष्कम्भायामतः साधिकत्रिगुणं मूल-मध्यान्तपरिधिमानं सूत्रोक्तं सुबोधं। अत्राह परः—एकस्य वस्तुनो विष्कम्भादिपरिमाणे द्वैरुप्यासम्भवेन प्रस्तुतग्रन्थस्य च सातिशयस्यविरप्रणीतत्वेन कथं नाग्यतरनिर्णयः? यदेकस्यापि ऋषभकूटपर्वतस्य मूलादावष्टादियोजनविस्तृतत्वादि पुनस्तत्रैवास्य द्वादशादियोजनविस्तृतत्वादौति, सत्यं, जिनभट्टा-रकाणां सर्वेषां क्षाधिकज्ञानवतामेकमेव मतं मूलतः पश्चात् कालान्तरेण विस्मृत्यादिनाऽयं वाचना-भेदः, यदुक्तं श्रीमलयगिरिसूरिभिर्ज्योतिष्करण्डकवृत्तौ—“इह स्कन्दिलाचार्यं प्रबृ (तिप) तौ दुष्षमानुभावतो दुर्भिक्षप्रवृत्त्या साधूनां पठनगुणनादिकं सर्वमप्यनेशत्, ततो दुर्भिक्षातिक्रमे सुभिक्ष-प्रवृत्तौ द्वयोः संघमेलापकोऽभवत्, तद्यथा—एको वलभ्यामेको मथुरायां, तत्र च सूत्रार्थसंघटने परस्परं वाचनाभेदो जातः, विस्मृत्योर्होहि सूत्रार्थयोः स्मृत्वा संघटने भवत्यवश्यं वाचनाभेद” इत्यादि, ततोऽत्रापि दुष्करोऽन्यतरनिर्णयः द्वयोः पक्षयोरुपस्थितयोरनतिशायिज्ञानाभिरनभिनिविष्टमतिभिः प्रवचनाशातना-भीरुभिः पुण्यपुरुषैरिति न काचिदनुपपत्तिः।

शब्दान्तर और रूपान्तर

पणवणा

१।१४	बेदिय°	वेइन्दिय	(क,ख)
१।१४	तेदिय°	तेइन्दिय	(ख)
१।२३	ओसा	उस्सा	(क,ग)
१।२६	वायमंडलिया	वाउमंडलिया	(क)
१।३५	अंकोल्ल	अंकुल्ल	(घ)
१।३८	कोरंटय	कोरिंटय (क); कोरेंट	(घ)
१।४८।४७	बलिमोडओ	पलिमोडओ	(क,घ)
१।६३।४	वीइभयं	वीयभयं	(क,घ)
२।१०	पडीण	पयीण (क); पईण	(ख,ग,घ)
२।१३	तडागेसु	तलागेसु	(क)
२।४०	चोवट्टि	चोसट्टि	(क)
३।१	विसेसाहिया	विसेसाधिया	(घ,पु)
३।७	दाहिणेणं	दक्खिणेणं	(क,ख,घ)
३।१०२	विभंगणाणीण	विहंगणाणीण	(क,ग,घ)
३।१२७	अहेलोए	अहोलोए (ग); अधेलोए	(घ)
३।१७४	अस्साता°	असाता°	(ख,ग)
३।१८२	जहा	जघा	(ख,घ)
३।१८३	सकसाई	सकसादी	(क)
४।२५५	एगूणवीसं	एकूणवीसं (क,घ); एक्कूणवीस	(ख)
४।२७५	पणुवीसं	पंचवीसं (ख,घ); पणवीसं	(ग)
५।५	जदि	जइ (ख,ग,घ); जति	(पु)
५।५	महुर°	मधुर°	(क,ख)
५।५	अब्भहिए	अब्भइए (क); अब्भतिए	(पु)
५।७	°वडिए	°पडिए	(क)
५।१०१	मणुस्से	मणूसे	(क,ख,घ)
५।१७६	वडिहज्जंति	वुडिहज्जंति	(क,ग,घ)
५।२४२	एणट्ठेणं	एणट्ठेणं	(क,ख)
६।४६	अभिलावो	अहिलावो	(ख,घ)
८।८	ओसण्ण°	उस्सण्ण°	(क)
११।६	°आणमणी	°आणवणी	(ख,ग,घ)
११।२१	वगे	विगे	(क,ख,ग,घ)
११।२५	सयणं	सतणं	(क)
११।३०	सरीरपहवा	सरीरप्पभवा	(क,ख,ग,घ)
११।३७	वोयड अब्बोयडा	वोगड अब्बोगडा	(क)

११३७	आणमणी	याणमणी	(घ)
११७२	परिवड्डमाण्णइं	परिवड्डेमाण्णइं	(ख,घ)
११७५	कदलीखंभाण	कदलीखंभाण	(ग)
११८४	णिसरति	णिस्सरति (ख); णिस्सरति (ग); निसरति (घ)	
११८८	बितियं	बीयं	(क,ग)
११८८	भासज्जायं	भासजाय	(ग)
१२१७	बद्धेल्लया मुक्कल्लया	बद्धिल्लया मुक्किल्लया	(क,ख,ग,घ)
१२१७	ओसप्पिणीहि	ओसप्पिणीहि	(ग)
१३१८	अणागारो°	अणागारो°	(क,ख)
१५३५	णग्गोह°	णिग्गोह°	(ग)
१५३५	सादी	साती	(पु)
१५५०	पेहमाणे पेहति	पेहेमाणे पेहेति	(ग)
१५५३	°धिग्गले	°धिग्गले	(ख)
१५५८	°ओवच्चए	°ओवच्चे	(ख,घ)
१६१५	अह्वेणे	अह्वेते	(क,ख)
१६३४	पच्चत्थिमिल्लं	पच्चिमिल्लं	(पु)
१६५१	आयरियं	आयरितं	(क)
१६५४	सेयंसि	सेइंसि	(क,ग)
१६५५	माउलुंगाण	मातुलिगाण	(ग)
१६५५	तिडुयाण	तिडुयाण	(ग)
१७१२४	इणट्ठे	इणमट्ठे (क); तिणट्ठे	(ख,घ)
१७१०६	समभिलोएमाणे	समभिलोतेमाणे	(क)
१७११६	किण्ह°	कण्ह°	(क,घ)
१७१२४	हलघर°	हलहर°	(क,ग,घ)
१७१२५	कइरसारे	कयरसारए (ख,ग); कतरसारए	(घ)
१७१२६	बालिदगोवे	बालेंदगोवे	(ग)
१७१२८	°बलाहए	°बलाहते	(घ)
१७१३२	अपक्काणं	अपक्काणं	(क,ख,घ)
१७१५०	आगारभावमाताए	आगारभावमायाए	(क,ग)
१८११	वेदे	वेए (क,ग); वेते	(ख,घ)
१८५६	वयजोगी	वयजोगी	(ख,घ,पु)
१८६४	सकसाई	सकसादी (क); सकसाती	(घ)
२०१२८	सवणताए	सवणयाते	(ख)
२११२५	सूई°	सूयी°	(क,घ)
२१४७	धणुपुहत्तं	धणुहुपुहत्तं	(ख)
२१६२	सगाई	सगाति (क,घ); सयाई	(ग)

२३।३	णियच्छति	निगच्छति (क, घ) निगच्छति	(क)
२३।१३	कडस्स	कतस्स (क, घ) ; कयस्स	(ख, ग)
२३।२२	णीयागोयस्स	णीतागोतस्स	(क, घ)
२३।१६१	खवए	खमए	(ख)
२८।४४	अफासाइज्ज ^०	अफासाइज्ज ^०	(क, घ)
३३।१	अपडिवाई	अपडिवादी	(क, घ)
३३।१७	सगाई	सताई (क, घ) सयाति	(ख)
३४।१	परियाइयणया	परियादिणया (ख) ; परियायणया	(क, ग)
३४।६	जाणंति	याणंति	(क, ख, ग, घ)
३४।१५	सपरियारा	सपरिचारा	(ख, ग)

जंबुद्वीपवणत्ती

१।८	विच्छिण्णा	विस्थिण्णा	(अ, ख)
१।१८	०णउय ^०	०णओत ^०	(अ, क, ब)
१।२३	धणुपट्ठं	धणुवट्ठं (अ) ; धणुपुट्ठं	(ख)
१।२६	०पडोयारे	०पडोगारे	(त्रि, ब)
१।२८	पासिं	पस्सिं	(अ, त्रि, ब)
१।४८	दुहा	दुधा	(ख, स)
२।४	हट्ठस्स	हिट्ठस्स	(क, ख)
२।४	उडू	उडू (त्रि) ; उऊ	(प)
२।१४	०पडोयारे	०पडोकारे	(ब)
२।१५	मेइणि	मेतिणि	(त्रि, ब)
२।२०	वेइया	वेइया	(अ, ब)
२।२०	इत्थ	यत्थ (अ, ब) ; एत्थ	(क, ख, स)
२।३२	कहग	कधक	(अ, ख, ब)
२।७०	०हास	हस्स	(अ, ख, ब)
२।७८	वाकरेमाण्णाणं	वागरमाण्णाणं	(प)
२।१३१	हाहाभूए	हाहाभूते	(अ, क, ख, ब, स)
२।१३३	वलीविगय	पलीविगय	(अ)
२।१३३	टोलाकिति	डोलाकिति (अ) ; डोलागिति	(क, ख)
		टोलागित्ति (त्रि, स) ; डोलागति	(प)
२।१३३	सीउण्ह	सीयउण्ह	(क, ख, त्रि, ब, स)
३।३	जूव	जूय	(क, ख, प, स)
३।११	पउसियाओ	वउसीयाओ	(क, ख, प, स)
३।११	बब्बरी	पप्परी	(अ, ब)
३।११	बह्लि	पह्लि	(अ, ब)

३।११	°कड्च्छुय°	°कडिच्छुय° (ख); °कडेच्छुय	(अ,ब,स)
३।२०	दुहृइ	द्रुहृइ	(अ,ब)
३।२०	बंभयारी	पम्हचारी	(अ,त्रि,ब)
३।२१	दुरूडे	रूडे (अ); द्रुडे	(ब)
३।२२	बोल	पोल	(अ,ब)
३।२३	°बालचंद	°बालयंद	(स)
३।२४	°तुंडं	°तोंडं	(क,प,स)
३।२६	अंतवाले	अंतपाले (अ,त्रि,ब); अंतेवाले	(क,ख)
३।३५	°पट्टसंगहिय	°वट्टसंगहिय	(अ,ब)
३।३५	°खिखिणी°	°किकिणी°	(क,ख,स)
३।३५	अयोज्झं	अजोज्झं (अ,ब); अओज्झं	(क,ख,प,स);
		अवोज्झं	(त्रि)
३।३५	सोयामणि	सोतामणि (क); सोदामणि	(ख,स)
३।३५	°प्पगासं°	°प्पकासं	(अ,क,ख,त्रि,ब,स)
३।३५	वीसुतं	विस्सुतं	(क,स)
३।७७	°चिघपट्टे	°चिघवट्टे	(ब)
३।११७	°मिरीई°	°मरीई°	(त्रि)
३।११७	उऊण	उदूण (अ,ख,ब); रिदूण	(क,स)
३।१३८	°हिदय°	°हियय° (अ,त्रि,प,ब); °हितय°	(क,स);
		°हदय°	(ख)
३।१७८	°निहिओ	°निहितो (अ,त्रि,ब); °निहओ	(ख,स)
३।१९४	अभिसेयपीढं	अभिसेयपेढं	(अ,ब)
३।२११	गंठिम	गंठिम	(त्रि,प)
३।२१४	तिसोवाण°	तिसोमाण°	(अ,ब)
३।२२०	कागणि°	काकिणि° (अ); कागिणि° (व); काकणि°	(स)
३।२२१	पुव्वकय°	पुव्वकड°	(क,स)
३।२२३	ईहापोह	ईहापूह (अ,क,ख,स); ईहाबूह	(पुव्व)
४।३६	बावट्ठि	बासट्ठि	(प)
४।५४	हस्सतराए	हस्सतराए	(प)
४।५५	दक्खिणेणं	दाहिणेणं	(त्रि)
४।७७	हरिवासं	हरिवस्सं	(अ,प,ब)
४।८५	संखतल°	संखदल°	(प,शावृ,पुव्वपा)
४।८६	बायाले	पायाले (अ,ब) बायालीसे	(त्रि)
४।८७	णिसहस्स	णिसअस्स	(अ,ब)
४।९१	सीतोदा	सीओता (अ,ब); सीओदा (त्रि); सीओआ	(प)
४।९३	विउत्तरे	पिउत्तरे	(ब)

४।६६	णिसढ°	णिसभ° (अ,ब); णिसह°	(क,ख,स)
४।१०२	हेमवय-हेरणवय	हेमवएरणवय	(क,ख,ब,स);
		हेमवय एरणवय	(त्रि)
४।१०३	णीलवतस्स	णलवतस्स	(अ,क,ख,ब,स)
४।१०६	सणिच्चारी	सणिच्चारी	(प)
४।१४०	उववायसभाए	ओतावसभाए	(क)
४।१४०	जमगाओ	जवगाओ (अ,ब); जमिगाओ	(ख)
४।१४२	दस	दह	(अ,क,ख,ब,स)
४।१५७	णियया	णितिया	(अ,क,ख,त्रि,ब,स)
४।१८०	परुप्परति	परोप्परति	(अ,त्रि,ब)
४।२१०	सयज्जल°	सयंजल°	(त्रि)
४।२३१	पलासो	वलास	(ब)
५।२५	घंटापडेंसुया°	घंटापडेंसुका° (अ,ब); घंटापडिंसुका°	(क,ख);
		घंटापडिंसुया° (त्रि); घंटापडंसुया°	(स)
५।५८	गायाइं	गताइं (क,ख); गताइं	(ब)
५।५८	जणु°	जाणु°	(त्रि)
७।३१	उड्ढीमुह°	उड्ढंमुह° (अ,ब); उढ्ढीमुह°	(क,ख,प)
७।१२२	भावियप्पा	भावियाया	(ख)
७।१२६	अभिजियाइया	अभिजिदाइया (अ,ब); अभिजादिया	(क,स);
		अभिजादीया	(ख)
७।१२८	सवणो	समणे	(अ,ब)
७।१२८	मियसर°	मगसिर°	(ब)
७।१२६	अभिई	अभिती (अ,ब,स); अभिवी	(क,ख)
७।१३०	वहस्सई	पहस्सती (अ,ब); वहप्फई	(त्रि)
७।१५५	कत्तिगी	कत्तिकी (अ); कित्तिकी (ख,ब); कित्तिगी	(स)
७।१५६	अस्सिणी	आसिणी	(ब)
७।१७८	णंगूलाणं	लांगूलाणं	(प)

सूरपण्णती

२।३	इहगतस्स	इदगतस्स	(ग,घ)
२।३	चउत्तरे	चउत्तरे	(ट)
४।३	पिहुला	पिधुला (क); पुहुलो	(ट)
६।१	पोग्गला	पुग्गला	(क,ग,घ)
६।१	ओयसंठिती	तोतसंठिती	(ट,ब)
६।१	ओयाए	ओताए	(ट)
६।१	रयणिखेत्तस्स	रतणिखेत्तस्स (क,ग,घ); रातिखेत्तस्स	(ट)

८।१	सदा	सता	(ग,घ,ट,व)
९।३	वयं....वदामो	वतं....वतामो	(व)
१०।२	सवणे	समणो	(ग,घ)
१०।५	सायं	सागं	(व)
१०।७	आसोई	अस्सोती	(व)
१०।१०	असोइणं	अस्सोदिणं	(ग,घ)
१०।७७	आदिच्चेहि	आतिच्चेहि	(व)
१०।७८	बम्ह°	बंभ°	(क,ग,घ)
१०।७९	सवणे	समणे	(ट,व)
१०।८७	बितिया°	बिदिया°	(क,घ)
१०।८९	दुविहा तिही	दुविधा तिधी	(क)
१०।१३६	पातो	पादो	(क,घ,व)
१०।१४७	उवाइणावेत्ता	उवादिणावेत्ता (क,ग,घ) ; उवातिणावेत्ता	(ट,व)
१०।१७३	सयावि	सतावि (क,ग,घ,व) ; सदावि	(ग)
१४।२	कहं	कधं	(क,ग,घ)
१५।३१	अहियं	अधियं (क,ग,घ) ; अहितं	(ट)
१८।३४	मेहुणवत्तियं	मेधुणवत्तियं	(क,ग,घ)
२०।१	अहे	अधो	(क)
२०।२	वइयरिए	वतिचरिए	(ट)

निरयावलियाओ

१।४२	अणया	अणदा (क) ; अणता	(ख)
१।६६	जणवदं	जणवयं	(ख)
१।७२	ऊसए	ऊसवे	(ख)
१।९१	पिइसोएणं	पित्तसोएणं	(ख)
१।९७	पट्ठे	प्पिट्ठे (क) ; पुट्ठे	(ग)
१।९७	अंदोलावेइ	अंदोडावेइ	(क)
१।११७	निच्छुहावेइ	निच्छुभावेइ	(क)
१।१२७	लेच्छइ	लेच्छती	(क)
३।११५	सुवयाओ	सुवदाओ	(क)
३।१३४	जुयलं	जुवलं (ख) ; जुमलं	(ग)
४।१९	इट्ठा	तिट्ठा	(क)
४।२१	°बाओसिया	°पाओसिया	(क,ग)
५।६	सव्वोउय	सव्वोदुय	(क,ग)
५।१०	आहेवच्चं	आधेवच्चं	(ख)

पणवणा प्रति-परिचय

(क) पणवणा मूलपाठ (हस्तलिखित)

यह प्रति पूनमचन्दजी बुधमलजी दूधोड़िया 'छापर' के संग्रहालय की है। इसकी पत्र संख्या ३०२ है। इसकी लम्बाई १०। इंच व चौड़ाई ४।। इंच है। लगभग प्रत्येक पत्र में ११ पंक्तियां व प्रत्येक पंक्ति में ३३ से ४१ अक्षर हैं। प्रति सुन्दरतम व शुद्ध है। यह प्रति लगभग १५ वीं शताब्दी की लिखी हुई है। प्रति के अन्त में केवल ग्रन्थाग्र ७७८७ लिखा हुआ है।

(ख) पणवणा टब्बा (हस्तलिखित)

यह प्रति जैन विश्व भारती हस्तलिखित ग्रंथालय, लाडनू की है। इसमें मूल पाठ तथा स्तबक लिखा हुआ है। इसकी पत्र संख्या ४६५ है। इसकी लम्बाई १।। इंच तथा चौड़ाई ४ इंच है। प्रत्येक पत्र में मूल पाठ की पंक्तियां ७ व प्रत्येक पंक्ति में ३५ से ३६ अक्षर हैं। प्रति अति सुन्दर लिखी हुई है। प्रति के अन्त में 'प्रत्यक्षरगणनया अनुष्ठपच्छंदः समानमिदं ग्रन्थाग्रं ७७८७ प्रमाणं' लिखा हुआ है। आगे स्तबककर के ६ श्लोक हैं। संवत् १७७८ वर्षे फाल्गुन मासे शुक्ल पक्षे प्रतिपदा तिथौ रविवारे पंडित ईश्वरेण लिपी चक्रे श्री वेन्नातट नगर मध्ये.....श्री रस्तु कत्याणमस्तुः शुभं भूयात्लेखक पाठकयोः।

(ग) पणवणा त्रिपाठी (हस्तलिखित) मूलपाठ सहित वृत्ति

यह प्रति हमारे संघीय हस्तलिखित ग्रंथ-भंडार 'लाडनू' की है। इसमें मध्य में मूल पाठ व ऊपर नीचे वृत्ति लिखी हुई है। इसकी पत्र संख्या ४४८ है। इसकी लम्बाई १।।। इंच तथा चौड़ाई ४।। इंच है। प्रत्येक पत्र में मूल पाठ की पंक्तियां १ से १६ तक है। कुछ पत्रों में केवल वृत्ति ही है। प्रत्येक पंक्ति में ३७ से ४५ तक अक्षर हैं। ग्रंथाग्र - मूल पाठ ७७८७ तथा वृत्ति का ग्रन्थाग्र १६०००। प्रति सुन्दर व शुद्ध है। लगभग १७ वीं शताब्दी की प्रति होनी चाहिए।

(घ) पणवणा मूलपाठ (हस्तलिखित)

यह प्रति श्रीचन्दजी गणेशदासजी गर्भैया संग्रहालय 'सरदारशहर' की है। इसकी पत्र संख्या १३८ है। इसकी लम्बाई १३।। इंच तथा चौड़ाई ५ इंच है। प्रत्येक पत्र में बीच में तथा हासिए के बाहर चित्र सा किया हुआ है। प्रत्येक पत्र में १५ पंक्तियां तथा प्रत्येक पंक्ति में ६० से ६५ के लगभग अक्षर हैं। प्रति सुन्दर तथा शुद्ध है। यह १६ वीं शताब्दी की लिखी हुई प्रतीत होती है। ग्रंथाग्र ७७८७ के सिवाय अन्त में कुछ लिखा हुआ नहीं है।

(गवृ) 'ग' संकेतित प्रति में लिखित वृत्ति के पाठान्तर

(वृ) हस्तलिखित वृत्ति

यह प्रति श्रीचन्द गणेशदास गर्भैया 'सरदारशहर' की है। इसकी पत्र संख्या १५६। लिपि संवत् १५७७। वैशाख शुक्ला १०।

(मवृ) मलयगिरि वृत्ति -- प्रकाशक आगमोदय समिति

(मवृपा) मलयगिरि द्वारा गृहीत पाठान्तर

(हवृ) श्री हरिभद्र सूरि सूत्रित प्रदेश व्याख्या संकलित

प्रकाशक श्री ऋषभदेव केशरीमलजी रतलाम पूर्व भाग पद ११।

जंबुद्वीवपण्णत्ती प्रति-परिचय

(अ) जंबुद्वीवपण्णत्ती मूलपाठ (हस्तलिखित)

यह प्रति जेसलमेर भंडार की ताडपत्रीय (फोटोप्रिंट) मदनचन्द जी गोठी सरदारशहर द्वारा प्राप्त है। इसके पत्र १६४ और पृष्ठ ३२८ हैं। प्रत्येक पत्र में २ से ६ तक पंक्तियां हैं। कहीं-कहीं पंक्तियां अधूरी लिखी हुई हैं। प्रत्येक पंक्ति में अक्षर ३० से ३५ तक हैं। अन्त में ग्रंथाग्र ४१४६ इतना ही लिखा हुआ है। इसके साथवाली प्रति के आधार पर यह प्रति १४ वीं शती की होनी चाहिए।

(ब) जंबुद्वीवपण्णत्ती मूलपाठ (हस्तलिखित)

यह प्रति जेसलमेर भंडार ताडपत्रीय (फोटोप्रिंट) मदनचन्दजी गोठी 'सरदारशहर' द्वारा प्राप्त है। इसके पत्र ६७ व पृष्ठ १६४ हैं। प्रत्येक पत्र में २ से ६ तक पंक्तियां हैं। प्रत्येक पंक्ति में ४७ से ५० तक अक्षर हैं। लिपि सं० १३७८ लिखा हुआ है।

(स) जंबुद्वीवपण्णत्ती मूलपाठ (हस्तलिखित)

यह प्रति जेसलमेर भंडार पत्राकार (फोटोप्रिंट) मदनचन्दजी गोठी 'सरदारशहर' द्वारा प्राप्त है। इसके पत्र ४६ व पृ. ६२ हैं। प्रत्येक पत्र में २० पंक्तियां हैं। प्रत्येक पंक्ति में ७० से ७४ तक अक्षर हैं। लिपि सं० १६४६ लिखा हुआ है। प्रति बहुत महीन लिखी हुई है।

(क) जंबुद्वीवपण्णत्ती मूलपाठ (हस्तलिखित)

पत्र संख्या ७३ श्रीचंद गणेशदास गर्धया संग्रहालय (सरदारशहर)

(ख) जंबुद्वीवपण्णत्ती मूलपाठ (हस्तलिखित)

यह प्रति जैन विश्व भारती हस्तलिखित ग्रंथालय 'लाडनू' की है। इसके पत्र १०१ व पृष्ठ २०२ हैं। प्रत्येक पत्र में १३ पंक्तियां व प्रत्येक पंक्ति में ५० से ५५ तक अक्षर हैं। प्रति प्राचीन व सुंदर लिखी हुई है। लिपि संवत् नहीं है।

(ग) जंबुद्वीवपण्णत्ती त्रिपाठी, मूलपाठ व वृत्ति (हस्तलिखित)

यह प्रति जैन विश्व भारती हस्तलिखित ग्रंथालय 'लाडनू' की है। इसके पत्र ३५८ व पृष्ठ ७१६ है। प्रति के मध्य में मूलपाठ व ऊपर नीचे टीका लिखी हुई है। लिपि संवत् १६१३ अंकित है। प्रति सुंदर लिखी हुई है। इसके ६६-७० दो पत्र प्राप्त नहीं हैं।

(होवृ) हीरविजयसूरि विरचित वृत्ति त्रिपाठी (हस्तलिखित)

(हीवृपा) हीरविजय सूरि द्वारा गृहीत पाठान्तर

यह प्रति शासन ग्रंथ भंडार 'लाडनू' की है। इसकी पत्र संख्या ५८२ है। बीच में मूलपाठ व ऊपर नीचे वृत्ति लिखी हुई है। लिपि संवत् १६१६।

(पुवृ) खरतरगच्छीय जिनहंसगणि शिष्य महोपाध्याय पुण्यसागर विरचित वृत्ति (हस्तलिखित)

(पुवृपा) पुण्यसागर द्वारा गृहीत पाठान्तर

यह प्रति श्रीचन्द गणेशदास गर्धया संग्रहालय 'सरदारशहर' की है। इसके पत्र २४३ व पृष्ठ

४८६ हैं। लिपि सं. १५७५। प्रति सुन्दर लिखी हुई है।

(शावृ) तपागच्छीय हीरविजयसूरि परशिष्य शान्त्याचार्य विरचित वृत्ति (हस्तलिखित)

यह प्रति श्रीचन्द मणेशदास गर्धैया संग्रहालय 'सरदारशहर' की है। लिपि सं. १५५१

(शावृपा) शान्त्याचार्य द्वारा गृहीत पाठान्तर

सूरपण्णत्ती प्रति-परिचय

(क) सूरपण्णत्ती मूल

यह प्रति लालभाई दलपतभाई भारतीय संस्कृति विद्यामंदिर 'अहमदाबाद' की है। इसकी कर्मांक डा. २-५७ है। इसकी लम्बाई-चौड़ाई १२।१। × ५ इंच है। इसकी पत्र संख्या ६२ है। प्रथम पत्र नहीं है। प्रत्येक पत्र में १३ पंक्ति व प्रत्येक पंक्ति में ४८ से ७० तक अक्षर हैं। प्रति सुन्दर व सुवाच्य है। प्रति के बीच में हरी व लाल स्याही से चित्र-चित्रण किया हुआ है। लिपि संवत् नहीं दिया है। परन्तु प्रति प्राचीन है लगभग १७ वीं शताब्दी की होनी चाहिए। प्रति के अन्त में प्रशस्ति के २५ श्लोक प्राकृत में लिखे हुए हैं।

(ग) सूरपण्णत्ती मूल नंबर ६० (हस्तलिखित)

यह प्रति भी पूर्व उल्लिखित 'अहमदाबाद' की है। इसकी पत्र संख्या ८७ व इसकी लम्बाई चौड़ाई १०।१ × ४। इंच है। प्रत्येक पत्र में ११ पंक्तियां हैं। प्रत्येक पंक्ति में अक्षर ३३ से ४१ तक हैं। प्रति की लिपि सुन्दर है पर अशुद्धि बहुल प्रति है। लिपि सं. १५७०।

(घ) सूरपण्णत्ती मूल नम्बर ६०७ (हस्तलिखित)

यह प्रति लालभाई दलपतभाई भारतीय संस्कृति विद्यामंदिर 'अहमदाबाद' की है। इसकी पत्र संख्या ६६ व इसकी लम्बाई चौड़ाई १० × ४ इंच है। प्रत्येक पत्र में १३ पंक्तियां हैं। प्रत्येक पंक्ति में अक्षर ३४ से ४२ तक हैं। प्रति की लिपि सुंदर पर अशुद्धि बहुल है। लिपि सं. १६७३ है।

उपर्युक्त तीनों प्रतियों के बीच में बावड़ी है।

(सूवृ) सूरपण्णत्ती टोका नं. ४८

यह प्रति लालभाई दलपतभाई भारतीय संस्कृति विद्यामंदिर, 'अहमदाबाद' की है। इसकी लम्बाई चौड़ाई १२।१ × ५ इंच है। पत्र संख्या २२४ है। प्रत्येक पत्र में १३ पंक्तियां व प्रत्येक पंक्ति में ४४-६० अक्षर हैं। प्रति सुन्दर व स्पष्ट लिखी हुई है। लिपि संवत् १५७४ है।

चन्द्रप्रज्ञप्ति प्रति-परिचय

(क) चंद्रपण्णत्ती मूल नं. ६०० (हस्तलिखित)

यह प्रति भी लालभाई दलपतभाई भारतीय संस्कृति विद्यामंदिर 'अहमदाबाद' की है। इसकी पत्र संख्या ६८ व इसकी लम्बाई चौड़ाई १०।१ × ४। इंच है। प्रत्येक पत्र में ११ पंक्तियां व प्रत्येक पंक्ति में ३२ से ४१ तक अक्षर हैं। यह प्रति भी सुन्दर है पर अशुद्धि बहुल है। इसमें पत्र के बीच में बावड़ी है। लिपि संवत् १५७० है।

(चंवू) चंदपण्णत्ती टीका (हस्तलिखित)

यह प्रति हमारे संघीय हस्तलिखित भण्डार 'लाडनू' की है इसकी पत्र संख्या १७६ है। इसकी लम्बाई-चौड़ाई १० × ४ ॥ इंच की है। प्रत्येक पत्र में पंक्ति ६ व प्रत्येक पंक्ति में अक्षर ५० करीब है। प्रति सुन्दर है। लिपि संवत् १७६२।

(ट) चंदपण्णत्ती टब्बा (हस्तलिखित)

जैन विश्व भारती लाडनू हस्तलिखित ग्रन्थालय। पत्र ५७।

निरयावलियाओ प्रति-परिचय

(क) निरयावलियाओ मूलपाठ (हस्तलिखित)

यह प्रति जेसलमेर मंदार की ताडपत्रीय (फोटोग्रिंट) मदनचन्दजी गोठी 'सरदारशहर' द्वारा प्राप्त है। इसके पत्र २५ व पृष्ठ ५० हैं। फोटो ग्रिंट के पत्र ६ है। एक पत्र में ६ पृष्ठों के फोटो है। किसी में न्यूनाधिक भी है। प्रत्येक पत्र १२ इंच लम्बा व ३ इंच चौड़ा है। प्रत्येक पृष्ठ में पाठ की पांच पंक्तियां हैं, किसी पत्र में दो-दो तीन-तीन पंक्तियां भी हैं। कहीं-कहीं पंक्तियां अधूरी भी हैं। प्रत्येक पंक्ति में करीब ४५ से ५० तक अक्षर है। प्रति के अंत में प्रशस्ति नहीं है।

(ख) निरयावलियाओ मूलपाठ (हस्तलिखित)

यह प्रति श्रीचन्द गणेशदास गर्धैया पुस्तकालय 'सरदारशहर' की है। इसके पत्र १६ तथा पृष्ठ ३८ हैं। प्रति १३ १/२ इंच लम्बी व ५ इंच चौड़ी है। प्रत्येक पत्र में १५ पंक्तियां तथा प्रत्येक पंक्ति में करीब ७१ से ७५ तक अक्षर हैं। प्रति काली स्याही से लिखी हुई है। प्रति के मध्य भाग में बावड़ी व उसके बीच में लाल स्याही का टीका लगा हुआ है। लेखन संवत् नहीं है। परन्तु उसके साथ की प्रति के आधार पर अनुमानित १६ वीं शताब्दी की है। प्रति सुंदर, स्पष्ट तथा शुद्ध लिखी हुई है।

(ग) निरयावलियाओ टब्बा (हस्तलिखित)

यह प्रति जैन विश्व भारती हस्तलिखित ग्रन्थालय, लाडनू की है। इसके पत्र ६३ तथा पृष्ठ १२६ है। प्रत्येक पत्र में पाठ की ७ पंक्तियां तथा प्रत्येक पंक्ति में अक्षर करीब ३५ से ४५ तक हैं। यह प्रति १० १/२ इंच लम्बी तथा ४ १/२ इंच चौड़ी है। लिपि सं० १८३३।

(घ) निरयावलियाओ वृत्ति (हस्तलिखित)

यह प्रति श्रीचन्द गणेशदास गर्धैया पुस्तकालय 'सरदारशहर' की है। इसके पत्र ८ हैं। यह १३ १/२ इंच लंबी ५ इंच चौड़ी है। लिपि संवत् १५७५ है।

(मुवू) मुद्रित वृत्ति

ए. एस. गोपाणी एण्ड बी. जे. चोक्सी। प्रकाशित—शंभूभाईजगसीशाह, गुर्जर ग्रन्थरत्न कार्यालय, गांधी रोड अहमदाबाद प्रकाशन १९३४।

सहयोगानुभूति

जैन परम्परा में वाचना का इतिहास बहुत प्राचीन है। आज से १५०० वर्ष पूर्व तक आगम

की चार वाचनाएं हो चुकी हैं। देवद्विगण के बाद कोई सुनियोजित आगम-वाचना नहीं हुई। अनेक वाचना-काल में जो आगम लिखे गए थे, वे इस लम्बी अवधि में बहुत ही अव्यवस्थित हो गए हैं। उनकी पुनर्व्यवस्था के लिए आज फिर एक सुनियोजित वाचना की अपेक्षा थी। आचार्य श्री तुलसी ने सुनियोजित सामूहिक वाचना के लिए प्रयत्न भी किया था। परंतु वह पूर्ण नहीं हो सका। अन्ततः हम उसी निष्कर्ष पर पहुंचे कि हमारी वाचना अनुसंधानपूर्ण, श्लेषणापूर्ण, तटस्थदृष्टि-समन्वित तथा सपरिश्रम होगी तो वह अपने आप सामूहिक हो जाएगी। इसी निर्णय के आधार पर हमारा यह आगम-वाचना का कार्य आरंभ हुआ।

हमारी इस वाचना के प्रमुख आचार्य श्री तुलसी हैं। वाचना का अर्थ अध्यापन है। हमारी इस प्रवृत्ति में अध्यापन कर्म के अनेक अंग हैं - पाठ का अनुसंधान, भाषान्तर, समीक्षात्मक अध्ययन, तुलनात्मक अध्ययन आदि-आदि। इन सभी प्रवृत्तियों में हमें आचार्य श्री का सक्रिय योग, मार्ग-दर्शन और प्रोत्साहन प्राप्त है। यही हमारा गुरुतर कार्य में प्रवृत्त होने का शक्ति-बीज है।

मैं आचार्यश्री के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन कर भार मुक्त होऊँ, उसकी अपेक्षा अच्छा है कि अग्रिम कार्य के लिए उनके आशीर्वाद का शक्ति-संबल पा और अधिक भारी बनूँ।

प्रस्तुत पुस्तक के अन्तर्गत नौ उपांगों के पाठ-शोधन में मुनि सुदर्शनजी, मुनि हीरालालजी, का पर्याप्त योग रहा है।

पणवणा में मुनि बालचंदजी, निरयावलियाओ में मुनि मधुकरजी का भी योग रहा है। प्रतिलिपि शोधन में स्व. मन्नालालजी बोरड़ भी इसमें सहयोगी रहे हैं।

पणवणा की शब्दसूची मुनि श्रीचंद जी, जंबुद्वीवपण्णत्ती, सूरपण्णत्ती, चंदपण्णत्ती की मुनि सुदर्शन जी तथा निरयावलियाओ की मुनि हीरालालजी ने तैयार की है। इस ग्रन्थ के प्रथम परिशिष्ट व इसका ग्रन्थ परिमाण मुनि हीरालालजी ने तैयार किया है। पणवणा व जंबुद्वीवपण्णत्ती की शब्दसूची में क्रमशः साध्वी जिनप्रभाजी व साध्वी चन्दनबालाजी का भी योग रहा है।

प्रूफ निरीक्षण में मुनि सुदर्शनजी, मुनि हीरालालजी, मुनि दुलहराजजी तथा समणी कुसुम-प्रज्ञा संलग्न रही है। कहीं मुनि विमलकुमारजी, मुनि सम्पतमलजी भी सहयोगी रहे हैं। पाठ के पुन-निरीक्षण के समय मुनि हीरालालजी विशेषतः संलग्न रहे हैं।

आगम बत्तीसी के पाठ-सम्पादन कार्य में तामोरलेख के अतिरिक्त जिनका यत्किञ्चित् योग रहा है, उन सबके प्रति हम कृतज्ञता का भाव व्यक्त करते हैं। सम्पादन कार्य में संधीयभंडार के अतिरिक्त एल० डी० इन्स्टीट्यूट अहमदाबाद, श्रीचंद गणेशदास गधैया पुस्तक भंडार सरदाशहर, तेरापंधी सभा सरदारशहर, पूनमचंद बुद्धमल दूधोडिया छापर, घेवर पुस्तकालय सुजानगढ़, जैन विश्व भारती ग्रंथालय लाडनूँ, जेसलमेर भंडार, इन सब संस्थानों से प्राप्त हस्तलिखित आदर्शों का हमने प्रयोग किया। मुनिश्री पुण्यविजयजी ने 'नन्दी' की संज्ञा के प्रति भी हमें उपलब्ध कराई थी। इन सबका योग हमारे कार्य में मूल्यवान् बना।

आचार्य श्री के वाचना-प्रमुखत्व में आगम-वाचना का जो कार्य आरंभ हुआ था उसका एक पर्व संशोधित पाठयुक्त आगम बत्तीसी के साथ सम्पन्न हो रहा है। बत्तीस आगमों का संशोधित पाठ पहली बार विद्वान् पाठकों के लिए सुलभ हो रहा है। यह हमारे लिए उल्लास का विषय है।

वि. सं. २०१२ उज्जैन में आगम-सम्पादन का कार्य प्रारंभ हुआ। उसी वर्ष प्रायः बत्तीस आगमों की शब्द सूचियां तैयार हो गईं। इस कार्य में अनेक साधु और साध्वियां संलग्न हुए। चार-चार या तीन-तीन साधु-साध्वियों के वर्ग बने और उन्होंने इस कार्य को शीघ्रता से सम्पन्न किया। मुनि चौथमलजी, सोहनलालजी (चूरू) जैसे प्रौढ़ सन्त इस कार्य में लगे, वहाँ उनके सहयोगी के रूप में छोटे-छोटे साधु भी जुट गए। एक अभियान जैसा कार्य चला और सब में एक नयी भावना जागृत हो गई। पहले पाठ-शोधन नहीं हुआ था इसलिए उनका पूरा उपयोग नहीं हो सका। शब्द-सूचियां फिर से बनानी पड़ी, किन्तु जो काम हुआ वह अत्यंत श्लाघनीय है। इस सम्पादन की एक उल्लेखनीय बात यह है कि यह सारा कार्य साधु-साध्वियों के द्वारा ही सम्पादित हुआ, किसी गृहस्थ विद्वान् का इसमें योग नहीं रहा। आचार्यश्री का नेतृत्व और तैरापंथ धर्मसंघ का संगठन ही इसके लिए श्रेयोभागी बनता है।

आगमविद् और संपादन के कार्य में सहयोगी स्व. श्री मदनचंदजी गोठी को इस अवसर पर विस्मृत नहीं किया जा सकता। यदि वे आज होते तो इस कार्य पर उन्हें परम हर्ष होता।

आगम के प्रबन्ध सम्पादक श्री श्रीचन्दजी रामपुरिया (कुलपति, जैन विश्व भारती) प्रारंभ से ही आगम कार्य में संलग्न रहे हैं। आगम साहित्य को जन-जन तक पहुंचाने के लिए वे कृत-संकल्प और प्रयत्नशील हैं। अपने सुव्यवस्थित वकालात कार्य से पूर्ण निवृत्त होकर वे अपना अधिकांश समय आगम-सेवा में लगा रहे हैं। जैन विश्व भारती के अध्यक्ष खेमचंदजी सेठिया और मंत्री श्रीचंद बेंगानी का भी इस कार्य में योग रहा है। संपादकीय और भूमिका का अंग्रेजी अनुवाद डा. नथमल टांटिया ने तैयार किया है।

एक लक्ष्य के लिए समान गति से चलने वालों की सम प्रवृत्ति में योगदान की परम्परा का उल्लेख व्यवहारपूर्ति मात्र है। वास्तव में यह हम सबका पवित्र कर्तव्य है और उसी का हम सबने पालन किया है।

अणुव्रत भवन (दिल्ली)

२२ अक्टूबर, १९८७

युवाचार्य महाप्रज्ञ

भूमिका

पण्णवणा

नाम-बोध

प्रस्तुत ग्रन्थ में नौ उपांग हैं। उसमें पहला है पण्णवणा (प्रज्ञापना)।

इसमें जीव और अजीव इन दो तत्त्वों का विस्तार से प्रज्ञापन किया गया है।^१ इसके प्रथम पद का नाम प्रज्ञापना है। संभवतः इस आदि पद के कारण ही इसका नाम प्रज्ञापना रखा गया है। प्रज्ञापना का एक कार्य प्रश्नोत्तर के माध्यम से तत्त्व का प्रतिपादन करना है। प्रस्तुत आगम में प्रश्नोत्तर के द्वारा तत्त्व का प्रतिपादन किया गया है। इसलिए भी इसका नाम प्रज्ञापना हो सकता है। प्रारंभिक गाथाओं में इस आगम को “अध्ययन” भी कहा गया है। इससे प्रतीत होता है कि इसका एक नाम “अध्ययन” रहा है। इसका संबंध दृष्टिवाद (बारहवें अंग) से है इसलिए इसे दृष्टिवाद का निःस्पन्द या सार कहा गया है।^२

विषयवस्तु

प्रस्तुत आगम के ३६ पद हैं। उनमें जीव और अजीव के विभिन्न पर्यायों का प्रतिपादन किया गया है। यह तत्त्व-विद्या का अर्णव-ग्रन्थ है। इसके अध्ययन से भारतीय तत्त्व-विद्या के गहन स्वरूप को समझा जा सकता है। प्रथम पद में वनस्पति जीवों के दो वर्गीकरण उपलब्ध हैं: — प्रत्येकशरीरी और साधारणशरीरी।^३ साधारणशरीरी का चित्र समाजवाद का ऐसा अनूठा चित्र है जिसकी मनुष्य-समाज में कल्पना नहीं की जा सकती। इसमें आर्य और म्लेच्छ का विशद वर्णन है।

प्रस्तुत आगम तत्त्व-ज्ञान का आकर-ग्रन्थ है। भगवती अंगप्रविष्ट आगम है और यह उपांग कौटिक का आगम है। ये दोनों तत्त्व-ज्ञान की दृष्टि से परस्पर जुड़े हुए हैं। देवधिगणी ने भगवती में प्रज्ञापना के अधिकांश भाग का समावेश किया है। वहाँ बार-बार “जहा पण्णवणा” का उल्लेख है। प्रस्तुत आगम के प्रत्येक पद में गूढ़ तत्त्वों की एक व्यूह-रचना सी उपलब्ध है। इसमें लेख्या और कर्म के विषय में अनेक महत्त्वपूर्ण सूत्र मिलते हैं।

नन्दीसूत्र में आगमों के दो वर्गीकरण किए गए हैं—अंगप्रविष्ट और अंगबाह्य। अंगबाह्य के दो प्रकार हैं—आवश्यक और आवश्यकव्यतिरिक्त। आवश्यकव्यतिरिक्त के फिर दो प्रकार बतलाए गए हैं—कालिक और उत्कालिक। प्रस्तुत आगम अंगबाह्य, आवश्यकव्यतिरिक्त और उत्कालिक है।^४ नन्दी में अंग और अंगबाह्य के संबंध की कोई चर्चा नहीं है। आगम-व्यवस्था के उत्तरकाल में अंग और

१. पण्णवणा, गा० २

२. वही, „ ३

३. वही, १।३२

४. नन्दी, ७३-७७

अंगब्राह्म की संबन्ध-योजना निर्धारित की गई। उसके अनुसार प्रज्ञापना समवायांग का उपांग है। यह सम्बन्ध-योजना किस आधार पर की गई, यह अन्वेपण का विषय है। यदि प्रज्ञापना को “भगवती” का उपांग माना जाता तो अधिक बुद्धिगम्य होता।

रचनाकार और रचनाकाल

प्रस्तुत आगम “दृष्टिवाद” का निःस्थन्द है, इस उक्ति से यह अनुमान किया जा सकता है कि इसका विषय “दृष्टिवाद” से संगृहीत किया गया है। इसके रचनाकार आर्यश्याम हैं।^१ वे मुधर्मा-स्वामी के तेवीसवें पट्टधर थे। वे वाचकवंश की परंपरा के शक्तिशाली वाचक थे। उनका अस्तित्व-काल वीर-निर्वाण की चौथी शताब्दी है।

प्रस्तुत आगम का रचनाकाल वीर-निर्वाण के ३३५ से ३७५ के बीच का संभव है। नंदी में महाप्रज्ञापना का उल्लेख किया गया है। वह अभी अनुपलब्ध है। महाप्रज्ञापना और प्रज्ञापना दोनों स्वतंत्र हैं। प्रज्ञापना महाप्रज्ञापना का अवतरण है अथवा इसमें कोई नया विषय है, यह निश्चयपूर्वक नहीं कहा जा सकता। बारह उपांगों में प्रज्ञापना का एक विशिष्ट स्थान है। इससे प्रतीत होता है कि इसका रचनाकाल वह है जब पूर्वों की विस्मृति हो रही थी और उसके अवशिष्ट अंशों की स्मृति शेष थी। वैसे ही समय में “षट्खण्डागम” की रचना हुई थी। शेष उपांग प्रज्ञापना की रचना के उत्तरकाल में लिखे गए थे। उनकी विषयवस्तु के आधार पर यह संभावना की जा सकती है। उमास्वाति का अस्तित्व-काल वीर निर्वाण की पांचवी शताब्दी है। उन्होंने तत्त्वार्थसूत्र में “आर्या म्लेच्छाश्च” सूत्र लिया है।^२ उसका आधार प्रज्ञापना का पहला पद हो सकता है। वहां जो आर्य और म्लेच्छ की स्पष्ट अवधारणा एवं परिभाषा है वह अन्यत्र उपलब्ध नहीं है। इस आधार पर इसका रचनाकाल उमास्वाति से पूर्ववर्ती है।

व्याख्या-ग्रंथ

प्रस्तुत आगम के व्याख्या-ग्रंथ अनेक हैं। सबसे पहला ग्रन्थ हरिभद्रसूरि का है। व्याख्या-ग्रन्थ की तालिका इस प्रकार है:—

व्याख्या-ग्रंथ	ग्रन्थाग्र	ग्रन्थकर्ता	समय (वि० सं०)
१. प्रदेशव्याख्या	३७२८	हरिभद्रसूरि	८ वीं शताब्दी
२. तृतीय पद संग्रहणी	१३३	अभयदेवसूरि	१२ वीं शताब्दी का पूर्वार्ध
३. विवृति	१४५००	मलयगिरि	१३ वीं शताब्दी
४. अभयदेवसूरि कृत तृतीयपद संग्रहणी अवचूर्णि		कुलमण्डनगणी	१८ वीं शताब्दी
५. वृत्ति	—	अज्ञात	—

१. प्रज्ञापना, वृ० प० ४७ — १. आर्यश्यामो यदेव ग्रन्थान्तरेषु आसालिगा धृतिपादकं गौतमप्रश्न भगवन्निर्वचनरूपं सूत्रमस्ति तदेवागम बहुमानतः पठति।

प्रज्ञापना, वृ० प० ७२ — भगवान् आर्यश्यामोऽपि इत्यमेव सूत्रं रचयति।”

२. तत्त्वार्थ सूत्र ३।३६

६. वनस्पति सप्ततिका अथवा वनस्पति विचार	७१	मुनिचन्द्र	१२ वीं शताब्दी
७. अवचूरी	—	पद्मसूरि	—
८. बालावबोध	—	धनविमल	अनुमानित १७ वीं शताब्दी
९. बालावबोध	—	जीवविजय	१७८४
१०. स्तवक	—	परमानन्द	१८७६
११. पण्यवणानी जोड़	५५०	जयाचार्य	१८७८

इनके अतिरिक्त प्रज्ञापना से संबद्ध कुछ लघुकाय ग्रन्थों का विवरण मिलता है। मुनि पुण्यविजयजी ने हर्षकुलगणी द्वारा विरचित “बीजक” का उल्लेख किया है।^१ मुनिपुण्यविजयजी द्वारा लिखित प्रज्ञापना की प्रस्तावना तथा “जिनरत्नकोश” में “पर्याय” का भी उल्लेख मिलता है। “जिनरत्नकोश” में ‘प्रज्ञापना सूत्र सारोद्धार’ का भी उल्लेख मिलता है।

आचार्य मलयगिरि ने अपनी विवृति में चूर्णि और ‘वृद्धव्याख्या’ का उल्लेख किया है।^२ चूर्णि अभी अनुपलब्ध है। उपलब्ध व्याख्याओं में सबसे बड़ी व्याख्या आचार्य मलयगिरि की है। मौलिक और आधारभूत व्याख्या आचार्य हरिभद्रसूरि की है।

जंबुद्वीपपण्णत्ती

नाम-बोध

प्रस्तुत आगम का नाम जंबुद्वीपपण्णत्ती (जम्बूद्वीपप्रज्ञप्ति) है। प्रज्ञप्ति का अर्थ है व्याकरण, उत्तर या निरूपण। इसमें जम्बूद्वीप का व्याकरण है इसलिए इसका नाम जंबूद्वीपप्रज्ञप्ति है। स्थानांग में चार अंगबाह्य प्रज्ञप्तियों का उल्लेख है, १. चन्द्रप्रज्ञप्ति, २. सूरप्रज्ञप्ति, ३. जम्बूद्वीपप्रज्ञप्ति ४. द्वीपसागरप्रज्ञप्ति।^३ ‘कसायपाहुड’ में प्रज्ञप्तियों को ‘दृष्टिवाद’ के प्रथम भेद ‘परिकर्म’ के पांच अर्थधिकार माना गया है—१. चन्द्रप्रज्ञप्ति, २. सूरप्रज्ञप्ति, ३. जम्बूद्वीपप्रज्ञप्ति, ४. द्वीपसागरप्रज्ञप्ति ५. व्याख्याप्रज्ञप्ति।^४ नंदी में जम्बूद्वीपप्रज्ञप्ति को कालिक आगम के वर्गीकरण में रखा गया है।^५

१. पण्यवणा सुत्तं, भाग २, प्रस्तावना पृ० १५८

२. वृत्ति प० २६६ —आह च चूर्णिकृत् ।

वृ० प० २७१ —आह च चूर्णिकृतोऽपि ।

वृ० प० २७२ — यत आह चूर्णिकृत् ।

वृ० प० २७७ — आह च चूर्णिकृत् ।

वृ० प० ५१७ — ‘प्रज्ञापनायाश्चूर्णौ ।

वृ० प० ६०० — तत्रैवं वृद्धव्याख्या ।

३. ठाणं, ४।१८६

४. कसायपाहुड, प्रथम अधिकार — पेज्जदोसविहत्ती, पृ० १३७ —

“परियम्मे पंच अत्थाहियारा—चंदपण्णत्ती सूरपण्णत्ती जंबुद्वीपपण्णत्ती दीवसायरपण्णत्ती वियाहपण्णत्ती चेदि ।”

५. मन्वी, ७८

विषय-वस्तु

इसका मुख्य प्रतिपाद्य जम्बूद्वीप है। पारिपार्श्विक विषयों की सूची बहुत लंबी है। भगवान् ऋषभ, कुलकर, भरत चक्रवर्ती, कालचक्र, सौरमण्डल आदि अनेक विषय इसमें प्रतिपादित हैं। इनमें भरत चक्रवर्ती का वर्णन अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है। चक्रवर्ती के चौदह रत्नों और नौ निधियों का वर्णन बहुत ही सजीव है।

कालचक्र के वर्णन में वर्तमान अवसर्पिणी के छठे अर का जो वर्णन है वह बहुत रोमाञ्चक है। प्रलय की जितनी भविष्य वाणियां उपलब्ध हैं, उनमें यह सर्वाधिक ध्यानाकर्षण करने वाली है। इसे पढ़ते-पढ़ते अणुयुद्ध की विभीषिका सामने आ जाती है।^१

भगवान् ऋषभ और भगवान् महावीर में बहुत एकरूपता रही है। भगवान् ऋषभ को आदि-काश्यप और भगवान् महावीर को अन्त्यकाश्यप कहा जाता है।^२ भगवान् ऋषभ और भगवान् महावीर दोनों ने पंच महाव्रत धर्म का प्रतिपादन किया था। भगवान् महावीर की भांति भगवान् ऋषभ भी एक वर्ष से कुछ अधिक समय तब सवस्त्र रहे, फिर अचेत हो गए।^३

भरत चक्रवर्ती काच के महल में बँडे थे। वे काच में अपना प्रतिबिम्ब देख रहे थे। देखते-देखते उन्हें कैवल्य प्राप्त हो गया।^४ उत्तरवर्ती ग्रन्थों में इस कथा का विकास हुआ है। अंगुली की अंगूठी गिर जाने पर सौन्दर्य की कमी का अनुभव हुआ और उस चितन की गहराई में गए, अन्ततः केवली हो गए।^५

योगिक व्यवस्था की समाप्ति, समाज और राज्य-व्यवस्था के प्रारंभ का सुन्दर चित्र प्रस्तुत आगम में उपलब्ध है। भगवान् ऋषभ के सर्वतोमुखी व्यक्तित्व को समझने के लिए यह बहुत महत्त्वपूर्ण है। इसका “श्रीमद्भागवत” में वर्णित ऋषभ के साथ तुलनात्मक अध्ययन करना बहुत महत्त्वपूर्ण है।

प्रस्तुत आगम सात अध्यायों में विभक्त है। इन अध्यायों को “वक्खारो” या “वक्षस्कार” कहा गया है। उनके विषय इस प्रकार हैं—

१. जम्बूद्वीप
२. कालचक्र और ऋषभ-चरित
३. भरत-चरित

१. जंबुद्वीपवर्णनत्ती, २।१३०-१३७

२. धनञ्जय नाममाला, ११४, पृ० ५७

वर्षायान् वृषभो ज्ञायान् पुनराद्यः प्रजापतिः ।

ऐक्ष्वाकुः काश्यपो ब्रह्मा गौतमो नाभिजोऽग्रजः ॥

धनञ्जय नाम माला, ११४, पृ० ५८

सन्मतिर्महतीर्वीरो महावीरोऽन्त्यकाश्यपः ।

नाथान्वयो वर्धमानो यत्तीर्थमिह साम्प्रतम् ॥

३. जंबुद्वीपवर्णनत्ती, २।६६

४. वही, ३।२।२, २२२

५. आवश्यक चूर्णि, पृ० २२७

४. जम्बूद्वीप का विस्तृत वर्णन
५. तीर्थंकर का जन्माभिषेक
६. जम्बूद्वीप की भौगोलिक स्थिति
७. ज्योतिश्चक्र

रचनाकार और रचनाकाल

प्रस्तुत आगम उपांग के वर्गीकरण का ग्रन्थ है। इससे यह स्पष्ट है कि इसकी रचना भगवान् महावीर के निर्वाणोत्तर काल में हुई है। इसके रचनाकार कोई स्थविर थे। उनका नाम अज्ञात है। रचना का काल भी ज्ञात नहीं है। जीवाजीवाभिगम स्थविरों द्वारा कृत है। उसमें कल्पवृक्षों का विस्तृत वर्णन है। इसमें उनका संक्षिप्त रूप उपलब्ध है। विस्तार की सूचना 'जाव' पद के द्वारा दी गई है।

इससे प्रतीत होता है कि यह जीवाजीवाभिगम के उत्तरकाल की रचना है। संभवतः श्वेताम्बर और दिगम्बर का स्पष्ट भेद होने के पूर्वकाल की रचना है। जंबूद्वीप के विषय में दोनों परंपराओं में प्रायः ऐकमत्य है। इस आधार पर इसका रचनाकाल वीर निर्वाण की चौथी-पांचवीं शताब्दी के आस-पास अनुमित किया जा सकता है।

व्याख्या-ग्रन्थ

प्रस्तुत आगम पर नौ व्याख्याएं उपलब्ध हैं। उनमें केवल शान्तिचन्द्रीयवृत्ति मुद्रित है, शेष अप्रकाशित हैं। शान्तिचन्द्र ने यह उल्लेख किया है कि मलयगिरि की टीका काल-दोष से विच्छिन्न हो गई है।^१ किन्तु आधुनिक विद्वानों ने उसे खोज निकाला है। वह जैतलमेर के भण्डार में उपलब्ध है।^२ शान्तिचन्द्रीय और पुण्यसागरीय वृत्ति में चूर्णि का भी उल्लेख है।^३

इन व्याख्या-ग्रन्थों की तालिका इस प्रकार है—

ग्रन्थ	ग्रन्थाग्र	कर्ता	रचनाकाल
१. चूर्णि	—	अज्ञातकर्तृक	—
२. टीका (प्राकृतभाषा)	—	हरिभद्रसूरि	—
३. टीका	—	मलयगिरि	—
४. वृत्ति	१४२५२	हीरविजयसूरि	वि० सं० १६३६
५. वृत्ति	१३२७५	पुण्यसागर	" १६४५
६. टीका (प्रमेयरत्नमञ्जूषा)	१८०००	शान्तिचन्द्र	" १६६०

१. शान्तिचन्द्रीय वृत्ति पत्र २ — तत्र प्रस्तुतोपाङ्गस्य वृत्तिः श्रीमलयगिरिकृताऽपि संप्रति काल-दोषेण व्यवच्छिन्ना ।

२. द्रष्टव्य, जैन रत्नकोश, पृ० १३०

३. शान्तिचन्द्रीय वृत्ति, पत्र १६, परिध्यानयनोपायस्त्वयं चूर्णिकारोक्तः ।

वृ० प० ५३, २५२, २७८ ।

पुण्यसागरीयवृत्ति, पत्र १२२—“एतच्चूर्णो च ।”

७. टीका	१५०००	ब्रह्ममुनि	—
८. वृत्ति	१८३५२	धर्मसागर और वानरऋषि	" १६३६
९. वृत्ति	—	अज्ञातकर्तृक	—

गुजराती भाषा में धर्मसीमुनि ने इस पर स्तवक (टब्बा या बालावबोध) भी लिखा है। इन व्याख्या-ग्रन्थों की अधिकता से प्रतीत होता है कि प्रस्तुत आगम बहुत पठनीय रहा है।

चन्द्रपण्णत्ती और सूरपण्णत्ती

नाम बोध

स्थानांग में चार अंगबाह्य प्रज्ञप्तियां बतलाई गई हैं। उनमें प्रथम प्रज्ञप्ति का नाम चन्द्रप्रज्ञप्ति और दूसरी का सूरप्रज्ञप्ति है।^१ कषायपाहुड में भी इसी क्रम से नामोल्लेख मिलता है।^२ प्रथम प्रज्ञप्ति में चन्द्र की वक्तव्यता है, इसलिए उसका नाम चन्द्रप्रज्ञप्ति है और द्वितीय प्रज्ञप्ति में सूर्य की वक्तव्यता है, इसलिए उसका नाम सूरप्रज्ञप्ति है।

विषय-वस्तु

आगम की प्राचीन सूचियों से पता चलता है कि चन्द्रप्रज्ञप्ति और सूरप्रज्ञप्ति दो आगम हैं। 'नन्दी' की आगम सूची में चन्द्रप्रज्ञप्ति को कालिक और सूरप्रज्ञप्ति को उत्कालिक बतलाया गया है।^३ इस भेद का हेतु क्या है, यह अभी अन्वेषणीय है। चन्द्रप्रज्ञप्ति वर्तमान में प्रायः उपलब्ध नहीं है। उसका थोड़ा-सा प्रारंभिक भाग मिलता है। यद्यपि कुछ हस्तलिखित आदर्श 'चन्द्रप्रज्ञप्ति' के नाम से उपलब्ध होते हैं और कुछ आदर्श सूर्यप्रज्ञप्ति के नाम से मिलते हैं, किन्तु प्रारंभिक सूत्र को छोड़कर इनका पाठ एक जैसा है। आचार्य मलयगिरि ने इन दोनों की व्याख्याएं लिखी हैं, उनमें भी प्रायः समानता है। वर्तमान धारणा के अनुसार चन्द्रप्रज्ञप्ति आज उपलब्ध नहीं है। जो उपलब्ध है, वह सूरप्रज्ञप्ति है। डा० वाल्टर शुब्रिग ने एक प्रकल्पना प्रस्तुत की है—सूरप्रज्ञप्ति के १० वें पाहुड से आगे सूर्य की अपेक्षा चन्द्र और ताराओं को अधिक महत्त्व दिया गया है अतः हम यह अनुमान करते हैं कि दसवें 'पाहुड' से चन्द्रप्रज्ञप्ति का प्रारम्भ हुआ है।^४ किन्तु चन्द्रप्रज्ञप्ति की समग्र विषयवस्तु की जानकारी के अभाव में शुब्रिग के निष्कर्ष को सहसा निर्णायक नहीं माना जा सकता। फिर भी उसमें विचार के लिए अवकाश है।

व्याख्या-ग्रंथ

चन्द्रप्रज्ञप्ति और सूरप्रज्ञप्ति दोनों पर मलयगिरि-कृत टीकाएं उपलब्ध हैं। दोनों टीकाएं प्रायः समान हैं। उनमें जो अन्तर है, वह परिशिष्ट में दिया हुआ है। 'जिनरत्नकोश' के अनुसार चन्द्रप्रज्ञप्ति की टीका का ग्रन्थाग्र ६५०० तथा सूरप्रज्ञप्ति की टीका का ग्रन्थाग्र ६००० है।^५ भद्रबाहु-कृत

१. ठाणं, ४।१८६

२. कषायपाहुड, प्रथम अधिकार, पेज्जदोसविहत्ती, पृ० १३७

३. नन्दी, ७७, ७८

४. Doctrine of the Jains P. 102

५. जिनरत्नकोश, पृ० ११८

६. वही पृ० ४५२

निर्युक्तियों में सूरप्रज्ञप्ति की निर्युक्ति का उल्लेख है।^१ किन्तु वह मलयगिरि के समय में अनुपलब्ध थी।^२ उन्होने अपनी टीका में पूर्वाचार्यों के मत का भी उल्लेख किया है।^३

निरयावलियाओ

नाम-बोध

प्रस्तुत आगम एक श्रुतस्कन्ध है। इस का प्राचीनतम नाम उपांग प्रतीत होता है। जम्बूस्वामी ने उपांग का क्या अर्थ है, यह प्रश्न पूछा। सुधर्मा स्वामी ने इसके उत्तर में कहा—उपांग के पांच वर्ग हैं—निरयावलिका, कल्पावर्तसिका, पुष्पिका, पुष्पचूलिका, वृष्णिदशा।^४

‘उपांग’ शब्द का बहुवचन में प्रयोग किया गया है। उपांग पांच वर्गों का एक श्रुतस्कन्ध है। इसलिए संभवतः बहुवचन का प्रयोग किया गया है। इसका मूल अंग कौन-सा है, इसके बारे में कोई जानकारी प्राप्त नहीं है। वर्तमान में प्रस्तुत श्रुतस्कन्ध के लिए ‘उपांग’ शब्द प्रचलित नहीं है। अभी ‘उपांग’ शब्द के द्वारा बारह आगमों का संग्रहण है।

‘नन्दी’ सूत्र की आगमसूची में ‘उपांग’ शब्द का उल्लेख नहीं है। वहां ‘निरयावलिया’ आदि पांचों स्वतंत्र आगम के रूप में उल्लिखित हैं। अनुमान किया जा सकता है कि ‘नन्दी’ सूत्र की रचना के उत्तरकाल में पांचों आगमों की एक श्रुतस्कन्ध के रूप में व्यवस्था की गई और श्रुतस्कन्ध का नाम ‘उपांग’ रखा गया। प्रो० विन्टरनिट्ज के अनुसार ये पांचों आगम निरयावलिका के नाम से प्रसिद्ध थे। अंग और उपांग की व्यवस्था के समय से वे अलग-अलग गिने जाने लगे।^५

‘निरयावलिया’ का दूसरा नाम ‘कल्पिका’ मिलता है। नंदी के कुछ आदर्शों में वह उपलब्ध है। आचार्य हरिभद्रसूरि और आचार्य मलयगिरि ने नंदी की वृत्ति में ‘कल्पिका’ का ही उल्लेख किया है।^६ यह संभावना की जा सकती है कि ‘उवंगा’ के प्रथम वर्ग का नाम ‘कल्पिका’ था, किन्तु नरक-परिणाम वाले कर्मों का वर्णन होने के कारण इसका दूसरा नाम ‘निरयावलिका’ रख दिया गया। इस प्रकार प्रथम वर्ग के दो नाम हो गए—निरयावलिका और कल्पिका।

विषय-वस्तु

निरयावलिका श्रुतस्कन्ध का प्रतिपाद्य विषय है—शुभ-अशुभ आचरण, शुभ-अशुभ कर्म और उनका विपाक।

१. आवश्यक निर्युक्ति, गाथा ८५

२. सूर्यप्रज्ञप्ति, वृत्ति पत्र, १, गाथा ५—

अस्या निर्युक्तिरभूत् पूर्व श्रीभद्रबाहुसूरिकृता।

कलिदोषात् साऽनेशद्, व्याचक्षे केवलं सूत्रम् ॥

३. सूर्यप्रज्ञप्ति, वृ० प० १६८—“तदेवं यथा पूर्वाचार्यैरिदमेव पर्वसूत्रमवलम्ब्य पर्वविषयं व्याख्यानं कृतं तथा मया विनियजतानुग्रहाय स्वमत्यनुसारेणोपदर्शितम्।”

४. निरयावलियाओ १।४, ५

५. History of Indian Literature, Second edition, Vol II PP. 457-458

६. नन्दी, सूत्र ७८

प्रथम वर्ग में चेटक और कोणिक के भयंकर युद्ध का वर्णन है। इसका उल्लेख भगवती^१ और आवश्यक चूर्णि^२ में भी मिलता है। बौद्ध साहित्य में भी इस युद्ध का उल्लेख मिलता है। यह आश्चर्य का विषय है कि इतिहास में इस युद्ध का कोई उल्लेख नहीं है।

युद्ध आत्मरक्षा से लिए अनिवार्य हो सकता है। उस हिंसा को एक गृहस्थ के लिए आवश्यक कहा जा सकता है। फिर भी हिंसा हिंसा है, उसे अहिंसा नहीं माना जा सकता। प्रस्तुत वर्ग में यह युद्धविरोधी स्वर उभरकर सामने आया है और वह युद्ध को धार्मिक रूप देने के प्रतिपक्ष में एक सशक्त उद्घोष है।

दूसरे वर्ग में धर्म की आराधना करने वाले श्रेणिक के दस पौत्रों की सद्गति का वर्णन है। तीसरे वर्ग में संयम और सम्यक्त्व की आराधना और विराधना का प्रतिपादन है। चौथे वर्ग में पार्श्वनाथ की दश शिष्याओं का निरूपण है। पाँचवें वर्ग में वृष्णि-वंश के बारह राजकुमारों की चारित्र-आराधना और 'सर्वार्थसिद्धि' में उत्पत्ति का निरूपण है।

इस प्रकार इस लघुकाय उपांग या निर्यावलिका श्रुतस्कन्ध में अनेक हविपूर्ण एवं महत्त्वपूर्ण विषयों का प्रतिपादन हुआ है।

रचनाकार और रचनाकाल

प्रस्तुत श्रुतस्कन्ध के रचनाकार और रचनाकाल के बारे में कोई निश्चित जानकारी प्राप्त नहीं है। यह अंगबाह्य श्रुतस्कन्ध है। इससे यह निश्चित है कि यह किसी स्थविर की रचना है। इसमें भगवती, ज्ञाता, उपासकदशा, औपपातिक और राजप्रश्नीय से संबंधित विषयों की चर्चा मिलती है। किन्तु इस आधार पर रचनाकाल का निर्णय नहीं किया जा सकता। आगमसूत्रों के व्यवस्थाकाल में पूर्ववर्ती आगमों में उत्तरवर्ती आगमों के नाम उल्लिखित किए गए हैं, अतः वे रचनाकाल के पौर्वापर्य के निर्णायक नहीं बनते।

व्याख्या-ग्रन्थ

प्रस्तुत श्रुतस्कन्ध पर एक संस्कृत व्याख्या उपलब्ध है। विक्रम संवत् १२२८ में श्री चन्द्रसूरि ने इसकी व्याख्या लिखी थी। वह बहुत संक्षिप्त है। मुनि धर्मसी (धर्मसिंह) ने इस पर गुजराती में एक टब्बा (स्तबक) लिखा था।

कार्य-संपूर्ति

प्रस्तुत ग्रन्थ के संपादन का बहुत कुछ श्रेय युवाचार्य महाप्रज्ञ को है, क्योंकि इस कार्य में अहर्निश वे जिस मनोयोग से लगे हैं, उसी से यह कार्य संपन्न हो सका है, अन्यथा यह गुरुतर कार्य बड़ा दुरूह होता। इनकी वृत्ति मूलतः योगनिष्ठ होने से मन की एकाग्रता सहज बनी रहती है। सहज ही आगम का कार्य करते-करते अन्तरहस्य पकड़ने में इनकी मेधा काफी पंनी हो गई है। विनयशीलता, श्रमपरायणता, और गुरु के प्रति पूर्ण समर्पण-भाव ने इनकी प्रगति में बड़ा सहयोग दिया है। यह वृत्ति इनकी बचपन से ही है। जब से मेरे पास आए, मैंने इनकी इस वृत्ति में क्रमशः वर्धमानता ही पाई है। इनकी कार्यक्षमता और कर्तव्यपरता ने मुझे बहुत संतोष दिया है।

१. भगवती, ७।१७३. २।१०

२. आवश्यकचूर्णि, भाग २, पृ० १७४

मैंने अपने संघ के ऐसे शिष्य साधु-साधवियों के बलबूते पर ही आगम के इस गुरुतर कार्य को उठाया था ।

प्रस्तुत आगमों के पाठ-संशोधन में अनेक मुनियों का योग रहा । उन सबको मैं आशीर्वाद देता हूँ कि उनकी कार्यजा शक्ति और अधिक विकसित हो ।

यह बृहत् कार्य सम्यग् रूप से सम्पन्न हो सका, इसका मुझे परम हर्ष है ।

—आचार्य तुलसी

अणुव्रत भवन (नई दिल्ली)

२२ अक्टूबर, १९८७

Editorial

The present volume consists of nine āgamas :—1. Paṇṇavaṇā, 2. Jambuddīva-panṇattī, 3. Candapanṇattī, 4. Sūrapanṇattī, 5. Nirayāvaliyāo, 6. Kappavaḍḍim-siyāo, 7. Pupphiyāo, 8. Pupphacūliyāo, and 9. Vaṇhidasāo.

The upāṅgas are twelve in number. Three upāṅgas have already been included in the 'Uvaṅgasuttāṇi', Part 4, Volume I. The original text of the remaining nine upāṅgas, with variant readings, has been incorporated in the present volume. The word-index of Aṅgasuttāṇi has already been published as a separate book (Āgama-śabda-kośa). To provide convenience to readers as well as the research scholars a joint word-index of the above-mentioned nine āgamas is appended in this volume.

With the publication of this volume, the publication work of all the 32 canons is now over. This Āgama-sūtra series at present contains seven volumes as under :—

1. *Aṅgasuttāṇi*, Part I :

Āyāro, Sūyagado, Thāṇam, Samavāo.

2. *Aṅgasuttāṇi*, Part II :

Bhagavaī.

3. *Aṅgasuttāṇi*, Part III :

Nāyādhammakahāo, Uvāsagadasāo, Antagadadasāo, Aṇuttarovavāiyadasāo, Paṇhāvāgarāṇāim, Vivāgasuyam.

4. *Uvaṅgasuttāṇi*, Part IV, Volume I :

Ovāiyam, Rāyapaseṇiyam, Jivājīvābhigame.

5. *Uvaṅgasuttāṇi*, Part IV, Volume II :

Paṇṇavaṇā, Jambuddīvapanṇattī, Candapanṇattī, Sūrapanṇattī, Nirayāvaliyāo, Kappavaḍḍimsiyāo, Pupphiyāo, Pupphacūliyāo, Vaṇhidasāo.

6. *Navasuttāṇi*, Part V :

Āvassayam, Dasaveāliyam, Uttarajjhayaṇāṇi, Nandī, Aṇuogadārāim, Dasāo, Kappo, Vavahāro, Nisīhajjhayaṇam.

7. *Āgama Śabda Kośa* (Aṅgasuttāṇi Śabdasūci).

Under this series of original texts, the work of editing the other canons too is in progress. They are likely to contain *prakīṇaka*, *niryukti* and *bhāṣya*.

On Mahāvīra Jayantī of 2012 Vikram Saṁvat (1955 A.D.), Ācāryaśrī

declared his intention to edit the āgamas, and the assignment was taken up in the caturmāsa of the same year. Many obstacles were faced in the work of editing for want of the correct versions. Consequently we thought of correcting the text to begin with. The work was actually started in 2014 V.S. (1957 A.D.) and brought to completion in 2037 V.S. (1980 A.D.) as follows :—

Dasaveāliyam	Vikram Samvat	2014
Uttarajjhayaṇāṇī	„	2016
Nandī, Aṇuogadārāim	„	2018
Ovāiyam, Rāyapaseṇiyam	„	2018
Thāṇam	„	2018
Samavāo	„	2018
Sūyagaḍo	„	2019
Nāyādhammakahāo	„	2020
Āyāro, Āyāracūlā	„	2022
Uvāsagadasāo, Antagaḍadasāo	„	2026
Anuttarovavāiyadasāo	„	2026
Vipāka	„	2028
Paṇhāvāgaraṇāim	„	2028
Nirayāvaliyāo	„	2029
Bhagavaī	„	2030
Paṇṇavaṇā	„	2031
Dasāo, Pajjosavaṇākappo	„	2032
Kappo	„	2033
Vavahāro	„	2033
Jīvājīvābhigame	„	2034
Jambuddhivaṇṇattī	„	2035
Nisīhājijhayaṇam	„	2035
Candapaṇṇattī, Sūrapaṇṇattī	„	2037

It is well known to all working in this field that editing is the most difficult job, specially when the texts to be edited are separated by a gap of several millennia in respect of language, style and thought. It is unexceptionally true that a thought or a custom does not continue in its original shape through the ages. It invariably expands or contracts. The story of expansion and contraction is the story of change. 'What is made up' is necessarily amenable to change. The insistence on the eternality of events, facts, thoughts and customs that are subject to change leads one to untruth and false imagination. The truth is 'what is made up' is necessarily transient. Whether 'made up' or 'eternal', it must needs be susceptible of change. Whatever there is must be of a nature that is not absolutely divorced from the stream of eternity and change.

It is possible that an idea or truth expressed by a particular word is capable

of being expressed with its original connotation at all times? The semantic change is a necessary phenomenon and so no one with a knowledge of linguistics will insist that a word continues to have the same connotation through a period of two thousand years. For example, the expression *pāṣaṇḍa* has not the same meaning in modern *śramaṇic* literature as it had in the times of the *Āgamas* and Ashoka's inscriptions. It has acquired a derogatory nuance. Hundreds of words in the ancient *Āgama* literature have shared the same fate. Under the circumstances, any thoughtful person will appreciate the difficulties in the task of an editor of ancient literature.

Self-confidence is an innate virtue of human beings who take great pride in the exercise of their courage, and do not shirk from responsibility however arduous. Were escapism a human virtue, not only the achievement of any enduring value would have been impossible, but whatever had been achieved in the past would have been lost at any time. About a millennium ago, Abhayadevasūri, the great commentator of the nine *Āngas* was confronted with a great many obstacles which he had detailed as follows :

- (i) Absence of authentic tradition (*sampradāya*, about the meaning of the texts).
- (ii) Lack of authentic ratiocination (*ūhā*).
- (iii) Conflicting modes of recitation (*vācanā*).
- (iv) Vitiating manuscripts.
- (v) Unfathomable depth of the *sūtras*.
- (vi) Differences of opinion (about the readings and the meaning).

In spite of all these difficulties and hurdles, he did not draw back from the Herculean task, but on the contrary achieved something that was of a permanent value.

Even today the difficulties are not fewer, but as the work of editing has been taken up by Ācāryaśrī Tulsī himself, the task has acquired a new dimension. Any programme that is undertaken by him opens up new vistas, what to speak of the editing of the canonical literature which is by itself full of new possibilities. What is most conspicuous is that Ācāryaśrī has infused life in the programme through me and my colleagues, monks and nuns, who were quite tyros in the field. Not only are his inarticulate blessings with us but also his concrete guidance and active co-operation are always available to us. He has given priority to the work and devoted plenty of time to it. Under his direction, deliberative counsel and encouragement, we could solve the problems, however formidable, that cropped up from time to time in the course of our difficult enterprise.

Procedure adopted in editing the text

Paṇṇavaṇā

In editing the text of Prajñāpana, four Ms. ādarśas were consulted, Ācārya Malayagiri's Vṛtti was also used for this purpose. Muni Puṇyavijaya's edition was also before us. But we do not take for granted a single particular edition or manuscript for our work. The important basic points for us are the critical exposition of the commentary, other parallel āgamic texts and the meanings of words. Accordingly, the reader will find many a deliberation in our edition for the purpose of arriving at correct readings. For example, take the word "gaṇṭhī" in 'vatthula kacchula sevāla gaṇṭhī'. Here 'gaṇṭhī' is incorrect. The correct version should be 'gatthī'. We have come across the reading 'gaṇṭhī' alone in all the available manuscripts as also in the āgamas edited by Muni Puṇyavijaya. This reading has been revised on the basis of Jīvājīvābhigama and Jambūdvīpaprajñapti. Please refer to the footnote of 1/38 of this āgama.

Another instance is 'tiṭṭhāṇavaḍite', in place of which some ādarśas contain the reading as "cauṭṭhāṇavaḍite", and Muni Puṇyavijaya too has accepted the latter reading. But on the basis of the Vṛtti, we have preferred 'tiṭṭhāṇavaḍite', which is endorsed by the vṛtti of Paṇṇavaṇā, 5/115,116. Please refer to Prajñāpanā Vṛtti patra 195-196 as also the footnote of Paṇṇavaṇā, 5/115.

Jambūdvīpaprajñapti

Seven different texts and three commentaries were consulted in the revision of the text. We find many variant readings and notes thereon in the vṛttis of Upādhyāya Śānticaṇḍra and Hīravijaya. Please refer to the footnote of 4/159. This āgama abounds in variant readings. Upādhyāya Śānticaṇḍra has described in detail the variant readings, as is evident from the footnote of 2/12. At other

1. Śānticaṇḍriyavṛtti, patra 87 :

Variation of text—vācanābhedastadgatapariṇāmāntaramāha—mū e dvādaśa yojanāni viṣkambhena madhyeṣṭayojanāni viṣkambhena upari catvāri yojanāni viṣkambhena, atrāpi viṣkambhāyāmataḥ sādhiḥkatriguṇaṃ mūlamadhyāntaparidhimānaṃ sūtroktaṃ subodham. atrāha paraḥ—ekasya vastuno viṣkambhādīparimāṇe dvairupyāsambhavana prastutagrānṭhasya ca sātīśayasthavirapraṇītatvena katham nānyataraṇirṇayaḥ ? yadekasyāpi ṛṣabhakūṭapara-vatasya mūlādāvaṣṭādiyojanavistṛtatvādi punastraivāsya dvādaśādiyojanavistṛtatvādīti, satyam. jinabhaṭṭārakaṇāṃ sarveṣāṃ kṣāyikajñānavatāmekameva matam mūlataḥ paścāttau kālāntareṇa viśmṛtyādina'yaṃ vācanābhedat, yaduktam śrīmalaṃagirisūribhirjyotiṣkaraṇḍakavṛttau—"iha skandilācārya pravṛ (tipa)ttau duṣṣamānubhāvato durbhikṣappravṛtttau dvayoḥ saṅghamelāpakodīkam sarvamapyaneṣat, tato durbhikṣātikrame subhikṣappravṛtttau dvayoḥ saṅghamelāpakodī bhavat, tadyathā—eko valabhyāmeko mathurāyām, tatra ca sūtrārthasarpghaṭane paraspararṇ vācanābhedo jātaḥ, viśmṛtayoḥ sūtrārthayoḥ smṛtvā saṅghaṭane bhavatyavaśyaṃ vācanābheda" ityādi, tato trāpi duṣkaro'nyataraṇirṇayaḥ dvayoḥ pakṣayorupasthitayoranaṭīśāyi—jñānibhiraṇabhinivīṣamatibhiḥ pravacaṇāśātanābhīrubhiḥ puṇyapuruṣairiti na kācidanupa-pattiḥ.

places we come across incorrect explanation due to faulty text, as is given in footnote 4/49.

Candraprajñapti and Sūryaprajñapti

In order to revise the text, we consulted five manuscripts and the vṛttis of these āgamas. We rarely depended on a particular ādarśa.

The complete text of Candraprajñapti is not available. Its variation from Sūryaprajñapti has been given in an Appendix. We come across some manuscripts which have passed for Candraprajñapti. Their variant readings are contained in the footnotes of Sūryaprajñapti.

Nirayāvalikā

Three manuscripts and the Vṛtti by Śrīcandrasūri have been consulted in revising the text of the five chapters of Nirayāvalikā.

Transformation of Words and Metamorphosis

PAṆṆAVANĀ

1/14	bendiya°	beindiya	(ka, kha)
1/14	tendiya°	teindiya	(kha)
1/23	osā	ussā	(ka, ga)
1/29	vāyamaṇḍaliyā	vāumaṇḍaliyā	(ka)
1/35	aṅkolla	aṅkulla	(gha)
1/38	koranṭaya	korinṭaya	(ka)
		korenṭa	(gha)
1/48/47	balimoḍao	palimoḍao	(ka, gha)
1/93/4	vībhayaṁ	vīyabhayam	(ka, gha)
2/10	paḍiṇa	payiṇa	(ka)
		paṇiṇa	(kha, ga, gha)
2/13	taḍāgesu	talāgesu	(ka)
2/40	covaṭṭhiṁ	cosaṭṭhiṁ	(ka)
3/1	visesāhiyā	visesādhīyā	(gha, pu)
3/7	dāhineṇaṁ	dakkhiṇeṇaṁ	(ka, kha, gha)
3/102	vibhaṅgaṇāṇiṇa	vihaṅgaṇāṇiṇa	(ka, ga, gha)
3/127	aheloe	aholoe	(ga)
		adheloe	(gha)
3/174	assātā°	asātā°	(kha, ga)
3/182	jahā	jadhā	(kha, gha)
3/183	sakasāi	sakasādī	(ka)
4/255	egūṇavīsaṁ	ekūṇavīsaṁ	(ka, gha)
		ekkūṇavīsaṁ	(kha)
4/275	paṇuvīsaṁ	paūcavīsaṁ	(kha, gha)

5/5	jadi	paṇavīsam	(ga)
		jai	(kha, ga, gha)
		gati	(pu)
5/5	mahura°	madhur°	(ka, kha)
5/5	abbhahie	abbhaie	(ka)
		abbhatie	(pu)
5/7	°vaḍie	°paḍie	(ka)
5/101	maṇusse	maṇuse	(ka, kha, gha)
5/179	vaḍḍhijjanti	vuḍḍhijjanti	(ka, ga, gha)
5/242	eeṇaṭṭheṇam	eṇaṭṭheṇam	(ka, kha)
6/46	abhiḷāvo	ahiḷāo	(kha, gha)
8/8	osaṇṇa°	ussaṇṇa°	(ka)
11/6	°āṇamaṇī	°āṇavaṇī	(kha, ga, gha)
11/21	vage	vige	(ka, kha, ga, gha)
11/25	sayaṇam	sataṇam	(ka)
11/30	sarīrapahavā	saṭṭrappabhavā	(ka, kha, ga, gha)
11/37	voyaḍa avvoyaḍā	vogaḍa avvogaḍā	(ka)
11/37	āṇamaṇī	yāṇamaṇī	(gha)
11/72	parivaḍḍhamāṇāim	parivaḍḍhemāṇāim	(kha, gha)
11/75	kadalīthambhāṇa	kadalīkhambhāṇa	(ga)
11/84	ṇisarati	ṇissarati	(kha)
		ṇissirati	(ga)
		nisarati	(gha)
11/88	bitiyam	bīyam	(ka, ga)
11/88	bhāsajjāyam	bhāsajāya	(ga)
12/7	baddhellaṇṇā	baddhillayā mukkillayā	(ka, kha, ga, gha)
	mukkellaṇṇā		
12/7	osappiṇīhi	avasappiṇīhi	(ga)
13/8	aṇāgāro°	aṇāyāro°	(ka, kha)
15/35	ṇaggoha°	ṇiggoha°	(ga)
15/35	sādī	sātī	(pu)
15/50	pehamāṇe pehati	pehemāṇe peheti	(ga)
15/53	°thiggale	°thiggile	(kha)
15/58	°ovacaye	°ovacate	(kha, gha)
16/15	ahavege	ahavete	(ka, kha)
16/34	paccatthimillam	pacchimillam	(pu)
16/51	āyariyam	āyaritam	(ka)
16/54	seyansi	seinsi	(ka, ga)
16/55	māḷuṇḡāṇa	mātuliṇḡāṇa	(ga)
16/55	tinduyāṇa	tiṇḍuyāṇa	(ga)
17/24	iṇaṭṭhe	iṇamaṭṭhe	(ka)

		tiṇaṭṭhe	(kha, gha)
17/106	samabhiloemāṇe	samabhiḷotemāṇe	(ka)
17/119	kiṇha°	kaṇha°	(ka, gha)
17/124	haladhara°	halahara°	(ka, ga, gha)
17/125	kairasāre	kayarasārae	(kha, ga)
		katarasārae	(gha)
17/126	bālindagove	bālendagope	(ga)
17/128	°balāhae	°balāhate	(gha)
17/132	apikkāṇam	apakkāṇam	(ka, kha, gha)
17/150	āgārabhāvamātāe	āgārabhāvamāyāe	(ka, ga)
18/1	vede	vee	(ka, ga)
		vete	(kha, gha)
18/56	vaijogī	vayajogī	(kha, gha, pu)
18/64	sakasāī	saka sādī	(ka)
		sakasātī	(gha)
20/28	savaṇatāe	savaṇayāte	(kha)
21/25	sūī°	sūyī°	(ka, gha)
21/47	dhaṇupuhattam	dhaṇupuhattam	(kha)
21/92	sagāim	sagāti	(ka, gha)
		sayāim	(ga)
23/3	ṇiyacchati	nigacchati	(ka, gha)
		niggacchati	(ka)
23/13	kaḍassa	katassa	(ka, gha)
		kayassa	(kha, ga)
23/22	ṇīyāgoyassa	ṇīāgotassa	(ka, gha)
23/191	khavae	khamae	(kha)
28/44	aphāsāijja°	apphāsāijja°	(ka, gha)
33/1	apaḍivāī	apaḍivādī	(ka, gha)
33/17	sagāim	satāim	(ka, gha)
		sayātīm	(kha)
34/1	pariyāiyanayā	pariyādinayā	(kha)
		pariyāyanayā	(ka, ga)
34/6	jāṇanti	yāṇanti	(ka, kha, ga, gha)
34/15	sapariyārā	sapariḥārā	(kha, ga)

JAMBUDDIVAPAṆṆATTI

1/8	vicchiṇṇā	vitthiṇṇā	(a, kha)
1/18	°ṇauya°	°ṇaota°	(a, ka, ba)
1/23	dhaṇupaṭṭham	dhaṇuvaṭṭham	(a)
		dhaṇupaṭṭham	(kha)
1/26	°paḍoyāre	°paḍogāre	(tri, ba)
1/28	pāsīm	passīm	(a, tri, ba)
1/48	duhā	dudhā	(kha, sa)

2/4	haṭṭhassa	hiṭṭhassa	(ka, kha)
2/4	udū	uḍū	(tri)
		ūu	(pa)
2/14	°paḍoyāre	°paḍokāre	(ba)
2/15	meiṇi	metiṇi	(tri, ba)
2/20	ittha	yattha	(a, ba)
		etiha	(ka, kha, sa)
2/32	kahaga	kadhaka	(a, kha, ba)
2/70	°hāsa	hassa	(a, kha, ba)
2/78	vākaremaṇṇāṇam	vāgaramaṇṇāṇam	(pa)
2/131	hāhābhūe	hāhābbhūte	(a, ka, kha, ba, sa)
2/133	valīvigaya	palīvigaya	(a)
2/133	ṭolākīti	ḍolākīti	(a)
		ḍolāgīti	(ka, kha)
		ṭolāgīti	(tri, sa)
		ṭolagati	(pa)
2/133	sīṇha	sīyaṇha	(ka, kha, tri, ba, sa)
3/3	jūva	jūya	(ka, kha, pa, sa)
3/11	pausiyaō	vausiyaō	(ka, kha, pa, sa)
3/11	babbarī	papparī	(a, ba)
3/11	bahali	pahali	(a, ba)
3/11	°kaḍucchuya°	°kaḍicchuya°	(kha)
		°kaḍecchuya	(a, ba, sa)
3/20	duruhai	druhai	(a, ba)
3/20	bambhayārī	paṁhacārī	(a, tri, ba)
3/21	durūḍhe	rūḍhe	(a)
		druḍhe	(ba)
3/22	bola	pola	(a, ba)
3/23	°bālacanda	°bālayanda	(sa)
3/24	°tuṇḍam	°tonḍam	(ka, pa, sa)
3/26	antavāle	antapāle	(a, tri, ba)
		antevāle	(ka, kha)
3/35	°paṭṭasaṅgahiya	°vaṭṭasaṅgahiya	(a, ba)
3/35	°khiṅkhiṇī°	°kiṅkiṇī°	(ka, kha, sa)
3/35	ayojjham	ajojjham	(a, ba)
		aojjham	(ka, kha, pa, sa)
		avojjham	(tri)
3/35	soyāmaṇi	sotāmaṇi	(ka)
		sodāmaṇi	(kha, sa)
3/35	°ppagāsam°	°ppakāsam	(a, ka, kha, tri, ba, sa)
3/35	vīsutam	vissuttam	(ka, sa)

3/77	°cindhapaṭṭe	°cindhavaṭṭe	(ba)
3/117	°mirīḥ°	°marīḥ°	(tri)
3/117	uūṇa	udūṇa	(a, kha, ba)
		ridūṇa	(ka, sa)
3/138	°hidaya°	°hiyaya°	(a, tri, pa, ba)
		°hitaya°	(ka, sa)
		°hadaya°	(kha)
3/178	°nihic	°nihito	(a, tri, ba)
		°nihao	(kha, sa)
3/194	abhiseyapiḍham	abhiseyapeḍham	(a, ba)
3/211	ganthim	ganṭhim	(tri, pa)
3/214	tisovāṇa°	tisomāṇa°	(a, ba)
3/220	kāgaṇi	kākiṇi°	(a)
		kāgiṇi°	(b)
		kākaṇi°	(sa)
3/221	puvvakaya°	puvvakaḍa°	(ka, sa)
3/223	ihāpoha	ihāpūha	(a, ka, kha, sa)
		ihāvūha	(pu, vṛ)
4/36	bāvaṭṭhim	bāsaṭṭhim	(pa)
4/54	hrassatarāe	hassatarāe	(pa)
4/55	dakkhiṇeṇam	dāhiṇeṇam	(tri)
4/77	harivāsam	harivassam	(a, pa, ba)
4/85	saṅkhatala°	saṅkhadala°	(pa, sāvi, puvṛpā)
4/86	bāyāle	pāyāle	(a, ba)
		bāyālīse	(tri)
4/87	ṇisahassa	ṇisaassa	(a, ba)
4/91	sītodā	sītā	(a, ba)
		sīodā	(tri)
		sīoā	(pa)
4/93	viuttare	piuttare	(ba)
4/96	ṇisaḍha°	ṇisabha°	(a, ba)
		ṇisaha°	(ka, kha, sa)
4/102	hemavaya-heraṇṇavaya	hemavaeraṇṇavaya	(ka, kha, ba, sa)
		hemavaya eraṇṇavaya	(tri)
4/103	ṇilavantassa	ṇelavantassa	(a, ka, kha, ba, sa)
4/109	saṇiccārī	saṇimccārī	(pa)
4/140	uvavāyasabhāe	otāvasabhāe	(ka)
4/140	jamagāo	javagāo	(a, ba)
		jamigāo	(kha)
4/142	dasa	daha	(a, ka, kha, ba, sa)
4/157	ṇiyayā	ṇitiyā	(a, ka, kha, tri, ba, sa)

4/180	parupparanti	paropparanti	(a, tri, ba)
4/210	sayañjala°	sayañjala°	(tri)
4/231	palāso	valāsa	(ba)
5/25	ghanṭāpaḍensuyā°	ghanṭāpaḍensukā°	(a, ba)
		ghanṭāpaḍinsukā°	(ka, kha)
		ghanṭāpaḍissuyā°	(tri)
		ghanṭāpaḍansuyā°	(sa)
5/58	gāyāim	gattāim	(ka, kha)
		gatāim	(ba)
5/58	janṇu°	jāṇu°	(tri)
7/31	uddhīmuha°	uddhaṁmuha	(a, ba)
		uddhīmuha°	(ka, kha, pa)
7/122	bhāviyappā	bhāviyāyā	(kha)
7/126	abhijjāyā	abhijāyā	(a, ba)
		abhijāyā	(ka, sa)
		abhijāyā	(kha)
7/128	savaṇo	samaṇe	(a, ba)
8/128	miyasara°	magasira°	(ba)
7/129	abhiī	abhiī	(a, ba, sa)
		abivī	(ka, kha)
7/130	vahassaī	pahassatī	(a, ba)
		vahappaī	(tri)
7/155	kattigī	kattikī	(a)
		kittikī	(kha, ba)
		kittigī	(sa)
7/159	assinī	āsinī	(ba)
7/178	ṇaṅgūlāṇam	lāṅgūlāṇam	(pa)

SŪRAPANṆATTI

2/3	ihagatassa	idagatassa	(ga, gha)
2/3	cauruttare	cauttare	(ta)
4/3	pihulā	pidhulā	(ka)
		puhulo	(ta)
6/1	poggalā	puggalā	(ka, ga, gha)
6/1	oyasanṭhitī	totasanṭhitī	(ta, va)
6/1	oyāe	otāe	(ta)
6/1	rayaṇikhettassa	rataṇikhettassa	(ka, ga, gha)
		rātikhettassa	(ta)
8/1	sadā	satā	(ga, gha, ta, va)
9/3	vayam...vadāmo	vatam...vatāmo	(va)
10/2	savaṇe	samaṇo	(ga, gha)
10/5	sāyam	sāgam	(va)

10/7	āsōī	assotī	(va)
10/10	asoīṇṇam	assodīṇṇam	(ga, gha)
10/77	ādiccehim	āticcehim	(va)
10/78	bam̐ha°	bam̐ha°	(ka, ga, gha)
10/79	savaṇe	samaṇe	(ta, va)
10/87	bitiyā°	bidiyā°	(ka, gha)
10/89	duviṇā tihī	duvidhā tidhī	(ka)
10/136	pāto	pādo	(ka, gha, va)
10/147	uvaiṇāvettā	uvādiṇāvettā	(ka, ga, gha)
		uvātiṇāvettā	(ta, ba)
10/173	sayāvi	satāvi	(ka, ga, gha, va)
		sadāvi	(ga)
14/2	kaham	kadham	(ka, ga, gha)
15/31	ahiyam	adhiyam	(ka, ga, gha)
		ahitam	(ta)
18/34	mehuṇavattiyam	medhuṇavattiyam	(ka, ga, gha)
20/1	ahe	adho	(ka)
20/2	vaiyarie	vaticarie	(ta)

NIRAYĀVALIYĀO

1/42	aṇṇayā	aṇṇadā	(ka)
		aṇṇatā	(kha)
1/66	jaṇavadam	jaṇavayam	(kha)
1/72	ūsae	ūsave	(kha)
1/91	piisoṇam	pitasoṇam	(kha)
1/97	paṭṭhe	ppitṭhe	(ka)
		puṭṭhe	(ga)
1/97	andoḷāvei	andoḍāvei	(ka)
1/117	nicchuhāvei	nicchubhāvei	(ka)
1/127	lecchai	lecchatī	(ka)
3/115	suvvayāo	suvvadāo	(ka)
3/134	juyalam	juvalam	(kha)
		jugalam	(ga)
4/19	iṭṭhā	tiṭṭhā	(ka)
4/21	°bāosiyā	°pāosiyā	(ka, ga)
5/6	savvouya	savvodaya	(ka, ga)
5/10	āhevaccam	ādhevaccam	(kha)

DESCRIPTION OF MANUSCRIPTS AND PRINTED VERSIONS

PANNAVANĀ

(卐) PANNAVANĀ Text (manuscript)

Place

Punamchand Budhmal Dudhoria, Chhāpar.

Size	10½" x 4½"
No. of folios	302 patras
Lines per page	11
No. of letters per line	33 to 41
Script	Most beautiful and correct.
Special information	It belongs to 15th century approximately. It ends only with the mention of granthā- gra 7787.
(ख) PANNAVANĀ Tabbā (Manuscript)	
Place	Ms. Section, JVB Library, Ladnun.
Size	9½" x 4"
No. of folios	465 patras
Lines per page	7
No. of letters per line	35 to 39
Script	Beautiful
Colophon	"Pratyakaṣaragaṇanayā anuṣṭhapacchandaḥ samānamidaṁ granthāgram 7787 pramā- ṇam". Six verses of stabaka :— "Samvat 1778 varṣe phālguna māse śukla- pakṣe pratipadā tithau ravivāre paṇḍita īsvareṇa lipī cakre śrī vennātaṭa nagara madhye" "śrīrastu kalyāṇamastu : śubham bhūyāllekhakapāṭhakayoḥ."
Special Information	It contains the text and stabaka.
(ग) Ms. PANNAVANĀ TRIPĀṬHĪ with Text and Vṛtti	
Place	Order's Ms. Grantha Bhaṇḍāra, Ladnun,
Size	9¾" x 4½"
No. of folios	448 patras
Lines per page	1 to 16
No. of letters per line	37 to 45
Special Information	Text is given in the middle, with vṛtti up and down. Some pages have vṛtti alone. Granthāgra of text is 7787 and that of vṛtti is 16000. The Ms. is beautiful and faultless. It must belong to 17th cen. approximately.
(घ) PANNAVANĀ Text (Manuscript)	
Place	Śrīchand Ganeshdass Gadhaiya Library, Sardarshahar.
Size	13½" x 5"

No. of folios	138 patras.
Lines per page	15
No. of letters per line	60 to 65
Script	Beautiful and correct.
Special Information	Every patra is illustrated in the middle and out of the margin too. It appears to belong to 16th cen. Nothing else is mentioned at the end except 'granthāgram 7787'.

(गवृ) Variations of Vṛtti written in Ms. bearing ग sign.

(वृ) Vṛtti (Manuscript)

Place Śrīchand Ganeshdass Gadhaiya Library, Sardarshahar.

No. of folios 159 patras.

Special Information Manuscript, Scribing year 1577, Vaiśākha Śukla 10

(मवृपा) Variation as approved by Malayagiri.

(हवृ) Compiled with 'Pradeśa' commentary by Harībhadra sūri'.

Publisher—Shri Ṛṣabhadeva Keśarīmāl, Ratlam,

Part I; verses 11

JAMBUDDĪVAPANNATTĪ

(अ) Jambuddīvapaṇṇattī Text (Manuscript)

Place Palm-leaf (photoprint) Ms. of Jaisalmer. Bhaṇḍāra, belonging to Madanchand Gauti, Sardarshahar.

No. of folios & pages 164, 328

Lines per page 2 to 6

No. of letters per line 30 to 35

Special Information Some of the lines are incomplete. The Ms. ends only with the mention of Granthāgra 4146. It must be belonging to 14th century in view of its accompanying ms.

(ब) Jambuddīvapaṇṇattī Text (Manuscript)

Place Palm-leaf (Photoprint) Ms. belonging to Madanchand Gauti, Sardarshahar.

No. of folios & pages 97 and 194

Lines per page 2 to 6

- | | |
|------------------|-------------|
| Letters per line | 47 to 50 |
| Script year | Samvat 1378 |
- (स) Jambuddivapaṇṇattī Text (Manuscript)
- | | |
|-----------------------|--|
| Place | Palm-leaf (Photoprint) of Jaisalmer Bhaṇḍāra, belonging to Madanchand Gauti, Sardarshahar. |
| No. of folios & pages | 46 & 92 |
| Lines per page | 20 |
| Letters per lines | 70 to 74 |
| Script year | Samvat 1646 |
| Special Information | The size of letters is very small. |
- (क) Jambuddivapaṇṇattī Text (Manuscript)
- | | |
|---------------|---|
| Place | Śrīchand Ganeshdass Gadhaiya Library, Sardarshahar. |
| No. of patras | 73 |
- (ख) Jambuddivapaṇṇattī Text (Manuscript)
- | | |
|-----------------------|--|
| Place | Ms. Section, JVB Library, Ladnun |
| No. of folios & pages | 101 & 202 |
| Lines per page | 13 |
| Letters per line | 50 to 55 |
| Special Information | Ms. is antiquated and beautifully scribed. Script year is not mentioned. |
- (ग) Jambuddivapaṇṇattī Tripāṭhī, Text and Vṛtti (Manuscript)
- | | |
|-----------------------|--|
| Place | Ms. Section, JVB Library, Ladnun. |
| No. of folios & pages | 358 & 716
Pages 69-70 missing. |
| Scribing year | Samvat 1913 |
| Special Information | Original text scribed in the middle, with commentary at top and bottom margin. Script beautifully written. |
- (ही वृ) Vṛtti Tripāṭhī by Hīravijaya Sūri (Manuscript)
- (हीवृपा) Variant readings as approved by Hīravijaya Sūri
- | | |
|----------------------|--|
| Place | Order's Library, Ladnun. |
| No. of patras | 582 |
| Scribing year | Samvat 1919 |
| Sepecial Information | Original text scribed in the middle and Vṛttī at top and bottom margin |
- (पु वृ) Vṛtti by Mahopādhyāya Puṇyasāgara, the disciple of Jinahansagani of Kharataragaccha (Manuscript).

(पुद्गल) Variant readings as approved by Puṇyasāgara.

Place	Śrīchand Ganeshdass Gadhaiya Library, Sardarshahar.
No. of folios & pages	243 and 486
Scribing year	Samvat 1575
Special Information	Beautifully scribed.

(भा वृ) Vṛtti by Śāntyaṁcārya, the disciple of Hīravijaya Sūri of Tapāgaccha Order (Manuscript).

Place	Śrīchand Ganeshdass Gadhaiya Library, Sardarshahar.
Scribing year	Samvat 1551

(शादृपा) Variant readings as approved by Śāntyaṁcārya.

SŪRAPAṆṆATTĪ

(क) Sūrapaṇṇattī Text

Place	L. D. Institute of Indology, Ahmedabad.
Serial No. of Ms.	Ḍā 2/57
Size	12 $\frac{3}{4}$ " x 5"
No. of folios	62 [The first leaf is missing].
Lines in each page	13
Letters in each line	48 to 70
Ink	Picture drawing in Green and Red ink in the centre of each page.
Scribing year	Not mentioned.
Special Information	It is beautiful and easily legible. It is a very antiquated Ms. belonging to about 17th century. It ends with 25 verses in Prakrit language.

(ग) Sūrapaṇṇattī, Original, No. 60 (Manuscript)

Place	L.D. Institute of Indology, Ahmedabad.
Size	10 $\frac{1}{4}$ " x 4 $\frac{1}{4}$ "
No. of patras	87
Line in each page	11
Letters in each line	33 to 41
Scribing year	Samvat 1570
Special Information	Script is beautiful, but abounds in mis- takes.

(घ) Sūrapaṇṇattī, Original, No. 607 (Manuscript)

Place	L.D. Institute of Indology, Ahmedabad.
Size	10" x 4"
No. of patras	66

Lines per page	13
Letters per line	34 to 42
Scribing year	Samvat 1673
Special Information	Beautiful script but abounds in mistakes.
(सूच) Sūrapaṇṇattī, Commentary, No. 48.	
Place	L.D. Institute of Indology, Ahmedabad.
Size	12½" x 5"
No. of patras	224
Lines per page	13
Letters per line	44 to 60
Scribing year	Samvat 1574
Special Information	Script beautiful and distinct.

CANDRAPRAJÑAPTĪ

(क) Candapaṇṇattī Original No. 600 (Manuscript)

Place	L.D. Institute of Indology, Ahmedabad.
Size	10½" x 4½"
No. of patras	68
Lines per page	11
Letters per line	32 to 41
Scribing year	Samvat 1570
Special Information	Beautiful script, but abounds in errors. A bāvaḍī in the middle of the page.

(च व) Candapaṇṇattī Commentary (Manuscript)

Place	Order's Ms. Library, Ladnun.
Size	10" x 4½"
No. of patras	179
Lines per page	6
Letters per line	about 50
Scribing year	Samvat 1762
Special Information	Script beautiful

(ट) Candapaṇṇattī Ṭabbā (Manuscript)

Place	Ms. Section, JVB Library, Ladnun.
No. of patras	57

NIRAYĀVALIYĀO

(क) Nirayāvaliyāo Text (Manuscript)

Place	Palm-leaf (Photoprint) copy of Jaisalmer Bhaṇḍāra, belonging to Madanchand Gauti, Sardarshahar.
-------	---

No. of folios & pages	25 & 50. Nine patras are photoprinted. Each page contains photos of six pages. Somewhere it is less or more.
Size	12" x 3 1/4"
Lines per page	5 lines of the text. Some patra contains 2 or 3 lines also. Some lines are even incomplete.
Letters per line	45 to 50
Special Information	No colophon at the end.
(ક) Nirayāvaliyāo Text (Manuscript)	
Place	Śrīchand Ganeshdass Gadhaiya Library, Sardarshahar.
Size	13 1/2" x 5"
No. of folios & pages	19 & 38
Lines per page	15
Letters per line	71 to 75
Ink	Black colour. A bāvaḍī in the middle portion and a ટીકા in Red ink in its centre.
Scribing year	Not mentioned
Special Information	It should belong to 16th cen. approximately on the basis of the copy accompanying it.
(ગ) Nirayāvaliyāo Ṭabbā (Manuscript)	
Place	Ms. Section, JVB Library, Ladnun.
No. of folios & pages	63 and 126
Lines per page	7
Letters per line	35 to 45
Size	10 1/2" x 4 1/2"
Scribing year	Samvat 1833
(ઘ) Nirayāvaliyāo Vṛtti (Manuscript)	
Place	Śrīchand Ganeshdass Gadhaiya Library, Sardarshahar
No. of patras	8
Size	13 1/2" x 5"
Scribing year	Samvat 1575
(મુદ્ર) Printed Vṛtti	
Editors	A.S. Gopani & V.J. Choksi
Publisher	Shambubhai J. Shah, Gurjar Granthratna Karyalaya, Gandhi Road, Ahmedabad.
Year of publication	1934 A.D.

Acknowledgement of Collaboration

The tradition of councils in Jainism is very old. As many as four councils had been held before the period that ended ere a millennium and a half from now. After the time of Devardhigani no well-organised council was held. The Āgamas committed to writing in his time were disorganised to a very great extent in this long interval. A fresh council was therefore a desideratum. Ācārya Śrī Tulsī made an attempt at holding a Comprehensive Consentaneous Council, but could not succeed. Ultimately we arrived at the view that our Council will serve the same purpose, if it was based on impartial research and complete dedication to the cause of truth. We started our work in accordance with this resolution.

The chief inspiration to this council is the Ācārya Śrī. The council is a deliberative assembly headed by an eminent personality who combines in himself a variety of functions, the chief among them being teaching and instruction, translation, investigation, critical study, sorting out correct reading and so on.

We enjoyed the active cooperation, guidance and encouragement in all these activities from the Ācārya Śrī. This indeed was our strength and support for undertaking such an arduous task.

Instead of feeling relieved of the burden by expressing my gratitude to the Ācārya Śrī, it would be better for me to feel more burdened by the support of his blessing for the future work and responsibility.

In editing the text of the nine upāṅgas in the present volume I received sufficient cooperation from Muni Sudarshanji and Muni Hiralalji.

In the work of ascertaining the readings in Paṇṇavaṇā and Nirayāvaliyāo, Muni Balchandji and Muni Madhukarji respectively offered assistance. In preparing the press copy, Late Mannalalji Borad also proved helpful.

The work index of Paṇṇavaṇā has been prepared by Muni Śrīchandji, of Jambuddivapaṇṇattī, Sūrapaṇṇattī and Candapaṇṇattī by Muni Sudarshanji and of Nirayāvaliyāo by Muni Hiralalji. The first Appendix and the extent of the text was determined by Muni Hiralalji. In preparing the word indexes of Paṇṇavaṇā and Jambuddivapaṇṇattī, Sādhvī Jinaprabhā and Sādhvī Chandanbālā respectively contributed a lot.

In proof-reading Muni Sudarshanji, Muni Hiralalji, Muni Dulaharajji and Samaṇī Kusumprajñā actively cooperated. At certain stages Muni Vimalkumarji and Muni Sampatmalji also proved helpful. Muni Hiralalji was specially engaged in revising the text again.

I express sentiments of gratitude for all those, in addition to the names already mentioned, who contributed whatever little they could in editing the text of the 32 āgamas. In this task we utilised the mss. belonging to the institutions such as L.D. Institute of Indology, Ahmedabad, Shrichand Ganeshdass Gadhaiya

Pustak Bhaṇḍāra, Sardarshahar, Terapantha Sabha, Sardarshahar, Punamchand Buddhamai Dudhoriya, Chhapar, Ghewar Pustakalaya, Sujangarh, Jain Vishva Bharti, Ladnun and Jaisalmer Bhaṇḍāra, in addition to Order's Bhaṇḍāra. The text of Nandī revised by Muni Puṇyavijayaji was also made available to us. All this proved a valuable assistance to us.

An important stage of the publication of the revised text of 32 āgamas, which began under the able stewardship of Ācārya Śrī Tulsi as Vācanā-pramukha, is completing today. For the first time the revised and authorised version of the 32 āgamas is being made available to the scholars. It is a matter of ineffable joy for us.

The work of the editing of āgamas first started in V.S. 2012 at Ujjain. In that year the word indexes of almost all the 32 āgamas had been prepared. Several monks and nuns were actively engaged in it. Groups, each containing three or four monks or nuns, were formed and they finished the assignment without any loss of time. On the one hand the aged monks like Muni Chauthmalji, Muni Sohanlalji (Churu) etc. were actively engaged in it while on the other hand the younger monks too devoted themselves wholeheartedly to this job, which was like a campaign and every participant was full of the awakening of a new spirit. The text was unrevised so far, so it could not be utilised fully well. Word-indexes had got to be prepared anew, but whatever line of action was chalked out, was quite commendable. One special and worth-mentioning characteristic of this editing is that everything was done by the monks themselves and no external help from any scholar-householder was required. The whole credit goes to the leadership of Ācārya Śrī as also to the Terapanth Religious Order.

I cannot afford to forget on this occasion the services rendered by the late Madanchandji Goṭhi who had a very sound knowledge of āgamas and was exceedingly helpful in revising the text of āgamas. Had he been alive, he would have felt satisfied on the publication of this volume.

The Managing Director of the Āgama series, Śrī Śrīchand Rampuria (Vice-Chancellor, Jain Vishva Bharti) has been taking interest in this work since its inception. He is ever devoted to the task of popularising the Āgamic lore. After retiring completely from his well-established profession, he has been devoting a major part of his time to the service of Āgama literature. Śrī Khemchand Sethia and Śrī Śrīchand Bengani, the President and the Secretary respectively of Jain Vishva Bharti have cooperated a lot towards the successful completion of this task. The English rendering of 'Editorial' and 'Introduction' has been made by Dr. Nathmal Tatia.

The mention of the cooperation of the co-workers in a common enterprise is only a formality. In fact it was a sacred duty of all of us and that we have fulfilled.

Anuvrata Bhawan, Delhi.

22nd Oct., 1987.

—Yuvācārya Mahāprajña

Introduction

The present volume consists of nine āgamas —uvaṅgas—Paṇṇavaṇā, Jambuddīvapaṇṇattī, Candapaṇṇattī, Sūrapaṇṇattī, Nirayāvaliyāo (five in number).

PANNAVANĀ

The canon under review is *Paṇṇavaṇā* (*Prajñāpanā*). It treats extensively the two substances—sentient being (*jīva*) and insentient being (*ajīva*).¹ The term used in the beginning is '*prajñāpanā*', hence the whole canon bears the name '*Prajñāpanā*'. One of its aims is to interpret the Reality through Question-Answer method, and the same thing has been done in this canonical text. That also justifies its nomenclature as *Prajñāpanā*. In the opening gāthās, this āgama has been named as '*Adhyayana*' which shows that one of its names is '*Adhyayana*' also. It relates to *Dr̥ṣṭivāda*, the twelfth aṅga, so it has been called as the essence or *niḥsyanda* of *Dr̥ṣṭivāda*.²

Subject-Matter

It contains 36 topics (*padas*) which discuss the various aspects (*pariyāyas*) of soul (*jīva*) and non-soul (*ajīva*). It is like an ocean of the Science of Reality (*tattva vidyā*) through which the deeper meaning of Indian Science of Reality can be appreciated. The first topic (*pada*) provides two classifications of vegetable-bodied beings—the individual-bodied (*pratyekaśarīrī*) and common-bodied (*sādhāraṇaśarīrī*).³ The common-bodied presents such a unique picture of Socialism which cannot even be imagined in human society. It deals in greater details with the *āryas* and the *mlecchas*.

This canon is the source book of the Science of Truth (*tattvajñāna*). Whereas the *Bhagavatī* is an *aṅga-praviṣṭa* canon, the *Paṇṇavaṇā* is an *Upāṅga*. Both these Āgamas are inter-related on account of their common theme of the Science of Truth. Most of the *Prajñāpanā* has been included in *Bhagavatī* by Devarddhigaṇī, as is evident from the use of '*jahā paṇṇavaṇāe*' time and again. Its every *pada* is like the embodiment of abstruse metaphysical problems. It contains various important *sūtras* about *leśyā* and *karma*.

Nandisūtra gives us the two classifications of Āgamas—*aṅgapraviṣṭa* and

-
1. *Paṇṇavaṇā*, gāthā 2
 2. " " 3
 3. " " 1/32

aṅgabāhya. The former is again twofold—*Āvaśyaka* and *Āvaśyaka-vyatirikta*.

The latter is again classified as *kālika* and *utkālika*. Thus *Paṇṇavaṇā* is *Aṅgabāhya*, *Āvaśyaka-vyatirikta* and *Utkālika*.¹ *Nandī* does not contain any reference to *Aṅga* and *Aṅgabāhya*. In the latter part of the Āgama age the interrelation between *Aṅga* and *Aṅgabāhya* was determined. Accordingly, *Prajñāpanā* turns to be the *upāṅga* of *Samavāyāṅga*. On what basis this interrelationship was determined is a matter of research. It would have been all the more intelligible if *Prajñāpanā* had been recognised as *Upāṅga* of *Bhagavatī*.

Author and the Period of Composition

Paṇṇavaṇā is the sum and substance (*nīḥsyanda*) of *Drṣṭivāda*. We can thus infer that its subject-matter has been derived from *Drṣṭivāda*. Its author is Ārya Śyāma² He was the 23rd in lineage from Ācārya Sudharmāsvāmī. He was a powerful *vācaka* in the tradition of the lineage of *vācakas*. He flourished in the 4th century of *Vīra-nirvāṇa*.

The date of composition of *Paṇṇavaṇā* is probably between the year 335 and 375 of *Vīra-nirvāṇa*. *Nandī* mentions the '*Mahāprajñāpanā*' which is now extinct. Both *Mahāprajñāpanā* and *Prajñāpanā* are independent works. It cannot be said definitely whether the former is the progenitor of the latter or the latter contains any new topic. Among the twelve *upāṅgas*, *Prajñāpanā* holds a unique position. We can guess from this that it was composed at the period when the *Pūrvas* were passing into oblivion and their remaining portions alone were in memory. *Ṣaṭkhaṇḍāgama* too came into existence at such a period. The remaining *upāṅgas* were composed in the period subsequent to the composition of *Prajñāpanā*. All this conjecture has been made on the basis of their subject-matter. Umāsvāti flourished in 5th century of *Vīra-nirvāṇa*. His *Tattvārtha-sūtra* mentions the sūtra "āryā mlecchāśca",³ which must be based on the first 'pada' of *Prajñāpanā*. The clearcut idea and definition of 'ārya' and 'mleccha' appearing there is not to be found elsewhere. On this basis *Paṇṇavaṇā* precedes the period of Umāsvāti.

Commentaries

Many commentaries of *Paṇṇavaṇā* are available. They are as follows :—

Commentaries	Granthāgra	Author	Date
1. <i>Pradeśa-commentary</i>	3728	Haribhadrasūri	8th Cen.
2. <i>Tṛtīya-pada-Saṅgrahaṇī</i>	133	Abhayadevasūri	First half of 12th Cen.

1. *Nandī*, 73-77

2. *Prajñāpanā Vṛ. patra*, 47/1, āryaśvāmo yadeva granthāntareṣu āsāligā pratipādakam gautama-
praśnabhaḡavannirvacanarūpam sūtramastī tadevāgama bahumānataḡ pathati.

Prajñāpanā Vṛ. Patra, 72; bhagavān āryaśvāmo'pi itthameva sūtram racayati.

3. *Tattvārthasūtra*, 3/36

3. <i>Vṛtti</i>	14500	Malayagiri	13th Cen.
4. Abhayadeva's <i>Tṛtīya-pada-saṅgrahaṇī</i> <i>avacūṇī</i>	—	Kulamaṇḍanagaṇī	15th Cen.
5. <i>Vṛtti</i>	—	Anonymous	—
6. <i>Vanaspati-saptikā</i> or <i>Vanaspati-'icāra</i>	71	Municandra	12th Cen.
7. <i>Avacūṇī</i>	—	Padmasūri	—
8. <i>Bālāvabodha</i>	—	Dhanavimala	17th Cen.
	—	Jīvavijaya	Year 1785
10. <i>Stabhaka</i>	—	Parimānanda	" 1876
11. <i>Paṇṇavaṇā nī Joḍa</i>	550	Jayācārya	" 1878

In addition to this, we also find some smaller commentaries of *Paṇṇavaṇā*. Muni Puṇyavijaya has mentioned the commentary named '*Bījaka*' by Harṣakulagaṇī.¹ In Muni Puṇyavijaya's "*Introduction to Prajñāpanā*" and in '*Jinaratnakośa*' we find mention of '*paryāya*'. "*Prajñāpanā-sūtra-sāroddhāra*" is also mentioned in '*Jinaratnakośa*'.

Acarya Malayagiri mentions *cūrṇī* and *Vṛddhavyākhyā* in his *Vṛtti*.² *Cūrṇī* is untraceable at present. Malayagiri's commentary is the most elaborate among all the available commentaries. Ācārya Haribhadra Sūri's commentary is the most original and basic too.

JAMBUDDĪVAPAÑNATTI

Nomenclature

This canon is known as *Jambuddīvapañnattī* (*Jambūdvīpaprajñapti*). *Prajñāpti* means exposition, information or treatment. It contains the exposition of Jambūdvīpa, hence it is called *Jambūdvīpaprajñapti*. *Sthānāṅga sūtra* mentions four *aṅgabāhya prajñaptis*—(1) *Candraprajñapti*, (2) *Sūryaprajñapti*, (3) *Jambūdvīpaprajñapti*, and (4) *Dvīpasāgaraprajñapti*.³ In *Kasāyopāhuda*, *prajñaptis* have been classified as the five *arthādhikāras* of '*parikarma*' which is the first division of *Dṛṣṭivāda*—(1) *Candraprajñapti*, (2) *Sūryaprajñapti*, (3) *Jambūdvīpaprajñapti*, (4) *Dvīpasāgara prajñapti* and (5) *Vyākhyāprajñapti*.⁴ In *Nandī*, *Jambūdvīpaprajñapti*

1. *Paṇṇavaṇā Suttam*, Part II, Introduction, p. 158

1. *Vṛtti patra*, 269 : āha ca cūrṇikṛt.

" " 271 : āha ca cūrṇikṛto'pi.

" " 272 : yadāh cūrṇikṛt.

" " 277 : āha ca cūrṇikṛt.

" " 517 : prajñāpanāyāścūrṇo.

" " 600 : tatratīvaṃ vṛddhavyākhyā.

1. *Thānam*, 4/189

2. *Kasāyopāhuda*, *Adhikāra I*, *pejjadosavihattī*, p. 137; *parivamme pañca atthāhivārā—candapañnattī sūrapañnattī jambūddīvapañnattī dvīpasāyapañnattī viyāhapañnattī cedi*.

has been categorised as *Kālika āgama*.¹

Subject-matter

Its main theme is Jambūdvīpa. The list of peripheral and incidental topics is very long. Lord Ṛṣabha, Kulakara, Bharata Cakravartī, Kālacakra, Sauramaṇḍala, and many others are the subjects dealt with in it. The description about Bharata Cakravartī's fourteen jewels and nine treasures has been described here in a lively manner.

Under the 'wheel of eternity' (*kālacakra*), thrilling account has been given about the sixth spoke of the present descending cycle. Of all the available forecasts about the universal annihilation, it invites our attention most effectively. By going through it one is confronted with the horrors of the atomic warfare.²

Both Lord Ṛṣabha and Lord Mahāvīra have similarity in various respects. The former is called Ādi Kāśyapa while the latter is called Antyakāśyapa.³ Both propounded the path of five Great Vows. Like Lord Mahāvīra, Lord Ṛṣabha also put on garment for more than a year, followed by absolute nudity.⁴

Bharata Cakravartī was seated in his palace of glass. While he was looking at his reflection in the mirror, he attained liberation.⁵ In later literature this incident is developed in a number of ways. At the loss of his finger-ring he felt the diminution of his beauty, which led him to deeper thought culminating into the attainment of a kevalihood.⁶

The canon gives us a beautiful picture of the termination of the 'yaugalīka' state, and the beginning of social life and political administration. It is a very important document to get a clear idea of the multifaceted personality of Lord Ṛṣabha. A comparative study of the delineation of Ṛṣabha in the present text with that in the *Śrīmadbhāgavata* is bound to be very fruitful.

The canon is divided into seven chapters which are called 'vakkhāro' or 'vakṣaskāra'. Some of the topics are :—

- | | |
|-------------------|--------------------------------------|
| 1. Jambūdvīpa | 2. Kālacakra & Ṛṣabha-carita |
| 3. Bharata-Carita | 4. Jambūdvīpa : detailed description |

1. *Nandī*, 78

2. *Jambuddīvapapaṇṇatī*, 2/130-137

3. *Dhanañjaya-nāmaṇḍālā*, 114, page 57 : *vhaṛsīyāṇ vṛṣabho jyāyāṇ punarādyah prajāpatih | aikṣvākuḥ kāśyapo brahmā gautamo nābhijo'grajah ||*

Ibid, 115, p. 58 : *saṃmatirmahatīrvīro mahāvīro'ntyakāśyapah | nāthānvayo vardhamāno yattīrthamiha sāmpratam ||*

4. *Jambuddīvapapaṇṇatī*, 2/66

5. *Ibid*, 3/221, 222

6. *Āvaśyakacūrṇi*, p. 227

- | | |
|-------------------------------------|------------------------------|
| 5. Birth Celebration of Tirthaṅkara | 6. Geographical condition of |
| 7. Jyotiścakra. | Jambūdvīpa |

Author and Date

This canon has been categorised as *Upāṅga* which shows that it was composed at a later period after Lord Mahāvīra's *nirvāṇa*. Its author must be some anonymous elderly monk. The date of composition too is unknown. *Jīvājīvābhigame*, containing detailed accounts of the *Kalpavṛkṣas*, was also composed by the elders. *Jambūdvīpaprajñapti* gives only a brief account of them indicating the details through 'jāva'. This shows that *Jambūdvīpaprajñapti* was composed at a later period than that of *Jīvājīvābhigame*. Possibly we may ascribe it to an earlier date than the emergence of a clear-cut distinction between Śvetāmbara and Digambara schools which are mostly unanimous about the contents of *Jambūdvīpaprajñapti*. On this basis we can guess it to belong to the 4th-5th century of Vīranirvāṇa.

Commentaries

About nine commentaries are available on this canon. Out of them, the *Vṛtti* by Śānticaṇḍra alone, has been printed; the remaining ones are unpublished. Śānticaṇḍra has mentioned that Malayagiri's commentary was lost with the passage of time,¹ but modern scholars have traced it out in the Jaisalmer Bhaṇḍāra.² The *Vṛttis* by Śānticaṇḍra and Puṇyasāgara bear the mention of Cūrṇi.³ These Commentaries are as follows :—

S N.	Canon	Granthāgra	Author	Date
1.	<i>Cūrṇi</i>	--	Anonymous	—
2.	<i>Ṭikā</i> (in Prakrit)	—	Haribhadrasūri	—
3.	"	—	Malayagiri	—
4.	<i>Vṛtti</i>	14252	Hīravijayasūri	1639 (Vikram Saṁ)
5.	<i>Vṛtti</i>	13275	Puṇyasāgara	1645
6.	<i>Ṭikā</i> (<i>Prameyaratnamāñjūṣā</i>)	18000	Śānticaṇḍra	1660
7.	<i>Ṭikā</i>	15000	Brahma Munī	
8.	<i>Vṛtti</i>	18352	Dharmasāgara and Vānara Ṛṣi	1639
9.	<i>Vṛtti</i>	—	Anonymous	—

1. Śānticaṇḍra : *Vṛtti patra* 2 : "tatra prastuto'pāṅgasya vṛtṭiḥ śrīmalayagirikṛtā'pi sampratīkāla-dōṣeṇa vyavacchinā."

2. See, *Jinaratnakośa*, p. 130.

3. (a) Śānticaṇḍra, *Vṛtti patra*, 19 : "paridhyānayanopāyastvayaṁ cūrṇikāroktāḥ."

(b) *Vṛ.* p. 53,252,278.

(c) Puṇyasāgarī *vṛtti*, *patra*, 122 : "etaccūrṇo ca."

Muni Dharmasī has composed *śābaka* (ṭabbā or bālāvabodha) on it in Gujarati. The abundance of commentaries reveals that this canon was studied very frequently.

CANDAPAṆṆATTĪ AND SŪRAPAṆṆATTĪ

Nomenclature

Sihānāṅga mentions four aṅgabāhya prajñaptis, of which the first is *Candraprajñapti* and the second is *Sūryaprajñapti*.¹ *Kasāyapāhuḍa* also mentions them in the same order.² As the name connotes, the first *prajñapti* deals with the moon while the second one deals with the sun, so they are named as *Candraprajñapti* and *Sūryaprajñapti* respectively.

Subject-Matter

The list of *āgamas* contains both these *āgamas*—*Candraprajñapti* and *Sūryaprajñapti*. Nandī's *Āgama*-list too tells of *Candraprajñapti* as *Kālīka* and *Sūryaprajñapti* as *Urkālīka*.³ The cause of this distinction demands investigation. The former is not available at present but for a very small portion of its beginning. We come across some manuscripts entitled *Candraprajñapti* and *Sūryaprajñapti* but their text throughout is identical except the initial sūtra. Ācārya Malayagiri has composed commentaries on both of them and they are almost identical. The general impression prevailing at present is that *Candraprajñapti* is not at all available these days. Whatever is available is *Sūryaprajñapti* alone. Dr. Walter Schubring has put forward a conjecture—*Sūryaprajñapti*, from its 7th *pāhuḍa* onwards, ascribes more importance to the moon and the stars, so we imagine that *Candraprajñapti* begins from the 10th *pāhuḍa*.⁴ But in the absence of the whole subject-matter of *Candraprajñapti*, Schubring's conclusions cannot be taken as authoritative outright. Even then there is much room for consideration.

Commentaries

Malayagiri's commentaries are available on both—*Candraprajñapti* and *Sūryaprajñapti*. The commentaries are identical and whatever their difference is has been noted in the Appendix. According to *Jīnaratnakosā*, the *granthāgra* of the commentaries of these *āgamas* is 9500⁵ and 9000⁶ respectively. Bhadrabāhu's *Niryuktis* mention the *Niryukti* on *Sūryaprajñapti*,⁷ which was, however, not

1. *Thānam*, 4/189.

2. *Kasāyapāhuḍa*, Chapter I—"pejjudosa vihatti", p. 137

3. Nandī, 77,78

4. Schubring : *The Doctrine of the Jaina*, p. 102

5. *Jīnaratnakosā*, p. 118

6. *Ibid*, p. 452

7. *Āvaśyaka-niryukti*, *gāthā*, 85

traceable in Malayagiri's period.¹ He has mentioned the views of his foregoing *ācāryas* also in his commentary.²

NIRAYĀVALIYĀO

Nomenclature

This āgama is a *śrutaskandha*. Its oldest name seems to be *upāṅga*. Jambūsvāmī enquired of Sudharmāsvāmī the meaning of *upāṅga*, whereon the latter replied—“*Upāṅga* is fivefold—*Nirayāvalikā*, *Kalpāvatamśikā*, *Puṣpikā*, *Puṣpa-cūlikā*, *Vṛṣṇidaśā*.”³

The term ‘*upāṅga*’ is here used in plural number. It is a *śrutaskandha* consisting of five sections. The plural number is probably used on this reason. We do not know about its original *āṅga*. The term ‘*upāṅga*’ is not in vogue at present for the text. *Upāṅga* stands for the ‘collection of twelve āgamas.’

Nandī’s list of canons does not mention the term ‘*upāṅga*’, but only ‘*Nirayāvaliyāo*’ etc. are mentioned as five independent āgamas. It may be supposed that the five canons were regarded as a *śrutaskandha* in later times after the composition of the *Nandī*, and the *śrutaskandha* was named as *upāṅga*. According to Prof. Winternitz, these five āgamas were earlier known as ‘*Nirayāvalikā*’. They were regarded as separate entities when the contents of *āṅgas* and *upāṅgas* were determined.⁴

Nirayāvaliyāo is also known as *kalpikā*, as we find this in some manuscripts of *Nandī*. The same term has been used in the *vṛtti* of *Nandī* by Ācārya Haribhadrasūri and Ācārya Malayagiri.⁵ It is just possible that the first group of the ‘*uvaṅga*’ was named as ‘*kalpikā*’, but as it related to the karmas leading to heli, it was given the second name *Nirayāvalikā*. In this way, the two names viz. ‘*Nirayāvalikā*’ and ‘*kalpikā*’ originated.

Subject-matter

The main theme of the *Nirayāvalikā śrutaskandha* is the auspicious and inauspicious conduct and karma and their *vipāka*.

In the first section we find the description of fierce battle between Ceṭaka

1. *Vṛtti* p. 1, *gāthā* 5

asyā niryuktirabhūtpūrvam śribhadrabāhusūrikṛtā |
kalidoṣāt sāneśada vyācakṣe kevalam sūtram ||

2. *Sūryaprajñāpti*, *Vṛtti* p. 168 :

tadevaṃ yathā pūrvācāryairidameva pūrvasūtramavalambhya pūrvaviṣayam vyākhyānam kṛtam
tathā mayā vineyajanānugrahāya samatyanusāreṇopadarśitam ||

3. *Nirayāvaliyāo*, 1/4,5

4. *History of Indian Literature*, II Edn, Vol. II, pp. 457-458

5. *Nandī*, 78

and Śreṇika, which has been referred to not only in the *Bhagavati*¹ and the *Āvaśyaka cūrṇi*², but in the Buddhist literature too. It is surprising that history does not record this battle.

Battle may be indispensable for self-protection, and the consequent violence may be regarded as inevitable for a householder. Even then none can deny that violence is, for all purposes, but violence and it can never masquerade as non-violence. In the section under review, this anti-war attitude has come to the forefront, and it is a spiritual edict against the religious justification of holy wars.

The second section contains the description of the salvation of Śreṇika's ten grandchildren, who adopted the path of religious austerities. The third section propounds the observance and non-observance of restraint and equanimity. The fourth section contains the description of the ten nuns (disciples) of Pārśvanātha. We find the description of the observance of conduct by the twelve princes of Vṛṣṇi dynasty and their birth in '*Sarvārthasiddhi*' in the fifth section.

Thus various interesting and important topics have been propounded in this small-sized *upāṅga*, that is, *Nirayāvalikā śrutaskandha*.

Author and Date of Composition

No definite information is available about the author and the date of composition of this *aṅgabāhya śrutaskandha*. It is, however, certain that some elderly monk composed it. It deals with the topics related with *Bhagavati*, *Jñānā*, *Upāsakadasā*, *Aupapātika* and *Rājaprasāniya*, but this is not a sufficient ground to determine the date of its composition. When the Āgamas were analysed, it was found that the earlier āgamas contain the names of the later āgamas, so they cannot determine which āgamas were composed earlier and which at a later date.

Commentaries

A Sanskrit commentary is available on this *śrutaskandha*. Śrīcandrasūri wrote its commentary, a very abridged piece of composition, in the Vikram era 1228. A *ṭabbā* (*stabaka*) was composed on it in Gujarati by Muni Dharmasī (Dharmasingh).

Completion of the Assignment

The overall credit of its editing goes to Yuvācārya Mahāprajña. The work has come to successful completion due to the single-mindedness with which he applied himself to the task day and night, without which this gigantic task would have been insurmountable. Being a yogi basically, he is able to ever maintain concentration of mind. Engaged as he has been in the editing of the āgamas for a

1. *Bhagavati*, 7/173,210

2. *Āvaśyaka cūrṇi*, part II, p. 174

very long period, he is eminently endowed with the power to penetrate into the deeper mysteries of the canonical texts. Modesty, perseverance and complete dedication to the guru have contributed to the development of these merits in him. Such merits were inherent in him since childhood. Since the time he came to me, I have found gradual intensification of these merits. I have derived utmost satisfaction from his capability and wholehearted devotion to duty.

Many other monks also contributed towards the editing of the text of these canons. I bless them all with the wish that their working capacity may be all the more developed.

I had embarked upon this Herculean work of āgamas, having complete faith in my disciples—the monks and nuns of the Order.

I feel highly satisfied that this gigantic task has been accomplished successfully in a right way.

Anuvrata Bhawan,
New Delhi,
22nd October, 1987

— Acharya Tulsi

कल्पवृद्धिसिंघाओ

पदसं अजभयणं

सू० १ से १४

पृ० ७४१, ७४२

बीओ वग्गो कप्पवडिंसियाओ

पढमं अज्झयणं पउमे

१. जइ णं भंते ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव^१ संपत्तेणं उवंगणं पढमस्स वग्गस्स निरयावलियाणं अयमट्ठे पण्णत्ते, दोच्चस्स णं भंते ! वग्गस्स कप्पवडिंसियाणं समणेणं भगवया महावीरेणं जाव^१ संपत्तेणं कइ अज्झयणा पण्णत्ता ?

२. एवं खलु जंबू ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव^१ संपत्तेणं कप्पवडिंसियाणं दस अज्झयणा पण्णत्ता, तं जहा—

पउमे महापउमे, भद्दे सुभद्दे पउमभद्दे ।

पउमसेणे पउमगुम्मे, नलिणिगुम्मे आणंदे तंदणे ॥१॥

३. जइ णं भंते ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव^१ संपत्तेणं कप्पवडिंसियाणं दस अज्झयणा पण्णत्ता, पढमस्स णं भंते ! अज्झयणस्स कप्पवडिंसियाणं समणेणं भगवया महावीरेणं जाव^१ संपत्तेणं के अट्ठे पण्णत्ते ?

४. एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा नामं नयरी होत्था । पुण्णभद्दे चेइए । कूणिए राया । पउमावई देवी ॥

५. तत्थ णं चंपाए नयरीए सेणियस्स रण्णो भज्जा कूणियस्स रण्णो चुत्तलमाउया काली नामं देवी होत्था - सूमाला ॥

६. तीसे णं कालीए देवीए पुत्ते काले नामं कुमारे होत्था—सूमाले ॥

७. तस्स णं कालस्स कुमारस्स पउमावई नामं देवी होत्था—सूमालपाणिपाया जाव^१ विहरइ ॥

८. तए णं सा पउमावई देवी अण्णया कयाइं तंसि तारिसगंसि वासघरंसि अब्भित्तरओ सच्चित्तकम्मे जाव^१ सीहं सुमिणे पासित्ताणं पडिबुद्धा ॥

९. एवं जम्मणं जहा महाबलस्स^२ जाव^१ नामधेज्जं—जम्हा णं अम्हं इमे दारए

१. २, ३, ४, ५. ता० १११७ ।

६. ओ० सू० १५ ।

७. भग० १११३३ ।

८. महब्बलस्स (क) ।

९. भग० १११३३-१५३ ।

कालस्स कुमारस्स पुत्ते पउमावईए देवीए अत्तए, तं होउ णं अम्हं इमस्स दारगस्स नाम-
धेज्जं पउमे-पउमे । सेसं जहा महाबलस्स, अट्ठओ दाओ जाव उप्पिं पासायवरगए विहरइ ।
सामी समोसरिए । परिसा निग्गया । कूणिए निग्गए । पउमेवि जहा महाबले निग्गए
तहेव । अम्मापिइआपुच्छणा जाव^१ पव्वइए, अणगारे जाए^२ इरियासमिए जाव^३ गुत्तबंभ-
यारी ॥

१०. तए णं से पउमे अणगारे समणस्स भगवओ महावीरस्स तहारूवाणं थेराणं
अंतिए सामाडयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जइ, अहिज्जित्ता बहूहिं चउत्थ-
छट्ठुम^४—दसम-दुवालसेहिं मासद्धमासखमणेहिं विचित्तेहिं तवोकम्मेहिं अप्पाणं भावेमाणे^५
विहरइ ॥

११. तए णं से पउमे अणगारे तेणं ओरालेणं जहा मेहो तहेव धम्मजागरिया चिंता
एवं जहेव मेहो तहेव समणं भगवं महावीरं आपुच्छित्ता विउले जाव^६ पाओवगए [कालं
अणवकंखमाणे विहरइ ?] ॥

१२. तए णं से पउमे अणगारे समणस्स भगवओ महावीरस्स तहारूवाणं थेराणं
अंतिए सामाडयमाइयाइं एक्कारस अंगाइं अहिज्जित्ता, बहुपडिपुण्णाइं पंच वासाइं सामण-
परियागं पाउणित्ता, मासियाए संलेहणाए अप्पाणं झोसेत्ता, सट्ठि भत्ताइं अणसणाए छेदित्ता
आणुपुव्वीए कालगए । थेरा ओइण्णा । भगवं गोयमे पुच्छइ, सामी कहेइ जाव^७ सट्ठि
भत्ताइं अणसणाए छेदित्ता आलोइय-पडिक्कते उइढं चंदिम-सूर-गहगण-नक्खत्त-तारा-
रूवाणं सोहम्मे कप्पे देवत्ताए उववण्णे । दो सागराइं ठिई ॥

१३. से णं भंते ! पउमे देवे ताओ देवलोगाओ आउक्खएणं पुच्छा ? गोयमा !
महाविदेहे वासे जहा दढपइण्णा जाव^८ अंतं काहिइ ॥

१४. तं एवं खलु जंबू ! समणेणं भगवया महावीरेण जाव^९ संपत्तेणं कप्पवर्डिसियाणं
पढमस्स अज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते
—त्ति बेमि ॥

१. भग० १११५४-१६८ ।

२. ओ० सू० २७ ।

३. सं० पा०—छट्ठुम जाव विहरइ ।

४. ना० १११२०२-२०६ ।

५. ना० १११२११ ।

६. ओ० सू० १४१-१५४ ।

७. ना० १११७ ।

बीअं अज्झयणं महापउमे

१५. जइ णं भंते ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव' संपत्तेणं कप्पवडिसियाणं पढमस्स अज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते, दोच्चस्स णं भंते ! अज्झयणस्स कप्पवडिसियाणं समणेणं भगवया महावीरेणं जाव' संपत्तेणं के अट्ठे पण्णत्ते ?

१६. एवं खलु जंबू ! तेणं कालेणं तेणं समएणं चंपा नामं नयरी होत्था । पुण्णभदे चेइए । कूणिए राया । पउमावई देवी ॥

१७. तत्थ णं चंपाए नयरीए सेणियस्स रण्णो भज्जा कूणियस्स रण्णो चुल्लमाउया सुकाली नामं देवी होत्था ॥

१८. तीसे णं सुकालीए पुत्ते सुकाले नामं कुमारि ॥

१९. तस्स णं सुकालस्स कुमारस्स महापउमा नामं देवी होत्था—सूमाला ॥

२०. तए णं सा महापउमा देवी अण्णया कयाइं तंसि तारिसगंसि एवं तहेव महापउमे नामं दारए जाव' सिज्झिहिइ, नवरं—ईसाणे कप्पे उववाओ उक्कोसट्ठिओ ॥

२१. तं एवं खलु जंबू ! समणेणं भगवया महावीरेणं जाव' संपत्तेणं कप्पवडिसियाणं दोच्चस्स अज्झयणस्स अयमट्ठे पण्णत्ते —त्ति बेमि ॥

३-१० अज्झयणाणि

२२. एवं सेसावि अट्ठ नेयव्वा' । मायाओ सरिसनामाओ । कालाईणं दसण्हं पुत्ताणं^५ आणुपुव्वीए^६—

दोण्हं च पंच चत्तारि, तिण्हं तिण्हं च हीति तिण्णेव ।

दोण्हं च दोण्णि वासा, सेणियनत्तूण परियाओ ॥१॥

उववाओ आणुपुव्वीए—पढमो सोहम्मे बिइओ ईसाणे तइओ सणंकुमारि चउत्थो माहिंदे पंचमो बंभलोए छट्ठो संतए सत्तमो महासुक्के अट्ठमो सहस्सारे नवमो पाणए दसमो अच्चुए ।
सव्वत्थ उक्कोसट्ठिई भाणियव्वा । महाविदेहे सिज्झिहिइति ॥

१, २. ना० १।१।७ ।

३. उ० २।८-१३ ।

४. ना० १।१।७ ।

५. उ० २।१-१४ ।

६. पुत्ता (क, ख) ।

७. अणुपुव्वीए (ख, ग) ।

परिशिष्ट

परिशिष्ट-१

संक्षिप्त-पाठ, पूर्व-स्थल और पूर्ति आधार-स्थल

संक्षिप्त-पाठ	पूर्व-स्थल	पूर्ति आधार-स्थल
अणगारेहि जाव पासति	३०।२७,२८	३०।२८
अणिट्टतरिया चैव जाव अमणामतरिया	१७।१३०	१७।१२३
अणिट्टतरिया जाव अमणामतरिया	१७।१२५	१७।१२३
अबाहा जाव णिसेगो	२३।६८,७४	२३।६०
आगारेहि जाव जं	३०।२६	३०।२५
आभिणिबोहियणाण एवं जहेव कण्हलेस्साणं		
तहेव भाणियब्बं जाव चउहि	१७।११३	१७।११२
इट्टतरिया चैव जाव मणामतरिया	१७।१२६,१२७,१३४	१७।१३८
उट्ठे जाव एलए	११।१७,१८,२०	११।१६
उदएणं जाव अट्ठविहे	२३।२१,२२	२३।१३
उववेया जाव फासेणं	१७।१३४	१७।१३३
एत्तो जाव अमणामतरिया	१७।१३१,१३२	१७।१२३
एवं जहा ईदियउहेसए पढमे भणियं		
तहा भाणियब्बं जाव से तेणट्ठेणं	३४।१२	१५।४६
एवं जहा नेरइयाणं	२८।३६	२८।२२
एवं मणूसाण वि	३४।६	३४।८
कंता जाव मणामा	२८।१०५	२८।२४
कम्मभूमगपलिभागी वा जाव सुतोवउत्ता	२३।२००	२३।१६६
कम्मभूमगपलिभागी वा जाव सुतोवउत्ते	२३।२०१	२३।१६६
कालं जाव खेत्तओ	१८।११७	१८।२६
खेत्तं जाव पासति जाव इत्तरियं	१७।१०७	१७।१०६
गोयमा जाव णणत्थ	११।१६,२०	११।११
गोयमा जाव रोएज्जा	२०।३४	२०।१७
जहा पंचेदियतिरिक्खज्जेणिएसु जाव जे णं	२०।१८	२०।१७

अह्मा भासुद्देसए जाव जियमा	२८१२-१६	१११६२-६६
जहेव नेरइया तहेव	२८१३५	२८१३३
जाणंति जाव अत्येगइया	१५१४६	१५१४७
जावतियं तं चेव	१५१५१	१५१५१
णेरइए जाव पासति	१७११०७	१७११०६
णेरइए तं चेव जाव इत्तरियं	१७११०७	१७११०६
तं चेव	१७११५४	१७११५१
तं चेव जाव चिट्ठति	१५१५२	१५१५२
तं चेव जाव णो	३४११६	३४११५
तं चेव जाव मणपरियारणा	३४११८	३४११८
तहेव पुच्छा	२३११६	२३११३
तहेव पुच्छा उत्तरं च, णवरं—अमणुण्णा		
सद्दा जाव कामदुहता	२३११६	२३११५
तेणट्ठेणं जाव णो	३०१२६	३०१२६
पसत्थेणं जाव फासेणं जाव एत्तो	१७११३३	१७११३२
पासइ जाव विसुद्धतराणं	१७१११०	१७११०८
पुच्छा	१८११७, १८, २०-२३, २६-३६, ३६, ४२-४४, ४६, ४६-५१, ५७, ६२, ६३, ६५, ६६, ६८, ७०-७५, ७७, ७८, ८०, ८२, ८४, ८५, ८७-९०, ९३, ९४, ९७, ९८, १००-१११, ११३, ११४, ११६, ११७, ११९, १२०, १२२, १२३, १२५- १२७	१८११
पुच्छा	२११४०	२११३८
पुच्छा	२३११६, २१, २३	२३११३
पुच्छा	२३१२८, ३०, ४०	२३१२५
पुच्छा	२४१११	२४१४
पुच्छा	२८१४१, ४३, ४८	२८१२४
पुच्छा ! गोयमा ! एवं चेव, णवरं—अणिट्ठा		
सद्दा जाव हीणस्सरता दीणस्सरता		
अणिट्ठस्सरता अकंतस्सरता जं वेदेते सेलं तं		
चेव जाव बोद्दसविहे	२३१२०	२३११६
पुच्छा ! गोयमा ! एवं चेव, णवरं—जातिविहीणया		
जाव इस्सरियविहीणया	२३१२२	२३१२१
बद्धस्स जाव कतिविहे	२३११७	२३११३

बद्धस्स जाव पोगलपरिणामं	२३१४,१५	२३१३
मणुस्सा एवं चेव, णवरं—आभोगणिव्वत्तिए		
जहण्णेणं अंतोमुहुत्तस्स उक्कोसेणं अट्टमभत्तस्स		
आहारट्ठे समुपज्जति	२८४६-७१	२८४-१६, ३२, २१, २२, ४०, ४३-४५
मणुस्स अतीता वि पुरेक्खडा वि जहा णेरइयस्स		
पुरेक्खडा	३६१०	३६१६
महिड्ढीए जाव महासोक्खे	३६१८०	२१३०
वाससताइं जाव णिसेगो	२३१६६	२३१६०
सपज्जवसिए जाव अवड्ढं	१८१६४	१८१५६
समट्ठे एत्तो जाव अमणामत्तरिया	१७११२४	१७११२३
सम्मुच्छिमसामण्णपुच्छाकायव्वा	४११३४	४१११६
सिज्झति जाव अंतं	३६१६२	३६१८८
सीलं वा जाव पडिवज्जित्तए	२०१३४	२०११७
सेसं जहा नेरइयाणं जाव आहच्च	२८१३२, ३३	२८१२०, २१

जंबुद्वीपपण्णत्ती

अंचेइ जाव पणामं	३११२	३१६
अंचेत्ता जाव करयलपरिगहियं	५१५८	५१२१
अंतलिक्खपडिवण्णे जाव उत्तरपुरस्थिमं	३११३०	३१४३
अंतलिक्खपडिवण्णे जाव पूरैते	३१४३	३१३०
अंतवाले जाव पडिच्छइ	३११३३, १३४	३१२६, २७
अकोहे जाव अलोहे	२१६८	पज्जो० ७८
अच्छरगणसंघसंविकिण्णा जाव पडिरूवा	११३१	पण्ण० २१३०
अणते जाव समुप्पन्ने	२१८५	पज्जो० ८१
अणुपविसइ जाव णमि	३११३७	३१२०
अणुसज्जिस्संति जाव सणिचारी	२११६३	२१४६
अणेगखंभसयसणिविट्ठे जाव सुहसंकमे	३११००	३१६६
अणेगखंभसयसणिविट्ठेहि जाव सुहसंकमेहि	३११०१	३१६६
अणेगरायवरसहस्साणुयायमग्गे जाव समुद्वरव°	३११८०	३१२२
अदंडकोवंडिमं जाव सपुरजणजाणवयं	३१२१२	३११२
अपत्थियपत्थगा जाव परिवज्जिया	३११२४	३१७७
अयमेयारूवे जाव संकप्पे	५१२२	५१२०
अवक्कभित्ता जाव अन्भवद्दए विउव्वंति २ जाव तं णिहयरयं	५१७	राय० सू० १२
अहोरत्तंसि जाव चारं	७१२७	७१२६

आउह्वरसालाओ तहेव जाव उत्तरपुरतिथमं	३६०	३४३
आपूरेमाणा जाव अतीव	५३८	राय० सू० ४०
आभिसेक्कं जाव पच्चप्पिणंति	३१७३,१७४	३१५,१६
आयामेणं जाव वासं	२१४४,१४५	२१४१
आसत्तोसत्तविपुलवट्ट जाव करेइ	३५८	३७
आसयंति जाव भुजमाणा	१३३	११३
आसयंति जाव विहरंति	४२	११३
आसोए जाव आसाढे	७१०३	भ० १८२१६
इट्टत्तराए चेव जाव आसाए	२१८	जी० ३५६६
इट्टत्तरिया चेव जाव मणामत्तरिया	२१६	जी० ३२७६
इट्ठाहिं जहा पविसंतस्स भणिया जाव विहराहित्तिकट्टु	३२०६	३१८५
इट्ठाहिं जाव जयजयसदं	५५८	३१८५; शाव
इड्ढी एवं चेव जाव अभिसमण्णाए	३१२६	३१२६
इत्थिरयणेणं जाव णाडगसहस्सेहिं	३२१४	३२०४
इमं जाव विण्णी	३१३८	३२६
इमेयारूवे जाव समुप्पज्जित्या	३१८८	३२६
इव जाव ससिक्क	३१६,१७	ओ० सू० ६३
ईरियासमिए जाव पारिट्ठावणियासमिए	२१८	पज्जो० ७८
ईसर जाव पभित्तयो	३१०	ओ० सू० ५२
उक्करं जाव मागहं	३२८	३१२
उक्किट्ठाए जाव अट्ठाहियं जाव पच्चप्पिणंति	३१६४-६७	३१५६-५६
उक्किट्ठाए जाव उत्तरेणं	३१३३	३२६
उक्किट्ठाए जाव एवं	३५६	३२६
उक्किट्ठाए जाव तिरियमसंखेज्जाणं	२१०	जी० ३४४३
उक्किट्ठाए जाव देवगईए	५१५,४४	३२६
उक्किट्ठाए जाव वीईवयमाणे	५४७	३२६
उक्किट्ठाए जाव सक्कारेइ सम्माणेइ, २ ता		
पडिविसज्जेइ जाव भोयणमंडवे, तहेव महामहिमा		
कयमालस्स पच्चप्पिणंति	३१७२-७५	३१५६-५६
उक्किट्ठिसीहणाय जाव करेमाणे	३१६	३२२
उत्तरेणं जाव चउणवइ	४५६	१२०
उप्पलहत्थगया जाव अप्पेगइया	३१०	शाव
उल्ला जाव पीइदाणं से, णवरं चूडामणिं च दिव्वं		
उरत्थमेविज्जगं सोणियसुत्तगं कडगाणि य		
सुडियाणि य जाव दाहिणिल्ले अंतवाले जाव अट्ठाहियं	३१७-४२	३२३-२६

उल्ला जाव पीइदाणं से, णवरं मालं मउडि मुत्ताजालं
हेमजालं कडगाणि य तुडयाणि य आभरणाणि य सरं
च णामाहयं पभासतित्थोदगं च गिण्हइ २ ता जाव
पच्चत्थिमेणं पभासतित्थमेराए अहणं देवाणुप्पियाणं
विसयवासी जाव पच्चत्थिमिल्ले अंतवाले, सेसं

तहेव जाव अट्ठाहिया निव्वत्ता	३१४५-५०	३१२३-२६
उवट्ठाणसाला जाव सीहासणवरगए	३१२१६	३११८६
उवाएणं जाव संकममाणे	७१८४	७१७८
उवागच्छित्ता जाव आगायमाणीओ	५१७	५१५
उवागच्छित्ता जाव ससिन्व	३१२२२	३१६
एज्जमाणा जाव निव्वुइकरेणं	५१३८	राय० सू० ४०
एयारूवाए जाव अभिसमण्णागए	३११२२	३१२६
एत्रं ओववाइयगमेणं जाव तस्स	३११७८, १७६	शावृ, हीवृ, ओ० सू० ६४
एवं पच्चत्थिमिल्लाए जाव पच्चत्थिमिल्लं	४११०८	४११
कट्टु जाव पडिसुणेइ	३१८४	३११६
कडगाणि य जाव आभरणाणि	३१७२	३१२६
कडगाणि य जाव मागहं	३१२६	३१२६
कडगाणि य जाव सो च्चेव गमो जाव पडिविसज्जेइ	३१५६, ५७	३१२६, २७
कत्तिइण्णं जाव वत्तवं	७११४२	७११४१
करयल जाव अंजलि	३१६, २०४	३१५
करयल जाव एवं	५१४६	३१५
करयल जाव कट्टु	३१५	ओ० सू० २०
करयल जाव जएणं	३१५	ओ० सू० २०
करयल जाव मत्थए	३१८८	३१५
करयलपरिगग्हियं जाव अंजलि	३११५१	३१५
करयलपरिगग्हियं जाव मत्थए	३१११४, १२६; ५१५८	३१५
करेइ अवसिट्ठं तं च्चेव जाव निहिरयणाणं	३११६४-१६६	३११८-२०
करेत्ता जाव णट्ठविहि	५१५८	शावृ
करेत्ता जाव वेयइडगिरिकुमारस्स	३१६१-६३	३११८-२०
करेत्ता जाव सिधूए	३१५२-५४	३११८-२०
कामगमाणं जाव मणोरमाणं	७११७५	७११७५
किण्हूचामरज्जया जाव सुक्किलं	४१२६	जी० ३१२८८
केणट्ठेणं जाव सासए	४१३४	४१२२, पुवृ, हीवृ
कोट्टुपुडाण वा जाव पीसिज्जमाणान	४११०७	जी० ३१२८३
कोडीए जाव दोहिवि पुट्ठे	४११७२	४११०८

कोहे वा जाव लोहे	२।६६	पञ्जो० ७६
गच्छति जाव नियमा	७।४०-४८ म०	१।२५८-२६६, शाव
गयवई जाव दुखे	३।२१५	३।१७
गामाई वा जाव सणिवेसाइ	२।२१	ठाणं २।३६०
गाहावइकुंडप्पमाणं जाव मंगलावत्त	४।१६५	४।१८३; हीव
गुणेत्ता जाव तं चेव	७।३३	७।३१
घडमुहपवत्तिएणं जाव साइरेग°	४।६०,६१	४।२३
°घाइय जाव दिसोदिसि	३।११०	३।१०८
चंदिम जाव तारारूवा	७।५८	७।५५
चंदे जाव संकममाणे	७।७५,७८	७।६६
चक्करयणदेसियमग्गे जाव खंडगप्पवायगुहाओ	३।१६३	३।६३
चच्चर जाव महापह	३।२१२	३।१८५
चरइ जाव केवइयं	७।८०	७।७६
चेव जाव गंधे	४।१०७	जी० ३।२८१
छत्तपडागा जाव संपट्टिया	३।१७८	ओ० सू० ६४
जा पढममज्झिमेसु वत्तव्वया ओसिप्पिणीए सा भाणियव्वा	२।१५८	२।५५
जुगमुसलमुट्ठि जाव वासं	३।१२२	३।११५
जुगमुसलमुट्ठि जाव सत्तरत्त	२।१४२	२।१४१
जोएइ जाव कुलोवकुलं	७।१३६	७।१३६
जोयणंतरिएहि जाव जोयणुज्जोयकरेहि	३।६६	३।६५
णरवई जाव सव्वे	३।१३१	३।२४
णवजोयणविच्छिण्णं जाव कयमालस्स	३।६६-७१	३।१८-२०
णवजोयणविच्छिण्णं जाव खंधावारणिवेसं	३।१८०	३।१८
णवजोयणविच्छिण्णं जाव विजयखंधावारणिवेसं	३।१६४	३।१८
णवरं पम्हलसूमालाए जाव मउडं	३।२११	जी० ३।४४६
णाणामणिपंच जाव कित्तिमेहि	२।१२७	२।५७
णिकखममाणस्सवि जाव अप्पण्डिवुज्झमाणे	३।२०४	३।१८६
णिरयगामी जाव अंतं	१।१५१	१।२२
णिरयगामी जाव अप्पेगइया	२।१४८; ४।१०१	१।२२
णिरयगामी जाव देवगामी	२।१२३	१।२२
णिरयगामी जाव सव्वदुक्खाणमंतं	२।१२८	१।२२
णेया वेढो भरहस्स	३।१०६	३।७७
णो चेव णं तेसि मणुयाणं आबाहं बाबाहं वा जाव पगइभइया	२।४१	२।३६
तयणंतराओ जाव संकममाणे	७।८१	७।६६
तलवर जाव सत्थवाह°	३।१७८, १८८, २१६, २२१	३।१०
तहेव पविसंतो मंडलाई आलिहइ	३।१५८-१६०	३।६४-६६
तहेव सेसं जाव विजयखंधावार°	३।३०	३।१८

तित्थगरचियगं जाव अणगारचियगं	२।१११	२।१५
तित्थगरचियगं जाव णिब्बावेति	२।११२	२।१११
तित्थगरचियगाए जाव अणगारचियगाए	२।१०५-१०७, १०६	२।१५
तित्थगरचियगाए जाव विउब्बंति	२।१०८	२।१०७
तित्थगरसरीरगं जाव अणगारसरीरगाणि	२।१०८	२।१०७
तित्थयरस्स जाव फुट्टिहीतिकट्टु	५।७३	५।७२
तिसोवाणपडिरूवएणं जाव पज्जुवासंति	३।२०६	३।२०५
तुरग जाव वणलयभत्तिचित्ताओ	२।१०१	१।३७
तुरियाए जाव उद्धयाए	३।१३८	३।२६
तुरियाए जाव वीतिवयमाणा	३।११३	३।२६
तेणेव जाव पच्चप्पिणंति	५।७०	३।१३
तेरसहिं जाव छेत्ता	७।८०, ८१, ८३	७।७६
तोरणेणं जाव पवूढा	४।७७	४।३५
दंडणायग जाव दूय	३।६	शावृ
दंडणायग जाव सद्धि	३।७७	३।६
दिब्बतुडिय जाव आपूरेते	३।१७२	३।१४
दिब्बा वा जाव पडिलोमा	२।६७	पज्जो० ७७
दुरंतपंतलक्खणे जाव परिवज्जिए	३।१२२	३।२६
दुरंतपंतलक्खणे जाव हिरिसिरिं	३।११४	३।५
दुहहिता जाव सीहासणंसि	५।४१	राय० सू० ४७
दुहहिता तहेव जाव णिसीयंति	५।४२	५।४२
दुस्समदुस्समाकाले जाव सुसमसुसमाकाले	२।३	२।२
देवराया जाव पच्चप्पिणइ	५।७१	३।१३
देवाणुप्पिया जाव अम्हे	३।१३८	३।२६
देवा य जाव विहरंति	१।३६	१।१३
देविड्ढि जाव उवदंसेमाणे	५।४४	राय० सू० ५६
देविड्ढि जाव दिब्बं	५।४४	राय० सू० ५६
देवेण वा जाव अग्गिपओगेण वा जाव उद्धवित्तए	३।१२५	३।११५
नाणेणं जाव चरित्तेणं	२।७१	पज्जो० ८१
पउजित्ता जाव पम्हसूमालाए	५।५८	शावृ, जी० ३।४६६
पउमवरवेइयाए जाव संपरिक्खित्ता	४।२४२	४।३
पंडुयए जाव संसे	३।१७८	३।१६७
पकरेंति जाव जहण्णेणं	७।५६, ६०	७।५६, ५७
पणिहत्ता जाव अट्टमभत्तं	३।१८२	३।२०
पच्चत्थिमाभिमुहे जाव समप्पेइ	६।२४	६।२४
पच्चत्थिमिल्लाए जाव पुट्टा	४।५५	४।१

पच्चत्थिमिल्लाए जाव पुट्ठे	११४८	११२०
पच्चप्पिणइ सेसं तहेव जाव मज्जणघराओ	३१३३, ३४	३१२०, २१
पच्चप्पिणह जाव पच्चप्पिणंति	३१२००	३११६
पच्चुवसमंति एवं पुप्फवद्दलगंसि पुप्फवासं वासंति,		
वासित्ता जाव कालागुरुपवर जाव सुरवराभिगमणजोगं	५१७	राय० सू० १२
पडिणिवखमित्ता जाव उत्तरपुरत्थिमं	३११४०	३१४३
पडिणिवखमित्ता जाव गंगाए	३११४६	३१४३
पडिणिवखमित्ता जाव दाहिणं	३११३६	३१४३
पडिणिवखमित्ता जाव पूरेंते	३१५१	३१४३
पडिसाहरेमाणे जाव जेणेव	५१४४	राय० सू० ५६
पणत्ते सयणिज्जवणओ भाणियव्वो	४१३३	जी० ३१४०७; शाबू
पतणतणाइस्सइ जाव खिप्पामेव	२११४२	२१४१
पतणतणाइस्सइ जाव वासं	२११४३	२११४१
पत्तेयं जाव अंजलि	३१२०६	जी० ३१४४६
परामुसइ वेढो जाव छत्तरयणस्स	३१११६	३१६२
परिगरणियरियमज्जो जाव तए	३११३१	३१२४
परिभुज्जमाणे वा जाव ओराला	४११०७	जी० ३१२८१
पवरवाहुण जाव सेणाए	३१२१	३११७
पवरवीर जाव दिसोदिंसि	३११०६	३११०५
पाईणपडीणायया जाव पच्चत्थिमिल्लाए	४११	१११२०
पाउप्पभाए जाव जलंते	३११८८	ओ० सू० २२
पारेत्ता जाव सीहासणवरगए	३१५८	३१२८
पासाईयाओ जाव पडिरूवाओ	२११५	११८
पासादीया जाव पडिरूवा	२११४	११८
पिडिम जाव पासादीयाओ	२११२	ओ० सू० ७
पीडमणे जाव अंजलि	३११६	३१८
पुप्फारुहणं जाव वत्थारुहणं	३१८८	३११२
पुरत्थिम जाव पुट्ठे	४१६८	४११
पेच्छिज्जमाणे एवं जाव णिग्गच्छइ जहा ओववाइए		
जाव आउलबोलबहुलं	२१६५	ओ० सू० ६६
		वाचनान्तर; वृत्तिवय
पोसहसालाए जाव अट्टमभत्तिए	३१६३	३१५४
पोसहसालाए जाव णमि	३११३७	३१५४
पोसहसालाए जाव णिहिरयणे	३११६६	३१५४
णमिइओ तेवि तह चैव णवरं दाहिणिल्लेणं	३१२०६	३१२०५
फामपज्जवेहि जाव परिहायमाणे	२११३०	२१५१
वंभयारी जाव अट्टमभत्तिए	३१८४, ८५	३१२०, २१

બંધારી જાવ કયમાલગં	૩૧૭૧	૩૧૬૩
બંધારી જાવ દબ્ધસંચારોવગ	૩૧૫૪	૩૧૨૦
બહવે જાવ કરેતિ	૨૧૧૧૫	૨૧૧૧૪
બહવે જાવ સત્યવાહં	૩૧૧૦	૩૧૧૭૮
બહુમજ્જદેસભાએ જાવ ડમ્મુગ	૩૧૧૬૧	૩૧૬૭
બહુસંવયણા જાવ અપ્પેગદ્ધા	૧૧૫૦	૧૧૨૨
બહુસમરમણિજ્જે જાવ ભવિસ્સદ્ધ, મળુયાણં જા ચેવ		
ઓસપ્પિણીએ પચ્છિમે તિભાગે વત્તવ્વયા સા ભાણિયવ્વા		
કુલગરવજ્જા ઉસભમામિવજ્જા	૨૧૧૫૬,૧૫૭	૨૧૫૭,૫૮
ભગિણી મે જાવ સંગંધસંધુયા	૨૧૬૬	સૂં ૨૧૧૫૧; શાવૃ
ભવણ જાવ વેમાણિએહિ	૪૧૨૪૮	૪૧૨૪૮
ભવણવહ જાવ અટ્ટાહિયાઓ	૨૧૧૨૦	૨૧૧૧૬
ભવણવહ જાવ જે	૫૧૭૩	૫૧૭૨
ભવણવહ જાવ તિત્થગર જાવ ભારમ્મસો	૨૧૧૧૦	૨૧૧૦૬
ભવણવહ જાવ દેવેહિ	૪૧૨૫૨	૪૧૨૪૮
ભવણવહ જાવ ભારહંથા	૪૧૨૫૦	૪૧૨૪૮
ભવણવહ જાવ વેમાણિએ	૨૧૧૦૧,૧૦૬,૧૧૪	૨૧૬૫
ભવણવહ જાવ વેમાણિયા	૨૧૬૬,૧૦૦,૧૦૨,૧૦૪,૧૧૩,૧૧૬	૨૧૬૫
મંસાહારા જાવ કહિ	૨૧૧૩૭	૨૧૧૩૫
મમ્મે જાવ સમુદ્ધરવભૂયં	૩૧૧૦૬	૩૧૨૨
મહંબ જાવ જોયણંતરિયાહિ	૩૧૧૮૦	૩૧૧૮
મળગુત્તે જાવ ગુત્તબંધારી	૩૧૬૮	પજ્જોં ૭૮
મળુણ્ણા જાવ ગંધા	૪૧૧૦૭	જીં ૩૧૨૮૧
મહજ્જુઈએ જાવ પલિઓવમટ્ટિઈએ	૩૧૨૫૬	૧૧૨૪
મહજ્જુઈએ જાવ મહાસોવલ્લે	૩૧૧૧૫	૧૧૨૪
મહજ્જુઈયા જાવ મહાસોવલ્લા	૧૧૩૧	૧૧૨૪
મહયા જાવ આહેવલ્લં પોરેવલ્લં જાવ		
વિહરાહિત્તિકટ્ટુ	૩૧૧૮૫	શાવૃ
મહયા જાવ મૂજમાળે	૩૧૧૮૭	૩૧૮૨
મહાણઈઓ તહેવ ગવરં પચ્ચત્થિમિલ્લાઓ	૩૧૧૬૧	૩૧૬૭
મહામેહણિમ્મણે જાવ મજ્જણઘરાઓ	૩૧૨૧	૩૧૬
મહિહ્હીએ જાવ ણો	૩૧૧૨૫	૩૧૧૧૫
મહિહ્હીયં જાવ ઉદ્ધવિત્તએ	૩૧૧૨૪	૩૧૧૧૫
માર્ડબિય જાવ સત્યવાહં	૩૧૮૬	૩૧૧૦
ય જાવ છેલ્લા	૭૧૮૨	૭૧૭૬
રયણકુચ્છિધારિએ એવં જહાં દિસાકુમારીઓ જાવ ઘણાસિ	૫૧૪૬	૫૧૫

रयणाणं जाव संवट्ठगवाए	५१५	रा० सू० १२
रययामयकूले जाव पासाईए जाव पडिरूवे	४१३८	४१२५
राईसर जाव सत्थवाहं	३११८६	३११०
रायधम्मं जाव धम्मचरणे	२११५७	२११२८
राया जाव तमाणत्तिं	३१३२	३१३३
राया जाव पच्चप्पिणंति	३११६८	३११३
राया जाव पडिविसज्जेइ	३११३६	३१२७
राया जाव पासइ	३११७३	३१३१
रुट्ठे जाव पीइदाणं सव्वोसहिं च मालं		
गोसीसच्चंदणं कडगाणि जाव दहोदयं	३११३३	३१२६
रूवेहिं जाव णिओगेहिं	५१४३	राय० सू० ५४, शाबू
रोहिया णं जहा रोहियंसा पवहे य मुहे य		
भाणियव्वा जाव संपरिक्खित्ता	४१७२	४१४३
लवणं जाव समप्पेइ	४१३७	४१३५
लूहेत्ता एवं जाव कप्पस्वखगं	५१५८	शाबू, जी० ३१४४६
लोगपालेहिं जाव चउहिं	२१६०	५११६
वंदणघडसुकय जाव गंधुदुयाभिरामं	३१७	ओ० सू० ५५
वंदेज्ज वा जाव पज्जुवासेज्ज	२१६७	शाबू
वणसंडेणं जाव संपरिक्खित्ते	४१७६	४१३१
वणसंडेहिं जाव संपरिक्खित्ते	४१८६	४१३१
वणपज्जवेहिं जाव अणंतगुणं	२१५४, १३८, १४०, १५३	२१५१
वणपज्जवेहिं जाव परिवड्ढेमाणे	२११४६	२१५१
वणपज्जवेहिं तहेव जाव अणंतेहिं उट्ठाणकम्म		
जाव परिहायमाणे	२११२१	२१५१
वणपज्जवेहिं तहेव जाव परिहाणीए	२११२६	२१५१
वण्णेणुववेए जाव फासेणुववेए	२११८	जी० ३१५६६
वाइय जाव दिव्वाइं	७११८२	५११८
वाइय जाव भुंजमाणा	७१५८	५११८
वाइय जाव भोगभोगाइं	५११	५११८
वालगे एवं हेमवयएरणवयाणं मणुस्साणं		
पुव्वविदेह अवरविदेहाणं मणुस्साणं	२१६	२१६
वित्थडा तं चेव जाव तीसे	७१३३	७१३१
विमलदंडं जाव अहाणुपुव्वीए	३११७८	ओ० सू० ६४
विसयवामी जाव अहण्णं	३११३३	३१२६
विमुद्धरुक्खभूलाइं जाव चिट्ठंति	२१६	२१८

वीङ्ककते जाव सव्वदुक्खप्पहीणे	२।८८	२।८६
वीरिय जाव केवलकप्पे	३।१८८	३।१८८
वेउन्विय जाव समोहणंति	३।१६२	३।१६२
वेढिम जाव विभूसियं	३।२११	जी० ३।४४६
वेत्तेण वा जाव कसेण	२।६७	शावू
वेरुलियविमलदंडं जाव धूवं	३।८८	३।१२
संथरइ जाव कयमालस्स	३।८४	३।२०
सकोरंटे जाव चाउचामरं	३।६	ओ० सू० ६३
सक्कस्स जाव अंतियं	५।२२	५।२०
सक्करा वा जाव मणुस्से	३।६८	३।६८
सक्के जाव आसणं	५।२१	५।२०
सक्के तं चेव जाव अंतियं	५।२६	५।२२
सखिखिणीयाइं जाव जएणं	३।१३८	३।२६
सच्चेव सव्वा सिधुवत्तव्वया जाव णवरं कुंभट्टसहस्सं	३।१४१-१४८	३।५२-५६
रयणचित्तं णाणामणिकणगरयणभत्तिवित्ताणि य दुवे		
कणगसीहासणाइं सेसं तं चेव जाव महिमत्ति		
सण्णद्धबद्धवम्मियकवया जाव महियाउहं	३।१२४	३।७७
सद्दावेत्ता जाव अट्ठाहियाए महामहिमाए	३।५८, ५९	३।२८, २९
सद्दावेत्ता जाव पोसहसालं	३।१८०-१८२	३।१८-२०
समच्चउरंसे जाव तिक्खुत्तो आदाहिणपयाहिणं		
करेइ वंदति वंदित्ता जाव एवं	१।५, ६	भ० १।६, १०
समाणीए जाव पच्चत्थियं	३।६८	३।४३
समाणे जाव सरसगोसीसं	३।८२	शावू
समाणे सेसं तहेव	३।३६	३।२२
सम्माणेत्ता जाव पुरोहियरयणं	३।२१६	३।१८६
सरयंति जाव फलवित्तिवियेसं	१।३०	१।१३
सव्वज्जुईए जाव निग्घोसणाइयरवेणं	३।१८०	३।१२
सव्वबलेणं जाव निग्घोसनाइएणं	३।७८	३।१०
सहइ जाव अहियासेइ	२।६७	पज्जो० ७७
सहस्सा जाव समप्पेति	६।२६	६।२६
सासया जाव णिच्चा	१।११	१।४७
सिं गारागार जाव जुत्तोवयारकुसलं	३।१३८	२।१५
सिंघाडग जाव एवं	५।७३	५।७२
सिंघाडग जाव महापह	३।१८५, ५।७२	ओ० सू० ५२
सिज्झंति जाव अंतं	४।१०१	१।२२
सिज्झंति जाव सव्वदुक्खणमंतं	१।५०, २।५८	१।२२

सिया जाव तहेव जं	५१५	राय० सू० १२
सिरिवच्छ जाव कयग्गहं	३१८८	३११२
सिरिवच्छ जाव दप्पणे	३१७८	३११२
सिरिवच्छ जाव पडिरूवा	४१२८	जी० ३१२८७
सिरिवच्छसरिसरूवं वेढो भणियब्बो जाव दुवालस	३१११६	३१७६
सुरभिवरवारिपडिपुण्णेहि जाव महया	२१२०६	जी० ३१४४४
सुवणं मे जाव उवगरणं	२१६६	सू० २११५०
सुसमा तहेव	२११५६-१६१	२१५०-५२
सुसमासुसमा तहेव	२११६२, १६३	२१५०, ७
सुस्समाणा जाव पज्जुवासंति	३१२०५	११६
सुस्समाणे जाव पज्जुवासइ	२१६०, ५१५८	११६
सूरिय जाव तारारूवा	७१५५	७१५५
सेणावइरयणे जाव पुरोहियरयणे	३११८८, २१०	३११७८
सेणावइरयणे जाव सत्थवाहं	३१२०६, २१५	३११८८
सेणिपसेणिसद्दावणया जाव णिहिरयणाणं		
अद्वाहियं महामहिमं करेइ	३११६८, १६६	३१५८, ५६
हट्ठ करयल जाव एवं	३१८ ३१५; ओ० सू० ५६	
हट्ठ जाव सोमणस्सिए	३१६	३१५
हट्ठतुट्ठचित्तमाणंदिए जाव करयलं	३१७७, ८४	३१८
हट्ठतुट्ठचित्तमाणंदिए जाव विणएणं	३११००	३११६
हट्ठतुट्ठचित्तमाणंदिआ जाव हियया	३१११४	३१५
हट्ठतुट्ठ जाव कोडुंबियं	३१३१, १७३	३१५
हट्ठतुट्ठ जाव पोसहसालाओ	३११६६	३१५
हट्ठतुट्ठ जाव हियए	३११५	३१५
हट्ठतुट्ठ जाव हियया	५१२७	३१५
हत्थिखंधवरगया जाव ओसंति	३१२१३	३१२१२
हयगय जाव सण्णाहेत्ता	३११६६	३११५
हयगयरह तहेव अंजणगिरि	३११७५-१७७	३११५-१७
हयगयरहपवर जाव चाउरंमिणि	३१७७	३११५
हयमहिय जाव पडिसेहिया	३११११	३११०८
हरिय जाव सुहोवभोगे	२११४६	२११४५
हारोत्थयसुकयरइयवच्छे जाव अमरवइं	६१६३, १८०	३११८

सूरपणत्ती

सम्बन्धंतराए जाव परिकस्सेवेणं	१११४	जं० ११७
एवं एमं दीवं एमं समुहं अण्णमण्णस्स अंतरं कददु	११२०	११२०

राइंदिए तहेव	११२४	११२४
तीसे तहेव जाव सव्ववाहिरिया	४१४	४१३
उड्ढीमुहकलंबुयापुष्फसंठिता तहेव जाव वाहिरिया	४१६,७	४१३,४
सेसं तहेव	४१७	४१४
अणुपरियट्टिता जाव विगतजोई	१५११४	१५११०
गह जाव ताराकूवा	१६१२६	१६१२३
वाइय जाव रवेणं	१६१२६	१६१२३
सव्व जाव चिट्ठति	१६१२८	१६१२
समचक्कवालसंठिते जाव णो	१६१२६	१६१३
सव्वतो जाव चिट्ठति	१६१३२	१६१२
समचक्कवाल जाव णो	१६१३३	१६१३

उवंग

अंतरं वा जाव मम्मं	११६६	११६५
अंतराणि जाव पडिजागरमाणे	१११०५	११६५
अंतिए जाव पडिवज्जइ	३११०४	३११०३
अगाराओ जाव पव्वइत्तए	३११०६	३१११८
अज्जगं जाव उवसंपडिजता	११११६	१११०६
अज्जाणं जाव पव्वइत्तए	३११०६,१३८	३११०६
अज्झत्थिए°	३१२६	१११५
अज्झत्थिए जाव समुप्पज्जित्था	१११५; ३१४८,५०,५५; ५१३५	राय० सू० ६
अज्झत्थियं जाव वियाणित्ता	५१३७	१११५
अणगारे जाव अप्पाणं	५१३२	भ० ११५१
अत्तए जाव वेहल्लं	११११४	११११०
अपत्थियपत्थए जाव परिवज्जए	११८६	उवा० २१२२
अम्मयाओ जाव अंगपडिचारियाओ निरवसेसं		
भाणियव्वं जाव जाहे वि य णं तुमं वेयणाए		
अभिभूए सहया जाव तुसिणीए	११७४-८७	११३४-६२
अम्मयाओ जाव एत्तो	३११०१	३१६८
अम्मयाओ जाव जम्म°	११३४	ना० १११३३
अयमेय,रूवे जाव समुप्पज्जित्था	११५१,६६; ३११०६	१११५
असण जाव सम्माणेत्ता	३१५०	ना० ११७१६
अहं जाव पव्वइत्तए	४११४	३११२८
अह्मापडिळ्वं जाव विहरंति	५१२६	३१६६
आएहि जाव ठिइं	११४३	११४१

आधवित्तए वा जाव विष्णवित्तए	३१०६	३१०६
आरंभेहि जाव एरिसएणं	११४०	११२७
आलोएहि जाव पायच्छित्तं	३११५	ठाणं ३१३३८
आसाएमाणीओ जाव परिमाएभाणीओ	११३४	वि० ११२२६
आसुरुत्ते जाव मिसिमिसेमाणे धणुं	११२२	वृत्ति
आहारपज्जतीए जाव भासमणपज्जतीए	३११५	राय० सू० ७६७
आहेवच्चं जाव विहरइ	५१०	ना० ११५६
इच्छिए जाव अभिरइए	३११३	ना० ११११०२
इड्डाहि जाव वग्गहि	११४४	११४१
इमेयारूवे जाव संकप्पे	३१६८	१११५
उक्खेवओ	३१८८, १५४, १६७	३१२०
उक्खेवओ	४१३; ५१३	२१३
उक्खेवओ जाव दस	४११, २	२११, २
उक्खेवओ भाणियव्वो	३१२३, २४	३१२०, २१
उड्डंजाणू जाव विहरइ	११३	ओ० सू० ८२
उवट्टवेत्ता जाव पच्चप्पिणति	११७, १८ राय० सू० ६६०, ६६१	
उवट्टवेत्ता जाव पच्चप्पिणह	४१६	११७
एयारूवे जाव समुप्पज्जित्था	११५४	१११५
एवं मारेउ बंधेउ	११७३	११७३
एवमाइवखइ जाव परूवेइ	११६८	ओ० सू० ५२
ओग्गहं जाव विहरंति	३१३२	३१६१
ओह्य जाव भियाइ	३१६८	१११५
ओह्यमण जाव भियाइ	१११५	वृत्ति
कंता जाव भंड०	३११२८	ना० १११२०६
कयवलिकम्मा जाव अप्प०	१११६	ओ० सू० २०
करयल०	११३६, ५८; ३१०६ १३८; ५११६	वृत्ति
करयल०	११४५; ४१५	११४५
करयल०	११०७	ओ० सू० २०
करयल जाव एवं	११६६	११३६
करयल जाव कट्टु	११५५	११३६
करयल जाव पडिसुणेत्ता	११४५	ओ० सू० ५६
करयल जाव वद्धावेत्ति	११२२	११०७
करयल जाव वद्धावेत्ता	१११६	११०७
काणि जाव वेहल्लं	१११२	११११
कूणिणं करयल जाव पडिसुणेत्ता	११०८	११४५
गामागर जाव सणिवेसाइं	३१०१	ओ० सू० ८६
चउत्थ जाव अप्पाणं	५१२८	२११०

चउत्थ जाव भावेमाणे	३।१४	२।१०
चरमाणे जेणेव रायगिहे नयरे जाव अहापडिरूवं	१।२	राय० सू० ६८६
चिष्णाइं जाव जूवा	३।५०	३।४८
छट्टु	४।२४	२।१०
छट्टुम जाव मासद्ध०	३।८३	२।१०
छट्टुम जाव विचित्तेहि	५।३६	२।१०
छट्टुम जाव विहरइ	२।१०	ना० १।१।२०१
छत्तादीए जाव धम्मियं	१।१६	४।१८
जइस्सइ जाव कालं	१।२१	१।१५
जहा पढमं जाव वेहल्लं	१।११३	१।१०६
जहा पण्णत्तीए । सामिलो निग्गओ खंडियविहूणो		
जाव एवं वयासी — जत्ता ते भंते ! जवणिज्जं च		
ते भंते ! पुच्छा । सरिसवया मासा कुलत्था एगे		
भवं जाव संबुद्धे	३।२६-४५	भग० १।८।२०५-२२१
जहा भगवया कालीए देवीए परिकहियं जाव		
जीवियाओ ववरोविए	१।१४०	१।२२
जहा सिवो जाव गंगाओ	३।५६	३।५१; भग० १।१।६४
ण्हाए जाव सक्कालंकार०	१।७०	ओ० सू० ७०
ण्हायं जाव पायच्छित्तं	३।११०	१।७०
ण्हाया जहा कालादीया जाव जएणं	१।१२६, १३०	१।१२१, १२२
ण्हाया जाव पायच्छित्ता	१।१२१; ५।१६	१।७०
तं चेव जाव कट्टुमुद्दाए	३।५५	३।५५
तं चेव जाव निव्वेयणे	१।६२	१।६१
तं चेव भाणियक्वं जाव वेहल्लं	१।११०	१।१०६
तं चेव सखंधावारे	१।११६	१।११५
तं चेव सक्वं भाणियक्वं जाव आहारं अहारेइ,		
नवरं इमं नाणत्तं - दाहिणाए दिसाए जमे महाराया		
पत्थाणे पत्थियं अभिरक्खउ सोमिलं महाणरिसिं,		
जाणि य तत्थ कंदाणि य जाव अणुजाणउ त्ति		
कट्टु दाहिणं दिसिं पसरइ । एवं पच्चत्थियेणं		
वरुणे महाराया जाव पच्चत्थियं दिसिं पसरइ ।		
उत्तरेणं वेसमणे महाराया जाव उत्तरं दिसिं		
पसरइ । पुठ्वदिसागमेणं चत्तारि वि दिसाओ		
भाणियक्वाओ जाव आहार आहारेइ	३।५३, ५४	३।५१
तलवर जाव संधिवाल०	१।६२	ओ० सू० ६३
तलवर जाव सत्थवाह०	३।१०१	१।६२
तवसा जाव विहरंति	३।६६	१।१

तहारुवार्णं जाव विउलस्स	१११७	ओ० सू० ५२
तहेव भाणियव्वं जाव वेहुल्लं	१११०८	१११०७
तिक्खुत्तो जाव एवं	११२१	ओ० सू० ८१
ते जाव पच्चप्पिणंति	४११७	१११८
दंतिसहस्सेहि जाव ओयाए	१११५	१११४
दंतिसहस्सेहि जाव मणुस्सकोडीहि	१११३६	१११४
दंतिसहस्सेहि जाव रहमुसलं	११२१	१११४
दंतिसहस्सेहि जाव सत्तावण्णाए	१११३७	१११४
दिव्वा जाव अभिसमण्णगया	३१८५	राय० सू० ७६७
दुज्जाएहि जाव नो संचाएमि विहरित्तए	३११३४	३११३१
दुरंत जाव परिवज्जिया	११११५	११८६
देवसयणिज्जंसि जाव ओगाह्णाए	३१८३; ४१२४	३११२०
देवसयणिज्जंसि जाव भासमणपज्जत्तीए	३११६१; १६२	३१८३, ८४
देविड्ढी जाव अभिसमण्णागया	३११२२	३१८४
देवी जाव कहि	४१२६	३११२५
देवे जाव एवं	३१७५, ७६	३१५७, ५८
नमंसंति जाव पज्जुवासंति	५१३६	ओ० सू० ५२
नरए जाव नेरइयत्ताए	१११४०	११२६
नाइ जाव रवेणं	४११८	३११११
निक्खेवओ	३१८७, १६६ १७०; ४१२७; ५१४३	३११६
निसम्म जाव हियया	११२१	ओ० सू० ८१
नीय जाव अडमाणे	३११३३	३११००
पढमं भणइ तहेव	३१७७	३१५६
परिजाणइ जाव तुसिणीए	३१६१	३१५६
पवर जाव पच्चप्पिणंति	५११८	१११२३
पासादीए जाव पडिरूवे	५१५	५१३
पुप्फ जाव दरिसणिज्जे	५१६	ना० ११५४
पुव्वरत्ता जाव समुप्पज्जित्था	११६५	११५१
पुव्वाणुपुव्वि जाव अंबसालवणे विहरइ	३१२६	ओ० सू० ५२
बहुपडिपुण्णाणं जाव सूमालं	११५३	ओ० सू० १४३
बहूणं नगरनिगम जहा आणंदो	३१११	उवा० ११३
बुज्झिहिइ जाव अंतं	१११४१	ओ० सू० १५४
बुज्झिहिइ जाव सव्वं	५१४३	ओ० सू० १५४
भगवं जाव पज्जुवासांमि	१११७	ओ० सू० ५२
भविता जाव पव्वयाइ	३१११२	३११०६
भविता जाव पव्वयाहि	३११३६	३११०६

भीए जाव संजायभए	११८६	ना० ११११६०
भीया जाव देवाणुप्पियाणं	४११६	३१११२
भोगभोगाई जाव विहरामि	३११०६	३१६८
मज्जणघरे जाव दुल्लहे	५११६	१११२४
मुंडा जाव पव्वयाइ	४११६	३११०६
मुंडा जाव पव्वयामि	३११३६	३११०६
मुंडा जाव पव्वयाहि	३११०७, १३६	३११०६
मुंडे जाव पव्वइत्तए	५१३२	३११०६
मुच्छिप्पा जाव अज्झोववणा	३१११४, ११५	ना० ११११२८
मुच्छिप्पा जाव अम्मंगणं	३१११६	३१११४
रज्जं च जाव जणवयं	११६४	११६६
रज्जसिंरि जाव विहरामि	११७१	११६५
रज्जेण वा जाव जणवएण	११६६	११६६
राईमर जाव सत्थवाहं	५१२०	११६२
लोह जाव गहाय मुंडे जाव पव्वइए	३१५५	३१५०
लोह जाव घडावेत्ता जाव उवक्खडावेत्ता	३१५५	३१५०
लोह जाव दिसापोविखयं	३१५०	३१५०
वसही जाव वद्धावेत्ता	११११०	राय० सू० ६८३
वाणारसीए जाव पुप्फारामा य जाव रोविया	३१५५	३१४८
विउलाई जाव विहरामि	३११०६	३१६८
विउलाई जाव विहरिस्सए	३११३१	३११३१
संकाइय जाव कट्टमुदाए	३१६३	३१७३
संजमेणं जाव विहरइ	११२	राय० सू० ६८६
सण्णद्ध जाव गहियाउहं	१११३८	राय० सू० ६६४
सद् जाव विहरइ	५१२०	ओ० सू० १५
सद्धि जाव भुंजमाणी	३११३१	३११३०
समाणी जाव पव्वइत्तए	३११०८	३११०६
समाणे जाव भासमणपज्जत्तीए	३१८४	३११५
सीयं जाव विविहा	३११२८	ना० १११२०६
सुरं च जाव पसणं	११३४	वि० ११२२६
सोल्लेहि य जाव दोहलं	११४६	११३४
हट्ठ जाव हियया	११४२; ३११२८	ओ० सू० २०
हीलिज्जमाणीए जाव अभिवक्खणं	३१११८	३१११७

परिशिष्ट ३

प्रमाणविधि

- अव्यय, सर्वनाम का साक्ष्य-स्थल का निर्देश प्रायः एक बार दिया है।
- रूट (√) अंकित शब्द धातुएं हैं। उनके रूप भी दिए गए हैं।
- शब्द के बाद साक्ष्यस्थल -

पणवणा - पहला प्रमाण पद का, दूसरा सूत्र का और तीसरा श्लोक का परिचायक है।

जंबुद्वीवपण्णत्ती - पहला प्रमाण वक्खार का, दूसरा सूत्र का, तीसरा श्लोक का परिचायक है।

चंदपण्णत्ती, सूरपण्णत्ती - पहला प्रमाण पाहुड का, दूसरा सूत्र का, तीसरा श्लोक का परिचायक है।

उवंग - अंक १ निरयावलियाओ, अंक २ कप्पवडिसियाओ, अंक ३ पुप्फियाओ, अंक ४ पुप्फचूलियाओ, अंक ५ वणिहदसाओ का परिचायक है। दूसरा सूत्र का प्रमाण, तीसरा श्लोक का है।

अध्ययन (पद, वक्खार) आदि के परिवर्तन का संकेत (;) सेमिकोलन है।

जहां एक सूत्र में अनेक श्लोक आ गए हैं वहां आगे के सूत्र की संख्या से पहले अध्ययन की संख्या भी दी गई है। जैसे उत्पल (उत्पल) पृ० १।४६, १।४८-१।४९, १।६२।

शब्द पहले सूत्र में आया फिर उसी सूत्र के श्लोकों में आया तो उसके दोनों प्रमाण दिए हैं, जैसे - अइकाय (अतिकाय) पृ० २।४५, २।४५।२।

अ

अ (अ) प ११६७
 अइ (अपि) प २१६४।७
 अइ (अपि) उ ११२६; ५।४०
 अइकंत (अतिकान्त) ज २।१५
 अइकाय (अतिकाय) प २।४५, २।४५।२
 अइगच्छमाण (अतिगच्छत्) ज ३।२१७
 अइगय (अतिगत) ज ३।८१
 अइछत्त (अतिछत्त) प २।४८
 अइतेया (अतितेजा) ज ७।१२०।२
 अइदूर (अतिदूर) ज २।१०; ३।२०५, २०६;
 ५।५८
 अइपडागा (अतिपताका) ज ३।७
 अइमुत्तग (अतिमुत्तक) प १।५४
 अइमुत्तय (अतिमुत्तक) प १।४०।३
 अइमुत्तय (लता) (अतिमुत्तकलता) प १।३१।१
 अइरत्त (अतिरात्र) सू १।२।१७।१
 अइरित्त (अतिरित्त) उ ५।४५
 अइरेक (अतिरेक) ज २।१५
 अइवइत्ताण (अतिव्रज्य) प ३।४।१६
 अइविकिट्ठ (अतिविकिट्ठ) उ १।११०
 अइविकिट्ठ (अतिविकिट्ठ) उ १।१२६, १३३
 अइसीय (अतिशीत) ज ७।११२।१
 √अइ (अति-। इ) अईइ ज ३।१५७, १८६
 अईव (अतीव) ज २।८, ६; ७।२१३ उ ३।४६
 अउज्झ (अयोध्य) प २।३०, ३१, ४१
 अउणतीस (एकोनविंशत्) सू २।३
 अउणत्तर (एकोनसप्तति) ज ६।१०
 अउणत्तरि (एकोनसप्तति) ज ७।८२
 अउणपण्णास (एकोनपञ्चाशत्) सू १।६।२।१।२
 अउणाउति (एकोनवति) सू १।२७
 अउणाणउति (एकोनवति) सू १।६।१४, १५।१
 अउणाणवइ (एकोनवति) ज ७।७३
 अउणापण्ण (एकोनपञ्चाशत्) ज ४।२४०

सू० १०।१६३

अउणावीस (एकोनविंशति) सू २।३
 अउणासीइ (एकोनाशीति) ज १।७।१
 अउणासीत्त (एकोनाशीति) सू १।२७
 अउणासीत्ति (एकोनाशीति) सू २।२।३
 अउणासीय (एकोनाशीति) ज ४।२३४; ७।१६
 अउण्णापण्ण (एकोनपञ्चाशत्) प २।६४
 अउय (अमुत्त) ज २।४; ७।१७८
 अउयंग (अमुत्तांग) ज २।४
 अउल (अतुल) ज ३।६५, १५६
 अओज्झ (अयोध्य) ज ३।११७; ४।२१२
 अंक (अंक) प १।२०।३; २।३०, ४८, ४९;
 १७।१२८ ज २।१५; ४।२१२, २५५; ५।५
 अंकमय (अंकमय) ज ७।१७८
 अंकमुहसंठित (अंकमुखसंस्थित) ज ७।३१,
 ३३ सू ४।३, ४, ६, ७
 अंकलिवि (अंकलिपि) प १।६८
 अंकवडेंसय (अंकावतंसक) प २।५१, ५६
 अंकावई (अंकावती) ज ४।२०।२।२, २११;
 ७।१७८
 अंकिय (अंकित) प २।३०
 अंकुर (अंकुर) प ३।६।६४ ज २।१३१, १४४
 से १४६
 अंकुस (अंकुश) ज २।१५; ३।३; ५।३८;
 ७।१७८
 अंकेल्लण (दे०) ज ३।१०६
 अंकोल्ल (अंकोल, अंकोठ, अंकोट) प १।३५।१,
 १।३७।५
 अंग (अंग) प १।६३।१, १।१०।१।६, ८
 ज २।१४; ३।६, ३५, १०६, २२१, २२२
 उ १।१२२, १२६; २।१०; १२; ३।१४,
 १५०, १६१, १६६; ५।२८, ३६, ४१
 अंगइ (अंगजित्) उ ३।१०, ११, १३, १४, २१
 अंगण (अंगन) प १।१२५ ज २।६६; ५।५, ७

अंगद (अंगद) प २।३०, ४६
 अंगपडियारिया (अंगपरिचारिका) उ १।३६, ३७
 अंगमंग (अंगमंग) ज २।१६, ११३
 अंगघ (अंगद) प २।३१, ४१ ज ३।६, २११,
 २२२
 अंगलोघ (अंगलोक) ज ३।८१
 अंगा (अंग) उ १।१२२
 अंगारग (अंगारक) प २।४८
 अंगुट (अंगुष्ठ) ज ३।१०६
 अंगुल (अंगुल) प १।७४, ७५, ८४; २।६४,
 २।६४।८; १।१२२, १६, २७, ३१, ३२, ३७, ३८;
 १।५।७ से ६, २२, ४० से ४२; १।८।४१, ४३, ६५,
 ११७; २।१।३८, ४० से ४३, ४८, ६३ से ७१, ८४,
 ८६, ९० से ९२; ३।३।२२, १३, १६, १७;
 ३।६।६६, ७०, ७२ से ७४, ८१ ज १।७; २।६
 सू १।१४; १।०।६३ से ७३; १।६।२।१।७.
 उ ३।८३, १२०, १६१; ४।२४
 अंगुलपुहस्तिघ (अंगुलपृथक्स्तिघ) प १।७५
 अंगुलि (अंगुलि) प २।३०, ३१, ४१ ज २।१५;
 ३।६, १८४, १८६, २०४, २२२
 अंगुलिज्जग (अंगुलीयक) ज ३।६, २२२
 अंगुलितल (अंगुलितल) ज ३।७, ८८
 अंगुलिय (अंगुलिक) ज ५।५८
 √अंघ (कृष्) अंघेइ ज ३।६
 अंघिय (अंघित) ज ५।५७
 अंघेत्ता (कृष्त्वा) ज ३।६
 √अंज (अञ्ज) अंजेइ उ ३।११४
 अंजण (अञ्जन) प १।२०।२; २।३१; १।७।१२३
 ज ४।२०२; ५।५, २१ सू २०।२ उ ३।११४
 अंजणई (अञ्जनकी) प १।४०।५
 अंजणकेसियाकुसुम (अञ्जनकेसिकाकुसुम)
 प १।७।१२४
 अंजणग (अञ्जनक) ज २।११७, ११६, १२०
 अंजणगिरि (अञ्जनगिरि) ज ३।१७
 अंजणगिरिकूड (अञ्जनगिरिकूट) ज ३।६१, १७७,

१।८३, २०१, २१४
 अंजणा (अञ्जना) ज ४।१५।२, २२३।१
 अंजणागिरि (अञ्जनगिरि) ज ४।२२।१
 अंजलि (अञ्जलि) ज २।६५; ३।५, ६, ८, १२,
 १६, २६, ३६, ४७, ५३, ५६, ६२, ६४, ७०, ७२,
 ७७, ८१, ८४, ८८, ९०, १००, ११४, १२६, १३३,
 १३८, १४२, १४५, १५१, १५७, १६५, १८१,
 १८६, १८६, २०४ से २०६, २०६; ५।५,
 २१, ४६, ५८ उ १।३६, ४५, ५५, ५८, ८०, ८३,
 ८६, १०७, १०८, ११६, ११८, १२२; ३।१०६,
 १३८; ४।१५; ५।१७
 अंजलिपुट (अञ्जलिपुट) ज ३।८१
 अंङग (अण्डज) ज ५।३२
 अंत (अन्त) प ६।११०; २०।१८; २१।६०;
 ३।६।८८, ९२ ज १।२२, २७, ५०; २।५८,
 ८४, १२३, १२८, १५१, १५७; ४।१०१, १०३,
 १७१, १७८, २०० सू ४।४, ७; २०।२, ७
 उ १।४२, १४१, १४७; २।१३; ३।२१,
 ८६, १५२, १६५; ५।४३
 अंतकड (अन्तकृत) ज २।८८, ८९
 अंतकर्म (अन्तकर्मन्) ज ५।५८
 अंतकर (अन्तकर) उ १।५४, ७६
 अंतकरिया (अन्तक्रिया) प १।१५; २०।१।१,
 २०।१ से ४, ६ से १३, ४०, ४४, ४६, ४८
 अंतकखरिया (अन्त्याक्षरिका) प १।६८
 अंतगड (अन्तकृत) ज ३।२२५
 अंतगमण (अन्तगमन) उ १।४२
 अंतर (अन्तर) प २।३०, ३१, ४१; १।१।७०
 ज १।१७; ३।३, ३५, २२१; ४।२७, ४६,
 १४०।२; ७।६, ६५, ८६, १६८, १७८, १८२
 च ३।१ सू १।७।१, १।१६, २०, २१, २४, २७;
 २।२; ६।१; १।२।२०; १।६।२।२।८
 उ १।२४, ४७, ६५, ६६, ६८, ९०, ९२, १०५,
 १०६
 अंतरकंद (अन्तरकन्द) प १।४।८।४२
 अंतरगत (अन्तर्गत) सू ५।१; ७।१

अंतरणई (अन्तर्नदी) ज ४।२।२२; ५।५।५
 अंतरदीव (अन्तर्द्वीप) प २।२।२६; ६।६।४
 अंतरदीवग (अन्तर्द्वीपज, °द्वीपक) प १।८।५, ८६;
 ६।७।२, ८१, ६७, १०८; १।७।१।७।२; २।१।७।२
 अंतरदीवय (अन्तर्द्वीपज, °द्वीपक) प १।८।४, ८६;
 ६।७।६; १।७।१।६।२; २।१।५।४
 अंतरदीवहिय (अन्तर्नदीधिक) ज ३।७
 अंतराद्वय (आन्तराधिक) प २।२।२८; २।३।१,
 ८, १२, २३, २४, ५६, १३३, १५४, १५६, १६३,
 १६६, १७५, १८६, १९०, २०२; २।४।१;
 २।५।१, ३; २।६।१, ७; २।७।१, ४
 अंतरापह (अन्तरापथ) प १।६।२२
 अंतराय (अन्तराय) प २।४।१५
 अंतरावास (अन्तरावास) उ १।१००, १।२६, १।३३
 अंतरिय (अन्तरित) ज ३।१।८, ३।१।६५, ६६, १।५।६,
 १।६०, १।८० उ १।१।३।४; ३।१।४, ८३, १।२०,
 १।६१; ४।२।४
 अंतरिया (अन्तरिका) सू १।६।२।२।३०
 अंतलिक्ख (अन्तरिक्ष) ज ३।१।४, २६, ३०, ३६,
 ४३, ४७, ५१, ५६, ६०, ६४, ६८, ७२, १।१।३, १।३६,
 १।३८, १।४०, १।४५, १।४६, १।७।२ उ ३।६।६
 अंतवाल (अन्तपाल) ज ३।२।६, ३६, ४७, १।१।३
 अंतिय (अन्तिक) प ३।४।१।६, २।१ ज ३।६, ८, १।३,
 ७७, ८४, ६१, १०७, १।१।३ से १।१।५, १।२।५,
 १।३८, १।५।३, १।६।६ ५।२।२, २।३, २।६ से २।८।७।३
 उ १।२।१, २।३, ३।७, ४।१, ४।५, ८८, १।१।५, १।१।७,
 १।१।६, १।२।१, १।२।६; २।१।०, १।२; ३।१।३, १।४,
 २।६, ५०, ५५, ५७, ६५, ६६, ७२, ७५, ७६, १०३,
 १०४, १०६ से १०८, १।१।२, १।१।८, १।३।४, १।३।६,
 १।३।८, १।३।६, १।४।८, १।५।०, १।६।१, १।६।६; ४।१।४,
 १।६, २०, २८; ५।२।८, ३।२, ३।६, ४।१, ४।३
 अंतियाओ (अन्तिकतस्) उ ३।१।१०
 अंतेउर (अन्तःपुर) ज २।६।४; ३।२।२।४; ५।५,
 ७ उ १।१।६, ६।३, ६।७, ६।८, १०।५ से १०।७, १।१।६
 अंतेवासि (अन्तेवासिन्) ज १।५; २।८।२, ८।३

च १० सू १।५ उ १।२, ३; ५।२०, ४०, ४१
 अंतो (अन्तर) प १।७।४, ८४; २।७, २० से २।७,
 २।६ से ३।५, ४।१, ४।८; २।३।६।१, १।२।६, १।७।७,
 १।८।२, १।८।६, १।६०; ३।३।२।७ से २।६
 ज १।१।३, १।४, ३।१, ३।६; ३।६।८; ४।१।१, ४।६,
 ५०, १।१।४, १।१।७, १।३।१, २।३।४, २।४।०; ५।३।२;
 ७।३।१, ३।३, ५।५, १।६।१ सू ४।३, ४।६, ७;
 १।६।२।२।१।५, २।१, १।६।२।३; २०।७
 अंतोमुहुत्त (अन्तर्मुहुत्त) प ४।२, ३, ५, ६, ८, ९, १।१,
 १।२, १।४, १।५, १।७, १।८, २०, २।१, २।३, २।४, २।६,
 २।७, २।८, ३०, ३।२, ३।३, ३।४, ३।६, ३।८, ३।९, ४।१, ४।२,
 ४।४, ४।५, ४।७, ४।८, ५०, ५।१, ५।३, ५।४, ५।६ से ६।७,
 ६।६ से १।६।४, १।६।६, १।६।७, १।६।८, १।७।०, १।७।२,
 १।७।३, १।७।५, १।७।६, १।७।८, १।७।९, १।८।१, १।८।२,
 १।८।४, १।८।५, १।८।७, १।८।८, १।८।९, १।९।१, १।९।३,
 १।९।४, १।९।६, १।९।७, १।९।८, २०।०, २०।२, २०।३,
 २०।५, २०।६, २०।८, २०।९, २।१।१, २।१।२, २।१।४,
 २।१।५, २।१।७, २।१।८, २।२।०, २।२।१, २।२।३, २।२।४,
 २।२।६, २।२।७, २।२।८, २।३।०, २।३।१, २।३।३, २।३।५,
 २।३।६, २।३।८, २।३।९, २।४।१, २।४।२, २।४।४, २।४।५,
 २।४।७, २।४।८, २।५।०, २।५।१, २।५।३, २।५।४, २।५।६,
 २।५।७, २।५।८, २।६।०, २।६।२, २।६।३, २।६।५, २।६।६,
 २।६।८, २।६।९, २।७।१, २।७।२, २।७।४, २।७।५, २।७।७,
 २।७।८, २।७।९, २।८।१, २।८।३, २।८।४, २।८।६, २।८।७,
 २।८।८, २।८।९, २।९।२, २।९।३, २।९।४, २।९।६, २।९।८,
 २।९।९; ६।२०, २।१; १।८।३, ४।८, ६।१, १।२,
 १।४ से १।६, १।८ से २।४, २।६ से २।८, ३० से
 ३।६, ४।१ से ५।४, ५।६, ५।७, ५।८, ६।१, ६।३ से ६।७,
 ६।६ से ७।४, ७।६ से ७।६, ८।३, ८।५, ८।६, ८।७, ८।८,
 ८।९, १०।३ से १०।५, १०।७, १०।८, १०।९, १०।१०, १०।११,
 १०।१२, १०।१३, १०।१४, १०।१६, १०।२०; २०।६।३;
 २।३।६।०, ६।२, ६।५, ६।७, ७।२, ७।८, ७।९, १।३।३, १।४।७,
 १।५।८, १।६।२, १।६।५, १।६।६, १।७।०, १।७।६, १।८।४;
 २।८।४।७, ५।०; ३।६।६।१, ७।६ ज २।८।४, १।२।३,
 १।२।८, १।४।८, १।५।१; ४।१०।१

अंतोमुहुत्तग (अन्तर्मुहुत्तक) प ११७१
 अंतोमुहुत्तद्वाज्य (अन्तर्मुहुत्ताद्वाज्युक) प १७४
 अंतोमुहुत्ताज्य (अन्तर्मुहुत्ताज्युक) प १८४
 अंतोमुहुत्तिय (अन्तर्मुहुत्तिक) प १५६१;
 २८४,३०; ३६२,८४,६२
 अंतोवाहिणी (अन्तर्वाहिनी) ज ४२१२
 १/अंदोलाव (अन्दोलय्) अंदोलावेइ उ १६७
 अंधकार (अन्धकार) ज ३६३,६५,१५७,१५६,
 १६३ सू १४५ से ८; १६५,६
 अंधकारपक्ष (अन्धकारपक्ष) सू १३११; १४२,
 ३,५ से ८
 अंधयार (अन्धकार) प २२० से २७ ज १२४;
 ३३१,१०६
 अंधयारसंठिति (अन्धकारसंस्थिति) ज ७३३,
 से ३५ सू ४६,७,६
 अंधिया (अन्धिका) प १५११
 अंब (आम्र) प १३५१; १६५५; १७१३२,
 १३३ ज ३११६
 अंबट्ट (अम्बट्ट) प १६४१
 अंबर (अम्बर) ज ७१७८
 अंबरतल (अम्बरतल) ज ३१४,३०,४३,५१,६०
 ६८,१३०,१३६,१४०,१४६,१७२
 अंबसातवण (आम्रसातवन) उ ३२६,६,६५
 अंबाडग (आम्रातक) प १३६१; १६५५;
 १७१३२
 अंबाराम (आम्राराम) उ ३४८ से ५०,५५
 अंबिल (अम्ल) प १४ से ६; ५५,७,२०५;
 २८२६,३२,६६ ज २१४५
 अंबिलसाय (अम्लशाक) प १४४१
 अंबिलिया (अम्लिका) ज ३११६
 अंबिलोदय (अम्लोदक) प १२३
 अंबुभक्षि (अम्बुभक्षिन्) उ ३५०
 अंस (अंस) उ ११३८
 अंसु (अश्रु) ज २६०, १०३, १०६, १०८
 अकंटय (अकण्टक) ज २१२

अकंत (अकान्त) ज २१३३
 अकंततरिया (अकान्ततरका) प १७१२३ से १२५,
 १३० से १३२
 अकंतत्त (अकान्तत्व) प २८२४
 अकंतस्तर (अकान्तस्वर) ज २१३३
 अकंतस्तरता (अकान्तस्वरता) प २३२०
 अकंप (अकम्प) ज २६८; ३७६,६६ से १०१
 ११६
 अकज्ज (अकार्य) ज २१३३
 अकण (अकर्ण) प १८६
 अकलिम (अकृत्रिम) ज २१२२, १२७; ४१००,
 १७०
 अकम्मभूज (अकर्मभूमज) प १८५, ८७; ६७२
 ८१ ८४, ६५, ६७, १०८; २१५४, ७२
 अकम्मभूय (अकर्मभूमज) प ६७६; १७१६२,
 से १६४, १७२
 अकम्मभूमि (अकर्मभूमि) प १८४; २२६
 अकपुण्य (अकृतपुण्य) उ १६२; ३६८, १०१
 १२१
 अकरंडुय (अकरण्डक) ज २१५
 अकरणया (अकरणता) उ ३११५
 अकविल (अकपिल) ज २१५
 अकसाइ (अकपायिन्) प ३६८; १३१६;
 १८६७; २८१३७
 अकसायसमुग्घाय (अकपायसमुद्घात) प ३६४८
 अकसायि (अकपायिन्) प ३६८
 अकाइय (अकायिक) प ३५०; १८२६
 अकामय (अकामक) उ ३१०६
 अकामिय (अकामित) उ १५२, ७७
 अकाल (अकाल) ज ३१०४, १०५
 अकालतानु (अकालतानु) ज ३१०६
 अकालपरिहीण (अकालपरिहीन) ज ५२२, २६
 से २८
 अकलिम (अकृत्रिम) ज १२१, २६, ४६; २५७,
 १४७, १५०, १५६
 अक्रिय (अक्रिय) प १७२५; २२७, ८, २६, ३०

३२ से ३४, ३६, ३७, ४५
 अकुडिल (अकुटिल) ज २।१५
 अकुध्वमाण (अकुर्वत्) सू २०।७
 अकेसर (अकेसर) प १।४८।४६
 अकोह (अक्रोध) ज २।६८
 अवक (अर्क) प १।३।७।३
 अवकबोदी (दे०) प १।४०।५
 ✓ अवकम (आ-+कम्) अवकमड उ १।११६
 अवकमाहि उ १।११५
 अवकमिस्ता (आक्रम्य) उ १।११५
 अविकज्ज (अक्रय) ज ३।१६७।१३
 अविकट्ठ (अक्लिष्ट) ज २।४६
 अवकुस्समाण (आक्रोशत्) उ ३।१३०
 अवकोप (अकोप्य) ज २।१५
 अवकोसमाण (आक्रोशत्) उ ३।१३०
 अवख (अक्ष) ज २।६, १३४
 अवखय (अक्षय) ज १।११, ४७; ३।१६७, २२६;
 ४।२२, ५४, ६४, १०२, १५६; ५।२१
 ७।२१० उ ३।४३, ४४
 अवखर (अक्षर) ज २।६, १३४
 अवखरपुट्ठिया (अक्षरपुष्टिका, ^१पृष्टिका) प १.६८
 अवखाइया (आख्यायिका) प १।१३४।१
 अवखाइयाणिसिंया (आख्यायिकानिश्चिना)
 प १।१३४
 अवखात (आख्यात) प १।४६, ६६, ७५, ८१;
 २।२१ से २६, ३०, ३२ से ३६, ४१, ४३, ४६,
 ४८ से ५२, ५५ से ५७, ६० से ६२ सू
 ३।१; १३।२
 अवखाय (आख्यात) प १।५०, ५१, ६०, ७६;
 २।२०, ३१, ५८, ५९ ज २।२६; ४।२१;
 ६।१०, ११, १४, १५, १८ से २२, २६; ७।४, ६३
 ८७ सू १०।१२७
 ✓ अवखिव (आ-+क्षिप्) अवखिवड उ १।१०५
 अवखिविउकाम (आक्षेप्तुकाम) उ १।१०५
 १. टीका में अक्षर-स्पष्टिका है।

अक्खीण (अक्षीण) प ३६।८२
 अक्खोड (अक्षोट) प १६।५५
 अक्खोहय (अक्षोटक) प १७।१३२
 अक्खोम (अक्षोभ) ज ३।३
 अगंतूण (अगत्वा) प ३६।८३।२
 अगंथ (अग्रन्थ) ज २।७०
 अगक्खमाण (अगच्छत्) सू २।२
 अगड (दे०) प २।४, १३.१६ से १६, २८; ११।७७
 ज २।३१
 अगणि (अग्नि) प १।४८।५६; २।२० से २५
 अगणिकाय (अग्निकाय) ज २।१०५ से १०८
 अगत्थि (अगस्ति) प १।३८।२ ज २।१० सू
 २०।८, २०।८।४
 अगहलहुय (अगुरुलघुक) प १५।५७ ज २।५१, ५४,
 १२१, १२६, १३०, १३८, १४०, १४६, १५४, १६०,
 १६३
 अगहयलहुयपज्जव (अगुरुलघुकपर्यव) ज २।१४६,
 १५४, १६०, १६३
 अगहयलहुयपरिणाम (अगुरुलघुकपरिणाम)
 प १३।२१, ३०
 अगार (अगार) प २०।१७, १८ ज २।६५, ६७, ८५,
 ८७ उ ३।१३, १०६ से १०८, ११२, ११८,
 १३६, १३८, १३९; ४।१४, १६; ५।३२, ४३
 अगारवास (अगारवास) ज २।८७; ३।२२५
 उ ३।११८
 अगुरु (अगुरु) ज २।१०६, ११०
 अगुरुलघुअणाम (अगुरुलघुवनामन्) प २३।५१
 अगुरुलघुणाम (अगुरुलघुवनामन्) प २३।३८, ११
 अग्य (अग्र) प २।३१ ज १।३७; २।१२०; ३।१२,
 १८, २२, ३१, ७६, ८८, १०७, १२५ से १२८,
 १५१, १५२, १५६, १८०
 अगंगुलिया (अग्रंगुलिका) उ १।५६, ६१ से ६३
 ८४, ८६, ८७
 अगभाव (अग्रभाव) ज ७।१३२।१. सू १०।६४
 अगमहिंसी (अग्रमहिंसी) प २।३० से ३३, ३५,

४१, ४३, ४८ से ५२ ज १४५; २१०,
 ४१५१; ५११, ३६, ४१, ४४, ५०, ५२, ५३;
 ७१६८२, १८३, १८६ सू १८२१, २३, २४,
 २०६
 अमर (दे०) प १८६
 अमल (अर्गल) सू २०८
 अमसाला (अग्रशाला) ज २१०; ४१६६
 अगसिहर (अग्रशिखर) ज १३७
 अगहृत्थ (अग्रहृत्थ) ज २१५
 अग्राणीय (अग्रणीक) ज ३१०७ से १०६
 अग्नि (अग्नि) प २३०१, २४०२, ६, ११;
 ३६१६४ ज २१६; ३३, ६५, ११५, १२४, १२५
 १५६; ५१६, ५२; ७१३०, १८६३ उ ३४८,
 ५०, ५१, ६४
 अग्निकुमार (अग्निकुमार) प ११३१; ५३
 ६१८ ज २१०५, १०६
 अग्निदेवया (अग्निदेवता) सू १०८३
 अग्निमाणव (अग्निमानव) प २४०१७
 अग्निमेह (अग्निमेष) ज २१३१
 अग्निल (अग्निल) सू २०८५
 अग्निवेस (अग्निवेशमन्) ज ७११७, १२२३,
 १३२३ सू १०८४३, १०८६३
 अग्निसीह (अग्निसिह) प २४०६
 अग्निहोत (अग्निहोत्र) उ ३५५, ६३, ७०, ७३
 अग्निहोम (अग्निहोम) ज ५१६
 √अग्धा (आ + घ्रा) — अग्धाति प १५३८, ४२
 अग्धाडग (दे० अपामार्ग) प १३७४
 अचंचल (अचञ्चल) ज ३१०६
 अचंडपाडिय (अचण्डपातित) ज ३१०६
 अचक्षुदंसण (अचक्षुदर्शन) प ५१५, ७, १०, १२,
 १४, १६, १८, २०, २१, ४५, ५३, ५६, ५६, ६३,
 ६८, ७१, ७४, ७८, ६३, ६७; २६३, ७, १०,
 १३, १४, १७, १६ से २१
 अचक्षुदंसणावरण (अचक्षुदर्शनावरण) प २३१४
 अचक्षुदंसणि (अचक्षुदर्शनिन्) प ३१०४;
 ५१४७, ६५, ८०, ६६, ११७; १८८६

अचरिति (अचरिन्ति) प १३१४, १८, १६
 अचरिम (अचरम) प ११०३, १०६, १०७ १०६
 ११०, ११३, ११४, ११६, ११६, १२०, १२२,
 १२३; ३१२३; १०२ से १३, २१, २६ से ५३;
 १८१२७
 अचरिमंत (अचरमान्त) प १०२ से ५, २१, २६, से
 २६
 अचल (अचल) ज ३१६६ से १०१; ५१२१
 अचवल (अचपल) ज ५१५, ७
 अचित (अचित्ति) प ६१३ से १७, १६ ज २१६६
 अचित्तजोणीय (अचित्तयोनि) प ६१६
 अचित्ताहार (अचित्ताहार) प २८१, २
 अचिरवत्तविवाह (अचिरवृत्तविवाह) सू २०७
 अचेलय (अचेलक) ज २१६६
 अचोक्ख (दे०) ज ५१५
 √अच्च (अर्च्) अच्चेइ उ ५७ अर्चति ज २१२०
 अच्चंत (अत्यन्त) उ १७२, ७३, ८७, ८८, ६२;
 ३४८, ५०, ५५
 अच्चणिज्ज (अर्चनीय) ज ७१८५ सू १८२३
 अच्चणिया (अर्चनिका) ज ४१४०१
 अच्चसण (अत्यशन) ज ७११७२ सू १०८६२
 अच्चासण (अत्यासन्न) ज २१६०; ३१२०५, २०६,
 ५१५८
 अच्चासन्न (अत्यासन्न) ज १६
 अच्चि (अर्चिस्) प १२६; २३०, ३१, ४१, ४६
 अच्चिणेत्ता (अर्चयित्वा) ज ३१८८
 अच्चिमालि (अर्चिमालिन्) प २१५०, ५४, ५८ से ६०
 ज ७१८३ सू १८२१, २४; २०६
 अच्चिसहस्रमालणीय (अर्चिसहस्रमालनीक)
 ज ४१२७; ५१२८
 अच्चुइंद (अच्युतेन्द्र) ज ५१५८
 अच्चुण्ह (अच्युण्ण) ज ७११२१ सू १०१२६१
 अच्चुत (अच्युत) प ११३५; २४६, ५६, ६०; ३१८३
 अच्चुतवडंसय (अच्युतावतंसक) प २१५६
 अच्चुय (अच्युत) प २४६, ५६, ५६२, ६३; ४१२६४

से २६६; ६१३८, ५६, ६६, ८५, ८६, ८७, ७१६;
१५१८८, २०६१, २१६१, ७०, ६१, ६२; २८८६;
३०२६; ३३१६, २४, ३४१६, १८ ज २६४;
५१४६, ५४, ५६, ५८, ५९ उ २०२; ५१४१

अच्छुयग (अच्छुयक) ज ५१४६

अचवेत्ता (अचवेत्तवा) ज २१२०

अच्छ (रुध) प १६६; ११२१ ज २३६, १३६

अच्छ (अच्छ) प १६३४; २३०, ३१, ४१, ४६, ५०
५२, ५८, ५९, ६३, ६४ ज १८ से १०, २३, ३१,
३५, ५१; ३१२, ८८, १०६, १६४; ४११, ३, ७, १२,
१५, २४, २५, २८ से ३१, ३६ से ४१, ४५, ५७,
६२, ६४, ६६ से ६८, ७४ से ७६, ८६, ८८, ६१
से ६३, १०३, ११०, ११४, ११८, १४३, १५६
१७८, २०३, २०६, २१३, २१८, २४२, २४५,
२५१, २५२, २६०१; ५१५८, ७५५ सू ५१;
१६१२३

√अच्छ (आम्) अच्छेज्ज प २६४१६

अच्छत्तय (अच्छक) उ ५१४३

अच्छरगण (अप्सरगण) प २३०, ३१, ४१ ज १३१

अच्छरसातंडुल (अप्सरसातंडुल) ज ३१२, ८८;
५१५८

अच्छरा (दे०) प ३६१८१

अच्छरा (अप्सरम्) प ३४१६ से २४ उ ५१५

अच्छि (अक्षि) प १४८१४७; ११२५ चं ११ ज
२४३; ३११७८; ७१७८ उ० ३११४

अच्छिण (अच्छिन्न) प १५४० से ४२

अच्छिद् (अच्छिद्) ज २१५

अच्छिरोड (अक्षिरोड) प १५१

अच्छिवेह (अक्षिवेह) प १५१

अच्छी (ऋक्षी) प ११२३

अच्छेरग (आश्चर्य) ज २१५

अजर (अजर) प २६४१२

१ अच्छो रसो येषां ते अच्छरमाः प्रत्यासन्नवस्तु
प्रतिविम्बाधारभूता इवातिनिर्म्भा इतिभावः
टीका पत्र १६२

अजसोक्तिर्णाम (अयशःकीर्तिर्णाम्) प २३३८,
१२८

अजहण (अजघन्य) प २३१६१ से १६३ ज २१५

अजहणमणुक्कोस (अजघन्यानुत्कर्ष) प ४१२६७,
२६६; ५१४२, ४६, ६४, ७६, ११२, ११६, २४४;
७३०; १८१०२; २३६३; २८६७

अजहणमणुक्कोसगुण (अजघन्यानुत्कर्षगुण)

प ५३८, ६०, ७५, ६०, १०८, १६१, १६४, २०१,
२०४, २०८, २१२, २१५, २१६, २२२, २२५, २४३

अजहणमणुक्कोसदिठित्य (अजघन्यानुत्कर्षस्थितिक)

प ५३५, ५७, ७२, ८७, १०५, १७५, १७८, १८२,
१८५, १८८, २४०

अजहणमणुक्कोसपदेसिध (अजघन्यानुत्कर्षप्रदेशिक)

प ५३३१, २३२

अजहणमणुक्कोसमति (अजघन्यानुत्कर्षमति)

प ५३४

अजहणमणुक्कोसोगाहणग (अजघन्यानुत्कर्षावगाह-
नक) प ५१७१, १७२, २३६, २३७

अजहणमणुक्कोसोगाहणय (अजघन्यानुत्कर्षावगाह-
हनक) प ५१५०, ५४, ६६, ८४, १०२, १५५, १५८
१६०, १६४, १६७, १७२, २३७

अजहणुक्कोस (अजघन्योत्कर्ष) प ५१६४, ६८

अजहणुक्कोसोगाहणग (अजघन्योत्कर्षावगाहनक)
प ५३१, ३२

अजहणुक्कोसोगाहणय (अजघन्योत्कर्षावगाहनक)
प ५३२, १६१

अजाइय (अयाचित) उ० ३३८

अजाविज्ज (अयापनीय) ज २१३१

अजिण (अजिन) ज २३८

अजिम्ह (अजिह्वा) ज २१५

अजिय (अजित) ज० ३१८५, २०६

अजीरग (अजीरक) ज २४३

अजीव (अजीव) प ११०१२; १५५७ ज २३१
सू २०१३ ३१४४; ५३४

अजीवपञ्जव (अजीवपयंव) प ५११, १२३ से १२५,
२४४

अजीवपण्णवणा (अजीवप्रज्ञापना) प १११ से ४,६
 अजीवपरिणाम (अजीवपरिणाम) प १३१, २१, ३१
 अजीवमिस्सिया (अजीवमिथिता) प १११३६
 अजोगया (अयोगता) प ३६१६२
 अजोगि (अयोगिन्) प ३१६६; १३११६; १८१५८;
 २८११३८
 अजोगिकेवली (अयोगिकेवलिन्) प १११०८, ११०,
 १२१, १२३
 अजोगिभवत्थकेवलि (अयोगिभवत्थकेवलिन्)
 प १८११०१; १०३
 अजोणि (अयोनि) प ६११६
 अजोणिय (अयोनिक) प ६११२, १६, २५
 अज्ज (अद्य) ज २११४६ सू १०१६२ से १६६
 उ ११४२
 अज्ज (आर्य) ज ३११२४; ७१२१४
 अज्जग (अर्जक) ज ५१७२, ७३
 अज्जग (आर्यक) उ १११०५ से १०७, ११६
 अज्जम (अर्यमन्) ज ७११३०, १८६१४
 अज्जमदेवता (अर्यमदेवता) सू १०१८३
 अज्जय (अर्जक) प ११४४१३
 अज्जल (आर्यल) प ११८६
 अज्जव (आर्जव) ज २१७१
 अज्जसुहुम्म (आर्यसुधर्मन्) उ ११२, ३
 अज्जा (आर्या) उ ३१६६ से १०४, १०६ से १०८,
 १११ से १२०, १३२ से १३६, १४१, १४२
 १४३, १४५, १४६, १४८ से १५०; ४१२१ से २४
 अज्जिय (अजित) ज ३११७५
 अज्जिया (आयिका) ज २१७५, ८२ उ ३११२
 अज्जुण (अर्जुन) प ११३६१३, ४२१ ज ३१११७
 अज्जत्थवयण (अध्यात्मवचन) प १११८६
 अज्जत्थिय (आध्यात्मिक) ज ३१२६, ३६, ४७, ५६,
 १२२, १२३, १३३, १४५, १८८; ५१२२ उ १११५
 १७, ५१, ५४, ६५, ७६, ७६, ६६, १०५; ३१२६
 ४८, ५०, ५५, ६८, १०६, ११८, १३१; ५१३६, ३७
 अज्जयण (अध्ययन) प १११३ ज ७११४ चं ५१२

सू ११६१२; १०७८ उ ११६ से ८, १४२, १४३,
 १४८; २११ से ३, १४, १५, २१; ३१२, ३, १६, २०,
 २२, २३, ८७, ८८, १५३, १५४, १६६, १६७, १७०,
 ४११ से ३, २७; ५१०, ३, ४४, ४५
 अज्झवसाण (अध्यवसान) प ३४१११, ३४११३ ज
 ३१२२३
 √अज्झावस (अधि + आ + वम्) —अज्झावमह
 ज २१६४
 अज्झावसमाण (अध्यावसन्) ज २१६४
 अज्झावसित्ता (अध्याप्य) ज २१६४
 अज्झोववण (अधुपपन्न) उ ३१११४, ११५, ११६
 अज्झुत्तिर (अजुत्तिर) ज ३१३
 अट्ट (आर्त) उ ११५२, ७७
 अट्टइ (दे०) प ० ११३७३
 अट्टज्झाण (आर्तध्यान) ज ३११०५ उ १११५; ३१६८
 अट्टालग (अट्टालक) ज २१२०
 अट्टालय (अट्टालक) प २१३०, ३१, ४१
 अट्ठ (अष्टन्) प ११५० ज ११८८ ३१२
 अट्ठ (अर्थ) प ५१३, ५, ७, १०, १२, १४, १६, १८, २०,
 २४, २८, ३०, ३२, ३४, ३७, ४१, ४५, ४६, ५३, ५६,
 ५६, ६३, ६८, ७१, ७४, ७८, ८३, ८६, ८६, ८६, ८७,
 १०१, १०४, १०७, १११, ११५, ११६, १२७, १२६,
 १३१, १३४, १३६, १३८, १४०, १४३, १४५, १४७,
 १५०, १५४, १५७, १६३, १६६, १६६, १७२, १७४,
 १७७, १८१, १८४, १८७, १९०, १९३, १९७, २००,
 २०३, २०७, २११, २१४, २१८, २२१, २२४,
 २२८, २३०, २३२, २३४, २३७, २३६, २४२;
 ११३, ११ से २०, ३६, ४१, १५१४४, ४८, ४६;
 १७१ से ६, ८ से १७, २०, २२, २४, २५, २७,
 १०७, १०६, १११, ११६, ११६, १२३ से १२८,
 १३० से १३२, १३५, १५०, १५२, १५५; २०१२
 ३, १४ से १७, १६ से २५, २७ से ३०, ३३, ३४,
 ३६ से ४८, ५० से ५२, ५५, ५६; २२१८, ७६,
 ८०, ८२, ८२, ८४, ८५; २२१४, २५, २७, २६, ३८,
 ४७, ५०, ७३ से ७५, ६७; २६११७, १६ से २१;
 ३०१६, १६, २१, २३, २५, २६, २८, ३४; १२,

१६, १८, ३५, १८, २०, २३; ३६, ८०, ८१, ८३,
८८, ९२, ९४, ज १११, ४५, ४७, ५१;
२१७, १८, २१ से २३, २५, २६, ३० से ३३,
३८ से ४०, ४२, ४३, ४४, ५६, १५६, १६१; ३१
६, ६१, ६८, १०६, १०७, ११३, ११४, १८६,
१६६, २०६, २२६; ४१६, २२, ३४, ३७, ४१, ५१,
५३, ५४, ६०, ६१, ६४, ७०, ७६, ७६, ८१, ८५,
८६, ८६, ९०, ९३, ९७, १०२, १०७, १०८, ११०,
११३, १४१, १४२, १४६, १५१, १५६, १६१, १६६,
१७७, १८०, १८४, १८६, १८८, १९३, १९६,
१९६, २००, २०३, २०५, २०६, २०६ से
२११, २६१, २६४, २६६, २७०, २७२, २७३,
२७६, २७७; ५१२७; ७१६६, १८४, १८५, २०६,
२१३, २१४ सू १६२, ४, ६; १८२२ उ १४,
८, १७, २३, २४, ३७ से ४०, ४२, ४३, ५५, ५७,
५८, ६७, ८०, ८२, ८३, ८८, ९६, १००, १०२,
१०४, १०७, ११५, ११७, ११८, १२०, १२२,
१२७, १४२, १४३; २११, ३, १४, १५, २१; ३११,
३, १३; १६, २०, २२, २३, २६, ३८, ४०, ४२, ४४,
५६, ६१, ७७, ८७, ८८, १०२, १०७, ११६ से
११८, १२३, १४०, १४७, १५३, १५४, १६०,
१६६, १६७, १७०; ४११, ११, २७; ५११, ३, १५,
३८, ४३, ४४

अद्वितीय (अष्टाशीति) सू १८१

अद्वितीय (अष्टक) सू १३१५, ६

अद्वितीय (अष्टकणिक) ज ३१६४, १३५, १५८

अद्वितीय (अष्टकत्वारिंशत्) सू १०१४६

अद्वितीय (अष्टयोजनिक) प २१६४

अद्वितीय (अष्टयस्तति) सू ४१५

अद्वितीय (अष्टविंशत्) प २३८ ज १२०

सू. १०१५२ उ ३१२

अद्वितीय (अष्टपञ्चाशीति) सू १२३३

अद्वितीय (अष्टप्रदेशिक) प १०१३, १४

अद्वितीय (अष्टपिण्डनिष्ठता)

प १७१३४

अद्वितीय (अष्टभाग) प ४१७१, १७३, १७४,

१७६, २०१, २०३, २०४, २०६, ज २१५६;

४१२१५; ७१६५, १६६ सू १८२५, २६, ३४, ३६

अद्वितीय (अष्टम) प ३६८५, ८७ ज २१७१; ४१२११

५११०; ७१६७ सू १०१७७; १२१७, १३८ उ

२११०, २२; ३१४, ८३, १५०, १६१; ४१२४;

५१२८, ३६, ४३

अद्वितीय (अष्टमंगलक) ज ३१७८, २०२,

२१७; ४१२८, ११५, १३८, १५८; ५१४३, ५८

अद्वितीय (अष्टमंगलक) ज ३१२२, ८८; ४१२५

अद्वितीय (अष्टमभक्त) प २८१५० ज ३१२०,

२१, २८, ३३, ३४, ४१, ४६, ५४, ५५, ५८, ६३,

६४, ६६, ७१, ७२, ७४, ८४, ८५, १११, ११२,

११३, १३१, १३७ से १३६, १४३, १४४,

१४७, १६६, १६८, १८२, १८३, १८७, १९१,

२१८

अद्वितीय (अष्टमभक्तिक) ज ३१५४, ६३, ७१,

१११, ११३, १३७, १४३, १६७, १९०

अद्वितीय (अष्टमी) ज ७१२५

अद्वितीय (अर्थ) सू १७११; २०११ उ ३१४४

अद्वितीय (अष्टविध) प १४, १३२; १३२६;

२११५५; २२१२१ से २३, २८, ८३, ८४, ८६, ८७

९०; २३१५, १६, २१, २२, ३०, ३१, ५०, ५८;

२४१२ से ८, १० से १३; २५१४, ५; २६१२ से ६,

८ से १०, २७१२, ३; २६१२ सू ६१५

अद्वितीय (अष्टविंशति) प २१५६१

अद्वितीय (अष्टशक्तिक) ज २१६४

अद्वितीय (अष्टपट्टि) ज ७३११ सू ४१४

अद्वितीय (अष्टपट्टि) ज ६१५

अद्वितीय (अष्टसामयिक) प ३६१३, ८५

अद्वितीय (अष्टशताङ्गुलायत)

ज ३१२०६

अद्वितीय (अष्टसुवर्ण) ज ३१६५, १५६

अद्वितीय (अष्टशौचनिक) ज ३१६४, १५८

अद्वितीय (अष्टसप्तति) प २१२१

अद्वहत्तरि (अष्टसप्तति) ज ७।३२,३४
 अट्ठा (अष्टा) ज २।६५
 अट्ठाणउइ (अष्टनवति) ज ७।६८
 अट्ठानउति (अष्टनवति) सू १०।१६५
 अट्ठाणउय (अष्टनवति) सू १०।१७३
 अट्ठार (अष्टादशन्) प १०।१४।४ से ६ ज ४।६२
 अट्ठारस (अष्टादशन्) प २।२४ जं १।४८ सू
 १।१३ उ १।१०४
 अट्ठारसवंक (अष्टादशवक) उ १।६६,१०२ से
 १।१७,१।६,१।२७,१।२८
 अट्ठारसविह (अष्टादशविध) प १।६८
 अट्ठावण (अष्टपञ्चाशत्) ज ४।१४२
 अट्ठावय (अष्टापद) ज २।१५,८८,६०;३।२२४
 अट्ठावीस (अष्टाविंशति) प २।२३ ज १।७ सू १।१४
 अट्ठावीसइभाग (अष्टाविंशतिभाग) सू १०।१४२
 अट्ठावीसइविह (अष्टाविंशतिविध) ज ७।११३ सू
 १०।१३०
 अट्ठावीसतिभाग (अष्टाविंशतिभाग) प २३।१०२
 से १०४,१।५२ सू १।२।३०
 अट्ठावीसतिविह (अष्टाविंशतिविध) प १।८६;
 २।४८
 अट्ठावीसविमाणसयसहस्राहिवइ (अष्टाविंशति-
 विमाणशतसहस्राधिपति) ज २।६१
 अट्ठासीइ (अष्टाशीति) सू २०।८।६
 अट्ठासीति (अष्टाशीति) सू १८।४,२०।८
 अट्ठासीय (अष्टाशीति) ज १।२३ सू १०।१४१
 अट्ठाहिय (अष्टाहिक) ज २।११ उ से १।२०;३।१२
 से १।४,२८,३०,४१,४२,४३,४६ से ५।५८ से ६०,
 ६६ से ६८,७४ से ७६,१३६,१३६,१।४७
 से १।५१,१।६८ से १।७०; ५।७४
 अट्ठि (अधिन्) प २८।१।१,२८।३,२५,२८,३७,
 ४६, ज ३।१०६
 अट्ठिकच्छभ (अस्थिकच्छप) प १।५७
 अट्ठिय (अस्थित) प १।१।८० से ८३
 अठिय (अस्थित) प १।१।४७

अड (दे०) प १।७६
 अडड (अट्ट) ज २।४
 अडडंग (अट्टाङ्ग) ज २।४
 अडतालीस (अष्टचत्वारिंशत्) सू १।२३
 अडमाण (अट्ट) उ ३।१००,१।३३
 अडयाल^१ (दे०) प २।३०
 अडयाल (अष्टचत्वारिंशत्) ज १।२० सू १।२४
 अडयालीस (अष्टचत्वारिंशत्) ज २।६ सू १।२४
 अडवीबहुल (अटवीबहुल) ज १।१८
 अडसट्ठि (अष्टपट्ठि) सू १।५।२
 अडिल (अटिल) प १।७८
 अड्ड (आढ्य) ज ३।१०३ उ १।१४१;३।१०,२।१
 २८,६६,१।५८,४।७
 अड्डाइज (अर्धतृतीय) प १।७४,८४;२।७,२६;
 १।४५;२।१६६,६७;३।१५,६ ज १।३८,४३;
 ४।१०,१।२,४३,४५,५७,७२,७८,१।१०,१।४७,
 १।३३,२।५,२।२१,२।४५,२।४८;५।५२ सू १।२३
 १।८।१
 अणंगसेणा (अनङ्गसेना) उ ५।१०,१।७
 अणंत (अनन्त) प १।१३,४८;१।४।७,८, १० से
 १।६,३० से ३३,३८ से ४२,५०,५२,५७,५८,
 ६०,२।६४।१०,१।१,१३,१।५,१।६;५।२ से ७,
 ६ से २०,२३,२४,२७ से ३४,३६,३७,४०,
 ४१,४४,४५,४८,४६,५२,५३,५५,५६,५८,५९,
 ६२,६३,६७,६८,७०,७१,७३,७४,७७,८२,८३
 ८५,८८,८९,९०,१००,१०१,१०३,१०६,१।१०
 १।१४,१।१८,१।१६,१।२६ से १।३०,१।३३,१।३५,
 १।३७,१।३९,१।४२,१।४४,१।४६,१।४९ से १।५४
 १।५६,१।६२,१।६५,१।६८,१।७१,१।७३,१।७६,
 १।८०,१।८३,१।८६,१।८९,१।९२,१।९६,१।९९,२०२
 २०६,२।१०,२।१३,२।१७,२।२०,२।२३,२।२७,
 २।२९,२।३१,२।३३,२।३८,२।४१;६।६३;१०।१६,
 १।८ से २०;१।२।७ से १।१,२०;१।५।१४,१।५,
 २।७,३।२,५।७,८३,८४,८७,८८ से ९६, १०३,
 १०४,१०६,१।१२,१।१५,१।१८,१।१९,१।२१,

१ अडयाल शब्दो देशीवचनत्वात् प्रशंसावाची ,

१२२, १२६, १२८, १३०, १३५ से १३७,
१३८ से १४२; १६३७; १७१४२; १८३, १४,
२७, ४५, ५६, ६४, ७७, ८३, ९०, १०८; ३६१८,
१२, १४, १६, १८ से २६ ३२ से ३४, ४४ से
४७, ८३२ ज २०६, ५१, ५४, ७१, ८५, १२१
१२६, १३०, १३८, १४०, १४६, १५४, १६०,
१६३; ३१२२३; ५१२१, ५८

अणंतक (अनन्तक) ज ३१२११

अणंतखुत्तो (अनन्तकृत्वस्) ज ७१२१२

अणंतगुण (अनन्तगुण) प २०६४१५; ३३८ से ४२
४६ से ५२, ६० से ६३, ७१ से ७४, ८४ से
८७, ९५ से १०२, १०५ से ११५, ११८, १२२,
से १२४, १७५, १७७ से १७९, १८२, १८३;
५१५, १२६, १५१, १५२; ६१२, १६, २५; १०४,
५, २६, ३०, ११५४, ५६, ५८, ६०, ६१, ७२, ७६,
८०; १२१७, १०, २०, १५१३, १६, २६, २८, ३१,
३३, १७१५६, ५६, ६६, १४४, १४६; २११०४;
२८१७, १०, ११, ४१, ४४, ५३, ५६, ५७, ७०;
३६३५, ४८ ज २०५१, ५४, १४६, १५४, १६०,
१६३ सू २०१७

अणंतनाणि (अनन्तजानिन्) ज २०४३

अणंतपणिसि (अनन्तप्रदेशिक) प ५११३७, १३८,
१६८, १६९, १७१, १७२, १८७, २०२, २०३,
२०६, २०७, २२४; १०१४, १७, २०, २४, २६,
३०; ११४६; १५१११, २४; १६१४३

अणंतपदेशिय (अनन्तप्रदेशिक) प ३११७६;

५११२७, १७२, १८६, २०७, २२३, २२४; १०१७,
२५; १६३६; १७१४०; २८५, ५१; ३०१२६,
२८

अणंतभाग (अनन्तभाग) प ५१५, १२६; १२१७, १०,
२०; १५१५७; २८१२२, ३४, ३६, ६८

अणंतमिसिषा (अनन्तमिश्रिता) प १११३६

अणंतय (अनन्तक) प १४८५२

अणंतर (अनन्तर) प २०६४६१६६, १०१, १०३,

१०५, ११०; ११६६११; २०१११; २०६ से १५

१७ से २५ २७, २८, ३२, ३४, ३८ से ४०, ४५
५२; ३४१११; ३४११ से ३; ३६१२ ज ३१७८
२११; ४३६, ७२, ७८, ९५, १०३, १४३, १७८,
२००, २०२, २१२; ५१४३; ७१६, १०, १२, १३, १५
१६, १८ से ३० ४२, ५०, ६८, ६९, ७१, ७२, ७४
७५, ७७, ७८, ८०, ८३, ८४, सू ११४, १६, १७,
२१, २४, २७; २१२, ३; ६११; ८११; ६११; १३१४;
१६१२१२५ उ ११४११; ३१६२, १२५; ४१२६,
२८, ३०, ४३

अणंतरपच्छाकड (अनन्तरपञ्चाकृत) सू ८११;

११२ से ६

अणंतरपुरखड (अनन्तरपुरस्कृत) सू ८११; ११२
से ६

अणंतरसिद्ध (अनन्तरसिद्ध) प ११११, १२;

१६३५, ३६

अणंतरोगगाढ (अनन्तराधगाढ) प ११६३, ६४;

२८१३, १४, ५६, ६०

अणंतरोववण्णग (अनन्तरोपपन्नक) प १५१४६;

३४१२

अणंतसमयसिद्ध (अनन्तसमयसिद्ध) प ११३

अणन्ताणुबन्धि (अनन्तानुबन्धिन्) प १४१७;

१८११; २३१३५

अणन्तुपाति (अनश्रुपातिन्) ज ३१०६

अणगार (अनगार) प १५१११; १५१४३;

३६१७६ ज १५; २०६५, ६७, ८३, ८५, ८७,

८८, ९५, ९६, १०० से १०२, १०४, ११४, ८

१० सू १५ उ १२, ३; २१६ से १२; ३१३,

१४, १६१; ५१२१, २२, २७, २८, ३२, ३८ से ४१

४३

अणगारचियगा (अनगारचितका) जं २१०५ से

११२

अणगारिया (अनगारिता) प २०१७, १८

उ ३१३, १०६ से १०८, ११२, ११८, १३६,

१३८, १३९; ४१४, १६; ५३२, ४३

अणघ (दे०अक्षत) ज० ३१८१

अणघाड्जमाण (अनाघ्रायमाण) प २८४३,
४४,६६,७०

अणघिय (अनघित) ज ३।६२, ११६

अणतिवर (अनतिवर) ज ३।११६

अणदम्भवाह (अदम्भवाह) ज ३।१०६

अणभिग्महिय (अनभिग्महीत) प १।१०१।११

अणभिग्महिया (अनभिग्महीता) प १।१३७।२

अणरिह (अनर्ह) उ १।४०, ४३

अणव (अणवत्) ज ७।१२२।३ सू १०।८४।३

अणवकल्ममाण (अनवकाङ्क्षत्) ज ३।२२४ उ०
२।११

अणवगल्ल (अनवकल्प) ज २।४।१

अणवट्ठित (अनवस्थित) सू ६।१०; ८।१०;
१३।१७; १६।२२।१०, २७

अणवट्ठिय (अनवस्थित) प ३३।३५; ३६
ज ७।३१, ३३ सू ४।३ से ७

अणवण्णिव (अणपन्निकेन्द्र) प २।४६

अणवण्णिय (अणपन्निक) प २।४१, ४६

अणवण्णियकुमारराय (अणपन्निककुमारराज)
प २।४६

अणवन्निय (अणपन्निक) प २।४६, ४७।१

अणवरय (अनवरत) ज २।६४; ३।१८५, २०६

अणसण (अनशन) उ २।१२; ३।१४, ८३, १२०,
१५०, १६१; ५।२८, ३६, ४१, ४३

अणस्ताड्जमाण (अनास्वाद्यमान) प २८।४३, ४४
६६, ७०

अणह (अनघ) सू २०।७

अणह (दे०अक्षत्) ज ३।८१

अणाईय (अनादिक) प १८।१३, १०५

अणाएज्जणाम (अनादेयनामन्) प २३।१२६

अणागतद्धा (अनागतध्वन्) २।६४; ३६।६३

अणागय (अनागत) ज २।६०; ३।२६, ३६, ४७,

५६, १३३, १३८, १४५; ५।३, २२; ७।३६, ५२

अणागयद्धा (अनागताध्वन्) प ३६।६४

अणागयववण (अनागतवचन) प १।१।८६

अणागार (अनाकार) प २।६४।१२; २६।११;
३०।२६ से २८

अणागारपस्सि (अनाकारदर्शिन) प ३०।१५ से १८
२०, २२, २३

अणागारपासणता (अनाकारदर्शन, °पश्यत्ता)
प ३०।१७

अणागारपासणया (अनाकारदर्शन, °पश्यत्ता)
प ३०।१, ३, ५, ७, १२, १३

अणागारोवउत्त (अनाकारोपयुक्त) प ३।१०६,
१७४; १३।१४; १८।६३; २६।१६ से २१

अणागारोवओण (अनाकारोपयोग) प १३।८, २६।१
३, ५, ७, ८, १०, १३, १४

अणाघाड्जमाण (अनाघ्रायमाण) प २८।४४, ७०

अणाढाड्जमाण (अनाद्रियमाण) उ ३।६२

अणाढायमाण (अनाद्रियमाण) उ ३।५६, ६१, ७७,
११६

अणाढिय (अनादृत) ज ४।१५०, १५६, १६०;
७।२१३ उ ३।२, १७१

अणाणत्त (अनानात्व) प २।३, ६, ६, १२, १५

अणाणुगामिय (अनानुगामिक) प ३३।३५

अणाणुपुक्ख (अनानुपूर्व्य) ज ७।४७

अणाणुपुक्खी (अनानुपूर्वी) प १।१६८; २८।१८, ६४

अणादि (अनादि) सू १।६; १।११

अणादीय (अनादिक) प १८।२५, ५५, ५६, ६४, ६८
७७, ८३, ८६, ९०, १११, १२२, १२३, १२६,
१२७

अणादेज्ज (अनादेय) ज २।१३३

अणादेज्जणाम (अनादेयनामन्) प २३।३८

अणाभोगणिद्वलिय (अनाभोगनिर्वर्तित) प १४।६;
२८।४, ५०; ३४।५

अणारिय (अनार्य) ज २।४३

अणालोइय (अनालोचित) उ ३।८३।१२०; ४।२४

अणावुट्ठिबहुल (अनावृट्ठिबहुल) ज १।१८

अणास्ताड्जमाण (अनास्वाद्यमान) प २८।४०,
४१, ४४, ७०

अणाहारग (अनाहारक) प ३।१०७; २८।१०८

से ११०, ११२, ११४ से ११६, ११८-११९,
१२१, १२३ मे १२५, १३०, १३१, १३६
से १३६, १४१, १४२
अणाहारय (अनाहारक) प १८६७ से १०३;
२८१०६ से १०८, १११, ११३, ११७, ११९,
१२०, १२२, १२५, १२७ से १२९, १३२, १४३
अणिद (अनिन्द्र) प २६०, ६३
अण्दिद्य (अनिन्द्रिय) प ३४०; १३१९; १८१७
अण्दिद्या (अनिन्द्रिता) ज ११११
अण्क्खित्त (अनिक्षिप्त) उ० ३५०
अणिगण (अनग्न) ज २१३३
अणिच्चजागरिया (अनित्यजागरिका) उ० ३५५
अणिच्छियत्त (अनिष्टत्व) प २८१४
अणिज्जिण (अनिर्जीर्ण) प ३६८२
अणिट्ठ (अनिष्ट) प २३१२० ज २१३३३
अणिट्ठतरिया (अनिष्टतरका) प १७११२३ से
१२५, १३० से १३२
अणिट्ठत्त (अनिष्टत्व) प २८१२
अणिट्ठस्सर (अनिष्टस्वर) ज २१३३३
अणिट्ठस्सरता (अनिष्टस्वरता) प २३१२०
अणिड्ढि (अनर्द्धि) प ६१६८; २११७२
अणिड्ढिपत्तारिय (अनर्द्धिप्राप्तार्य) प ११६०, ६२,
१२६
अणित्थंत्थ (अनित्थंस्थ) प २१६४६
अणिदा (दे०) प ३५१११; ३५११६
अणिदाया (दे०) प ३५११७ मे २०, २२, २३
अणिमिस (अनिमेष) ज ५६७
अणिय (अनीक) प २३० मे ३३, ३५, ४१, ४३, ४८
से ५१ ज १४५; २१६०; ३१२५; ५११, १९,
४३, ४४, ५०, ५६, सू १८१२३
अणियट्ठि (अनिवृत्ति) सू २०१८, २०१८१८
अणियत्त (अनियत्त) सू ११२६
अणियय (अनियत्त) प १७१२०
अणियाधिवति (अनीकाधिपति) प २३० से ३३
४१, ४३, ४८ से ५१

अणियाहिव (अनीकाधिप) ज ४१५११२
अणियाहिवइ (अनीकाधिपति) ज १४५; २१६०
४१९, १५१; ५११, १९, ३९, ४३, ४८, ५०, ५२,
५३, ५६ सू १८१२३
अणियाहिवति (अनीकाधिपति) प २३०
अणिल (अनिल) ज २१६८
अणिवारिय (अनिवारित) उ ३११९; ४१२२
अणीय (अनीक) उ ११४६; १४७
अणु (अणु) प ११६४, ६५, ६६११; २८१४, १५,
६०, ६१ ज ७४३, ५०, १६८ सू ६११; ६१२;
१७११; १८१२, ३; १९१२१
अणुउ (अनृतु) सू १०१२६१३
अणुकत्तनुक (दे०) ज ३१०९
अणुगंतव्व (अनुगन्तव्य) प ११४८; २१४०; १५१५५
ज ७१३४
✓ अणुगच्छ (अनु+गम्)
अणुगच्छइ ज ३१६; ५१२१ उ ३११०१
अणुगच्छंति ज ३११०, ११, ५१, ८६, ८७
अणुगच्छति प १६१४८
अणुगच्छमाण (अनुगच्छत्) ज ३११८, ३१, १८०
अणुगच्छित्ता (अनुगम्य) ज ३१६ उ ३११०१
अणुगम्ममाण (अनुगम्यमान) उ ३१३०
अणुगिण्हमाण (अनुगृह्णान) उ १११०७, १०८
✓ अणुचर (अनु+चर्)
अणुचरंति सू १६१२२१११
अणुचरंत (अनुचरत्) सू १६१२२१११
अणुचरिय (अनुचरित) ज ३११२, २८, ४१, ४६, ५८
६६, ७४, १४७, १६८, २१२, २१३
✓ अणुजाण (अनु+जा)
अणुजाणउ उ ३१५१
अणुजाय (अनुयात) ज ३१२२, ३५, ३६
अणुतडिया (अनुतटिका) प १११७७
अणुतडियाभेद (अनुतटिकाभेद) प १११७७, ७९
अणुतडियाभेय (अनुतटिकाभेद) प १११७३
अणुत्त (अणुत्व) ज ७१६६ सू १८१२३
अणुत्तर (अनुत्तर) प २१२७, २७४; २१४६, ६३;

२११५५; ३४१२३, २४ ज २।७१, ८५; ३।२२३
अणुत्तरविमाण (अनुत्तरविम, न) प २।६२।१;
 १०।२; ३०।२६
अणुत्तरोववाडय (अनुत्तरोपपातिक) प १।१३६,
 १३८; २।४६, ६३; ३।१८३; ६।४६, ६६, ६६,
 ६८, ११३; २०।५७; २१।५५, ७१, ८३, ६३,
 ६४; ३३।१८, २६; ३४।१६, १८ ज० २।८१
अणुत्तरोववातिय (अनुत्तरोपपातिक) प २०।५६;
 २१।६२
अणुदु (अनुदु) ज ७।११२।३
अणुद्धुय (अनुद्धूत) जं ३।१२, २८, ४१, ४६, ५८
 ६६, ७४, १४७, १६८, २१२, २१३; ५।५
√अणुपरियट्ट (अनु-+परि+वृत्)
 अणुपरियट्टइ ज ७।१५६ से १६७ सू १०।६७
 अणुपरियट्टंति ज ७।५५ सू १६।२३
 अणुपरियट्टति सू १०।५
अणुपरियट्टिता (अनुपरिवृत्य) सू १०।५
अणुपरियट्टिताणं (अनुपरिवृत्य) प ३६।८१
अणुपरिवाडीय (अनुपरिपाटीक) ज ७।१३०
अणुपविट्ठ (अनुप्रविष्ट) ज ३।८१ उ १।३३,
 ३।८, १००, १३३
√अणुपविस (अनु-+प्र+विश्)
 अणुपविसइ ज ३।६, १७, २०, २१, २८, ३१ से
 ३४, ४१, ४६, ५४, ६३, ७१, ७७, ६५, १३७, १३६,
 १४३, १५६; १६६, १७७, १८२, २०१, २०४,
 २१८, २२२ सू २।१ अणुपविसंति ज ३।२०५,
 २०६ अणुपविसमिति ज ३।१८३, १८४
 अणुपविसह उ ३।१०१
अणुपविसमाण (अनुप्रविशत्) ज ३।१८४, १८५
अणुपविसित्ता (अनुप्रविश्य) ज ३।६ सू २।१
अणुपुव्व (अनुपूर्व) ज २।१५; ४।३।२५, ३५ सू
 ६।१ उ १।५७, ५८, ८२, ८३; ३।४६
अणुप्पत्त (अनुप्रप्त्त) उ ३।१२७, १२८; ५।४३
अणुप्पयाहिणीकरेमाण (अनुप्रदक्षिणीकुर्वत्) ज
 ३।२०४ से २०६, २०८; ५।४१

अणुप्पवाएमाण (अनुप्रवाचयत्) ज ३।२६, ३६,
 ४७, १४३
√अणुप्पवाय (अनु-+प्र-+वाचय्)
 अणुप्पवाएइ ज ३।२६, ३६, ४७, १३३
अणुबंध (अनुबन्ध) ज २।४२
अणुबद्धचारि (अनुबद्धचारिन्) सू २०।२
अणुब्भड (अनुद्भट) ज २।१५
अणुभाव (अनुभाव) प २३।१।१, २३।१३ से २३
 ज ४।८३ चं २।५ सू १।६।५; १६।२२।१६, २०
अणुभावणामणिहत्ताउय (अनुभावनामनिधत्तायुष्क)
 प ६।११८
अणुभावणामणिहत्ताउय (अनुभावनामनिधत्तायुष्क)
 प ६।११६, १२२
अणुभावनिहत्ताउय (अनुभावनिधत्तायुष्क) प ६।१२३
√अणुमण्ण (अनु-+मन्)
 अणुमण्णिस्थ; उ ३।१०६
अणुमय (अनुमत) प ११।३०।१, २ ज २।१५
 उ ३।१२८
अणुमाण (अनुमान) सू ६।३
अणुमाणइत्ता (अनुमान्य) उ ३।५५
अणुयाय (अनुयात) ज ३।६३, ६६, १०६, १६३,
 १७५, १८०
अणुरंगिणी (अनुरङ्गिनी) सू १०।७४
अणुरंजिएल्लिय (अनुरञ्जित) ज ३।११७
अणुरत्त (अनुरक्त) सू २०।७ उ १।१३६
अणुराग (अनुराग) प २।४०।११ उ १।७२, ७३,
 ८७, ८८, ६२
अणुराधा (अनुराधा) सू १०।२ से ६, १८
अणुराहा (अनुराधा) ज ७।१२८, १२९, १३६।१,
 १४०, १४६, १५२, १६६, सू १०।२ से ६, १८,
 २३, ५०, ६२, ७३, ७५, ८३, ११५, १२०, १३१,
 १३३
√अणुलिप (अनु-+लिप्) अणुलिपइ ज २।६६;
 ३।१२ अणुलिपति ज २।१००; ३।१२, २११;
 ५।५८
अणुलिपित्ता (अनुलिप्त्त) ज २।६६
अणुलित्त (अनुलिप्त) प २।३१ ज ३।६, २२२

√अणुलिह (अनु+लिह्)

अणुलिहंति ज ३।१७८; ५।४३

अणुलिहंत (अनुलिहत्) उ ५।५

अणुलिहमाण (अनुलिहत्) प २।४८

अणुलेवण (अनुलेपन) प २।२० से २७, ३०, ३१,
४१, ४६ ज २।७०

अणुलोम (अनुलोम) ज २।१६, ६७

अणुलोमच्छाया (अनुलोमच्छाया) सू ६।४

अणुवज्ज (अनुपयुक्त) प १।५।४८, ४९; ३।४।१२

अणुवत्तमाण (अनुवर्तमान) ज ५।२७

अणुवम (अनुपम) प ३०।२७, २८

अणुवरयकाइया (अनुपरतकायिकी) प २।२।२

अणुववेत (अनुपेत) प १।७।१३२

अणुवसंत (अनुपशान्त) प १।४।६

अणुवसंपज्जमाणगति (अनुपसंपद्यमानगति)

प १।६।३८, ४२

अणुवसंपज्जित्ताणं (अनुपसंपद्य) प १।६।४२

अणुवाय (अनुवाद) ज ४।१०।७

अणुवायगइ (अनुपातगति) सू १।१।४

अणुवासिय (अनुवासित) ज ५।५

अणुविद्ध (अनुविद्ध) ज ३।१।२, ८८; ५।५८

अणुव्वय (अनुव्रत) उ ३।८१, ८२

अणुसज्जमाण (अनुसजत्) ज ४।२०।५

√अणुसज्ज (अनु+ज्) अणुसज्जित्था ज २।५०

अणुसज्जिस्मंति ज २।१।६२, १६४

अणुसमवयणोववत्तीय (अनुसमवदनोपपत्तिक)

ज ३।१।६७।१२

अणुसमय (अनुसमय) प ६।१।६, ६२, ६३; १।१।७०;

२८।४, २६, ५०

अणुसार (अनुसार) प २।१।८० ज० ५।५।७ उ

५।४५

√अणुहर (अनु+ह्)

अणुहरंति ज ३।१।३८

√अणुहो (अनु+ह्) अणुहोति प २।६।४।२२

अणूण (अनून) सू १।६।२।१।८; १।६।२।२।२८

अणेग (अनेक) प १।३।८।३; १।४।८।६, ४७; १।१०।१।

७; २।४।१, ६४ ज १।३।७; २।१।२, १।१।३, १।४।६;

३।३, ६, १२, २२, २४, २८, ३१, ३६, ४१, ४६, ५८,

६६, ७४, ७७, ६३, ६६ से १०१, १०६, १११, ११६,

१२०, १४७, १६३, १६८, १६३, २१२, २१३,

२२२; ४।३, ६, २५, ३३, १२०, १४७, २१६,

२४२; ५।३, ४, २८, ३२, ३३, ४३ उ १।६।७

से ६६; ३।४।३, ४४; ५।१०, १७

अणेगजीविय (अनेकजीवित^०जीवक) प १।३।५, ३६

अणेगविह (अनेकविध) प १।१।३, २०, २३, २६, २६,

३५ से ५१, ५६, ६३ से ६६, ७०, ७१, ७५, ७६,

७८, ७९, ८६, ८६; १।६।३०, ३७

अणेगसिद्ध (अनेकसिद्ध) प १।१।२; १।६।३६

अणेगिदिय (अनेकेन्द्रिय) प १।१।३८

अणेगइय (अनैरयिक) प १।७।६०, ६१

अणेगणिज्ज (अनेपणीय) उ ३।३८

अणेगोढ (अनवगाढ) प १।१।६२; २।८।१२, ५८

अणेगवम (अनुपम) ज ३।६।२, १०६, ११६

अणेगवमा (अनुपमा) प २।६।४।१८; १।७।१३५

अणेगवमा (दे०) ज २।१।७

अणेगवाहणय (अनुपानत्क) उ ५।४३

अणेगहट्टिय (दे०) उ ३।१।१६; ४।२३

अण्ण (अन्य) प १।२०, २३, २६, २६, ३५ से ३७, ३६

से ४७, ४८।७, १० से २६; १।४।८ से ५१, ५६,

६०, ७८, ६६, ६७; २।३० से ३३, ४८ से ५५;

१।१।२१ से २५; ३।६।६४ ज १।४।५, ४६;

२।२०, ७१, ६०; ३।८।१, १८६, १८८, २०६,

२१०, २१६, २२१; ४।१।३, १।४, ५२, १।१।४, १।४६,

१।५६, १।६५, २०६, २१६, २१६, २२१; ५।१।५,

१।६, २४, ३८, ४७, ५०, ६७; ७।५६, ५६, १८३,

१८५ सू ६।१; १०।१।६२ से १६४, १६६;

१।७।१; १।८।२१, २३, १।६।११, २४; २०।१

उ ५।१०, १७

अण्णतर (अन्यतर) सू ६।१

अण्णतरठितिय (अन्यतरस्थितिक) प २।८।५०, ५१

अण्णत्थ (अन्यत्र) प १११११ से २०,४६ सू ११४,
१७,१०१३६; २०।७

अण्णमण्ण (अन्योन्य) प १६।३६,४२ ज २।३६,
४१,१४६; ३।१०५,१०७,११३ से १३८;
५।३,२७,३८ सू १।१८ से २१ उ १।४७,६८,
१३८,१३९

अण्णयर (अन्यतर) प २२।६१ से ६५; २३।१६१
१६२ ज २।६६

अण्णया (अन्यदा) ज ३।४,८३,१०४,१३०,१५४,
१७२,१८८,२२२ उ १।१४; २।८; ३।४६;
४।२१; ५।१३

अण्णलिगसिद्ध (अन्वलिङ्गसिद्ध) प १।१२

अण्णहा (अन्यथा) प १।१०१।३,५ उ १।१०६

अण्णाण (अज्ञान) प ५।२४,२८,३०,३२,३४,३७,
४३,४५,४६,५३,५६,६८,७१,७४,८०,८३,८४
८६,८७,८९,९७,९९,१०१,१०२,१०४,१०५,
१०७,११७

अण्णाणपरिणाम (अज्ञानपरिणाम) प १३।१४,१६
१७,१९,

अण्णाणि (अज्ञानिन्) प १।७४,८४; ५।६४,१८।८३
२३।२००,२८।१३७

अण्णाणुपुब्बी (अनानुपूर्वी) प २८।१८,६४ सू २६

अण्णोण्ण (अन्योन्य) प २।६४।१० ज ७।५८
सू १६।२६

अण्हाणय (अस्नानक) उ ५।४३

अतसी (अतसी) प १।३७।२

अतिक्कम (अतिक्रम) ज २।१३३

अतितेया (अतितेजा) सू १०।८।२

अतित्थगरसिद्ध ((अतीर्थकरसिद्ध) प १।१२

अतित्थसिद्ध (अतीर्थसिद्ध) प १।१२

अतिदूर (अतिदूर) ज १।६

अतिभाग (अतिभाग) सू ४।८

अतिमास (अतिमास) सू १५।३७

अतिराउल (दे०) प ११।१४,१६

अतिरेग (अतिरेक) ज ३।३५,२११; ५।५८

अतिवतित्ताणं (अतिव्रज्य) प २८।१०५; ३४।१६

अतिसीत (अतिशीत) सू १०।१२६।१

अतिहि (अतिथि) उ ३।४८,५०,५१

अति (अति-; इ) अतीति ज ३।६३,६५

अतीत (अतीत) प १५।८३,८४,८६ से ९७,९९

से १०१,१०३ से १०६,१०९,११०,११२

से ११७,११९,१२०,१२२,१२३,१२५

से १३२,१३५,१३६,१४०,१४१,१४३; ३६।८

से २६,३० से ३४,४४, से ४७

अतीथ (अतीत) प १५।१०८,११८; ३६।३४

अतीव (अतीव) ज ५।३८

अतुरिय (अत्वरित) ज ५।५,७

अतुल (अतुल) प २।६४।२०

अत्त (आत्मन्) प १५।५० ज ३।२२२ उ ३।८३,
१२०, १५०; ५।२८,४३

अत्तय (आत्मज) उ १।१०,३१,६५,१०६,११०,
११३,११४; २।६

अत्तया (आत्मजा) उ ४।६

अत्थ (अत्र) ज ४।१४२,३ सू ६।१ उ ३।१५१

अत्थ (अर्थ) ज ५।२६ चं १।३ सू २०।७ उ ३।४०

अत्थ (अस्व) ज ३।७७,१०६

अत्थओ (अर्थतस्) प १।१०१।८

अत्थनुत्त (अर्थयुक्त) ज ५।५८

अत्थणिउर (अर्थनिकुर) ज २।२४

अत्थणिउरंग (अर्थनिकुराङ्ग) ज २।४

अत्थत्थि (अर्थार्थिन्) सू २०।७

अत्थत्थिय (अर्थार्थिक) ज ३।१८५

अत्थमंत (अस्तवत्) ज ३।१६

अत्थमण (अस्तमयन) ज ७।३६ से ३८ चं ४।१
सू १।८।१; २।३; ६।२

अत्थसत्थ (अर्थशास्त्र) उ १।३१

अत्थसिद्ध (अर्थसिद्ध) ज ७।११।७२ सू १०।८६।२

अत्थाम (अस्थामन्) ज ३।१११

अत्थि (अस्ति) प १।७५; २।६४।१४; ५।८०,

९९; ६।११०; १२।६; १५।४५,४७ से ४९,

६०, ६२, ६३, ६५, ६६, ८७, ८४ से १०१, १०३
से १०६, १०८, ११२ से ११४, ११६, १३८,
१४१; १७१३, ३५; १८११२; २०११, ४, १७
१८, २२, २५, २८, २९, ३४, ३८, ३९, ४६, ५०, ५३,
५८; २११६८ से १००, १०३; २२१६, ११, १२,
१४, १६, १८, ५८, ५९, ७७, ७९, ८१, ८२; २३१६;
२८१२३, १३६, १४१, १४५; ३४१७ से ६, ११,
१२, १५, १६, २०; ३६१८ से ११, १७ से २३,
२५, २६, २९ से ३२, ३४, ४४ ज १४७,
सू १३; ६११ उ ३१०१; ४१५; ५१२६
अत्थिकायधम्म (अस्तिकायधर्म) प ११०१११२
अत्थिय (अस्थिक) प १३६११; ३११२
अत्थोगाह (अर्थाविग्रह) प १५१६८, ७० से ७२, ७४,
७५
अत्थिरणाम (अस्थिरणामन्) प २३१३८, १२२
अद (अदस्) सू १४
अदंड (अदण्ड) ज ३१२, २८, ४१, ४६, ५८, ६६, ७४
१४७, १६८, २१२, २१३
अदंतवणय (दे० अदन्तधावनक) उ ५४३
अदि (अयि) उ ५४१
अदिइ (अदीति) ज ७१८६१३
अदिज्ज (अदेय) ज ३१२, २८, ४१, ४६, ५८, ६६,
७४, १४७, १६८, २१२, २१३
अदिट्ठ (अदृष्ट) सू ५११; ७१
अदिट्ठंत (अदृष्टान्त) प ३०१२७, २८
अदिण्णादान (अदत्तादान) प २२११४, १५, ८०
अदिति (अदिति) ज ७१३०
अदिनिदेवया (अदिनिदेवता) सू १०१८३
अदुबबमसुह (अदुःखामुख) प ३५११२; ३५११०
१२
अदुत्तर (दे०) ज २४७, १३१; ३१२२६; ४१२२,
३४, ५४, ६४, १०२, १०५, ११३, १५६, १८१,
१६६, २०८, २१०, २६१ उ ११११६
अदुवा (दे०) ज ७१२२
अदूरसामंत (अदूरसामन्त) प ३४१२२, २३
ज १५; ३११८, ३१, ५२, ६६, १३१;

१४१, १८०; ५१५, ७ उ १३३; ३१२६; ५१६
अदेवीय (अदेवीक) प ३४१५, १६
अद् (आर्द्र) प २३३
अद्दरुसग (अट्ठरूपक, आट्ठरूपक) प १३३७४
अद्दा (आर्द्रा) ज ७१२८, १२६११, १३४ से १३६,
१३६११, १४०, १४६, १६१, सू १०१३ से ६,
१३, २४, ३६, ६२, ६८, ७५, ८३, १०४, १२०,
१३१ से १३४२, १३५२, १६०
अद्दाय (दे०) प १५१११; १५१५०
अद्दरिड्ठय (आर्द्राणिष्ठक) प १७१२३
अद्ध (अर्ध) ज ११६; ३१०६; ४१२०८; ५१३८;
७१७६, १७७३ सू २१२; ६३ उ ११०३,
१०६, ११०, ११३, ११४
अद्धअणट्ठि (अर्द्धकोनषट्ठि) सू ६३
अद्धअट्ठारस (अर्धाष्टादश) सू १८१
अद्धएकोणवीस (अर्धकोनविंशति) सू १८१
अद्धएकवीस (अर्धैकविंशति) सू १८१
अद्धएकारस (अर्धैकादश) सू १८१
अद्धंगुल (अर्धाङ्गुल) प ३६१८ ज ११७;
३१०६; ७१२०७ सू १५४
अद्धकविट्ठग (अर्द्धकपित्थक) प २४८ सू १८१
अद्धकुम्भिक (अर्द्धकुम्भिक) ज ५३८
अद्धकोस (अर्द्धकोश) ज १३७, ४२, ५१; ४१६,
१५, २४, ३३, ३६, ११४, ११८, १२८, १४७,
१५४, १५५, २४२, सू १८१२, १३
अद्धगाउय (अर्द्धगव्यूत) प ३३१२, ६ ज ७१०
अद्धचउवीस (अर्द्धचतुर्विंशति) सू १८१
अद्धचंद (अर्द्धचन्द्र) प २४८, ५०, ५६, ज १२०;
३१२४, ७६, ११६; ४१४६, १०८, २४५
अद्धचंदसंठाणसंठित (अर्द्धचंद्रसंस्थानसंस्थित) प २४८
अद्धचोदस (अर्धचतुर्विंशति) सू १८१
अद्धछट्ठ (अर्द्धषष्ठ) सू १८१
अद्धछवीस (अर्द्धषड्विंशति) सू १८१
अद्धछवीसतिविह (अर्द्धषड्विंशतिविध) प ११६३
अद्धजोयण (अर्द्धयोजन) ज १७११, ११६, १०, १७,
२३, २५; ४१६, ७, १४, २४, ३६, ४२, ४६, ५६, ७१,

७४, ७८, ११२, ११४, ११५, ११६, १२३,
 १२६, १२७, १४६ सू १८१११, २०
 अद्धट्ठम (अद्धाष्टम) ज २।७८, ४।११०, ११६,
 १२८ सू १८११ उ १।५३, ७८
 अद्धट्ठारस (अद्धाष्टादश) प २३।१०४
 अद्धनवम (अद्धनवम) सू १८११
 अद्धनाराय (अद्धनाराय) प २३।४५, ६७
 अद्धतिवण्ण (अद्धतिपञ्चाशत्) प २।२७।३
 अद्धतेरस (अद्धत्रयोदश) प १।६०, ८१।१;
 २३।१०२ ज ४।३६, ४३, ६६, ७२, ११४, १२०,
 १२२ सू १८११
 अद्धतेवदिठ (अद्धत्रिषष्टि) ज ४।२४० उ ३।७
 अद्धतेवण्ण (अद्धतिपञ्चाशत्) प २।२७
 अद्धतेवीस (अद्धत्रयोविंशति) प ६।३१ सू १८११
 अद्धदसम (अद्धदश) सू १८११
 अद्धद्वमिस्सिया (अद्धद्विमिश्रिता) प १।१३६
 अद्धपंचम (अद्धपञ्चम) प ४।३४, ३६, ४०, ४२
 सू १८११
 अद्धपण्णवीस (अद्धपञ्चविंशति) सू १८११
 अद्धपण्णरस (अद्धपञ्चदशन्) सू १८११
 अद्धपलिओवम (अद्धपल्योपम) प ४।१६८, १७०,
 १७४, १७६, १८०, १८२, १८६, १८८, १८९,
 १९४, १९५, १९७ ज ७।१८८, १९०, १९२,
 १९३ सू १८२६, २८, ३०, ३२, ३३
 अद्धपलियंक्संठित (अद्धपर्यंक संस्थित) सू १०।४४
 अद्धपोरिसी (अद्धपौरुषी) सू ६।३
 अद्धवारस (अद्धद्वादश) सू १८११
 अद्धवयालीस अद्धद्वाचत्वारिंशन् सू १।२३
 अद्धवावण्ण (अद्धद्विपञ्चाशत्) सू १।२३
 अद्धवावीस (अद्धद्वाविंशति) सू १८११
 अद्धभरह (अद्धभरत) ज ३।६५
 अद्धभाग (अर्धभाग) ज १।२३, ४८; ४।१, ६२, ८१
 ८६
 अद्धमंडल (अद्धमंडल) च ३।१ सू १।१८; १३।७
 से ११, १४ से १६; १५।२६ से ३१

अद्धमंडलसंठिति (अद्धमण्डलसंस्थिति) सू १।७।१,
 १।१५ से १७
 अद्धमागहा (अद्धमागधी) प १।६८
 अद्धमास (अद्धमास) प ६।१२; २३।७१, १८४
 सू १३।४, ५, ११
 अद्धमासिया (अद्धमासिकी) उ ३।१४, ८३, १२०
 अद्धवीस (अद्धविंशति) सू १८११
 अद्धसत्तम (अद्धसप्तम) सू १८११
 अद्धमत्तरस (अद्धसप्तदश) सू १८११
 अद्धसीतालीस (अद्धसप्तचत्वारिंश) सू १।२३
 अद्धसोलस (अद्धषोडश) ज ४।११६ सू १८११
 अद्धहार (अर्धहार) ज ३।६, २११, २२२; ५।३८
 ६७
 अद्धा (अद्धा, अध्वन्) प २।६४।१५, १६; १५।
 ५८।१; १५।६३, ६४; १८।१, १२५; ३६।६२,
 ६४, सू १।११, १२, २७ से ३१; २।२; ६।३;
 १२।२ से ६, १० से १२
 अद्धामिस्सिया (अद्धमिश्रिता) प १।१३६
 अद्धासमय (अद्धासमय) प १।३; ३।११४, ११५,
 १२१, १२२, १२४; ५।१२४; १५।५३ से ५५,
 ५७; १८।१२५
 अद्धुट्ठ (दे०) प ३३।३, ४ ज ४।११६ सू १।२३,
 ३।१; १८११ उ ५।१०
 अधण्ण (अधन्य) उ १।६२; ३।६८, १०१, १३१
 अधमत्थिकाय (अधर्मास्तिकाय) प १।३; ३।११४,
 ११५, ११७, १२२; ५।१२४; १५।५३, ५४
 अधर (अधर) ज २।१५
 अधरिम (अधरिम) ज ३।१२, २८, ४१, ४६, ५८, ६६,
 ७४, १४७, १६८, २१२, २१३
 अधाजोग (यथायोग) सू १५।१०
 अधाजोय (यथायोग) सू १५।१३
 अधातच्च (यथातथ्य) सू १२।१३
 अधारणिज्ज (अधारणीय) ज ३।१११
 अधिगय (अधिगत) प १।१०१।२
 अधिपति (अधिपति) ज ३।२५, ४६

अपत्थियपत्थय (अप्राथितप्राथक) ज ३।२६, ३६,
 ४७, १०७, ११४, १२२, १३३ उ १।८६
 अपदेसट्ठया (अप्रदेशार्थ) प ३।१७६, १८१
 अपमत्त (अप्रमत्त) प १।७।३३; २।१।७२
 अपमत्तसंजत (अप्रमत्तसंयत) प ६।६८
 अपमत्तसंजय (अप्रमत्तसंयत) प ६।६८; १।७।२५,
 २२।६३
 अपमाण (अप्रमाण) प ३।०।२७, २८
 अपराइय (अपराजित) ज ३।३
 अपराइया (अपराजिता) ज ४।२।१२
 अपराजित (अपराजित) प १।१३८; २।६३;
 ६।५६; ७।२६ ज १।१५
 अपराजिता (अपराजिता) ज ४।२।०२; ७।१८६
 अपराजिय (अपराजित) प ४।२।६४ से २६६;
 ६।४२; १।५।८६, ६२, १००, १०५, १०८, १०९,
 ११४, ११६, १२०, १२१, १२३, १२५, १२६,
 १३१, १३६; २।८।६६
 अपराजियत्त (अपराजितत्व) प १।५।११३
 अपराजिया (अपराजित) ज ४।२।१।४; ५।८।१;
 ७।१२।०२ सू १।०।८८।२
 अपरिग्गहिय (अपरिगृहीत) प ४।२।२२ से २२४,
 २३४, से २३६,
 अपरिजाणमाण (अपरिजानत्) उ ३।५।६, ६१, ७७,
 ११६
 अपरिताविय (अपरितापित) ज २।४६
 अपरित्त (अपरीत) प ३।१०६; १।८।१०६
 अपरिभुंजमाण (अपरिभुञ्जत्) उ १।३५
 अपरिभूय (अपरिभूत) ज ३।१०३ उ ३।१०, २८
 ६६
 अपरिमिय (अपरिमित) ज ३।१६७
 अपरियाग (अपरिपाक, अपर्याय) प १।७।१३२
 अपरियार (अपरिचार) प ३।४।१५, १६
 अपरियारग (अपरिचारक) प ३।४।१८, २५
 अपरिसेस (अपरिशेष) प २।८।४०, ६६ ज ४।८।३,
 २७४

अपरिसेसिय (अपरिशेषित) प २।८।२३
 अपविट्ठ (अप्रविट्ठ) प १।५।३६, ४१
 अपसत्थ (अप्रशस्त) प १।७।११।१; २।३।५६,
 १०६, ११७, १२८
 अपाणय (अपातक) ज २।६५, ७१, ८८; ३।२।२५
 अपि (अपि) ज १।२।२ उ १।६७; ३।६०; ५।१७
 अपिक्क (अपक्व) प १।७।१३२
 अपुट्ठ (अस्पृष्ट) प १।१।६१; १।५।३६ से ३८, ४१;
 २२।५६; २।८।११, ५७ ज ७।४०, ५३
 अपुणरावित्ति (अपुनरावृत्ति) ज ५।२।१
 अपुणरुत्त (अपुनरुक्त) ज २।६४; ५।५८
 अपुण्ण (अपुण्य) उ १।६२; ३।६८, १०१, १३१
 अपुरिसक्कार (अपुरुषकार) ज ३।१।११
 अपुरोहिय (अपुरोहित) प २।६०, ६३
 अपुव्व (अपूर्व) प २।८।२०, ३२, ६६
 अपुव्वकरण (अपूर्वकरण) ज ३।२।२३
 अपोह (अपोह) ज ३।२।२३
 अप्प (आत्मन्) प ० १।४।०।४; २।२।४ से ६
 ज १।५; २।७।१, ८३; ३।१।८८; ५।५७
 सू १।१।६; १।३।१२, १४ से १७; १।८।८; २।०।४
 उ १।२।३, ४६, ६५, ६८, ७२; २।१०, १२;
 ३।१४, २६, ५०, ५१, ५३, ५४, ८३, ८६, १३२,
 १४४, १६१; ४।२।४, २८; ५।२६, २८, ३२, ३६,
 ४३
 अप्प (अल्प) प ३।३।८ से ११६, ११७।१, ११८ से
 १२०, १२२ से १२४, १७४, १७६ से १८३;
 ६।१२३; ८।५, ७, ६, ११; ९।१२, १६, २५;
 १०।३ से ५, २६ से २६; ११।७६, ६०;
 १५।१३, १६, २६, २८, ३१, ३३, ६४; १७।५६ से
 ६६, ७१ से ७६, ७८ से ८३, १४४ से १४६;
 २।८।६४; २।१।१०४, १०५; २।२।१०१; २।८।४१,
 ४४, ७०; ३।४।२५; ३।६।३५ से ४१, ४८, ४९
 ज १।५०; २।५।८, ८३, १२३, १२८, १४८, १५१,
 १५७; ३।१०, ११, ८५, ८७, ११७।१, १८४;
 ४।१०१; ५।५ २७, ५७; ७।१।१।४, १६८, १६७
 सू १।०।१२६।४; १।५।१; १।८।१८, ३७; १।६।

२३, २६; २०।७ उ १।१६, ४२, ६३; ३।२६,
१४१; ४।१२
अल्प (अल्प) जवासा प १।४०।४
अल्पकम्पिय (आत्मकल्पित) उ १।४६
अल्पकम्मतराग (अल्पकर्मतरक) प १।७।३, १६
अल्पचवखाण (अप्रत्यक्षान) प १।४।७
अल्पचवखाणकिरिया (अप्रत्यक्षान क्रिया)
प २।२।४, ६६, ७४, ६७, १०१
अल्पचवखाणवत्तिया (अप्रत्यक्षानप्रत्यया)
प २।२।६४
अल्पडिबुज्जमाण (अप्रतिबुध्यमान) ज ३।२०४
अल्पडिह्य (अप्रतिहत) ज ३।८१, ८८, १०६, १५१;
५।२१
अल्पणया (आत्मन्) प २८।२०, ३२, ६६
अल्पतराय (अल्पतरक) प १।७।२, २५
अल्पतिष्ठिय (अप्रतिष्ठित) प १।४।३
अल्पत्त (अप्राप्त) सू १।६।२२।१७
अल्पत्थियपत्थय (अप्राथितप्रार्थक) ज ३।१०७
अल्पबहु (अल्पबहु) प १।७।११।४।१; २।१।१।१;
३।४।१।२ ज ७।१।६८।२
अल्पमेय (अप्रमेय) ज ५।५८
अल्पवस (आत्मवश) उ ३।१।१८
अल्पवेदनतराग (अल्पवेदनतरक) प १।७।६, २७
अल्पसत्थ (अप्रशस्त) प १।७।१३८; २।३।११६,
१३२; ३।४।१३
अल्पसरीर (अल्पशरीर) प १।७।२, २५
अल्पसोय (अल्पशोक) उ १।६३
अल्पह्यगति (अप्रहतगति) ज २।६८
अप्पाबहु (अल्पबहु) प ६।१२३; १।५।१।१
अप्पाबहुग (अल्पबहुक) प १।७।३६, ७०
अप्पाबहुय (अल्पबहुक) प १०।२८; १।१।८०;
१।५।१८, १६, १।५।५८।१; १।७।७७
अल्पिच्छ (अल्पेच्छ) ज २।१६
अल्पिडिह्य (अल्पद्विक) प १।७।८४ से ८७, ८६
ज ०।७।८१ सू १।८।१६
अल्पिण (अर्पय) अल्पिणइ उ ० १।११८

अल्पिणामि उ ० १।११७
अल्पिणित्ता (अर्पयित्वा) ज ३।८१
अल्पिय (अप्रिय) ज २।१३३
अल्पियतरिया (अप्रियतरका) प १।७।१२३ से १२५,
१३० से १३२
अल्पियत्त (अप्रियत्व) प ० २८।१४
अल्पियस्सर (अप्रियस्वर) ज २।१३३
अल्पुस्सुय (अल्पीतसुक्य) ज ३।२६, ३६, ४७, १३३
अल्पेस्स (अल्पेय्य) प ० २।६०, ६३
अल्पुण्ण (दे) उ १।२३, ६१
अल्फोड (आ + स्फोटच) — अल्फोडेंति ज ५।७
अल्फोडिय (आस्फोटित) ज ३।३१; ७।१७८
अल्फोया (आस्फोता) मल्लिका, अपराजिता
प १।४०।३
अल्फासाइज्जमाण (अस्पृश्यमान) प २८।४०, ४१,
४३, ४४, ६६, ७०
अल्फुण्ण (दे०) प ३।६।५६, ६०, ६६ से ६८, ७०, ७१,
७३ से ७५
अल्फुसमाण (अस्पृशत्) प १।३।२३
अल्फुसमाणगति (अस्पृशद्गति) प १।६।३८, ४०;
३।६।६२
अल्फुसित्ता (अस्पृष्टत्वा) प १।६।४०
अब्बंधग (अबन्धक) प ३।१७४; २।२।८४; २।६।६
अब्बंधय (अबन्धक) प २।२।८३, ८४, ८६; २।६।८ से
१०
अबल (अबल) ज ३।१११
अबहुस्सुय (अबहुश्रुत) सू २०।६।२
अबाधा (अबाधा) सू २८।२०
अबाहा (अबाधा) प २।६।४; २।३।६० से ६४, ६६,
६८, ६९, ७३ से ७७, ८१, ८३, ८५ से ९०, ९२,
९५ से ९६, १०१ से १०४, १११ से ११४,
११६ से ११८, १२७, १३०, १३१, १७६, १७७,
१८२, १८३, १८७, १९० ज १।१७; ३।१;
४।११०, ११६, १४१, १४२, २०६, २०७; ७।५,

६,८ से १३,६४,६५,६७ से ७२,८८,८९,९१,
 ९२,१६८,१,१७१ से १७४,१८२ सू १८५,६
अवाहूणिया (अवाहूणिका) प २३१६० से ६४,६६
 ६८,६९,७३ से ७७,८१,८३,८५ से ९०,९२,
 ९५ से ९९,१०१ से १०४,१११ से ११४,
 ११६ से ११८,१२७,१३०,१३१,१३३,१७६,
 १७७,१८२,१८३,१८७,१९०
अवीय (अद्वितीय) ज ३२२०,३३,८४,१८२
अवभइय (अभ्यत्रिक) प १८१४
अवभंग (अभि + अञ्ज्) अवभंगेइ उ ३१११४
 अवभंगेति ज ५११४
अवभंगण (अभ्यञ्जन) उ ३१११४,११५,११६
अवभंगेत्ता (अभ्यञ्ज्य) ज ५११४
अवभंतर (आभ्यन्तर) प ३६१८१ ज ३११८४;
 ४११५२; ७१५,८,९,१०,१३ से १६,१९ से
 २२,२५ से २७,३०,३१,३३,६४,६७ से ६९,
 ७२ से ७५,७८ से ८१,८४,८८,९१,९३,९५,
 १७५ सू ११११,१२,१४,१६,१७,२१,२४,
 २७,३०; २१३; ३११,२; ४१७; ६११; ६१२;
 १०११३२; १३११३; १६११; १६१२२१२
अवभंतर पुरस्करदध (आभ्यन्तर पुस्कराद्ध) सू ८११
 १६११६ से १९
अवभंतरिय (आभ्यन्तरिक) सू ४१३,४,६,७
अवभंतरिल्ल (आभ्यन्तरिक) ज ७११७५ सू १८१७
अवभक्खण (अभ्याख्याण) प २२१२०
अवभणुणाय (अभ्यनुजात) उ ३११०६,१०८,१३८;
 ४१११
अवभपडल (अभ्रपटल) प ११२०१२; १११७५
अवभवहल्लय (अभवादल्लक) ज ५१७
अवभवल्लुया (अभवाल्लुका) प ११२०१२
अवभहिय (अभ्यधिक) प ४११७१,१७३,१७४,१७६,
 १७७,१७९,१८०,१८२,१८३,१८५,१८६,
 १८८; ५१५,१०,२०,३०,३२,७२,८१,१०२,
 १२६,१३१,१३२,१३४,१६०,१७७,१९३,
 २१४,२२८; १७१६३; १८१२८,४७,६०,६९ से

७४,८४; २३१७८,७९,१६९; २६१२१
 ज ३११८,९३,१८०; ७११८७ से १९०
 सू १८१२५ से ३० उ ३११६
अवभंतर (आभ्यन्तर) प १५१५५; ३३१११
 ज ११७, २१२२; ४१८,२१; ५१३६ सू १११४,
 १६,२१,२४,२७ से २९,३१; २१३; ४१६;
 ६११; ८११, १६१२११
अवभंतरओ (अभ्यन्तरतस्) ज ३२४१२,१३११२
 उ २१८
अवभंतरग (आभ्यन्तरक) प ११४८१४५
अवभंतरय (आभ्यन्तरक) उ ११४४
अवभंतरिय (आभ्यन्तरक) ज ४१९६
अवभुक्ख (अभि + उक्ख) अवभुक्खेइ ज ३११२,
 ८८ उ० ४१२१
अवभुक्खेत्ता (अभ्युक्ख्य) ज ३११२
अवभुगय (अभ्युगत) प ४१४८ ज ११४२; २११५;
 ४१४९, २२१, ७१७६,१७८ सू १८१८
अवभुट्ठ (अभि + उत् + ठ्ठा) अवभुट्ठेइ
 ज ३१६,२६,३९,४७,१३३, २१४; ५१२१
 उ ३११०१—अवभुट्ठेमि उ ३११३६; ४११४
 —अवभुट्ठेहि उ ३१११५
अवभुट्ठिय (अभ्युत्थित) ज २१७०
अवभुट्ठेत्ता (अभ्युत्थाय) ज ३१६ उ ३११०१,
 १३४
अवभुणय (अभ्युन्नत) ज २११५; ७११७८
अवभुवगम (अभ्युपगम) प ३५१११
अवभोरुह (अभ्यवरुह) प ११४४१
अवभोवगमिया (आभ्युपगमिकी) प ३५११२,१३
अभंगय (अभङ्गक) प २६१६; २८११९
अभवल्लेय (अभक्ष्य) उ ३१३७ से ४०
अभड (अभट) ज ३११२,२८,४१,४९,५८,६६,७४,
 १४७,१६८,२१२,२१३
अभय (अभय) उ ११३१,४२ से ४६,४८
अभयदय (अभयदय) ज ५१२१
अभवसिद्धिय (अभवसिद्धिक) प ३१११३,१८३;
 १२१७,२०; १८१२३; २८११२

अभव्वजण (अभव्यजन) सू २०।६।१

अभायण (अभाजन) सू २०।६।३

अभाव (अभाव) प ३।१२१

अभासण (अभाषक) प ३।१०८; १।१३८ से ४१,
६०

अभासय (अभाषक) प० १८।१०५

अभिइ (अभिजित्) ज ७।११३।१, १२८ से १३१,
१३३, १३४।१, १३५, १३६, १३८, १४१, १४६,
१५६, १७५ सू १०।१ से ६, ८, २०, २३, २७, ५५,
६३, ७५, ७८, ६२, १२०, १२२, १२३, १३० से
१३६; १।११६; १।५।८, ११; १।८।७;

अभिओग (अभियोग) उ ३।६१

अभिक्ख (अभीक्षण) ज २।१३१

अभिक्खण (अभीक्षण) प १।७।२, २५; २८।२१, ३३,
६७ ज० १।१८; २।१३१, १३३; ३।१०४,
१०५ उ १।५।६, ८४, ६७; ३।११७; ४।२१

अभिगम (अभिगम) प ३।४।१।२

अभिगमण (अभिगमन) ज ५।७, ४१ सू १३।१७
उ १।१७; ३।७

अभिगय (अभिगत) उ ३।१४४; ५।३४

✓अभिगिण्ह (अभि+ग्रह्)अभिगिण्ह उ ३।५५
अभिगिण्हस्सामि उ ३।५०

अभिगिण्हेत्ता (अभिगृह्) उ ३।५०

अभिगण्ह (अभिग्रह्) प १।१३७।२ उ० ३।५०

अभिचंद (अभिचन्द्र) ज २।५।६, ६१; ७।१२२।१
सू १०।८४।१

अभिजात (अभिजात) सू १०।८६।२

अभिशाय (अभिजात) ज ३।३; ७।११७।२

अभिजिणमाण (अभिजयत्) ज ३।१८, ३१, १८०

अभिजिय (अभिजित्) ज ३।३६, ३६, ४७, ५६, ६४,
७२, १२६।४, १३३, १३८, १४५, १८८;
७।१२६

अभिजेतुं (अभिजेतुम्) ज ३।६५

अभिज्झयत्त (अभिध्यातत्व) प २८।२४, २६

अभिणंद (अभि+णद्) अभिणंदति ज २।६४

अभिणंद (अभिनन्द) सू १०।१२४।१

अभिणंदत (अभिनन्दत्) ज २।६४; ३।१८५, २०६

अभिणंदिजमाण (अभिनन्दमान्) ज २।६५

अभिणंदिय (अभिनन्दित्) ज ७।११४।१

अभिणय (अभिनय) ज ५।५७

अभिणिसद (अभिनिमृत्) सू ६।१, ३

✓अभिणिस्सव (अभि+नि+स्वु) अभिणिस्सवंति
ज ४।१०७

अभिणिस्सित (अभिनिश्चित्) सू ६।३

✓अभिणी (अभि+णी) अभिणेति ज ५।५७

अभिण्ण (अभिन्न) प १।१।७२

✓अभिथुण (अभि+प्टु)

अभिथुणति ज २।६४; ३।२१०

अभिथुणंत (अभिष्टुवत्) ज २।६४; ३।१८५, २०६

अभिथुव्वमाण (अभिष्टुयमान्) ज २।६५; ३।१८६,
२०४

अभिनिविट्ठ (अभिनिविष्ट) प २०।३६

✓अभिनिस्सव (अभि+नि+स्वु)

अभिनिस्सवेइ उ १।५६

अभिभूय (अभिभूत) ज २।१३३ उ १।६०, ६२, ८५,
८७, ६३

अभिमुह (अभिमुख) ज १।६; २।६०; ३।१४,
१५, २२, ३०, ३१, ३६, ४३, ४४, ५१, ५२, ६०,
६१, ६८, ६९, १३०, १३१, १३६, १३७, १४०,
१४१, १४५, १४६, १५०, १७२, १७३, २०५, २०६,
४।१, ३७, ३८, ६५, ७१, ७३, ८०, ८१, ८४;
५।५८, ६।२३ से २६ उ १।१६; ३।४३

✓अभिरक्ख (अभि+रक्ष्)

अभिरक्खति उ ३।५१

अभिरममाण (अभिरममाण) ज २।१४६; ५।६७

अभिराम (अभिराम) प २।३०, ३१, ४१ ज ३।१,
७, ८, १७, २१, ३४, ८८, १०६, १७७, २२२;
४।२७; ५।७, २८, ४३ सू २०।७ उ ५।५

अभिरुहय (अभिरुजित्) उ ३।१३८

अभिरूढ (अभिरूप) प २।३०, ३१, ४१, ४८, ४९,

५६, ६३, ६४ ज ११८, २३, ३१, ४२; २१२२, १४,
१५; ४१३, ६, १३, २५, २७, २८, ३३, ४६, १४६;
५१६२ सू०११ उ०५१४ से ६

अभिलङ्घमाण (अभिलङ्घमान) ज ४१४६

अभिलाव (अभिलाप) प ४१५५; ६१४६, ५६, ६६, ७८
१११, १२३; ११८३; १५१३८, ५०; १७८८,
६१, ६६, ११७, १४५, १४६; २११५५; २२१५८;
२३१६६१; ३६१६५ ज ३१२११; ४१२३८;
७१५५ सू ५११; ६११; ७११; ६१२, ३; १०१२३,
१४८, १५०; १५१६; १८११; १६११, ३१; २०१२

अभिविद्विष्ण (अभिविद्वि) प ११११

अभिविद्विष्ठ (अभिविद्वि) ज ७१३०

अभिविद्विष्ठत (अभिविद्विष्ठत) सू १०१२८, १२६;
११११; १२११, ६, १२; १५१२६से२८

अभिविद्विष्ठतसंवच्छर (अभिविद्विष्ठतसंवत्सर) सू १११२
से ६; १२१६

अभिविद्विष्ठता (अभिविद्विष्ठता) सू ६१

अभिविद्विष्ठदेवता (अभिविद्विष्ठदेवता) सू०१०८३

अभिविद्विष्ठय (अभिविद्विष्ठय) ज ७१०५, ११० से
११२१५ सू १०१२७, १२६१५

अभिविद्विष्ठयसंवच्छर (अभिविद्विष्ठयसंवत्सर) सू
१०१२७

अभिविद्विष्ठता (अभिविद्विष्ठता) ज ७१२७ सू ६१

अभिविद्विष्ठमाण (अभिविद्विष्ठमाण) ज ७१०,
१६, २२, २५, २७, ३०, ६६, ७५, ८१, सू ११२०,
२१, २७; ६११; ६१२

अभिविद्विष्ठ (अभि + वृध्) अभिविद्विष्ठ सू ६१

अभिविद्विष्ठता (अभिविद्विष्ठता) सू १११४

अभिविद्विष्ठमाण (अभिविद्विष्ठमाण) सू १११४; २१३; ६१२

अभिसमणगाय (अभिसमन्वागत) प २०१३६ सू
३१२६, ३६, ४७, १२२, १२६, १३३ उ ३१८५,
६४, १२२, १६३; ५१३१

अभिसरमाण (अभिसरत्) उ ३१६८

√अभिसिच (अभि + सिच्) अभिसिचि ज २१६४
अभिसिचि ज ३१२१०; ४१२४८, २५० से
२५२; ५१५६ अभिसिचि ज ३१२०६; ५१६०

√अभिसिचाव (अभि + सेच्य्) अभिसिचावेइ

उ ११६८ अभिसिचावेसि उ ११७२

अभिसिचावित् (अभिविद्विष्ठयितुम्) ज ३११८८
उ० ११६५

अभिसिचिता (अभिविद्विष्ठय) ज २१६४

अभिसिचिय (अभिविद्विष्ठय) ज ३१२१२

अभिसिचि (अभिविद्विष्ठय) ज ३१२१४

अभिसिचक (अभिविद्विष्ठय) ज ३१२०४, २१४, २१७,
४११४०

अभिसिचक (अभिविद्विष्ठय) उ ११२२३, १३१

अभिसिच (अभिविद्विष्ठय) ज २११५; ३१२०६; ४११४०१
१६०, २४४, २४८; ५१५७, ५८, ६१, ६५

अभिसिचपीठ (अभिविद्विष्ठयपीठ) ज ३११६४ से १६६,
२०४ से २०६, २१४ से २१६

अभिसिचसंडव (अभिविद्विष्ठयमण्डप) ज ३११६१, १६३,
१६४, १६८, २०४ से २०६, २०८, २१४

अभिसिचसभा (अभिविद्विष्ठयसभा) ज ४११४०

अभिसिचसिला (अभिविद्विष्ठयसिला) ज ४१२४४; ५१४७

अभिसिचसिहासन (अभिविद्विष्ठयसिहासन) ज ४१२४८;
५१४७

√अभिहण (अभि + हन्)

अभिहणंति प ३६१६२, ७७

अभिहणमाण (अभिहणत्) ज ३११०६

अभिहिय (अभिहित) प १११०११२

अभीइ (अभिजित्) ज २१८५, ८८, १३८; ७१३६१
सू १६१२२१२७

अभीय (अभीत) ज २१६४

अभीज (अभीज) ज ३१७६, ६६ से १०१, ११६,

अभील (अभील) ज ३११०६

अमच्च (अमात्य) ज ३१, ६, ७७, २२२

अमणाम (दे०) ज २१३३३

अमणामतरिया (‘अमणाम’ तरका) प १७१२३
से १२५, १३० से १३२

अमणामत (‘अमणाम’ त्व) प २८२४

अमणुण (अमणुज) प २३१६६, ३१ ज २१३३१,
१३३

अमणुण्णतरिया (अमनोज्ञतरका) प १७।१२३ से
१२५, १३० से १३२

अमणुण्णत्त (अमनोज्ञत्व) प २८।२४

अमणूस (अमनुष्य) प २१।७२

अमम (अमम) ज २।५०, १६४; ४।१०६ २०५,
७।१२२।३ सू १०।८४।३

अमयमेह (अमृतमेघ) ज २।१४४, १४५

अमर (अमर) प २।३०, ३१, ४१; २।६४।२१;
ज २।७१; ३।३५, १०६, १३८

अमरपति (अमरपति) ज ३।३१

अमरवइ (अमरपति) प २।४५।२ ज ३।३, १८,
६३, १८०

अमल (अमल) ज ४।२६

अमाइसम्महिट्ठिउववण्णग (अमायिसम्यक्
दृष्ट्युपपन्नक) प १७।२७, २६

अमाइसम्महिट्ठी (अमायिसम्यक्दृष्टि) प १५।४६;
३४।१२; ३५।३

अमाइसम्महिट्ठी उववण्णग (अमायि सम्यक्दृष्ट्युप
पन्नक) प १७।२७

अमाण (अमान) ज २।६८

अमाय (अमाय) ज २।६८

अमावासा (अमावास्या) ज ७।१२५, १३७, १४७,
१४८, १५०, १५१, १५४, १५५, सू १०।७, २३
से २६, १३६, १३७, १४८ से १५१, १५७ से
१६१; १३।१ से ३, ६,

अमिज्ज (अमेय) ज ३।१२, २८, ४१, ४६, ५८, ६६,
७४, १४७, १६८ २१२, २१३

अमित्त (अमित्र) ज ३।२२१

अमिय (अमृत) प २।६४।१६

अमिय (अमित) प २।४०।७ ज ७।१७८

अमियवाहण (अमितवाहन) प २।४०।७

अमिलाय (अम्लान) ज ३।१२, २८, ४१, ४६, ५८,
६६, ७४, १४७, १६८, २१२, २१३

अमिलाव (अमिलाप) ज ४।२३८

अमूढविट्ठि (अमूढदृष्टि) प १।१०।१।४

अमोहा (अमोहा) ज ४।१५।१

अम्मता (अम्बा) उ ४।११

अम्मया (अम्बा) उ १।३४, ४०, ४३, ७४; ३।६८,
१०१, १३१

अम्मा (अम्बा) प ११।१३, १८ उ १।७१, ७३, ८८

अम्मापिइ (अम्बापितृ) उ २।६

अम्मापियर (अम्बापितृ) उ १।६३; ३।१२६, १२८
४।११, १४, १५, १६; ५।२७, ३८

अम्ह (अस्मत्) प १।१।३ ज ५।३ सू १।२०
उ १।१५

अय (अज) प १।१६४; १।११६ से २० ज २।३४,
३५; ७।१८६।३

अय (अयस्) प १।२०।१ ज १।७

अयकरय (अजकरक) ज ७।१८६।२ सू २०।८, ८।२

अयखंड (अयस्खण्ड) प १।१।७४

अयगर (अजगर) प १।६८, ७२ ज २।४१

अयगोल (अयोगोल) १।४८।५६

अयण (अयन) ज २।४, ६६; ७।१२६, १२७ सू
६।१; ८।१; १३।७, ६, १२ से १४

अयदेवया (अजदेवता) सू १०।८२

अयमाण (अयमान) ज ७।२०, २३, २६, २८ सू
१।१४, १६, २१, २४, २७; २।३; ६।१; १३।१;
१४।३, ७

अयल (अचल) ज ३।७६, ११६

अयसिक्कुसुम (अतसीकुसुम) प १७।१२४

अयसी (अतसी) प १।४५।२; २।३१ ज २।३७

अयाणंत (अजानत्) प १।१०।१।५

अयोज्झ (अयोध्य) ज ३।३५

अयोमुह (अयोमुख) प १।८६

अर (अर) ज ३।३५

अरइ (अरति) प २३।७७ जं २।७०

अरजा (अरजा) ज ४।२१२

अरणि (अरणि) ज ५।१६ उ ०३।५१

अरण्ण (अरण्य) ज २।६६, १३१

अरति (अरति) प २३।३६, १४५

अरतिरति (अरतिरति) प २२।२०

अरत्त (अरक्त) प २।७०

अरय (अरक) ज ३।३०

अरय (अरजस्) सू २०।८।७

अरयंवर (अरजोम्बर) प २।५० से ५३, ५४
ज २।६१

अरयंवरवत्थधर (अरजोम्बरवत्थधर) ज ५।१८,
४८

अरया (अरजा) ज ४।२१२।२

अरवाक (अरवक) प १।८६

अरविंद (अरविन्द) प १।४६, १।४८।४४
ज ३।११७

अरसमेघ (अरसमेघ) ज २।१३१

अरह (अर्हत्) ज २।६३ से ६७, ७३ से ६०;
५।५८, ६५ उ ३।१२, १४, २६, ४६, ७६; ४।१०,
११, १३, १४, १६, २०; ५।१४, २०, ३२, ३३, ३६,
३७, ३६ से ४१

अरहंत (अर्हत्) प १।६१; ६।२६ ज १।१; ५।२१
सू २०।६।४ उ १।१७

अरहंतवंस (अर्हद्वंश) ज २।१२४

अरि (अरि) ज २।२८

अरिदूठ (अरिष्ट) प १।३५।२

अरिदूठनेमि (अरिष्टनेमि) उ ५।१४, २०, ३२, ३३,
३६, ३७, ३६, से ४१

अरिस (अर्शस्) ज २।४३

अरिह (अर्ह) ज १।२ उ १।३६, ४२

अरुण (अरुण) ज ४।८४, ८५ सू २०।८, ८।५

अरुणवर (अरुणवर) प १।५।५।१ सू १।६।३१

अरुणवरोभास (अरुणवरावभास) सू १।६।३१

अरुणोभास (अरुणावभास) ज ४।८५

अरुणाभ (अरुणाभ) सू २०।२

अरुणोद (अरुणोद) सू १।६।३१

अरुय (अरुज) ज ५।२१

अरुवि (अरुपिन्) प १।२, ३; ५।१२, ३, १२४

√अरुह (अर्ह्)

अरुहतु ज ३।१२६

अर्लंकार (अलङ्कार) ज २।६५, ६६, १००; ३।१२

६४, ७२, ७८, १५०, १८०, २०६, २२४; ५।१४,

२२, ३६, ४१, ४३ उ १।३५, ७०; ३।५०, ११०,

११३; ४।१८, २०; ५।१७

अलंकारिय (अलंकारिक) ज ४।१४०

अलंकित (अलङ्कृत) सू २०।७

अलंकिय (अलङ्कृत) प २।४८ ज ३।६, ८५, २११,
२२२; ४।४६; ५।५८ उ १।१६, ४२; ३।२६,

१४१; ४।१२

अलंबुसा (अलम्बुसा) ज ५।११।१

अलकापुरी (अलकापुरी) ज ३।१

अलत्तग (अलत्तक) उ ३।११४,

अलद्ध (अलद्ध) उ ३।३८

अलभमाण (अलभमान) उ १।६६

अलसंडविसयवासी (अलसण्डविषयवामिन्)
ज ३।८१

अलाय (अलात) प १।२६

अलिय (अलीक) उ १।४७

अलेस्स (अलेश्य) प ३।६६; १३।१६; १७।५६,
५८; १८।७५; २८।१२४

अलोग (अलोक) प १०।२, ४, ५; १५।१।२

अलोय (अलीक) प २।६४।३; १५।५७; ३३।१३

अलोवेमाण (अलोपयत्) उ १।१११, ११२

अलोह (अलोभ) ज २।६८

अलज (आर्द्र) उ १।४४ से ४६

अल्लङ्कुसुम (आर्द्रकीकुसुम) प १७।१२७

अल्लग (आर्द्रक) ज ३।११६

अल्लोण (आलीन) ज २।१५, १६; ७।१७८

अवक्कम (अव- + क्रम्) अवक्कमइ उ ३।११३,

अवक्कमंति ज ३।१११, ११५, १६२, २०८;

५।५, ७, ५५ अवक्कमह ज ३।१२४; ४।२०

अवक्कमित्ता (अवक्कम्य) ज ३।१११; उ ३।११३;
४।२०

अवगाह (अवगाह) प १७।११४।१

√अवचिज्ज (अव + चि) अवचिज्जंति
प २।१६७

अवज्झा (अवध्या) ज ४।२१२, २१२।४

अवट्टित (अवस्थित) सू ६।१; ११।२।११
 अवट्टित्ता (अवस्थाय) सू ११।२।२२
 अवट्टिय (अवस्थित) प ३३।२५ ज १।११, ४७;
 ३।६२, ११६, २२६; ४।२२, ५४, ६४, १०२, १५६,
 २१२; ७।३१, ३३, १०१, १०२, २१० सू ४।३
 ४, ६, ७, ८।१ उ ३।४३, ४४
 अवड्ड (अपार्ध) प १।५।६, ६४, ७७, ८३, ९०, १०८
 सू १।२२; ६।३
 अवड्डहेत्त (अपार्धहेत्त) सू १०।४, ५
 अवड्डगोलगोलच्छाया (अपार्धगोलगोलच्छाया)
 सू ६।५
 अवड्डगोलच्छाया (अपार्धगोलच्छाया) सू ६।५
 अवड्डगोलपुंजच्छाया (अपार्धगोल पुंजच्छाया)
 सू ६।५
 अवड्डगोलावलिच्छाया (अपार्धगोलावलिच्छाया)
 सू ६।५
 अवड्डभाग (अपार्धभाग) सू १।२।५
 अवड्डवाविसंठिय (अपार्धवापीसंस्थित) सू १०।३१
 अवणीयउवणीयवयण (अपनीततोपनीतवचन)
 प १।१।८६
 अवणीयवयण (अपनीतवचन) प १।१।८६
 अवण्ण (अवर्ण) प ३०।२७, २८
 अवतंस (अवर्तंस) सू ५।१
 अवत्तव्यय (अवत्तव्यय) प १०।६ से १३
 √अवदाल (अव + दलय्) अवदालेति प ३६।८१
 अवदालेत्ता (अवदलय्) प ३६।८१
 अवट्टार (अपट्टार) उ १।११७ से ११६
 अवमंस (दे० अमावास्या) ज ७।१२७।१, १६७।१
 अवय (अवका) प १।४६, १।४८।१; १।६२ औवाल
 अवर (अपर) प १।१।६, १।४८।४, ८; १।६१ ज
 ४।१७; १३७, १५१, ५।३६ च ५।२ सू १।६।२;
 २।१; ३।१; १०।५, १२७; १३।५, १७; १८।१,
 २१
 अवरक (अपनक) सू १३।१२
 अवरत्त (अपरात्र) उ १।५।१, ६५, ७६; ३।४८, ५०

५५, ५७, ६५, ६८, ७२, ७५, ७६, ८८, १०६, १३१;
 ५।३६
 अवरविदेह (अपरविदेह) प १६।३०; १७।१६१
 ज २।६; ४।६४, ६६, २१३, २६३।१
 अवरविदेहकूड (अपरविदेहकूट) ज ४।६६
 अवरवेयालि (अपरवेयाली) प १६।४५
 अवराड्या (अपराजिता) ज ४।२०२।२, २१२,
 २१२।२
 अवलद्ध (अपलव्य) ५।४३
 अवव (अवव) ज २।४
 अववंग (अववाङ्ग) ज २।४
 अवस (अवश) उ १।५२, ७७
 अवसण (अवसन) ज ३।१११, ११३
 अवसाण (अवसान) प ८।३ ज ३।६, २१७, २२२
 अवसिद्ध (अवशिष्ट) प २३।१७५
 ज ४।१६२ से १६४, २०४, २०८, २१०,
 २६२, २७१, २७४; ५।४६, ५०
 अवसेय (अवशेष) प २।५४; ३।१८२; ५।३७, ३६,
 ७४, ८६, १०७, १४६, १५६, १६०, १६३, १६७,
 २००, २०३, २०५, २०७, २२४, २४२; १७।१७;
 २०।२३; २२।२४; २४।११; २६।४, ८; २७।२;
 २८।१२५, १३३, १३६, १३७, १४१ से १४३;
 ३०।२४; ३६।२० ज २।४६, ५६, ६२, ६५, ६६,
 १०१, १०२, ११३, ११४; ४।५३, १४०, १६५,
 २६५, २६८; ५।४२, ४५; ७।१३४।४, १३५।४,
 १५३ सू १०।२२; १३।१; २०।३
 अवहाय (अपहाय) ज २।६
 अवहार (अपहार) प १।२।३२
 अवहिय (अपहृत) प १।२।२४, ३३
 √अवहीर (अप + हृ) अवहीरंति प १।२।७, ८, १०,
 १२, १६, २०, २४, २७, ३२ अवहीरति
 प १।२।७, ३२
 अवहीरमाण (अपह्रियमाण) प १।२।२४, ३३
 अवाउक्काड्य (अवायुकायिक) प २।१।५०
 अवाय (अवाय) प १।५।५८।२; १।५।६६

अवि (अपि) प १११३ ज ४१२०० सू ११२५;५११
 उ ११३१; ३१११; ४१६; ५१४५
 अविदमाण (अविन्दान) उ ११४१, ४३
 अविग्रह (अविग्रह) प ३६१६२
 अविग्रह (अविग्रह) ज २१६४
 अविणिज्जमाण (अविनीयमान) उ ११३५, ४०, ४३
 अविणीय (अविनीत) ज ३११०६ सू २०१६६
 अयितह (अवितथ) ज २१७८ उ ११२४, ४२
 ३११०३
 अविद्याउरिया (दे० अविजनयित्री) उ ३११३१
 अविद्याउरी (दे० अविजनयित्री) उ ३१६७
 अविरत (अविरत) प ३११८३
 अविरत्त (अविरत्त) सू २०१७
 अविरय (अविरत) प १११८६
 अविरल (अविरल) ज २११५
 अविरहिय (अविरहित) प ६११६, ६२, ६३; १११
 ७०; २०१४, २६, ५० सू १०१७७; १६१२२११७
 अविराहियसंजम (अविराधितसंयम) प २०१६१
 अविराहियसंजमासंजम (अविराधितसंयमासंयम)
 प २०१६१
 अविसय (अविषय) प १११६७; २०११७, ६३
 ज ७१४६
 अविसारय (अविशारद) प० १११०११११
 अविसुद्ध (अविशुद्ध) प १७११३८
 अविसुद्धलेस्सतराग (अविशुद्धलेश्यतरक) प १७१७
 अविसुद्धवण्णतराग (अविशुद्धवर्णतरक) प १७१६,
 १७
 अविसेस (अविशेष) प २१३, ६, ६, १२, १५
 अविसेसिय (अविशेषित) ज ११५१
 अविस्साम (अविश्राम) प २१४८
 अवोरिय (अवीर्य) ज ३११११
 √अवे (अप+इ) अवेति प २०११०५;
 ३४११६
 अवेद (अवेद) प २१६४१
 अवेदग (अवेदक) प ३१६७; १३११६

अवेदणा (अवेदना) प २१६४१
 अवेदय (अवेदक) प १८१६३; २०११४०
 अवेदिय (अवेदित) प ३६१८२
 अव्वय (अव्यय) ज ११११, ४७; ३११६७, २२६;
 ४१२२, ५४, ६४, १०२; ७१२१० उ ३१४३, ४४
 अव्वहिय (अव्ययित) ज २१४६
 अव्वानाह (अव्यानाध) प २१६४१४, २०, २२;
 ३६१६४११ ज ५१२१ उ ३१३०, ३५
 अव्वोच्छिण्ण (अव्यवच्छिन्न) ज ३१३
 अव्वोच्छित्तिणय (अव्यवच्छित्तिनय) सू १७११;
 २०११
 अव्वोयड (अव्याकृत) प १११३७२
 √अस (अस्) अत्थि प ११७५, ८०; ५१६६;
 १२१६; १५१६५, ६६; १७१३३; २०११२३, १३६,
 १४१, १४२, १४५ ज ११४७ आसि ज ११४७
 आसी प २१६४५ सिया सू १०१२५
 असइ (असकृत्) ज ७१२१२
 असंक्किलिट्ठ (असंक्लिष्ट) प २१३१; १७११३८
 असंख (असंख्य) प ११४८१६०
 असंखभाग (असंख्यभाग) प ११४८१६०
 असंखिज्जइभाग (असंख्येयभाग) प २३११०१,
 १५१, १५७
 असंखिज्जगुण (असंख्येयगुण) प १८१६३; २०११४०
 असंखिज्जतिभाग (असंख्येयभाग) प २१४८
 असंखिज्जसमइय (असंख्येयसामयिक) प १५१६१
 असंखेज्ज (असंख्येय) प १११३, २०, २३, २६, २६,
 ४८, ११४८१८, ४०, ५६; २११०, ११, ४१ से ४३,
 ४६, ४८ ५०, ५६; ३११८०; ५१२, ३, ५, १२६,
 १२७, १४४, १४५, १५१; ६१४२, ६० से ६४, ६८,
 १०१६, १८ से २०, २३, २५, २८, ३०; १११५०,
 ७०, ७२; १२१७, ८, १२, १६, २०, २४, २७, ३१,
 ३२; १५११२, २५, ५८११; १५१८३, ८४, ८७, ८९,
 ९२, ९४ से ९६, १०३, १०४, ११८, १२० से
 १२३, १२५ से १२८, १३५ से १३७, १४० से
 १४२; १७११४१, १४३; १८१३, २६, २७, ३७

३८, ४१, ४३, ६५, १०७, ११७, २८५, ५१, ३३।
१०, १२, १३, १६, १७; ३४। १३; ३६। ८, १३ से
१५, १७ से २०, २२, २३, २५, २६, ३३, ३४, ४४,
६६, ६८, ६२ ज १। ४६; २। ४, ५८, ८०, १५७;
३। ३; ४। ५२, १६५; ५। ४४ सू १३। २; १। ४। ४, ८;
१८। १; १६। २२। १; १६। ३४, ३५, ३७, ३८

असंख्येज्जभाग (असंख्येयभाग) प १। ७४, ८४;
२। १, २, ४, ५, ७, ८, १३, १६ से ३२, ३४ ३५, ३७,
३८, ४१ से ४३, ४६, ४८, ५०, ५२, ५८ से ६०;
४। १४६, १५१, १५७; १। ५। २२; १। ८। ७, ७० से
७२, ८५, ११७; २। ०। ६३; २। १। ३८, ४० से ४२,
४८, ६३ से ६७, ७०, ७१, ८४, ८६, ८० से ८२;
२। ३। ६१, ६४, ६६, ६८, ७३, ७५ से ७७, ८३ से
८६, ८८ से ९०, ९२, ९५ से ९६, १०२ से १०४,
१११ से ११४, ११७, ११८, १३४, १३५, १३८,
१४०, १४२, १४३, १५१ से १५३, १५५, १५६,
१६०, १६१, १६४, १६६ से १६८, १७१ से
१७३; २। ४। ०, ६६ उ ३। ८३, १२०, १६१;
४। २४

असंख्येज्जग (असंख्येयक) प १२। ७

असंख्येज्जगुण (असंख्येयगुण) प २। ६४। ११; ३। १०
से २३, २६, २८ से ३६, ३८, ३९, ४५ से ५२, ५६
से ६३, ७१ से ८६, १०१, १०३ से १०५, १०७,
१११, ११६, ११७, ११८, १२०, १२२, १२५ से
१२६, १३१ से १७३, १७५ से १७७, १८२,
१८३; ५। ५, १०, २०, ३२, १२६, १५१; ६। १२,
१६, २५; १। ०। ३ से ५; १। १। ६०; १। ५। १३;
१। ७। ५७, ६०, ६३, ६४, ६७, ६८, ७१, ७३, ७४, ७६,
७८ से ८३, १४४ से १४६; २। ०। ६४; २। १। १०४,
१०५; २। ४। ७, ५३; ३। ४। २५; ३। ६। ३५ से ४१, ५२,
६२

असंख्येज्जजीविय (असंख्येयजीविक) प १। ३५, ३६
असंख्येज्जतिभाग (असंख्येयभाग) प २। ५१, ६१, ६३,
६४; ४। १५५; १। २। ६, २४, २७, ३१;
१। ५। ७, ८, ४०, ४२; १। ८। ३, ४१, ४३; २। ३। ८१;

२। ८। २२, ३४, ३६, ६८; ३। ३। १२, १३, १६, १७;
३। ६। ६६, ७०, ७३, ७४

असंख्येज्जपएसिय (असंख्येयप्रदेशिक) प ५। १३५,
१३६, १६५, १६६, १८३, १८४, १८६, २००,
२२०, २२१; १। ०। १७, २२, २७; १। १। ४६

असंख्येज्जपदेसिय (असंख्येयप्रदेशिक) प ३। १७६;
५। १२७, १८४; १। ०। १७, १८, २३, २८

असंख्येज्जभाग (असंख्येयभाग) प ५। ५, १०, २०, ३०,
३२, १०२, १२६

असंख्येज्जवासाउय (असंख्येयवर्णयुष्क) प ६। ७१,
७२, ७६, ८१, ८४, ८५, ८७, १०७, १०८, ११६;
२। १। ५३; ५। ४, ७२

असंख्येज्जसमइय (असंख्येयसामयिक) प १। १। ७१;
२। ८। ४, ३८; ३। ६। २, ८४, ८२

असंख्येज्जसमयट्ठितिय (असंख्येयसमयस्थितिक)
प ५। १। ४८; १। १। ५१

असंख्येज्जसमयठितीय (असंख्येयसमयस्थितिक)
प ३। १। ८१

असंख्येज्जपविट्ठ (असंख्येयध्वप्रविष्ट)
प २। ३। १६३

असंग (असङ्ग) प २। ६४। १, २१

असंजत (असंयत्त) प ३। १। ०५; ६। ६७, ६८

असंजय (असंयत्त) प ३। १। ०५; १। ७। २३, २५, ३०;
१। ८। ६०; २। ०। ६०; २। १। ७२; ३। २। १ से ४, ६
असंजयभविद्यद्वन्द्वदेव (असंयत्तभविकद्वन्द्वदेव)
प २। ०। ६१

असंठाण (असंस्थान) प ३। ०। २७, २८

असंत (असत्) प २। ६४। १७

असंतप्पमाण (असंतप्यमान) सू ६। १

असंदिद्ध (असंदिग्ध) उ १। २। ४, ४२

असंपत्त (असंप्राप्त) प १। २। ०, २३, २६, २८, ४८;
२। ३। १; १। ६। २२ ज ४। ४२, ७१, ७७, ८४, २६२;

५। ५, ३८, ४४ सू १। ०। १४२, १४७; १। २। ३०
असंभंत (असम्भ्रान्त) ज ५। ५, ७

असंविदित (असंविदित) उ १। १। ०७, १०८, ११६,
१२७

असंसारसमावर्ण (असंसारसमापन्न) प १११० से

१३

असंसारसमावर्णन (असंसारसमापन्नक)

प १११३६; २२१८

असकणी (अश्वकर्णी) प ११४८१

असकारिय (असत्कारित) उ १११७ से ११६

असच्चाभोसभास (असत्यमृषाभाषक) प १११६०

असच्चाभोसमण (असत्यमृषामनस्) प १६११, ७

असच्चाभोसमणजोग (असत्यमृषामनोयोग)

प ३६१८६

असच्चाभोसवड (असत्यमृषावाक्) प १६१३, ६, १३

असच्चाभोसवडजोग (असत्यमृषावाग्योग)

प ३६१६०

असच्चाभोसा (असत्यमृषा) प १११२, ३, ३५, ३७,

४२ से ४६, ८३ से ८५, ८८, ८९

असण (अशन) प १३५१३ उ ३१५०, ५५, १०१,

११०, १३४, १४६

असणि (अशनि) प ११२६ सू २०१

असणिमेह (अशनिमेघ) ज २१३३

असणि (असंज्ञिन्) प ११८४; ३११२; १७१२०;

१८१२०; २०६१, ६३, २३१६७, १७१;

२८११७ से ११६; ३१११ से ३, ५, ६, ६११;

३५१२०

असणिआउय (असंज्ञ्यायुष्क) प २०६२

असणिभूत (असंज्ञिभूत) प ३५१२०

असणिभूय (असंज्ञिभूत) प १५१४८; १७१६;

३५११८

असणिहि (असंज्ञिधि) ज २११६

असणिभूय (असंज्ञिभूत) प १७१२०

असत्थ (अशस्त्र) ज ३१६२, ११६ उ ३१३८, ४०

असमोहत (असमवहत) प ३११७४

असमोहय (असमवहत) प ३११७४; ३६१३५ से

४१, ४८ से ५१

असम्मानिय (असम्मानित) उ० १११७ से ११६

असरीर (अशरीर) प २१६४१२; ३६१६३, ६४

असरीरि (अशरीरिन्) प २८११४१

असाढ्य (अपाढक) प ११४२१

असात (असात) प ३५११२; ३५१८, ९

असातवेदग (असातवेदक) प ३११७४

असातावेयणिज्ज (असातवेदनीय) प २३१२६, १८०

असामणक (असामान्यक) सू १३१५, ६, १२, १३, १७

असाय (असात) प २२१५

असायावेदणिज्ज (असातवेदनीय) प २३११६

असायावेयणिज्ज (असातवेदनीय) प २३११६, ६४,

१३६

असासय (अशाश्वत) ज ७१२०८, २०९

असाहुवंसण (असाधुदर्शन) उ ३१४७, ७९

असि (असि) प २१४१; १५११२; १५१५०

ज २१२३; ३१, १७८; ३११७८; उ १११३८

असिघ (असित) प २१३१

असिरयण (असिरत्न) ज ३११०६; १७८, २२०

असिरयणत्त (असिरत्नत्व) प २०६०

असिलेस (अश्लेष) ज ७१२६११, १६२

असीइ (अशीति) प २१५६१३

असीइमंगुलमूसिय (अशीत्यङ्गुलोच्छ्रित) ज ३११०६

असीति (अशीति) प० २१५१ सू ११२२; १२१५, १२

असुइ (अशुचि) प २१२० से २७ ज २११३३; ५१५

उ ११६३; ३११२६, १३०

असुइजायकम्मकरण (अशुचिजातकर्मकरण)

उ० ११६३; ३११२६

असुइय (अशुचिक) प ११८४

असुभ (अशुभ) प २१२० से २७; २२१४

असुभणाम (अशुभनामन्) प २३१३८; १२३

असुभत्त (अशुभत्व) प २८१२४ उ ११२७, १४०

असुर (असुर) प० २१३०१, २१४०१, ५, १०;

५१३; ३६१४६ ज २१६४; ३१२४१, २,

१३१११, २, ३११५५, २०९; ५१५२; चं ११२

असुरकुमार (असुरकुमार) प १११३१; २१३१ से

३३, ४०८; ४१३७ से ३६; ५१६ से ८, ४८ से

५०, १२१; ६१७, ५२, ६१, ८१, ८५, ६३, १०१,

१०९, १११, ११२, ११४; ७१२; ८१३; ६१३;

१५, १८; १११४४; १२२, १५, १६, ३१;
 १३११५, २०; १५११६, ३५, ७१, ७८, ८४, ८७,
 १०२, १३६, १३८; १६३, ११, १६; १७११४
 से १७, २६, ३०, ३३, ३४, ६३, ६८, ६९, १०१,
 १०२, १०५; १६११; २०३, ५, ८, ११, १२, १५,
 २० से २४, २७, ३५, ३७, ४४, ६०; २११५५,
 ६१, ७०, ६०; २२१२३, ३७, ४५; २८११, २५,
 ७४, १०६; ३११२; ३३११०, २०; ३४१२, ४, ५;
 ३५१३; ३६१५, ८, १६, २०, २३, २४, २६, ३७,
 ४१, ५०, ५५, ६६, ७२ उ २०१७
असुरकुमारत (असुरकुमारत्व) प १५१६५, ६७,
 ११६, १४१; ३६११८, २०, २२ से २४
असुरकुमारराय (असुरकुमारराज) प २३११, ३२
 ज २१११३; ५१५०, ५१
असुरकुमारिद (असुरकुमारिन्द्र) प २३११, ३२
असुरकुमारी (असुरकुमारी) प ४१४० से ४२;
 २०११२
असुरिद (असुरेन्द्र) ज २१११३; ५१५० से ५२
 सू २०१७
असुह (अशुभ) प २१२० से २७
असेलेसिपडिवणग (अशैलेशीप्रतिपन्नक)
 प ११३६; २२१८
असेस (अशेष) ज ७११३५२
असोग (अशोक) प० १३३५३ ज २६५; ३११२,
 ३५, ८८, १८८; ४१२१२२; ५१५८ सू २०१८,
 २०१८७ उ १११; ३१५६, ६४, ६६, ६८, ७६
असोग (लता) (अशोकलता) प १३६११
असोगवडेतथ (अशोकवतंस) प २१५०, ५२
असोगवणिग (अशोकवनिग) उ ११५५ से ५७,
 ८० से ८२
असोगवण (अशोकवन) ज ४१११६
असोगा (अशोका) ज ४१२१२
अस्स (अश्व) प १६३
अस्संजत (असंयत) प ३२१६१
अस्संजय (असंयत) प ११८६; २८१२६;
 ३२१६१

अस्संजयभवियदव्वदेव (असंयतभविकद्रव्यदेव)
 प २०१६१
अस्सणि (असंजिन्) प १७४; ६१८०१
अस्सतर (अश्वतर) प १६३
अस्सदेवया (अश्वदेवता) सू १०१८३
अस्सपुरा (अश्वपुरा) प ४१२११
अस्सरह (अश्वरथ) प ३१२१, २२, ३४
अस्सातावेदग (असातवेदक) प ३१७४
अस्सातावेदणिज्ज (असातवेदनीय) प २३११६
अस्सातावेयणिज्ज (असातवेदनीय) प २३११६
अस्साय (आ-+स्वादय्) अस्साएइ प १५३८
 अस्साएत्ति प २८१२२, ३६, ६८
अस्सायण (आश्वायन) ज ७१३२ सू० १०१६६
अस्सायावेदणिज्ज (असातवेदनीय) प २३३१
अस्सिणी (अश्विनी) ज ७११३१, १२८, १२६,
 १३६, १४३, १४६, १५५, १५८, १५९; सू १०११
 से ६, १०, २२, २३, ३४, ६२, ६५, ६६, ७५, ८३,
 ६६, १२०, १३१ से १३३, १५४
अस्सेसा (अश्लेषा) ज ७१२८; १३४, १३६, १४०,
 १४७, १५० सू १०११ से ६, १४, २३, २५, ४२,
 ६२, ६६, ७५, ८३, १०७, १२०, १३१ से १३४२,
 १५७
अस्सोई (आश्वयुजी) ज ७१४०, १४३, १४६
 सू १०१२३
अस्सोय (आश्वयुज) सू १०१२४
अह (अथ) प ५१५ उ० ३१२६
अह (अधस्) ज ३१६८
अहक्खाय (यथाख्यात) प ११२४, १२६
अहक्खायचरित्तपरिणाम (यथाख्यातचरित्रपरिणाम)
 प० १३११२
अहत (अहत) ज २११००; ३३५, २११; ५१५८
अहत्ता (अधस्ता) प० २८१२४, २६
अहमिद (अहमिन्द्र) प २१६०, ६१, ६२१, ६३
अहय (अहत) ज ३१६, ११७१२, २२
अहर (अधर) प २३१
अहवर्ण (अथवा) प० १२११२

अहवा (अथवा) प १११०३ ज २।६६ सू १०।१२०
उ १।११५

अहाछंद (यथाछन्द) उ ३।१२०

अहाछंदविहारि (यथाछंदविहारिन्) उ ३।१२०

अहापडिरुव (यथाप्रतिरूप) उ १।२; ३।२६, ६६,
१३२; ५।२६

अहाणुपुन्वी (यथानुपूर्वी) ज ३।१७८, १७९, २०२,
२१७; ५।४३

अहावायर (यथावादर) ज ३।१६२; ५।५, ७

अहामालिय (यथामालिक) ज ३।६

अहारिह (यथार्ह) उ ३।११५

अहामुह (यथामुख) उ ३।१०३, ११२, १३६, १४७,
१४८; ४।११, १४, १५, १६

अहामुद्धम (यथासूद्धम) ज ३।१६२

अहि (अहि) प १।६८, ६९, ७१ ज० २।४१

अहिग (अधिक) सू १।२७; १५।२४, २५

अहिगम (रुइ) (अधिगमरुचि) प १।१०१।१

अहिगमरुइ (अधिगमरुचि) प १।१०१।८

अहिगरणिमा (आधिकरणिकी) प २२।१, ३, ४८,
५३ से ५६, ५८, ५९

अहिगरणिसंस्थिय (अधिकरणीसंस्थित) ज ३।६४,
१३५, १५८

अहिगरणी (अधिकरणी) प २२।४८

अहिछत्ता (अहिछत्ता) प १।६३।२

√अहिज्ज (अधि+इ) अहिज्जइ उ २।१०;
३।१४; ५।२८

अहिज्जंत (अधीयान) प १।१०१।६

अहिज्जित्ता (अधीत्य) उ २।१०; ३।१४; ५।३६

अहिय (अधिक) प २।२७।२; १३।२।२; २३।१४७,
१५८, १६२, १६५ ज २।१३१; ३।३६, ७६, ११७,
२२२; ४।१४६; ७।२७, २६, ३० सू १।१४, १६,
२१, २४; ६।१; १५।२८, ३१, ३२; १६।११।१

√अहियास (अधि+सह् आस्) अहियासिज्जंति
उ ५।४३ अहियासेइ ज २।६७

अहिलाण (दे०) ज ३।१०६, १७८ घोड़े के मुंह पर

बांधे जानेवाला

अहिवइ (अधिपति) ज ३।२६, ३६, १५६; ५।१८, ४६

अहिसलाग (दे०) प १।७१

अहीण (अहीन) उ ५।४५

अहीय (अधीत) उ ३।४८, ५०

अहुणोववण्ण (अधुनोपपन्न) उ ३।१५, ८४, १२१,
१६२

अहे (अधस्) प २।२० से २७, २७।३; २।३०, ३१,
४१; १।१६५, ६६, ६६।१; १६।५५; २।१८७,
६०, ६१; २८।१५, १६, ६१, ६२; ३३।१६

ज २।६५, ७१; ७।५४, १६८।१ सू २।१;

४।१०; १६।२२; २०।१, २ उ १।४६; ३।५६,
६४, ६८, ७१, ७४

अहे (अथ) उ ३।५१।१

अहेतु (अहेतु) प ३०।२७, २८

अहेदिसा (अधोदिशा) प ३।१७६, १७८

अहेलोइय (अधोलौकिक) प २१।६२, ६३

अहेलोय (अधोलोक) प० ३।१२५ से १७३, १७५,
१७७

अहेसत्तमा (अधःसप्तमी) प ३।१७, १८; ४।२२ से
२४; ६।१६, ५१, ६०, ८०, ८८, ६१, ६२, १००,
१०६; १०।२, ३, १६।२६; २०।७, ४३, ५७;

२१।५२, ५६, ६७, ८७; ३०।२६; ३३।६, १७

अहेसत्तमापुढवि (अधःसप्तमीपृथ्वी) प० २०।५२

अहो (अही) ज ३।१२६ उ १।६२; ५।२२

अहोरत्त (अहोरात्र) ज २।४, ६६; ७।२० से २४,
२६ से २९, १२२, १२६, १२७, १३४।१,

१३५।१ से ४, १५६, १५७, १६० सू १।१४,

१६, २१, २४, २७; २।३; ६।१; ८।१; १०।३, ६३

से ७४, ८४, १३४; १२।२ से ५, १२; १५।११,

१२, २६ से ३१, ३४

अहोलोग (अधोलोक) ज ५।१ से ३, ५

अहोलोय (अधोलोक) प २।१, ४, १०, १६ से १६, २८

अहोवाय (अधोवात) प १।२६

अहोसिर (अधःशिरस्) ज १।५; २।८३ उ० १।३

आ

आइ (आदि) प ५१४, १४३, २१८; २५१४

ज २१२१; ५१२७, ४०, ५५, ५७; ७१४५, ५०

उ २१२२; ५१४५

✓आइख (आ+ख्या) आइखइ ज ७१२१४

उ ११६८

आइखग (आख्यायक) ज २१६४

आइगर (आदिकर) ज ५१११ उ ३११२; ५११४

आइच्च (आदित्य) ज ३१३; ७१२५, ३०, ११११,

११२१४, ५ सू ११६१३; १०११२८, १२६१४, ५

आइच्चचार (आदित्यचार) चं ५१३

आइणग (आजिनक) ज ४११३

आइण (आकीर्ण) ज २१३४; ३११०३, १७८

आइय (आदिक) प ११५०, ५१, ६०, ७५, ७६, ८१;

२४१८ ज २१३५, ६४, १४४; ३१६५;

४१२४८, २५१; ५१३८, ५७; ७१२६ उ २११०,

१२; ३१४, १६१, २५०; ५१२८, ३६, ४१

आइय (आचित) प १७११६

आइल (आदिम) प ५११०२; २२१३५, ५१, ५४

आइल्लिग (आदिम) प १७१३०

आइल्लिय (आदिम) प २२१७३, ७४

आईणग (आजिनक) सू २०१७

आईय (आदिक) प १४११८; २८११६;

उ ११६६, ६७, ६४; ४११३

आउ (दे० अप्) प ६१०२, १०४, ११५; ६१४;

११२६ से २८; १३१६; १७१३३; १८१२६,

३२; २०१८, २२, २८; २११८५; २२१२४; २८१२३

आउ (आयुष) ज ११२२, २७, ५०; २१४६, ५१, ५३,

५४, ५८, १३३ से १३५, १६१; ३१३; ७१३०,

१८६१४, २११

आउ (काइय) (दे० अप्कायिक) प १७१४०

आउकाइय (अप्कायिक) प १११५; ३१५० से ५२,

५५, ६० से ६३, ६६, ७१ से ७४, ७७, ८४ से

८७, ९०, ९५, १५६ से १६१, १८३; ४१६५ से

आउकाइयत्त (अप्कायिकत्व) ज ७१२१२

७०; ५१३, ११, १२; ६१६, १०२; १५१३७१

आउकाइय (अप्कायिक) प ११२१; २१४ से ६;

३१३; ६१८६, १२२२; १५१२६, ८५; १७१६०,

६६, १०२; १८१३८, ४०, ४२, ५०; २०१३३, २५,

२६, ४४; २११२४, ४०; २२१३१

आउकाय (अप्काय) सू २११

आउकखय (आयुःक्षय) उ० २११३; ३११८, ८६,

१२५, १५२; ४१२६; ५१३०, ४३

आउज्जीकरण (आवर्जीकरण) प ३६१८४

✓आउट्ट (आ+वृत्) आउट्टेज्जा ज २१६७

आउट्टि (आवृत्ति) सू १२११८ से २८

✓आउड (आ+कुट्) आउडेइ ज ३१८८, १३५,

१५५

आउडिय (आकृष्टित) ज ३१८६, १५६

आउत्त (आयुक्त) प १११८६ ज ३१७८

आउदेवया (अब्देवता) सू १०१८३

आउपज्जव (आयुष्यव) ज २१५१, ५४, १२१,

१२६, १३०, १३८, १४०, १४६, १५४, १६०, १६३

आउय (आयुष्क) प ३११७४; २०१६१, ६३;

२२१२८; २३११, १२, १८, ३७, १४६, १६६, १८५

१६१, १६३, १६७ से २०१; २४१४; २६१११;

२७१५; ३६१८२, ८३११, ६२ ज २१४६, ५८, १२३,

१२८, १४८, १५१, १५७; ३१२२५; ४११०१

आउयबंध (आयुष्कबन्ध) प ६१११८, ११६

आउयबंध्हा (आयुष्कबन्धाध्वन्) प २३१६३

आउल (आकुल) प० २१४१ ज० २१६५ सू २०१७

आउस (आयुष्मत्) प २१३, ६, ६, १२, १५, २० से २७,

६० से ६३; ३१३६; १५१४३, ४५; ३६१७६,

८१ ज २१६; १६ से २१, २३, २५, २६, २८,

३० से ३६, ३६ से ४३, ४८, ४६, ५१, ५४, १२१,

१२६, १३०, १३३, १३८, १४०, १४६, १५४, १५६,

१६०, १६३; ७१०१, १०२, १२६, सू ८१०;

२०१७

आउह (आयुध) ज ३१७७, १०७, १२४ उ ११३८

आउह्वरसाला (आयुधगृहशाला) ज ३१४, ५, ६, १२,

१४,३०,४३,५१,६०,६८,१३०,१३६,१४०,
१४६,१७२,२२०

आउहधरिय (आयुध्रगृहिक) ज ३१५,६

आएज्जनाम (आदेयनामन्) प २३११२६

आएस (आदेश) ज ३१६७६

आओग (आयोग) ज ३११०३

आओजित (आयोजित) प २२१५७

आओजिय (आयोजित) प २२१५८

✓आओस (आ-कुश) आओसइ उ ११५७

आओसणा (आक्रोशना) उ ११५७,८२

आकासिया (आकाशिका) ज २११७

आकुल (आकुल) ज ३१६,२२२

आकोसायंत (आक्रोसायमान) ज २११५

आगइ (आगति) ज २१७१

✓आगच्छ (आ-गम्) आगच्छइ ज २१२४,

३११०७,११४; ७१२० से २५,७६,८२ सू २१३

उ ११७० आगच्छति प १११७२; २८१४०,

४३,६६ ज २१३४,३५,३७,१०१; ७११०१,

१०२,२०२,२०४,२०६ सू ८१ आगच्छति

सू २१३ आगच्छेज्ज प ३६१६१ आगच्छेज्जा

प ३६१८१ ज २१६

आगच्छमाण (आगच्छत्) सू २०१२

आगत (आगत) प २०१६,१०

✓आगम (आ-गम्) आगमेसि ज २१८१

आगमण (आगमन) उ ३११६६

आगमेस्स (आगमिष्यत्) ज २११३८,१६१

आगम्म (आगम्य) ज ५१५५ उ ५१७

आगय (आगत) प २०१६ से ६,११ से १३;

३४१११ ज ३१८२ सू २०१७ उ० १११७,२२,

१०७,१०८,१२७,१२८,१३८,१४०; ३१७,२१,

२५,२६,६१

आगर (आकर) प ११७४ ज २१२२,१३१;

३११८,३१,८१,१६७२,८,३११८०,१८५,२०६,

२२१ उ० ३११०१; ५१३६

आगरपति (आकरपति) ज ३१८१

आगायमाण (आगायन्) ज ५१५,७ से १२,१७

उ० ३१११४

आगार (आकार) प ११३८३; ३३११६,२४

आगार (आगार) प ३०१२५,२६

आगारभाव (आकारभाव) ज ११७,२१,२६,२७,

२६,३३,४६,५०; २१७,१४,१५,२०,५२,५६ से

५८,६५,१२२,१२३,१२७,१२८,१३१ से १३३,

१३६,१४७,१४८,१५०,१५१,१५६,१५७,१५६

१६१,१६४; ४१५६,८२,१००,१०१,१०६,१७०,

१७१

आगारभावमाता (आकारभावमात्रा) प १७१५०,

१५२,१५५

आगरित (आकर्ष) प ६११११; ६१२२०,१२१,१२३

आगास (आकाश) प २१६४१६; १५१५३,५४,

५७ ज ३११०४,१०५,१०७,२११; ५१५८

सू २१६

आगासत्थिकाय (आकाशास्तिकाय) प ११३;

३१११४,११५,११८,१२२; ५११२४; १५१५३,

५४,५७

आगासथिगल (आकाशथिगल) प १५१५३,५६;

१४११२३

आगासफलोवम (आकाशफलोपम) ज २११७

आगासफालिओवमा (दे०) प १७११३५

आघवणा (आध्यान) उ ३११०६

आघवित्तए (आध्यातुम्) उ ३११०६

✓आचिट्ठ (आ-स्था) आचिट्ठामो ज ३१११३

आजीविय (आजीविक) प २०१६१

आजोजित (आयोजित) प २२१५७

आडोव (आटोप) ज ७११७८

आढई (आढकी) ११३७१

आढत्त (आरुद्ध) प १७११४८

✓आढा (आ-दृ) आढाइ उ ११३८; ३१५६

आढेति उ ३१११८

आणंद (आनन्द) ज ७१२२१२ सू १०१८४२

उ ११७१,७२; २१२१

आणंदकूड (आनन्दकूट) ज ४११०५

आणंदा (आनन्दा) ज ५।८।१

आणंदिय (आनन्दित) ज ३।५, ६, ८, १५, १६, ३१,
५२, ५३, ६१, ६२, ६६, ७०, ७७, ८४, ८९, १००,
१३४, १३७, १४१, १४२, १५०, १६५, १७३,
१८१, १८६, १८६, २१३; ५।५, १५, २१, २३, २७,
२८, २९, ४१, ५५, ५७, ७० उ १।२१, ४२;
३।१३६

आणण (आनन) प २।४६ ज ३।६, १८, ६३, १८०,
२२२

आणत (आनत) प १।१३५

√आणत्त (अन्यत्व) प १।५।४४, ४५

आणत्ति (आज्ञप्ति) ज ३।२६, ३६, ४७, ५६, ६४,
७२, १३३, १३८, १४५; ५।६१ उ १।११६

आणत्तिया (आज्ञप्तिका) ज २।१०५; ३।७, ६, १२,
१३, १५, १८, १९; २८, २९, ३१, ३२, ४१, ४२,
४७, ४८, ५०, ५२, ५३, ५८, ५९, ६१, ६२, ६४,
६६, ६७, ६९, ७०, ७४ से ७६, ८३, ८६, १००,
१२८, १४१, १४२, १४५, १४७, १४८, १५१,
१५४, १६४, १६५, १६८ से १७१, १७३, १७५,
१८०, १८१, १८१, १८८, १८८, २१२, २१३, ५।३,
२८, ६८, ६९ से ७३ उ १।१७, १८, १२३; ३।७;
४।१६, १७; ५।१८

आणपाणपञ्जत्ति (आनप्राणपर्याप्ति, आनापान-
पर्याप्ति) उ ३।१५।८४

आणपाणु (आनप्राण, आनापान) प १०।५, ३।१

√आणम (आ + नम्) आणमंति प ७।१ से ४, ६
से १५

आणमणी (आज्ञापनी) प १।१६, ६, २७, ३७।१

आणय (आनत) प २।४६, ५८, ५९, ५९।२, ६३; ३।१८३;
४।२५५ से २५७; ६।३५, ५६, ६६, ८६, ८६,
११३; ७।१६; ११।८८; २।१७०, ६२; २८।८३;
३३।१६; ३३।१६, १८ ज ४।२४६; ५।४६;
७।१७८

√आणव (आ + ज्ञापय)

आणवेइ ज ५।२२, २६ उ १।११०

आणा (आज्ञा) प १।१०।१।५ ज १।४५; ३।८,
१६, ५२, ६२, ७०, ७७, ८४, १००, १४२, १६५,
१८१, १८५, १८२, २०६, २२१; ५।१६, २३, ७३
उ १।२०, ४५, १०८

आणाईसर (आज्ञेश्वर) प २।३०, ३१, ४१, ४६
उ ५।१०

आणापाणु (आनप्राण, आनापान) सू ८।१; २०।५
आणापाणुचरिम (आनप्राणचरम, आनापानचरम)
प १०।४०, ४१

आणापाणुपञ्जत्ति (आनप्राणपर्याप्ति, आनापान-
पर्याप्ति) प २८।१४२

आणामिय (आनमित) ज २।१५

आणारुइ (आज्ञारुचि) प १।१०।१।५

आणु (आन) प १।४८।५३

आणुगामिय (आनुगामिक) प ३।३।३५, ३६

आणुपाण (आनप्राण, आनापान) प १।४८।५५

आणुपुव्विणाम (आनुपूर्वीनामन्) प २३।५४, १११,
११३, ११४, १४६

आणुपुव्वी (आनुपूर्वी) प २।४७।३; १।१६८, ६६,
६६।१; २३।११२, ११५, १७५, १८०; २८।१८,
१९, ६४, ६५ ज ७।४७, ५० सू २०।८ उ २।१२,
२२; ५।३६

आणुपुव्वीणाम (आनुपूर्वीनामन्) प २३।३८

आणेउं (आनेतुम्) उ १।१०७

आणेत्ता (आनीय) उ ४।१६

आण्येव्व (आनेतव्य) ज २।६४

आपपत्त (आतपत्र) ज ३।३

आत्तरक्ख (आत्मरक्ष) प २।३१, ४३

आतव (आतप) ज २।१३४; ३।११७ सू १६।३, ४

आतवा (आतपा) सू १८।२४

आतीय (आदिक) उ ४।१८

आदंस (आदसं) ज ३।११; ५।८

आदंसघर (आदर्शगृह) ज ३।२२२, २२४

आदंसिया (दे०) प १७।१३५ ज २।१७

आदरिस (आदर्श) ज २।६८

आदाण (आदान) सू १२।१५

आदाय (आदाय) ज २।६५

आदि (आदि) प १।६४, ७६, ८६; ५।२५, ४६, १३१,
१३४, १३६, १४०, १४७, १६३, १६६, १६९,
१७२, १७४, १७७, १८१, १८४, १८७, १९३,
१९७, २००, २०३, २०५, २२१, २२४, २३०, २३२,
२३४, २३७, २३९; १०।२; ११।६६, ६७, ६९।१;
२०।२५; २३।१०८; २४।८; २६।९; २८।१।२,
२८।१६, १७, ६२, ६३, १२३, १३३, १३६, १३७,
१४०; ३६।२०, ४६ ज २।६।१, २।७।१, १३१,
१४५ चं २।३ सू १।६।३; ५।१; १०।५; ११।२
से ६

आदिच्च (आदित्य) सू १।१३, १४, १६, १७, २१,
२४, २७; २।३; ६।१; १०।५, १०, ११, ७७,
१२।१, ५, १० से १२; १३।५; १५।२३ से २५;
१६।२।४, ७, ८, २२; २०।५

आदिच्चचार (आदित्यचार) सू १०।१२१, १२३

आदिप्रदेश (आदिप्रदेश) सू १।१६

आदिय (आदिक) प १।४६, ६६; २८।१४५

सू १०।१, १३१; २०।५

आदिल्ल (आदिम) प ५।१०५; २२।५१

सू १६।२२।२५

आदिल्लिय (आदिम) प १७।६७

आदीय (आदिक) प ६।१२३; ११।३०; २२।४५;

२४।९ से ११; २६।८; २८।१२३, १२६, १३७,

१४०, १४५; ३६।२० उ १।१६, ११६ से १२२,

१२५; ३।३१, ४०

आदेज्ज (आदेय) ज २।१५

आदेज्जणाम (आदेयनामन्) प २३।३८

आदेस (आदेश) प १८।६०

✓आधाव (आ+धाव्) आधावेति ज ५।५७

आपडिपुच्छमाण (आप्रतिपृच्छन्) ज २।६५

✓आपुच्छ (आ+प्रच्छ्) आपुच्छइ उ ३।१४८;

४।१५ आपुच्छामि उ ३।१३६; ४।४; ५।२७

आपुच्छणा (आप्रच्छना) उ २।६

आपुच्छणिज्ज (आप्रच्छनीय) उ ३।११

आपुच्छिता (आपृच्छ्य) उ २।११; ३।५०, ५।३८

आपूरैत (आपूरयत्) ज ३।१४, १७२

आपूरेमाण (आपूर्यमाण) ज ४।३५, ४२, ६४, १७४,
२६२; ५।३८

आवाहा (आवाधा) ज २।३०, ३६, ४१

आमंकर (आमङ्कर) सू २०।८, २०।८।७

आभरण (आभरण) प २।३०, ३१, ४१, ४६;

११।२५; १५।५।२ ज २।६५; ३।६, ११, १२,

२६, ३६, ४७, ५६, ६४, ७२, ७८, ८१, ८५, १३३,

१४५, १८४, २२२, २२४; सू २०।७ उ १।१६;

४२; ३।२६, ११३, १४१; ४।१२, २०

आभरण (वासा) (आभरणवर्षा) ज ५।५७

आभरणविहि (आभरणविधि) ज ३।१६७।४

आभरणारुहण (आभरणारोहण आभरणारोपण)
ज ३।१२

आभासिय (आभाषिक) प १।८६, ८९

आभियोग (आभियोग) प २०।६१ ज २।२६, ६७,

६८; ५।१४, १५, ५३, ६१, ७२, ७३ उ ३।३७, ६१

आभियोगसेदी (आभियोगश्रेणी) ज ४।१७२

आभियोगिय (आभियोगिक) प २०।६१ ज ५।३,
४, २८, ४३, ५०

आभियोग (आभियोग्य) ज १।१३; ३।१६१,

१६२, १६६, २०७, २०८; ५।२८, ५४, ५५

आभियोगसेदी (आभियोग्यश्रेणी) ज १।२८ से

३२; ६।६५

आभिनिबोहिय (आभिनिबोधिक) प १७।११२,
११३

आभिनिबोहियणाण (आभिनिबोधिकज्ञान) प ५।५,

७, २०, २४, ४१, ४२, ४६, ७८, ९३, ९७, १११,

११२; १७।११२, ११३; २०।१७, १८, ३४;

२६।२, १२, १७, १६, २१

आभिनिबोहियणाणारिय (आभिनिबोधिकज्ञानार्थ)
प १।६६

आभिनिबोहियणाणावरणिज्ज (आभिनिबोधिक-
ज्ञानावरणीय) प २३।२५

आभिनिबोहियणाणि (आभिनिबोधिकज्ञानिन्)

प ३।१०१, १०३; ५।४० से ४२, ७७ से ७९,

६२ से ६४, ६६, १०० से ११२, ११७; १३१, १४,
१७, १६; १८१८०; २८१३६
आभिनिबोहियमाणपरिणाम (आभिनिबोधिकज्ञान-
परिणाम) प० १३।६
आभियोगसेढी (आभियोगश्रेणी) ज ४।२००
आभिसेक्क (आभिषेक्य) ज ३।१५, १७, २०, ३१,
३३, ५४; ६३, ६४, ७१, ७७, ८१, १४३, १५१, १६६,
१७३, १७५, १७७, १७८, १८२, १८३, १८५,
१८६, २०२, २०४, २१४, २१७; ४।१४०
उ ५।१८
आभिसेय (आभिषेक) ज ३।१०६
आभूय (आभूत) उ १।७४
आभोएत्ता (आभोग्य) ज २।६०
आभोएमाण (आभोगयत्) उ ३।७, ६१
आभोग (आभोग) प १४।१८।१
आभोगणिव्वत्तिय (आभोगनिर्व्वर्तित) प १४।६;
२८।४, २५, २७, ३७, ४७, ५०, ७३ से ७५;
३४।५
√आभोग्य (आ+भोगय्) आभोएइ ज २।६०, ६३;
३।५६, १४५; ५।२१ आभोएत्ति ज ३।११३;
५।३
आभोगण (आभोगण) प ३४।१।१
√आमंत (आ+मंत्रय्) आमंतेइ उ ३।११०;
४।१६
आमंतणी (आमन्त्रणी) प ११।३७।१
आमंतेत्ता (आमन्त्र्य) उ ३।५०; ४।१६
आमलग (आमलक) प १।३६।१
आमलगसारिय (आमलकसारिक) सू १०।१२०
१ आमुस (आ+मृश्) आमुसइ उ १।६१
आमुह (आमुख) सू १६।२३
आमेल (आपीड) प २।४१
आमेवग (आमेलक) ज २।१५; ३।१०६
आय (दे०) प १।४७
आय (आत्मन्) प १४।३; १४।१८।१
आय (आय) उ १।४१, ४३

आयंक (आतङ्क) ज २।४३; ५।५ उ ३।३५, ११२,
१२८
आयंत (आचान्त) ज ३।८२ उ ३।५१, ५६
आयंस (आदर्श) ज २।१५; ५।५५
आयंसमुह (आदर्शमुख) प १।८६
आयंसलिखि (आदर्शलिपि) प १।६८
आयत (आयत) प १।४ से ६; २।५० से ५२, ५७,
५८, ६१, ६२; १०।१५ से २५, २७ से ३०;
१५।५२ ज ३।२४, १०६, १३१, १३८।१
आयय (आतत) प १।७; २।३१, ५३ से ५६, ५६,
६०; १०।२६; १३।२४ ज १।१८, २०, २३, २५,
२८, ३२, ४८; ४।८१, ६८, १०३, १०८, १७२,
१६१, २०३, २०५, २१४, २४५, २५१, २५२,
२६८ उ १।२२, १४०
आयर (आदर) ज ३।१२, ७८, १८०, २०६; ५।२२,
२६
आयरकख (आत्मरक्ष) प २।३० से ३३, ३५; ४०।५;
२।४१, ४८ से ५६ ज १।४५; २।६०; ४।२०,
११२, १५१।२; २।१५६; ५।१, १६, ४०, ४६ से
५१, ५२।२, ५३; ५६ सू १८।२३
आयरिय (आचार्य) प १६।५१ ज ३।३५ चं १।२
उ ५।२६, २८
आयव (आतप) ज ७।१२२।३ सू १०।८४।३
आयवणाम (आतपनामन्) प २३।३८, ११५
आयसररी (आत्मशरीर) प २८।२०, ३२, ६६
आयाए (आदाय) उ १।६३
आयाणभंडमत्तनिकखेवणासमित
(आदानभाण्डामत्रनिकषेणासमित) उ ३।६६
आयाणभंडमत्तनिकखेवणासमिय
(आदानभाण्डामत्रनिकषेणासमित) ज ३।६८
आयाम (आयाम) प २।५०, ५६, ६४; २१।८४, ८६,
८७, ९० से ९३; ३६।६६, ६८, ७०, ७२ से ७४,
८१ ज १।७, २०, २३ से २५, २८, ३२, ३७, ४०,
४३, ४८, ५१; २।६, १५, १४१ से १४५; ३।१,
१८; ३१, ५२, ६१, ६६, ६५, ६६, १३१, १३७,
१३८, १४१, १५६, १६०, १६४, १८०; ४।१, ३,

६,७,८,१२,१४,१५,१६,२४,२५,३१,३३,३६
 से ४१,४७,५२ से ५५,५७,५८,६२,६४,६६ से
 ६८,७०,७४ से ७६,८०,८१,८६,८८,८९,९१
 से ९३,९८,१०२,१०३,१०८,११०,११२,११४,
 ११६,११८ से १२०,१२२ से १२७,१३२,
 १३६,१४०,१४३,१४५ से १४७,१५३ से १५६,
 १६५,१६७,१६८,१७२,१७४,१७६,१७८,
 २००,२१५,२१६,२१८,२१९,२२१,२४२,
 २४५,२४८,५१३५; ७१७,१४,१६,३१,३२१,
 ३३,३४,६६,७३ से ७८,८०,८३,८४,१०७,
 २०७ सू ११४,२६,२७; ४१३,५ से ८,१८१
 से १३; १६१२०,३० उ ५१४
आयारभाव (आकारभाव) ज ११२२
आयावण (आतापन) उ ३१५०
आयावणभूमी (आतापनभूमी) उ ३१५०,५१,५३
आयावेमाण (आतापयत्) उ ३१५०
आयाह्णिण (आदक्षिण) ज ११६; २१६; ३१५;
 ५१५,४४,४६ उ १११६,२१; ३११३; ४११३
आरंभ (आरम्भ) उ ११२७,१४०
आरंभिया (आरम्भिकी) प १७१११,२२,२३,२५;
 २२१६०,६१,६६ से ६८,७६,८१,८८,१०१
आरंभियाकिरिया (आरम्भिकीक्रिया) प २२१६७
 से ८६
आरण (आरण) प १११३५; २१४६,५६,५६१२,
 ६०,६३; ३११३३; ४१२६१ से २६३; ६१३७,५६,
 ६६; ७११८; १५१८८; २११७०,८२; २८१८५;
 ३३११६; ३४११६,१८ ज ५१४६
आरुद्ध (आरुद्ध) प २०१६०
आरुक्क (आरुक्क) ज ३१८१
आरुवी (आरुवी) ज ३१११२
आरुवम (आरुवम) प १७१३२
आरुभड (आरुभट) ज ५१५७
√आरस (आ+रस्) आरसइ उ ११६०
 आरससि उ ११८५
आरसिय (आरमित) उ ११६१,८६
आराम (आराम) ज २१६५,५१५,७ उ ३१३६,३६

√आराह (आ+राध्) आराहेहिति उ ५१४३
अराहणविराहणी (आराधनविराधनी) प १११३
आराहणी (आराधनी) प १११३,८
आराह्य (आराधक) प १११८६ उ ११२०
आराहेत्ता (आराध्य) उ ५१४३
आरिय (आर्य) प ११८८,८०,८३१६,११२६
 उ १११७
आरुद्ध (आरुद्ध) ज ३१३५,१२१
आरुभित्ता (आरुह्य) सू ६१४
√आरुह (आ+रुह्) आरुहेति ज २११०३,१०४
आरुहेत्ता (आरुह्य) ज २११०३
आरोग्य (आरोग्य) ज ३१६२,११६
आरुह्य (आरुह्य) ज ३११७८
आलइय (आलित) प २१५० ज ५११८
आलंकारिय (आलंकारिक) ज ३११५०
आलंबण (आलम्बन) ज ४१२६
आलंबणभूय (आलम्बनभूत) उ ३१११
आलय (आलय) ज २१७१
आलावग (आलापक) प १७११६७ से १७२;
 २११३१ सू ८११
आलिगणवट्टिय (आलिङ्गनवतिक) ज ४११३
 सू २०१७
आलिगणुक्खर (आलिङ्गपुष्कर) ज १११३,२१,२६,
 ३३,३६,३६,४६; २१७,३८,५२,५७,११२,
 १२७,१४७,१५०,१५६,१६१,१६४; ३११६२;
 ४१२,८,११; ५१३२
आलित्त (आदीप्त) उ ३१११३
आलिसंद (दे०) प ११४५१
आलिसंदग (दे०) ज २१३७
√आलिह (आ+लिह्) आलिहइ ज ३११२,८८;
 ५१५८
आलिहमाण (आलिहत्) ज ३१६५,१५६
आलिहज्जमाण (आलिह्यमाण) ज ३१६६,१६०
आलिहिता (आलिह्य) ज ३११२
आलुग (आलुक) प ११४८१२
आलोअंत (आलोकमान) ज ३११७८

आलोड्य (आलोचित) उ २।१२; ३।१५०, १६१;
५।२८, ३६, ४१

आलोगभूय (आलोकभूत) ज ३।६६, १६०

आलोय (आलोक) ज ३।६, १२, १८, ७७, ८८, ६३,
६५, १५६, १७८, १८०, २२२; ५।४३, ४६

√आलोय (आ + लोच्) आलोणहि उ ३।११५;
४।२२

आवकहिय (यावत्कथिक) प १।१२५

√आवज्ज (आ + पद्) आवज्जति प १।१७२

आवड (आवर्त) ज ५।३२

आवडिय (आपतित) ज ५।२५

आवण (आपण) ज ३।३२

आवणगिह (आपणगृह) ज ३।१६७।२

आवत्त (आवर्त) प १।६३ ज ३।३; ४।२३, ३५,
३७, ४२, ७१, ७७, ६४, १८८ से १६१, २६२;
७।५५ सू १।६।२२।१०, ११; १।६।२३

आवत्तकूड (आवर्तकूट) ज ४।१६२

आवत्तग (आवर्तक) ज ३।१०६

आवरण (आवरण) ज ३।३५, १।१६, १।६७।६, १।७८

आवरित्ता (आवृत्य) सू २०।२

√आवरिस (आ + वृष्) आवरिसेज्जा ज ५।७

आवरेत्ता (आवृत्य) सू २०।२

आवरेमाण (आवृन्वत्) सू २०।३

आवलि (आवलि) ज ५।२८

आवलिपा (आवलिका) प १।२।२७; १।८।३, २७

ज २।४ चं ५।१ सू १।६।१; ८।१ २०।५

आवलियाणिवात्त (आवलिकानिपात) सू १०।१

√आवस (आ + वस्) आवसामि उ ३।११८

आवसह (आवसथ) ज ३।१६, ३१, ३।२।२, ५३, ६२,
७०, १४२, १।६५, १।८१

आवसित्ता (ओस्य) ज ३।२२५

आवस्सग (आवश्यक) उ ३।३१

आवाग (आपाक) प २३।१३ से २३

आवाड (आपात) ज ३।१०३ से १०५, १०७ से
११५, १२५ से १२७

आवास (आवास) प १।५।५।३ ज ३।१८, ५२, ६१,
६६, ७७, ८४, १४१, १५३, १६४, १६७।१३, १८०
उ ५।४१

आविद्ध (आविद्ध) ज ३।६, ७७, १०७, १०६, १२४,
२२२; ५।५६ उ १।१३८

आविद्धकंठ (आविद्धकण्ठ) ज ३।२०६

आवीकम्म (आविष्कर्मन्) ज २।७१

आवेदिय (आवेष्टित) प १।५।५१

आस (अश्व) प २।४०।१०; १।१२१ ज २।३५;
३।६८, १।६७।४, १।७८, १।७९, २२१; ७।१३,
१८६।३ उ १।१४, १।५, २१, १२१, १२६, १३३,
१३६, १३७

आस (आस्य) प २।४०।१०

√आस (आस्) आसि १।४७

आसकण (अश्वकर्ण) प १।८६

आसक्खंधसंठिय (अश्वस्कन्धसंस्थित) सू १०।३४

आसक्खंध (अश्वस्कन्ध) ज ४।१७८

आसक्खंधग (अश्वस्कन्धक) ज ७।१३३।१

आसग (आस्यक) उ १।८६, ६०

आसण (आसन) प १।१२५ ज २।८६, ६०, ६२,
६३; ३।५५, ५६, ६४, ७२, १०३, ११२, ११३,
१४४, १४५; ५।२, ३, ७, २०, २१ सू २०।४
उ ३।१०१, १३४

आसत्त (आसक्त) प २।३०, ३१, ४१ ज २।७, ३०,
३५, ८८

आसत्थ (आश्वस्त) उ १।२४, ६२

आसधर (अश्वधर) ज० ३।१७६

आसपुरा (अश्वपुरा) ज ४।२१२।२

आसम (आश्रम) प १।७४ ज २।२२, १३१;

३।१८, ३१, ३२, १८०, १८५, २०६ उ ३।५५, १०१

आसमुह (अश्वमुख) प १।८६

आसय (आस्यक) उ १।६१, ६२, ८६, ८७

√आसय (आस्) आसयति ज १।१३, ३०, ३३, ३६;
२।७; ४।२, ६४, ८७, १०४, १७६, १८५, १६१,
१६७, २००, २०१, २०६, २१४, २३४, २४०,
२४१, २४७

आसरयण (अश्वरत्न) ज ३।१०६, २२०
 आसरयणन्त (अश्वरत्नत्व) प २०।५६
 आसरह (अश्वरथ) ज ३।३४ से ३६ उ १।११०;
 ५।३८
 आसल (दे०) प १।७।१३४
 आसव (आश्रव) प १।१०१।२; १।७।१३४
 आसा (आषा) उ ३।१५६
 आसाएमाण (आस्वादयत्) उ १।३४, ४६, ७४
 आसाढ (आषाढ) ज २।६५; ७।१०४, ११३, ११४,
 १२६ सू १०।१२४, १२६ उ ३।४०
 आसाढा (आषाढा) सू १०।७५, १२०, १५५, १५६;
 ११।२ से ६; १२।२४ से २८
 आसाढी (आषाढी) ज ७।१३७, १४०, १४६, १४६,
 १५३, १५५ सू १०।७, १६, २४, २५, २६
 आसाय (आस्वाद) प १।७।१३० से १३५
 ज २।१७, १८
 √आसाय (आ + स्वाद्) आसायंति प २८।२२,
 ३४, ६८
 आसायणिज्ज (आस्वादीय) प १।७।१३४ ज २।१८
 आसालिय (आशालिक, आसालिग) प १।६८, ७३,
 ७४
 आसासग (अश्वामयक) प २।४०।१०
 आसासण (अश्वसन) ज ७।१८६।२ सू २०।८,
 २०।८।२
 आसिय (आसिक्त) ज २।६५; ३।७, १८४; ५।७
 आसीत (आशीत) प २।२७।१
 आसीत्तिय (दे०) सू १०।१२०
 आसीविस (आशीविष) प १।७० ज ४।२१२
 आसुरुत्त (आशुरक्त) ज ३।२६, ३६, ४७, १०७,
 १०६, १३३ उ १।२२, ५७, ८२, ११५ से ११७,
 ११६, १४०
 आसोइ (आश्वयुजी) ज ७।१३७ सू १०।७, १०, २२,
 २३, २६
 आसोत्थ (अश्वत्थ) प १।३६।१
 आसोय (आश्वयुज) ज ७।१०४ उ ३।४०
 √आह (ब्रू.) आहंत्तु सू १।२० आह्नु ज ७।११२।२, ५

सू १०।१२६।२, ५
 आहच्च (दे०) प १।७।२, २५; २८।२१, ३३, ३८, ६७
 आहत (आहत) प २।३०, ३१, ४१, ४६ सू १।६।२३,
 २६
 आहय (आहत) ज १।४५; ३।२६, ८२, १३३; ५।१,
 १६; ७।५५, ५८ सू १८।२३
 √आहर (आ + हृ) आहरेइ उ ३।५१
 √आहार (आ + हृ) आहारिस्सि ज २।१४६
 आहारिस्संति ज २।१३४, १४६ आहारेइ
 उ ३।५० आहारेंति प १।५।४६ से ४६; १।७।२,
 २५; २८।५ से ७, ६ से २३, ३० से ३५, ३६,
 ४०, ५१, ५२, ५३, ५५ से ६६, ६८ से १०१;
 ३४।६ से ६, ११, १२ आहारेमि प ११।१२, १७
 आहार (आहार) प १।१।७, १।४८।५५; ३।१।१;
 १०।५३।१; ११।१२; १५।१।१; १।७।१।१;
 १।७।१।१; १८।१।१; २८।१।१; २८।३ से ५,
 २०, २७ से ३०, ३२, ३७, ३८, ४०, ४७, ४६ से
 ५१, ६६, ६६, ७३ से ७५, ६७, १०६।१;
 ३४।१।१, ३४।१ से ३, ५; ३६।१।१ ज २।१६,
 १६, ५२, ५६, १४६, १५६, १६१ उ ३।५१, ५३, ५४
 आहार (आधार) उ ३।११
 आहारग (आहारक) प ३।१०७; १२।१३, २८,
 ३६; २१।१०४, १०५; २३।४२, ६१, ६२, १४६,
 १७४; २८।१०८ से ११०, ११२, ११४ से ११६,
 ११८, ११६, १२१, १२३, १२४, १३०, १३१, १३६,
 १३७, १४१, १४२
 आहारगमीसगसरीर (आहारकमिश्रकशरीर)
 प १६।१५
 आहारगमीससरीर (आहारकमिश्रशरीर) प १६।१,
 १०, १५; ३६।८७
 आहारगमीसासरीर (आहारकमिश्रकशरीर)
 प १६।१०, १५; ३६।८७
 आहारगसमुग्धात (आहारकसमुद्घात) प ३६।३३
 आहारगसमुग्घाय (आहारकसमुद्घात) प ३६।१
 २, ७, ६, १०, १३, १४, ३०, ३५, ५३, ५८, ७४
 आहारगसरीर (आहारकशरीर) प १२।१३, २१,

३४; १६११, १०, १५; २११७२ से ७४, ६६, ६६,
 १०१, १०२, १०४, १०५; २३११८६; ३६१८७
 आहारगसरीरय (आहारकशरीरक) प १२१६
 आहारगसरीरि (आहारकशरीरिन्) प २८११४१
 आहारचरिम (आहारचरम) प १०१४२, ४३
 आहारत्त (आहारत्व) प २८१२२ से २४, ३४ से
 ३६, ३६, ४०, ४२, ४५, ४८, ६८, ६९, ७१; ३४६
 आहारपञ्जति (आहारपर्याप्ति) प २८१४२, १४३,
 उ ३११५, ८४
 आहारपय (आहारपद) ज ७१५०
 आहारभूय (आधारभूत) उ ३१११
 आहारय (आहारक) प १२११, ५, २५; १८१६४ से
 ६७; २१११; २८११०६ से १०८, १११, ११३,
 ११७, ११६, १२०, १२२, १२५, १२७ से १२६,
 १३२, १४३
 आहारयसरीर (आहारकशरीर) प १२११७
 आहारसण्णा (आहारसंज्ञा) प ८१ से ११
 आहारेत्ता (आहार्य) ज २११६
 आहारेमाण (आहारयत्) प ११११२, १७
 आहिड (आ+हिण्ड्) आहिड् उ ३११०१
 आहित (आख्यात) सू १११०, ११, १५ से १८, २०,
 २२, २३, २५; १६१२२३
 आहिय (आख्यात) प ३४१११ ज २१४१२;
 ७३११, ३३ चं २३, ५ सू १६१३, ५
 आहिवच्च (आधिपत्य) ज ३११६७१३
 आहुटिठ (दे०, अर्धचतुर्थ) सू १६११
 आहुणिय (आधुनिक) ज ३१६८; ५१५; ७१६६११
 आहूय (आहूत) उ ३१४८, ५० सू २०१८, २०१८१
 आहेवच्च (आधिपत्य) प २१३० से ३३, ३५, ३६,
 ४१, ४३, ४८ से ५१, ५७, ५६ ज ११४५; १८५,
 २०६, २२१; ५११६ उ ५११०

इ

इ (इति) प ११४८१२ ज ११२६ सू ११८
 इ (चित्) उ ११३६; ३१११
 इइ (इति) सू २०१६

इंगाल (अङ्गार) प ११२६ उ ३१५०
 इंगालभूय (अङ्गारभूत) ज २११३२, १४१
 इंगालय (अङ्गारक) ज ७१६६११ सू २०१८, २०१८१
 इंगिय (इङ्गित) ज ३१८७
 इंव (इन्द्र) प २१४०, ४५, ४७११ ज २१६४; ३१२४३,
 ३७११, ४५११; १३११३, १८५, २०६; ५१४६,
 ५२, ५७; ७१५६, ५७, ५६, ६०, १३०, १८६१४
 सू १६१२४, २७
 इंदगोवय (इन्द्रगोपक) प ११५०
 इंदग्गह (इन्द्रग्रह) ज २१४३
 इंदग्गि (इन्द्राग्नि) ज ७१३३०, १८६१२, ४
 सू २०१८, २०१८१४
 इंदग्गिदेवया (इन्द्राग्निदेवता) सू १०१८३
 इंदज्जय (इन्द्रध्वज) ज ३१३
 इंदठ्ठाण (इन्द्रस्थान) सू १६१२५
 इंदणील (इन्द्रनील) ज ३१३५
 इंददेवया (इन्द्रदेवता) सू १०१८३
 इंदधणु (इन्द्रधनुष्) ज ३१२४
 इंदनील (इन्द्रनील) प ११२०३ ज ३११०६
 इंदभूइ (इन्द्रभूति) ज ११५
 इंदभूति (इन्द्रभूति) चं ११४, १० सू ११५
 इंदभूय (इन्द्रभूत) सू २०१७
 इंदमह (इन्द्रमह) ज २१३१
 इंदमुद्घाभिसित्त (इन्द्रमुद्घाभिषिक्त) ज ७१११७१२
 सू १०१८६१२
 इंदिओवउत्त (इन्द्रियोपयुक्त) प ३११७४
 इंदिकाइय (दे०) प ११५०
 इंदिय (इन्द्रिय) प ११११५; ३११११; १३११७;
 १५११, १७, १६, २०, ३०, ३४, ५८११, १५१५८ से
 ६०, ६२, ६३, ६५, ६६, ६७, ७५, ७६, १३४, १४३;
 १७१३४; १८१११; २८११०१
 इंदियउवउत्त (इन्द्रियोपयुक्त) प ३११७४
 इंदियजवणिज्ज (इन्द्रिययापनीय) उ ३१३२, ३३
 इंदियपज्जत्ति (इन्द्रियपर्याप्ति) प २८११४२
 उ ३११५, ८४
 इंदियपरिणाम (इन्द्रियपरिणाम) प ० १३१२, १४

१६, १७, १६
 इंदीवर (इन्दीवर) प १४४।३
 इक्क (एक) ज १।२० सू १६।२५
 इक्कड (इक्कड) सरकंडा, पानी का पीछा
 प १।४८।४६
 इक्कवीस (एकविंशति) ज २।१३४
 इक्कारम (एकादशन्) ज ४।२७५
 इक्कारसम (एकादश) सू १०।७७
 इक्कारसी (एकादशी) ज २।७१
 इक्कावण (एकपञ्चाशत्) सू १।२१
 इक्किक (एकैक) ज ७।१७८।२
 इक्खाग (इक्खाकु) प १।६५
 इक्खु (इधु) प १।४१।१, १।४८।४६
 इक्खुवाडिया (इक्षुवाटिका) प १।४८।४६
 इक्खुवाडी (इक्षुवाटी) प १।४१।१
 इगतालीस (एकवत्वारिंशत्) ज ७।७५ सू १।१।३
 इगुणापण (एकोनपञ्चाशत्) ज ७।७५
 इगुणालीस (एकोनवत्वारिंशत्) ज ७।२४
 √इच्छ (इष्) इच्छइ उ १।५१ इच्छंति
 प १६।४६ इच्छसि सू १६।२२।२६
 इच्छामि उ १।७६; ३।१०६; ४।११
 इच्छामो प २८।१०५; ३।४।१६, २१ से २४
 इच्छा (इच्छा) ज ७।१२०।२ सू १०।८८।२
 इच्छाणुलोम (इच्छानुलोम) प १।१३७।१
 इच्छामण (इच्छामनस) प २८।१०५; ३।४।१६, २१
 से २४
 इच्छिय (इष्ट, ईत्सित) ज ३।८८, १३८;
 उ ३।१३८
 इच्छियत्त (इष्टत्व) प २८।२६
 इच्छियव्व (एष्टव्य, एषितव्य) ज ३।८१
 इट्ठ (इष्ट) प २३।१६; २८।१०५ ज २।६४;
 ३।२४, ८२, १८५, १८७, २०६, २१८, ५।५८
 सू २०।७ उ १।४१, ४४; ३।११२, १२८; ४।१६;
 ५।२२, २५
 इट्ठतर (इष्टतर) ज २।१८; ४।१०७

इट्ठतरिय (इष्टतरक) प १७।१२६ से १२८, १३३
 से १४५ ज २।१७
 इट्ठत्त (इष्टत्व) प ३४।२०
 इट्ठस्सरता (इष्टस्वरता) प २३।१६
 इड्ढि (ऋद्धि) प २।३०, ३१, ४१, ४६; ६।६८;
 १७।८६; २१।७२ ज २।२५; ३।१२, १८, ३१,
 ७८, ८८, ९३, १२६, १८०, १८६, २०६, २१६;
 ४।१४०; ५।२२, २६, २७, ४३, ४४, ४६, ४७, ५६,
 ६७ उ १।६२, १२१, १२२, १२६, १३३, १३४,
 १३८; ३।४६, ५०, १११, १२२; ४।१८; ५।१७,
 १६, २३, ३१
 इड्ढिपत्तारिय (ऋद्धिप्राप्तार्य) प १।६०, ६१
 इड्ढिमंत (ऋद्धिमत्) ज ७।१६८।२
 इड्ढिसिय (दे०) ज ३।१८५
 इणं (एतत्) प १।१।३ ज २।१७ सू १८।२२
 इतर (इतर) सू १।२५; २।२; ४।२
 इति (इति) प १।७५ ज १।२६; ३।३२।१
 सू १०।१० उ १।१७
 इत्तरिय (इत्तरिक) प १।१२५; १७।१०६, १०७
 इत्तो (इतस्) प २।६४।१८ ज ३।१२४
 इत्थ (अत्र) प २।३१ ज ४।१४७
 इत्थं (अत्र) ज २।२०
 इत्थि (स्त्री) प १।६०, ६६, ७५, ७६, ८१; ६।७६,
 ८०; ८०।२; ११।५ से १०, २३, २६ से २८;
 १७।१६६ से १७२ ज ३।२२१
 इत्थिरयण (स्त्रीरत्न) प ६।२६ ज ३।७२, १३८,
 १७८, १८६, २०४, २१४, २२०
 इत्थिरयणत्त (स्त्रीरत्नत्व) प २०।५८
 इत्थियव्वण (स्त्रीवचन) प १।१२६, ८६
 इत्थिवेद (स्त्रीवेद) प १८।६०; २३।७३; २८।१४०
 इत्थिवेदग (स्त्रीवेदक) प १३।१४, १६
 इत्थिवेय (स्त्रीवेद) प २३।३६, १४१
 इत्थिवेयपरिणाम (स्त्रीवेदपरिणाम) प १३।१३
 इत्थिवेयग (स्त्रीवेदक) प १३।१५
 इत्थी (स्त्री) उ ३।३६, ४२

इत्थीलिंगसिद्ध (स्त्रीलिंगसिद्ध) प ११२
 इत्थीवेदग (स्त्रीवेदक) प ३।६७;१३।१८
 इन्म (इभ्य) प १६।४१ ज २।२५;३।१०,८६,
 १७८,१८६,१८८,२०६,२१०,२१६,२१९,
 २२१ उ १।६२;३।११,१०१;५।१०
 इन्मजाति (इभ्यजाति) प १।६४।१
 इम (इदम्) प १।४८ सू १।१५ उ १।१५;२।६
 इय (इति) प २।६४।१८ ज १।७ सू १।६
 इयर (इतर) प २।१३५
 इयार्णि (इदानीम्) सू १।६२४ उ ३।५५
 इरियावहियबंधग (ईर्यापथिकबन्धक) प २३।६३
 इरियावहियबंधय (ईर्यापथिकबन्धक) प २३।१७६
 इरियासमिय (ईर्यासमित) उ २।६;३।१३,६६,
 १०२,११३,११५,१३२,१४६;४।२२;५।३८,४३
 इलादेवी (इलादेवी) ज ५।१०।१ उ ४।२।१
 इलादेवीकूड (इलादेवीकूट) ४।४४,२७५
 इव (इव) प २।४८ उ ३।१२८
 इसि (ऋषि) प २।४७।२ ज ३।१०६ उ १।२०
 इसिपाल (ऋषिपाल) प २।४७।२
 इसिवाइय (ऋषिवादिक) प २।४१,२।४७।१
 इसीपन्भारा (ईषत्प्राग्भारा) प २।१;२।१।६०
 इस्सरियविसिट्टया (ऐश्वर्यविशिष्टता) प २३।२१,
 ५८
 इस्सरियविहीणया (ऐश्वर्यविहीनता) प २३।२२,
 ५८
 इह (इह) ज २।६६ उ १।६
 इहं (इह) प १।७५ उ १।१७
 इहगय (इहगत) ज ५।२१;७।२०,२२ से २५,७६,
 ८२

ई

ईतिबहुल (ईतिबहुल) ज १।१८
 ईताल (एकचत्वारिंशत्) सू १।६।८।१
 ईतालीस (एकचत्वारिंशत्) सू १३।१४
 ईतालीसक (एकचत्वारिंशत्क) सू १३।१७
 ईरियासमिय (ईर्यासमित) ज २।१६८

ईसर (ईश्वर) प २।४७।२;१६।४१ ज २।२५;
 ३।१२६।३;५।१६ उ १।६२;५।१०
 ईसर (ऐश्वर्य) ज १।४५;३।१०,१८५,२०६,२२१
 ईसाण (ईशान) प १।१३५;२।४६,५।१,५३,६३;
 ३।३०,१८३;४।२२५ से २३६;६।२८,५६,६५,
 ८५,१११;१५।१३८;२०।६०;२८।७६;३४।१६,
 १८ ज २।६१ से ६३,११३,११६;४।१७२,
 २००,२२१;२२४।१,२३५,२४०,२४२,२४३;
 ५।४८,५६,६०;७।१२२।१ सू १०।८४।१
 उ २।२०,२२;५।४१
 ईसाणकल्पवासि (ईशानकल्पवासिन्) प २।५१
 ईसाणग (ईशानज) प २।५१;६।६५;७।६;१५।८७;
 २१।७०,६०;३३।१६ ज ५।४६
 ईसाणवडेंसग (ईशानावतंसक) प २।५५,५७
 ईसाणवडेंसय (ईशानावतंसक) प २।५१
 ईसि (ईषत्) प २।३१,६४;१७।१३४;२३।१६५
 ज ३।१०६,१७८;४।५४;५।५,२१,३८,५८;
 ७।१७८
 ईसिउच्छंग (ईषदुत्सङ्ग) ज ३।१७८
 ईसिणिग (ईशानिका) ज ३।११।१
 ईसितुंग (ईषत्तुङ्ग) ज ३।१७८
 ईसिदंत (ईषद्वान्त) ज ३।१७८
 ईसिमत्त (ईषन्मत्त) ज ३।१७८
 ईसीपन्भारा (ईषत्प्राग्भारा) प २।६४;१०।१,२;
 २१।६०;३०।२६,२८
 ईसीहस्सपंचक्खल्लचारणद्धा (ईषद्वहस्वपञ्चाक्षरो-
 च्चारणाध्वन्) प ३६।६२
 ईहा (ईहा) प १५।५८।२;१५।६७ ज ३।२२३
 ईहामइ (ईहामति) उ १।३१
 ईहामिग (ईहामृग) ज २।३७,१०१;४।२७

उ

उ (तु) प १।४८।६ ज १।४७ सू १।७ उ १।७
 उईर (उदीरण) प १४।१८।१
 उउ (ऋतु) ज २।६६;३।११७।१;७।१११,११२।५,
 १२६, १२७ उ ५।२५

उउय (ऋतुक) प २।४१
 उंवर (उतुम्बर) प १।३६।१ उ ३।७४,७६
 उंवेमरिया (दे०) प १।३५।२
 उक्कड (उत्कट) प १।५० ज ३।३१
 उक्कर (उत्कर) ज ३।१२, १३, २८, ४१, ४६, ५८,
 ६३, ७४, १४७, १६८, २१२, २१३
 उक्करिया (उत्करिका) प १।१७८; १।३।२५
 उक्करियाभेद (उत्करिकाभेद) प १।१७८, ७६
 उक्करियाभेय (उत्करिकाभेद) प १।१७३
 उक्कलिया (उत्कलिका) प १।५०
 उक्कलियावाय (उत्कलिकावात) प १।२६
 उक्का (उत्का) प १।२६
 उक्कामुह (उत्कामुह) प १।८६
 उक्कालिय (उत्कालिक) ज ५।७
 उक्किट्ठ (उत्कृष्ट) ज २।६०; ३।१२, २६, २८, ३६,
 ४१, ४७, ४६, ५६, ५८, ६४, ७२, ७४, ११३,
 १३८, १४५, १४७, १६८, २१२, २१३; ५।५, ४४,
 ४७, ६७; ७।५५ उ १।१३८; ३।१२७
 उक्किट्ठि (उत्कृष्टि) ज ३।२२, ३६, ७८, ६३, ६६,
 १०६, १३३, १६३, १८०
 उक्किण (उत्कीर्ण) प २।३०, ३१, ४१ ज ३।८२
 उक्कित्तिता (उत्कीर्त्तिता) मू २०।६।१
 उक्किरिज्जमाण (उत्कीर्यमाण) ज ४।१०७
 उक्कुट्ठ (उत्कृष्ट) सू १।६।२३
 उक्कुडुयट्ठिय (उत्कुटुकस्थित^१) ज २।१३३
 उक्कुहडिया (दे०) उ १।५४ से ५७, ५६, ६३, ७६ से
 ८२, ८४
 उक्कुला (उत्कूला) सू १०।६
 उक्कूवमाण (उत्कूजत्) उ ३।१३०
 उक्कोस (उत्कर्ष) प १।७४; २।६।४६; ४।१ से
 ६७, ६६ से २६६, २६८; ५।४२, ४६, ७६, ६४,
 ६८, ११२, ११६; ६।१ से १८, २० से ४५, ६०,
 ६१, ६४, ६६ से ६८, १२०, १२१, १२३; ७।२, ३,
 ६ से २६; ११।७०, ७१; १२।६; १५।४० से ४२;

१७।१४५, १४६; १८।२ से ४, ६, ८ से १०, १२,
 १४ से १६, १८ से २४, २६ से २८, ३० से ३६,
 ४१ से ४४, ४६, ५७, ५६ से ६७, ६६ से ७४,
 ७६ से ७६, ८१, ८३ से ८५, ८७, ८६ से ९१,
 ९३, ९५, ९६, ९८, १०३ से १०५, १०७, १०८,
 ११०, ११३, ११४, ११६, ११७, ११९, १२०;
 २०।६ से १३, ६१, ६३; २१।३८, ४० से ४४,
 ४६ से ४८, ६३ से ७१, ७४, ८४, ८६, ८७, ९०
 से ९३; २३।६० से ७६, ८१, ८३ से ९२, ९५ से
 ९६, १०१ से १०४, १११ से ११४, ११६ से
 ११८, १२७, १२८ से १३१, १३३ से १३५,
 १३८, १४०, १४२, १४३, १४७, १५१ से १५५,
 १५७, १५८, १६० से १६२, १६४ से १६६,
 १७१ से १७३, १७६, १७७, १८०, १८३, १८६,
 १८७, १९०; २८।२५, २७, ४७, ५०, ७३ से ६६;
 ३३।२ से १३, १५ से १७; ३६।८ से १०, १७,
 १८, २०, ३०, ३४, ४४, ६१, ६६, ६८, ७०, ७२, ७४,
 ७६ ज २।६, ४४, ४५, ५८, १२३, १२८, १३३,
 १४८, १५१, १५७; ४।१०१; ७।५७, ६०, १८२,
 १८७ से १६६, २०६ सू १।८।२०, २५, ३६;
 १६।२५ उ २।२०, २२; ३।१३०

उक्कोसकालठिईय (उत्कर्षकालस्थितिक)

प २३।२००

उक्कोसकालठितीय (उत्कर्षकालस्थितिक)

प २३।१६४ से १६६, १६८ से २०१

उक्कोसग (उत्कर्षक) प १७।१४५, १४६; २३।१८४

उक्कोसगुण (उत्कर्षगुण) प ५।३८, ६०, ७५, ६०,

१०८, १६१, १६४, १६८, २०१, २०४, २०८,

२१२, २१५, २१६, २२२, २२५, २४३

उक्कोसट्ठिईय (उत्कर्षस्थितिक) प ५।१८५

उक्कोसट्ठितीय (उत्कर्षस्थितिक) प ५।३५, ५७,

७२, ८३, १०५, १७५, १७८, १८२, १८८, २४०

उक्कोसपएसिय (उत्कर्षप्रदेगिक) प ५।२२६, २३०

उक्कोसपव (उत्कर्षपद) प १२।३२

उक्कोसपय (उत्कर्षपद) ज ७।१६८, १६९, २०२,
 २०४

१. अस्थिक इत्यपि भवति विकलोन ।

उक्कोसमति (उत्कर्षमति) प ५।६४

उक्कोसमदपत्त (उत्कर्षमदप्राप्त) प १।७।३४

उक्कोसय (उत्कर्षक) प १।५।६४; २।१।१०५

ज ७।२६ सू १।१६, १७, २१, २२, २४, २७; २।३;
३।२; ६।१; ८।१; ९।२; २०।३

उक्कोसा (उत्कर्षक) प १।७।४६

उक्कोसिया (उत्कर्षिका) ज २।७४ से ८०; ७।२८

सू १।१४, २१; २।३; ४।६; ६।१

उक्कोसोगाहण (उत्कर्षविगाहनक) प ५।२०

उक्कोसोगाहणय (उत्कर्षविगाहनक) प ५।२६;

३०, ५०, ५४, ६६, ८४, १०२, १५५, १५८, १६०,
१६४, १६७, १७०, २३५

उक्खित (उत्क्षिप्त) ज ५।५७

उक्खेव (उत्क्षेप) ज ५।४६, ६०, ६६

उग्ग (उग्र) प १।६५ ज २, १६५

उग्गच्छ (उद्गत्य) ज ७।१०१, १०२ सू ८।१

उग्गतव (उग्रतपम्) ज १।५

उग्गमण (उद्गमन) ज ७।३६ से ३८ सू २।३;
६।२

उग्गममाण (उद्गमच्छत्) प १।८।५२

उग्गय (उद्गमन्) ज १।३७; ३।२४; ४।२७; ५।२८

उग्गवई (उपवती) ज ७।१२१ सू १०।६१

उग्गविस (उग्रविष) प १।७०

उग्गसेण (उग्रमेन) उ ५।१०

उग्गह (अवग्रह) प १।५।६८, ७१, ७२

उग्गा (दे०) ज २।१७

उग्घोस (उद्घोष) ज २।६५

उग्घोसेमाण (उद्घोषयन्) ज ३।२१२, २१३;
५।२२, २६

उच्च (उच्च) उ ३।१००, १३३

उच्चंतय (उच्चंतय) प १।७।२४

उच्चत्त (उच्चत्व) प २।१७।७२ ज १।८

से १०, १६, २२ से २४, २७, ३५, ३७, ३८, ४०,
४२, ४६, ५१; २।६, १५, ४५, ५१, ५४, ५६, ५८,
८६, १२३, १२८, १३८, १४०, १४८, १५१, १५७,
१५६, ४।१, ६, १०, १४, ३३, ४५, ४७ से ४६, ५४,

५७, ५९, ६२, ८०, ८४, ८६, ९६, १०१, १०३,

११०, ११२, ११४, ११५, ११६ से १२२, १२५,

१२८, १३६, १४२, १४६, १४७, १४८, १५५,

१५६, १६३ से १६५, १७२, १७५, १७८, २०३,

२१२, २१६, २१७, २१८, २२१, २२६, २४२;

५।३८, ४६, ७२, ७३; ७।३७, ३८, २०७ चं २।५

सू १।६।५; ६।२, ३; १८।१

उच्चत्तच्छाया (उच्चत्वछाया) सू ६।४

उच्चत्तपञ्जव (उच्चत्वपर्यव) ज २।५१, ५४, १२१,

१२६, १३०, १३८, १४०, १४६, १५४, १६०,
१६३

उच्चत्तुद्देस (उच्चत्वोद्देश) सू ६।२

उच्चागोय (उच्चगोत्र) प २३।२१, ५७, ५८,

१३१, १५३, १८८

उच्चार (उच्चार) प १।८४

√उच्चार (उच्च्-चारय्) उच्चारिइ उ ३।७६

उच्चारपासवणखेलजल्लसिघाणपरिट्ठवणिघासमिय

(उच्चारप्रसवणध्वेल 'जल्ल' 'सिघाण'

परिट्ठापनिकासमित) ज २।६८

उच्चारपासवणखेलसिघाणजल्लपरिट्ठावणिघासमिय

(उच्चारप्रसवणध्वेल 'सिघाण' 'जल्ल' परिट्ठा-

पनिकासमित) उ ३।६६

उच्चारेतव्व (उच्चारयितव्य) सू १०।१३५

उच्चारेतव्व (उच्चारयितव्य) ज ७।१६८

सू १०।१३४

उच्चावय (उच्चावच) प ३४।२३, २४ उ १।५७,

८२; ५।४३

उच्चाविय (उच्चावृत्त्वा) प १७।१११

उच्छंग (उत्सङ्ग) उ ३।६८, ११४

उच्छण (उत्सन्न) ज २।८, ६

उच्छणणाणि (उत्सन्नजानिन्) प २३।१३

उच्छणणवंतणि (उत्सन्नदर्शनिन्) प २३।१४

उच्छाह (उत्साह) सू २०।६।३, ५

उच्छूडसरौर (उत्क्षिप्तशरीर) ज १।५

√उच्छोल (दे० उत्-क्षालय्) उच्छोलेंति

ज ५१५७
 उजुसेदि (ऋजुश्रेणि) प ३६१६२
 उज्जय (उद्यत) ज २१३३३
 उज्जल (उज्ज्वल) ज १३३७; ७११७८
 उज्जान (उद्यान) ज २१६५, ७१; ५१५, ७ उ ३३६;
 ५१६, ७, २४, २६, ३७
 उज्जानसंठित (उद्यानसंस्थित) सू ४१३
 ✓ उज्जाल (उत् + ज्वालय्) उज्जालंति ज ५१६
 उज्जालेइ उ ३१५१ उज्जालेति ज २११०८
 उज्जालेह ज २११०७
 उज्जालिस्ता (उज्ज्वात्य) ज ५१६
 उज्जालेता (उज्ज्वात्य) उ ३१५१
 उज्जु (ऋजु) प २३१ ज २११५
 उज्जुय (ऋजुक) ज २११५
 उज्जुसुय (ऋजुसुत्र) प १६४६
 उज्जोइय (उद्द्योतित) प २१४६ ज ३१६, १८, ६३,
 १८०, २२२
 उज्जोत (उद्द्योत) प० २१४१, ५६, ६६
 उज्जोय (उद्द्योत) प २३०, ३१, ४६, ५६, ६३
 ज ११८, ३१; ३१६३, १२१; ५१३२
 ✓ उज्जोय (उद् + द्योतय्) उज्जोएति सू १६११
 उज्जोएति सू १६११
 उज्जोयकर (उद्द्योतकर) ज ३१६५, ६६, १५६, १६०
 उज्जोयणाम (उद्द्योतनामन्) प २३३३८
 उज्जोयभूय (उद्द्योतभूत) ज ३१६६, १६०
 ✓ उज्जोव (उत् + धृत्) उज्जोवेइ ज ४१२११
 उज्जोवेति ज ७१५१, ५८ सू ३११ उज्जोवेति
 सू ३१२
 उज्जोवणाम (उद्द्योतनामन्) प २३१११५
 उज्जोविय (उद्द्योतित) ज २११६ उ ११५६, ८१
 उज्जोवेमाण (उद्द्योतयत्) प २३०, ३१, ४१, ४६
 ✓ उज्ज (उज्ज्) उज्जइ उ ११५५ उज्जाहि
 उ ११५४
 उज्जर (उज्जर) प २१४, १३, १६ से १६, २८
 उ ५१५

उज्जरबहुल (निर्भरबहुल) ज १११८
 ✓ उज्जाव (उज्ज्) उज्जावेति उ ११५७
 उज्जावितए (उज्जयितुम्) उ ११५४, ५६
 उज्जिज्जमाण (उज्ज्जमान) उ ११५६, ६३, ८४
 उज्जित (उज्जित) उ ११५६, ८१
 उज्जिय (उज्जित) उ ११५७, ८२
 उट्ट (उष्ट्र) प ११६४; १११६ से २० ज २३५
 ✓ उट्ठा (उत् + ठा) उट्ठेइ उ ११२४
 उट्ठेति ज ३१११४, १२६ उट्ठेति ज ११६
 उट्ठा (उत्था) उ ११२४
 उट्ठाण (उत्थान) प २३११६, २० ज २१५१, ५४,
 १२१, १२६, १३०, १३५, १३८, १४०, १४६,
 १५४, १६०, १६३ सू २०११, ७; ६३, ५
 उट्ठाण (उत्थाय) ज ११६
 उट्ठिय (उत्थित) ज ३११८८ उ ३१४८, ५०, ५५,
 ६३, ६५, ७०, ७४, १०६, ११८
 उट्ठेति (उत्तिष्ठत्) ज ३३५
 उट्ठेत्ता (उत्थाय) ज ११६ उ ११२४
 उडय (उटज) उ ३१५१, ५३
 उडिय (दे०) ज ७१७८
 उड्ड (ऋतु) सू ६११; ८११; १०१२८, १२६, १२११,
 ४, ११, १२, १४, १५; १५१२० से २२
 उड्ड (उड्ड) सू १०१२६११, ५
 उड्डकल्लाणिया (ऋतुकल्याणिका) ज ३११७८,
 १८६, २०४, २१४, २२१
 उड्डपाण (उड्डपानं) प १५११२; १५१५०
 उड्ड (उड्ड) प ११८६
 उड्ड (ऊर्ध्व) प २१४, ४८ से ५३, ६०, ६३, ६४;
 १११६५, ६६; १११६६१; १५१५२; २११८७,
 ६० से ६३; २८११५, १६, ६१, ६२; ३३१६,
 १७; ३६१६२ ज ११८ से १०, २५, २८, ३२,
 ३५, ३७, ३८, ४०, ४२, ५१; २१६, ५६, ५६, १२३,
 १२८, १४८; ३१३३१, १३२, ४११, ६, १०, २३,
 ४५, ४७, ५७, ५६, ६२, ८६, १०१, १०३, ११०,
 ११२, ११४, ११५, ११६ से १२२, १२८, १३६,
 १. उड्ड (जलम्) आष्टे पृ० ४०१

१४२, १४६, १४७, १५५, १५६, १६३ से १६५,
१७५, १७८, २०३, २१२, २१६, २१७, २१८,
२२१, २२६, २३४, २४० से २४२; ५६४;
७४४, ५४, १६८१, २०७ सू २११; ४१०;
६१३; १८१; १६१२११२; १६१२३ उ १६७;
२११२; ३१५०; ५४१

उद्धजाणु (ऊर्ध्वजाणु) ज ११५; २८३ उ १३

उद्धत्त (ऊर्ध्वत्त्व) प २८२४, २६

उद्धदिता (ऊर्ध्वदिशा) प ३१७६, १७८

उद्धमुख (ऊर्ध्वमुख) ज ३३; १७१६८

उद्धलोग (ऊर्ध्वलोक) ज ५६, ६७

उद्धल्लोय (ऊर्ध्वलोक) प २११, ४, १०, १३, १६ से
१६, २८; ३१२५, १२७ से १७३, १७५, १७७

उद्धवाय (ऊर्ध्ववात) प १२६

उद्धामुहकलंबुयापुष्पसंस्थानसंस्थित

(‘उद्धी’मुखकलम्बुकपुष्पसंस्थानसंस्थित)

सू १६१२३

उद्धीमुहकलंबुयापुष्पसंस्थित (‘उद्धी’मुखकलम्बुक-
पुष्पसंस्थित) ज ७३१, ३३, ३५ सू ४३, ४, ६,
७, ८

उद्धोववण्णग (ऊर्ध्वोपवण्णग) ज ७५५ सू १६१२३,
२६

उष्णविज्जमाण (उन्मन्द्यमान) ज ३१८६, २०४

उष्णय (उन्मत्त) ज २१५; ३१०६, १३८; ४१३;
७१७८ सू २०७

उष्णाय (उन्माक) उ ५४३

उष्ण (उष्ण) प १७११४१, १७१३८; २८२६
उ ३१२८

उतालीस (एकोनचत्वारिंशत्) सू १२१२०

उत्तत्त (उत्तप्त) प २४०१६

उत्तम (उत्तम) प २४६ ज २१५; ३३, १२,
१२५; ४२६०११; ५४५ सू ५१

उत्तमकट्ठपत्त (उत्तमकाष्ठाप्राप्त) ज २७, ५२,
१३१, १६१, १६४; ७२६, २८ सू ११४, १६,
१७, २१, २२, २४, २७; २३; ३१२; ४८, ६;
६१; ६२

उत्तमपुरिस (उत्तमपुर) प ६१२६

उत्तमा (उत्तमा) ज ७१२०१ सू ५११; १०८८१

उत्तर (उत्तर) प २१२१ से २७; २७११, २; २१३०
से ३६, ४४, ४८, ५१, ६०, ६१, ६२११; २१६३;
३११ से ३७, १७६, १७८; १५८५; १८६०

ज १११८, २०, २३, ४८; ३११, ८२, १२६४, १३१,

१३३, १३८, १५१; ४११, १७, ३८, ५५, ६२, ७३,

७६, ८१, ८६, ८९, ९३, ९८, १०३, १०८, ११४,

१२६, १४१ से १४३, १५०, १५६, १६०, १६५,

१६७, १६९, १७२, १७३, १७५, १७७, १७८,

१८०, १८१, १८४, १८५, १८७, १८८, १८९,

१९३, १९६, १९७, १९८ से २०३, २०५, २०८,

२०९, २१३, २२६, २३१, २३४, २३७, २३८,

२४६, २५२, २६२, २६५, २६८, २७१,

२७२, २७४, २७५; ५१११, ३६, ४२; ६१११,

१४, २४; ७५१, १५, १७, २४, २५, ६४, ७४, ७६,

७८, ८३, ८४, ८८, ९४, १२७, १२८, १३४३,

१३५३, १७४, १७८, २०१, २०४ सू ११५ से

१७, २४, २६ से ३१; २३; १०७५, १३५;

१२११२; १३१६, १०; १८१४ से १७; १६८८१,

११११; २०१२ उ ३१५४, ५५, ६३, ६७, ७०, ७३;

४१६६; ५४१

√उत्तर (उत् + तृ) उत्तरइ ज ३१०१, १२६

उत्तरओ (उत्तरतस्) प २४०१४ ज ११८

उत्तरकुरा (उत्तरकुरु) ज ४६६, १०३, १०८ से

११०, १४१, १४३, १६१, १६२, २०५, २१३

उत्तरकुरु (उत्तरकुरु) प १८७; १६३०; १७१६४

ज २६; ४१४२३, १६१२; १६२, २०७,

२६२; ५४५

उत्तरकुरुकूड (उत्तरकुरुकूट) ज ४१०५, १६३

उत्तरकूल (उत्तरकूल) उ ३५०

उत्तरगुण (उत्तरगुण) प ११४६

उत्तरङ्ग (उत्तराङ्ग) प २५११; ८१

उत्तरङ्गकच्छ (उत्तराङ्गकच्छ) ज ४१६८, १७२,

१७३ से १७६

उत्तरद्वभरह (उत्तरार्द्धभरत) ज ११६,४७ से
५१; ३१०३, ११३; ४१३५

उत्तरद्वभरहकूट (उत्तरार्द्धभरतकूट) ज ११३४

उत्तरलवणसमुद्र (उत्तरलवणसमुद्र) ज ४१२७७

उत्तरद्वल्लोकाहिवइ (उत्तरार्द्धलोकाधिपति)

ज ५१४८

उत्तरण (उत्तरण) ज ३१७६, ११६

उत्तरदारिया (उत्तरद्वारिका) सू १०१३१

उत्तरदाहिण (उत्तरदक्षिण) ज ११२४; ४१०६,
१६४, १६७, १६६, १७८, १८०, १८१, १८५,
१८७, १८९, १८६ से २०१, २०३, २०६, २१५,
२४५, २४८, २५१, २५२ सू ८१

उत्तरदाहिणायया (उत्तरदक्षिणायता) ज ११२४;

४१२०३, १६२, १६७, १६६, १७८, १८५, १८७,
१८९, २००, २०३, २४५, २५१

उत्तरद्व (उत्तरार्द्ध) ज २१६१

उत्तरद्वभरह (उत्तरार्द्धभरत) ज ११२३

उत्तरपञ्चस्थिम (उत्तरपाश्चात्य) प ३१७६, १७८
ज ३१४३, ४४; ४१०३, १०६, १५०, २२४, २३१,
२३२ सू २११; २०१२

उत्तरपञ्चस्थिमिल्ल (उत्तरपाश्चात्य) ज ४१२३८
सू ११६६; २११; २०१२

उत्तरपार्श्व (उत्तरप्राची) ज ३१२६

उत्तरपुरस्थिम (उत्तरपौरस्थ) प ३१७६, १७८
ज ११३; ३१६०, ६१, १३०, १३१, १४०, १४१,
१६१, १६२, २०४, २०८; ४१७७, १२०, १३६,
१३६, १५०, १५४, १६२ से १६४, २२१, २२६,
२३३, २३६, ५१५, ७, ३६, ४४, ५५ चं ७ सू ११२
२०१२ उ ३११३३; ४१२०; ५१५

उत्तरपुरस्थिमिल्ल (उत्तरपौरस्थ) ज ४१५६,
२३७, २३८; ५१४८, ४६ सू ११६६

उत्तरपोट्टवया (उत्तरप्रोष्ठपदा) ज ३१२०६

सू १०६४

उत्तरफल्गुणी (उत्तरफल्गुनी) ज ७१२८, १२६,
१३६

उत्तरमद्वया (उत्तरमद्रपदा) ज ७१२८, १२६,
१३६, १३६, १४२

उत्तरवेज्ज्विय (उत्तरवैज्यिक) प १५११८, १६;

२१५८, ५६, ६१, ६५ से ६७, ७०; ३४१६, २१
से २३ ज ३१२०६; ५१४१

उत्तरवेज्ज (उत्तरवैज्य) ज ३१८१

उत्तरा (उत्तर) सू १०१३२, ४५, ६०, ६२, १२०,

१५३, १५५, १५६, १५८; १११२, ४ से ६;

१२२४ से २८ ज ७११३३ उ ३१५५, ६३, ६५,
६७, ७०, ७४

उत्तरापोट्टवया (उत्तरप्रोष्ठपदा) सू १०५, ६, २१,
२३, ६५, ७५, ८३, ६७, १३१ से १३५

उत्तराफल्गुणी (उत्तरफल्गुनी) ज ७१४०, १४८,

१५१, १६३, १६४ सू १०१२ से ६, १५, २३, ७०,
७१, ७५, ८३, ११०, १३१ से १३३

उत्तराभद्वया (उत्तरभद्रपदा) ज ७१४६, १५७,

१५८ सू १०१२ से ६, १३१

उत्तराभिमुह (उत्तराभिमुख) उ ३१५५, ६३, ६७,
७०, ७३

उत्तरासंग (उत्तरासङ्ग) ज ३१६; ५१२१

उत्तरासाढा (उत्तरापाढा) ज २१७१, ८५; ७१२८,
१३०, १३६, १४०, १४६, १५६, १६७ सू १०१

से ६, १६, २३, ५४, ६२, ६३, ७४, ८३, ११६,

१२२, १२३, १३० से १३५; १५१६, १२

उत्तरिज्ज (उत्तरीय) ज ३१६, २२२

उत्तरित्तु (उत्तीर्य) ज ११८१

उत्तरिय (औत्तरिक) प ३६११, २२, २४, २६, २७,
४६

उत्तरिल्ल (औदीच्य) प २१३३, ३६, ३६, ४०, ४४,

४७; १६१३४ ज ११२६; २११६६; ३११०२,
१०६, १३३, १३७, १५४ से १५७, २०५, २१५,

२२०; ४१३८, ४२, ७३, ७७, ६१, ६४, १७२,

१६६ से २०२, २०६, २०७, २१२, २३२, २३३,

२३८, २४८, २५१; ५१११, १४, ४४, ४५, ४६, ५२,

७१७८ उ ३१६१

उत्तरोद्ध (उत्तरोद्ध) ज २।१५
 उत्ताण (उत्ताण) उ ३।१३०
 उत्ताणग (उत्ताणक) ज ३।१११, ११३ उ १।४६
 उत्ताणय (उत्ताणक) प २।६७ उ १।४६
 उत्ताणसेज्ज (उत्ताणय) उ ३।१३०, १३१, १३४
 उत्तासणग (उत्तासणक) प २।२० से २६
 उत्तासणय (उत्तासणक) प २।२७
 उत्तिण (उत्तीर्ण) ज ३।५१
 उत्तिमंग (उत्तमाङ्ग) ज २।१५
 उदग (उदक) ज २।१३१; ३।२६, ३६, ४७, १०६,
 १३३, २२१; ५।५५
 उदगधारा (उदकधारा) ज ३।५५
 उदय (उदय) प २।३३, १३ से २३ सू १।६।२;
 १।५।१
 उदय (उदक) प १।४।२, १।४६; १०।१।७;
 १६।५४ ज ३।६, २०६; ५।१४, ५६; ७।११२।१,
 २ च २।२; ४।१, ३ सू १०।१२६।१, २
 उदयसंठिति (उदयसंस्थिति) सू १।६।२; १।५।१, ३
 उदर (उदर) उ १।४३
 उदहि (उदधि) प २।३०।१; २।४०।२, ५, १०;
 १।५।२ ज २।१५; ५।५२
 उदहिकुमार (उदधिकुमार) प १।१३१; ५।३; ६।१५
 उदार (उदार) ज ३।२४, १३१
 उदाहु (उताहु) प १०।६; १।५।४६, ४७; ३।४६
 उ १।१२७
 उदिण (उदीर्ण) प २०।३६; २३।३, १३ से २३
 उदीण (उदीचीन) प २।१०, ५० से ५२, ५४, ५६,
 ५८ से ६० ज १।१५, २०, २३, २५, २८, ३२,
 ४५; ३।१; ४।१, ३, ५५ ६२, ८६, ८८, ९८,
 १०५, १७२, २०५, २१४, २५२, २६२, २६५;
 ७।१०१, १०२ सू ५।१
 उदीणदाहिणायता (उदीच्यदक्षिणायता) सू १।१६;
 २।१; १०।१४२, १४७; १२।३०
 उदीणवाय (उदीचीनवाय) प १।२२
 √उदीर (उद् + ईर्) उदीरति प १।४।५
 उदीरिस्सति प १।४।५ उदीरति उ ३।३४

उदीरेंसु प १।४।५ उदीरति प २।२।५
 उदीरण (उदीरण) ज २।१३१
 उदीरिज्जमाण (उदीर्यमाण) प २।३।३ से २३
 उदीरिय (उदीरित) प २।३।३ से २३
 उहु (ऋतु) ज २।४; ७।११२।१
 उहुङग (उहुङ्गक) उ ३।५०
 उहुङ्गिय (उहुङ्गिक) ज ३।३२
 √उहुव (उद् + हु) उहुवति प ३।६।२, ७७
 उहुवित्तए (उहुववित्तु) ज ३।११५
 उहुइत्ता (उहुइत्य) ज ६।४
 उहुल (उहुल) ज २।५
 उहुल (अवहुल) ज ४।१३ सू २०।७
 √उहुल (आ + छिर्) उहुलेइ उ १।१०५
 उहुलेउकाम (आहेतुकाम) उ १।१०५
 उहुट्ठ (वे०) सू १।६।२।२५
 √उहुत्त (उत् + दिश्) उहुत्तति उ ५।४५
 उहुत्तिय (उहुत्तिय) प १६।५१
 उहुत्तियविभक्तगति (उहुत्तियप्रविभक्तगति)
 प १६।३५, ५१
 उहुत्त (उहुत्त) ज ७।१०१, १०२
 उहुत्तग (उहुत्तक) उ ५।४५
 उहुत्तय (उहुत्तक) प १।७।१५
 उहुत्तिया (वे०) प १।५०
 उहु (अहु) प २।३।२४ ज १।१६, २३, २४; २।६,
 ५८, ६५, १५७
 √उहुत्त (उत् + धृप्) उहुत्तति उ १।५७
 उहुत्तणा (उहुत्तणा) उ १।५७, ८२
 उहुत्तत्ता (उहुत्तत्त) उ १।५७
 उहुत्त (उहुत्त) ज २।६५
 उहुत्तिय (उहुत्त) ज ३।२२१
 उहुत्त (उहुत्त) प २।४५
 उहुत्त (उहुत्त) प २।३०, ३१, ४१ ज २।६०; ३।७;
 २।४।३, २६, ३।१, ३।६, ४।१, ४७, ५६, ६४,
 ७२, ८८, ११३; १३।१।३, १३८, १४५, १७८;
 १. हेम० ४।१२५

૪૪૬; ૫૧૫, ૭, ૪૩, ૪૪, ૪૭, ૬૭ સૂ ૨૦૧૭

ઉદ્ધર (ઉદ્ધર) જ ૫૧૫; ૭૧૧૭૮

ઉદ્ધુચ્ચમાણ (ઉદ્ધુચ્ચમાણ) જ ૩૧૬, ૩૧, ૬૩, ૧૮૦

ઉ ૫૧૧૬

√ઉવગચ્છ (ઉવ+ગમ્) ઉવગચ્છંતિ જ ૩૧૬૭૧૪

ઉવચ્ચંકર (ઉવચ્ચંકર) જ ૩૧૬૭

ઉવરિલ્લ (ઉવરિલ્લ) સૂ ૧૮૧૭

ઉવસંત (ઉવસંત) પ ૨૦૩૬

ઉવ્વહતા (ઉવ્વહતા) પ ૨૧૪૮ સે ૬૩ જ ૧૧૨૫

સૂ ૨૧૧; ૧૮૧

√ઉવ્વજ્જ (ઉત્+વદ્) ઉવ્વજ્જઈ સૂ ૬૧

ઉવ્વજ્જંતિ જ ૨૧૬૭

ઉવ્વજ્જંત (ઉવ્વજ્જમાણ) જ ૩૧૬૭૧૫

ઉવ્વજ્જય (ઉવ્વજ્જય) જ ૩૧૩

ઉવ્વહ (ઉવ્વહ) પ ૧૧૫૦

ઉવ્વળ્લમિસ્સિયા (ઉવ્વળ્લમિસ્સિયા) પ ૧૧૩૬

ઉવ્વળ્લમિસ્સિયા (ઉવ્વળ્લમિસ્સિયા) પ ૧૧૩૬

પ ૧૧૩૬

ઉવ્વપ્તિ (ઉવ્વપ્તિ) પ ૧૧૬૩૬; ૧૪૫; ૩૬૧૬૪

જ ૩૧૬૭૩૬, ૬, ૮, ૯, ૧૦

ઉવ્વપ્તિયા (ઉવ્વપ્તિકી) ઉ ૧૪૧, ૪૩

ઉવ્વપ્ન (ઉવ્વપ્ન) જ ૩૨૬, ૩૬, ૪૭, ૫૬, ૧૩૩, ૧૩૮, ૧૪૫, ૧૭૫; ૫૧૩, ૨૨

૧૩૮, ૧૪૫, ૧૭૫; ૫૧૩, ૨૨

ઉવ્વપ્નકોહલ્લ (ઉવ્વપ્નકુત્તલ) જ ૧૧૬

ઉવ્વપ્નસંસય (ઉવ્વપ્નસંસય) જ ૧૧૬

ઉવ્વપ્નસંસય (ઉવ્વપ્નસંસય) જ ૧૧૬

ઉવ્વપ્નનિવય (ઉવ્વપ્નનિવય) જ ૫૧૫૭

√ઉવ્વય (ઉત્+વત્) ઉવ્વયંતિ જ ૫૧૫૭, ૬૪

ઉવ્વલ (ઉવ્વલ) પ ૧૧૪૬, ૧૧૪૮૪૪, ૧૧૬૨;

૧૫૧૫૧૨ જ ૧૧૫૧; ૨૧૪, ૧૬; ૩૧૩, ૮૬,

૧૮૮, ૨૦૬; ૪૩, ૨૨, ૨૫, ૩૦, ૩૪, ૬૦, ૧૧૩,

૨૬૬, ૨૭૨; ૫૧૫, ૫૬; ૭૧૭૮

ઉવ્વલંગ (ઉવ્વલંગ) જ ૨૧૪

ઉવ્વલહ્તયય (હસ્તગતોત્પલ) જ ૩૧૧૦

ઉવ્વલા (ઉવ્વલા) જ ૪૧૧૫૫૧, ૨૨૨

ઉવ્વલિનીકંદ (ઉવ્વલિનીકંદ) પ ૧૧૪૮૪૨

ઉવ્વલગુમ્મા (ઉવ્વલગુમ્મા) જ ૪૧૧૧૫૧, ૨૨૨

ઉવ્વલુજ્જલા (ઉવ્વલુજ્જલા) જ ૪૧૧૧૫૧, ૨૨૨

ઉવ્વાદ્ય (ઉવ્વાદ્ય) જ ૩૧૦૪, ૧૦૫, ૧૦૬

ઉવ્વાદ્ય (ઉવ્વાદ્ય) પ ૨૮૨૦, ૩૨, ૬૬

√ઉવ્વાદ (ઉત્+વાદ્ય) ઉવ્વાદેજ્જા પ ૨૦૧૧૭,

૧૮, ૩૨ સે ૩૪, ૪૭

ઉવ્વાદ્ય (ઉવ્વાદ્ય) પ ૧૧૫૦

√ઉવ્વાદ્ય (ઉત્+વાદ્ય) ઉવ્વાદ્યંતિ જ ૨૧૩૬, ૪૧

ઉવ્વિ (ઉવ્વિ) પ ૨૧૫૨ સે ૬૨ જ ૧૧૧૦, ૧૨,

૧૪, ૧૬ સૂ ૧૨૩૦; ૧૮૨, ૩ ઉ ૧૪૬; ૨૧૬;

૫૧૩, ૨૦, ૨૭, ૩૧

ઉવ્વિલિય (ઉવ્વિલિય) જ ૩૧૭૭, ૧૦૭, ૧૨૪

ઉ ૧૧૩૮

ઉવ્વિલિય (ઉવ્વિલિય) પ ૧૬૪૪

ઉવ્વિલિય (ઉવ્વિલિય) પ ૨૧૩૦

ઉવ્વિલિયા (ઉવ્વિલિયા) પ ૧૬૪૪

ઉવ્વિલિય (ઉવ્વિલિય) જ ૨૧૩૩

ઉવ્વિલિય (ઉવ્વિલિય) જ ૪૧૧૦૭

ઉવ્વિલિય (ઉવ્વિલિય) જ ૧૧૨૩, ૨૫, ૨૮, ૩૨;

૩૧૭૬; ૪૧૧, ૧૩, ૩૬, ૪૩, ૬૨, ૭૨, ૭૮, ૮૬,

૯૫, ૯૮, ૧૦૩, ૧૧૦, ૧૮૩, ૨૦૦, ૨૦૧, ૨૦૬;

૫૧૪૬, ૬૦, ૬૬; ૭૧૩, ૩૩ સૂ ૪૧૩, ૪૬; ૨૦૧૭

ઉવ્વિલિય (ઉવ્વિલિય) જ ૩૧૩

ઉવ્વિલિય (ઉવ્વિલિય) સૂ ૧૦૧૪, ૫

ઉવ્વિલિય (ઉવ્વિલિય) ઉ ૩૧૫૦

ઉવ્વિલિય (ઉવ્વિલિય) જ ૪૧૨૦૨

ઉવ્વિલિય (ઉવ્વિલિય) જ ૩૧૬૫, ૧૩૮, ૧૫૬, ૧૬૭૩

ઉવ્વિલિય (ઉવ્વિલિય) જ ૪૧૨૧૨

ઉવ્વિલિય (ઉવ્વિલિય) પ ૨૧૪૮ જ ૩૧૬૮;

૪૧૪૬

ઉવ્વિલિય (ઉવ્વિલિય) પ ૨૧૬૪૨૧ જ ૩૧૨૦, ૩૩,

૫૪, ૬૩, ૭૧, ૮૪, ૧૩૭, ૧૪૩, ૧૬૭, ૧૮૨

ઉવ્વિલિય (ઉવ્વિલિય) જ ૩૧૬૭ સે ૧૦૧,

૧૬૧

उपर (उपर) उ १३४,४०,४६,४८,४९,५१,५४,
७४,७६,७९

उर (उरस्) ज ५१५ उ ३११४

उरग (उरग) प ६१८०१ ज ३१२४

उरस्थ (उरःस्थ) ज ३१३६

उरपरिसम्प (उरःपरिसर्प) प ११६७,६८,७५;

४१३१ से १३६; ६१७१; २११४ से १६,३५,

४५,६०

उरभ्ररुहिर (उरभ्ररुधिर) प १७१२६

उराल (उदार) प १४४३ गुलू नामक वृक्ष

उराल (दे०) ज ५३८

उरु (उरु) ज २१५,१६; ५१५; ७१७८

उरुलुचंग (दे०) प ११५०

√उलंघ (उत् + लङ्घ्) उलंघेज्ज प ३६१६१

उल्ल (आर्द्र) ज ३१२२,३६,४४,१२५,१२६

√उल्लाल (उत् + लाल्य्) उल्लालेइ ज ५१२३

उल्लालिय (उल्लाल्य) ज ५१२४

उल्लालेमाण (उल्लालायत्) ज ५१२२

उल्लोडय (उल्लोचित) प २१३०,३१,४१ ज १३७;

३१७,१८४

उल्लोय (उल्लोच) ज ४११९; ५१३४,६७

सू २०१७

उल्लोयण (उल्लोचन) उ १४६

उवइय (उपचित) ज ४१२७

उवज्जिऊण (उपयुज्य) प १६१२०; २२१४५;

३६१३२

उवउत्त (उपयुक्त) प २१६४१२,१३; ८१४ से ११;

१५१४८,४९; २६११७,१९,२०; ३४१२२

ज ५१२६

उवएसरुइ (उपदेशरुचि) प ११०१११,४

उवओग (उपयोग) १११७; ३१११; १५१५८१;

१५१६३,६४; १८१११; २८१०६१; २६११,५,

८,११,१५

उवओगपरिणाम (उपयोगपरिणाम) प १३१२,१४,

१६

उवंग (उपाङ्ग) उ १४ से ८; २११; ३११,२;

४११,३; ५११,३,४५

उवकुल (उपकुल) ज ७१३६११,१४१,१४३ से

१४६,१५० से १५३ सू १०६,२० से २२,२५

√उवक्खड (उपस्कारय्) उवक्खडावेइ उ ३१११०;

४११६

उवक्खडावेत्ता (उपस्कारय्) उ ३१५०

√उवगच्छ (उप + गम्) उवगच्छइ ज ३४१

उवगच्छित्ता (उपगम्य) ज ३४१

उवगय (उपगत) प २१६४१४,२० ज ३१२०,३३,

५४,५६,८४,१०५,१०८ से १११,११३,१३७;

५१५,७ उ ११५,२५; ३१६८,१०६; ५१३५

उवगरण (उपकरण) ज २१६६ सू २०१४ उ ११६३,

१०५,१०६; ३१५५,६३,७०,७३

उवगिज्जमाण (उवगीयमान) ज ३१८२,१८७,

१८८ उ ५१२५

उवगच्छाया (उपाग्रच्छाया) सू ६१४

उवघाइय (उपघातिक) प० ११३४१

उवगहिण (औपग्रहिक) प २३६

उवघायणाम (उपघातनामन्) प २३३८,५२,११०

उवघायणिसिमा (उपघातनिश्चिता) प ११३४

उवचय (उपचय) प १५१५८१; १५१५८,५९

√उवचय (उप + चि) उवचयति प ६१२६

√उवचिण (उप + चि) उवचिण प १४१८११

उवचिज्जति प १४१८११; २११६७

उवचिणति प १४११५

उवचिणिमु प १४११४ उवचिणिस्सति

प १४११६

उवचित (उपचित) प २१३१,४१

उवचिय (उपचित) प २१३०; २३११३ से २३

ज २१४५,१४६; ३१७; ४१३,२४,२७; ७१७८

उवज्जिय (उपाजित) ज ३१८५,२०६

उवज्जाय (उपाध्याय) प १६१५१ चं ११२

√उवट्ट (उद् + वृत्) उवट्टेति ज ५११४

उवट्टेत्ता (उद्वृत्त्य) ज ५११४

✓ઉવટુથ (ઉપ + સ્થાપય) ઉવટુથેતિ જ ૩૧૨૦૫;

૨૫૫૨ ઉવટુથેતિ જ ૩૧૨૨૦ ઉવટુથેહ

જ ૨૫૫૪;૩૧૨૦૭ ઉ ૧૧૧૭

ઉવટુથેત્તા (ઉપસ્થાપય) ઉ ૧૧૧૭

ઉવટુઠાઢ (ઉપસ્થાપિત્) જ ૩૧૩૨૧

ઉવટુઠાણસાલા (ઉપસ્થાનસાલા) જ ૩૧૫,૧૨,૧૭,

૨૧,૨૫,૩૪,૪૧,૪૬,૫૫,૬૬,૭૪,૭૭,૧૩૫,

૧૪૭,૧૫૧,૧૭૭,૧૮૫,૨૧૬ ઉ ૧૧૧૬,૪૧,

૪૨,૧૨૪,૪૧૨;૨૫૧૬

ઉવટિથ (ઉપસ્થિત) ઉ ૧૧૨૦

✓ઉવળી (ઉપ + ળી) ઉવળેહ જ ૩૧૨૬,૩૬,૪૦,

૪૭,૫૬,૬૪,૭૨,૧૩૩,૧૪૫,૧૫૧ ઉવળેતિ

જ ૩૧૫૧,૧૨૬;૨૫૬૧ ઉ ૧૧૪૫ ઉવળેહ

ઉ ૧૧૪૪

ઉવળીયજવળીયવળ (ઉપનીતાપનીતવચન)

પ ૧૧૧૫૬

ઉવળીયવળ (ઉપનીતવચન) પ ૧૧૧૫૬

ઉવળેત્તા (ઉપનીય) જ ૩૧૨૨૬

ઉવસ્થાપિયા (ઉપસ્થાપિકા) જ ૩૧૨૬,૩૬,૪૭,

૫૬,૧૩૩,૧૩૫,૧૪૫ ઉ ૩૧૨૩૧

✓ઉવસં (ઉપ + સં) ઉવસંદ જ ૨૫૫૭,૫૫;

૭૧૧૪ જ ૩૧૧૫૩ ઉવસંધેતિ) જ ૨૫૫૭

ઉવસંધેતિ સૂ ૨૦૧૨

ઉવસંધ (ઉપસંધ) જ ૭૧૨૬૩૧

ઉવસંધિત્ (ઉપસંધિત્) ઉ ૩૧૧૨૨

ઉવસંધિત્તા (ઉપસંધ) ઉ ૩૧૨૧;૭૧૫

ઉવસંધિય (ઉપસંધિય) પ ૧૧૧૨૨

ઉવસંધિયા (ઉપસંધિ) પ ૨૫૫૫

ઉવસંધેમાણ (ઉપસંધેયત્) પ ૩૪૧૨૨ જ ૨૫૪૪

સૂ ૨૦૧૩

ઉવસિદ્ધ (ઉપસિદ્ધ) પ ૧૧૧૦૧૧૪ જ ૧૧૩

✓ઉવસિધ (ઉપ + સિધ) ઉવસિધ પ ૨૫૬૪

ઉવસિધિત્તા (ઉપસિધિ) પ ૨૫૬૪

ઉવસ્ય (ઉપસ્ય) જ ૨૫૪૦;૩૧૧૦૫

ઉવસ્યમાણ (ઉપસ્યમાન) ઉ ૧૧૩૧

ઉવસૂહ (ઉપસૂહ) પ ૧૧૧૦૧૧૪૪

ઉવભોગ (ઉપભોગ) જ ૨૧૧૪૬

ઉવભોગેતરાય (ઉપભોગાન્તરાય) પ ૨૩૧૨૩

ઉવમા (ઉપમા) પ ૨૫૪૧૧૭;૩૫૧૨૫,૨૬

જ ૩૧૨૪૪;૩૭૨;૪૫૨;૧૩૧૪૪ ઉ ૩૧૬૫

ઉવચાર (ઉપચાર) પ ૨૫૩૦,૩૧,૪૧ જ ૨૫૧૦,

૧૫,૬૫;૩૧૭,૧૨,૫૫,૧૩૫;૪૧૬૬;૫૧૭,

૫૫;૭૧૧૩૩૧ સૂ ૨૦૧૭

ઉવચારિયાલયણ (ઉપચારિકાલયણ) જ ૪૧૧૧૫

ઉવરક્ષિય (ઉપરક્ષિત) પ ૨૫૩૦,૩૧,૪૧

ઉવરિ (ઉપરિ) પ ૨૫૨૧ સે ૨૭,૩૦ સે ૩૬,૪૧

મે ૪૩,૪૬;૧૨૩૨ જ ૧૧૩૫;૪૧૫૬૧,

૨૧૩,૨૧૬

ઉવરિતલ (ઉપરિતલ) જ ૪૧૪૨૧,૨,૪૧૨૧૩

ઉવરિમ (ઉપરિતન) પ ૨૫૨૭૩,૬૨૧

ઉવરિમઉવરિમગેવેજગ (ઉપરિતનોપરિતનગ્રંથેયક)

પ ૧૧૧૩૭;૪૧૨૬૧ સે ૨૬૩;૭૨૫;૨૫૧૬૫

ઉવરિમગેવેજગ (ઉપરિતનગ્રંથેયક) પ ૨૫૨૨;

૩૧૫૩;૬૪૧,૫૬;૨૦૬૧;૩૩૧૭

ઉવરિમગેવેજગ (ઉપરિતનગ્રંથેયક) પ ૨૦૬૧

ઉવરિમમજ્જિમ (ઉપરિતનમધ્યમ) પ ૨૫૧૬૪

ઉવરિમમજ્જિમગેવેજગ (ઉપરિતનમધ્યમગ્રંથેયક)

પ ૧૧૧૩૭;૪૧૨૫૫ મે ૨૬૦;૭૨૭

ઉવરિમહેટિમ (ઉપરિતનાથસ્તન) પ ૨૫૧૬૩

ઉવરિમહેટિમગેવેજગ (ઉપરિતનાથસ્તનગ્રંથેયક)

પ ૧૧૧૩૭;૪૧૨૫૫ મે ૨૫૭;૭૨૬

ઉવરિલ્લ (ઉપરિતન) પ ૨૫૬૪;૫૧૧૧,૧૩૪,

૧૩૬,૧૪૦,૧૪૩,૧૬૬,૧૬૬,૧૮૧,૧૮૪,

૧૬૩,૧૬૭,૨૦૦,૨૨૫,૨૩૪;૧૬૧૩૪;

૨૨૫૧,૩૦,૭૧,૭૪ જ ૨૧૧૧૩;૪૧૨૫૩,

૨૫૬,૨૫૬;૭૧૭૩ સે ૧૭૫ સૂ ૧૮૧

ઉવરિલ્લય (ઉપરિતન) પ ૨૫૧૪૩

ઉવલ (ઉપલ) પ ૧૧૨૦૧ જ ૪૧૨૫૪

ઉવલદ્ધ (ઉપલદ્ધ) પ ૧૧૧૦૧૧૬ ઉ ૩૧૧૦૧

ઉવલાલિજમાણ (ઉપલાલ્યમાન) જ ૩૧૫૨,૧૫૭,

૨૧૫

उवलित्त (उपलित्त) ज ३११८४; ५१५७ उ ३११३०,
१३१,१३४

उवलेवण (उपलेपन) उ ३१५१, ५६, ७१, ७६

√ उववज्ज (उप-+पद्) उववज्जइ प १७१६५
उववज्जति प ६१४७ से ५६, ६० से ६४, ६६
७० से ७२, ७८ से ११०, ११५, ११३ ज २१४६
सू १७१ उववज्जति प १६१५०; १७१६०, ६२,
६४, ६५, ६६ से १०४ उववज्जिहिइ उ ११४१;
३११८; ४१२६ उववज्जिहिइ ज २१३५ से
१३७

उववज्जमाण (उपपद्यमान) प २०१६१

उववज्जवेयव्व (उपपदयितव्य) प ६१६२, ६४

उववण (उपपन्न) ज ७१५६, ५६, २१२ सू १६१
२२१२१, १६१२४ उ ११२५ से २७, १४०;
२१२२; ३११४, ८३, १२०, १६१; ४१२४; ५१२८,
३०, ४०, ४१

उववणग (उपपन्नक) प ३१३६; १५१४६; ३४११२;
३५१२३

उववणपुध्व (उपपन्नपूर्व) ज ७१२१२

उवन्नग (उपपन्नक) प १५१४६; ३४११२

उववाइय (औपपातिक) प ६१७३

उववाण्यव्व (उपपादयितव्य) प ६१७३, ७४

उववात (उपपात) प २०१६०, चं २१५, सू
१६१५; १७१

उववातगति (उपपातगति) प १६१३७

उववातसभा (उपपातसभा) उ ३११४

उववाय (उपपात) प २११, २४, ५, ७, ८, १०, ११,
१३, १४, १६, से ३०, ४६; ६१ से ४, १० से
२३, २७, ४३, ५६; ६३, ६६, ८०, ८१, ८२,
८६, ८७, १००, १०३, १०७, १०८; २०६१,
ज २१७१; ४११४०१, १६०; ७१५७, ६०
उ २१२०, २२; ३१६६

उववायगति (उपपातगति) प १६११७, २४ से ३८

उववायसभा (उपपातसभा) ज ४११४० उ ३१८३;
१२०, १६१; ४१२४

उववास (उपवास) ज २११३५

उववेत (उपेत) प १७११३३

उववेय (उपेत) प १७११३४ ज २११४, १८
उ ५१५

√ उवसंकम (उप-+ सं-+ कम्) उवसंकमति
सू १११७

उवसंकमिता (उपसंकम्य) ज ७११०, १३, १६;
सू ११११; १४

उवसंत (उपशान्त) प १४१३; २०१३६ ज २१२६,
६८; ५१७, उ ३१३५

उवसंतकसाय (उपशान्तकसाय) प ११२००, १०३,
११५, ११६

उवसंपज्जमाणगति (उपसंपद्यमानगति)
प १६१३८, ४१

उवसंपज्जिमाणं (उपसंपद्य) प १६१४०, ४३,
ज ७१५६, ५६, सू १६१४६, ७१३; ४१२२

उवसग (उपसर्ग) ज २१६४, ६७; ३१६२, ११५,
११६, १२५

उवसम (उपजम) ज ७१११७, १२२१२,
सू १०१४१२, ८६१२

उवसामय (उपशामक) प २२११६१, १६२

उवसोभिय (उपशोभित) ज १११३, २१, २६, २६,
३३, ४६; १०१, ५७, १२२, १२७, १४७, १५०,
१५८, १६४; ३११७८, १६२; ४११६, ६३, ८२;
५१३२, ३८, ७११७८

उवसोभमाण (उपशोभमान) उ ३१४६

उवसोभेयाथ (उपशोभमान) उ २०१, ३; ५१३८;
७१२१३

उवसोहिय (उपशोभित) ज ४१११४; ५१६७

उवसुय (उपशुय) उ ३११११, ११८, १४१; ४१२२

उवहाण (उपधान) ज ४११३

उवहि (उपधि) प १४१५

उवहित (उपहित) सू ६१४

उवाइणवेत्ता (उपातिकम्प्य) सू १०११३८

√ उवागच्छ (उप-+ आ-+ गच्छ) उवागच्छइ
ज ११६; २१६०; ३१५, ६, १२, १७, १८, ४१

उ १२; ३१२६; ४१११; ५११६ — उवागच्छति
 प ३४१२२, २३. ज २१११६. उ १४५; ५११७
 — उवागच्छति. ज २११६५; ३१२८, ३२, ४१,
 ४६, २१६ उवागच्छति. उ ३१७६

उवागच्छिता (उपागत्य उपागम्य) प ३४१२२;
 ज ११६. उ० १११६; ३१२६; ४१११; ५११६

उवागय (उपागत) उ ११२२२, १३०; ३१७१, ७६,
 ६६, १०६, १३८; ४११५, १८, १६; ५१२६

उवाय (उपाय) प० १११७१; ३६१६२ ज ७१०,
 १३, १६, १६, २२ से २५, २७, ३०, ६६, ७२, ७५,
 ७८, ८१, ८४ सू १११४, १६, १७; २१, २४; २७;
 २१३; ६११; १०१४१, १४६, १४८, १५०
 उ १४११, ४३

उवागय (उपागत) ज २१६५, ७१, ८८; ३१२२५

√उवे (उप + इ) उवेइ प १३१२२१२. उ ३११११
 उवेति ज २११६; ३१२६ उवेह ज ३१२२५

√उव्वट्ट (उद् + वृत्) उव्वट्टति प ६१५८, ६८
 उव्वट्टति प १७१६१, ६२, ६४, ६५, १००, १०२
 से १०४ उव्वट्टेइ उ० ३१११४

उव्वट्ट (उद्वर्त) प २०११११

उव्वट्टण (उद्वर्तन) प ६११११. उ० ३१११४

उव्वट्टणया (उद्वर्तन) प ६१६, ७

उव्वट्टणा (उद्वर्तना) प ६१८, ६, ४५, ४६, ४६, ६६,
 १००, १०२, १०३, १०७, १०८

उव्वट्टिता (उद्वर्त्य) प ६१६६ उ १११४१

उव्विग्ग (उद्विग्ग) प २१२० से २७ ज ३११११,
 १२५ उ ११८६; ३१११२; ४११६

उव्विद्ध (उद्विद्ध) ज २१६५; ३१३१; ५१२८

√उव्विह (उद् + व्यध्) उव्विहइ उ ११६१

उव्वेह (उद्वेध) ज० ११२३, ५१; ४११, ३; ६, १४;
 २५, ३६, ४०, ४३, ५४, ५७, ६२, ६४, ६७, ७२,
 ७८, ८०, ८४, ८६, ८८, ९०, ९५, १०३, ११०,
 १२८, १४६, १५४, १५६, १७२, १७८, १८३,
 २०३, २१३, २२१, २२६; ७१२०७

उव्वेहलिया (दे०) प ११४८१५०

उसभ (ऋषभ) प २१४६ ज० ११३७, ५१; २११५,
 ५६, ६२, ६४ से ६७, ७३ से ८६, १०१;
 ४१६७; ५१२८

उसभकूट (ऋषभकूट) ज० ११५१; ३११३५;
 ४११७४, १७५; ६११६

उसभणाराय (ऋषभनाराच) प २३१४५, ६५

उसभसेण (ऋषभसेन) ज० २१७४

उसह (ऋषभ) ज २१६३, ६०; ४१२७

उसहकूड (ऋषभकूट) ज० ११५१, १३५; ४११७५,
 १७६

उसहच्छाया (ऋषभच्छाया) प १६१४७

उसहसंघयण (ऋषभसंहतन) ज ३१३

उसिण (उष्ण) प ११४ से ६; ५१५, ७, १२६, १५४,
 २११, २१४, २१८, २२१, २२६; ६११ से ११;
 ११५६, ६०; २८१३२, ६६, १०५; ३४११६;
 ३५११ से ३

उसिणजोणिय (उष्णघोणिक) प ६११२

उसिणोदय (उष्णोदक) प १२३

उसीरपुड (उशीरपुट) ज ४११०७

उसु (इषु) ज ३१२४, ३७, ४५, १३१ उ ११२२,
 १४०

उसुय (इषुक) उ ३१११४

√उस्सक्क (उत् + ण्वक्) उस्सक्कति
 प १७११५०, १५२

उस्सण्हसण्हिया (उत्सलक्षणश्लक्षिणका) ज २१६

उस्सप्पिणी (उत्सपिणी) प १२१७, ८, १०, १२,
 १६, २०, २७, ३२; १८३, २६, २७, ३७, ३८, ४१,
 ४३, ४५, ५६, ६४, ७७, ८३, ९०, ९५, १०७,
 १०८. ज २११, ३, ६, १३८, १६१, १६४;
 ७११०१ सू ६११; ८११; ६१२; १७११; २०१५

उस्सास (उच्छ्वास) प १११४; १७१११
 उ ५१४३

उस्सासणाम (उच्छ्वासणामन्) प २३१३८, ५५,
 ११५

उत्सासद्धा (उच्छ्वास'अद्धा') ज २।४
 उत्सासविष (उच्छ्वासविष) प १।७०
 उत्सिय (उच्छ्रित) ज ३।१८४. सू १८।३
 उत्सीसग (उच्छीर्षक) ज ५।६७
 उत्सुक्क (उच्छुत्क) ज ३।१२, १३, २८, ४१, ४६,
 ५८, ६६, ७४, १४७, १६८, २१२, २१३
 उत्सेह (उत्सेध) ज १।४०; ३।१२, ८८, १६७।११;
 ४।१०३, १७८; ५।५७, ५८ चं १० उ १।३;
 ३।१२
 उत्सेहंगुल (उत्सेधाङ्गुल) ज २।६

ऊ

ऊण (ऊन) प २।२६, २७।४; २।६४।७; ४।३, ६, ६,
 १२, १५, १८, २१, २४, २७, ३०, ३३, ३६, ३९,
 ४२, ४३, ४५, ४६, ४८, ४९, ५१, ५२, ५४, ५८, ६४,
 ६७, ७१, ७४, ७८, ८१, ८७, ९०, ९४, ९७, १००,
 १०३, १०६, १०९, ११२, ११५, ११८, १२१,
 १२४, १२७, १३०, १३३, १३६, १४२, १४५,
 १४८, १५१, १५४, १५७, १६०, १६४, १६७,
 १७०, १७३, १७६, १७९, १८२, १८५, १८८,
 १९१, १९४, १९७, २००, २०३, २०६, २०९,
 २१२, २१५, २१८, २२१, २२४, २२७, २३०,
 २३३, २३६, २३९, २४२, २४५, २४८, २५१,
 २५४, २५७, २६०, २६३, २६६, २६९, २७२,
 २७५, २७८, २८१, २८४, २८७, २९०, २९३,
 २९६, २९९; १।१०; १।५।५७; १।८।९, १०, १२,
 ५९, ६४, ७७, ८१, ८३, ८४, ८९ से ९१, ९५,
 ९६, १०८; २।१।७४; २।३।७६, १५६
 ज १।१७।१; २।८८; ४।५५, ६२; ७।२७, २९,
 ३० सू १।१४, १६, २१, २३, २४; ६।१; १।५।१८,
 १९, २९, ३४

ऊणक (ऊनक) सू १३।२

ऊणग (ऊनक) प २३।६६, ८१, ८३ से ८६, ८९,
 ९५ से ९९, १०१ से १०३, १११ से ११४,
 १५२ ज ३।२२५; १।५।२७

ऊणय (ऊनक) प २३।६१, ६४, ६८, ७३, ७५, ७७,

८८, ९०, ९२, १०४, ११७, ११८, १३४, १३५,
 १३८, १४०, १४२, १४३, १५१, १५३, १५५,
 १५७, १६०, १६१, १६४, १६६ से १६८, १७१
 से १७३ ज २।६, १२६, १२४

ऊताल (एकोनचत्वारिंशत्) सू १९।४

ऊतालीस (एकोन चत्वारिंशत्) सू २।३

ऊरु (ऊरु) उ १।१३८; ३।११४

ऊस (ऊष) प १।२०।१

ऊसय (उत्सव) उ १।७१, ७२

ऊसविय (उच्छ्रित) ज ५।२१ सू १८।८

√ऊसस (उत् + श्वस्) ऊससन्ति प ७।१ गो ३;
 १।७।२; २।८।२१, ३३, ६७

ऊसास (उच्छ्वास) प १।४८।५३ ज० २।४।१

ऊसिय (उच्छ्रित) प २।४८; १।५।५२ ज १।४२;

२।१५, १६, ५२, १६१; ३।७, ३५, १०९, १७८;

४।६, १४, ३१, ४१, ४९, ६८, ७६, ९३, २२१;

५।४३; ७।१६९, १७६, १७८ सू १८।८.

उ० ३।७

ए

एकादसम (एकादश) सू १०।१२४।२

एकावलि (एकावलि) ज ३।२११

एकासीद (एकाशीति) ज ४।११०

एकूणवीसतिम (एकोनविंशतितम) सू० १२।१६

एकक (एक) प १।४८।५४ ज १।३२ सू १०।१५७

एककग (एक) ज ७।१३१।१

एककड (इक्कट) प १।४११।१ एक तरह का
 सरकंडा जिसकी चटाई बनाई जाती है।

एककतीस (एकविंशत्) प ४।२९१ ज ४।११९
 सू २।३

एककतीसघा (एकविंशद्धा) सू १३।१४, १६, १७

एककमेक (एकैक) ज ५।१

एककवीस (एकविंशति) प ७।१९. ज २।६
 सू २।३. उ ५।१०

एककवीस (एकविंशतितम) प १०।१४।४

एककहत्तर (एकसप्तति) ज १।४८

एकानुवृत्ति (एकनवृत्ति) सू १११६

एककार (एकादश) व १०११३

एककार (एकादशन्) सू १८६

एककारस (एकादशन्) प ११०१८ ज १४८.

सू १२१६. उ ११६६

एककारस (एकादश) प १०११४२

एककारसग (एकादश) ज ७१३१२

एककारसम (एकादश) प १०११४१ ज ७१३

सू १०१७७; १३११० उ १११४, १५, २१, १४०;
३१२६

एककारसविह (एकादशविह) प १६१३, २०

एककारसी (एकादशी) ज ७१२५

एककावण (एककावणन्) प ७१६ सू १२७

एककासी (एकाशीति) सू १६१४

एककासीड (एकाशीति) ज ४११४३

एककासीत (एकाशीति) सू १६१५

एककासीतिविह (एकाशीतिविह) प ० १७१३६

एककविक्रय (एककैक) सू १६१२२८

एककूणवीतइम (एकोनविंशतितम) प १४८८६२

एककेक (एकैक) प १४८८५८ ज ७१७८१, २.

सू ८११; १६१२४४ से ६

एक (एक) प ११२० ज ११७. सू १११४

उ १११७

एकइय (एकक) प ११७५; १५४५, ४७ से ४६;

१७१३; २०११, ४, १७, १८, २२, २५, २८, २९,
३४, ३८, ३९, ४६, ५०, ५३, ५८; २२१५६; २३१६;
३४७ से ६, ११, १२, १५, १६ ज ११२२, ५०,
२१५८, ८३, १२३, १२८, १४८, १५१, १५७;
३१०, ११, ८६, ८७, १४४; ४१०१, १८४;
५१२७, ५७; ६१४ उ ११६७; ३११४, १३०,
१३१, १३४, १५१; ५१७, २६

एकओवत्त (एकतोवृत्त) प १४६

एकंत (एकान्त) ज ३१६८; ५१५, २६. सू २०१७.

उ ११५४ से ५७, ५९, ८३, ७६ से ८२, ८४

एकखुर (एकखुर) प ११६२, ६३

एकगुण (एकगुण) प ३११८२; ५१४६, १५०;

११५४, ५६, ५८, ६०; २८१७, १०, ५३, ५६

एकग (एकग) ज ५१२५

एकजडि (एकजडिन्) सू २०१८

एकजीव (एकजीव) प १४७११

एकजीविय (एकजीविका) प १४७११

एकट्ठ (एकट्ठ) सू १६१२, ४, ६

एकट्ठभाग (एकपट्टिभाग) सू ११४, १६, २०,
२१, १३

एकट्ठिय (एकट्ठियक) प १३४, ३५

एकट्ठिहा (एकपट्टिहा) सू २१३

एकणासा (एकनासा) ज ५११०१

एकतओ (एकतन्म) उ ११२५

एकतारा (एकतारा) सू १०६२

एकतिय (एकक) प ६११० सू ६११

एकतीस (एकत्रिंशत्) ज ४६२ सू १३१११

एकतोनिसहसंठिय (एकतोनिषधसंस्थित) सू ४१३

एकत्त (एकत्व) प ११८३, ८५; २२२५, २८;

२३१८, १२; २४१६; २५४४; २७१२; २८१२४;

१३०, १३१, १३६, १४३, १४५

एकदिसि (एकदिश) ज ७१८

एकपएलिय (एकप्रदेशिक) प ११४६

एकमेग (एकैक) प १०१५; १५१८३, ८४, ८६, ८४ से

६७, १००, १०३ से १०६, १०८, ११४, ११५,

११७, १३५, १४१; ३६१८ से ११, १८ से २२,

३०, ३१, ४४, ४६ ज २४; ४१६४, ११५, २६२;

६१४, १६, २१, २२; ७१३, १६, १६ से २५,

६६, ७२, ७५, ७८ से ८२, ८४, ८५, ८६, ८८ से

१००, ११४ से ११६, ११८, १३० सू ११८,

२०, २१, २३, २४, २७; २१३; ६११; १०८४, ८५,

८७, ८८, ८९, १२४; १५१२ से ४, २६ से ३४;

१८१४, २१

एकयओ (एकतन्म) ज ३११११

एकराइय (एकरात्रिक) प २१७०

एकलक्षण (एकलक्षण) सू १६१२, ४, ६

एकवउ (एकवचस्) प ११२११

एगवयण (एकवचन) प ११८६, ८७
 एगविह (एकविध) प २३, ६६, १२, १५, २२, ८३,
 ८४, ८६, २४१० से १२; २६१२, ४, ६, ८ से १०
 एगवीस (एकविंशति) प ४१२, ६१ सू २३
 एगसटिठ (एकषष्टि) ज ७७
 एगसटिठभाग (एकषष्टिभाग) ज ७१२७, २६, ३०,
 ६६, ७२, ७५
 एगसटिठभाय (एकषष्टिभाग) ज ७६५, ६६, ७१,
 ७२, ७५, ७७
 एगसटिठहा (एकषष्टिधा) ज ० ७१२१, २२, २४, २५
 एगसत्तर (एकसप्तति) ज ४१६६ सू १२१२
 एगसमइय (एकसामायिक) प ३६६०, ६७, ६८,
 ७१, ७५
 एगसमइयटिठतीय (एकसमयस्थितिक) प ५१४६,
 १४७; ११४१
 एगसमयटिठतीय (एकसमयस्थितिक) प ३३८१
 एगसाडिय (एकशटिक) ज ३६, ५१२१
 एगसिद्ध (एगसिद्ध) प ११२
 एगसेल (एकशैल) ज ४१६६, १६७
 एगसेलकूड (एकशैलकूट) ज ४१६८
 एगागार (एकाकार) प १६०, ७२, ७३, ८०, ८१,
 ८४; १३१२०; २१७२; २३५१ से ५३, ५५, ५६,
 ज ४१२५६
 एगारस (एकादशन्) ज ३१
 एगावण (एकपञ्चाशत्) ज ७१२०
 एगावलि (एकावलि) ज ७१३३
 एगावलिसंठिय (एकावलिसंस्थित) सू १०५०
 एगासीति (एकाशीति) ज ३३२
 एगाहृच्च (एगाहृत्य) उ ११२२, २५, २६, १४०
 एगाह्रिय (एकाह्रिक) ज २६, ४३; ७१२५ सू २३
 एगिदिय (एकेन्द्रिय) प ११४, ४८; ३४० से ४२, ४४,
 ४६, १४१ से १४३, १८३; ६७१, ८३, ८६, ८२,
 १००, १०२, १०७, ११२; १०३६; ११३६,
 ४१, ८०, ८४; १३१६; १५१०३; १६१२७;
 १७३६, ५६, ६०, ६२, ८७; १८१४, २०;
 २०३५; २११२ से ५, २२ से २५, ३६, ४०, ४६,

५०, ५७, ६४, ७५, ७६, ७६, ८०, ८५, ८४;
 २२१२५, ८२; २३४०, ८५, १३४, १३५, १३७
 से १४०, १४२, १४३, १५०, १५६, १५६;
 २४१३; २६१४, ५, ६; २८११२; २८१६८, ६६,
 १०२, १०६, ११२, ११५, ११६, १२३, १२६,
 १२७, १२८, १३२, १३३, १३७ से १४१, १४३;
 ३४१५, १४; ३५७; ३६१५६, ६६ ज ३१६७५,
 १७८
 एगिदियरयण (एकेन्द्रियरत्न) ज ३१७८, २२०;
 ७१२०५, २०६
 एगूणउड (एकोनवति) ज ७१४
 एगूणउति (एकोनवति) ज २१८ सू ११२७
 एगूणतालीस (एकोनचत्वारिंशत्) सू २३
 एगूणतीस (एकोनत्रिंशत्) प ४१२८५ सू २३
 एगूणवण (एकोनपञ्चाशत्) ज २४६ सू २३
 एगूणवण (एकोनपञ्चाशत्) प ४१६८
 एगूणवीस (एकोनविंशति) प ४१२५७ ज ७४
 सू ११०
 एगूणवीसइ (एकोनविंशति) ज ११८
 एगूणवीसइभाग (एकोनविंशतिभाग) ज ११२३;
 ४८१, ६०, ६८, १६६
 एगूणवीसइभाय (एकोनविंशतिभाग) ज ११८, २०,
 ४८; ४१६८, २००, २०१
 एगूणवीसति (एकोनविंशति) ज २१८
 एगूणसटिठ (एकोनषष्टि) सू १२६
 एगूणासीइ (एकोनाशीति) ज २१५६
 एगोदिय (एकेन्द्रिय) प ११५; ३४६
 एगोरुय (एकोरुक) प १८६
 एजमाण (एजमान) ज ३१०७
 एजमाण (आयत्) उ ११२२, ८६, १४०
 एजमाण (आयत्) ज ४३५, ४२, ७१, ७७, ८४
 एड (एड्) एडइ ज ३१६८ एडेंति ज ५१५
 एडेंता (एलित्वा, एडित्वा) ज ५१५
 एणी (एणी) ज ३१०६
 एत (एतद्) प ११२०

एतारूव (एतद्रूप) प १७।१२३ से १२५, १२७,
१२८, १३० से १३२, १३४, १३५
एतात्र (एतावत्) ज २।४
एतावत्त (एतावत्) सू १३।१०, १३ से १६
एत्तो (इतर) प १७।१३५ उ ३।१०१
एत्थ (अथ) प १।७४ ज १।३ चं ७ सू १।२
उ ३।४५
एमेव (एवमेव) प १।१०-१।३
एय (एतद्) प १।२६ ज ३।१०७ चं २।५ सू १।६
उ १।१७
एयारूव (एतद्रूप) प १७।१२६ ज १।११;
२।१७, १८; ३।२६, २७, ३६, ४०, ४७, ४८, ५६,
५७, ६४, ६५, ७२, ७३, १।१२, १।२२, १।२३, १।३३,
१।३४, १।३८, १।३९, १।४५, १।४६, १।८८, १।९५,
१।९७; ४।७, १।५, २६, १०७, १।४६; ५।१३, २२
उ १।१५, १।७, ३४, ४०, ४३, ५१, ५४, ६३, ६५,
७४, ७६, ७९, ८९, १०५; ३।२६, ४८, ५०, ५५,
८८, १०६, १।१८, १।२६, १।३१; ५।२३, ३।३६,
३७
एरंड (एरण्ड) प १।४२।२; १।४८।४६
एरंडवीय (एरण्डवीज) प १।१।७८
एरण्वय (ऐरण्वत) प १७।१६३ ज २।६
एरवत (ऐरवत) प १।८८
एरवय (ऐरवत) प १६।३०; १७।१६० ज ४।१०२;
५।५५; ६।९, १।३, १।९, २० सू १।१८, १।९
एरवयकूड (ऐरवतकूट) ज ४।२७५
एरावण (ऐरावण) ज ४।१४२।३, २०७, २६२;
५।१८
एरावणवाहन (ऐरावणवाहन) प २।५०
एरावतिय (ऐरावतिक) सू १।१९
एरावय (ऐरावत) ज ४।२७४, २८७
एरावयग (ऐरावतक) ज ४।२५२
एरिसय (ईदृशक) प २३।१९५, १।९९, २००
सू २०।७ उ १।१४०
एरिसिध (ईदृशक) प २३।२०१
एलग (एलक) प १।६४ ज २।३४, ३५

एलय (एलक) प १।१।१६ से २०
एलबालु (दे०) प १।४८।४८
एलबालुकी (दे०) प १।४०।१
एलापुड (एलापुट) ज ४।१०७
एलावच्छा (एलापत्था) ज ७।१२० सू १०।८८।१
एव (एव) ज १।१६ सू १।९।११ उ १।२
एवइ (एतावत्) प ३६।६०
एवइय (एतावत्) प ३६।५६, ६६, ७४
एवं (एवं) प १।६० ज १।६ चं २।५ सू १।५
उ १।४
एवंकरणया (एवंकरण) ज ३।१२६
एवंभाग (एवंभाग) सू १।९; १०।४
एवंभूय (एवंभूत) प १।६।४६
एवति (इयत्, एतावत्) प ३६।६७, ७१, ७५
एवतिय (एतावत्, इयत्) प ३६।६६, ६८, ७०, ७३
सू २।२; १।९।२।२, ३
एवमेव (एवमेव) प ३४।१९
एवामेव (एवमेव) प २८।१०५ ज १।२६ सू ३।१;
१०।१२७ उ १।६३
एसणासमिय (एषणासमित) ज २।६८ उ ३।९९
एसणिज्ज (एषणीय) उ ३।३६, ३८

ओ

ओअवण (दे० साधन, स्वायत्तीकरण) ज ४।२७७
ओइण्ण (अवतीर्ण) उ १।९०, ९१
ओगाढ (अवगाढ) प ३।१८०, १।८२; ५।१३९ से
१।४५; १०।१८ से ३०; १।१५०, ६२ से ६४,
६९।१; १।५।१।१; १।५।१२, २५; १७।१४१;
२८।५, १।२, १।३, २०, ३२, ५१, ५८, ५९, ६६
ज ७।४१, ४२, ५०, ५८
√ओगाह (अव + गाह्) ओगाहइ ज ३।२२, २६
चं ३।२ सू १।७।२ उ ३।५१ ओगाहई
प १।१०।१६ ओगाहइ ज ३।४४
ओगाहणट्ठया (अवगाहणार्थ) प ५।५, ७, १०, १२,
१४, १६, १८, २०, २४, २५, २८, ३०, ३२, ३४,
३७, ४१, ४५, ४९, ५३, ५६, ५९, ६३, ६८, ७१,

७४, ७८, ८३, ८४, ८६, ८९, ९३, ९७, १०१, १०२,
 १०४, १०५, १०७, १११, ११५, ११६, ११७,
 ११९, १२९, १३१, १३२, १३४, १३६, १३८,
 १४०, १४३, १४५, १४७, १५०, १५४, १६०,
 १६३, १६६, १६९, १७२, १७४, १७७, १७९,
 १८१, १८४, १८७, १९०, १९३, १९७, २००,
 २०३, २०७, २११, २१४, २१८, २२१, २२४,
 २२८, २३०, २३२, २३४, २३७, २३९, २४३;
 १५१२३, २६, ३१
ओगाहणसंठाण (अवगाहनासंस्थान) प १११६
ओगाहणा (अवगाहना) प ११७४, ८४; २१६४४,
 ६ से ९; ५१६९, १३२, १९५; १११७२;
 १५१२३, २६, ३०, ३१, ५८१२, ६५; २११११,
 २११३८, ४० से ४२, ४८, ६३ से ६६, ६८ से
 ७१, ७४, ८४ से ९४, १०५ उ ३१८३, १२०,
 १६१; ४१२४
ओगाहणाणामनिहत्ताउय (अवगाहनानामनिधत्ता-
 युष्क) प ६१११८
ओगाहणाणामनिहत्ताउय (अवगाहनानामनिधत्ता-
 युष्क) प ६१११२
ओगाहणानामनिहत्ताउय (अवगाहनानामनिधत्ता-
 युष्क) प ६१११९
ओगाहिऊण (अवगाह्य) ज ४१२४०
ओगाहिता (अवगाह्य) प २१२१, २२, २४ से २७,
 ३० से ३२, ४१ से ४३; १५१४३, ४५, ५२
 ज ११४६; ४१२२१; सू ११२२ उ ३५१
ओगाहिता (अवगाह्य) प २१२३, ३३, ३५, ३६
ओगिणिहत्ता (अवगृह्य) उ ११२; ३१२६; ५१२६
ओगुडिय (अवगुडित) ज २११३३
ओग्गह (अवग्रह) उ ११२; ३१२६, ९९, १३२;
 ५१२६
ओघ (ओघ) ज ५१२२ से २४
ओघमेघ (ओघमेघ) ज २११४१, १४२, १४५;
 ३१११५, ११६, १२२, १२४
ओघसण्णा (ओघसंज्ञा) प ८११, २, ३
ओघस्सर (ओघस्वर) ज ५१५०, ५२

ओचूलग (अवचूलक) ज ३११२५, १२६, १७८;
 ७११७८
ओच्छण (अवच्छन्न) ज २११२, १३; ३११२१
ओट्ठ (ओष्ठ) प २१३१, ३२ ज २१४३; ७११७८
 उ ३१११४
ओट्ठावलंविणी (ओष्ठावलम्बिनी) प १७११३४
ओणय (अवनत) ज २१६०
ओत्थय (अवस्तुत) ज ३१९, १८, ९३, १८०, २२२
ओभंजलिया (दे०) प ११५१
ओभास (अव + भास्) ओभासइ ज ४१२१०
 चं २११ सू ११६१ ओभासंति सू० ३११
 ओभासति सू ३१२ ओभासेति ज ७१४९, ५८
ओभास (अवभास) ज ११२३; २११२; ४१२०१,
 २१४, २४०, २६४, २७० सू २०१८, २०१८६
ओम (अवम) सू ९१३
ओमंथिय (दे० अवमस्तिक) उ १११५, ३५; ३१९८
ओमज्जायण (अवमज्जायन) ज ७११३२१;
 सू १०११०६
ओमत्त (अवमत्त्व) प १५१४४, ४५
ओमरत्त (अवमरात्र) सू ११११६, १७१
ओमुइत्ता (अवमुच्य) ज २१६५ उ ३१११३
ओमुय (अव + मुच्) ओमुयइ ज २१६५, २२४;
 ५१२१ उ ३१११३; ४१२०
ओमोय (दे०) ज ३१६
ओम्मिमालिणी (ओम्मिमालिनी) ज ४१२११
ओय (ओजस्) चं २१२ सू ११६१२; ६११; ९१३
ओयंमि (ओजस्विन्) ज ३१७७, १०९
 १/ ओयधर (अव + तृ) ओयधइ उ ११६७
 १/ ओयधव (दे०) ओयधइ ज ३११७५ ओयधेहि
 ज ३१७६, १२८, १५१, १७०
ओयवण (दे०, साधन, स्वायत्तीकरण)
 ज ३११२९; ४११७७
ओयवित्ता (दे० अश्रीनीकृत्य) ज ३१७१
ओयविय (दे० परिकर्मित) प २१३१ ज ४११३
 सू २०१७

ओयवेऊण (दे० स्वायत्तीकर्तृ) ज ३।८१

ओयवेत्ता (दे० अधीनीकृत्य) ज ३।७६

ओयसंठिति (ओजःसंस्थिति) सू १।६; ६।१;

६।२

ओयाय (उपयात) उ १।१४, १५, २१, १३६, १३७

ओयाहार (ओजआहार) प २।८।१०४, १०५

ओराल (दे०, उदार) प ३।४।१६, २१, २२ ज १।५;

२।६४; ३।१८५; ४।१०७ सू २०।७ उ १।४०,

४१, ४३, ४४; २।११

ओरालिय (औदारिक) प १।२।१, ३ से ५, ८, ९,

११ से १३, १५ से १७, २१, २३, २७ से २९,

३२, ३३, ३५, ३६; २।१।१, ३६, ८०, ८२, १०२,

१०४, १०५; २।३।४१ से ४४, ८६, ९२; ३।६।२

ओरालियमीसगसरीर (औदारिकमिश्रकशरीर)

प १।६।१५; ३।६।८७

ओरालियमीससरीर (औदारिकमिश्रकशरीर)

प १।६।१, ४ से ७

ओरालियमीसासरीर (औदारिकमिश्रकशरीर)

क १।६।१२ से १५; ३।६।८७

ओरालियसरीर (औदारिकशरीर) प १।२।२३, २७,

३२; १।६।१, ४ से ७, १२ से १५; २।१।२ से ५,

१६ से २५, २८ से ३२, ३६, ३८, ४० से ४२,

४८, ७६, ७७, ८५, ८८ से १००, १०४, १०५;

२।२।३७, ४४, ४५; २।८।१०४, १४१; ३।६।८७

ओरालियसरीरग (औदारिकशरीरक) प १।२।२०

ओरालियसरीरघ (औदारिकशरीरक) प १।२।७

ओरालियसरीरि (औदारिकशरीरिन्)

प २।८।२, १४१

ओरोह (अवरोध) ज ५।२२, २६

ओलंग (अवलम्ब) ज ७।१७८

ओलुग (अवसृगण) उ १।३५

ओवइय (दे०) प १।५०

ओवक्कमिया (ओपक्रमिकी) प ३।५।१।१; ३।५।१२,

१३

ओवमिय (ओपमिक) ज २।४, ५

ओवम्म (ओपम्य) प २।६।४।८

ओवम्मसच्च (ओपम्यसत्य) प १।१।३३।१,

१।१।३३

✓ओवय (अव + पत्) ओवयन्ति ज ५।५७

ओयवमाण (अवपतत्) ज ५।४४

ओववाइय (ओपपातिक) ज २।८३; ५।५७

ओवाय (अवपात) ज २।३८

ओवासंतर (अवकाशान्तर) प १।५।५।१

ओविय (दे०) ज ३।६, २४; ५।२१, २८

✓ओसक्क (अव + ण्वक्) ओसक्कति

प १।७।१५२, १५५

ओसक्कइत्ता (अवण्वण्य) सू १।०।१४८

ओसण्ण (अवसन्) प ८।४, ६, ८, १०; २।८।२०,

२६, ३२, ६६ ज २।१३३, १३५ से १३७

उ ३।१२०

ओसण्णविहारि (अवसन्निविहारिन्) उ ३।१२०

ओसत्त (अवसत्त) प २।३०, ३१, ४१

ज ३।७, ८८

ओसधि (ओपधि) प १।३३।१, १।४५ ज २।१३१,

१४४ से १४६; ३।१३३, २०६, २११; ५।५५,

५६

ओसप्पिणी (अवसप्पिणी) प १।२।७, ८, १०, १२, १६,

२०, २७, ३२; १।८।३, २६, २७, ३७, ३८, ४१, ४३,

४५, ५६, ६४, ७७, ८३, ९०, ९५, १०७, १०८

ज २।१, २, ६, ७, ५२, ५६, १३५।१ सू ८।१; ६।२;

१।७।१; २।०।५

ओसरित्ता (अपसृत्य) ज ५।५८

ओसह (ओषध) उ ३।१०१

ओसही (ओषधी) ज ४।२००।१ नगरी का नाम

ओसा (दे०) प १।२३

ओसारिय (उत्सारित) उ १।१३८

ओसोवणी (अवस्वापिणी) ज ५।४६, ६७

ओहय (उपहत, अवहत) ज ३।१०५, १०६, २२१

उ १।१५, ३५, ४१ से ४४, ७१; ३।६८

ओहस्सर (ओषस्वर) ज २।१६; ५।५१

ओहडिय (अवघटित) ज १।२४

ओहारिणी (अवधारिणी) प ११११ से ३
 ओहि (अवधि) प १११७; १७१०६ से १०८,
 ११०; ३३१११; ३३११ से १३, १५ से १६,
 २६, २७, ३५ ज २१६०, ६३; ३१२, ५६, ८८,
 ११३, १४५; ५१३; ७१२१, ५८ उ ३१७, ६१
 ओहिणाण (अवधिज्ञान) प ५१५, ७; २४, ४१, ४६,
 ६७, ११५; १७११२, ११३; २०११७, १८, ३४;
 २८१३६; २६१२, ६, १७, १६; ३०१२, ६
 ओहिणाणारिय (अवधिज्ञानार्य) प ११६६
 ओहिणाणि (अवधिज्ञानिन्) प ३१०१, १०३;
 ५१४३, ६६ मे ६६, ११४ से ११७; १३११४;
 १८१८०; २८१३६; ३०११६ ज २१७६
 ओहिदंसण (अवधिदर्शन) प ५१५, ७, ४५, ६७;
 २६१३, ७, १७, १६; ३०१३, ७
 ओहिदंसणावरण (अवधिदर्शनावरण) प २३११४
 ओहिदंसणि (अवधिदर्शनिन्) प ३१०४; ५१४७,
 ६६, ११७; १८१८७; ३०११६
 ओहिनाणपरिणाम (अवधिज्ञानपरिणाम)
 प १३१६
 ओहिनिगर (अवधिनिकर) ज ३११२, ८८
 ओहिय (औषिक) प २१३४, ३७, ४२, ४३, ५०;
 ४१५५, ६८, ७५, ६१; ६१७३, ७४; १११८२, ८३;
 १२१२६, २८, २६, ३२ से ३४, ३६; १५११८,
 १६, ३०; १७१२८ से ३०, ३२, ३३, ३५, ५८,
 ६०, ६२, ६३; २११३१, ३६, ४२, ४४ से ४७,
 ६१, ७०; २२१२४; २३११७६, १८१, १८५, १६०;
 २६११५

क

क (किम्) प १११ ज १४५ सू १६ उ १४
 कइ (कति) प १५१५३; १८१४१, २२१४०, ४१,
 ६०; २५१४ ज ११३४; ४२१४ चं २११, ३
 सू १६११, ३ उ १६; २११; ४१
 कइविह (कतिविह) प १६११; २११७, १३; ३०१२
 ज २१५; ७११०४, १०५, १११ से ११३
 कइरसार (करीरसार) प १७११२५

कओ (कुतस्) प ६१८२, ६३; १११३०१
 ज ७१३१
 कंक (कङ्क) प ११७६ ज २१३७
 कंकगहणी (कङ्कग्रहणी) ज २११६
 कंकडग (कंकटक) ज ३१३५, १७८
 कंकण (कङ्कण) उ ३११४
 कंकावंस (दे०) प १४११२
 कंगु (कङ्गु) प १४५१२ ज २१३७; ३१११६
 कंगुया (कंगू) प १४०१२
 कंचण (काञ्चन) ज ११३७; २११५, ७०; ३११२,
 २४, ३५, ८८, १०६, ११७; ५१५८; ७१७८
 कंचणकूट (काञ्चनकूट) ज ४१२०४१
 कंचणकोसी (काञ्चनकोशी) ज ३११७८
 कंचणग (काञ्चनक) ज ४१४२१
 कंचणगपर्ववय (काञ्चनकपर्वत) ज ४१४२;
 ६११०
 कंचणपुर (काञ्चनपुर) प ११६३१
 कंटक (कण्टक) ज ४१२७
 कंटकबहुल (कण्टकबहुल) ज १११८
 कंटग (कण्टक) ज २१३६
 कंटय (कण्टक) ज ३१२२१
 कंठ (कण्ठ) ज ५१५६; ७१७८
 कंठाणुवादिणी (कण्ठाणुवादिनी) सू ६१४
 कंड (काण्ड) प २१४१ से ४३, ४६
 कंडावेनु (कण्डावेनु) प १४११२
 कंडुइय (कण्डूयित) ज ११३३
 कंडुवक (कंडुक) प १४८१५०, ६२ भिलावा, तमाल
 कंडुरिया (कंडुर) प १४८१२ एक तरह का सरकंडा
 कंत (कान्त) प २१४१; २८१०५ ज २१५, ६४,
 ६५; ३१६२, ११६, १८५; २०६; ५१२८, ५८
 सू २०१४ उ १४१, ४४; ३११२२, १२८; ५१२२
 कंततर (कान्ततर) ज २११८; ४१०७
 कंततरिय (कान्ततरक) प १७११२६, १२७, १३३
 से १३५ ज २१७
 कंतत्त (कान्तत्व) प ३४१२०
 कंतयरिय (कान्ततरक) प १७११२८

कतस्वरता (कान्तस्वरता) प २३१६
 कन्ति (कान्ति) ज २१६५; ३१६६, २०४
 कन्द (कन्द) प १३५, ३६, ४८१, ११, २१, ३१, ३५,
 ६१, ११०१, १२८ ज ४७ उ ३५०, ५१, ५३
 कन्दप्य (कन्दर्प) प २१४१
 कन्दप्यि (कान्दप्यिक) प २०६१ ज ३१७८
 कन्दमाण (कन्दत्) उ १६२; ३१३०
 कन्दमूल (कन्दमूल) प १४८१, ६१
 कन्दर (कन्दर) ज २१६५; ३१३५
 कन्दल (कन्दल) ज ३१३५
 कन्दलग (कन्दलक) प १६३
 कन्दलि (कन्दली) प १३७२, १४३१
 कन्दली (कन्द) (कन्दलीकन्द) प १४८१४३
 कन्दलीयम् (कन्दलीस्तम्भ) प ११७५
 कन्दाहार (कन्दाहार) उ ३५०
 कन्दित (कन्दित) प २१४१
 कन्दिय (कन्दित) प २१४७१
 कन्दु (कन्दु) उ ३५०
 कन्दुवक (कन्दुक) व १४८५०
 कण (कम्पन) ज ३१३५
 कणिल (काम्पिल) प १६३२
 कम्बल (कम्बल) प १५११२, १५५१
 कम्बु (कम्बु) प १४८३
 कम्भ (कांस्य) प ११२५ ज २२४, ६६ सू २०८
 कम्भनाभ (कम्भनाभ) सू २०८; २०८३
 कम्भताल (कांस्यताल) ज ३१२१
 कम्भवर्णाभ (कांस्यवर्णाभ) सू २०८
 कम्भोय (कम्भोय) प ११२५
 ककुह (ककुह) ज ७१७८
 ककस (ककस) उ ३१६८
 कककेयण (ककतेन) ज ३३५, १०६
 कककोडइ (ककोटकी) प १४०१२
 ककल (कक्ष) ज ० २१५ उ ० ३१६८
 ककलन्तर (कक्षान्तर) उ ४११
 ककलड (ककलट) प १४ से ६; २१२० से २७;
 ३१६२; ५१५, ७, २०६ से २०८; १३१६;

१५१४, १६, २७, २८, ३२, ३३; २३५०; २८६,
 १०, २०, ३२, ५५, ५६, ६६
 कक्कायण (काक्कायण) ज ७१३२१४
 सू १०११७
 कक्क (कक्ष) ज ४१२४८
 कक्क (कक्क) ज ३१६१; ४१६२११, १६७, १७२१,
 १७७, १७८, १८१, १८४, १८७, १९०, २००;
 ७१७८
 कक्ककूड (कक्ककूट) ज ४१६३, १६४, १८०
 कक्कगावइ (कक्कगावती) ज ४१८५ से १८६
 कक्कगावइकूट (कक्कगावतीकूट) ज ४१८७
 कक्कगावती (कक्कगावती) ज ४१८७
 कक्कभ (कक्कभ) प १५५, ५७ ज २१३४;
 ४३, २५ सू २०१२
 कक्कभी (कक्कभी) ज ३३३
 कक्कविजय (कक्कविजय) ज ४१६३, १६६, १६६
 कक्का (कक्षा) वराही नामक पीधा, भीगुर
 प १४६; १४८६२
 कक्कु (कक्कु) ज २१३३
 कक्कुल (कक्कुल) प १३८२
 कक्कुरी (कक्कुरी) प १३७१
 कज्ज (कृ) कज्जइ प २२१०, १५, १६, १८, ४८,
 ५०, ५२, ६७ से ६६, ७२, ८२, ६१ से ६३, ६८,
 ६६ ज ७५२, ५३ कज्जति प ७१११, २२,
 २३, २५; २२५१, ७१, ७३, ७४ कज्जति
 प ७१२५; २२६, ११ से १४, १७, १६, ४८ से
 ५०, ५२ से ५६, ६१ से ६५, ६७ से ६६, ७१
 से ७४, ७६ से ७६, ८१, ८१, ८४, ८७ से ८६
 कज्ज (कार्य) सू १०१२० उ ३१११, ५१, ५६
 कज्जल (कज्जल) प १७१२३
 कज्जलपभा (कज्जलप्रभा) ज ४१५५१२,
 २२३१
 कज्जोवय (कार्योपग) ज ७१८६१२ सू २०८;
 २०८२
 कट्टु (कृत्वा) प ११७० ज २१६४ सू १२०,
 २१ उ ११७

कट्ठ (काठ) प १४८।३० से ३७ ज २।६५,
६६,६८,१३१;३।६८;५।५,१४ से १६
उ ३।५०,५१

कट्ठपाउयार (काठपादुकाकार) प १।६७
कट्ठमुद्दा (काठमुद्दा) उ ३।५५,५६,६३,६४,६७,
६८,७०,७१,७३,७४,७६

कट्ठसेज्जा (काठशय्या) उ ५।४३
कट्ठा (काष्ठा) सू १।६।३;१।६।१ से ३
कट्ठाहार (काष्ठाहार) प १।५०

कड (कृत) प २०।३६;२३।१३ से २३ ज १।१३,
३०,३३,३६;२।७१;४।२ सू १।२।२ से ६,१०
से १२ उ १।२७,१४०

कडक्ख (कटाक्ष) ज ७।१७८

कडग (कटक) प २।३० ज ३।६,६,१७,२६,३६,
४७,५६,६४,७२,६७,१०६,१३३,१३५,१३८,
१४५,१५०,१६१,२११,२२२;५।२१;५८
उ ५।५

कडय (कटक) प २।३१,४१,४६ ज १।६;३।६५,
१५६;४।६

कडाह (कटाह) प १।४८।४६ कटाहवृक्ष

कडि (कटि) ज ३।१७८;७।१७८ उ ३।११४

कडिसुत्त (कटिसूत्र) ज ३।६,२२२

कडुगत्तुंभी (कटुकुतुम्बी) प १।७।१३०

कडुगत्तुंभीफल (कटुकुतुम्बीफल) प १।७।१३०

कडुच्छुग (दे०) ज १।४०;४।१३६,२४२

कडुच्छुय (दे०) ज ३।११,१२,८८;४।२१६;
५।५५,५७,५८ उ ३।५०,५५

कडुय (कटुक) प १।४ से ६;५।५,७,२०५;
२८।२०,३२,६६, ज २।१४५;७।११२।२
सू १०।१२६।२

कडिण (कठिन) उ ३।५०

कण (कण) सू २०।८

कणहर (करवीर) प १।३८।१ ज २।१०
कर्णिकार का पेड

कणकण (कणकण) ज ५।२४

कणकणय (कणकणक) सू २०।८

कणग (दे०) ज ३।३५ बाण

कणग (कनक) प १।५१; २।४०।८,६;२।४८
ज १।५,१६,३८; २।१५,६४,६८,६६; ३।६,
२४,३५,५६,८१,१४५,१७८,२११,२२२;
४।१०,११५; ४।२१०।१,२१७; ५।५८;
७।१७८

कणगमय (कनकमय) ज ३।१६७।१२

कणगरयणदंड (कनकरत्नदण्ड) ज ३।१०६

कणगसणाम (कनकसणामन्) ज ७।१८६।१
सू २०।८।१

कणगामई (कनकावती) ज ४।७,१५,२४५

कणगामय (कनकमय) ज १।४६;३।१०६,१६७;
४।१,११०,१५६

कणगावलि (कनकावलि) ज ३।२११

कणय (कनक) प १।४१।२ पलाश, धतूरा

कणय (दे०) ज ३।३१

कणय (दे०) सू २०।८ एक ग्रह का नाम

कणयर्द्धियार (कनकदण्डिकार) ज ३।३५

कणयमय (कनकमय) ज १।४६।१

कणवितानय (कनकवितानक) सू २०।८ ग्रह का
नाम

कणसंतानय (कनकसंतानक) सू २०।८ ग्रह का
नाम

कणवीर (करवीर^१) ज २।१५;३।१२,८८;५।५८

कणिकामच्छ (कणिकामत्स्य) प १।५६

कणीयस (कनीयस्) उ १।६५

कण (कर्ण) ज २।४३,६४;५।२६,३८;७।१७८
उ ३।१०२

कणकला (कर्णकला) सू १।८।१;२।२

कणगा (कण्यका) उ ५।१३,२५

कणत्तिय (दे०) प १।७८

कणपाउरण (कर्णप्रावरण) प १।८६

१. हे० १।२५३

कण्णपीठ (कर्णपीठ) प २।३०, ३१, ४१, ४६

कण्णमूल (कर्णमूल) ज ५।१६

कण्णा (कन्या) ज ३।३२

कण्णायत (कर्णायत) ज ३।२४, १३१

कण्णायय (कर्णायय) उ १।२२, १४०

कर्णिगा (कर्णिका) ज ४।७

कर्णिग्या (कर्णिका) प १।४८।४५ ज ३।११७;

४।८, १५, १६

कर्णिग्यारकुमुम (कर्णिकारकुमुम) प १।७।१२७

कर्णिगायण (कर्णिलायन) सू १०।६५

कर्णिगल (कर्णिल) ज ७।१३२।१

कण्ह (कृष्ण) प १।४४।३; १।४८।७, १।६३।६;

२।२०, १।७।२६, ५६ से ६६, ७१ से ७६, ८१

से ८७, ९४, १०० से १०४, १०६, १०८, ११२,

१६६, १६७, १६८ से १७२ उ १।७; ५।६, १५,

१७ से १६

कण्ह (कल्ली) (कृष्णकल्ली) प १।४०।३

कण्हकंदय (कृष्णकंदक) प १।७।१३०

कण्हकडबु (दे०) प १।४८।३

कण्हलेस (कृष्णलेश्य) प १।३।१५; १।७।८३, ८२,

९४, ९५, १०३, १०४, १०७, १०८, १२१, १२६,

१७०, १७२; १।८।६६; २।३।१६५, २००

कण्हलेसट्ठाण (कृष्णलेश्यास्थान) प १।७।१४६

कण्हलेसा (कृष्णलेश्या) प १।७।१२१; २।८।१२३

कण्हलेस (कृष्णलेश्य) प १।३।१४, १६

कण्हलेसट्ठाण (कृष्णलेश्यास्थान) प १।७।१४६

कण्हलेस्सा (कृष्णलेश्या) प १।३।१४, १६; १।६।४६,

५०; १।७।३६, ३८, ३९, ४१, ४३, ४७, ५०, ८२,

११४ से ११६, ११८, १२१, १२३, १३०, १३६

से १४५, १४७ से १५०, १५६ से १६४

कण्हलेसापरिणाम (कृष्णलेश्यापरिणाम) प १।३।६

कण्हसप्प (कृष्णसर्प) प १।७० सू २०।२

कत्त (कृत) प २।८।१०५; ३।४।१६ सू २०।७

कत्तर (कतर) प ३।३८ से ४८, ५० से १२०, १२२

से १२४, १७४, १७६ से १८२; ६।१२३; ८।५,

७, ९, ११; ६।१२, १६, २५; १०।३ से ५, २६,

२८, २९; ११।७६, ८०; १५।१३, १६, २६, २८,

३१, ३३, ६४; १।७।५६ से ६६, ७१ से ७६, ७८

से ८३, १४५, १४६; २०।६४; २१।१०४, १०५;

२८।४१, ४४, ७०; ३।४।२५; ३।६।३५ से ३७, ३९

से ४१, ४८, ४९ सू १।३।६, ८, १०, १३; १।८।७,

३७

कत्ति (कति) प ६।१२०, १२१; ८।१ से ३, १०।१

, १५; ११।३०।१; ११।४२, ८८; १२।१ से ५;

१४।१ से ३, ५, ११ से १४, १७; १५।१।१,

१५।१, १२, १७, १९, २०, २५, ३०, ५४, ५६,

५७, ७७ से ८०, १३३, १३४; १।७।३६ से

४०, ११२ से ११४, १२६, १३६, १३७,

१४७, १५६, १५७, १५८ से १६१, १६३;

२१।१, ६५, ६६; २२।१, २१ से २३, २६, २७,

२९, ३०, ३२ से ३६, ४२ से ४७, ५७, ६६, ८३,

८४, ८६, ८७, ८८, ९०; २३।१।१, २३।१, २, ६, ७,

२४; २४।१ से ५, १० से १५; २५।१, २, ५;

२६।१ से ४, ८, ९; २७।१ से ३, ५, ६; २८।३।१;

३६।१, ४ से ७, ४२, ४३, ५३, ५४, ५८, ६२ से

६४, ७७, ७८ ज १।१५, ४।२६० चं २।३, ५

सू १।६।३, १।६।१ से ३; १०।८ से १६, ६३ से

७४, ७६; १२।१; १३।४, ५, १५ से ३७; १८।१४

से १७; १९।१

कत्तिपएसिय (कतिप्रदेशिक) प १५।११, २४

कत्तिपदेसिय (कतिप्रदेशिक) प १।७।१४०

कत्तिप्पगार (कतिप्रकार) प ११।३०।१

कत्तिभाग (कतिभाग) प २।८।११, २।८।२२, ३४, ३६

६८

कत्तिभागावसेसाउय (कतिभागावशेषायुष्क)

प ६।११४ से ११६

कत्तिविध (कतिविध) प ६।११८; १।७।१३६

कत्तिविह (कतिविध) प ५।१, १२३ से १२५;

६।११६; ६।१, १३, २०, २६; ११।३१ से ३७,

७३, ८६; १३।१ से १३, २१ से ३१; १४।७, ९;

१५।५८ से ६०, ६२, ६३, ६५ से ७४, ७६;

१६१२,३,१७,१६,२०;२०६२; २११२ से ६;
 ८ से १२,१४,१५,१६,२०,४६,७२,७५ से
 ७७,६४;२२१२ से ६; २३१११,२३११३ से
 २३,२५ से ४७,५७ से ५६;२६११ से ३,५ से
 ७,६,१०,१२,१३;३०११,३,५ से ११,१३;
 ३३११;३४११७;३५११,४,६,८,१०,१२,१६
 ज २११ से ३;४१२५४,२५५ सू १०१२६;
 २०१३
 कतिसमइय (कतिसामयिक) प १५१६१; ३६१२,
 ३,८४,८५
 कतो (कुतस्) प० ६१७० सू ४१४
 कतिई (कार्तिकी) ज ७११४०,१४४,१४६
 सू १०१२६
 कत्तिगी (कार्तिकी) ज ७११३७,१५५
 कत्तिम (कृत्रिम) ज २११२२,१२७;४११००,१७०
 कत्तिय (कार्तिक) ज ७११०४,११३११,१३७
 उ ३११३,४०
 कत्तिया (कृत्तिका) ज० ७११२८,१२६,१३६,
 १४०,१४४,१४६,१५६,१६० सू १०११ से ६,
 ११,२३,३६,६२,६६,६७,७५,८३,१०१;१२०,
 १२४,१३१ से १३३;१२१२८
 कत्तिया (कार्तिकी) सू १०१७,११,२३,२६
 कतो (कुतस्) प ६१११;६१७५,७८,८०,८१,८७,
 ६०,६४,६६ ज ३११२७
 कत्थ (कुत्र) प २१६४१२
 कत्थइ (कुवचित्) ज २१६६ सू २०१७
 कत्थुल (कस्तुल) ज २११०
 कदलीथंभ (कदलीस्तंभ) प १११७५
 कहम (कर्म) ज० ३११०६ उ १११३६
 कदुहुइया (दे०) प ११४०१२
 कथं (कथं) सू १६१२४
 कप (कल्प) प० २११,४,१०,१३,५० से ५६,
 ५६१२;२१६०,६३;३१२६ से ३६,१८३;४१२१३
 से २४०,२४३,२४६,२५८,२६४;६१२८,६५,
 ६८,१०६;२०१६१;२११७०,६१,६२;३०१२६;
 २०१८१

३४११६,१८ ज ५११८,२४ से २६,४४,४६
 उ २१२०,२२;३१६०,१२०;१५६,१६१;४१५,
 २४,२८
 ✓कप्प (कृप्) —कप्पइ उ ३१५०;४१२२ —
 कप्पेति ज ५११३,१८,२४,२५
 ✓कप्प (कल्पय्) कप्पेह उ ५११८
 कप्पकार (कल्पकार) ज ३१११७
 कप्पणा (कल्पना) ज ३१३५
 कप्पणी (कल्पनी) ज ३१३१
 कप्पणिकप्पिय (कल्पनीकल्पित) उ ११४६
 कप्पलक्ख (कल्पवृक्ष,कल्परूक्ष) ज ३१६,२११,२२२
 कप्पलक्खण (कल्परूक्षक) ज ५१५८
 कप्पवडिसिया (कल्पावतंसिका) उ ११५;२११ से
 ३,१४,१५,२१;३११
 कप्पाईय (कल्पातीत) प १११३८
 कप्पातीत (कल्पातीत) प १११३४;२११५५,७१
 कप्पातीतग (कल्पातीतक) प ६१८५,६२
 कप्पातीय (कल्पातीत) प १११३६;२११६२
 कप्पासट्ठिसमिजिया (कार्पासास्थिसमिजिका)
 प ११५०
 कप्पासिय (कार्पासिक) प ११६६
 कप्पिद (कल्पेन्द्र) प १५१५५१२
 कप्पिय (कल्पित) ज ३१६,२२२
 कप्परपुड (कर्पूरपुट) ज ४११०७
 कप्पेत्ता (कल्पयित्वा) ज ५११२
 कप्पेमाण (कल्पमान) ज १११३४
 कप्पोवग (कल्पोपग) प १११३४,१३५; ६१८५,
 ८६,६५;२११५५
 कप्पोववण्णग (कल्पोपपन्नक) ज ७१५५ सू १६१२३
 २६
 कबंघ (कवन्ध) उ १११३६
 कबंघ (कबंट) प ११७४ ज २१२२,१३१;३११८,
 ३१, १८०,१८५,२०६,२२१ उ ३११०१
 कन्बडय (कबंटक) ज ७११८६१२ सू २०१८,
 २०१८१

कम (कम) ज ३३१, १०६, २१७; ४१२०२; ७१३०

सू १६१२२१४

√कम (कम्) कमइ ज २१६; ४१२०२; ७१३०

कमंडलु (कमण्डलु) ज २११५ उ ३५१११

कमल (कमल) ज २११५; ३३३, ६, १८८, २०६,

२१०; ५१२१, ५६ उ १११५, ३५; ३१६८

कमलमाला (कमलमाला) उ ११३५

कमलागर (कमलाकर) ज ३१६८

कमलामेख (कमलामेल) ज ३१०६

कम्म (कर्मन्) प १११६; २१६४११; ३११७४;

११८६; १७१११; १७१६८; २०३६;

२११०२; २२२२६, २७; २३३३, ६, ७, ६ मे ११,

१३ से २३, २५, २६, २६ से ४१, ४७, ४८, ५७

से ६४, ६६, ६८, ६९, ७३ से ७७, ८१, ८३, ८५

से ६०, ६२, ६३, ६५ से ६६, १०१ से १०४,

१११ से ११४, ११६ से ११८, १२७, २३०,

१३१, १३३ से १३५, १३७, १३८, १४२, १४३,

१५५, १६१, १६५, १६७, १७१, १७६, १७७,

१८२, १८३, १८७, १८९ से २०१; २४२ से ५,

११, १२, १४; २५१२, ४, ५; २६२ से ४, ८, ६;

२७२, ३, ६; ३६१८, ८३१, ३६१८ ज ११३,

३०, ३३, ३६; २५११, ५४, ६४, ७०, १२१, १२६,

१३०, १३८, १४०, १४६, १५४, १६०, १६३;

३१३२२, ३५, १२५, १६७७, १७८, २११, २२३;

४१२; ७१११२३ सू १०१२६१३; २०११, २;

२०६१३, ५ उ ११२७, १४०

कम्मस (कर्माश) प ३६१८२, ६२

कम्मकर (कर्मकर) ज ३१७८

कम्मखंध (कर्मस्कन्ध) प ३६१६२

कम्मग (कर्मक) प १२११४, २१, २६, २६; २११६६,

१०५; २३१४१, ४३, ४४; ३६१६२

कम्मगर (कर्मकर) ज ५१५ ७

कम्मगसरीर (कर्मकसरीर) प १२११०; १६११५,

१८, २१; २११६४, १०० १०३ से १०५; ३६१८७

कम्मगसरीर (कर्मकसरीरिन्) प २८१४१

कम्मपणडि (कर्मप्रकृति) प १४१११ से १४, १७;

२२२१ से २३, २८, ८३, ८४, ८६, ८७, ८६,

६०; २३११ से ५, २४; २४११ से ५, १० से १५;

२५११, २, ४, ५; २६११ से ४, ८, ६; २७११ से ३,

५, ६

कम्मवीय (कर्मवीज) प ३६१६४

कम्मभूमग (कर्मभूमिक) प १८५, ८८, १२६;

६१७२, ८४ ६७, ६८, ११३; २११५४, ७२

कम्मभूमग (कर्मभूमिज) प २३१२००

कम्मभूमगपलिभागि (कर्मभूमिकपरिभागिन्)

प २३१६६, १६६ से २०१

कम्मभूमय (कर्मभूमज) प ६१७६; १७१५६, १६१,

१७१; २३१६६, १६६

कम्मभूमि (कर्मभूमि) प १७४, ८४; २१७, २६

कम्मभूमिग (कर्मभूमिज) प २३१२०१

कम्मय (कर्मक) प १२११ से ५, ३५, ३६; २१११

कम्मवेदय (कर्मवेदक) प १११६

कम्मसरीर (कर्मसरीर) प १२१८

कम्मा (कर्मक) प १२१२५; २१११०२

कम्मार (कर्मार) ज २१२६

कम्मरिय (कर्मार्य) प ११६२, ६६

कम्मासरीर (कर्मकसरीर) प १६१ से ८, १० से

१५, १६

कम्मिया (कर्मािकी) उ १४११, ४३

कम्हा (कस्मात्) ज ७३८

कथ (कृत) प २१३०, ३१, ४१ ज ३१६, १८, ५८,

६६, ७२, ७४, ७७, ८१, ८२, ८५, ८२, ८३,

११७१, ११६ १२१, १२५, १४७, १८० २२१,

२२२, २२६; ५१२६, ५६ उ ११६, ७०, ८८,

६२, १२१; ३१४८, ५०, ५१, ५६, ११०; ५११७

कथंज (कदम्ब) प १३६१३

कयकज (कृतकार्य) सू २०७

कयगह (कचग्रह) ज ३१२, ८८; ५१७, ५८

कयत्थ (कृतार्थ) ज ५५५, ४६ उ १३४

कयपुण (कृतपुण्य) उ १३४

कयमाल (कृतमाल) ज २।८; ३।७१ से ७४, ७६,
८४

कयमालक (कृतमालक) ज ३।७१, १५०

कयमालय (कृतमालक) ज १।२४, ४६; ६।१६

कयर (कतर) प ३।४६; १।७।१४४; २२।१०१;
३६।३८ ज ७।१२६, १७५, १८०, १८१, १६७

सू १०।२ से ४, ७५, ७७, १३३ से १३५;

१८।१८, १६

कयलखण (कृतलक्षण) उ १।३४

कयलीखंभ (कदलीस्तंभ) ज २।१५

कयलीहर (कदलीगृह) ज ५।१४

कयलीहरम (कदलीगृहक) ज ५।१३

कयवर (कचवर) ज २।३६; ५।५

कयविहव (कृतविभव) उ १।३४

कया (कदा) ज ७।१२५ चं २।४ सू १।६।४; १।४।१

कयाइ (कदाचित्) ज १।४७; ३।४, ८३, १०४,
१५४, १७२, १८८, २२२, २२६; ४।२२, ५४,

१०२ उ १।१४; ३।४६; ४।२१; ५।१३

कयाइं (कदाचित्) उ २।८

कर (कृ) अकासी ज २।८४ करवाणि ज ३।३२।१

करिस्सामि ज २।६; ५।४६ करिस्सामो

ज ५।५, ७ करेइ प १।७४; ३६।८८ ज १।६;

२।६५, ६०; ३।५, ६, १२, १८ १६, ३१, ३२।२,

४६, ५२, ५३ ६१, ६२ ६६, ७०, ८८, ९५, १००,

१३१, १३७, १४१ १४२, १५६, १६४, १६५,

१८०, १८१, २२४; ५।२१, २६, ४४, ४६ ४८

सू २।१ उ १।१६; ३।५१; ४।१३ करेति

प १।८४; ६।११०, २०।६ से ८; ३४।१६, २१

से २४ ज १।२२, २७, ५०; २।१०, ५८, १००,

११५, ११६, ११८, १२०, १२३, १२८; ३।१३,

२८, ४२, ४७, ५० ५६, ६७, ७५, ८२, ११६, १३६,

१४८, १६६, १८४, २११; ४।१०१, १६६, १७१;

५।५, ७, १४, १६, ४६, ५७, ६०, ६६, ७४

सू २।१ उ १।६३ करेज्जा प २०।१ से ४, १८,

४०, ४४, ४६, ४८ ज ५।७, करेति प १।७१;

१६।५०; ३६।८२।१ ३६।८५, ८२ ज २।६६,

११७ करेमि ज २।६०; ३।२६, ३६, ४७, ५६

१३३, १४५; ५।२२ उ १।४२ करेमी

ज ३।११३, ११५, १३८; ५।३ करेसि उ ३।७६

करेस्सामी उ ३।२६ करेह ज २।१४; ३।७,

१२, २८, ४१, ४६, ५८, ६१, ६६, ७४, १४७, १६८

करेहि ज ३।१८, १६, ३१, ५२, ६६, ६६, १४१,

१६४, १८० सू ३।१०३ करेहिइ उ ३।२१

करेहिहि ज २।१५१, १५७ उ ३।१२६ काहिइ

उ १।४१; ३।८६ कीरइ उ ५।४३

कर (कर) ज २।१५, ७१; ३।३, १३८ उ १।१३६

करंज (करञ्ज) प १।३५।१ कंजा जिसके फल

आदि दवा के काम आते हैं

करंडग (करण्डक) उ ३।१२८

करंडुग (दे०) ज २।१६

करंत (कुर्वत्) उ १।८८, ८२

करकर (करकर, अकरकरा) प १।४२।२; १।४८।४६

अकरकरा

करकरय (करकरक) सू २०।८।६

करकरिय (करकरिक) सू २०।८

करण (करण) ज १।१३८; ३।३२ १२६, २०६;

५।५; ७।१२३ से १२६

करतल (करतल) ज ३।२०६

करघाण (करधमान) ज ३।३१

करमह (करमर्द) प १।३७।४ कर्गैदा, आंवावा

करय (करक) प १।२३

करयल (करतल) ज ३।५, ६, ८, १२, १६, २६, ३६,

४७, ५३, ५६, ६२ ६४, ७०, ७२, ७७, ८४, ८८,

९०, १००, १०५, ११४, १२६, १३३, १३८ १४२,

१४५, १५१, १५७ १६५, १८१, १८६, २०५,

२०६; ५।१७, २१, ४६, ५८ उ १।१५, ३५,

३६, ४५, ५५, ५७, ५८, ६१, ६२, ८०, ८२, ८३

८६, ८७, ८८, १०७, १०८, ११६, ११८, १२२;

३।६८, १०६, ११४, १३८, १४८; ४।१५; ५।१७

करयलपुड (करतलपुट) ज ५।१४, १७, ६० ६६

करिय (कृत्वा) ज ५।५८

करित्तए (कर्तुम्) प २८१०५ ज ५१२२
 करीर (करीर) प १३७१४ कगील
 करैत (कुर्वत्) ज २१६५
 करैत्तए (कर्तुम्) प ३४११६, २१ से २४ ज २१६०
 उ ३१११५
 करेत्ता (कृत्वा) प ३६१६२ ज ११६ सू २११
 उ १११६; ३१७; ४१३
 करेभाण (कुर्वत्) ज २१६५, ७८; ३१२२, २८, ३१,
 ३२, ३४ से ३६, ५४, ७८, ८६, ६३, ६६, १०२
 १०६, १११, ११३, १३७, १४३, १५६, १६२,
 १६३, १८०, २०४ से २०६, २०८, २०९, २२३
 उ ११२२, ६५, ६६, ७१, ६४, १११, ११२, १३८,
 १४०; ३१५०
 कल (कल) प १४५११ ज २१३७ सालवृक्ष
 कलंकलीभाव (कलंकलीभाव) प २१६४
 कलंबुया (कदम्बक) प १४६; १५१२, १८ सू ४१३,
 ४, ६, ७, ८; १६१२२२, १५; १६१२३
 कलकल (कलकल) ज २१६५; ३१२२, ३६, ७८, ६३,
 ६६, १०६, १६३, १८०; ७१५५, १७८ सू १६१२३
 उ ११३८
 कलकुसुम (कलकुसुम) प १७११२५
 कलताल (कलताल) ज ३१३१
 कलस (कलश) प २१३०, ३१ ४१ ज २११५;
 ३१७८, २०६; ४१२८; ५१५६ से ५८
 उ ३१५१, ५६
 कलह (कलह) प २१४१; २२१२० ज २१४२, १३३
 कलहंस (कलहंस) प ११७६ ज २११२
 कला (कला) ज २१६४; ७१३४१ सू १०१४२,
 १४७; १२१३० उ ५११३
 कलाव (कलाप) प २१३०, ३१, ४१; १५१२६;
 २११२५ ज ३१७, ८८, ११७
 कलिंग (कलिङ्ग) प ११६३१
 कलिद (कलिन्द) प ११६४१
 कलिय (कलित) प २१३०, ३१ ४१, ४८ ज २११०,
 १५, ६५; ३१७ १२, १५, २१, २२, २८, ३१,
 ३२१२, ३४ से ३६, ४१ ४६, ५८, ६६, ७४, ७७,

७८, ८८, ६१, १४७, १६८, १७३, १७५, १८४,
 १६६, २१२, २१३; ४१२७, ४६ १६६; ५१७
 २८, ४३ सू २०१७ उ १११२३; ५११८
 कलुय (कलुक) प ११४६
 कलुस (कलुष) ज २११३१
 कलेवर (कलेवर) प ११८४ सू २०१
 कल (कल्य) ज ३११८८ उ ३१४८, ५०, ५५, ६३,
 ६७, ७०, ७३, १०६, ११८
 कल्लाण (कल्याणी) प १४११२ जंगली ३३८
 कल्लाण (कल्याण) ज १११३, ३०, ३३, ३६;
 २११८, ६४, ६७; ४१२ सू १८१२३ उ १११७,
 ४१, ४४; ५१३६
 कल्लाणग (कल्याणक) प २१३०, ३१, ४१, ४६
 ज ३१६, २२२
 कल्हार (कल्हार) प १४६ सफेद कोइ, एक पुष्प
 कवड (कपट) ज २१३३३
 कवय (कवच) प २१६४११ ज ११३७; ३१३१,
 ७७, ७६, ६६, १००, १०१, १०७, ११६, १२४
 उ ११३३८
 कवाड (कपाट) प २१८, ३०, ३१, ४१ ज ११२४;
 ३१८३, ८५, ८८ से ९०, १०२, १५४ से १५७,
 १६२, १६७, ११२
 कविजल (कपिञ्जल) प ११७६
 कविदूठ (कपित्थ) प ११३६११; १६१५५; १७११३२
 ज ३१११६; ७१७६ कैथ
 कविदूठाराम (कपित्थाराम) उ ३१४८, ५५
 कविल (कपिल) ज २११२, ६५, १३३
 कविलय (कपिलक) सू २०१२ राहु का नाम
 कविसीसग (कपिशोर्षक) ज ३११; ४१११४
 कविसीसय (कपिशोर्षक) ज ४१११४
 कवोय (कपोत) प ११७६ ज २११६
 कवोल (कपोल) ज २११५
 कव्व (काव्य) ज ३११६७१०
 कस (कष) ज २१६७; ३११०६
 कसरि (दे०) सू १०११२०

कसाय (कषाय) प १११५, ११४ से ६; ३१११;
 ५१५, ७, २०५; १४१, २; १८१११; २३१६८,
 १४०, १८३, १८४; २८३२, ६६, १०६११;
 ३६१११ ज २१४५
 कसायपरिणाम (कषायपरिणाम) प १३१२, ५, १४
 १६
 कसायवेद्यिज्ज (कषायवेदनीय) व २३११७, ३४,
 ३५
 कसायसमुद्घात (कषायसमुद्घात) प ३६१६५
 कसायसमुद्घाय (कषायसमुद्घात) प ३६११४, ५,
 ६, ७, २१, २२, २८, ३५ से ४३, ४६, ५३ से ५८
 कसाहिया (दे०) प ११७१
 कसिण (कृष्ण) प २३१ ज २१५
 कसिणपुग्गल (कृष्णपुद्गल) सू २०१२
 कसेरुया (कशेरुक) प १४६ एक तरह का घास
 कह (कथं) प २३१११
 ✓ कह (कथय) कहेइ उ २१२
 कहं (कथं) ज ७१५६ चं २४ सू ११६ उ ११७२,
 ३१७८
 कहग (कथक) ज २३२
 कहा (कथा) उ ११७, ५७, ८२, ६६, १०७, १२७;
 ३११३, २६, १४७, १६०; ४१११; ५११५, ३८
 कहि (क्व) प ११७४ ज ११७
 कहि (क्व) प ६१६६ ज २११८ चं २१२ सू ११६१२
 उ ११२५
 कहिचि (कुत्रचित्) उ ३११०१
 कहिय (कथित) ज १४४ चं ६ सू १४४ उ ११२
 काइय (कायिक) ज २१७१
 काइया (कायिकी) प २२११२, २२१४६ से ५०, ५३
 से ५६
 काउ (कापोत) प १३१६; १७११२२
 काउं (कृत्वा) उ ३११११; ४११६
 काउंबरी (काकोदुम्बरिका) प ११३६१२
 काउलेस (कापोतलेश्य) प १७१६२, ६४, ६५, १०३,
 ११०, १११, १६८

काउलेसदृठाण (कापोतलेश्यास्थान) प १६१४६
 काउलेसा (कापोतलेश्या) प १७१२१; २८१२३
 काउलेस (कापोतलेश्य) प ३१६६; १३१४;
 १६१४६; १७१३२, ५६, ५७, ५८ से ६१, ६३, ६४,
 ६६ से ६४, ७१ से ७४, ७६, ८१ से ८५, ८७,
 ६४, १००, १०२, १०३, १११, १६७; १८१७१
 काउलेसदृठाण (कापोतलेश्यास्थान) प १७१४६
 काउलेसा (कापोतलेश्या) प १६१४६; १७१३६,
 ३७, ११७, ११८, १२१, १२२, १२५, १२६, १३२,
 १३६, १४४, १४५, १५१ से १५३
 काउलेसापरिणाम (कापोतलेश्यापरिणाम)
 प १३१६
 काऊ (कापोती) प २१२० से २५
 काऊण (कृत्वा) ज ३१२२
 काओदर (काकोदर) प ११७०
 काओली (काकोली) प १४८१५ एक वनौषधि जो
 अष्टवर्ग के अन्तर्गत है, जीवन्ती
 काकंदी (काकन्दी) उ ३११७१
 काकंध (काकन्ध) सू २०१८; २०१८३
 काग (काक) प ११७६
 कागणि (काकिणी) प १४८१५ ज ३१६५, १५६;
 कागणिरयण (काकिणीरत्न) ज ३१६४, १३५, १५८,
 १७८, २२०
 कागणिरयणत्त (काकिणीरत्नत्व) प २०१६०
 काणण (कानन) ज २१६५
 कातव्व (कर्तव्य) प ५१६६१, १७६; ६१५६, ६६,
 ७४ से ७८, ८०, १११
 कामंजुग (कामयुग) प ११७६
 कामकाम (कामकाम) प २१४१
 कामकामि (कामकामिन्) ज २१६
 कामगम (कामगम) ज ५४६१३; ७११७८
 कामगामि (कामकामिन्) ज २१२२
 कामगुणित (कामगुणित) प २१६४१६
 कामत्थिय (कामाधिक) ज ३११८५
 कामभोग (कामभोग) ज ३१८२, १८७, २१८

सू २०७ उ १११
 कामभोग (कामभोग) उ ५२५
 कामरूप (कामरूप) प २४१
 काय (काय) प १४७
 काय (काय) प १५६; ३१११; १५१५३, ५४, ५६,
 ५७; १६११ से ८, १० से १५, १८, १९, २१, ५४;
 १८१११; २३१५, १६, २०, ३१; ३४११२
 ज २१६७; ६११६७ सू १०७४; २०५; २०५३
 कायअपरित (कायअपरीत) प १८१०६, ११०
 कायगुत्त (कायगुत्त) ज २१६८ उ ३१६९
 कायजोग (काययोग) प ३६५६ से ८८, ६१, ६२
 कायजोगपरिणाम (काययोगपरिणाम) प १३१७
 कायजोगि (काययोगिन्) प ३१६६; १३१४, १६;
 १८१५७; २८१३८
 कायठिड (कायस्थिति) प १११५; १८११२
 कायपरित (कायपरीत) प १८१०६, १०७
 कायपरियार (कायपरिचार) प ३४११६
 कायपरियारग (कायपरिचारक) प ३४११८, १६,
 २१, २५
 कायपरियारणा (कायपरिचारणा) प ३४११७ से
 १६
 कायमाई (कायमात्री) प ११३७२ मकोय
 काययोगि (काययोगिन्) प १३११७
 कायव्व (कर्तव्य) प ५११३२, २१६; ६१४६, ११०;
 १३११७; १५१३४, ३८, ७५; १७१११; २८११२
 ज ४११७२
 कायसन्धिय (कायसन्धित) ज २१६८
 कारंडव (कारण्डक) ज २११२
 कारण (कारण) प ८४, ६, ८, १०; २८१२०; २६,
 ३२, ६६ ज ७२१४ उ १३६, ११६, १२७;
 ३१११, २६
 कारभरिय (कारभारिक) ज ३११८५
 √कारव (कारय्) कारवैति ज ३१३ कारवेह
 ज ३१७
 कारवेत्ता (कारयित्वा) ज ३१७

कारियल्लइ (कारवल्ली) प १४०१२ करेत्ता
 कारिया (दे०) प १३७५
 कारिल्लय (दे०) सू १०१२०
 कारेमाण (कारयत्) प २३०, ३१, ४१, ४६, ५७
 ज १४५; ३११८५, २०५, २०६, २११; ५११६
 उ ५११०
 कारोडिय (कारोटिक) ज ३११८५
 काल (काल) प १४ से ६, ७४, ८४; २१२० से २७,
 ३१ से ३३, ४०५; २४२, ४३, ४५११; २४६, ४७,
 ६४; ४११ से ४६, ५६ से ५८, ६५, ७२, ७६, ८८,
 ६५, ६८, १०१, १०४, ११३, १३१, १४०, १४६,
 १५८, १६५, १६८, १७१, १७४, १८३, २०७,
 २१०, २१३, २६४, २६७, २६८; ५१५, ७, ३७, ३८,
 ७४, १०७, १२६, १५०, १५२, १५४, १६०, १६३,
 १६७, २००, २०३, २४२, २४४; ६१ से २३,
 २७, ४२ से ४५; ७१ से ४, ६ से ३०; ११५३,
 ५४; १२२४, ३२, ३३; १३१२६; १६१५०; १८१३,
 १४, १५, २६, २७, ३७, ३८, ४१, ४३, ४५, ५७,
 ५६, ६२, ६४, ७७, ८३, ६०, ६५, १०५, १०७,
 १०८, ११०, ११६, ११७, १२०; २३१४७, ६० से
 ६२, १०५, १६३ से १६६, १६८ से २०१;
 २८१४, ६७, २०, २६, ३२, ३८, ५०, ५२, ५३,
 ६६; ३६१६०, ६१, ६७, ७१, ७२, ७५, ७६, ६३,
 ६४ ज १२, ४, ५; २११ से ३, ६, ४४, ४६, ५१,
 ५४, ६६, ७१, ८८, ८९, १२१, १२६, १३०,
 १३१, १३३ से १४१, १४६, १५४, १६०, १६३;
 ३१३, २४, ३१, ३२, ६२, ६५, १०३, ११६, १३८१,
 १५६, १६७११, ७, १७८, २२४; ५११, ६, ८ से
 १३, १८, ४८, ५० से ५२; ७५७, ६०, १०१,
 १०२, १८७, २१० चं ६, ६, १० सू १११, ४, ५;
 २१२; ८११; १७११; १८१२५ से ३४; १६१२५;
 २०७ उ १११ से ३, ७, ६, १३ से १६, २१, २२,
 २५ से २८, ५१, ६५ से ६७, ७६, ८३, ८४, ११६
 से १२२, १२५, १४०, १४१, १४४, १४७; २४४, ६,
 ७, ६, ११, १६, २२; ३४४ से ६, ६, १२, १४, १६,
 २१, २४, २५, २७, ४०, ४८, ५०, ५५ से ५७, ६४,

६५, ६८, ७१, ७२, ७४, ७५, ७६, ८३, ८६,
 ९०, ९५, ९८, ९९, १०६, १२०, १२४, १३१, १३२,
 १५०, १५५ से १५७, १५६, १६१, १६४, १६८,
 १६९, ४१४ से ६, १०, १६, २४, ५१४, १४, २१,
 २४, २५, २६, २८, ३६, ४०, ४१
 काल (काल) सू २०१७; २०१५
 काल (दे० कृष्ण) सू १६१२११६, १८, २०
 कालभो (कालतस्) प ११४८, ५१; १२१७, ८, १०,
 १२, १६, २०, २७, ३२; १८११ से १०, १२ से १७,
 १६ से ३६, ४१ से ४७ ४८ से ५१, ५४ से
 ५६, ६१ से ६०, ६३ से १११, ११३, ११४,
 ११६, ११७, ११९, १२०, १२२, १२३, १२५ से
 १२७; ३५१४ ज २१६६
 कालग (कालक) प ३१८२; ५१३७, ५६, ८८, ८९,
 १०७, १४६, १५०, १६०, १६३, १६७, २००
 कालगय (कालगत) ज २१८८, ८६; ३१२२५
 उ ११२२, ६२; २११२; ५१३६, ४०
 कालगण (कालज्ञान) ज ३१६७३७
 कालनाण (कालज्ञान) ज ३१३२
 कालतो (कालतस्) प १२१२०; १८१३, १८, ४१,
 ४३, ६०, ६५; २८५५, ५१
 कालमास (कालमास) ज २४६, १३५ से १३७
 उ ११२५ से २७, १४०; ३१४८, ८३, १२०, १५०,
 १६१; ४१२४; ५१२८, ४०, ४१
 कालमुह (कालमुख) ज ३१८१
 कालय (कालक) प ३१८२; ५१३६ से ३८, ५८ से
 ६०, ७३ से ७५, ८६, ९०, १०६ से १०८, १५०,
 १५१, १८६ से १६४, १६६ से २०४, २४१ से
 २४३; १७१२२६ सू २०१२
 काललोहिय (काललोहित) ३ १७१२२६
 कालहेसि (कालहेसिन्) ३ १७१२२६
 काला (काला) ज २११३३
 कालागुरु (कालागुरु) प २१३०, ३१, ४१ ज २१६५;
 ३११२; ५१७, ५८
 कालागुरु (कालागुरु) ज २१७, ८८ सू २०१७
 कालायस (कालायस) ज ३११०६, १७८

कालिग (कालिङ्ग) प ११४८१४८ ज ३१११६
 कालिगी (कालिङ्गी) प ११४०११
 काली (काली) उ ११२८, १३, १५, १७, १६ से २४;
 २५, ६
 कालोदधि (कालोदधि) सू १६१२१११
 कालोदहि (कालोदधि) सू १६१२१२, ४
 कालोय (कालोय) प १५१५५, ५५११ सू ८११
 कालोयसमुद्र (कालोयसमुद्र) प १६१३०
 कालिषाखण (कालिषाखण) प १७११३४
 कास (काश, कास) प ११३७४ सहिजन का पेड,
 एक वाय
 कास (कास) ज २१४३
 कास (कास) सू २०१८; २०१५४
 कासपनास (कासपनास) ज ३१३५
 कासव (कासव) ज ७१३३१३
 कासवगोत (कासवगोत) उ ११३
 कासिता (कासिता) ज २१४६
 कासी (काशी) प ११६३१ उ ११२७ से १३०,
 १३२
 काह (कथय) काहिउ उ २११३; ५१४३
 काहार (दे०) ज ७१३३११
 काहारसंस्थि (काहारसंस्थित) सू १०१२७
 कि (किम्) प १११ ज ११७ चं २११ सू ११६
 किकर (किङ्कर) प २१३०, ३१, ४१ ज ३१२६, ३६,
 ४७, ५६, ६४, ७२, १२३, १३८, १४५, १७८
 किचि (किञ्चित्) प २१६४१८ ज ११७
 सू ११२४, २२, २७
 किचिविलेखण (किञ्चित्त्विलेखण) ज ११४८;
 ४११, ४०, ५५, ६७, १६७, १६६ सू ११२७;
 ११६१४, ५११, ११६१७; ८११
 किथुघ (किथुघ) ज ७१२२३ से १२५
 किपञ्जवसिय (किपञ्जवसित) प १११३०
 किपहव (किपहव) प १११३०
 किपुरिस (किपुरिष) प १११३२; २१४१, ४५,
 ४५१२ ज ३११५, १२४, १२५

किसंठिय (किसंस्थित) प ११३०
 किंसुय (किशुक) ज ३१८८
 किंसुयपुष्प (किशुकपुष्प) प १७१२६
 किचच (कृत्य) उ १६२
 किच्चा (कृत्वा) ज २१४६ उ १२५; ३१४;
 ४१२४; ५१२८
 किच्छ (कृच्छ्र) ज ३११०८ से १११
 किटिभ (किटिभ) ज २१३३
 किट्टि (किट्टी) प ११४८४
 किट्टीय (किट्टिया) प ११४८२
 किट्ठिण (किठिण) उ ३१५१, ५३, ५५, ५६, ६३, ६४,
 ६७, ६८, ७०, ७१, ७३, ७४, ७६
 किपा (कथं) प १५१५३
 किणं (किनं) ज ३१२४ उ १६६
 किणर (किनर) प २१४५, ४५१२ ज १३७;
 २१०१; ३११५, १२४, १२५; ४१२७; ५१२८
 किण्णा (कथं) उ ५१२३
 किण्ह (कृष्ण) प ११४८१६ कालीमीर्च, करौदा
 किण्ह (कृष्ण) प २१२१ से २७ ज ११३, १४;
 २१७, १२, २३, १६४; ४१२६, ११४, ११६, १२६,
 २०१, २१५, २४०, २४१ सू १६१२२१७;
 २०१२ उ ३१४६
 किण्हकणवीरय (कृष्णकरवीरक) प १७१२३
 किण्हकेशर (कृष्णकेशर) प १७१२३
 किण्हपत्त (कृष्णपत्र) प ११५१
 किण्हबंधुजीवय (कृष्णबन्धुजीवक) प १७१२३
 किण्हभ (कृष्णाभ्र) ज २११५
 किण्हमत्तिया (कृष्णमृत्तिका) प १११६
 किण्हय (कृष्णक) प ११४८१६२
 किण्हलेसा (कृष्णलेश्या) प १७१२१
 किण्हलेस्स (कृष्णलेश्य) प ३१६६; १७३१, ८४;
 २३११६६
 किण्हलेस्सा (कृष्णलेश्या) प १७३७, ११६, १२०,
 १२२, १२३, १३६
 किण्हसुत्तय (कृष्णसूत्रक) प १७११६

किण्हा (कृष्णा) ज १२३; २१२२
 किण्हासोय (कृष्णाशोक) प १७१२३
 किण्होमास (कृष्णावभास) ज ४१२१५ उ ३१४६
 किन्ति (कीर्ति) ज ३११७, १८, २१, ३१, ६३, १७७,
 १८० उ ४१२१
 किन्ति (कूड) (कीर्तिकूट) ज ४१२६३१
 किन्तिम (कुन्तिम) ज ११२१, २६, ४६; २१५७, १४७,
 १५०, १५६
 किन्तिय (कीर्तित) प ११४८६३
 किन्नर (किनर) प ११३३२; २१४१
 किन्नरछाया (किनरछाया) प १६४७
 किन्विसिय (कित्विषिक) प २०६१ ज ३१८५
 किमंग (किमङ्ग) उ १११७; ३१०२
 किमिरागकंबल (कुमिरागकम्बल) प १७१२६
 किमिरासि (कुमिराशि) प ११४८६
 किर (किल) ज २१६ सू २०११४
 किरण (किरण) ज २११५; ३१२४
 किरिया (क्रिया) प १११६; १७११, २२, २३,
 २५, ३०, ३३; २२११ से ५, ६ से १६, २६, २७,
 २६, ३०, ३२ से ५०, ५२ से ६३, ६५ से ६६,
 ७१ से ७४, ७६, ६१ से ६४, ६७ से ६६, १०१;
 २६११०; ३६१६२ से ६४, ६७, ६८, ७१, ७७, ७८
 ज ७१५२
 किरिया (रुइ) (क्रियारुचि) प १११०१११, १०
 किरियारुइ (क्रियारुचि) प १११०११२०
 किलकिलाइय (किलकिलायित) ज ७१७८
 ✓ किलाव (क्लम्) किलावेंति प ३६१६२
 किवणबहुल (कृष्णबहुल) ज १११८
 किलेस (क्लेश) चं ११२ सू २०१६१६
 किसलय (किसलय) प ११४८१५२
 किसि (कृषि) ज २१३
 कीड (कीट) प ११५१११
 ✓ कीड (क्रीड) क्रीडति ज ११३०, ३३
 ✓ कील (क्रीड) कीलति ज ११३३; ४१२
 कीलंत (क्रीडत्) ज ३११७८

कीलग (कीलक) ज १।३२

कीलण (कीडन) प २।४१

कीलावण (कीडन) उ १।६७ से ६६

कीस (कस्मात्) उ १।५७, ८२

कीसत्त (कीडसत्ता) प २।५७, ३६, ४२, ४५, ७१;
३।१२०

कुंकुम (कुंकुम्भ) ज २।३५

कुंकुमपुड (कुंकुमपुट) ज ४।१०७

कुंजर (कुंजय) ज १।३७; २।१०१; ३।३; ४।२७;
५।२८

कुंड (कुण्ड) प १।१२५ ज ४।२५, ४०, ६७, ६८,
७१, ७५, ६०, ६२, १७४ ने १७६, १८२, १८३,
१८८, १८९; १।६४; ३।१८

कुंडल (कुण्डल) प २।३०, २१, ४१, ४६, ५०;
१।५१, ५१२ ज ३।३, ६, ६, १८, २६, ६३, १८०,
२११, २२२; ४।२०२; ५।१८, २१, ६७ सू
१।६३१

कुंडलवर (कुंडलवर) सू १।६३१

कुंडलवरोद (कुंडलवरोद) सू १।६३१

कुंडलवरोभास (कुंडलवरोभास) सू १।६३१, ३२

कुंडलोद (कुण्डलोद) सू १।६३१

कुंत (कुत) प २।४१ ज ३।१७८

कुंतग (कुन्ता) उ १।११५, ११६

कुंतगाह (कुन्ताह) ज ३।१७८

कुंथु (कुथु) प १।५०

कुंद (कुन्द) प १।३८३; २।३१; १।७।१२८

ज २।१०, १५; ३।३, १२, ३५, ८८; ५।५८

कुंदलता (कुन्दलता) प १।३६।१

कुंदरुख (कुंदरुख) प २।६५, ३।८८ एक क्षेत्र

और उत्तरा कन विष्णुकी लग्नारी बनती है

कुंदरुखक (कुंदरुख) प २।३०, ३१, ४१

ज ३।७, १२, ८८; ५।७, ५८ सू २।०७

कुंभ (कुम्भ) ज २।३, ५३, १२०, १४५; ७।१७८

उ १।६७

कुंभभात (कुम्भभात) ज २।२०६, २१०

कुंभिक (कुम्भिक, कुम्भिक) ज १।३८

कुंभी (कुम्भी) ज २।६२

कुवकुड (कुवकुट) प १।५११; १।७६

कुवकुडि (कुवकुटी) उ १।५६, ६३, ८४

कुवकुह (दे०) प १।५११

कुच्च (कुच्) प १।३७।५

✓ कुच्छ (कुल्) कुच्छेज्जा ज २।६

कुच्छि (कुक्षि) प १।७५ ज २।६, ६३ सू २।०२

उ ३।६८; ५।३०

कुच्छि (कुक्षि) ज २।४३ अडतालीस आंगुल का
मान

कुच्छिक्खिय (कुक्षिक्रिय) प १।४६

कुच्छिपुहत्तिय (कुक्षिपृथक्त्विक) प १।७५

कुञ्जय (कुञ्जय) प १।३८।१

कुञ्जाय (कुञ्ज) ज २।१०

कुञ्जाला (कुञ्जाल) ज २।६, २२२

कुट्टायाणिण (कुस्थानामन) ज २।१३३

कुडगछल्ली (कुटजछल्ली) प १।७।३०

कुडगपुप्फराणि (कुटपुप्फराणि) प १।७।१२८

कुडगफल (कुटाफल) प १।७।३०

कुडगफणिय (कुटमफणित) प १।७।३०

कुडभी (कुडभी) ज १।४३

कुडय (कुटय) प १।३६।३, १।४।१२; १।७।३०
ज ३।३५

कुडुंज (कुटुम्ब) उ ३।११, १३, ५०, ५५

कुडुंजगिरिया (कुटुम्बगिरिया) उ १।१५;

३।४८, ५०, ७६, ८८, १०६, १३१

कुडुयय (कुंय) (कुसुम्बभात) प १।४८।४३

कुण्डक (कुणा) प १।४७

कुणास (कुणाला) प १।६३।५

कुणिस (दे० कुणप) ज २।१४६

कुणिसाहार (कुणिसाहार) ज २।१२५ से १३७

कुसुंभरि (कुसुम्बरी) प १।३६।२, ३।२

कुंदतण (कुंदतण) प १।१०।११३

कुदिदिठ (कुदिदिठ) प १।१०।१११

कुणमाण (कुममाण) ज २।१३३

कुप्पर (कुप्पर) ज ३।२२, ३५, ३६, ४४

कुबेर (कुबेर) ज ३१६८, २१७

कुभोज (कुभोजिन्) ज २१३३

कुमार (कुमार) उ ११३३ से १५, २१, २२, २५ से
२७, ३१, ४२ से ४६, ४८, ६४ से ६६, ६४ से
६६, १०२ से ११७, ११६ से १२२, १२५,
१२७, १२८, १४०, १४१, १४६, १४७; २१६, ७,
६, १८, १६; ३११४, १२०; ५११०, २०, २२,
२३, २७, ३१, ३२, ३४ से ३८

कुमार (कुमार) उ १८६

कुमारग्रह (कुमारग्रह) ज २४३

कुमारावास (कुमारावास) ज २१६४, ८७; ३१२२५

कुमारिया (कुमारिका) उ ३११४, १३०

कुमुद (कुमुद) प १४६ ज ३११७; ४१५४,
१५५, २१२, २२५११, २३०

कुमुददल (कुमुददल) प १७१२८

कुमुदप्पभा (कुमुदप्रभा) ज ४१२२११

कुमुदप्पहा (कुमुदप्रभा) ज ४१५५११

कुमुदा (कुमुद) ज ४१५५११, २२१

कुमुय (कुमुद) ज २११५; ४१३, २५, २१२११

कुमुयहृत्थगय (हृत्थगतकुमुद) ज ३१०

कुम्म (कूर्म) ज २१४४, १५, ६८; ३१३; ७१७८

कुम्मुण्णया (कुम्मुन्नता) प ६१२६

कुरंग (कुरङ्ग) प ११६४ ज २१३५

कुरज्ज (कुराज्य) ज ३१२२१

कुरय (कुरब) प १४७ लालफूलवाली कटसरैया

कुरल (कुरल) प १७६

कुरा (कुरु) ज ४११०८, १४१, १४३, २०५, २०७
२०८

कुरु (कुरु) प ११६३१२; १५१५५१३

कुरुविद (कुरुविन्द) प १४२१२

कुरुव (कुरुप) ज २११३३

कुल (कुल) ज ३१३, ६, १७, २१, २४, ३४, १०६,
१७७; ४१२१२; ५१५, ४६, ५५; ७१२७१,
१३६११, १४१ से १४६, १५० से १५३,
१६७११ चं ५११ सू ११६११; १०६, २०, २१,
२२, २५; २०६१४ उ १५४, ७६, १४१;

३१४८, ५०, ५५, १००, १३३; ५१५

कुलकोडि (कुलकोटि) प १४६ से ५१, ६०, ६६,
७५, ७६, ८१, ८११

कुलक्ष (कुलाक्ष) प १८६

कुलक्षय (कुलक्षय) ज २४३

कुलगर (कुलकर) ज २४६ से ६३

कुलत्थ (कुलत्थ) प १४५११ ज २१३७; ३११६
उ ३१४१, ४२

कुलत्था (कुलत्था) उ ३४२

कुलदेव (कुलदेव) ज ३११३३

कुलदेवया (कुलदेवता) ज ३११११, ११३

कुलधुया (कुलदुहितृ) उ ३४२

कुलमाजया (कुलमातृका) ज ३४२

कुलरोग (कुलगोग) ज २४३

कुलवधुया (कुलवधु) उ ३४२

कुलविसिद्धिया (कुलविशिष्टता) प २३१२१

कुलविहीणया (कुलविहीनता) प २३१२२

कुलारिय (कुलार्य) प ११६५

कुलोवकुल (कुलोपकुल) ज ७१३६, १४१ से
१४६, १५० से १५३ सू १०६, २० से २२, २५

कुवधा (दे०) प १४०१२

कुवलय (कुवलय) चं १११

कुविदवल्ली (कुविन्दवल्ली) प १४०१३

कुविय (कुपित) ज ३१२६, ३६, ४७, १०७, १०६,
१३३ उ ११२२, १४०

कुवृद्धिबहुल (कुवृद्धिबहुल) ज ११८

कुवमाण (कुर्वत्) प २१३३, ५०, ५१, ५६

कुवर (कूबर) ज ३१३५

कुस (कुश) प १४२११ ज २१८, ६ उ ३१५१, ५६

कुसंधयण (कुसंहनन) ज २१३३३

कुसंठिय (कुसंस्थित) ज २१३३३

कुसट्ट (कुशावर्त) प ११६३१२

कुसल (कुशल) ज २११५; ३१३२, ७७, ८७, १०६,
११६, १३८, १७८; ५१५ सू २०७

कुसील (कुशील) उ ३१२०

कुंसीलविहारी (कुशीलविहारिन्) उ ३।१२०

कुसुम्भ (कुसुम्भ) प १।४५।२ ज २।३७

कुसुम (कुसुम) प २।३१,४१ ज २।१०,५३,६५,
१६२; ३।१२,३०,३५,८८,२२१; ४।१६६;

५।५,७,२१,५८ सू २०।७

कुसुम (कुसुम्) कुसुमेति ज २।१०; ४।१६६

कुसुमसंभव (कुसुमसंभव) ज ७।११४।२

सू १०।१२४।२

कुसुमासव (कुसुमासव) ज २।१२

कुसुमिय (कुसुमित) ज २।११; ७।२१३

कुसेज्जा (कुशय्या) ज २।१३३

कुहंड (कुष्माण्ड) ज २।४१,४७।१

कुहंडियाकुसुम (कुष्माण्डिकाकुसुम) प १।७।२७

कुहण (कुहण) प १।३३।१,१।४७

कुहर (कुहर) ज २।३५

कूड (कूट) प २।१; १।५।५।३ ज १।३४,३५,४१,
४६।१; २।१३३; ४।४४ से ४६,४८,५३,७६,
८६,९७,१०५,१०६,१५६।१,१६२ से १६५,
१६७,१६८,१७२।१,१८०,१८६,१८२,१८८,
२०४,२१०,२१२,२३६ से २४०,२६३,२६६,
२७५,२७६; ५।१,६ से ८,१३; ६।६।१,६।११,
१६; ७।५८ सू १६।२६

कूडसामली (कूटशात्मली) ज ४।२०८

कूडसामलीपेठ (कूटशात्मलीपीठ) ज ४।२०८

कूडागार (कूटागार) ज २।२०

कूडागारसाला (कूटागारशाला) उ ३।८,२६,६३,
१५६

कूडाहच्च (कूटाहत्य) उ १।२२,२५,२६,१४०

कूणिय (कूणिक) उ १।१० से १२,१४,१५,२१,
२२,६३ से ७४,८८,८९,९१ से ९५,९८ से
१२८,१३१,१३४,१३६,१४०,१४४,१४५; २।४,
५,६,१६,१७; ५।१६

कूर (कूर) उ ३।१३०

कूल (कुल) ज ३।१४,१५,१८,५१,५२,६६,१४६,
१५०,१६१,१६४; ४।३,२५,६४,८८,११०;

१४३,२०६,२११

कूलधमा (कूलधमायक) उ ३।५०

कूवग्गह (कूपग्गह) ज ३।१७८

कूवमाण (कूप्यत्) उ ३।१३०

केइ (केचित्) प १।४८।४१ ज २।११३

केउवहुल (केतुवहुल) ज २।१२

केउभूय (केतुभूत) ज २।१२

केऊर (केयूर) ज ३।६; ५।२१

केषकय (केकय) प १।८६

केणइ (केनचित्) पू १३।५

केतकिपुड (केतकीपुट) ज ४।१०७

केतु (केतु) प २।४८

केमहालय (कियत्महत्) ज १।७; ७।२६ से ३०

केमहालिय (कियत्महत्) प २।१।३८,४० से ४२,
४८,६३ से ६६,६६ से ७१,७४,८४ से ८३

केयइ (केतकी) प १।३७।५,१।४३।१

केयइअद्ध (केकयाद्ध) प १।६३।६

केयूर (केयूर) ज ३।२११

केरिस (कीदृश) सू २०।७

केरिसिय (कीदृशक) प २३।१६५,१६६,१६६ से

२०१ ज १।२१,२२,२६,२७,२८,३३,४६,५०;

२।७,१४,१५,१७,१८,२०,५२,५६ से ५८,

१२२,१२३,१२७,१२८,१३१ से १३३,१३६,

१४७,१४८,१५०,१५१,१५६,१५७,१५९,

१६१,१६४; ४।५६,१००,१०१,१०६,१७०,

१७१ उ १।२७

केरिसिय (कीदृशक) प १।७।१२३ से १२८,१३०,

१३५

केलास (कैलाश) ज ३।१८६,२१७

केलास (कैलाश) सू २०।२ राहु का नाम

केलि (केलि) प २।४१

केवइ (कियत्) प ७।६; ३६।६०,६१,७५

केवड्य (कियत्) प ५।८२; ६।३; १२।११,१२;

१५।३२; २०।११; ३६।४४ ज १।१७; २।४,

४४,४५; ४।२५७; ६।७,८; १०,११,१५ से

१८, २३ से २५; ७१, ३ से २५, ३२, ५४, ५७,
६०, ६२, ६४ से ७३, ७६, ७६ से ८२, ८६ से
८६, ८८ से १००, १२७, १७० से १७२, १७४,
१८२, १८७, १८८, १८९, २०१ से २०७
जं २११; ३१२ सू १६११; ११७१२ उ ३११६,
१२४, १६४
केवलचिर (विचित्र) प १८१ से १०, १२ से ३७,
४१ से ४७, ४६ से ५१, ५४ से ८२, ८४ से ८०.
६३ से १११, ११३, ११४, ११६, ११७, ११८,
१२०, १२२, १२३, १२५ से १२७ ज ७१२०
केवलि (कियत्) प ७१ से ४, ६ से ८, १० से ३०;
२८१११, २८४, २८, ३८, ५०; ३६१७७, ७१, ७२,
७६
केवलि (कियत्) व ४१ से ४६, ५६ से ५८, ६५,
७२, ७६, ८८, ९८, १०१, १०४, ११३, १३१,
१४०, १४६, १५८, १६५, १६८, १७१, १७४,
१८३, २०७, २१०, २१३, २६४, २६७, २६८,
५१४, ६, ६, ११, १७, २३, २७, २६, ३१, ३३, ३६,
४०, ४४, ४८, ५२, ८५, ९२, १००, १०३, १०६,
११०, ११४, ११८, १२८, २३१, २४१; ६११, २,
४ से २३, २७, ४३ से ४५, ६० से ६४, ६७, ६८;
१२१७ से १०, १३, १५, १६, २०, २१, २३, २७,
३१, ३२; १५१७, ८, १४, १५, २२, २३, २७, ४०,
४१, ८३ से ८५, ८६, ८८, ८४ से ८८, १००,
१०३ से १०६, १०८, १०९, ११३ से १२०,
१२३, १२६, १२७, १२८, १३१, १३२, १३५,
१३६ से १४१, १४३; १७१०६, १०८, ११०,
१४२, १४३; २०१६, १०, १२, १३; २३१६० से
६२; ३३१२, ३, १०, १२, १३ १५ से १८;
३४१३; ३६१८ में २२, ३० से ३४, ४४ से
४७, ५६, ६६, ७०, ७३, ७४ ज ७१७३
सू ११२०, २२, २३, २६, २८ से ३१; २१३;
३११; ४५, ८, १०; १२१२ से ६; १०४, ८,
१५१२ से ७; १८४४ से ६, ६, १०, १२, १३, २०,
२५ से ३४; १६१४, ५, ७, ८, १०, ११, १४, १५,
१८ से २१, २५, ३०, ३२, ३४, ३५, ३७, ३८

केवल (केवलि) प २०१७, १८, २६, ३४ ज २१७१,
८५; ३१२२३; ७१३५११, १८५ सू १८२३
केवलक्षण (केवलक्षण) प ३६१८ ज २१६, ३६,
४७, ५६, ६४, ७०, १३३, १३८, १४५, १७५,
१८५, १८८, २०६, २११ उ ३१७, ६१
केवल (णान) (केवलज्ञान) प २६१७
केवलक्षण (केवलज्ञान) प २६४११३; ५१२४,
१०२, १०७, ११६; १७११३३; २०११८, ३३;
२६१०; ३०१०
केवलक्षणःरिय (केवलज्ञानार्थ) प ११६६
केवलक्षणाद्यारण्यज (केवलज्ञानावर्णी)
प २३१२५
केवलक्षण (केवलज्ञानिन्) प ३१२०१, १०३;
५११, ११८, ११९; १३११६; १८१८२;
२८१३६, १४०; ३०१३६, १७
केवलदंसण (केवलदर्शन) प ५१२४, १०२, १०५,
१०७, ११६; २६१३, १७; ३०१३, १७
केवलदंसणावरण (केवलदर्शनावरण) प २३१४
केवलदंसणावरण्यज (केवलदर्शनावर्णी)
प २३१२८
केवलदंसणि (केवलदर्शनिन्) प ३११०४; ५११२०;
१८१८८; ३०११६
केवलद्विदिठ (केवलद्विष्टि) प २१६४१३
केवलनाण (केवलज्ञान) प ५११०५
केवलनाणपरिणाम (केवलज्ञानपरिणाम) प १३१६
केवलनाणि (केवलज्ञानिन्) प ५१११६
केवलधोहि (केवलधोधि) उ ५१४३
केवलि (केलिन्) प १११०४, १०८, १२१, १२६;
१८१६७, ६६, ६७, ६८; २०१७, १८, २२, २५, २८,
२९, ३४, ४५; ३०१२५ से २८; ३६१८२, ८३,
८३१२ ज २१६३, ७१; ३१२२४, २२५
उ ३१०२, १३५, १४२
केवलिपरिधाय (केलिपरिधाय) ज २१८८; ३१२२५
केवलि (केलिन्) प ३६१११
केवलिसमुद्घाय (केवलीसमुद्घात) प ३६११, ३, ७,
११, १५ से १७, ३१, ३४, ३५, ४१, ७६, ८५,

केस (केश) प २।३१ ज २।१३३; ३।२६, ३६, ४७,
६२, ११६

केसवटिअणह (केशवस्थितनख) ज ३।१३८

केस (कीदृश) ज ३।१२२

केसर (केसर) प १।४८।४७, ४६ ज ३।२४; ४।३,
७, २५; ७।१७८

केसरिह (केसरिह) ज ४।२६२

केसलोय (केशलोय) उ ५।४३

केसि (केसि) उ १।२; ५।२६

केसुय (किमुक) ज ३।२५

कोइल (कोविल) ज ८।१५; ३।२५ उ ५।५

कोइलछदकुसुम (कोविलछदकुसुम) प १।७।१२५

कोइला (कोविला) प १।७६

कोउय (कीवुक) ज ३।६, ७७, ८२, ८५, १२५, १२६,
८२२ उ १।१२, ७०, १२१; ३।११०; ५।१७

कोउहल (कीवुहल) ज ३।३२

कोऊहल (कीवुहल) ज ५।२६

कोऊहलवसिय (कीवुहलवसिय) ज ५।२७

कोङ्णग (कोङ्णग) प १।८६

कोच (कोञ्च) प १।७६, ८६ उ ५।५

कोचारव (कीञ्चारव) ज ३।८६, १०२, १५६, १६२

कोचस्तर (कीञ्चस्तर) ज ३।१६; ५।५२

कोडलग (कुण्डलग) ज ३।१२

कोत (कुन्त) ज ३।३, ३५

कोकतिय (दे०) ज २।३६ लोमड़ी

कोकणद (कोकनद) प १।४६, १।४८।४४

कोकासिय (दे० विकसित) ज ३।१०६

कोकुइय (कीकुविक) ज ३।१७८

कोकतिय (दे०) प १।६६; १।१२१, २३

कोजजय (कुञ्जय) ज ३।१२, ८८; ५।५८

कोट्टजमाण (कुट्टात्) ज ४।१०७

कोट्टणी (दे०) ज ३।३२

कोट्ट (कोष्ठ) ज ३।३२

कोट्ठग (कोष्ठक) प २।३०, ३१, ४१

कोट्ठपुड (कोष्ठपुड) ज ४।१०७

१. हे० १।२६

कोट्ठय (कोष्ठक) उ ३।६, १२

कोट्ठसमुग्ग (कोष्ठसमुद्ग) ज ३।११।३

कोट्ठसमुग्गयहत्थगय (हस्तगतकोष्ठसमुद्गक)

ज ३।११

कोट्ठागार (कोष्ठागार) ज २।६४ उ १।६६, ६४,
६६

कोडाकोडि (कोटिकोटि) प २।४६, ५०, ५२, ५३,
५५, ५६, ६३; १।२।७, ३२; १।४२, ४४, ४६,
८३।६० से ६४, ६६, ६८, ६९, ७३ से ७७,
८१, ८३, ८५ से ८२, ८५ से ८६, १०१
से १०४, १११ से ११४, ११६ से ११८,
१२७, १२६ से १३१, १३३, १७६, १७७,
१८२, १८३, १८६, १८७, १९० ज २।६,
५१, ५४, १२१, १२६, १५४, १६०, १६३; ७।१,
१७०

कोडि (कोटि) प २।३०, ४६, ५०, ५२, ६२, ६३, ६४
ज १।२०, २३, ४८; २।६; ३।२४, १७८, २२१;
४।१, २१, ५५, ६२, ८१, ८६, ८८, १०८, १७२;
५।६८ से ७०; ६।८।१; ७।११ उ १।१४, १५,
२१, १२१, १२२, १२६, १३३, १३६, १३७, १४०;
५।१०

कोडिकोडि (कोटिकोटि) सू १।८।४; १।१।११, ५।३,
८।३, १।१।४, १।५।४; १।१।६, २।१।५, ८,
१।१।२।३, १।१।३१, ३।५, ३८

कोडिगार (कोटिगार) प १।६७

कोडो (कोटि) सू १।१।४, १।५।१, १।८, २।१।२

कोडीवरिस (कोटिवरिस) प १।६३।५

कोडुंबिय (कीटुम्बिक) प १।६।७१ उ १।१७, १८,
६२, १२३, १३१; ३।११, १०१; ४।१६, १७;
५।१०, १५, १६, १८

कोतुक (कीवुक) सू २०।७

कोत्तिय (दे०) उ ३।५०

कोत्थुभरि (कुस्तुम्बरी) ज ३।११६

कोत्थलवाहण (दे०) प १।५०

कोदंडिम (कुदण्डिम) ज ३।१२, २८, ४१, ४६, ५८,

६६, ७४, १४७, १६८, २१२, २१३
 कोदूसा (कोरदूष?) प १४५१२
 कोद्व (कोद्व) प १४५१२ ज २३७; ३११६
 कोद्वाल (दे०) ज २१८
 कोमल (कोमल) ज २११५; ३१०६, २८८
 उ ३१६८
 कोमुई (कोमुदी) ज २११५
 कोरंट (कोरंट) ज ३११७८; ५१५८
 कोरंटय (कोरंटक) प १३८११ ज २१०;
 ३११२, ८८
 कोरग (कोरक) ज २११२
 कोरव्व (कोरव्व) प ११६५
 कोरेंटमल्लदाम (कोरंटमल्लदामन्) प १७११२७
 कोलद्विथ (कोलास्थिक) सू १०१२०
 कोलव (कोलव) ज ७११२३ से १२५
 कोलमुणग (कोलशुनक) प ११६६ ज २३६, १३६
 कोलमुणय (कोलशुनक) प १११२१
 कोलमुणिया (कोलशुनिका) प १११२३
 कोलालिय (कोलालिक) प ११६६
 कोलाह (कोलाभ) प ११७०
 कोलाहल (कोलाहल) प २१४१; ज २११३१
 कोस (कोश) प ३६१८१ ज ११७, ३५, ३७, ४२, ५१;
 ४७, ६१, १४, १५, २४, ३१, ३३, ३६, ३६, ४१, ४३,
 ४६, ५६, ६६, ६८, ७०, ७२, ७६, ८३, ११२, ११४,
 ११५, ११६, १२०, १२२, १३४, १३७, १४७,
 १५३ से १५५, २४२; ७११७७३, २०७
 सू १११४; १८१११, १२
 कोस (कोष) ज २१६४; ३३, १७५; ४६; ७११७७
 उ ११६६, ६४, ६८
 कोसंब (कोशाम्ब) प ११३५११
 कोसंबी (कोशाम्बी) प ११६३३२
 कोसल (कोशल) प ११६३३२
 कोसलग (कोशलक) उ ११२२७ से १३०, १३२
 कोसलिय (कोशलिक) ज २१६३ से ६७, ७३ से
 ८२, ८६ से ६०

कोसागार (कोसागर) ज ३१८१
 कोसिय (कोशिक) ज ७१३२३ सू १०१११
 कोसेज (कोशे) ज ३१२४३, ३७११, ४५११
 १३१३
 कोह (क्रोध) प ११३४११; १४३, ५, ७, ६, ११ से
 १५, १७; २२१२०; २३६, ३५, ७० से ७२, १८४
 ज २११६, ६६, १३३ उ ३३४
 कोहकसाइ (क्रोधकषात्तिन्) प ३१६८; १३११४,
 १६; १८६५; २८१३३
 कोहकसाय (क्रोधकषाय) प १४११, २
 कोहकसायपरिणाम (क्रोधकषापरिणाम) प १३१५
 कोहकसायि (क्रोधकषात्तिन्) प ३१६८
 कोहणिसिद्या (क्रोधनिश्चिता) प ११३४
 कोहसंजलना (क्रोधसंज्वलन) प २३१६६, १४०
 कोहसण्या (क्रोधसंज्ञा) प ८१, २
 कोहसमुग्धाय (क्रोधसमुद्घात) प ३६१४२, ४४ से
 ५१

ख

खदिरसार (खदिरसारक) प १७११२५
 खओवसमिय (कायोपशमिक) प ३३११
 खंजण (खञ्जन) प १७११२३
 खंजण (दे०) सू २०१२ राहु का नाम
 खंजणवण्णाभ (खञ्जनवर्णाभ) सू २०१२
 खंड (खण्ड) प १३१२५; १७१३५; ३३१३३
 ज २११७; ६१६११; ६१७ उ १११४, १५, २१
 खंडग (खण्डक) ज ४११७२११; ६१७
 खंडगप्पवायगुहा (खण्डप्रपातगुहा) ज ३११५४, १६१
 से १६३
 खंडप्पवायकूड (खण्डप्रपातकूट) ज ११४१
 खंडप्पवायगुहा (खण्डप्रपातगुहा) ज ११२४;
 ३११४६, १५०, १५५ से १५७, १५६ से १६१;
 ४३५; ६११६
 खंडप्पवायगुहाकूड (खण्डप्रपातगुहाकूट) ज ११३४
 खंडय (खण्डक) प १११७४
 खंडाभेद (खण्डभेद) प १११७६

खंडाभेय (खण्डभेद) प १११७३, ७४

खंडिय (खण्डित) ज ७१३४१

खंति (क्षान्ति) ज २१६४, ७१; ३११०६

खंतुं (क्षन्तुम्) ज ३११२६

खंद (स्कन्द) ज २१३१

खंदगह (स्कन्दग्रह) ज २१४३

खंध (स्कन्ध) प ११४, ३५, ३६, ४७१, ११४८१२,
२२, ३२, ३६; ३११७६; ५११२५, १२७, १३४,
१३६, १३८, १५४, १६६, १६६, १७२, १८१, २२७
से २३२; १०१७ से १४; १०१४५, ६;
१३१२२११; १६१३६, ४३; ३०१२६, २८
ज ३११८, ७८, ६३, २१२, २१३; ४११४६; ५१५;
७११७८ उ ११६७, १२१, १४०; ३१११४

खंधावार (स्कन्धावार) प ११७४ ज ३११८, २८,
३१, ३२, ४१, ४६, ५२, ६१, ६६, ८१, ८८, ९५,
१०१, ११५ से ११७, ११६, १२१११, १२२,
१२४, १३१, १३५, १३७, १४१, १५१, १५६,
१६४, १६७, १७२, १८० उ ११११५, ११६,
१३३, १३४

खंभ (स्तम्भ) ज ११३७; ३१६६ से १०१, १६३;
४१६, २६, २७, ३३, १२०, १४७, २१६, २४२;
५१३, ४, २८, ३२ सू २०१४

खंभच्छाया (स्तम्भच्छाया) सू ६१४

खग (खड्ग) प ११६५; २१४६ ज ३१३१;
४१२००११

खगपुरा (खड्गपुरा) ज ४१२१२, २१२१४

खगरयण (खड्गरत्न) ज ३११०६

खचिय (खचित) ज ११३७; ३१२११; ५१५८

खज्जग (खाद्यक) उ ३११३०

खज्जलग (दे०) उ ३१११४

खज्जूरसारय (खज्जूरसारक) प १७११३४

खज्जुरी (खज्जुरी) प ११४३१३

खज्जुरीवण (खज्जुरीवन) ज २१६

खट्टोदय ('खट्ट' उदक) प ११२३

खड्डाबहुल ('खड्डा' बहुल) ज १११८

खण (क्षण) ज ७१११२ सू १०११२६१५

√खण (खन्) खणति ज ५११३

खणिता (खनित्वा) ज ५११३

खतय (दे०) सू २०१२ राहु का नाम

खत्तमेघ ('खत्त'मेघ) उ २११३१

खत्तिय (क्षत्रिय) ज २१६५; ५१५, ४६

√खम (क्षम्) खमई ज २१६७ खमंतु ज ३११२६

खामेमु ज ३११२६

खम (क्षम) ज २१६४

खमा (क्षमा) ज ३११०६

खय (क्षय) प ३३१११ ज ३११२३ उ १११३६

खयकर (क्षयकर) ज ३१११७

खर (खर) प १११८, २०; ११११६ से २०

ज २११३३

खरमुही (खरमुखी) ज ३११२, ३१, ७८, १८०, २०६

खरय (दे०) सू २०१२ राहु का नाम

खरोट्ठी (खरोष्ट्रिका) प ११६८

खल (खल) ज २१६६

खलंत (स्खलत्) ज २११३३

खलु (खलु) प ११४८५२; ६१८०११; १७११५०,

१५२, १५५; २३१३, ६; ३६१८२ ज ११४६

सू १११२ उ ११५; २१२; ३१२; ४१२; ५१२

खल्लूड (खल्लूट) प ११४८१७

खव (क्षपय्) खवेइ सू १६१२२

खवइत्ता (क्षपयित्वा) प ३६१६२

√खवय (क्षपय्) खवयति प ३६१६२ खवेइ

सू १६१२२११८ खवेति प ३६१६२

खवय (क्षपक) प २३११६१, १६२

खवत्तमच्छ (दे०) प ११५६

खवेता (क्षपयित्वा) प ३६१६२

खस (खस) प ११८६

खसर (खसर) ज २११३३

खहचर (खेचर) प ११५४, ७७, ८१; ३११८३;

४११४६ से १५७; ६१७१, ७६, ७८, ६४; २११८,

१७, ३५, ४७, ५३, ६० ज २११३१

खाइम (खाद्य) उ ३१५०, ५५, १०१, ११०, १३४;

४११६

खाद्य (खादित) उ ११५१, ५४, ७६, ७६
 खाणु (स्थाणु) ज २३६; ४२७७
 खाणुबहुज (स्थाणुबहुज) ज ११८
 खात (खात) प २३०
 खाय (खात) प २३१, ४१ ज ३३२
 खार (धार) प १७६
 खारतउसी (धारत्रपुणी) प १७१३०
 खारतउसीफल (धारत्रपुणीफल) प १७१३०
 खारमेघ (धारमेघ) ज २४२, १३१
 खारोदय (धारोदक) प ११३
 खासीय (खासिक) प १८६
 खिखिणी (किकणी) ज ३३५
 √खित (खित्) खिसति उ ३११७
 खित्तिज्जमाण (खित्तिज्जमात) उ ३११८, १२३
 खिप्पामेव (खिप्पमेव) प २८१०५; ३४१६, २१,
 २४ ज २१६५, ६७, १०१, १०५, १०७, १०६,
 १११ ११४, ११५, १४१ से १४५; ३७, १२,
 १५, १८, १६, २१, २५, २८, ३१, ३२, ३४, ३८,
 ३६ ४६, ४६, ५२, ५३, ५८, ६१, ६२, ६६, ६६,
 ७०, ७४, ७७, ८०, ८३, ८१, ८६, ८६, १००,
 ११५, ११८, १२१, १२४, १२८, १३२, १४१,
 १४२ १४७, १६० से १६५, १६८, १७३, १७५,
 १८०, १८१, १८३, १८६, १८६, २०७, २१२,
 २१३; २३, ७, १४, १५ २५, २८, ५४, ६८ से
 ७०, ७२, ७३
 खीण (क्षीण) ज २६; ३२२५
 खीणकषाय (क्षीणकषाय) प ११०२, १०४ से
 ११०, ११५, ११७ से १२३
 खीर (क्षीर) प १४२१ लीकी
 खीर (क्षीर) प १५१५११; १७११६, १२८
 सू १०१२० उ ३११४, १३०
 खीरकाओती (क्षीरकाओली) प १४८५
 खीरपूर (क्षीरपूर) प ७७१२८
 खीरमेह (क्षीरमेघ) ज २१४२, १४३
 खीरप्र (क्षीरप्र) सू १६३१
 खीरिणी (क्षीरिणी) प १२५२

खीरोद (क्षीरोद) ज २१६७, ६८
 खीरोदग (क्षीरोदक) ज २१६७ से १००, १११,
 ११२; ५१५५
 खीरोदय (क्षीरोदक) प १२३ ज ५१५५
 खीरोदा (क्षीरोदा) ज ४२१२
 खीरोयः (क्षीरोदा) ज ४२१२
 खीलग (कीलक) ज ७११३३
 खीलगसंठिय (कीलकसंस्थित) सू १०४८
 खीलच्छाया (कीलछाया) सू १४
 खीनिया (कीलिका) प २३४५, ६८
 खु (खतु) ज ३२४
 खुज्ज (कुज्ज) प १५३५; २३४६ ज ३१११, ८७
 खुज्जा (कुज्जा) उ ११६
 खुड्ड (क्षुद्र) प ३६८१ ज १७; ४६०, ८३, ११३
 खुड्डग (क्षुद्रक) ज ४१३६
 खुड्डार (क्षुद्रतर) ज ४१५४
 खुड्डाग (क्षुद्रक) प १८१६
 खुड्डाय (क्षुद्रक) सू ११४
 खुड्डया (क्षुद्रिका) ज ४६०, ८३, ११३
 खुभिय (क्षुभित) ज २६५
 खुर (क्षुर) ज ३३०; ७१७८
 खुरप्प (क्षुरप्र) प २२० से २७; १५५ ज ३३०
 खुत्ता (क्षुल्लक) प १४६
 खुहा (क्षुधा) ज ३२२११ उ ३१२८
 खेड (खेट) प १७४ ज २२२, १३१; ३१८, ३१,
 ८१, १८०, १८५, २०६, २२१ उ ३१०१
 खेडग (खेटक) ज ३३५
 खेडय (खेटक) ज ३३१
 खेड्डकारग (खलकारक) ज ३१७८
 खेत्त (क्षेत्र) प २६४; ३११८; १२३२; १४५,
 १४१८११; १५१५२; १७१०६ से १११;
 २८२०, ३२, ६६; ३२२, ३, १०, १२, १३, १५
 से १८; ३६१६, ६०, ६६ से ६८, ७० से ७४
 ज २६६; ३३; ७२० से २५, २६, ५२, ५४,
 ७६ से ८२, ८५, ८६ सू ११४; २३; ३१;

६।१; ६।१; १०।४, ५, १७३; १६।२२।२५
खेतओ (क्षेत्रतस्) प ११।४८, ५०; १२।७, ८, १०,
 १२, १६, २०, २७, ३२; १८।३, २६, २७, ३७, ३८,
 ४१, ४३, ४५, ५६, ६४, ७७, ८३, १०८, ११७;
 २८।५, ५१; ३५।४ ज २।६६
खेततो (क्षेत्रतस्) प १८।६०, ६२, ६५
खेत्तानुवाय (क्षेत्रानुवात) प ३।१२५ से १७३,
 १७५, १७७
खेत्तारिय (क्षेत्रार्य) प १।६२, ६३
खेत्तोवधातगति (क्षेत्रोपधातगति) प १६।२५
खेत्तोववायगति (क्षेत्रोपवातगति) प १६।२४
 से ३०।३२
खेम (क्षेम) प २।३०, ३१, ४१
खेमकर (क्षेमकर) ज २।५६, ६० सू २०।८, २०।८।७
खेमंधर (क्षेमंधर) ज २।५६, ६१
खेमपुरा (क्षेमपुरा) ज ४।१८१, २००।१
खेमा (क्षेमा) ज ४।१७७, २००।१
खेल (खेल) प १।८४
खेल्लणग (खेलनक) उ ३।११४
खेल्लणय (खेलनक) उ ३।१३०
खेवणी (क्षेपणी) ज ३।३१
खोत (क्षोद) प १५।५५।१
खोतोदय (क्षोदोदक) प १।२३
खोदवर (क्षोदवर) सू १६।३१
खोदोद (क्षोदोद) सू १६।३१
खोद्दाहार (क्षोद्दाहार) ज २।१३५ से १३७
खोम (क्षीम) ज ४।१३; ५।६७ सू २०।७
खोमिय (क्षीमिक) सू २०।७

ग

गइ (गति) प २।४८ ज २।१५, ७१, १३३; ३।३,
 १३८, १७८; ५।२१; ७।२१, २५, ५५, ५८, ५९,
 १७५, १७८ ज ४।१ सू १।६, १।८।१;
 १६।२२।२२
गइकल्याण (गतिक्ल्याण) ज २।८१
गइनामणिहत्ताउय (गतिनामनिधत्तायुष्क)

प ६।११८
गइपरिणाम (गतिपरिणाम) प १३।२३
गइप्पवाय (गतिप्रपात) प १६।१७, ५५
गइरइय (गतिरनिक) ज ७।५५, ५८
गंगदत्त (गङ्गादत्त) उ ३।१३, १६०
गंगव्पवायकुंड (गंगाप्रवातकुण्ड) ज ४।२५, २६, ३१,
 ३५
गंगा (गंगा) ज १।१८, २०, ४८; २।१३१, १३३,
 १३४; ३।१, १४, १५, १८, १४१, १४३ से १५१,
 १६१, १६४, १७०; ४।१३, २३ से २६, २३ से
 ३६, १६७, १७७, २७४; ५।५५; ६।१६
 सू २०।७ उ १।६७; ३।५१, ५६, ६८
गंगाकुंड (गंगाकुण्ड) ज १।५१; ४।१७५, १७६
गंगाकूड (गंगाकूट) ज ४।४४
गंगाकूल (गंगाकूल) उ ३।५०
गंगादीव (गंगाद्वीप) ज ४।३१, ३२
गंगादेवी (गंगादेवी) ज ३।१४०, १४१, १४३, १४५,
 १४६
गंगावत्त (गंगावर्त्त) ज २।१५
गंगावत्तणकूड (गङ्गावर्त्तनकूट) ज ४।२३
गंज (गञ्जा) प १।३७।५
गंठि (ग्रन्थि) प १।४८।३८ ईख
गंड (गण्ड) प १।६५; २।५० ज ४।१३; ५।६७;
 ७।१७८
गंडतल (गण्डतल) प २।३०, ४६
गंडयल (गण्डतल) प २।३१, ४१
गंडलेहा (गण्डलेखा) ज २।१५
गंडीपद (गण्डीपद) प १।२२
गंडीपय (गण्डीपद) प १।६५
गंडूयलग (गण्डीपदक) प १।४६
गंता (गत्ता) प ११।७२; ३६।६२ ज ३।२५, ३८,
 ४६, १३२
गंतूण (गत्ता) प २।६४।२, ३
गंध (गन्ध) प १।४१, ६; २।३०, ३१, ४१, ४६;
 ३।१८२; ५।१७, १२, १४, १६, १८, २०, २४, २८,

३०, ३२, ३४, ३७, ३८, ४१, ४५, ५३, ५६, ५८,
 ६१, ६३, ६५, ७१, ७४, ७६, ७८, ८३, ८६, ८८,
 ९१, ९३, ९७, १०१, १०४, १०७, १०८, १११,
 ११५, ११८, १२६, १३८, १५०, १५२, १५४,
 १६०, २०७, २११, २१४, २२८, २४२, २४४;
 १०५३३१; १११५५; ११५३८, ४२, १५१५५३२;
 १७११४११, १७११३२ से १३४; २३११५ १६,
 १६, २०, १६०; २८१२०, ३२, ६६; ३६१८०, ८१
 ज ११३३; २१७, १६, १८, १२०, १४२ १६४,
 २११; ३३३, ७, ६, १११, १२, २१, ३४, ७८, ८२,
 ८५, ८८, १०६, १८०, १८७, २०६, २११, २१८,
 २२२; ४१८२, १०७, १०६; ५१५, ७, २२, २६,
 ३२, ५५, ५८; ७१२०६ सू २०१७ उ १३५;
 ३१५०, ११०; ५१२५
गंधओ (गन्धतस्) प ११५ से ६; १११५६; २८१८,
 २०, २६, ३२, ५४, ५६
गंधकासाड्य (गन्धकासायिक) ज ३१६, २११, २२२;
 ५१५८
गंधचरिम (गन्धचरम) प १०१४८१४६
गंधदृय (गन्धाद्रुक) ज ५१४
गंधनाम (गन्धनामन्) प २३१३८, ४८, १०६, १०७
गंधतो (गन्धतस्) प ११७ से ६
गंधदेवी (गन्धदेवी) उ ४१२१
गंधधुणि (गन्धध्राणि) ज २११२
गंधपज्जव (गन्धपर्यव) ज २१५१.५४, १२१, १२६,
 १३०, १३८, १४०, १४६, १५४, १६०, १६३
गंधपरिणाम (गन्धपरिणाम) प १३१२१, २७
गंधमंत (गन्धमन्त) प १११५२, ५५; २८१५, ५१
गंधमायण (गन्धमादन) ज ४११०२, १०४ से १०८,
 १६२, २०४, २१५
गंधमायणकूड (गन्धमादनकूट) ज ४११०५
गंधवटिभूत (गन्धवर्तिभूत) प २१३०, ३१, ४१
 ज ३१७, ८८, १८४, १८३; ५१५७ सू २०१७
गंधवटिभूय (गन्धवर्तिभूत) ज ५१७
गंध (वासा) (गन्धवर्षा) ज ५१५७
गंधव्व (गन्धर्व) प ११३२; २१४१, ४५; ६१८५

ज ३१११५, १२४, १२५; ७१२२३३ सू १०१८४३
गंधव्वछाया (गन्धर्वछाया) प १६१७
गंधव्वलिपि (गन्धर्वलिपि) प ११६८
गंधव्वानीय (गन्धर्वानीक) ज ५१४१, ४४
गंधहत्थि (गन्धहस्तिन्) उ ११६६ से ६६, १०२ से
 ११६, १२७, १२८
गंधादेश (गन्धादेश) प ११२०, २३, २६, २६, ४८
गंधावड (गन्धापातिन्) ज ४१२६६
गंधावडवट्टवेयड्डपव्वय (गन्धापातिवृत्तवर्ताढ्य-
 पर्वत) ज ४१२६२
गंधावति (गन्धापातिन्) प १६१३०
गंधाहारग (गन्धारक) प ११६८
गंधिल (गन्धिल) ज ४१२१२, २१२३
गंधिय (गन्धिक) प २१३०, ३१, ४१ ज ३१७, १२,
 ८८, २११, २२१; ४१२६; ५१७, ५८ उ ३१३१
गंधिलावडी (गन्धिलावती) ज ४११०३, २१२,
 २१२३
गंधिलावडकूड (गन्धिलावतीकूट) ज ४११०५
गंधोदग (गन्धोदक) ज ५१७
गंधोदय (गन्धोदक) ज ३१६, २२२
गंभीर (गम्भीर) प ११५१; २१२० से २७, ३०, ३१,
 ४१ ज २११५, ६८; ३१३५, १३८१; ४१३, १३,
 २५; ५१२२ से २४; ७११७८ सू २०१७
गंभीरमालिणी (गम्भीरमालिनी) ज ४१२१२
गगण (गगन) ज ११२६; २१६८; ३११७८; ४१४६
गगनतल (गगनतल) प २१४८ ज ३११७८; ५१४३
 उ ५१५
गगार (गद्गद) ज ७११७८
गच्छ (गम्) गच्छ ज ३१८३, १७० उ ११५४
 गच्छइ ज ४१२६८ २७४; ५१२२, २६; ७१२० से
 २५, ७६ से ८४, ६५ ६८ से १००, १३५;
 ७१३५११ चं २११ सू ११६११ गच्छं
 ज ३११५४, १७० गच्छंति प ६१६६, १०५,
 ११०, ३६१८३ ज २१४६; ७१३६ से ४८
 गच्छति प १६१३४, ४१, ४२, ४४, ४५, ४७, ५१,
 ५४; ३६१८२, ८३१ सू २१२

गच्छह ज ३।१२५, १२७ उ १।४४ गच्छामि
ज २।६०; ३।२६, ३६, ४७, ५६, १३३, १४५;
५।२२ उ १।१७; ३।२६ गच्छामो ज ३।१३८;
५।३ गच्छाहि ज ३।७६, १२७, १२८, १५१
गच्छिहि उ १।१४१; ३।१८; ४।२६; ५।४३
गच्छिहि ज २।१३५ से १३७ गच्छेज्ज
प ३६।६१
गच्छमाण (गच्छत्) सू २।२; २०।२
गच्छिता (गत्वा) ज ५।१४
√गज्ज (गर्ज्) गज्जति ज ५।७
गज्जिय (गजित) ज ३।१०४, १०५; ७।१७८
गड्ड (गर्त) ज २।३८, १३१; ३।८८ उ ३।५५
गद्विय (ग्रथित) उ ३।११४, ११५, ११६
गण (गण) प २।३०, ३१, ४१, ४८, ६० से ६३;
२।६४।१५ ज १।३१; २।८, १२, १३, २०, ३६,
४१, ६४; ४।३, २५ सू १।६।२।१०, २१; २०।६।४
उ ४।११; ५।५
गणग (गणक) ज ३।६, ७७, २२२
गणणा (गणना) चं १।३
गणधम्म (गणधर्म) ज २।१२६
गणनायग (गणनायक) ज ३।६, ७७, २२२
गणराय (गणराज) उ १।१२७ से १३०, १३२
गणहर (गणधर) प १६।५१ ज २।७३, ६५, ६६,
१०० से १०२, १०४ सू २०।६।४
गणहरच्चियगा (गणधरचितका) ज २।१०५ से
११२, ११४
गणावच्छेद्य (गणावच्छेदक) प १६।५१
गणि (गणिन्) प १६।५१ ज ३।३५, १६७ चं १।३
गणिज्जमाण (गण्यमान) सू १।२।३ से ६, १५
गणितलिपि (गणितलिपि) प १।६८
गणिय (गणित) ज २।४, ६४; ३।१६७।३; ६।७, ८
गणियपय (गणितपद) ज ६।८।१
गणिया (गणिका) ज ३।१२, २८, ४१, ४६, ५८,
६६, ७४, १४७, १६८, २१२, २१३ उ ५।१०,
१७

गत (गत) प २।३०, ३१, ६३; १७।१०७, १५१,
१५४; २।१।५२, ५५, ७७; ३।४।२०; ३६।८३।२,
३६।८६, ८८ सू २।३, ६।३; १३।७, ६, १२, १४
से १६; २०।७
गति (गति) प ३।१।१, ३।३८, ३६; १०।५३।१;
१६।३६, ४०, ४३, ४६, ५५; १७।११४।१;
१८।१।१; २३।१।३ से २३; ३६।८३।२ सू
२।३; १५।१, ३७; १८।८
गतिचरिम (गतिचरम) प १०।३१ से ३३
गतिणाम (गतिनामन्) प २।३।३८, ३६, ८१ से
८४, १४६, १४८, १४९, १७१, १७२
गतिणामनिहत्ताउय (गतिनामनिधात्तायुष्क)
प ६।११६, १२२
गतिपरिणाम (गतिपरिणाम) प १३।२, ३, १४, १६
से २१, २३
गतिमाता (गतिमात्रा) सू १५।५ से ७
गतिरतिय (गतिरतिक) सू १६।२३, २६
गतिसमावण्ण (गतिसमापन्न) सू १०।१७०; १५।५
से १३
गतिसमावण्णग (गतिसमापन्नक) सू १६।२३, २६
गत (गात्र) प २।३१ ज ३।६, २२२; ४।१३;
५।५; ७।१७८
गद्वभ (गर्दभ) प १।६३
गद्वभ (गर्भ) प ६।२६; १७।१६६, १६७, १६८
से १७२ ज २।८५; ३।३ उ १।५० से ५२,
५४, ७४, ७६, ७७, ७९
गदभवककंतिय (गर्भावकान्तिक) प १।६०, ६६,
७५, ७६, ८१, ८२, ८४, ८५, १२६; ३।१८३;
४।११० से ११२, ११६ से १२१, १२८ से
१३०, १३७ से १३६, १४६ से १४८, १५५ से
१५७, १६२ से १६४; ६।२२, २४, ६५, ६६,
७१, ७२, ८४, ८७, ८८, १०८, ११३; ६।७, १०,
१७, २३; १६।२८; १७।४३, ४७, ६३, ६४, ६६,
६७, ८६; २१।६, १०, १२, १३, १५ से २०, ३१,
३४, ३६, ४३ से ४८, ५३, ५४, ७२

गढभवसहि (गर्भवसति) प २१६४
 गढिभिणी (गमिणी) ज ३३२
 गम (गम) प १५११४३; २३११६७ ज २१५६,
 १५६; ३३३, १८३, २०३, २१७; ४११३६,
 १४०११, १६७, २४३; ५१४० सू ८१
 गमण (गमन) ज ३१६, ३५, ८५, १८३ उ ११४२,
 ८८, १२६; ३११२७, १२८
 गमणिज्ज (गमनीय) ज २१६४; ३११८५, २०६;
 ५१५८
 गमय (गमक) प ५११७६; १७१८८, ३५
 गमित्तए (गन्तुम्) उ ४१११
 गय (गज) प २३० ज २११५, ६५; ३११५, १७,
 २१, २२, ३१, ३४ से ३६, ७७, ७८, ६१, १७३,
 १७५, १७७, १७८, १६६ उ १११२३, १३८;
 ५११८
 गय (गत) प २४११; १७११०६, ११११; २११५५
 ज २११५; ३११८, १३८; ७१३३३३, १३५
 चं १११, २ उ ११२५, ४६, ५१, ५४, ६४, ७६, ७६,
 ८८, ८६, ६७, १११, ११२, १२१, १३८; २१६;
 ३११५, ३५, ५१, ५६, ८४, १२१, १६२; ४१२४;
 ५११७, २०, २७, ३१, ४०
 गयंद (गजेन्द्र) चं १११
 गयकण (गजकर्ण) प ११८६
 गयकलभ (गजकलभ) प १७१२३
 गयछाया (गजछाया) प १६१४७
 गयण (गगन) ज ३३३
 गयणतल (गगनतल) ज ५१४३
 गयतालुप (गजतालुप) प १७१२२६
 गयदंत (गजदन्त) ज ३३३५; ४११०३; ७१३३३३
 गजदंतसंठिय (गजदंतस्थित) सू १०१५१
 गयपुर (गजपुर) प ११३३३२
 गयमारिणी (गजमारिणी) प ११३७५
 गयखधरि (गजखधरिन्) ज ७११७८
 सू १८१४
 गयवड (गजवति) प २४६ ज ३१७, १२६१२,
 १७७, १८३, २०१, २१४ उ १११२४, १३१;

५११६
 गयवति (गजवति) ज ३११२६१२
 गयवर (गजवर) ज ३१६१
 गयविक्रम (गजविक्रम) ज ७१३३३३
 गयविक्रमसंठिय (गजविक्रमस्थित) सू १०१५३
 गरह (गर्ह) गरहति उ ३१११७ गरहेहि
 उ ३१११५
 गरहिज्जमाण (गर्ह्यमाण) उ ३१११८
 गराइ (गर) ज ७१२२३ से १२५
 गरुय (गुरुक) प १४ से ६; ३११८२; ५१५, ७,
 २०६; १५११४, १६, २७, २८, ३२, ३३; २८२०,
 ३२, ६६
 गरुयस्त (गुरुकस्त) प १५१४४, ४५
 गरुयलहुयपज्जव (गुरुकलहुयपर्यव) ज २१११,
 ५४, १२१, १२६, १३०, १३८, १४०, १४६, १५४,
 १६०, १६३
 गरुल (गरुड) प २३०, ३१ ज ३११०६; ४१२०८
 चं ११२
 गरुलव्यूह (गरुडव्यूह) उ १११४, १५, २१, १३६,
 १४०
 गल (गल) ज २११५; ७११७८
 गल (गलन्) चं १११
 गल (गलन्) गलइ उ ११११
 गलय (गलन्) ज ७११७८
 गललाय (गललात) ज ३११७८; ७११७८
 गल्ल (गल्ल) ज ५११८
 गवक्ख (गवाक्ष) ज ११६; २१२०; ४१३
 गवय (गवय) प ११६४ ज २३५
 गवल (गवल) प २३३१, १७१२३ ज ३२४
 गवलवल्लय (गवलवल्लय) प १७१२३
 गवेलग (गवेलक) ज ३११०३
 गवेलय (गवेलक) ज २१३३१
 गवेल (गवेलन्) गवेलइ उ ३१११४
 गवेसग (गवेपक) ज ३११०६
 गवेसणा (गवेपणा) ज ३२२२३ सू २०१७
 गवेसिता (गवेपयित्वा) उ ३१११४

गन्धर्व (गन्धर्व) ज ७१३७८

गह (ग्रह) प ११३३; २१२० से २७,४८ से ५१,

६३ ज ११२४; ७११७७३, १८०, १८१, १८६,

१६७ सू १०१७१ से १७३; १५११, १०, १३;

१८४, १८, १६, ३७; १८११, ५२, ८२,

१६१२३३, ६, ६, १०, २१, २०, २६, ३१; २०८

गहण (ग्रहण) ज ३६, १७, २१, ३७, १७७, २२२;

७५५, ५८, १८०, १८१, १६७, सू १८१८;

१६१२२, २३, २६; २०७७ ज २१२२; ५१४१

गहन (ग्रहन) प १४८५३ से ५५; ११५३, ५५,

५७, ५६, ७१; १८६५; २२१५८० उ १७१

गहणया (ग्रहण) उ ११७

गहत्त (ग्रहत्त्व) उ ३८३

गहर (दे०) प १७६

गह्विगाथ (ग्रहविगाथ) प ४१८८ से १६४

ज ७१७८११, १६१, १६२ सू १८८, ११, १५,

३१, ३२

गहाय (गृहीत्वा) प ३६८१ ज ३८८ उ १६७;

३५०

गह्विगण (गृहीत्वा) ज ३२४

गहित (गृहीत) सू २०१२, ६१ उ ३५५

गह्वि (गृहीत) प २४१; ११७१, ७२ ज ३१२,

७७, ८८ १०७, १२४, ५७, ५८ उ ११३८;

३६३, ७०, ७३

गहिर (गम्भीर) प २४८

गा (गै) गायत्री ज ५५७

गाउय (गव्युत) प १७५; २६४; २१४२, ४४, ४६;

४७१, १२; २४८; ३३२ से ६ ज २६, ४५;

४८६, १०३, ११०, १४३, १७८, २०३, २२६;

७६०, १८२

गाउयगुह्यति (गव्युतगृह्यति) प १७५

गागर (दे) प १५६ ज ३३

गात (गात्र) ज ३२११; ५५८

गाम (गाम) प १७७; १६२२, २१६२, ६३

ज २१२२, ६६ ७०, १३१; ३१८, ३१, ३२, ८१,

१६७२, १८०, १८५, २०६, २२१ उ ३१०१;

५३६

गामकंठय (गामकण्ठय) उ ५४३

गामणिद्रमण (गामणिद्रमण') प १८४

गाममारी (ग्राममारी) ज २४३

गामरोम (ग्रामरोम) ज २४३

गाय (गो) प ११४

गामाणुगाम (ग्रामानुगाम) उ १२, १७, ३१६, ६६,

१३२; ५३६

गामि (गामिन्) उ ११११, ११२

गाय (गो) प ११४

गाय (गात्र) प १७१३४ ज २१५, १८, ३८२,

२११, ५५८ उ ३५०

गायंत (गायन्) ज ३१७८

गारव (गौरव) ज ३३

गारविय (गौरवित) सू २०६१२

गालण (गालन) उ १५१, ७६

गालितए (गालयितुम्) उ १५१, ७६, ७७

गालेमाण (गालयितुम्) उ ५२५

गावी (गो) ज २३४

गाह (ग्राह) प १५५, ५८

गाह (ग्राह्) ग्राह्यति ज २१३४

गाहा (गाथा) प १४८; २४०; १५५ सू ११७,

१६, २५

गाहावड (गृह्यति) ज ४१८१, १८३, १८४, १८६,

१६५ उ ३१०, ११, १३, २१, १५८, १६०, १६६;

४७ से ६, १६, १८

गाहावडकुण्ड (गृह्यतिकुण्ड) ज ४१८२, १६४

गाहावडणी (गृह्यति) उ ४६

गाहावडदीप (गृह्यतिदीप) ज ४१८२

गाहावडरयण (गृह्यतिरयण) ज ३११६, १२०,

१७८, १८६, १८८, २०६, २१०, २१६, २१६,

२२०

गाहावडरयणस्त (गृह्यतिरयणस्त) प २०५८

गान्धर्व (गान्धर्व्या) ज २१३४

गिण्ह (ग्रह्) गिण्हइ ज ५१६०, ६६ उ ११५७
गिण्हंति ज ५११४, १७, ५५ उ ११४५ गिण्हह
उ ११४४ गिण्हेइ उ ११४८

गिण्हउकाम (ग्रहीतुकाम) उ १११०५

गिण्हमाण (गृह्णत्) प १११७०

गिण्हित्तए (ग्रहीतुम्) उ ११११६

गिण्हित्ता (गृहीत्वा) ज ५११४ सू २०१२ उ ११४५

गिण्हेऊणं (गृहीत्वा) उ ३१६८

गिण्हेत्ता (गृहीत्वा) उ ११४८

गिरह (ग्रीष्म) ज २१६४, ७०; ७१६४, १६७

सू ८१; १०७१ से ७४; १२११४ उ ५१२५

गिरिकुमार (गिरिकुमार) ज ३११३३, १३६

गिरा (गिरा, गिर्) ज २११५

गिरि (गिरि) ज २११५, ६५, १३१, १३३, १३४;
३१३२, ७६, ७७, १०६, १२६४, १२८, १३८,
१५१, १७०, १८५, २०६, २२१; ४१२३४, २४०

गिरिकण्ड (गिरिकर्णी) प ११४०१५ अपराजिता

गिरिदरी (गिरिदरी) ज ३११०६

गिरिराय (गिरिराज) ज ४१२६०११ सू ५११

गिरिवर (गिरिवर) ज २१६५; ३१३, ८८

गिल्लि (दे०) ज २१३३

गिह (गृह) ज ३१३२, १८३, १८६ उ ११४२, ४४,
१०८; ३१२६, १००, १०१, १३१, १४१, १४८;
४११२, १५

गिहिल्लिगसिद्ध (गृहलिङ्गसिद्ध) प १११२

गीत (गीत) प २१३०, ३१, ४१ सू १८१२३;
१६१२३, २६

गीतजस (गीतयशस्) प २१४५, ४५१२

गीतरति (गीतरति) प २१४५

गीय (गीत) प २१४१, ४६ ज ११४५, २१६५;
३१८२, १८५, १८७, २०४, २०६, २१८; ५११,
१६; ७१५५, ५८, १८४

गीयरइ (गीतरति) प २१४५१२

गीवा (ग्रीवा) ज २११५

गुंजंत (गुञ्जत्) ज २११२

गुंजद्ध (गुञ्जार्ध) ज ३१३५, १८८

गुंजद्धराम (गुञ्जार्धराम) प १७१२६

गुंजालिया (गुञ्जालिका) प २१४, १३, १६ से १६,
२८; १११७७

गुंजावल्ली (गुञ्जावल्ली) प ११४०१४ घूँघची

गुंजावाय (गुञ्जावात) प ११२६

गुच्छ (गुच्छ) प ११३३११, ३७; ११४८१६, ६१

ज २११२, १३१, १४४, १४६ उ ५१५

गुच्छवहुल (गुच्छवहुल) ज १११८

गुञ्ज (गुह्य) उ ३१११

गुञ्जंतर (गुह्यान्तर) ज ४१२१

गुण (गुण) प २१६४१३, १७; ५१३६ से ३८, ५८
से ६०, ७३ से ७५, ८८ से ६०, १०६ से १०८,
१४६, १५०; १५१४ से १६, २७, २८, ३२, ३३,
५७; २०१७, १८, ३४; २८१२०, २६, ३२, ६६;
३४१२० ज २११५, ६५; ३१३, ३२, ११७११,
११६, १८६, २०४, २०६; ५१५६, ६८, ७०

गुणइ (गुणाद्य) ज ३१३२११

गुणनिष्फण (गुणनिष्फण) उ ११६३

गुणरयण (गुणरत्न) ज ५१५८

गुणसिलय (गुणशिलक) उ १११, २; ३१४, २१, २४,
८६, १५५, १६८; ४१४, ६, १३, १८

गुणसेडि (गुणश्रेणि) प ३६१६२

गुणसेढीय (गुणश्रेणिक) प ३६१६२

गुणहर (गुणधर) ज ३११२६११

गुणित (गुणित) सू १६१२१२६

गुणिय (गुणित) ज २१६

गुणेत्ता (गुणयित्वा) ज ७१३१ सू ४१४, ७

गुणोबवेय (गुणोपेत) ज २११४

गुत्त (गुप्त) प २१३०, ३१, ४१ ज २१६८; ३१३५

गुत्तबंभयारि (गुप्तब्रह्मचारिन्) ज २१६८ उ २१६;
३१३३, ८६, १०२, ११३, ११५, १४६, १६०;
४१२०, २२; ५१२७, ३८, ४३

गुत्ति (गुप्ति) प १११०११० ज २१७१

गुत्तिदिय (गुप्तेन्द्रिय) ज २।६८ उ ३।६६

गुमगुमंत (गुमगुमायमान) ज २।१२

गुम्म (गुल्म) प १।३३।१; १।३८।३, १।४८।६१
ज २।१०, १२, १३१, १४४ मे १४६; ३।२२१;
४।१६६ उ ५।५

गुम्मबहुल (गुल्मबहुल) ज १।१८

गुरु (गुरु) प १।११ ज २।१३३

गुरुजण (गुरुजन) उ १।७२

गुरुजणग (गुरुजनक) उ १।८८, ६२

गुल (गुल) प १।७।१३५ ज २।१७

गुलगुलाइय (गुलगुलायित) ज २।६५; ३।३१;
५।५७

गुलिया (गुलिका) प २।३१ ज ७।१७८

गुलगुलाइय (गुलगुलायित) ज ७।१७८

गुहा (गुफा) ज १।२४; ३।३२

गूढवंत (गूढदन्त) प १।८६

गूढछिराग (गूढशिराक) प १।४८।३६

✓गेण्ह (गह्) गेण्हइ प १।१७।१ ज २।११३;
३।२६, ३६, ४७, ५६, ६४, ७२, १३३, १३८,
१४५; ५।५५ उ ३।५१ गेण्हंति प १।१८१;
२८।२२ से २४, ३४ से ३६, ३६, ४०, ४२, ४५,
६८, ६९, ७१; ३।४६ ज २।११३; ५।५५
गेण्हंति प १।१४७ से ७०, ८०, ८१, ८३, ८५
सू २०।२

गेण्हमाण (गूहणत्) सू २०।२

गेण्हत्ता (गूहीत्वा) ज ३।२६, ३६ उ ३।५१

गेय (गेय) ज ५।५७

गेरुय (गेरिक) प १।२०।४

गेविज्ज (ग्रीवेय) उ १।१३८

गेविज्जग (ग्रीवेयक) ज ३।६, ३६, २२२

गेविज्जविमाण (ग्रीवेयकविमान) उ ५।४१

गेवज्ज (ग्रीवेय) प २।४६, ६३; ३।४।६, १८
ज ३।७७, १०७, १२४; ७।१७८

गेवेज्जग (ग्रीवेयक) प १।१३६, १३७; २।४६, ६० से
६२; ६।६६, ६८; १।५।८८, ६१, ६६, १०४, १०८,
११२, ११५, ११६, १२२, १२५, १२७, १२८,

१३६; २।१।५५, ६२, ७१, ६३; ३।३।२५

गेवेज्जगविमाण (ग्रीवेयकविमान) प २।६०;

३०।२६

गेह (गेह) ज ६६ सू ४।२, ३

गेहावण (गेहायतन^१) ज २।२१

गेहावणसंठित (गेहावणसंस्थित) सू ४।२

गो (गो) ज ३।१०३

गोकण (गोकर्ण) प १।६४, ८६ ज २।३५

गोकखीर (गोक्षीर) प २।६४

गोखीर (गोक्षीर) प २।३१ ज ४।१२५; ५।६२;
७।१७८

गोजलोय (गोजलौका) प १।४६

गोड (गोड) प १।८६

गोण (गीण) प १।६४; १।१।१६ से २० ज २।३५

गोणस (गोनस) प १।७१

गोतम (गीतम) प ३।६।२२, ८१ चं १।४

गोत्त (गीत्त) प ३।६।२२ ज १।१५; ७।१२७।१,
१३२।४, १६७।१ चं ५।३, १० सू १।५; ६।४;
१०।६२ से ११६; १।६।२।३

गोत्तफुसिया (गीत्तस्पर्शिका) प १।४०।५

गोध (गीध) प १।८६

गोधूम (गीधूम) प १।४५।१

गोपुच्छ (गीपुच्छ) ज १।१८, ३५, ५१; २।१५;
४।४५, ११०, २१३, २४२

गोपुर (गीपुर) ज २।२० सू ४।२

गोमयकीडग (गीमयकीटक) प १।५१

गोमाणसिया (दे०) ज ४।१३०

गोमुह (गीमुख) प १।८६

गोमेज्जय (गीमेदक) प १।२०।३

गोम्ही (दे०) प १।५०

गोय (गीय) प २।२।२८; २।३।१, २, ५७; २।४।१५;
२६।११; २।७।५; ३।६।८२ ज ३।२२५
उ १।१७

गोयम (गीतम) प १।७४, ८४; २।१ से ३६, ४१ से

१. गेहेषु आपतनानि वा उपभोगार्थमागमनानि ।

४४,४६,४८ से ६४,३३८ मे १२०,१२२
 मे १२४,१७४,१७६ से १८२;४१ से ५४,
 ५६ मे ६७,६९ मे ७४,७६ मे ८०,८२ मे
 २६६;५१ मे ७६ से २०,२३,२४,२७
 मे ३४,३६,३७,४०,४१,४४,४५,४८,५२,
 ५३,५५,५६,५८,५९,६२,६३,६७,६८,७०,
 ७१,७३,७४,७७,७८,८२,८३,८५,८६,८८,
 ८९,९२,९३,९६,९७,१००,१०१,१०३,१०४,
 १०६,१०७,११०,१११,११४,११५,११८,
 ११९,१२३ मे १३१,१३३ मे १४०,१४२ मे
 १४७,१४९,१५०,१५३,१५४,१५६,१५७,
 १५९,१६२,१६३,१६५,१६६,१६८,१६९,
 १७१ मे १७४,१७६,१७७,१८०,१८१,१८३,
 १८४,१८६,१८७,१८८,१९०,१९२,१९३,
 १९६,१९७,१९९,२००,२०२,२०३,२०६,
 २०७,२१०,२११,२१३,२१४,२१७,२१८,
 २२०,२२१,२२३,२२४,२२७ से २३४,
 २३६ मे २३९,२४१,२४५;६१ मे ४५,
 ४७ मे ५५,५७,५८,६० से ६४,६७,६८,७०
 मे ७२,७४ मे ८५,८७ मे ९१,९३,९४,९६ से
 १०३,१०५ मे ११०,११२,११४ से ११६,
 ११८ से १२१,१२३;७१ से ४,६ से ३०;
 ८१ से ११;९१ से ४,६ से १६,१९ से २२,
 २५,२६; १०१ से ५,७ से १३,१५ से २४,
 २६ से २९,३१ से ५३;१११ से ४४,४६,
 ७३,७६ मे ८०;१२१ मे ५,७ मे १३,१५,
 १६,२०,२१,२३,२४,२७,३१ मे ३३; १३१
 मे १३,०१ मे ३१;१४१ मे ३,५,७,९ ११ मे
 १५,१७;१५१ मे २८,३० मे ३३,३६ से ५४,
 ५७ से ७४,७६ से ८४,८६,९१ से ९८,१००,
 १०३ मे १०६,१०८,१०९,११३ से ११९,
 १२६,१२९,१३२ से १३५,१४०,१४१;१६१
 से ४,६ मे ८,१० से १३,१५,१७,१९ से
 २१; १७१ से ६,८ से १७,१९ मे २२,२४,
 २५,२७,२९,३३,३६ से ६१,६३ से ६६,७१

से ७६,७८ से ८७,९० मे ९२,९४,९५,१००,
 १०२ से १०४,१०६ से ११६,११८ मे १३७,
 १३९ से १४७,१४९ मे १५२,१५४ मे १६४,
 १६६,१६७,१६९ मे १७२;१८१ मे १०,१२
 मे ३७,३९,४१ मे ४७,४९ मे ९०,९२ मे
 १२७;१६१ मे ३,५;२०१ मे ४,६,७,९
 मे २५,२७ मे ३०,३२ मे ३४,३८ मे ५४,६१
 से ६४;२११ से १५,१९ मे २५,२८ मे ३२,
 ३६ से ३८,४० से ४२,४८ मे ८१,८३ से
 ९६,९८ से १०१,१०३ से १०५;२२१ मे
 ११,१३,१५,१७,१९,२१ मे २३,२६,२७,
 २९,३०,३२ से ५०,५२,५३,५७,५९ से ६९,
 ७८,७९,८२ मे ८४,८६,८७,८९ से ९५,९७
 मे ९९,१०१;२३१ मे ७,९ से ११,१३ मे
 ५०,५७ से ६२,६५,६९ से ७९,८१,८३
 मे ८६,८९,९०,९५,९८,९९,१०१ मे १०४,
 १०६,१११ से ११८,१२८,१२९,१३१ मे
 १३५,१३७ से १४०,१५४,१५५,१५७,१६०,
 १६१,१६४,१६७,१७१,१७३,१७६,१७७,
 १६१ से १६६,१६८ से २०१;२४१ से ६,८,
 १० से १५;२५१,२४,५;२६१ से ४,६;८
 से १०;२७१ मे ३,५,६; २८१,३ मे ७,१०
 से १९,२१ से २४,२९,३१,३३ मे ३७,३९ से
 ४२,४४,४५,४९ से ५३,५६ से ६५,६७
 से ७१,७६ से ९९,१०२,१०४,१०६ से १२०,
 १२२,१२३,१२५,१२७ से १२९,१३२;२६१
 से ३,५ से १३,१६ मे २१,३०१ से ३,५
 मे १३,१५ मे २३,२५ मे २८;३११ मे
 ३,६;३२१ से ४,६;३३१ से ३,७ से १०,
 १२,१३,१५ से २६,३१ मे ३३,३५,३६;
 ३४१ से ३,५ मे ९,११ मे १८,२०,२५;
 ३५१ से १३,१६ से २०,२२,२३;३६१ मे
 २२,३० से ५१,५३ मे ६४,६६,६७,७०,७१,
 ७४ मे ९०,९२,९४ मे ११५ मे ७,१५ मे
 १८,२० से २३,२६,२७,२९,३३ मे ३५,४१,

४५ से ५१; २११ से ४, ७, १४, १५, १७ से २३,
 २५, ४२, ४४ से ४८, ५०, ५२, ५६ से ५८,
 १२२, १२३, १२७, १२८, १३१ से १३७, १३९,
 १४७, १५०, १५१, १५६, १५७, १५९, १६१,
 १६४; ३११, ६८, २२६; ४११, २२, ३४, ४४, ४५,
 ४८, ५१, ५२, ५४ से ५७, ६० से ६२, ६४, ७९,
 से ८२, ८४ से ८६, ८९, ९६ से ९८, १०० से
 १०३, १०५ से ११०, ११३, ११४, १४१, १४३,
 १५९ से १६७, १६९ से १७८, १८० से १८२,
 १८४, १८५, १८७, १८८, १९० से १९४, १९६,
 १९७, १९९, २००, २०२ से २१०, २१२ से
 २१४, २२५, २२६, २३४, २३६, २३७, २३९,
 २४१, २४५, २४९, २५१ से २७७; ६१२, ४, ७
 से २६; ७१ से ३६, ३८ से ४८, ५२ से ५७,
 ५९ से १०८, १११ से १४४, १४७, १४८,
 १५०, १५४ से १६७, १७० से १७८, १८० से
 १८५, १८७, १९७ से १९९, २०१ से २१३;
 चं १० सू० ११५; १०११०२ उ ११२५, २६, २८,
 १४०, १४१; २१२, १३; ३१८, ९, १६ से १८;
 २६, २७, ८५, ८६, ९३, ९५, १२२ से १२५, १५२,
 १५७, १६३ से १६५; ४६, २५, २६

गोयम (गोतम) ज ७१३२१२

गोयर (गोचर) ज २१३२२

गोर (गौर) प २४०१८, २४९ ज ११५

गोरखर (गौरखर) प १६३ गदर्भ की एक जाति

गोलगोलच्छाया (गोलगोलच्छाया) सू ६१५

गोलच्छाया (गोलच्छाया) सू ६१४, ५

गोलपुञ्जच्छाया (गोलपुञ्जच्छाया) सू ६१५

गोलवट्टसमुगय (गालवृत्तसमुद्ग) २१२०;

७१८५

गोलव्यायण (गोलव्यायण) ज ७१३२१४

सू १०११५

गोलावलिच्छाया (गोलावलिच्छाया) सू ६१५

गोलोम (गोलोमन्) प १४९

गोवग (गोपक) ज ३१३५

गोवल (गोवल) ज ७१३२१३

गोवलायण (गोवलायन) सू १०११०६

गोवल्ली (दे०) प १४०१४

गोसीस (गोशीर्ष) प २१३०, ३१, ४१ ज २१६५,

६६, ६९, १००; ३१७, ६, १२, ८२, ८८, १३३,

१८४, २११, २२२; ५१४ से १६, ५५, ५८

गोसीसावलि (गोशीर्षावलि) ज ७१३३११

गोसीसावलिसंठिय (गोशीर्षावलिसंस्थित)

सू १०१२७

गोहा (गोधा) प ११७६

गोहूम (गोधूम) ज २१३७; ३११९

घ

घओदय (घतोदक) प ११२३

घंटा (घण्टा) ज ११३७; ३१३५, १७८; ४१३०;

५१२२ से २६, २८, ४८ से ५३; ७१७८

उ ११३८; ३१७, ६१

घंटिया (घण्टिका) ज २१६४; ७१७८

घंटियाजाल (घण्टिकाजाल) ज ३१२४, ३०, १०६;

५१२८

घट्टणया (घट्टनता) प १६१५३

घट्ट (घृष्ट) प २१३०, ३१, ४१, ४९, ५९, ६३, ६४

ज ११८, २३, ३१ सू २०१७

घड (घट) प २१३०, ३१, ४१ ज ३१७; ४१२३, ३८,

६५, ७३, ९०, ९१

घड (घटय्) घडेंति ज ५११६

घडावेत्ता (घटयित्वा) उ ३१५०

घडिया (घटिका) ज ४११२९

घडेत्ता (घटयित्वा) ज ५११६

घय (घन) प १४८१३८; २१३०, ३१, ४१, ४९;

१२१२, ३८; ज ११२४, ४५, ६५; ३१३, २४,

८२, १६७, १८५, १८७, २०६, २१८, २२४;

४१२५; ५११, ५, १९, ५७, ६२; ७१५५, ५८,

१७८, १८४ सू १८१२३; १९१२३, २६

घणघण (घनघन) ज २१६५

घणघणाइय (घनघनायित) ज ० ५१५७

घणघणेत (घनघनायमान) ज ३।३१
 घणदंत (घनदन्त) प १।८६
 घणवाय (घनवात) प १।२६; २।१०
 घणवायवल्लय (घनवातवल्लय) प २।१०
 घणसंसंद् (घनसंसंद्) सू १।२।२६
 घणोदधि (घनोदधि) प २।२४
 घणोदधिवल्लय (घनोदधिवल्लय) प २।४
 घणोदहि (घनोदधि) प २।१३
 घणोदधिवल्लय (घनोदधिवल्लय) प २।१३
 घत (घृत) प १।५।५।१ सू १०।१२०
 घतवर (घृतवर) सू १।६।३१
 घतोद (घृतोद) सू १।६।३१
 √घत्त (ग्रह्) घत्तामो ज ३।१०७ घत्तिहामि
 उ १।४१ घत्तेह ज ३।११४
 घत्थ (ग्रस्त) सू २०।२
 घय (घृत) ज २।१०६; ११० उ ३।५१
 घयमेह (घृतमेघ) ज २।१४३, १४४
 घर (गृह) सू २०।७ उ ३।१००
 घरग (गृहक) ज १।१३
 घरघरग (घरघरक) ज ७।१७८ अनुकरणशब्द
 घरोइला (गृहकोकिला) प १।७६
 घाइय (घातित) ज ३।१०८ से १११ उ १।२२;
 १४०
 घाएउकाम (हन्तुकाम) उ १।७२
 घाडिय (घाटिक) ज २।२६
 घाण (घ्राण) प १।५।७७, ८१, ८२; ३।६।८१
 ज ४।१०७
 घाणविण्णाणवरण (घ्राणविज्ञानावरण)
 प २३।१३
 घाणावरण (घ्राणावरण) प २३।१३
 घार्णदिय (घ्राणेन्द्रिय) प १।३।४; १।५।१, ४, ८,
 १३, १६, ४२, ५८, ६४, ६६, ७०; २।८।४५, ४६,
 ७१ उ ३।३३
 घार्णदियत्त (घ्राणेन्द्रियत्व) प ३।४।२०
 घार्णदियपरिणाम (घ्राणेन्द्रियपरिणाम) प ३।३।४

घार्णेदिय (घ्राणेन्द्रिय) प १।५।३४
 घायय (घातक) ज २।२८
 घुल्ला (दे०) प १।४६
 घेत्तूण (गृहीत्वा) ज ३।८१
 घोडग (घोटक) प १।६३
 घोडय (घोटक) प १।१।१६ से २०
 घोणा (घोणा) ज ३।१०६
 घोर (घोर) ज १।५
 घोरगुण (घोरगुण) ज १।५
 घोरतवस्सि (घोरतपस्विन्) ज १।५
 घोरबंमचेरवासि (घोरब्रह्मचर्यवासिन्) ज १।५
 घोलंत (घोलत) ज ३।६; ५।२१
 घोस (घोष) प ० २।४।०।६ ज २।६५; ३।३५,
 १८६, २०४
 √घोस (घोषय्) घोसंति ज ३।२।१३ घोसेंति
 ज ५।७३ घोसेह ज ३।२।१२; ५।७२, ७३
 घोसणा (घोषणा) ज ५।२६, ७२, ७३
 घोसाडइफल (कोशातकीफल) प १।७।१३०
 घोसाडई (कोशातकी) प १।४।०।१
 घोसडय (कोशातक) प १।४।८।४८
 घोसाडिय (कोशातकी) प १।७।१३०
 घोसेत्ता (घोषयित्वा) ज ३।२।१२

च

च (च) प १।१ ज १।७ सू १।७ उ १।७; ३।७;
 ४।१०
 चइत्ता (त्यक्त्वा) प २०।४६ ज २।६४ उ ३।१८,
 १२५, १५२; ४।२६, २८; ५।३०, ४३
 चइत्ता (च्युत्वा) ज २।८५
 चउ (चतुर्) प १।१३ ज १।८ चं ४।३ सू १।८
 उ २।२२
 चउक्क (चतुष्क) प २।१।१६; २।३।२६, २८, ६२,
 १३४, १७८ ज २।६५; ३।१८५, २१२, २१३;
 ५।७२, ७३; ७।१३१।२ उ १।६८
 चउक्कग (चतुष्क) ज ७।१३१।२
 चउक्कय (चतुष्क) प ६।८३; २३।२८

चउगुण (चतुर्गुण) प २।५६ ज ५।५१

चउगुण (चतुर्गुण) प २।४०।५ ज ५।४६, ५।२।१
सू १।६।२।२।३

चउजमलपय (चतुर्थमलपद) प १।२।३२

चउट्ठाणवडित (चतुःस्थानपतित) प ५।१२, १।४,
१६, १८, २४, २८, ३४, ३५, ३७, ४१, ४५, ४६,
५०, ५४, ५६, ५६, ६३, ६६, ७१, ७४, ७८, ८६,
८७, ८६, ८३, ८४, ८७, १०२, १०४, १०५, १०७,
१११, ११२, ११६, ११६, १३१, १३४, १३६,
१३८, १४०, १४३, १४५, १४७, १४८, १५०,
१५१, १५४, १६६; १६७, १६६, १७२, १७५,
१७८, १८२, १८४, १८५, १८७, १८८, १९०, १९३,
१९७, २००, २०३, २०७, २११, २१४, २१८,
२२१, २२४, २२८, २३०, २३२, २३४, २३७,
२३९, २४०, २४२

चउट्ठाणवडिय (चतुःस्थानपतित) प ५।७, २।५,
८४, १६३

चउणउत (चतुर्नवति) सू १।६।१४, १।५।१

चउणउति (चतुर्नवति) सू ४।४

चउणउय (चतुर्नवति) ज ४।२४१

चउणवइ (चतुर्नवति) ज ४।८६

चउतीस (चतुर्विंशत्) सू १।२०

चउतीस (चतुर्विंशत्) सू १।२२

चउत्य (चतुर्थ) प ३।२०, १।८३; ६।८०।१;

१०।१४।४, ५, ६; १।१३, ४२, ८८; १।५।१४३;
१।७।१४८; ३३।१६; ३६।८५, ८७ ज ४।१८०,
२०२; ७।१०६, १।५६, १६३ सू १०।७०, ७४,
७७, १२७; १।१५, ६; १।२।५, १७, २७; १।३।८,
१६ उ २।१०, १२; ३।१४, ५४, ७१, ८३, ८८,
१५३, १५४, १६१; ४।१, ३, २७; ५।१, २८; ३६, ४३

चउत्यभक्त (चतुर्थभक्त) प २।८।२५ ज २।५६, १।५६

चउत्या (चतुर्थी) सू १।२।२२

चउत्याहिय (चतुर्थाहिक) ज २।४३

चउत्यो (चतुर्थी) ज ७।१२५ उ १।२६, २७,
१४०, १४१

चउदस (चतुर्दशन्) ज ३।२२१

चउदसपुर्वि (चतुर्दशपूर्विन्) ज २।७८

चउदस (चतुर्दशन्) ज ७।१५६ सू ८।१

चउदसपुर्वि (चतुर्दशपूर्विन्) ज २।७८

चउदसम (चतुर्दश) सू १०।७७; १।३।८

चउदसी (चतुर्दशी) ज ७।१२५

चउद्विहि (चतुर्विंश) ज ४।४, २०, ११८, १२६,
१४४, १४७, १५१।२, २१६, २३५, २४६;
५।४०, ६१

चउनाणोवगय (चतुर्ज्ञानोपगत) ज १।५

चउपएसिय (चतुःप्रदेशिक) प ५।१५६; १०।६

चउपण (चतुःपञ्चाशत्) ज २।७७

चउपणम (चतुःपञ्चाशत्क) सू १३।१७

चउपुरिसपविभक्तगति (चतुःपुरुषप्रविभक्तगति)
प १६।३८, ५२

चउप्पएसिय (चतुःप्रदेशिक) प ५।१६०

चउप्पगार (चतुःप्रकार) प १।१३०।२

चउप्पण (चतुःपञ्चाशत्) ज ४।२३४

चउप्पदेस (चतुःप्रदेशिक) प १०।१४।२

चउप्पय (चतुष्पद) प १।६१, ६२, ६६; ४।१२२ से
१३०; ६।७१, ७७; २।१११ से १३, ३५, ४४,
५३, ६० ज २।१३१; ७।१२३ से १२५

चउप्पाइया (चतुष्पादिका) प १।७६

चउब्भाग (चतुर्भाग) ज ७।१६० से १६५ सू
१।१६; १०।१४२, १४७; १।२।३०; १।८।२७ से
३५

चउभंग (चतुर्भङ्ग) प १६।१०; २६।६, ६

चउभंगि (चतुर्भङ्गिन्) प १०।६

चउभाग (चतुर्भाग) प ४।१७७, १७६, १८०, १८२,
१८३, १८५, १८६, १८८, १८९, १९१, १९२,
१९४, १९५, १९७, १९८, २००, २०१, २०३
ज ७।१८७, १८८ सू १।१६; २।१; ६।३;
१०।४७; १।२।३०; १।३।४; १।५।१७ से १६, २४।
२५

चउम्मुह (चतुर्मुख) ज ३।१८५, २।२२, २।२३;
५।७२, ७३ उ १।६८

चउरंगुल (चतुरङ्गुल) सू १०६३; १६१२२
 चउरंगुलकण्णाक (चतुरङ्गुलकर्णक) ज ३।१०६
 चउरंगुलजण्णुक (चतुरङ्गुलजानुक) ज ३।१०६
 चउरंगुलसूतियखुर (चतुरङ्गुलोच्छ्रितखुर)

ज ३।१०६

चउरंस (चतुरस्र) प १।४ से ६; २।२० से २७,
 ३१ से ३५, ४१; १०।१५, २६; २१।६२ ज
 १।३१; २।१५; ३।६५, १५६; ४।११४

चउरासीड (चतुरशीति) प २।४६ ज २।४

चउरासीति (चतुरशीति) प २।२० ज २।७३

चउरिदिय (चतुरिन्द्रिय) प १।१४, ५१; २।१८;
 ३।६, ४० से ४२, ४७, ४६, १५० से १५२,
 १८३; ४।१०१ से १०३; ५।३, ८१; ६।२०, ६५,
 ७१, ८३, १००, १०२, १०४, ११५; ६।४, १६,
 २२; ११।४५; १२।३, ३०; १३।१७; १५।३४, ७५,
 ८२, ८६, १३७; १६।६, १३; १७।२२, ४०, ६२,
 ८८, ९६, १०३; १८।१५, २३; २०।८, १६, २३,
 २५, २८, ३३, ४७; २१।६, २८, ४२, ७६, ८०, ८६;
 २२।३१, ७३; २३।८८, १५१, १६४; २८।४३,
 ४६, १०१, १२५, १३६; २९।१४, २१; ३०।१२,
 १३, २२, २३; ३१।३; ३२।२; ३४, ३, ७; ३५।१३,
 २०; ३६।६, ३६

चउरिदियत्त (चतुरिन्द्रियत्त) प १५।६७, १४२

चउरेंदिय (चतुरिन्द्रिय) प ६।८६; १६।३

चउवत्तर (चतुःसप्तति) ज ४।५५

चउवीस (चतुर्विंशति) प ६।१।१ ज २।६ सू ४।७

चउवीसतिम (चतुर्विंशतितम) सू १२।१७

चउवीसय (चतुर्विंशति) सू १।१६

चउव्विह (चतुर्विध) प १।४, ५२, ६२, ६८, ७७,
 १०१।३; १३०; ५।१२५; १३।३, ५; १४।७, ६;
 १५।६६, ७५; १६।६, २६, ३१, ५३; १७।१३;
 २०।६२; २१।७७; २३।१८, २८, ३७, ३६, ५४;
 २५।४, ५; २६।३, १२; ३०।६; ३५।४ ज २।५३,
 ६६, १६२; ३।१६७।१०, २११; ४।६६, २५४,
 २५५; ५।५७

चउव्वीस (चतुर्विंशति) प ६।१० सू २।१

चउव्वीस (चतुर्विंशतितम) प १०।१४।३

चउसट्ठि (चतुःषष्टि) प २।३२ ज २।५२

चउसमइय (चतुःसामयिक) प ३६।६७, ६८

चउहा (चतुर्धा) प १६।१

चंकमिय (चक्रमय) ज ७।१७८

चंगेरी (चंगेरी) ज ३।११; ५।७, ५५

चंचल (चञ्चल) प २।४१, ५० ज ३।१०६, १७८;
 ५।१८; ७।१७८

चंचलायमाण (चंचलायमान) ज ३।२४।३, ३७।१,
 ४५।१, १३१।३

चंचुच्चिय (दे०) ज ३।१७८; ७।१७८ कुटिलगमन

चंचुमलइय (दे०) ज ५।२१

चंड (चण्ड) २।६०, १३१

चंडिकिय (दे०) अत्यधिक कुपित ज ३।२६, ३६,
 ४७, १०७, १०६, १३३ उ १।२२, १४०

चंडी (चण्डा) प १।४८।४

चंद (चन्द्र) प १।१३३; २।२० से २७, ४८; १५।३,
 ४, २१, ५५।३; १७।१२८; २१।२३, ८०
 १।२४; २।१५, ६८, १३१; ३।३, २४।४, ३२।१,
 ३५, ३७।२, ४२, ४५।२, ७६, ८५, ९५, १३१।४,
 १५६, १८५, २०६; ४।१४२, २११; ७।१, ७२,
 ७५, ७८ से ८२, ८४, ८८, १०५, १११,
 ११२।२, १२६, १२७।१, १२८, १३४।१, ४,
 १६७।१, १७०, १७७।१, १७८।१, १८०, १८१,
 १८३ से १८५, २०७, २१२, २६२ सू १०।२,
 ५, ७५, १२२, १२७ से १२९।२, १३२, १३३,
 १३६, १३८ से १४२, १४८, १४९, १५२ से
 १६५, १७०, १७२, १७३; ११।१ से ६; १२।३,
 १५, १७।१, १६ से २८, ३०; १३।१, ३ से १७;
 १४।३, ७; १५।१, २, ५, ६, ८ से १०, १४, १७
 से २०, २६, २६, ३२, ३५; १८।१४, १८, १६, २१
 से २४, ३७; १९।११, ५।२, ८, ११।२, १५।२,
 १६, २१।३, ६, १६।२४।७, १०, १५ से २५,
 २७, २८, ३०; १९।३१, ३५, ३८; २०।२, ३, ४, ६
 ज १।६३; ३।२।१, ३।६, १४ से १८, २१, २५

चंदचार (चंद्रचार) सू १०१२१,१२२
 चंदण (चन्दन) प १२०१४; १३६१३, १४६;
 २३०, ३१, ४१ ज २७०, ६५, ६६, ६६, १००;
 ३१६, १२, ८२, ८८, १३३, २०६, २११, २२१,
 २२२; ५१४ से १६, ५५, ५६, ५८
 चंदणकयचञ्चाय (चन्दनकृतचर्चा) ज ३२०६
 चंदणपुड (चन्दनपुट) ज ४१०७
 चंदणा (चन्दना) उ ३१७१
 चंदहह (चन्द्रहह) ज ४१४२१३, २६२
 चंदपण्णति (चन्द्रप्रणति) ज ७१०२
 चंदपण्वय (चन्द्रपर्वत) ज ४१२२२
 चंदप्पभ (चन्द्रप्रभ) प १२०१४ ज २१३;
 ३१२, ८८; ५१५८
 चंदप्पभा (चन्द्रप्रभा) प १७१३४ ज ७१८३
 सू १८२१; २०६
 चंदमंडल (चन्द्रमण्डल) ज ३१६५, ११७, १५६,
 १७८; ७६१ से ७३, ७६, ७८, ६७, १७७ सू
 १०७६, ७७
 चंदमार्ग (चन्द्रमार्ग) च ५२ सू ११६१२;
 १०७५
 चंदमस (चन्द्रमस्) च २४; सू ११६१४;
 १३१, १७
 चंदमा (चन्द्रमस्) १६; १३१, १७
 चंदमास (चन्द्रमास) सू १२१० से १२
 चंदलेस्सा (चन्द्रलेसा) सू १६१२
 चंदवडिसय (चन्द्रावतंसक) सू १८२२, २३
 उ ३६, १४
 चंदविमाण (चन्द्रविमात) प ४१७७ से १८२;
 ६८५ ज ७१७३, १७४, १७६ से १७८, १८८
 सू १८१, ८, ६, १४, २७, २८
 चंदसंवच्छर (चन्द्रावतसर) ज ७१०६, १०७
 सू १०१२७; ११२ से ६; १२१, ३, १० से
 १३
 चंदाभ (चन्द्राभ) ज २५६, ६२
 चंदायण (चन्द्रायण) सू १३१०, १३

चंदिम (चन्द्रमस्) प २४८ से ५१, ६३ ज ७५५,
 ५८, १६८, १८०, १८१, १६७ सू ३११; ६११;
 १५११; १७११; १८२, ३, १८, १६, ३७; १६११,
 २६; २०११, ७ उ २१२२; ५४१
 चंदिमसूरियसंठिति (चन्द्रमसूर्यसंस्थिति)
 सू ४११, २
 चंदिमा (चन्द्रिका) ज ७१०२
 चंदोतारायण (चन्द्रावतारायण) उ ३१५७
 चंप (चम्पक) प १७२७
 चंपकवण (चम्पकवन) ज ४११६
 चंपग (चम्पक) ज २१०; ३१२, ८८ उ १२३,
 ६१
 चंपगजाति (चम्पकजाति) प १३८३
 चंपकवडेसंय (चम्पकावतंसक) प २५०, ५२
 चंपछल्ली (चम्पकछल्ली) प १७१२७
 चंपभेद (चम्पकभेद) प १७१२७
 चंपयकुसुम (चम्पककुसुम) प १७१२७
 चंपयलता (चम्पकलता) प १३६१
 चंपा (चम्पा) प १६३११; १७१२७ उ १६, १०,
 १२, १६, ६३, ६५, ६७, ६८, १०५, १०६, ११०,
 ११६, १२२, १२५, १४४, १४५; २४, ५, १६, १७
 चंपापुड (चम्पकपुट) ज ४१०७
 चक्क (चक्र) ज २१५; ३३, ३५, ६५, १५६,
 १६७११, १२ सू ३२
 चक्कद्वचक्कवालसंठित (चक्रार्धचक्रवालसंस्थित)
 सू १२५, ४२
 चक्कपुरा (चक्रपुरा) ज ४२१२, २१२४
 चक्करयण (चक्ररत्न) ज ३४ से ६, ६, १२, १४,
 १५, १८, २२, ३०, ३१, ३६, ४३, ४४, ५१, ५२,
 ६०, ६१, ६८, ६९, ६३, ६६, १०६, १३०, १३१,
 १३६, १३७, १४०, १४१, १४६, १५०, १६३,
 १७२, १७३, १७५, १७८, १८०, २२०
 चक्करयणत्त (चक्ररत्नत्व) प २०६०
 चक्कवट्टि (चक्रवर्तिन्) प १७४, ६१; ६२६
 ज २१८, ६३, १२५; १५३; ३२, ३, २६, ३६,

४७, ५६, ७६, ८५, ११५, ११६, १२४, १३३,
 १३५, १३६, १३८, १४५, १५६, १६७, १४;
 ४।६४, १६२, २७७; ५।२१, ५८; ७।१६६, २००
चक्रवर्द्धित (चक्रवर्द्धित्व) प २०।५०, ५२
चक्रवर्द्धितवंस (चक्रवर्द्धितवंश) ज २।१२४, १५२
चक्रवर्द्धितविजय (चक्रवर्द्धितविजय) ज ४।१६६,
 २६२; ५।१, ५५; ६।१४, १६
चक्रवाग (चक्रवाक) उ ५।५
चक्रवाय (चक्रवात) ज २।१२
चक्रवाल (चक्रवाल) ज १।६५; ४।२३४, २४०,
 २४१ सू १।६४, ७, १४, १८, ३०, ३४, ३७
 उ ३।१२, १४१; ४।१२, १३
चक्रवाग (चक्रवाक) प १।४८।३८; १।७६
चक्रिक (चक्रिन्) प १।६३।६; २०।११
चक्रिकय (चक्रिक) ज २।६४
चक्रिकया (चक्रिकयात्) ज ३।१८५
चक्रिखदिय (चक्रुरिन्द्रिय) प १।५।१, ३, ८, १३, १६,
 ३४, ४१, ५८, ६४, ७०; २८।४६, ७१ उ ३।३३
चक्रिखदियस (चक्रुरिन्द्रियसत्त्व) प ३४।२०
चक्रिखदियपरिणाम (चक्रुरिन्द्रियपरिणाम)
 प १।३।४
चक्रु (चक्रुप) ज ५।५, ४६
चक्रुदंसण (चक्रुदर्शन) प ५।५, ७, २१, ४५, ८१,
 ६३, ६७, २६।३, ७, १४, १७, १६, २१; ३०।३, ७,
 १३
चक्रुदंसणधरण (चक्रुदर्शनधरण) प २३।१४
चक्रुदंसणधरणिज्ज (चक्रुदर्शनधरणिय)
 प २३।२८
चक्रुदंसणि (चक्रुदर्शिन) प ३।१०४
चक्रुदय (चक्रुर्दय) ज ५।२१
चक्रुफात (चक्रुस्पर्श) ज ७।२० से २५, ७६, ८१
चक्रुफात (चक्रुस्पर्श) सू २।३
चक्रुभूय (चक्रुभूत) उ ३।११
चक्रुन (चक्रुन्मत्) ज २।५६, ६१
चक्रुत्लोयणलेस (चक्रुलोकनलेस) ज ४।२७; ५।२८

चक्रुहर् (चक्रुहर्) ज ३।२११; ५।५८
चक्रपुड (चक्रपुट) ज ३।१०६
चक्रय (चक्रय) ज ३।८८
चक्रर (चक्रर) ज २।६५; ३।१८५, २१२, २१३;
 ५।७२, ७३ उ १।६८
चक्रा (चक्रा) ज ५।५६
चक्रिय (चक्रित) ज ३।२११
चक्रर (चक्रर) ज २।६५
चक्रर (चक्रर) ज ३।१७, २१, २२, ३६, ७८, १७७
चक्रर (चक्रर) ज ३।११६
चक्राल (चक्रारिशत्) ज ४।५५ सू १।२१
चक्रालीस (चक्रारिशत्) प २।३६ ज ५।४६
 सू १०।१५७
चक्रर (चक्रर) प १।६४; २।३१, ३२, ४०।६
 ज १।३७; २।३५, १०१, ११३, ११६, ३।१८५,
 २०६; ४।२७; ५।२८, ५०
चक्ररचक्रा (चक्ररचक्रा) ज ४।१६५, २१०; ५।५०
चक्ररगंड (चक्ररगण्ड) ज ३।१७८
चक्रम (चक्रमन्) ज ५।३२
चक्रमपक्खि (चक्रमपक्खिन्) प १।७७, ७८
चक्रमरण (चक्रमरण) ज ३।७८ से ८१, ११६,
 ११७, १२१, १५१, १७८; २२०
चक्रमरणसत् (चक्रमरणसत्त्व) प २०।६०
चक्रमेट्ठ (चक्रमेट्ठक) ज ५।५
चक्र (चक्र, चक्र) प २०।४६ उ ३।१८, १२५, १५२;
 ४।२६, २८; ५।३०, ४३
चक्र (चक्र) चक्र प २।६४।१७
चक्र (चक्र) चक्रति प ६।१११; ६।२६; १७।६६
 सू १७।१ चक्रति सू १६।२४
चक्रत (चक्रत) प २।६४।५
चक्रण (चक्रण) प ६।४६, ५६, ६६; १७।६१, १०५
 चं २।५ सू १।६।५; १७।१
चक्रोदचक्र (चक्रोपचक्र) सू १।१४
चक्र (चक्र) चक्र ज ७।१०, १३, १६, १६ से ३०,
 २५, ६६, ७२, ७५, ७८ से ८२, ८४, ६५, ६६, ६८
 से १००, १७१, १७३, १७५ सू १।११ चक्रति

प ११७५; २१४८ ज ३१६५, १२५; ७११ चं ३११
सू ११७१; ११११, १११२, १११२, २११३, ६
चरति सू १३१५, १११२२२, १७ चरिति
सू ११६८ चरिसु ज ३१६५; ७११ सू ११६१
चरिस्संति ज ३१६५; ७११ सू ११६१ चरेंति
सू ११६११
चर (चर) ज ७११२४, १२५
चरग (चरक) प २०६१ ज ३१०६
चरण (चरण) ज ३१३, १३८
चरम (चरम) सू ७११; १०११५६; २०१३
चरमाण (चरत्) उ ११२, १७; ३१२६, ६६, १३२;
१४६, १५६; ४१११; ५१३६
चरित (चरित्र) प ११०१११० ज २१७१
चरितधम्म (चरित्रधर्म) प ११०१११२
चरितपरिणाम (चरित्रपरिणाम) प १३१२, १२,
१४, १८, १६
चरितमोहणिज्ज (चरित्रमोहनीय) प २३१३२, ३४
चरित्ताचरिति (चरित्राचरित्रिन्) प १३११४, १८,
१६
चरित्तारिय (चरित्रार्य) प ११६२, १११ से १२६
चरिति (चरित्रिन्) प १३११४, १८, १६
चरिम (चरम) प १११४, १०३, १०६, १०७, १०६,
११०, ११३, ११४, ११६, ११६, १२०, १२२, १२३;
२१६, ५५; ३११२, ३११२३; १०१२ से १३,
२१ से २४, २३ से २६, ३१ से ५३;
१५४३; १८११२, १८११२६; २३११६३;
३६१७६ ज ४११४३; ७११५६ से १६७ सू ५११;
१०६३ से ७४, १३८, १४२; १४३, १४७ से
१५१, १५६, १६१; १११५, ६; १२१२४ से २८,
३०; १३११ उ ५४३
चरिमंत (चरमान्त) प २१६४; १०१२ से ५, २१,
२६, २७ से २६; १६१३४; २११६०; ३३११६,
१७ ज ४१११०, १४१, २०६, २०७, २५२
चरिमभव (चरमभव) प २१६४४
चरु (चरु) उ ३१५१, ६४

चल (चल) ज ३११७८; ७११७८
√चल (चल्) चलइ ज २१६२; ३१५५, ६४, ७२,
१४४; ५१२० चलंति ज ३१२, ११११, ११२; ५१२, ७
चलंत (चलत्) ज ३१३१; ७११७८
चलचल (चलचल) प २१४१
चलण (चरण) ज २११४, १५; ३१३५, १०६; ७११७८
चलणीवहुल (चलनी^१ वहुल) ज २१३२
चलिय (चलित) ज २१८६, ६०, ६३; ३१५६, ११३,
१४५; ५१३, २१, २८
चवल (चपल) ज २१६०; ३१६, २६, २५, ३६, ४७,
५६, ६४, ७२, १०६, ११३, १३८, १४५, १७८;
५१५, २१, २६, ४४, ४७, ६७; ७११७८
चवलायंत (चपलायमान) ज २११५
चविया (चव्य) प १७११३१
चाउघंट (चतुर्घण्ट) ज ३१२१, २२, ३४ से ३६
उ ५१३८
चाउघंट (चतुर्घण्ट) उ ११११०
चाउरंगिणी (चतुरङ्गिणी) ज ३११५, २१, ३१, ३४,
७८, ६१, १७३, १७५, १६६ उ १११२३ १२७,
१२८; ५११८
चाउरंत (चतुरन्त) ज २११८; ३१२, २६, ३६, ४७,
५६, ११५, १२४, १३३, १३८, १४५; ५१२१, ५८
चाउस्तालय (चतुःशालक) ज ५११३
चाउस्तालय (चतुःशालक) ज ५११३, १४
चाडुकारग (चाटुकारक) ज ३१७८
चामर (चामर) प १११२५ ज २११५; ३१६, १८,
२४, ३१, ३५, ६३, १०६, १७८, १८०, २२२;
४१२६, ३०; ५१११, ४३, ४६, ५५, ५७, ६०, ६६;
७११७८
चामरगाह (चामरग्राह) ज ३११७८
चामरच्छाय (चामरच्छायन) ज ७११३२३
चामरच्छायण (चामरच्छायन) सू १०१११३
चामरहृत्यग (हृत्यगतचामर) ज ३१११

१ चलनप्रमाण कर्दमः चलनीत्युच्यते

चामीकर (चामीकर) ज ३।१

चार (चार) प २।४८; १६।५५ ज ७।१, १०, १३,
१६, १६ से ३१, ३५, ६६, ७२, ७५, ७८ से
८२, ८४, ८५, ८६, ८८ से १००, १७१, १७३ से
१७५ सू १।६, ११, १४, १६, १७, १६ से २४,
२७; २।२, ३; ३।२; ४।४, ७, ६; ६।१; ६।२;
१०।१२१, १२२, १३।५ से १०, १२, १३, १७;
१५।२ से ४; १८।१, ५, ७; १६।१, ५, ८, ११, १५,
१६, २१, १६।२२।२, १३, २२; १६।२३

चारणसाला (चारकशाला) उ १।८८, ६१

चारद्विद्वय (चारस्थितिक) ज ७।५५, ५८

चारद्विद्वय (चारस्थितिक) सू १६।२३, २६

चारण (चारण) प १।६१

चारि (चारिन्) प २।४८

चारिय (चारिक) प १७।३१

चारियत्व (चारयितव्य) प १७।३१, ६७

चार (चार) प २।४१, ५० ज २।१४, १५; ३।१०६,
११६, १३८; ५।१८

चारुभासि (चारुभासिन्) ज ३।७७, १०६

चारेयव्य (चारयितव्य) प २१।१०२; २२।७०

चारोवग (चारोपग) सू १६।२२।२१

चारोववण्णग (चारोपपन्नक) ज ७।५५, ५८
सू १६।२३, ३६

चाव (चाप) ज २।१५; ३।३१, १७८

चावग्गाह (चापग्गाह) ज ३।१७८

चाववंस (दे०) प १।४१।२

चास (चाष) प १।७६; १७।१२४

चासपिच्छ (चाषपिच्छ) प १७।१२४

चि (चि) चिज्जंति प २१।६५, ६६

चिउर (चिकुर) प १७।१२७

चिउरराग (चिकुरराग) प १७।१२७

चिचाराम (चिञ्चाराम) उ ३।४८, ५५

चित्त (चित्) चितेमि प १।११

चित्तय (चिन्तक) उ १।३१

चिता (चिन्ता) ज ३।१०५ उ २।११

चितिय (चिन्तित) ज ३।२६, ३६, ४७, ५६, ८७,

१२२, १३३, १४५, १८८; ५।२२ उ १।१५, ५१,

५४, ६५, ७६, ७६, ८६, १०५; ३।२६, ४८, ५०,

५५, ६८, १०६, ११८, १३१; ५।३६, ३७

चितेमाण (चिन्तयत्) ज ३।१८८

चिध (चिह्न) प २।३०, ३१, ४१, ४८, ४९

ज ३।२४, ३१, ७७, १०७ से १११, ११७, १२४,

१७८ उ १।१२, १४०

चिक्खिल्ल (दे०) प २।२० से २७

✓ चिट्ठ (स्था) चिट्ठ उ १।४७ चिट्ठई ज १।१६,

४०, ४७; ३।५४, ६३, ७२, १३७, १४३, १६७,

२२२; ४।१४०, १६८, २३४, २४०, २४१; ५।६७,

६८ चिट्ठंति प ० २।६४; २।६४।२०; १।५।३३,

४५, २८।१०५; ३।१।६, २२ से २४, ३६, ७६,

८१, ६३, ६४।१ ज १।१३, ३०; २।७ से ६, १३,

६० से ६२; ३।१११, ११३; ४।२, १२६, १३७;

५।५, ७ से १२, ३८, ५७, ६०, ६७; ७।१८५, २१३

सू १८।२३ उ ३।४६ चिट्ठति प १।५।१, ५२

सू १६।२ चिट्ठह ज ३।११३

चिट्ठामि उ १।११७ चिट्ठाहि उ १।११५

चिट्ठेज्ज प ३६।६१

चिट्ठित (स्थित) सू २०।७

चिट्ठिय (चेष्टित) ज २।१५; ३।१३८

चिडग (चटक) प १।७६

चिण्ण (चयन) प २१।१।१

✓ चिण (चि) चिण प १।४।२८।१ चिणंति

प १।४।२२ चिणियु प १।४।११ चिणिसंति

प १।४।१३

चिण्ण (चीर्ण) चं ३।१ सू १।७, १८, १६; १३।१२,

१४ से १७ उ ३।४८, ५०, ५५

चित्त (चित्) २।४१ ज ३।५, ६, ८, १५, १६, ३१, ५२,

५३, ६१, ६२, ६६, ७०, ७७, ८४, ६१, १००, १०६,

११४, १३७, १४१, १४२, १५०, १६५, १७३,

१८१, १६६, २०८, २१३; ५।५, १५, १८, २१,

२६, २७, २८, ४१, ५५, ५७, ७० उ १।२१, ३१,

४२,१०८; ३१३६; ५१२०
 चित्त (चित्र) प १११३; २१३०, ३१, ४१, ४८, ५०
 ज ३१२४३, ३७११, ४५११, ७६, ११६, १२४,
 १३१३, १४५, १७८; ७११७८
 चित्त (चैत्र) सू १०१२४
 चित्तंतरलेस (चित्रान्तरलेस्य) ज ७५८ सू ११२६
 चित्तंतरलेससाग (चित्रान्तरलेस्यक)
 सू ११२२३०
 चित्तकणगा (चित्रकनका) ज ५११२
 चित्तकूड (चित्रकूट) ज ४१६६, १६६, १७२, १७३,
 १७६, १७८ से १८१, १८५, १६१, १६७, २००,
 २०६, २०७; ६११०
 चित्तग (चित्रक) प १६६
 चित्तगुता (चित्रगुप्ता) ज ५१६१
 चित्तपक्ख (चित्रपक्ष) प १५१
 चित्तगहुल (चित्रकवहुल) ज २६४
 चित्तय (चित्रक) प ११२१
 चित्तलंगमंग (चित्रलाङ्गाङ्ग) ज २१३३
 चित्तलग (चित्रलक) प १६६ ज २१३६
 चित्तलि (चित्रल, चित्रलिन्) प १७१
 चित्तविचित्तकूड (चित्रविचित्रकूट) ज ४१६४
 चित्ता (चित्रा) ज ५११२; ७१२८, १२६, १३६,
 १४०, १४६, १६४, १६५ सू १०१२ से ६, १६,
 २३, ४७, ६२, ७१, ७२, ७५, ८३, ११२, १२०,
 १३१ से १३३, १५४; १२३०
 चित्तामूलय (चित्तामूलक) प १७१३१
 चित्तार (चित्रकार) प १६७
 चित्तिया (चित्रिका) प ११२३
 चिय (चित) प २३१३ से २३ ज ३२१७
 चिय (एव) सू १०१३६
 चियगा (चितका) ज २१६५, ६६, १०३, १०४, ११४
 चियत्तदेह (तत्तदेह) ज २६७
 चिरं (चिरम्) ज ३१२६१, २
 चिरंजीव (चिरंजीव) ज ३१२६
 चिराईय (चिरातीत) चं ७ उ ५७

चिलाइ (किराती) ज ३११११
 चिलाइया (किरातिका) ज ३१८७
 चिलाय (किरात) ज ३११०३ से १०५, १०७,
 ११५, १२५ से १२७
 चिलायविसयवासि (किरातविषयवासिन्)
 प १८६
 चिल्लस (दे०) प २४१
 चिल्लल (दे०) प १८६; २४, १३, १६ से १६, २८
 चिल्ललग (दे०) प ११२२
 चिल्ललय (दे०) प ११२१, २४
 चिल्ललिया (दे०) प ११२३
 चिल्ला (किरात) प १८६
 चिल्लियतल (दे०) सू २०७ देदीप्पमान तल
 चीण (चीन) प १८६
 चीणपिट्ठरासि (चीनपिट्ठराशि) प १७१२६
 चीवरधारि (चीवरधारिन्) ज २६६
 चुंचुण (चुञ्चुण) प १६४१
 चुंचुय (चुञ्चुक) प १८६
 चुच्चु (दे०) प १३७२
 चुण्ण (चूर्ण) प १४८३८ ज २६५; ३११, १२,
 ८८ सू २०७
 चुण्णग (चूर्णक) उ ३११४
 चुण्णवास (चूर्णवास) ज ५१७
 चुण्णविहि (चूर्णविधि) ज ५१५७
 चुण्णिया (चूर्णिका) प ११७६ ज ७२१, २५, ६५,
 ६८, ६९, ७१, ७२, ७४ सू २३३; १०१५२ से
 १६०, १६२, १६३, ११२ से ६; १२७, ८, १६
 से २८
 चुण्णियाभाग (चूर्णिकाभाग) ज ७२१, ६६, ७४, ७५
 चुण्णियाभाय (चूर्णिकाभाग) ज ७२५, ६५, ६८,
 ७१, ७२, ७५, ७७, ७८
 चुण्णियाभेद (चूर्णिकाभेद) प ११७६, ७६
 चुण्णियाभेय (चूर्णिकाभेद) प ११७३, ७६
 चुय (च्युत) ज २८५; ७५६, ५६
 चुलसीइ (चतुरसीति) प २३४ ज २७४ चं ४२

चुलसीति (चतुरशीति) प २।४०।१ सू २।३

चुलसीय (चतुरशीति) सू १।१२

चुल्लमाउया (क्षुल्लमातृका) उ १।१२, ४३, ४४,
१४५; २।५, १७

चुल्लहिमवन्त (क्षुल्लहिमवत्) प १।६।३० ज १।४८;
४।४८

चुल्लहिमवन्तकूड (चुल्लहिमवत्कूट) ज ४।४४, ४५,
४८, ५१, ५२, ७६, ६६, २२६

चुल्लहिमवन्तगिरिकुमार (क्षुल्लहिमवत्गिरिकुमार)
ज ३।१३१ से १३४, १३६; ४।५२

चूचुय (चूचुक) ज २।१५

चूडामणि (चूडामणि) प २।३० ३१ ज ३।३६,
२११

चूतलता (चूतलता) प १।३६।१

चूयमंजरी (चूतमञ्जरी) ज ३।१२, ८८; ५।५८

चूयवण (चूतवन) ज ४।११६

चूयवडैसय (चूतावतंसक) प २।५०, ५२

चूलाभीड (चतुरशीति) सू १।८।२

चूलियंग (चूलिकाङ्ग) ज २।४

चूलिय (चूलिक) ज २।४; ४।२४२

चेइय (चैत्य) ज १।३; २।३१, ६७; ७।२२४ चं ७, ६
सू १।२, ४; १।८।२३ उ १।१.२, ६, १७, १६,
१४४; २।४, १६; ३।४, ६, २१, २४, २६, ४६, ८६,
६५, १५५, १५७, १६८, १७१; ४।४, ६, १३, १८,
२८; ५।३६

चेइमखंभ (चैत्यस्तम्भ) ज २।१२०; ४।१३३;

७।१८५

चेइयथूभ (चैत्यस्तूप) ज २।११४, ११५

चेइयवृक्ष (चैत्यवृक्ष, चैत्यवृक्ष) ज ४।१२६, १२७

चेट्ठा (चेष्टा) ज २।१३३

चेड (चेट) ज ३।६, ७७, २२२

चेडग (चेटक) उ १।२२, १०७, १११, ११५, ११६,
११६, १२८, १३७, १४०

चेडय (चेटक) उ १।२२, २५, २६, १०५ से १०७,
१०६, ११०, ११३, ११४, ११६ से ११६, १२७,
१२८ से १३४, १४०

चेडख (चेटरूप) उ ३।११४

चेडिया (चेटिका) उ ३।१४१

चेडी (चेटी) उ १।५४, ५५, ७६, ८०; ४।१२, १३

चेतियखंभ (चैत्यस्तम्भ) सू १।८।३

चेत्त (चैत्र) ज ७।१०४ उ ३।४०

चेत्ती (चैत्री) ज ७।१३७, १४०, १४६, १५५
सू १।०।७, १६, २३, ३६

चेदि (चेदि) प १।६३।४

✓चेय (त्यज्) चेएइ उ० ४।२१ चेएसि उ ४।२२

चेलपेला (चेलपेटा) उ ३।१२८

चेल्लणा (चेलना) उ १।१०, ३२ से ४१, ४३, ४४,
४६, ४८ से ५५, ५७, ५८, ७० से ७४, ८८, ६५,
१०६, ११०, ११३, ११४

चेव (चैव) प १।१।७

चोइयमइ (चोदितमति) ज ३।१३८

चोक्ख (चोक्ष) ज ३।८२, १०६ उ ३।५१, ५६

चोत्ताल (चत्वारिंशत्) सू १।२।२; १।६।५।२

चोत्तालीस (चत्वारिंशत्) सू १।०।१३६

चोत्तीस (चतुःत्रिंशत्) प २।३६ ज ४।११०
सू १।२२

चोइस (चतुर्दशन्) प २।२६; ज १।४८
सू ३।१; १।०।६३

चोइसपुडि (चतुर्दशपूविन्) ज १।५

चोइसय (चतुर्दश) ज २।८८

चोइसरयणीसर (चतुर्दशरत्नेश्वर) ज ३।१२६।३

चोइसविह (चतुर्दशविध) प २।३।१६, २०

चोप्पाल (दे०) ज ४, १३७ आयुधशाला

चोप्पालग (दे०) ज २।२० वरणडा

चोय (दे०) ज ३।११।३

चोयपुड (चोय'पुट) ज ४।१०७

चोयाल (चतुश्चत्वारिंशत्) प २।४०।३ ज ७।७६
सू १।१८

चोयालीस (चतुश्चत्वारिंशत्) प २।३५ ज ७।८

चोयासव (चोयासव) प १।७।१३४

चोर (चोर) प १।७।१३२ उ ३।१२८

चोरग (चोरक) प १।४४।३ असबरक, एक बड़िया

घास जो रेशम रंगने के काम आता है
चोवट्टि (चतुष्पष्टि) प २।३१
चोवत्तर (चतुस्सप्तति) ज ७।८०
चोव्वीस (चतुर्विंशति) ज ७।१०६
चोसट्टि (चतुष्पष्टि) ज २।६४

छ

छ (षष्) प १।६४।१ ज १।१८ चं ३।३ सू १।७
उ ५।२५
छउमत्थ (छन्नमस्थ) प १।१०।१४, १।१०४ से १०७,
११७ से १२०, १२६; ३।१८३; १।५।४४, ४५;
१।६४, ६५, ६७, ६८; ३।६।८०, ८१
छउमत्थपरियाय (छदमस्थपर्याय) ज २।८८
छक्कग (षट्क) ज ७।१३१।१
छक्खुत्तो (षट्कृत्वस्) सू १२।१०
छगल (छगल) प २।४६
छज्ज (राज्) छज्जइ ज ३।२४।४, ३।७।२, ४।५।२,
१३।१।४
छट्ठ (षष्ठ) प ३।१८, १८३; ६।८०।२; १०।१४।४
से ६; १२।३२; १।७।६५; ३।३।१६; ३।६।८५, ८७
ज २।६५, ८५; ७।६७, ११।७।१ सू १०।७७;
१३।८ उ २।१०, २२; ३।१४, ५०, ५५, ८३, १५०
१६१, १६७, १७०; ४।२४; ५।२८, ३६, ४३
छट्ठक्खमण (षष्ठक्षपण) उ ३।५० से ५४
छट्ठभत्त (षष्ठभक्त) प २।८।७ ज २।५२, १६१
छट्ठाणवडित (षट्स्थानपतित) प ५।५, ७, १०, १२
१४, १६, १८, २०, २४, २५, २८, ३०, ३२, ३४,
३७, ३८, ४१, ४२, ४५, ४६, ४६, ५३, ५६, ५६,
६०, ६३, ६४, ६८, ७१, ७४, ७५, ७८, ७९, ८३,
८४, ८६, ८६, ९०, ९३, ९४, ९७, १०१, १०२,
१०४, १०५; १०७, १०८, १११, ११२, ११६, १२६,
१३१, १३४, १३६, १३८, १४०, १४३, १४५, १४७,
१५०, १५१, १५४, १६३, १६६, १६६, १७२,
१७४, १७७, १८१, १८४, १८७, १९०, १९१,
१९३, १९४, १९७, १९८, २००, २०१, २०३, २०४,
२०७, २०८, २११, २१२, २१४, २१५, २१८;

२१६, २२१, २२२, २२४, २२५, २२८, २३०,
२३२, २३४, २३७, २३९, २४२ से २४४
छट्ठाणवडिय (षट्स्थानपतित) प ५।५, ७।११५,
११६, १६६
छट्ठी (षष्ठी) प २।२७।२ ज ७।१२५
छण्ण (छन्न) ज ३।३
छण्णउइ (षण्णवति) प २।४०।१; १२।३२ ज २।६;
३।१७८
छण्णउत्त (षण्णवति) सू १६।२१
छण्णउत्ति (षण्णवति) सू २।३
छण्णउय (षण्णवति) सू १६।११।३; २१।७
छत्त (छत्र) प २।४८, ६४; ११।२५ ज २।१५, २०;
३।३, ६, १८, ३१, ३५, ७७, ७८, ६३, १७८, १८०,
२२२; ५।४३, ५५, ५७ सू १२।२६ उ १।१६;
४।१३, १८
छत्तहत्थगय (हस्तगतछत्र) ज ३।११
छत्तछाया (छत्रछाया) प १६।४७
छत्तरयण (छत्ररत्न) ज ३।११।७।१, ११८, ११९,
१२१, १७८, २२०
छत्तरयणत्त (छत्ररत्नत्त) प २०।६०
छत्तल (षट्त्तल) ज ३।६३, १३५, १५८
छत्ताइच्छत्त (छत्रातिच्छत्र) ज ४।३०, ४६; ५।४३
छत्तागारसंठित (छत्राकारसंश्रित) सू १।२५; ४।२
छत्तातिच्छत्त (छत्रातिच्छत्र) सू १२।२६, ३०
छत्ताय (छत्राक) प १।४७ कुकुरमुत्ता, धनिया,
सोया, जाल ववूर का वृक्ष
छत्तार (छत्रकार) प १।६७
छत्तालीस (षट्चत्वारिंशत्) सू १२।२५
छत्तीस (षट्त्रिंशत्) प २।४०।४ ज ३।३
सू १०।१६६
छत्तोह (छत्रौष) प १।३६।३
छप्पएसिय (षट्प्रदेशिक) प १०।११
छप्पण (षट्पञ्चाशत्) प १।८४ ज ४।८६
सू ३।१
छप्पण (दे० षट्प्राज्ञक) ज २।१६

छप्पय (षट्पद) ज २।१२

छन्भाग (षट्भङ्ग) प २८।११६, १२३, १२५, १३३,
१३६, १४३ से १४५

छन्भाग (षट्भाग) प २।६४ ज १।१८; ६।३२।१

छमास (षण्मास) सू १।१६

छम्मास (षण्मास) ज २।४६; ७।२३, २५, २८, ३०,
५७, ६० सू १।१३, १४, १७, २१, २४, २७; २।३;
६।१; १६।२५, २७

छम्मासावसेसाउय (छण्मासावशेषायुष्क)

प ६।११४

छल (षष्) ज ७।२०१ सू १२।१२

छलंस (षडल) ज ३।६२, ११६

छलसीय (षडशीति) ज ४।४५; ७।३१ सू ४।४;
१५।२६

छल्ली (छल्ली) प १।४८।३० से ३७, ६३

छवि (छवि) ज २।१६, ३६, ४१, १३३; ३।१०६

छविच्छेय (छविच्छेद) ज २।३६, ४१

छविधर (छविधर) ज ७।१७८

छविहर (छविधर) ज ७।१७८

छव्विध (षड्विध) प ६।११८

छव्विय (दे०) प १।६७ कट आदि बनाने वाला

छव्विह (षड्विध) प १।६१, ६४, ६५; ६।११६;

१३।६; १५।३५, ७०; २१।२६, ३१, ३२, ३४, ३६;

२२।८३, ८४, ८६; २३।४५, ४६; २४।२, ४, ८,

१० से १२; २६।२, ४, ६, ८ से १०; २६।६;

३०।२ ज २।२, ३, ५०, ५८, १२३, १२८, १४८,

१५१, १५७, १६४; ४।१०१, १७१

छव्वीस (षड्विंशति) प २।२३ ज ७।१०८
सू १।२१

छाउहेस (छायोद्देश) सू ६।२

छाउमत्थिय (छादमत्थिक) प ३६।५३ से ५६, ५८

छाणविच्छुय (छगणवृश्चिक) प १।५१

छायच्छाय (छायाछाया) सू ६।४

छाया (छाया) प २।३०, ३१, ४१, ४६; १६।४८

ज १।८, २३, ३१; २।१६, २०, १४६; ३।३, ११७।१

१२७; ५।३२; ७।१५६ से १६७।१ सू ६।४;

१०।६३ से ७४; १६।५, ६

छायामति (छायामति) प १६।३८, ४७

छायानुभाणप्पमाण (छायानुमानप्रमाण) सू ६।३

छायानुवादिणी (छायानुवादिनी) सू ६।४

छायानुवायमति (छायानुपातमति) प १६।३८, ४८

छायाल (षट्चत्वारिंशत्) प २।४०।४ ज ४।८६

छायालीस (षट्चत्वारिंशत्) सू १४।७

छायाविकंप (छायाविकम्प) सू ६।४

छारियभूय (क्षारिकभूत) ज २।१३२, १४१

छावद्ध (षट्पण्टि) ज ७।२७

छावट्ठि (षट्पण्टि) प १८।७६ ज १।२०

सू १।११; १२।३

छावत्तर (षट्सप्तति) ज ७।१ सू १६।११, ११३

छावत्तरि (षट्सप्तति) प २।४०।२

छिद (छिद्) छिदति ज ५।५७ छिक्कामि उ १।८८

छिज्ज (छेद्य) उ ३।११४

छिण्ण (छिन्न) ज २।८८, ८९; ३।२२५

छिण्णसहा (छिन्नसहा) प १।४८।३ गुडूची

छिद्द (छिद्र) प २।१० उ १।६५, ६६, १०५

छिण्णलेसा (छिन्नलेदया) सू ६।१

छिन्नसीय (छिन्नस्रोतस, छिन्नशोक) ज २।६८

छिप्पतूर (क्षिप्रतूर्य) उ १।१३८

छिया (दे०) ज २।६७

छीइत्ता (क्षुत्वा) ज २।४६

छीरविरालिया (क्षीरविडालिका) प १।७६

छीरविराली (क्षीरविदारी) प १।४०।४;

१।४८।२ सफेद और अधिक दूध वाली
विदारी

छुरघरगसंठिय (क्षुरगृहकसंस्थित) सू १०।३६

छुरघरय (क्षुरगृहक) ज ७।१३३।१

छुहा (क्षुधा) प २।६४।१६

छेइत्ता (छित्त्वा) उ ३।१५०; ५।२८, ४१

छेज्ज (छेद्य) ज ३।३२

छेत्ता (छित्त्वा) ज ७।२२ सू १।१६

छेत्तुं (छेत्तुम्) ज २।६।१

छेद (छिद) छेदेइ उ ३।८३ छेदेहिइ उ ५।४३
 छेदिता (छित्वा) उ २।१२; ३।१४
 छेदिता (छित्वा) उ ३।८३
 छेदोवट्ठावणिय (छेदोपस्थापनीय) प १।१२४,
 १२६

छेदोवट्ठावणियचरित्परिणाम (छेदोपस्थानीय
 चरित्रपरिणाम) प १३।१२

छेय (छेद) ज २।३६, ४१, ६०; ३।१७८; ५।५

छेय (छिद्) छेयइ उ ५।३६

छेयणगवाह (छेदनकदायित्) प १२।३२

छेरमाण (छिच्यमाण) उ ३।१३०

छेत्तिय (दे०) ज ३।३१

छेवट्ठ (सेवार्त) प २३।४५, ६६, १०५, १०७, १०६,
 ११०

छोटुं (क्षित्वा) सू ६।३

ज

ज (यत्) प १।४ ज १।६ सू १।४ उ १।२; ३।३१;
 ५।३६

जइ (यदा) प २।२

जइ (यदि) प २।६४।१६ सू १।१३ उ १।६;
 २।१; ३।१; ४।१; ५।१

जइ (यत्र) प २३।१६०

जइण (जविन्) ज २।६०; ३।२६, ३५, ३६, ४७, ६४,
 ७२, १०६, ११३, १२८, १४५; ५।५, २८, ४४, ४७,
 ६७; ७।१७८

जइया (यावत्) ज ७।१३१

जंगम (जङ्गम) ज ३।१०६

जंगल (जङ्गल) प १।६३।२

जंघा (जङ्घा) ज २।१५ उ ३।११४

जंत (यंत्र) प २।३०, ३१, ४१ ज ३।३२, ७६, १०६,
 ११६, १७८, ४।२७; ५।२८

जंतु (जन्तु) ज २।४।१

जंपमाण (जल्पत्) ज ३।८१

जंबु (जन्तु, जम्बू) प १।३५।१।१३१ उ १।३ से

१. हे० ४।१४३ क्षिप्—छूह

५, ७, ६, १४२, १४४, २।२, ४, १४, १६, २१; ३।२,
 ४, १६, २१, २२, २४, ८७, ८६, १५३, १५५, १६६,
 १६८, १७०; ४।२, ४, २७, ५।२, ४, ४४

जंबुद्वीप (जम्बुद्वीप) प २।३२, ३३, ३५, ३६, ४३, ५०,
 ५१; १५।५४, ५५।१; १६।३०; ३६।८१ ज १।७,
 १५, १६, १७।१, १८, २०, २३, ३४, ३५, ४६, ४८,
 ५१; २।१, ७, १६, ५२, ५६, ६०, १६१, १६४; ३।२६,
 ३६, ४७, ५६, ११३, १३३, १३८, १४५; ४।१, ६,
 ५२, ५५, ६२, ८१, ८६, ८८, ११४, १५६, १६०,
 १६५, १६७, १६६, १७२ से १७४, १७८, १८१,
 १८२, २०१ से २०३, २०६, २१३, २६२, २६५,
 २६८, २७१, २७४, २७७; ५।३, २२, २६; ६।१, ५, ७
 से २६; ७।१, ४, ८ से १४, ३१, ३३, ३६ से ३६,
 ५२, ५४, ६२, ६३, ६७ से ७२, ८६, ८७, ८९, ९२,
 १०१, १०२, १७५, १८२, १८८ से २०८, २१०
 से २१३ सू १।१४, १६, १७, १८, २१, २२, २४,
 २७; २।१, ३; ३।१, २; ४।३, ४, ७, १०; ६।१; ८।१;
 १०।१३२, १४२, १४७; १२।३०; १८।७, २०;
 १९।१, २, १९।२।२।२३ उ १।६; ३।७, ६१, १२५,
 १५७; ५।२४, ४३

जंबुद्वीपवपणत्ति (जम्बुद्वीपवपणत्ति) ज ७।१०१, १०२,
 २१४ सू ३।१

जंबू (जम्बू) ज ४।१४६ से १५०; १५।११, २, १५।२
 से १५४, १५६, १५७।२, १५८, १५९, २०८;
 ७।२१३

जंबूणय (जाम्बूनद) ज ३।३०, ३५

जंबूणयामय (जाम्बूनदमय) ज १।५१; ४।७, १३,
 ११८, १४३, २५६

जंबूपेठ (जम्बूपीठ) ज ४।१४३ से १४५

जंबूफल (जम्बूफल) प १७।१२३

जंबूफलकालिया (जम्बूफलकालिका) प १७।१३४

जंबूवण (जम्बूवण) ज ७।२१३

जंबूवण (जम्बूवण) ज ७।२१३

जंबूवणसंड (जम्बूवणषण्ड) ज ७।२१३

जंभग (जम्भक) ज ५।६६

जंभय (जृम्भक) ज ५।७०

जंभाइत्ता (जृम्भयित्वा) ज २।४६

जबख (यक्ष) प १।१३२; २।४१.४५; १।५।५।३

ज २।३१; ३।१४, १८, ३०, ३१, ४३, ५१, ६०, ६८,

६३, १३०, १३६, १४०, १४६, १७२, १८०

सू १।६।३८ उ ५।७, २४, २६

जक्खगग्रह (यक्षग्रह) ज २।४३

जक्खाययण (यक्षायतन) उ ५।७, ८, २४, २६

जक्खोद (यक्षोद) सू १।६।३८

जग (जगत्) ज ५।५, ४६

जगई (जगती) ज १।७ से ६, १२, १४; ४।६, ३५,

३७, ४२, ४५, ७१, ७७, ६०, ६४, २६२

जगईसमिया (जगतीसमिका) ज १।१०

जगती (जगती) सू ३।१

जगप्पईवदाइय (जयत्प्रदीपदायिका) ज ५।५, ४६

जघण (जघन) ज ३।१३८

जच्च (जात्य) ज २।१५; ३।१०६, १७८

जच्चकणग (जात्यकनक) ज २।६८

जट्ठ (इष्ट) उ ३।४८, ५०

जडि (जटिन्) ज ३।१७८

जडियाइलय (जटिकादिलक) सू २०।८।५

जडियायलय (दे० जटिकायिलक) सू २०।८।५

जडिलय (जटिलक) सू २०।२

जड (त्यक्त) ज ३।१२७

✓जण (जन्) जणइस्सइ ज २।१४२, १४३, १४५

जणेज्जा प १।७।१६६, १६७, १६६ से १७२

जण (जन) प १।१।२ ज १।२६; २।६५; ३।१, ६५,

१०६ ११६, १३८, १५६ सू १।१ उ १।६८,

१३६; ३।११४, ११५, ११६; ५।७, २०, २७

जणक्खय (जनक्षय) ज २।४३

जणणी (जननी) ज ५।५, ४६

जणवद (जनपद) उ १।६६

जणवय (जनपद) प १।१३३।१ ज २।१३१; ३।८१,

१८६, २०४, २२१ उ १।६४, ६६, १०३ १०६,

११०, ११३, ११४, १२२, १२६, १३३

जणवयकल्लाणिया (जनपदकल्याणिका) ज ३।१७८,

१८६, २०४, २१४, २२१

जणवयविहार (जनपदविहार) उ ३।४६, १४५, ५।३३

जणवयसक्क (जनपदसत्य) प १।१।३३

जणिय (जनित) उ ३।४८, ५०

जण्ण (यज्ञ) ज २।३० उ ३।४८, ५०

जण्णइ (यज्ञकिन्) उ ३।५०

जण्णु (जानु) ज ३।१२.८८; ५।७, ५८

जण्हवी (जान्हवी) ज ३।१६७।११

जत (यत) प २।३०, ४१

जति (यदा) प ५।२०; ५।१३४ सू १।६।२।२६

जति (यत्र) प २।३।१६७

जतिविह (यतिविध) प १।६।२०

जत्ता (यात्रा) उ ३।३०, ३१

जत्तिय (यावत्) प १।५।६६, १०३; २।३।१७५

ज ७।२००

जत्थ (यत्र) ज ३।७६ उ ३।५५; ४।२१; ५।३६

जदा (यदा) ज ७।२०

जदि (यदि) प ५।५

जप्पभिइ (यत्प्रभृति) ज २।६७ उ ३।११८

जम (यम) ज ७।१३०, १८६।३ उ ३।५३

जम (काइय) (यमकायिक) ज १।३१

जमग (यमक) ज ४।११२ से ११५, ११७, १२०,

१४०।२, १४१, १६५

जमगपववय (यमकपर्वत) ज ४।१११, ११३, २०६,

२६२; ६।१०

जमगवण्णाभ (यमकवर्णाभ) ज ४।११३

जमगसंठाणसंठिय (यमकसंस्थानसंस्थित) ज ४।११०

जमगसगम (दे०) ज ३।१२, ३१, ७८, १०६, १८०

२०६; ५।२४

जमदेवया (यमदेवता) सू १०।८३

जमय (यमक) ज ४।११६

जमल (यमल) ज १।२४; २।१५; ४।२७; ५।५, २८

जमालि (जमालि) उ ४।१५; ५।२०, २७, ३८

जमिगा (यमिका) ज ४।१६०

जम्म (जन्मन्) प ३।६।४ ज २।१०३; १०४

उ १।३४; ३।६८, १०१, १३१

जम्मण (जन्मन्) ज ५।३, ५।७.१७, २२, २६, ४४;
 ४६, ६७ से ७०, ७२ से ७४ उ २।६, ३।११२;
 ४।१६; ५।२५
 जम्हा (यहमात्) उ १।६३; २।६
 जय (यत्) प २।३१
 जय (जय) ज २।१५, ६४, ६५; ३।५, ६.१८, २६, ३६,
 ४७, ५६, ६४, ७२, ७७.६०, ६३ १।१४, १३३,
 १३८, १४५, १५१, १५७, १७८, १८०, १८५,
 २०५, २०६, २२२; ५।५८; ७।११८ उ १।१०७,
 १।१०, १।१६, १।१८, १।२२, १।३०; ५।१७
 √जय (जि) जइस्सइ उ १।१५ जयंति उ १।१३५
 जयंत (जन्त) प १।१३८; २।६३; ४।२६४ से
 २६६; ६।४२, ५६; ७।२६; १५।८६, ६२, १००,
 १०२, १०५, १०८, १०९, ११३, ११४, ११६,
 १२०, १२१, १२३, १२५, १२६, १३१, १३६;
 २८।६६ ज १।१५; ४।६४
 जयंती (जन्ती) ज ४।२१२, २१२।४; ५।८।१;
 ७।१२०।२, १।८६ सू १०।८।२
 जयणा (यतना) उ ३।३१
 जयहर (जयधर) ज ३।१२६।१
 जया (यदा) ज ५।१ सू १।११ उ ३।११८
 जया (जया) सू १०।६०, १७०, १७२
 जर (जरा) प १।१।१; ३।६।८३।२ सू २०।६।६
 जर (ज्वर) ज २।४३
 जरा (जरा) प २।६४, २।६४।६, २२; ३।६।६४।१
 ज २।८८, ८६, १०३, १०४, १३३; ३।२२५
 जरुला (दे०) प १।५१
 जल (जल) प १।७५ ज २।१३४; ३।३२, ८१, ६८,
 १५१; ४।३, २५ उ ३।५५
 √जल (जल) जलति ज ५।५७
 जलंत (ज्वलन्) ज ३।१८८; ४।६, १४, ३१, ४१, ६८,
 ७६, ६३ उ ३।४८, ५०, ५५६३, ६७, ७०, ७३,
 १०६, ११८
 जलकंत (जलकान्त) प १।२०।४; २।४०।६
 जलकिट्टा (जलक्रीडा) उ ३।५१, ५६

जलचारिया (जलचारिका) प १।५१
 जलट्टाण (जलट्टान) प २।४, १३, १६ से १६, २८
 जलण (ज्वलन) ज ३।३५
 जलपह (जलपथ) प १।६।४५
 जलप्पह (जलप्रभ) प २।४०।७
 जलमज्जण (जलमज्जन) उ ३।५१, ५६
 जल्य (जलज) प १।४८।४० ज ४।२६; ५।७
 जलय (जलग) ज ३।३२
 जलयर (जलचर) प १।५४, ५५, ६०; ३।१८३;
 ४।११३ से १२१; ६।७१, ७८, ८३; २।१।८ से
 १०, ३२ से ३४, ४३, ५३, ६० सू १०।१२०
 जलरुह (जलरुह) प १।३३।१, १।४६
 जलवासि (जलवासिन्) उ ३।५०
 जलविच्छुय (जलवृद्धिक) प १।५१
 जलाभिसेय (जलाभिषेक) उ ३।५०, ५१, ५६
 जलासय (जलाशय) प २।४, १३, १६ से १६, २८
 जलिय (ज्वलित) ज ३।३५
 जलोउय (जलोत्तुक) प १।४६
 जलोया (जलोका) प १।४६, ७८
 जल्ल (दे०) ज २।३२
 जल्लेस (यत्त्वेश्य) प १।७।६२, १०२
 जल्लेस्स (यत्त्वेश्य) प १।७।६२, १०२
 जव (यव) प १।४५।१ ज २।१५, ३७; ३।११६
 जवजव (यवयव) प १।४५।१ ज २।३७
 जवण (यवन) प १।८६
 जवणदीव (यवनद्वीप) ज ३।८१
 जवणाणिया (यवनानिका) प १।६८
 जवणालिया (यवनालिका) प ३।३।२६
 जवणिज्ज (यापनीय) ज ३।३०, ३२, ३४
 जवमज्झ (यवमध्य) ज २।६
 जवसय (यवासक) प १।३७।३ जवासा नामक
 पौधा, एक तरह का खदिर
 जवासाकुसुम (यवासककुसुम) प १।७।१२५
 जस (यशस्) ज ३।३५, ७७, १०६, १२६, १२६,
 १६७, १८५, २०६
 जसंसि (यशस्विन्) ज ३।३, १२६।३

जसधर (यशोधर) ज ७।१।७।१

जसभद्र (यशोभद्र) ज ७।१।७।१ सू १०।८६।१

जसम (यशस्वत्) ज २।५६,६१

जसवई (यशस्वती) ज ७।१२१ सू १०।६१

जसोक्ति (यशःकीर्ति) प २३।१६,२०,१५३

जसोक्तिनाम (यशःकीर्तिनामन्) प २३।३८,
१२७,१८८

जसोधर (यशोधर) सू १०।८६।१,८८।१

जशोहरा (यशोधरा) ज ४।१५७।१; ५।६।१;

७।१२०।१

जस्संठित (यत्संस्थित) सू ४।३

जह (यथा) प १।१।३ उ १।१०६

जहण (जघन) ज २।१५

जहण (जघन्य) प १।७४; २।६४।८; ४।१ से ५४,
५६ से ६७,६६ से ८६,६१ से १३३,१३५ से
२६६,२६८; ५।४०,४१,४४,४५,७७,७८,६२,
६३,६६,६७,११०,१११,११४,११५,१५३,
१५४,१५६,१५७,१५६,१६२,१६३,१६५,१६६,
१६८,१६९; ६।१ से १८,२० से ४५,६०,६१,
६४,६६ से ६८,१२०,१२१,१२३; ७।२,३,६ से
२६; ११।७०,७१; १२।६,१३।२।२।२; १५।४० से
४२; १७।१४६; १८।२ से ४,६,८ से १०,१२,१४
से १६,१८ से २४,२६ से २८,३० से ३६,४१
से ५४,५६,५७,५८ से ६७,६६ से ७४,७६ से
८१,८३ से ८५,८७,८८ से ९१,९३,९५,९६,
९८,१०३,१०४,१०५,१०७,१०८,११०,११३,
११४,११६,११७,११८,१२०,२०।६ से १३,
६१,६३; २१।३८,४० से ४२,४८,६३ से ७१,
७४,८४,८६,८७,९० से ९३; २३।६० से ७६,
८१,८३ से ८२,८५ से ८६,१०१ से १०४,
१११ से ११४,११६ से ११८,१२७,१२६,
१३१,१३३ से १३५,१३८,१४०,१४२,१४३;
१४७,१५१ से १५३,१५५,१५७,१५८,१६०
से १६२,१६४ से १७३,१७६,१७७,१८२,१८३
१८६ से १८८,१९० से १९३; २८।२५,४७,५०,

७३ से ८६; ३३।२ से १३,१५ से १७; ३६।८
से १०,१७,१८,२०,३०,३४,४४,६१,६६,६८,
७० ७२ से ७४,७६,८२ ज २।४४,४५,५८,
१२३,१२८,१४८,१५१,१५७; ४।१०१; ७।२८,
५७,६०,१८२,१८७ से १९६,२०६ सू १।१४;
१८।२०,२५ से ३४; १९।२; २०।३

जहणग (जघन्यक) प १७।१४४,१४६; २३।१५२,
१८४

जहणगुण (जघन्यगुण) प ५।३६,३७,५८,५९,७३,
७४,८८,८९,१०६,१०७,१८६,१९०,१९२,
१९३,१९६,१९७,१९८,२००,२०२,२०३,
२०६,२०७,२१०,२११,२१३,२१४,२१७,
२१८,२२०,२२१,२२३,२२४,२४१,२४२

जहणदिठतीय (जघनःस्थितिक) प ५।२३,३४,५५,
५६,७०,७१,८५,८६,१०३,१०४,१७३,१७४,
१७६,१७७,१८०,१८१,१८३,१८४,१८६,
१८७,२३८,२३९

जहणठितीय (जघन्यस्थितिक) प ५।५६

जहणपएसिय (जघन्यप्रदेशिक) प ५।२२८

जहणपदेशित (जघन्यप्रदेशिक) प ५।२२८

जहणपदेशिय (जघन्यप्रदेशिक) प ५।२२७

जहणपय (जघन्यपद) ज ७।१६८,१६९,२०२,
२०४,२०६; १२।३२

जहणमति (जघन्यमति) प ५।६२,६३

जहणय (जघन्यक) प १५।६४; १७।१४४;

२१।१०५; २३।१६३ ज ७।२६ सू १।१४,१६,
१७,१९,२१,२२,२४,२७; २।३; ३।२; ४।७,९;
६।१; ८।१; ९।२

जहणुक्कोसग (जघन्योत्कर्षक) प १७।१४६

जहणुक्कोसय (जघन्योत्कर्षक) प १५।६४;
२१।१०५

जहणोगाहणम् (जघन्यावगाहनम्) प ५।२७; २८,
४८,४९,५२,५३,६७,६८,८२,८३,१००,१०१,
१५३,१५४,१६२ १६३,१६५,१६६,१६८,
१६९,२३३,२३४

जहणोगाहणय (जघन्यावगाहनक) प ५।२८, ४६,
५३, ६८, ६९, ८३, १००, १५४, १५६, १५६,
१६३, १६६, १६६, ८३४
जहन् (जघन्य) प ४।६०, १३४
जहा (यथा) प १।१ ज १।११ सू १।१२ उ १।२;
२।२; ३।२; ४।२, ५
जहाणाम (यथानामन्) सू २०।७
जहाणामय (यथानामक) प १६।५२, ५४;
१७।१०७, १०६, १११, ११६, ११६, १२३ से
१२८, १३० से १३५; २८।१०५; ३४।१६;
२६।६४ ज १।१३, २।१, २६, ३३, ३८, ४६; २।७,
१७, १८, ३८, ५२, ५७, १२२, १२३, १४७, १५०,
१५६, १६१, १६४; ३।१६२, ४।२, ८, ११, १०७;
५।५, ७, ३२
जहाभूय (यथाभूत) उ १।४२
जहारिह (यथाहं) ज २।११३; ३।८१
जहाविभव (यथाविभव) उ ५।१७, २५
जहिच्छिय (यथेष्ट) ज २।१६, २२
जहेव (यथैव) सू १७।१ उ ३।२१
जहोच्चिय (यथोचित) उ १।३५
जा (या) जंति प ६।८०।१ ज ७।१३५।४
जाइ (जाति) प १।३८२ छोटा आंवला. चमेली,
जायफल
जाइ (जाति) प १।४६, ६०, ६६, ७५, ७६; १।१६
ज २।८८, ८९, २२५; ३।३, १०६; ५।५, ४६
सू १।१६; १२।१५ से १०, १२ से १७; १४।३७
उ १।२, ३४, ४६, ७४; ३।१५६; ५।२६
जाइजमाण (जाच्यमाण) उ १।२०५
जाइणाम (जातिनामन्) प २३।३८, ४०, ८५, ८७
मे ८६, १५०
जाइनामनिहलाउय (जातिनामनिधत्तायुक्त)
प ६।१२१
जाइय (याचिन) उ ३।३८
जाइविट्ठया (जातिविशिष्टता) प २३।५८
जाइहिमुलय (जातिविशुद्धक) प १७।१२६
जाउकण (जातुकार्थ) ज ७।१३२।१

जाउकणिया (जातुकणिका) सू १०।६६
जाउलग (जातुलक) प १।३७।५
जागर (जागर) प २।१७४; २३।१६५, १६६ से
२०१
जागरमाण (जाग्रत्) उ १।१५; ३।४८, ५०, ५५, ८७,
६८, १०६, १३१; ५।३६
जागरिया (जागरिका) उ १।६३
√जाण (जा) जाण प १।४८।५६ ज ७।११२।५
जाणइ प १।१११; १७।१०८ से ११०; २३।१३;
३०।२७, २८ ज २।७१; ७।११२ उ १।६८
जाणंति प २।६४।१३; १५।४६ से ४६; ३३।२
से १३, १५ से १८; ३४।११, ३४।६ से ६, ११,
१२ जाणति प १।११२ से २०; १५।४४, ४५;
१७।१०६ से १०८, ११०; १११; ३०।२५ से
२८; ३६।८०, ८१ जाणाहि सू १०।२२६
जाण (यान) ज २।१२, ३३; ३।१०३ उ १।१७, १६,
२४; ४।१२, १३, १५
जाणमाण (जानत्) ज २।७१
जाणय (ज्ञ) ज ३।३२
जाणवय (जानपद) ज १।२६; ३।१, १२, ४१, ४६,
५८, ६६, ७४, १४७, १६८, २१२ से २१४
सू १।१
जाणविमाण (गानविमान) ज ५।३, ५, २२, २६, २८,
३०, ३२, ४४, ४५ उ ३।७, ६१
जाणविमाणकारि (गानविमानकारित्) ज ५।४६
जाणिउकाम (जातुकाम) प २३।१३
जाणिसा (जात्वा) प २३।१३ ज ३।१२३ उ १।६८;
५।४०
जाणियत्व (जातव्य) प १५।१४३; १६।१५; २३।१३
जाणु (जानु) ज ३।६, १२, ८८; ५।२१, ५८
जाणुकोपरमाया (जातुकूर्परमात्, जानुकूर्परमाय)
उ ३।६७, १३१; ३।१०५, १३१
जात (यात) प १।७५
जात (जात) ज २।१४६; ३।३
जातकम्म (जातकम्मन्) उ १।६३; ३।२६
जातरूवडेंसग (जातरूपावर्तमक) प २।५१

जाति (जाति) प ११५०, ५१, ८१, ८११; २१६४,
 २१६४१२; १११८ से १०; ३६१६४१ ज २११०;
 ५१५
 जातिआरिय (जात्यार्य) प ११६२, ६४
 जातिणाम (जातिनामन्) प २३१८६, १५०, १५१
 जातिणामणिहत्ताउय (जातिनामनिधत्तायुष्क)
 प ६१११८, १२०, १२३
 जातिनामनिहत्ताउय (जातिनामनिधत्तायुष्क)
 प ६१११६, १२३
 जातिपुड (जातिपुट) ज ४११०७
 जातिविसिट्ठया (जातिविशिष्टता) प २३१२१
 जातिविहीणया (जातिविहीनता) प २३१२२, ५८
 जातीय (जातीय) ज ३११०६
 जाधे (यदा) सू १६१२४
 जाय (जात) ज ११६; २०७१, ८५, १२८, १४६;
 ३१८०, ६५, ६६, १०३ उ ११६६, ६३; २१६;
 ३११३, ४६, १०५, ११३, १४४, १४६; ४१२१,
 २७, ३४, ३८
 √जाय (जन्) जायइ ज ३१६२, ११६ जायंति
 ज ३१६२, ११६
 √जाय (याच्) जायेइ उ १११०२
 जायकोउहल (जातकौतुहल) ज ११६
 जायणी (यावनी) प १११३७१
 जायतेय (जाततेजस्) ज २११२६, १५८
 जायय (जातक) उ ३१३८
 जायरूव (जातरूप) ज २१६८; ४१२५५; ५१५
 जायरूवखंड (जातरूपखण्ड) प १११७४
 जायरूवडोसय (जातरूपावर्तसक) प २१५६
 जायसंशय (जातसंशय) ज ११६
 जायसड्ड (जातश्रद्ध) ज ११६ उ ११४; ५१२२
 जार (जार) ज ५१३२
 जार (जार) प ११४८१२
 जाल (जाल) प ११११५ ज ३१६, १७, २१, ३४, ३५,
 १७७, १२२, १७८; ५१२८
 जालंतर (जालान्तर) प २१४८

जालघरग (जालगृहक) ज २११३
 जाला (ज्वाला) प ११२६
 जाव (यावत्) प १११३; २१३२ से ४०, ४२ से
 ४६, ४८, ५० से ६३; ४१५५; ७१६ से ३०;
 ८३, ४, ६ से ११; ६१२२; १०१६ से २५, २७
 से ३०, ३२ से ४३, ४५ से ५३; २०१५२, ५६,
 ६०, ६३, ६४ ज ११६ चं १० सू १११ उ ११२;
 ०११; ३११; ४११; ५११
 जावइ (यावी) प ११३७१५
 जावइय (यावत्) ज २१६; ४११४०१२
 जावज्जीव (दावज्जीव) उ ३१५०
 जावति (यावी) प ११४३११
 जावतिय (यावत्) प ११५५१, ५२ सू ६१३; १३१२
 जावय (जापक) ज ५१२१
 जावेंत (यापयत्) ज ३११७८
 जासुमण (जपासुमनस्) प ११३७१ ज ३१३५
 जासुमणकुसुम (जपासुमनस्कुसुम) प १७११२६
 जासुवण (जपासुमनस्) प ११४०१३
 जाहा (जाहक) प ११७६
 जाहि (यत्र) प २४१६
 जाहे (यदा) ज ७१५६ सू १६१२७ उ ११५२;
 ३११०६
 √जि (जि) जयति चं १११
 जिण (जिन) प ११६३१६; १११०११३, ४, १२;
 ३६१८३१२ ज ११४०; २१६३, ७१, ७८, ८०,
 ५१५, २१, ४६; सू १६१२२११
 √जिण (जि) जिणाहि ज ३१८५
 जिणसकधा (जिन 'सकधा') सू १६१२३
 जिणसकहा (जिन 'सकहा') ज २११२०; ४११३४;
 ७११८५
 जिणघर (जिनगृह) ज ४११३६
 जिणपडिमा (जिनप्रतिमा) ज ११४०; ४१४७, १२६,
 १३६, १४७, २१६
 जिणभस्ति (जिनभक्ति) ज २१११३
 जिणवर (जिनवर) प १११२ चं ११४

जिणवरिद (जिणवरेन्द्र) प ११११ ज ५१५न

जिणिद (जिनेन्द्र) प ५१४१

जिन्मगार (जिह्वाकार) प ११६७

जिन्मिय (जिह्वेन्द्रिय) प १५११, २, ६, १३, १६,
३० से ३३, ४२, ५५, ६४, ६६, ७०, ८०; २८४२,
४५, ४६, ७१ उ ३१३३

जिन्मियपरिणाम (जिह्वेन्द्रियपरिणाम) प १३१४

जिन्मिया (जिह्विका) ज ४१२४, ३६, ६६, ७४, ६०,
६१

जिमिय (जिमित) ज ३१८२ उ ४११६

जिय (जित) ज ३१३३१२, १८५, २०६

जियंतय (जीवन्तक) प ११४४२ जीवंत शाक

जियंति (जीवन्ती) प ११४०४ अन्य वृक्षों पर
रहकर फलसे वाली लता

जियनिद (जितनिद्र) ज ३११०६

जियपरीसह (जितपरीषह) ज ३११०६

जियसत्तु (जितशत्रु) ज ११३ चं न सू ११३ उ ४१६

जीमूय (जीमूत) प १७१२३

जीय (जीत) ज २१६०, ११३; ३१२६, ३६, ४७, ५६,
१३३, १३८, १४५, ५१३, २२, २७

जीव (जीव) प ११४७१, ११४८१७ से ४३, ४५,

४७, ४६ से ५१, ५५ से ५६, ११८४, १०११२;

२१६४; ३११२, ३११, ६६ से ११३, १२३ से

१२५, १४१ से १४३, १५० से १५२, १७४,

१८३; ६१२०, १२३; ६१२२, १६, २५, २६;

१०१३१; ११३०, ३८, ३६, ४३, ४६, ४७, ७०

से ७२, ८० से ८२, ८४, ८५, ६०; १२११०;

१४१११ से १५, १७, १८; १६१२, १०, १६,

२१, २३; १७१५६ ८४, ८६, ११२, ११३;

१८१११, १८११; १६११; २०११, ६३; २११८४;

२२१७ से १०, १२ से २२, २४ से २७, २६ से

४०, ४२ से ४५, ४८ से ५०, ५२ से ५६, ५८,

५६, ६७ से ६६, ७५ से ८६, ८८ से ८४, ६६,

६७, १००; २३१११, २३१३, ५ से ७, ६ से ११,

१३ से २३, १३४, १३५, १३७ से १३६, १५५,

१५७, १६०, १६१, १६४, १६७, १७१, १७६,

१६३; २४१२ से ४, ६ से ११, १३ से १५;

२५१२, ३, ५; २६१२ से ४, ८, ६; २७१२, ३, ६;

२८१०६, १०८, १०६, १११ से ११८, १२० से

१२६, १२८ से १३३, १३६ से १४५; २६१४,

१६, १७, २२; ३०१४, १४ से १६, २४; ३१११, ४;

३२११, ६११; ३५१६; ३६१११, ३६१३०, ३२,

३५, ४६ से ४८, ५२, ५६, ६२ से ६६, ६६, ७०, ७२,

७३, ७४, ७७, ७८, ६४ ज २१६८, ७१; ५१५, ४६;

६१४; ७१२११, २१२ उ ११६०, ६१; ३११४२,

१४४; ५१३४

√जीव (जीव्) जीव ज ३१२६१२ जीवस्सइ
उ १११५

जीवंजीव (जीवंजीव) प ११७८

जीवंजीवय (जीवंजीवक) ज २११२

जीवंत (जीवत्) उ १११०६, ११०, ११४

जीवंतय (जीवत्क) उ ११६६, १०३, १३३

जीवधण (जीवधन) प २१६४१२; ३६१६३, ६४

जीवणिकाय (जीवणिकाय) प २२११०, ७८ ज २१७२

जीवस्थिकाय (जीवास्तिकाय) प ३१११४, ११५,
११६, १२२

जीवदय (जीवदय) ज ५१२१

जीवपज्जव (जीवपर्यव) प ५११ से ३, १२२

जीवपणवण (जीवप्रज्ञापना) प १११, १० से १५,
४६ से ५२, १३८

जीवपरिणाम (जीवपरिणाम) प १३११, २, २०

जीवमाण (जीवत्) उ १११५, २१, २२

जीवमिस्सिया (जीवमिश्चिता) प १११३६

जीवलोक (जीवलोक) ज २१६५; ३१३१, १२४

जीवा (जीवा) ज ११२०, २३, ४८; ३१२४; ४१५५,
६२, ८१, ८६, ६८, १०८, १७२, २६२, २६५, २७१,
२७४ सू १११६; २११; १०११४२, १४७; १२१३०;
२०११ उ १११३८

जीवाजीवमिस्सिया (जीवाजीवमिश्चिता) प १११३६

जीवाभिगम (जीवाभिगम) ज ११११; ५१४६, ५१

जीविय (जीवित) प ११४८५, ४१; २२१६ ज २१७०
उ ११२२, २५, २६, ३४, १४०; ३१६८, १०१,

१३१,१५६
 जीवियंतकरण (जीवितान्तरण) ज ३१२४
 जीवियारिह (जीवितार्ह) ज ३६
 जीहा (जिह्वा) प २३३१; १५१७७, ८१, ८२
 ज २११५; ३११०६; ७१७८
 जुइ (द्युति) प २३३१ ज ३१२, ७८, ८८, ६२, ११६,
 १२६, १८०; ५१२२, २६
 √जुंज (युज्) जुंजइ प ३६१८६, ८७, ८६, ६०
 जुंजति प ३६१८६ से ६० सू १५११०
 जुंजमाण (युञ्जान) प ३६१८७, ८६ से ६१
 जुंजिता (युक्ता) सू १५११०
 जुग (युग) ज २४६, १४१ से १४५; ३३, ११५,
 ११६, १२२, १२४; ७१२७ सू ६१; ८१;
 १०१२२, १२३, १२७; १२६; १३३; १५३५
 से ३७
 जुगंतकरभूमि (युगान्तरकरभूमि) ज २१८४
 जुगप्पत्त (युगप्राप्त) सू १२१८
 जुगमच्छ (युगमत्स्य) प ११५६
 जुगव (युगपत्) प ३६१६२ ज ५१५
 जुगसंवच्छर (युगसंवत्सर) ज ७१०३, १०५, ११०
 सू १०१२५, १२७
 जुग्य (युग्य) ज २१२२, ३३
 जुज्जसज्ज (युद्धसज्ज) उ ११२२७, १२८, १३३
 √जुज्ज (युध्) जुज्जति उ ११३६ जुज्जह उ ११२६
 जुज्जामो उ ११२८ जुज्जत्था उ ११२७
 जुणकुमारी (जीर्णकुमारी) उ ४१६
 जुण्णा (जीर्णा) उ ४१६
 जुति (द्युति) प २३३०, ३१, ४१, ४६ ज ५१२०६
 जुत्त (युक्त) ज २११५; ३३३, ३५, ७७, ६५, १०६,
 १३८, १५६, २११; ४१७; ५१२८, ५८; ७१४१
 से १४४, १५० से १५२, १७८ सू १०१२० से
 २२, २५, १७२, १७३; १६१२१२७; २०१७
 उ ११७, ११६, १२८
 जुत्ति (युक्ति) ज ३१२०६
 जुत्ति (युक्ति, द्युति) उ ५१२१
 जुद्धणीइ (युद्धनीति) ज ३१६७६, १७८

जुद्धसज्ज (युद्धसज्ज) उ ११११५ से ११७
 जुम्ह (युष्मत्) सू १६ उ ११२२; ३१२६; ४११
 जुय (युग) ज ७१११०
 जुयणद्ध (युगनद्ध) सू १२१२६
 जुयल (युगल) ज ११२४; २१५, १००; ३१२११;
 ४१२७, ३०; ५१५, २८, ५८, ६७; ७१७८
 उ ३१३४
 जुयलग (युगलक) ज २४६ उ ३१२६
 जुवराय (युवराज) प १६४१ ज २१२५
 जुवलय (युगलक) प २४०१२
 जुवाण (युवन्) ज ५१५
 जुव्वण (यौवन्) ज ३१३८
 जूय (यूप) ज २११५
 जूया (यूका) प ११५० ज २४६, ४०
 जूव (यूप) ज ३३ उ ३४८, ५०, ५५
 जूस (यूष) सू १०१२०
 जूहिया (यूथिका) प १३८१२ ज २११०; ३३
 जूहियापुड (यूथिकापुट) ज ४११०७
 जेट्ठ (ज्येष्ठ) ज ११५; ३११०६ चं १० सू ११५
 जेट्ठपुत्त (ज्येष्ठपुत्र) उ ३१३३, ५०, ५५
 जेट्ठा (ज्येष्ठा) ज ७१२८, १२६, १३४१२,
 १३५१२, १३६, १४०, १४६, १५२, १६६ सू १०१२
 से ६, १८, २३, ५१, ६२, ७३, ७५, ८३, ११६, १२०,
 १३१ से १३५
 जेट्ठामूल (ज्येष्ठामूल) ज ७१०४, १४६, १४६,
 १५५ सू १०१२४ उ ३४०
 जेट्ठामूली (ज्येष्ठामूली) ज ७१३७, १४०
 सू १०१७, १८, २२, २३, २६
 जेणामेव (यत्रैव) प ३४१२२ ज ३४
 जोअ (द्योत) सू १६१२१२७
 जोइ (ज्योतिष्) सू १४८, ६, ११ से १३
 जोइस (ज्योतिस्, ज्यौतिष) प २४८; ३४१८
 ज १२४; २६४ से ६६, १००, १०२, १०४,
 १०६, ११०, ११३ से ११७; ५४७, ६७, ७२ से
 ७४; ७१७१ से १७४ चं ५४ सू १६४;
 १६१२१२

जोडसगणरायपण्णत्ति (ज्योतिर्गणराजप्रज्ञप्ति)

चं १।३

जोडसपह (ज्योतिःपथ) प २।२०, २४, २५, २७

ज १।२४

जोडसपह (ज्योतिःपथ) प २।२२, २३, २६

जोडसराय (ज्योतीराज) ज ७।१८३ से १८५

जोडसरायपण्णत्ति (ज्योतीराजप्रज्ञप्ति) चं १।४

जोडसिद (ज्योतिरिन्द्र) प २।४८ ज ७।१८३ से

१८५ उ ३।६, १५ से १८

जोडसिदत्त (ज्योतिरिन्द्रत्व) उ ३।१४

जोडसिणी (ज्योतिषी) प ३।१३८, १८३; ४।१७४

से १७६; १।७।५३, ७८, ८२, ८३; २०।१३

जोडसिय (ज्योतिषिक) प १।१३०, १३३; २।४८;

३।२८, १३७, १८३; ४।१७१ से १७३; ५।३,

२६, १२२; ६।२६, ४६, ५६, ५६, ६५, ६६, ८५, ६४,

१०६, १११, ११७; ७।६; ६।११, १८, २४; १५।३५,

४८, ८७, ६६, १२४; १६।१६; १७।२७, ३०, ५३,

७८, ८१, ८३, ६६, १०५; २०।१३, १६, २५, ३०,

४८, ५४, ६०; २१।५५, ६१, ७०, ६०; २२।३१,

३६, ८८, १००; २८।७३, ११७; २६।१५; ३१।५;

३३।१५, ३०; ३५।१५, २२, २३ ज २।६४

४।२४८, २५० से २५२; ५।५३, ५६, ७२ से ७४;

७।१८५

जोडसियत्त (ज्योतिषिकत्व) प १५।१२६

जोडसियराय (ज्योतीराज) प २।४८

जोडस (ज्योतीराज) ज ५।५

जोएअव्व (योजयितव्य) प १०।२६

जोएत्ता (युक्त्वा) सू १०।५; १५।८६

जोएमाण (युज्जत्) ज ७।१४१ से १४५, १५०,

१५१

जोग (योग) प ३।१।१; ११।३३।१; १८।१।१;

२८।१०६।१; ३६।६२ ज २।६५, ७१, ८८, ६५;

३।१५६, २२५; ७।१, ११।२।२, १२।७।१, १२६,

१३०, १३४।१, ४, १३५, १३८ से १४०, १६७।१

चं २।३; ५।१ सू १।६।३, १।६।१; १०।१, ५, १७२,

१७३; १२।२६; १५।१०; १६।२२।१० उ ३।३१

जोगपरिणाम (योगपरिणाम) प १३।२, १४, १६,

१७, १६

जोगसच्च (योगसत्य) प ११।३३

जोगि (योगिन्) प ३६।६२

जोग्ग (योग्य) ज ३।१०६; ५।७, ४१ उ ३।७

जोग्य (जोनक) ज ३।८१ म्लेच्छ

जोगि (योनि) प १।१।४, १।४।८।६३; २।६४; ६।१

से ४, ६ से ११, १३ से १७, १६ से २३, २६

ज २।१३५ से १३७; ३।३

जोगिप्पमुह (योनिप्रमुख) प १।२०, २३, २६, २६,

४८, ५०, ५१, ६०, ६६, ७५, ८१

जोगिब्भूय (योनिभूत) प १।४।५।१

जोगिय (योनि) ज ३।११।१

जोगिसूल (योनिमूल) ज २।४३

जोगीवमुह (योनिप्रमुख) प १।४६, ७६

जोग्ह (ज्योत्स्न) सू १०।१३१; १८।१, ५, ६;

१६।२२।१६, २०; १६।३१

जोतिस (ज्योतिष्) प २।४८; ३।१६।१; ३४।१६

सू १०।१३१; १८।१, ५, ६; १६।३१

जोतिसराय (ज्योतीराज) सू १८।२१ से २४;

२०।४, ६, ७, ६।१

जोतिसिद (ज्योतिरिन्द्र, ज्योतिषेन्द्र) सू १८।२१ से

२४, २०।४, ६, ७

जोतिसिणी (ज्योतिषी) सू १८।२६

जोतिसिय (ज्योतिषिक) प १।२।६, ३७; १२।२०;

१५।१०४, १०७; १६।६; १७।३३, ३४, ६१;

१६।४; २०।३५, ३७; २२।७५; २६।२२; ३२।५;

३३।२३, ३४, ३७; ३४।४, १०; ३५।२३; ३६।२६,

४१, ७२ सू १८।२३, २५; १६।२२

जोतिसियत्त (ज्योतिषिकत्व) प १५।१११; ३६।२२

जोत्तग (योजक) ज ७।१७८

जोय (योग) ज ३।१७८; ७।१२६ सू १०।२, ३, ५,

७५, १२२, १२३, १२६।१, १३२ से १३४, १३६,

१६२ से १६६; १२।२६, ३०; १५।८, ११, १२,

१३; १६।१, ५, ८, १५, १६, २१, १६।२२।२१

✓जोय (युज्) जोइति ज ७।१२६ जोइसु
ज ७।१२६ जोइस्संति ज ७।१२६ सू १६।१
जोएइ ज ७।१२६ जोएति ज ७।१,११२।२
सू १०।५,१२६।१,२ जोएंसु ज ७।१ सू १०।७५
जोएति सू १०।२० जोएस्संति ज ७।१
सू १०।७५ जोयंति ज ७।११२।१

जोयण (योजन) प १।७४,७५,८४; २।२१ से २७,
२६ से ३६,३८,४१ से ४३,४६,४८ से ५५,
५६,६३,६४; १।१७२; १।२।७,३६,१५।४० से
४२; २।१३८,४१ से ४३,४५,४७।१,२; २।१६३,
६८ से ७०,८७; ३।३।१०,११; ३।६।६६,६८,
७०,७२,७४.८१ ज १।७,८,१२,१४,१६,
१७।१,१८,२०,२३,२८,३२,३५,४६,४८,५१;
२।६; ३।१,१८,२५,३१,३८,४६,५२,६१,६६,
७६,८१,८५,८६,१११,११६,११८,१३१,१३२,
१३७,१४१,१५६,१६०,१६४,१८०,१६२;
४।१,३,६,७,१४,२३ से २५,३१,३६,३८ से
४३,४५,४७,४८,५२,५५,५७,५८,६२,६४ से
६८,७२ से ७८,८१,८६,८८,९० से ९५,९८,
१०३,१०८,११०,११२,११४ से ११६,११८
से १२८,१३२,१३६ से १४१ १४२।१,१४३,
१४५,१४६,१५३,१५४,१५६,१६३ से १६५,
१६६,१७४ से १७६,१७८,१८३,२००,२०१,
२०३; २०५ से २०७,२१३,२१५ से २१६,
२२१,२२६,२३४,२४० से २४३,२४५,२५७
से २५६,२६२; ५।३,५,७,२२ से २४,२८,३५,
४३,४४,४६,५०,५३; ६।६।१,६।८; ७।३ से
२५,३१ से ३४,५८,६२ से ८४,८६,८८,८९,
९१ से ९६,१७१ से १७४,१८२,२०७
सू १।१४,२० से २४,२६ से ३१; २।१,३;
४।३ से ५,७,८,१०; १८।१,५,६,९ से ११,२०;
१६।४,७,१०,१४,१८,२०,२२।२८,२६,
१६।२३,२६,३०,३४,३७, उ १।१३४; ३।७,
६१; ५।४

जोयणपुहत्तिय (योजनपृथक्त्विक) प १।७५

जोयणसत्तपुहत्तिय (योजनशतपृथक्त्विक) प १।७५

जोयणसहस्रपुहत्तिय (योजनसहस्रपृथक्त्विक)

प १।७५

जोव्वण (यीवन) प २।३१; ३।४।२० ज २।१५;

३।६२,११६,१३८; ५।६८,७० सू २०।७

उ ३।१२७

जोव्वणग (यीवनक) उ ३।१२७ १२८; ५।४३

जोह (योध) ज ३।१५,२१,२२,३१,३४,३६,७७,

७८,६१,६८,१६७।६,१७३,१७५,१६६

उ १।१२३; ५।१८

भ

भंभावाय (भञ्जभावात) प १।२६

भय (ध्वज) ज १।३७; २।१५,२०; ३।७,३१,३५,

१७८,१७९

भया (ध्वजा) उ १।२२,१४०

भल्लरि (भल्लरी) प ३।३।२३ ज ३।१२,७८,

१८०,२०६

भस (भस) ज ३।३

✓भ्हा (ध्वं) भियाइ उ १।१५; ३।६८ भियामि

उ १।४० भियासि उ १।३७ भिहाह उ १।४२

भियाहि उ १।४१

भ्हाण (ध्यान) उ ३।३१

भ्हाणंतरिया (ध्यानांतरिका) ज २।७१

भ्हाणकोटोवगय (ध्यानकोटोपगत) ज १।५;

२।८३ उ १।३

✓भ्हाम (वह्) भ्हामेति ज २।१०८ भ्हामेह ज २।१०७

भ्हागिरि (दे०) प १।५०

भ्हागिरिड (दे०) प १।५०

✓भ्हाया (ध्वं,धमा) भियायंति ज ३।१०५

भियायमाण (ध्यायत्) उ १।३६,३७,४२,७१

भिल्लिया (भिल्लिका) प १।५०

भिल्ली (भिल्ली) प १।४८।४२

भुत्तिरि (शुषिर) ज ५।५७ सू २०।१

✓भूस (शोषय्) भूसेइ उ ३।८३ भूमेहिइ

उ ५।४३

भूसणा (जोषणा) ज ३।२२४

भूसिक्ता (शोपयित्वा) उ ५११८
 भूसिय (जुष्ट) ज ३१२२४
 भूसेक्ता (शोपयित्वा) उ ३१८३; ५१४३
 भूसेक्ता (शोपयित्वा) उ २११२; ३११०

ट

टंक (टङ्क) प १११
 टिट्टिय (दे०) ज ५११६
 टोलकिति (दे०) ज २११३३

ठ

√ठव (स्थापय्) ठवइ ज २१६५ ठविसंति
 ज २११४६ ठवेइ ज २१६५ उ १११६; ३१५१;
 ४११८ ठवेति ज २१०४ ठवेसि उ ३१७६
 ठवेहि प ११४८५८, ५६

ठवणा (स्थापना) प १११३३१
 ठवणासच्च (स्थापनासत्य) प १११३३

√ठवाव (स्थापय्) ठवावेइ उ ११४६
 ठवावित्ता (स्थापयित्वा) उ ११४६
 ठवेत्ता (स्थापयित्वा) उ १११६

ठविय (स्थापित) ज ३१८१
 ठवेत्ता (स्थापयित्वा) ज २१६५

ठा (ण्टा) ठाइ उ ११२२

ठाईऊण (स्थित्वा) ज ३१२४

ठाण (स्थान) प १११४८, ८४; २११ से ३६, ४१ से
 ४३, ४६, ४८ से ५२, ५४ से ६४; ६११०;
 १०५५, ११ से १५, १७; १७११४११, १७१४४३
 से १७५; २३१११; २३३६, ७, १६० ज ३१२४,
 ८६, १०२, १५६, १६२; ५१२१; ७१५६ से ६०
 सू १०११३८ से १४१, १४३ से १४६, १४८ से
 १५१; १६२४, २७ उ ११२२, १४०; ३१५११;
 ३१८३, ११५, १२०; ४१२१, २२, २४

ठाणडित (स्थानस्थित) सू १६१२६

ठाणसगण (स्थानमार्गण) प २८५६, ५२

ठाणिज्ज (स्थानी) उ ११४४, ४५

√ठाघ (स्थापय्) ठावेमि उ ३११३

ठावेत्ता (स्थापयित्वा) उ ३१५०

ठिड (स्थिति) प १११४; ४१५; ५१५, ८४, ११५,
 १४८, २१४; २३११६३ ज २१५६, ७१, १५६;
 ७१६८१२, १८७ उ ११४१, ४३; २११२, २२;
 ३११६, ८५, १२४, १५०, १६४, १६६, १७१;
 ४१२५; ५१२६, ४२

ठिडकल्लाण (स्थितिकल्याण) ज २१८१

ठिड्खय (स्थितिक्षय) उ ३११८, १२५, १५२; ४१२६;
 ५१३०

ठिड्य (स्थितिक) उ ११२६, १४०; २१२०

ठिईय (स्थितिक) ज ११२४, ३१, ४६, ४७; २१४४;
 ३१२२५; ४१२२, ३४, ५४, ६०, ६१, ६४, ८०, ८५,
 ८६, ९७, १०२, १४१, १४२, १६१, १६७, १७७,
 १८६, १८६, २०८, २६१, २७०, २७२; ७१५५,
 ५८, २१३

ठिच्चा (स्थित्वा) प १७११०७; ३४१२२, २३
 उ ११२०; ३१२६

ठितलेस्स (स्थितलेश्य) प २१४८

ठिति (स्थिति) प ४११ से ४, ६ से ४६, ५६ से ५८,
 ६५, ७१, ७६, ८८, ९६, १०१, १०४, ११३,
 १३१, १४०, १४६, १५८, १६५, १६८, १७१,
 १७४, १८३, २०७, २१०, २१३, २६४, २६७,
 २६६; ५१७, १०, १२, १४, १६, १८, २०, २४ से
 २६, २८, ३०, ३२, ३४, ३७, ४१, ४५, ४६, ५०, ५३,
 ५६, ५९, ६३, ६८, ७१, ७२, ७४, ७८, ८३, ८६, ८९,
 ९३, ९४, ९७, १०१, १०२, १०४, १०५, १०७,
 १११, ११२, ११६, १२२, १२६, १३१, १३४,
 १३६, १३८, १४०, १४३, १४५, १४७, १४८,
 १५०, १५४, १६३, १६६, १६८, १७०, १७२,
 १७४, १७५, १७७, १७८, १८१, १८२, १८४,
 १८५, १८७, १८८, १९०, १९३, १९६, २००,
 २०३, २०७, २११, २१८, २२१, २२४, २२८,
 २३०, २३२, २३४, २३५, २३७, २३९, २४०,
 २४२; १०५३११; २३१३३ से २३, ६० से ६४;
 ६६, ६८, ६९, ७२ से ७७, ८०, ८१, ८३, ८५ से
 ८०, ८२, ८३, ८५ से ८६, १०१ से १०४, १११ से
 ११४, ११६ से ११८, १२७, १३०, १३१, १३३;

१७६, १७७, १७६, १८१, १८२, १८३, १८५,
१८७, १९० से १९३; २८५; ३६१, ८२१, ८३१
सू १८२५, २६ से ३४

ठितिनामनिहत्ताउय (स्थितिनामनिधत्तायुष्क)

प ६१२२

ठितिनामनिहत्ताउय (स्थितिनामनिधत्तायुष्क)

प ६११८

ठितिपडिया (स्थितिपडिता) उ १६३

ठितिचरिम (स्थितिचरम) प १०३४, ३५

ठितिनामनिहत्ताउय (स्थितिनामनिधत्तायुष्क)

प ६११६

ठिय (स्थित) प ११४७, ४८, ८० से ८३

ज ३६२, ११६, १३८; ५३, २८; ७५८ सू ११७
उ ११६

ड

डंस (दंश) ज २४०

डम्भ (दम्भ) प १४२१

डमर (डमर) ज २४२

डमरबहुल (डमरबहुल) ज ११८

√डह (दह) डहेज्जा ज २६

डाव (दे०) उ ११३८

डिय (डिम्ब) ज २४२

डिबबहुल (डिम्बबहुल) ज ११८

डिभय (डिम्भक) उ ३६२, ११४, १२३, १३०

डिभिया (डिम्भिका) उ ३६२, ११४, १२३, १३०,
१३१, १३४

डोंगरू (दे०) ज २१३१

डोंब (दे०) प १८६

डोंबिलग (दे०) प १८६

ढ

ढंक (धवांश) प १७६ ज २४०, १३७

ढिकुण (दे०) प १५११ ज २४०

ण

ण (न) प ११०१३ ज १६ सू ११४; १०१२६

णई (नदी) ज ४२००, २०२, २१२

णउति (नवति) सू १८१

णउय (नवति) ज ११८; ४२५; ६८; ७८२,
१७३

णउल (नकुल) प ११७६

णं (दे०) प १२० ज १३ सू १२ उ १५; २१;
३१; ४१; ५१

णंगल (लाङ्गल) ज ३३

णंगलई (लाङ्गलिकी) प १४८६

णंगलिय (लाङ्गलिक) ज २३४; ३१८५

णंगूल (लाङ्गूल) ज ७१७८

णंगोलि (लाङ्गूलिन्) प १८६

णंद (नन्द) ज ७११८

णंदणवण (नन्दनवन) ज २६५, ६६; ४२१४,
२३४, २३६, २३७, २३६, २४०; ५१५५

णंदणवणकूड (नन्दनवनकूट) ज ४२, ३६

णंदणवणविवरचारिणी (नन्दनवनविवरचारिणी)
ज २१५

णंदा (नन्दा) ज ४१४०; ५८१, ६८; ७११८,
सू १०६०

णंदापुकखरिणी (नन्दापुष्करिणी) ज ४२२१

णंदावत्त (नन्दावत्त) प १५११ ज ३३, ३२

णंदिघोष (नन्दिघोष) ज २१६; ३३०; ५१५२

णंदिपुर (नन्दिपुर) प १६३३

णंदिय (नन्दि) ज ५२१

णंदियावत्त (नन्दावत्त) प १४६ ज ३१७८;
४२८; ५४६३

णंदिरुक्ल (नन्दिर्लुक्ल) प १३६३

णंदिवद्धणा (नन्दिबद्धना) ज ५८१

णंदिस्तर (नन्दिस्वर) ज २१६; ५४४, ५२, ७४
सू १६३१

णंदुतरा (नन्दोत्तरा) ज ५८१

णक्क (नक्क) प १५६

णक्क (नक्क) प १८६

णक्ख (नक्ख) ज २१५, १३३; ७१७८

नक्षत्र (नक्षत्र) प २।२० से २२,४६,५१;

१५।५।३ ज १।२४; २।६५, ७१, ८८, १३८;
३।२०६, २२५; ७।१, ५५, ५८, ६५, ६६, १००,
१०३, १०४, १११, ११२।१, २, ११३, १२६,
१२८, १२९।१, १३० से १३३, १३४।२, ३, ४,
१३५।४, १३८ से १४५, १४७, १४८, १५०,
१५१, १५२, १५६ से १६७, १७०, १७५,
१७७।३, १७८।२, १८०, १८१, १८७ चं ५।४
सू १०।१ से ५, ८ से २५, २७ से ३१, ३३ से
४२, ४४, ४६ से ५६, ६१ से ७५, ७७ से ८३,
८२ से १०७, १०६ से १२०, १२२, १२३, १२८,
१२९।१, २, १३० से १३५, १५२ से १६६,
१७१ से १७३; ११।२ से ६; १२।१६ से २८,
३०; १३।११, १४; १५।१, २, ४, ६ से ६, ११,
१२, १४ से १६, १६ २२, २५, २८, ३४, ३७;
१८।४, ७, १८, १९, ३७; १९।११, ५।२, ८।२,
११।३, १५।३, १६, १६।२।४, ७, २२।३, २२, ३१,
१६।२३, २६; २०।७ उ ५।४१,

नक्षत्रमंडल (नक्षत्रमण्डल) ज ७।८५ से ६४, ६७,
११३ सू १०।१२६, १३०

नक्षत्रमास (नक्षत्रमास) सू १२।२, १२

नक्षत्रविजय (नक्षत्रविजय) सू १।६।४; १०।१३२,
१७३

नक्षत्रविमान (नक्षत्रविमान) प ४।१६५ से २००

ज ७।१६३, १६४ सू १८।८, १२, १६, ३३, ३४

नक्षत्रसंस्थिति (नक्षत्रसंस्थिति) सू १०।२७

नक्षत्रसंवत्सर (नक्षत्रसंवत्सर) ज ७।१०३, १०४

सू १०।१२५, १२६, १२६; १२।२

नख (नख) सू २०।२

नखीमंस (नखीमांस) सू १०।१२० कंधारी की जड

नगर (नगर) प २।४१ मे ४३, २।६४।१७;

ज १।२६; २।२२, ६६, ७०, १३१; ३।१८, ३१, ५२,
६१, ६६, ८१, १३१, १३७, १४१, १६४, १६७।२,
१८०, १८५, २०६; ५।५, ४४

नगरनिष्ठमण (नगर'निष्ठमण') प १।८४

नगरावास (नगरावास) प २।४१, ४२, ४६

ज १।२६; ४।१७२

नगोह (न्यग्रोध) प १।३६।२ ज २।७१

नगोहपरिमंडल (न्यग्रोधपरिमण्डल) प १५।३५;

२३।४६ ज ७।१६७ सू १०।७४

नक्षत्र (नृत्) नक्षत्रंति ज ३।१०४, १०५; ५।५७

नक्षत्रण (नर्तन) प २।४१

नक्षत्र (नृत्) नक्षत्रंति ज ३।१०५

नक्षत्र (नाट्य) प २।३१, ४१ ज २।३२; ३।८२,

१६७।१०, १८५, १८७, २०६, २१८; ५।१, १६,

५७; ७।५५, ५८, १८४ सू १८।२३; १९।२३, २६

नक्षत्रमाला (नाट्यमाला) ज ३।१५०, १५१

नक्षत्रमाला (नाट्यमाला) ज १।२४, ४६; ६।१६

नक्षत्रमाला (नाट्यमाला) ज २।८

नक्षत्रविधि (नाट्यविधि) ज ३।१६७।१०; ५।५७, ५८

नक्षत्राणीय (नाट्यानीय) ज ५।४१, ४४

नक्षत्ररथ (नक्षत्ररथ) ज ५।७

नक्षत्रेच्छा (नक्षत्रेक्षा) ज २।३२

नक्षत्र (नक्षत्र) सू २०।७, २०।६।६

नक्षत्रभाग (नक्षत्रभाग) सू १०।४, ५

नक्षत्र (नक्षत्र) ज २।१३३

नक्षत्र (नास्ति) प १।७५, ८०; २।५२, ६४।१८;

५।४३, ६६, ८०, ८६, १८०; १२।६, ११, २१, २८;

१३।१६; १५।८७, ८४ से १०१, १०३ से १०६,

१०८ से ११०, ११२ से ११७, ११८ से १२३,

१२५, १२६, १२८ से १३२, १३८ से १४१,

१४३; १७।७०; २१।६२ से १०१; २२।४२;

२३।१३७, १३८; २८।१४२, १४५; ३०।१७;

३६।८ से ११, १५ से २३, २५, २६, २८, ३०,

३१, ३३, ३४, ४४ सू ११।३, १४; १०।२२, २५

नक्षत्र (नक्षत्र) नक्षत्रंति ज ५।५७

नक्षत्र (नक्षत्र) प ११।७७ ज २।३१

नक्षत्रबहुल (नक्षत्रबहुल) ज १।१८

नक्षत्रपुंसग (नक्षत्रपुंसक) प १।६६, ७६; ११।५ से १०, २५
से २८

नक्षत्रगवयण (नक्षत्रगवयण) प ११।२६, ८६

णपुंसगवेद (नपुंसकवेद) प १८१६२; २३१३६, ८२,
१४३, १४८, १५०

णपुंसगवेदग (नपुंसकवेदक) १३११४, १५, १८

णपुंसगवेदय (नपुंसकवेदक) प २८११४०

णपुंसगवेद्य (नपुंसकवेद) प २३११४५

णपुंसगवेयपरिणाम (नपुंसकवेदपरिणाम) प १३११३

णपुंसय (नपुंसक) प ३११८३

णभ (नभ) ज २१६५ सू २०१२

णभसूरय (नभःशूःक) सू २०१२

√णमंस (नमस्य) नमंसइ ज १६०; ५१२१, ५८, ६८

णमंसति उ ११२१ णमंसामि उ १११७

णमंसण (नमस्यन्) उ १११७

णमंसमाण (नमस्यत्) ज ११६; २१६०; ३१२०५,
२०६; ५१५८

णमंसित्ता (नमस्यित्वा) ज २१६० उ ११२१

णमि (नमि) ज ३११३७ से १३६

णमिय (नत) ज २११५

णमो (नमस्) ज १११; ३१२४१, १३१

णमोत्थु (नमोत्तु) ज ५१५, २१, ४६, ५८, ६५

णय (नय) प १६१४६

णय (नत) ज ४११३

णयगति (नयगति) प १६१३८, ४६

णयदृठया (नयार्थता) सू १२११३

णयण (नयन) प २१३१ ज २११५, ६०, १०३, १०६,
१०८, १३३; ३१३, ६, २५, १०६, १३८; ५१२१

णयणमाला (नयनमाला) ज २१६५; ३११८६, २०४

णयर (नगर) ज ५१७०, ७२ उ ३११०१

णयरी (नगरी) ११६३६ ज ११२, ३; ७१२१४

णयविहि (नयविधि) प १११०११६

णर (नर) ज ११३७; २११०१, १३३; ३१६२, ११६,
१७८, १८६, २०४; ४१२७, ५१२८

णरकंता (नरकान्ता) ज ४१२६६, २६८, २६६१२;
६१२१

णरग (नरक) प २१२० से २७ ज २११३५ से १३७

णरकावाता (नरकावात) प २१२६

णरदावणय (नरदावणिक) प ११६६

णरवइ (नरपति) ज ३१६, १७, १८, २१, २४१४,

३१२८, ३०, ३४, ३५, ३७२, ४१, ४५१२, ४६, ८८,

६१ से ६३, १०६, १३११४, १३६, १४१, १७७,

१८०, १८३, २०१, २१४, २२२

णरवति (नरपति) ज ३११२६१२

णरवरिव (नरवरन्ध्र) ३१३५१२

णरवसभ (नरवृषभ) ज ३११८, ६३, १८०

णरसीह (नरसिंह) ज ३११८, ६३, १८०

णरिद (नरेन्द्र) ज ३१६, ६, १८, ३२११, २, ६३, ११७,
१२६११, १८०, २२१, २२२

णल (नल) प ११४१११

णल (नल, नल) प ११४१११, ११६८१४६; ११७५

णलिण (नलिन) ज २१४; ४१३, २५, २१२, २१२११
चं १११

णलिणंग (नलिनांग) ज २१४

णलिणकूड (नलिनकूट) ज ४११६० से १६३

णलिणा (नलिना) ज ४११५५११, २२२११

णव (नवन्) प ११५१ ज ११२० सू १०१२

णव (नय) प २१५० ज ५११८ चं १११

णवइ (नवनि) ज ४१२१३

णवग (नवक) प ११८१

णवणउडमंगुलपरिणाह (नवनक्षत्रत्यङ्गुलपरिणाह)
ज ३११०६

णवणवति (नवनवति) ज ४१२१३

णवजिह्वति (नवजिह्वति) ज ३११२६१२, १७५

णवगीहया (नवगीहिका) प ११३८३ ज २११०

णवणीत (नवनीत) सू १०११२०; २०१७

णवणीय (नवनीत) प १११२५ ज ४११३

णवम (नवम) प १७६६६ ज ७१११४१२ सू १०१७७,
१२४१२; १३११०

णवमालिया (नवमालिका) ज ३११२, ८८, १०६;
५१५८

णवमिपक्ख (नवमीपक्ष) ज २१६४

णवमिया (नवमिका) ज ५११०१

णवमी (नवमी) ज ७११२५

णवय (नवक) प २११६०, ६३, ४४

णवरं (दे०) प २।४५, ५२ से ५६, ६१; ५।२१, २६,
३५, ३८, ४३, ५७, ६०, ६६, ७२, ७५, ८०, ८१, ८४,
६०, ६४, १०२, ११६, १५१, १६०, १६१, १६४,
१६१, १६५, २०१; ६।६६, ६५, ६८, १०४, ११३;
१०।३०; ११।८५; १२।२६, ३१, ३६ से ३८;
१३।१६ से १८, २०; १५।१८, १६, २६, ३०, ३४,
३५, ३८, ४६, ५५, ६३, ६५, ६७, ७५, ८५, ६१,
६७, ६८, १०२, १०३, ११५, १२१, १२२, १२५,
१२६, १३६, १३७, १३८, १४०, १४१, १४२;
१६।४, १२; १७।२३, २५, २७, २६, ३०, ३२, ३३,
३५, ५८, ६०, ६३, ७०, ६१, ६३, ६६, १०५, १४५,
१७२; १८।८०; २०।४ ३२, ५४ ५५, ५७, ५८;
२१।३५, ६१, ७०, ७१, ६२; २२।४१, ४२, ४४,
७६, ८०, ८२, ६०; २३।१०, १२, ५६, ५८, १५६,
१६६, १६७, १७०, १७२, १७५, १८८, १६०;
२४।३, ११; २६।६; २८।२७, ३१, ३८, ४३, ४७,
७३, ७४, १०६, ११५, १३३, १३८; २९।१४, २१;
३०।१७; ३३।१६; ३४।३, ५, १४, ३५।७; ३६।६,
७, ११, १३, १५, २४, २६, २८ से ३४, ३८, ४६,
५२, ५६, ६५, ६८, ६६, ७२, ७३ ज २।५२ सू
१।१७; १०।२५; १८।२४

णवरि (दे०) ज ३।५०

णवविह (नवविद्य) प १।६२, १३७; २१।५५;
२३।१४ ३६

णह (नख) ज २।१५, ४३, १३३; ३।६२, ११६, १४५

णहिया (नखिका) प १।४७

णही (नखी) प १।४८।५

णइ (न) ज ३।१२६

णइ (ज्ञाति) ज ३।१८७

णइय (नादित) उ १।१२१, १२२, १२५, १२६,
१३३, १३४, १३८; ३।१११; ४।१८, ५।१६

णउं (ज्ञानुम्) सू १६।२।२६

णाग (नाग) प २।४०।१, ८; ५।३; १५।५।३;
ज २।३१; ३।२४।१, २, १३१।१, २, १७६;
४।२१२; ५।५२; ७।१२३ से १२५ सू १६।३८

णागकुमार (नागकुमार) प २।३४ से ३६, ३८, ३६;

७।३, ५; २८।७२; ३३।११, १४; ३६।२०

ज ३।१११ से ३१५, १२४ से १२६; ४।१४१

णागकुमारत्त (नागकुमारत्व) प ३६।२०

णागकुमारराय (नागकुमारराज) प २।३४, ३५

णागकुमारिद (नागकुमारिन्द्र) प २।३४ से ३६

णागधर (नागधर) ज ३।१७६

णागफड (नागस्फटा) प २।३०

णागपुष्प (नागपुष्प) ज ३।३

णागरुक्ख (नागरुक्ख) प १।३५।३

णागलया (नागलता) प १।४०।३

णागोद (नागोद) सू १६।३८

णाडइज्ज (नाटकी) ज ३।१२, २८, ४१, ४६, ५८,
६६, १४७, १६८, २१२, २१३, २२१

णाडग (नाटक) ज ३।१७८, २०४, २१४, २२१

णाडगविहि (नाटकविधि) ज ३।१६७।१०

णाडय (नाटक) ज ३।८२, १८६, १८७, २१८;
५।२२, २६

णाण (ज्ञान) प १।१०१।१०; ३।१।१, ३।५, २८, ३८,
३२, ३४, ३७, ४३, ४५, ६८, ६६, ७२, ७४, ८०, ८३,
८४, ८७, ८६, ८८, १०१, १०२, १०५; १०७,
११२, ११७; १७।११२, ११३; १८।१।१;
२८।१०६।१; ३०।२६, २८ सू २०।६।४, ५

णाणत्त (नानात्व) प २।४५; ६।६८; १५।४४, ४५;
२३।१६०; ३६।१४, १५ ज २।५८, ५६, १५६,
१६१; ४।१३६, १४१, १६२, २६२; ५।४८ से ५०;
७।३५, ५८

णाणपरिणाम (ज्ञानपरिणाम) प १।३।२, ६, १४, १६,
१७, १६

णाणा (नाना) प २।४८; १५।६, १६, २६; २१।२१,
२२, २७, ५६, ६०, ६१, ७८, ७६; ३३।२१;
ज १।३७; ३।१६, ३०, ५६, १०६, १४५, २२२;
४।३, ५, ७, १३, २५ से २७, ४६, ६३, ११४;
५।१६, ३८, ६७; ७।१७८

णाणारिय (ज्ञानार्य) प १।६२, ६६

णाणावरण (ज्ञानावरण) प २।४।६, ११

णाणावरणिज्ज (ज्ञानावरणीय) प २२।२६, २७;
 २३।१, ३, ६, ७, ९ से १३, २४, २५, ६०, १३४,
 १३६, १५४, १५५, १६०, १६४, १६७, १७६,
 १७८, १८९, १९१, १९४ से १९६, २०२; २४।१
 से ५, ८, १५; २५।१, २; २६।१ से ४, ७, १२;
 २७।१ से ३
णाणाविध (नानाविध) ज २।७; ३।१८९ से १९२
णाणाविह (नानाविह) प १।४७।१; २।४१
 ज १।१३, २१, २६, ३३, ३७, ४९; २।१२, ५७,
 १२२, १२७, १४७, १५०, १५६, १६४; ३।७,
 १०९, १८४, १९२; ४।६३; ५।३२
णाणि (ज्ञानिन्) प १८।७९; २३।२००; २८।१३५
 ज ५।५, ४६
णाणोवउत्त (ज्ञानोपयुक्त) प ३६।९३, ९४
णात (ज्ञात) प १।९५
णाभ (नाभ) ज २।१५
णाभि (नाभि) ज २।५९, ६२, ६३; ४।२६०।१; ५।१३
णाभिणाल (नाभिनाल) ज ५।१३
णाम (नामन्) प १।१०।१।१०; २।४८, ५० से ५२
 ५४ से ५७, ५९, ६०, ६२ से ६४, ६४।१७, १।१३,
 १।१३३।१; २।२।२८; २।३।१, १२, ३८; २।४।१५;
 २६।११; २७।५; ३६।८२, ९२ ज १।२, ३, ५, १६,
 १८ से २०, २३, ३५, ४१, ४५, ४६, ४८; ५।१; २।८,
 १३, ५१, ५४, ६० से ६३, १२१, १२६, १३०,
 १४१ से १४५, १४९, १५४, १६०, १६३; ३।१,
 २, २६, ३०, ३५, ३९, ४७, ५६, ६७, १०३, १०९,
 १११, ११५; १३३, १४५, १६१, १६७।३, २२५;
 ४।१, ३, २५, ३१, ३४, ४०, ४१, ४५, ४८, ४९, ५१,
 ५२, ५५, ५७, ६२, ६४, ६७, ६८, ७५, ७६, ८१, ८४,
 ८६, ८८, ९२, ९८, १०३, १०६, १०८, ११०, १४१,
 १४३, १५९ से १६५, १६७ से १६९, १७२ से
 १७८, १८० से १८२, १८४, १८५, १८७, १८८,
 १९०, १९१, १९३, १९४, १९६, १९७, १९९ से
 २०३, २०५ से २०९, २१०।१, २१२, २१३,
 २१४, २२६, २३४, २३७, २३९ से २४२, २४५,
 २४९, २५१, २५२, २६१, २६२, २६५, २६६,

२६८, २७२, २७४, २७७; ५।१८, २८, ४६, ५७;
 ७।११४, २१३, २१४ चं १।४ सू १०।१२४;
 १२।२९; १९।२, ६, ९, १२, १६; २२।३, २८, ३६
 उ १।१७

णामक (नामक) ज ३।२६, ३९, ४७, १३३, १३५
णामग (नामक) ज ४।२००
णामधेज्ज (नामधेय) ज १।४७; ३।८१, २२१,
 २२६; ४।२२, ३४, ५४, ६४, १०२, १०७, ११३,
 १५७।२, १७७, २६०; ७।११४, ११७, १२०
 सू १०।८६, ८८, १२४; २०।२
णामधेय (नामधेय) ज ५।२१
णामय (नामक) ज १।४६; २।१७; ४।१०६, १६३,
 २०४, २१०, २११
णामसत्त्व (नामसत्त्व) प १।१३३
णामसूरय (दे०) सू २०।२
णामाहयक (नामाहृतक) ज ३।२६, ३९, ४७, १३३
णायग (जायक) ज ५।५, ४६
णायय (जातक) ज २।२९
णायव्व (जातव्य) प १।१०।१।३, ६, ७, ९, ११;
 १८।१।२; ३५।१।१
णारग (नारक) प १।२।६; २।४।१०, ११; २६।८, ९
णाराय (नाराय) प २३।४५, ४६ ज ३।३, ३१
णारिकंता (नारीकान्ता) ज ४।२६२; ६।२१
णारी (नारी) ज ३।१८६, २०४
णारीकंता (नारीकान्ता) ज ४।२।६६
णारीकूड (नारीकूट) ज ४।२६३।१
णाल (नाल) ज ४।७
णालबद्ध (नालबद्ध) प १।४८।४०
णालिएरीवण (नालिकेरीवण) ज २।९
णालिया (नालिका) ज २।६
णालिया (नालिका, नाडीका) पं १।४०।१
णावा (नौ) प १६।४५ ज ३।८०, ८१, १५१;
 ७।१३३।१ सू १०।३३
णावागति (नौगति) प १६।३८, ४५
णावासंठिय (नौसंस्थित) प १०।३३
√णास (नासु) णासेति ज ३।२५ १५९

णासा (नासा) प २।३१ ज २।१५, १३३

णिद्वय (नित्य) ज ७।२१०

णिउण (निपुण) ज २।१५; ३।६, २४, ८७, १३८,

२२२; ५।५, २१, २८ सू २०।७

णिओग (नियोग) ज २।१३३; ५।४३

णिओय (निगोद) प ३।६१, ६३

√णिद (निन्द) णिदेहि उ ३।११५

णिद (निम्ब) प १।३५।१; १।७।३०

णिबछल्ली (निम्बछल्ली) प १।७।३०

णिबफाणिय (निम्बफाणित) प १।७।३०

णिबसार (निम्बसार) प १।७।३०

णिकुरं (निकुरम्ब) ज २।१०

णिककंड (निककंड) ज १।८, २३, २१

निककंडछाया (निककंडछाया) प २।३१ ४१

णिकखमंत (निककामत्) सू १।६।२१।१४

णिकखमण (निककमण) ज ४।२७७ सू १।३।१७

णिकखममाण (निककामत्) ज ३।२०३; ७।१०, १६,

२० से २२, २६, २७, ६६, ७५, ८१ चं ४।२

सू १।३।६, १२

णिकिखत्त (निकिप्त) ज ३।२०, ३३, ५४, ६३, ७१,

८४, १३७, १४३, १६७, १८२

√णिकिख (नि-+क्षिप्) णिकिखइ ज ३।६२;

५।६७

णिककुड (दे०, निकुट) प २।१० ज ३।७६, ७७,

१०६, १२८, १५१, १७०; ५।२५

√णिगच्छ (नि-+गम्) णिगच्छइ ज २।६५; ३।१४,

१७२, २०४, २२६ णिगच्छति ज ५।६३

णिगच्छित्ता (निगत्य) ज २।६५

णिगम (निगम) ज २।२२ उ ३।१०१

णिगर (निकर) ज ३।१२, ३५, ८८, ६५, १५६;

४।१२५; ५।५८

णिगरिय (निकरित, निगडित) ज ३।२४।३,

३७।१, ४५।१, १३१।३

√णिगिण्ह (नि-+ग्रह्) णिगिण्हइ ज ३।२८

णिगिण्हित्ता (निगृह्य) ज ३।२८

णिगोद (निगोद) प ३।६२, ८६; १।८।३८

णिगोय (निगोद) प १।८।४५, ५३ ज २।१३३

णिगंथी (निगन्थी) ज २।७२

णिगगय (निगत) ज १।४; ३।६, १७, २१, ३१, ३४,

१७७, २२२

णिगुंडी (निगुण्डी) प १।३७।३

णिगुण (निगुण) ज २।१३५

णिग्याय (निघाति) प १।२६

णिग्यायण (निघातिन) ज २।७०

णिग्योस (निघोष) ज ३।८८, १८०, १८३; ५।५,

२६, ४६, ४७, ५६, ६७ उ १।१२१, १२२ १२५,

१२६, १३३, १३४, १३८; ३।१११; ४।१८;

५।१६

णिच्चिय (नित्तित) ज ३।३; ५।५; ७।१७८

णिच्च (नित्य) प २।२० से २७ ज १।११, २४,

४७; २।११, ६७, १३३; ३।२६; ४।२२, ५४,

६१, ६४, १०२, १६६, १६७, १७७, २०३, २१०,

२६४, २७३; ५।२६; ७।२१०, २१३

सू १।६।२२।१७

णिच्चमंडिया (नित्यमण्डिता) ज ४।१५।७।१

णिच्चालोय नित्यालोक) सू २०।८

णिच्चुजोत (नित्योद्योत) सू २०।८

णिच्चुज्जोय (नित्योद्योत) सू २०।८।६

णिच्छिण (निश्छिन्न) प २।६४।२२; ३।६।६४।१

णिच्छीर (निःक्षीर) प १।४८।३६

√णिच्छुभ (नि-+क्षिप्) णिच्छुभइ प ३।६।७३, ७४

णिच्छुमति प ३।६।५६, ६१, ६६, ७०, ७६

णिच्छूढ (निकिप्त) प ३।६।६२, ७७

णिजुत्त (नियुक्त) प २।४१

णिज्जरा (निर्जरा) प १।५।४३ से ४७, ४६; ३।६।७६

से ८१

णिज्जाणभूमि (निर्याणभूमि) ज ५।४६

णिज्जाणमग (निर्याणमार्ग) ज ५।४६

णिज्जिय (निजित) ज ३।१७५, २२१

णिज्जुत्त (निर्युक्त) ज ३।१७८

णिज्जरबहुल (निर्जरबहुल) ज ११८
 णिट्ठयट्ठ (निट्ठित्तार्थ) प ३६।६३, ६४
 णिडाल (ललाट) ज २।१५; ३।३६, ३६.४७, १३३
 णिण्णग (निण्णग) प १।८६
 णिण्णथल (निम्नस्थल) ज ७।११२।५
 णिण्णथलय (निम्नस्थलक) सू १०।१२६।५
 णिण्णुणाय (निम्नोन्नत) ज २।१३१
 णिण्हइया (निह्विका) प १।६८
 णित्तंज (नितम्ब) ज १।५१; ३।६१, १३७; ४।१७४,
 १७५ १७६, १८२, १८८
 णित्थारण (निस्तारण) ज ३।१०६
 णिदा (दे०) प ३।५।१।१, ३।५।१६
 णिदाया (दे०) प ३।५।१७, १८, २०, २२, २३
 णिदाह (निदाघ) सू १०।१२४।२
 निहा (निद्रा) प २३।१४, २६, २७, १३४ १५५,
 १७७, १८०
 निहाणिहा (निद्रानिद्रा) प २३।१४
 णिद्ध (स्निग्ध) प १।६; २।३१; ५।१५४, २११;
 ११।५६, ६०; १३।२२।१, २; २८।२६, ३२, ६६
 ज २।१५; ३।३, २४, ३५; ७।१७८
 णिद्धंत (निष्कर्त) प २।३१
 णिद्धया (स्निग्धता) प १३।२२।१
 णिद्धाइत्ता (निर्धायि) ज २।१३४
 ✓णिद्धाव (निर्-+धाव्) णिद्धाइस्संति ज २।१३४,
 १४६
 णिप्पंक (निष्पंक) ज १।८, २३
 णिप्पच्चवखाणपोसहोववास
 (निष्प्रत्याख्यानपौषधोववास) ज २।१३५
 ✓णिप्फज्ज (निर्-+पद्) णिप्फज्जह ज २।६
 णिप्फत्ति (निप्फत्ति) ज ३।१६७।६
 णिप्फाइय (निप्फादित) ज ३।१२०
 णिप्फायय (निप्फादक) ज ३।११६
 णिप्फावग (निप्फावक) ज २।३७
 णिब्भय (निर्भय) ज ३।१२६; ५।५८
 णिब्भिज्जमाण (निर्भिद्यमान) ज ४।१०७
 णिभ (निभ) ज ३।३०, १७८

✓णिमज्जाव (नि-+मज्जय्) णिमज्जावेह ज ३।६८
 णिमुग्गजला (निम्नजला) ज ३।६७ से १०१,
 १६१
 णिम्मस (निर्मस) ज २।७०; ५।५, ४६, ५८
 णिम्मल (निर्मल) प २।३०, ३१ ज १।८, २३, ३१;
 २।१५; ४।१२५; ५।६२; ७।१७८
 णिम्माणणाम (निर्माणनाम्) प २३।३८, १२८
 णिम्माय (निर्मात) ज ३।१
 णिम्मिय (निर्मित) ज ३।३५
 णिम्मेर (निर्मयार्थ) ज २।१३५
 ✓णियंस (नि-+वस्) णियंसंति ज २।१००
 णियंसेइ ज २।६६
 णियंसण (निवसन) प २।४१
 ✓णियंसाव (नि-+वासय्) णियंसावेंति ज ३।२११
 णियंसावेत्ता (निवास्य) ज ३।२११
 णियंसेत्ता (न्युष्य) ज २।६६
 णियग (निजक) ज २।६४; ३।३, १८७, १८८
 सू २०।७
 ✓णियच्छ (निर्-+दा) णियच्छति प २३।३
 णियत (नियत) ज ३।८१
 णियतिया (नैयतिकी) प १७।११, २२, २३
 णियत्थ (दे०) ज ३।१२५, १२६
 णियम (नियम) प १।२०, २३, २६, २६; ६।११४,
 ११६; १०।२; ११।५३, ५७, ५६, ६६, ६६।१;
 २१।६६, ६६, १००, १०३; २२।४८, ५१, ६८,
 ६६, ७१ से ७४; २३।१०, १२; २४।१४; २५।२,
 ४; २७।६; २८।१६, ३८, ६५, ६८ से १०१; ३६।५६
 ज ७।५०, ५३, १६६ सू १८।३
 णियमा (नियमा) ज ७।३२।१ सू २०।६
 णियय (नियत) ज १।११, ४७; ३।२२६; ४।२२,
 ५४, ६४, १०२, १५६; ५।२२, २६
 णियय (निजक) सू १६।२२।१४
 णियया (नियता) ज ४।१५७।१
 णियर (निकर) ज २।१५
 णिरह (निर्हति) ज ७।१२०, १३०, १८६।४
 सू १०।८३

गिरहदेवता (गिरहदेवता) सू १०८३
 गिरह्यार (गिरह्यार) प ११२६
 गिरन्तर (गिरन्तर) प १०३२ से ३४,४०; ११४१
 ७१; २०१२, ३१, ५६; २२१३, १५, १७, १६ से
 २१; ३६८, ६ ज २१५
 गिरय (गिरय) प २११, १०; २३३६, ८१-१११,
 १४६, १७१
 गिरय (गिरय) ज २१३१
 गिरयगतिपरिणाम (गिरयगतिपरिणाम) प १३३
 गिरयगति (गिरयगति) प १३१४
 गिरयगामि (गिरयगामिन्) ज १२२, ५०; २१५, ८,
 १२३, १२८, १४८, १५१, १५७, ४१०१
 गिरयावास (गिरयावास) प २१२० से २४
 गिरवसेस (गिरवसेस) प ६१६२; १०१२८; १७१२८;
 २१६४; ३४१२४; ३६१२८, ४६, ६५, ६६, ७२
 गिरहंकार (गिरहंकार) ज २१७०
 गिराणंद (गिराणंद) ज २१६०; १०३, १०६, १०८
 गिरातंक (गिरातंक) ज २१६
 गिरालय (गिरालय) ज २१६८
 गिरालीय (गिरालीय) ज २१३१
 गिरावरण (गिरावरण) ज २१७१, ८५
 √गिरंभ (गिरंभ) गिरंभ ज ३६१६२
 गिरंभति प ३६१६२
 गिरंभित्ता (गिरंभित्ता) प ३६१६२
 गिरह (गिरह) प २३१६३
 गिरहकिट्ट (गिरहकिट्ट) ज २१४१
 गिरहच्छाह (गिरहच्छाह) ज २१३३
 गिरहलेव (गिरहलेव) ज २१३
 गिरहहय (गिरहहय) ज २१५
 गिरहविग्य (गिरहविग्य) ज २१११६
 गिरहा (गिरहा) प ११४८३
 गिरयण (गिरयण) प ३६१६३, ६४
 गिरोगय (गिरोगय) ज २१२
 गिरोह (गिरोह) प ३६१६२
 गिरलज (गिरलज) ज २१३३

गिरलेव (गिरलेव) ज २१६
 गिरहय (गिरहय) ज ३१२६, ३६
 गिरहदेवता (गिरहदेवता) ज ७३०
 गिरहदेमाण (गिरहदेमाण) ज ७१३, १६, २२, ७२,
 ७८, ८४
 गिरवण (गिरवण) ज ७१७८
 गिरवति (गिरवति) ज २१४२ से १४५
 गिरवत्त (गिरवत्त) ज २१२६
 √गिरवय (गिरवय) गिरवयति ज ५१६४
 गिरवह (गिरवह) ज २१०६
 गिरवात (गिरवात) प ३६८१ ज २१३१
 गिरवाय (गिरवाय) ज ३३५, १०६
 गिरविट्ट (गिरविट्ट) प २०३६
 गिरवुड्ड (गिरवुड्ड) सू १३१७
 गिरवुड्डेता (गिरवुड्डेता) सू ६१
 गिरवुड्डेमाण (गिरवुड्डेमाण) सू ६१२
 गिरवेइत्ता (गिरवेइत्ता) ज ३८१
 √गिरवेद (गिरवेद) गिरवेइ ज ३८१; ५१५८
 गिरवेदम ज ३५ गिरवेदेमो ज ३६०
 गिरवेस (गिरवेस) प १७४ ज ३१२८, ३१, ४१, ४६,
 ५२, ११५, १३५, १४१, १५१, १६४, १६७, १८०
 √गिरवेस (गिरवेस) गिरवेस ज ५१२१, ५८
 गिरवेसेता (गिरवेसेता) ज ५१२१
 गिरवण (गिरवण) ज २१५; ३१७७; ७१७८
 √गिरवत्त (गिरवत्त) गिरवत्तेइ सू ६१२
 गिरवत्तेति प २३१६३ सू ६१
 गिरवत्त (गिरवत्त) ज ३३०, ४३, ५१, ६०, ६८, ७६,
 १३६, १५१, १७०, १७८, २१६
 गिरवत्तणया (गिरवत्तणया) प ३४२, ३
 गिरवत्तणा (गिरवत्तणा) प ५१५८१, १५६१
 गिरवत्तिय (गिरवत्तिय) प २३१३ से २३
 गिरवय (गिरवय) ज २१३५
 गिरवाघाय (गिरवाघाय) प १६५५; २१६५;
 २८३१ ज २१७१, ८५
 गिरवाणमग (गिरवाणमग) ज २१७१

✓ णिच्वाण (निर् + वापय्) णिच्वाविस्सति

ज २।१४१ णिच्वाहि ज ५।२८ णिच्वावेति

ज २।११२ णिच्वावेह ज २।१११

णिच्वुद्धकर (निर्वृत्तिकर) ज २।६४; ३।३; ४।१४६

णिच्वुद्धकरण (निर्वृत्तिकरण) प १।१।२

णिच्वुत्तिकर (निर्वृत्तिकर) ज ४।१०७

णिसंत (निशान्त) ज ५।२६

णिसग्ग (निसर्ग) प १।१०१।२

णिसट्ठ (निःसृष्ट) ज ३।२५, ३८, ४६, ४७, १३२

णिसट्ठ (निषध) प १६।३० ज ४।६६

णिसट्ठकूड (निषधकूट) ज ४।६६

णिसण्ण (निषण्ण) ज २।८८; ३।६, ८१, २२२

णिसम्म (निशम्य) ज ३।६

णिसह (निषध) ज ४।८१, ८६, ८७, ८८, २०१

से २०३, २०६, २०७, २०८, २३८, २६२

णिसहकूड (निषधकूट) ज ४।२३६

णिसहहह (निषधद्रह) ज ४।२०७

✓ णिसिर (नि + सृज्) णिसिरइ ज ३।२४, २६,

३७, ३६, ४५, ४७, १३१, १३३ णिसिरति

३।१६२; ४।५, ७; ५।५, ७ णिसिरति

प १।१७१, ७२, ८४, ८५

णिसिरण (निसृजन) प १।१।७१

णिसिरमाण (निमृजत्) प १।१।७१

णिसीइत्ता (निषद्य) ज ३।४६

✓ णिसीय (नि + षद्) णिसीएज्ज प ३६।६१

णिसीयइ ज ३।८, ४१, ४६, ५८, ६६, ७४, १४७,

२१५, २२२ णिसीयंति ज १।१३, ३०, ३३;

२।७; ४।२; ५।४२ णिसीयति ज ३।१८८

✓ णिसीयाव (नि + पादय्) णिसीयावेति

ज ५।१४, १७

णिसीयवेत्ता (निषाद्य) ज ५।१४

णिसेग (निषेक) प २३।६० से ६४, ६६, ६८, ६९,

७३, ७५ से ७७, ८१, ८३, ८५ से ८०, ८२, ८५,

से ८६, १०१ से १०४, १११ से ११४, ११६

से ११८, १२७, १३०, १३१, १३३, १७६, १७७,

१८२, १८३, १८७

णिससंग (निःसङ्ग) ज ५।५८

णिससग्गइ (निसर्गइ) प १।१०१।३

णिससा (निश्वा) प १।२०, २३, २६, २६, ४८

णिससाय (निश्वाय) ज ३।१०६

णिससील (निःशील) ज २।१३५

णिससेस (निःश्रेयस्) ज २।७१

णिहट्ट (निहत्य) ज ३।६

✓ णिहण (नि + हन्) णिहणंति ज ५।१३

णिहणित्ता (निहत्य) ज ५।१३

णिहयरय (निहतरजस्) ज ५।७

णिहि (निधि) प १।५।५।२ ज ३।१६७।१३, १४,
१६८

णिहिय (निहित) ज ३।११६, २२१

णिहिरयण (निधिरत्न) ज ३।१६७, १७०; ७।२०१,
२०२

णिहुय (स्निहूक) प १।४८।४१

✓ णी (नी) णेइ ज ७।१५६, १५७, १६१, १६५,

१६६; ३।१६३ णेति ज ७।१५६ सू १०।६३

णेति सू १०।६३

✓ णी (गम्) णीति ज ३।१०६

णीइ (नीति) ज ३।१६७

णीणिया (नीनिका) प १।५१

णीम (नीप) प १।३६।३

णीय (नीत) प १।५।१०२

णीयतर (नीचतर) ज ४।५४

णीयागोय (नीचगोत्र) प २३।२२, ५७, ५८, १३२

णीरय (नीरजस्) प २।३०, ३१, ६३; ३६।६३, ६४

ज १।१८, २३, ३१; २।६; ५।५८

णीरागदोस (नीरागदोष) ज ५।५८

णील (नील) प १।६ से ८; २।३१, २।४०।११;

५।५, ७; १३।६; १७।६४; २३।१०४; २८।३२,

६६ ज ३।३१; ४।२६४ सू २०।२, ८, २०।८।३]

णीलकणवीरय (नीलकरवीरक) प १७।१२४

णीलकूड (नीलकूट) ज ४।२६३।१

णीलबंधुजीवय (नीलबन्धुजीवक) प १७।१२४

णीलय (नीलक) प १७।१२६ सू २०।२

णीललेस (नीललेस्य) प १७।८३, ६२, ६४, ६५,
१०२, १०३, १०८, १६८; १८।७०

णीललेसट्ठाण (नीललेस्यास्थान) प १७।१४६

णीललेसा (नीललेस्या) प १७।१२१, १२४;
२८।१२३

णीललेसस (नीललेस्य) प ३।६६; १३।१४; १७।३१,
५६, ५७, ५८, ६१, ६४, ६६ से ६८, ७१ से ७४,
७६, ८१ मे ८५, ८७, १००, १०३, १०६ से १११,
१६७

णीललेससट्ठाण (नीललेस्यास्थान) प १७।१४६

णीललेससा (नीललेस्या) प १६।४६; १७।३६,
११५ से १२८, १२९, १२६, १३१, १३६, १४४,
१४५, १४८ से १५२

णीललेससावरण (नीललेस्यावरण) प १३।६

णीलवत (नीलवत) प १६।३० ज ४।६८, १०३,
१०८ ११०, १४०।२, १४१ से १४३, १६२, १६५,
१६७, १७३ से १७६, १७८, १८० से १८२,
१८४, १८५, १८७, १८८, १९०, १९१, १९३,
१९४, १९६, १९७, १९८, २००, २२५।१, २२७,
२६२ से २६५

णीलमुत्तय (नीलमुत्तय) प १७।११६

णीली (नीली) ज ३।२४

णीलुप्पल (नीलुप्पल) प १७।१२४

णीसंव (निष्यन्द) प १।१।३ चं १।१

णीसल (निःकल्प) ज ५।५८

✓णीसस (निर्ः, दण्) णीससंति प १७।२, २५;

२८।२१, ३३, ३८, ६७

णीसास (निःसास) ज २।१६

णीहम्ममण (णिहम्ममण) ज ३।३१

णीहारिण (णिहारिण) ज २।१२

णीहु (णिहु) प १।४८।१

णूर्ण (तूर्ण) प ११।१।१०।१४, ६५, ६६ से १०४,
११५, ११८, ११९, १२०, १२४, १२६, १२८, १२९, १३४;
३६।८१

णेउर (दे०) प १।४६, ५१

णेग (नैक) प २८।४०, ४३, ६६ ज ३।३, ३२

णेगम (नैगम) प १६।४६

णेदव्व (नेतव्य) सू ६।१; ८।१; ६।३; १०।२३, २५;
१५।६; १८।१; १६।१, ३५; २०।८

णेतु (नेतृ) सू १०।६३

णेत (नेत्र) प १५।७७, ८२

णेतविष्णाणावरण (नेत्रविज्ञानावरण) प २३।१३

णेतारण (नेत्रारण) प २३।१३

णेदुर (दे० नेदुर) प १।८६

णेम (नेम) ज १।११

णेमि (नेमि) ज ३।३०, ६५, १५६, १७८

णेमिपाम (नेमिपाद्वं) ज ३।२२

णम्म (नेम) ज ४।२६

णेय (जेय) प २।१५३ ज ३।७७, १०६, १२६,
७।१२७।१, १६७।१ चं ५।२ सू १।६।२

णेतिया (नैवतिकी) प १७।२५

णेतव्व (नेतव्य) प ४।५५; ५।१६१; ८।३; ११।८१;
१५।१०२, १०८, १४३; १७।८८; २१।५२;
२२।७६; ३६।२२, २६, ३२, ४६ ज १।१२ से
१४, २५, ४६; २।४, ६, ४६, ५६, ६४, १३६, १५६;
३।६४, १५०, १५१, २१७; ४।१०, ४७, ५३, ५६,
६०, ६४, ७६, ८४, ९०, ९२, ९६, १०६, १४१,
१४७, १६०, १६३ से १६५, १७३, १७४, १६७,
२०७, २१०, २३८, २४३, २६२, २६८, २७४,
२७७; ५।५३; ६।५; ७।३५, ५०, ५८ १३०,
१३१, १३५, १५५, १७६ सू ७।१, ६।२; १०।२२

णेतु (नेतृ) सू १।६

णेरइअल (नैरइअल) प १५।६४

णेरइय (नैरइय) प २।२०, २१; ३।१६, २२; ४।३;
१०।३२ से ३८, ४० से ४२, ४४ से ५२;
११।४४, ८०; १२।२, ११ से १३, १५, ३६;
१३।१४, १६ से १८; १४।२, ३, ५, ७, ९, ११ से
१५, १८; १५।१७, १८, ३५, ४६, ४८, ५६, ६२,
६३, ६५, ६६, ७१, ७५, ७८, ८२, ८३, ८१, ८४ से
८७, १००, १०२, १०७, १०८, ११८ से १२०;

૧૨૪,૧૩૪,૧૩૫,૧૩૬,૧૪૦,૧૪૧;૧૬૧૩,૬,
૧૧,૧૪,૨૦,૨૫,૨૬,૩૧,૩૨;૧૭૧૧ સે ૬,
૮ સે ૧૪,૧૭,૧૮,૨૩,૨૫,૨૮,૨૯,૩૨,૩૭,
૪૦,૪૨,૪૬,૫૭,૮૫,૯૦ સે ૬૨,૧૦૦,૧૦૬
સે ૧૧૧;૧૮૨,૫,૮,૯,૧૧;૧૯૧૧;૨૦૧૧૧;
૨૦૧૧ સે ૩,૬,૭,૯,૧૦,૧૪,૧૫,૧૭ સે ૨૦,
૨૩ સે ૨૫,૨૭,૩૨,૩૪,૩૫,૩૮ સે ૪૨,૪૬,
૫૨;૨૧૫૧,૫૨,૫૮,૫૯,૬૫,૬૬,૭૭,૮૧,
૮૭;૨૨૧૧૧,૧૩,૧૫,૧૭,૧૯ સે ૨૧,૨૩,
૨૪,૨૬,૨૭,૩૦,૩૧,૩૩,૩૫,૩૭ સે ૪૫,૪૭,
૫૩,૫૭,૬૬,૭૩,૭૫,૭૬,૭૯,૮૨,૮૭,૮૮,
૯૦,૯૮,૧૦૦;૨૩૨,૪,૬,૭,૧૦,૧૮,૩૭,૫૪,
૭૮,૮૦.૧૪૬,૧૬૪ સે ૧૬૬,૧૬૮,૨૪૧,૩,
૫.૮,૧૪,૧૫;૨૫૧૧,૨,૪;૨૬૧૧,૩;૨૭૧૧,૬;
૨૮૧૧,૩ સે ૫,૨૧ સે ૨૬,૩૦,૩૮,૬૮,૧૦૧,
૧૦૨,૧૦૪,૧૦૬,૧૧૭,૧૧૯,૧૩૩,૧૪૩ સે
૧૪૫;૨૬૧૫ સે ૭,૧૫,૧૮,૧૯,૨૨;૩૦૫
સે ૭,૧૪,૧૭,૨૪;૩૧૨,૪,૬૧૧;૩૨૧,૫;
૩૩૧૧ સે ૭,૧૬,૨૭,૩૦,૩૧,૩૪,૩૫,૩૭;
૩૪૧૧,૩,૫,૬,૧૦,૧૩,૧૪;૩૫૧૨,૫,૭,૯,૧૧,
૧૩,૧૫,૧૭,૧૮,૨૧;૩૬૧૪,૮,૯,૧૧ સે ૧૩,
૧૫,૧૮,૨૦ સે ૨૨,૨૪,૩૦ સે ૩૪,૩૬,૪૩
સે ૪૭,૪૯,૫૪,૬૫,૬૮,૬૯,૭૨ જ ૨૧૭૧

જેરહ્યઅસણિઆડય (નૈરયિકાસંજ્યાયુષ્)

પ ૨૦૬૨,૬૪

જેરહ્યત્ત (નૈરયિકા) પ ૧૫૧૧૦૩,૧૦૪,૧૦૬,
૧૧૧,૧૧૫,૧૧૮,૧૨૨,૧૨૬,૧૨૯,૧૪૧,
૩૬૧૧૮,૧૬,૨૧,૨૩,૨૫,૨૬,૩૦ સે ૩૪,૪૬,
૪૭

જેરહ્યાડય (નૈરયિકાયુષ્) પ ૨૩૧૧૮,૩૭,૭૮,

૮૦,૧૪૬,૧૬૬,૧૭૦

જેરતિય (નૈરયિકા) પ ૧૦૧૩૬

જેવચ્છ (નેપથ્ય) પ ૨૧૪૧

જેવથ (નેપથ્ય) જ ૫૪૩૩;૭૧૦૧

જેઞ્વાળ (નિર્વાણ) પ ૨૧૬૪૧૨૦

જેસપ્પ (નૈસર્પ) જ ૩૧૧૬૭૨,૧૭૮

જો (નો) પ ૧૧૧૬૮ જ ૨૧૬ સુ ૮૧

જોઅપરિત્ત (નોઅપરીત) પ ૧૮૧૧૨

જોઅસંજય (નોઅસંજય) પ ૧૮૧૬૨

જોઅસણિ (નોઅસંજિન્) પ ૩૧૧૫,૬

જોહંદિય (નોહંદિય) પ ૧૫૧૭૦

જોહસાયવેયણિજ્જ (નોકપાયવેદની) પ ૨૩૧૧૭,
૩૪,૩૬

જોપજ્જત્તયજોઅપજ્જત્તય

(નોપર્વાત્તકનોઅપર્વાત્તક) પ ૧૮૧૧૫

જોપરિત્ત (નોપરીત) પ ૧૮૧૧૨

જોમ્મલ્લિદ્વિયજોઅમ્મલ્લિદ્વિય

(નોમ્મલ્લિદ્વિયનોઅમ્મલ્લિદ્વિય)

પ ૧૮૧૧૨૪;૨૮૧૧૩,૧૧૪

જોમ્મલ્લિદ્વિયજોઅમ્મલ્લિદ્વિય (નોમ્મલ્લિદ્વિયનોઅમ્મલ્લિદ્વિય) પ ૧૬૧૩૭

જોમ્મલ્લિદ્વિયજોઅમ્મલ્લિદ્વિય (નોમ્મલ્લિદ્વિયનોઅમ્મલ્લિદ્વિય) પ ૧૬૧૨૪,

૩૩ સે ૩૭

જોમાલિયા (નવમાલિકા) પ ૧૧૩૮૧ જ ૨૧૧૦;

૪૧૧૬૬

જોમાલિયાપુટ (નવમાલિકાપુટ) જ ૪૧૧૦૭

જોસંજતજોઅસંજતજોસંજતાસંજય

(નોસંજતનોઅસંજતનોસંજતાસંજય)

પ ૩૨૧૧,૨

જોસંજતજોઅસંજયજોસંજતાસંજય

(નોસંજતનોઅસંજયનોસંજતાસંજય) પ ૩૨૧૪

જોસંજય (નોસંજય) પ ૧૮૧૬૨

જોસંજયજોઅસંજયજોસંજતાસંજય

(નોસંજયનોઅસંજયનોસંજતાસંજય)

પ ૨૮૧૧૩૧;૩૨૧૩,૬

જોસંજતાસંજય (નોસંજતાસંજય) પ ૧૮૧૬૨

જોસંજયજોઅસંજય (નોસંજયનોઅસંજય)

પ ૧૮૧૧૨૧;૨૮૧૧૨૦,૨૨૧,૨૩૪,૨૩૬;

૩૧૧૧ સે ૩,૫,૬

જોમુહુમળોવાદર (નોમુહુમળોવાદર) પ ૧૮૧૧૮

✓ प्राण (प्रा) प्राणैऽ उ ११६७ प्राणैति

ज २१०० प्राणैति ज २१६६

प्राणपीठ (स्नानपीठ) ज २१६, २२२

प्राणमंडव (स्नानमण्डप) ज २१६, २२२

प्राणमल्लिकापुट (स्नानमल्लिकापुट) ज ४११०७

प्राणैता (स्नात्वा) ज २१६६

प्राण (स्नात) सू २०१७

प्राण (स्नात) ज २१५, ६६, ७४, ७७, ८२, ८५,

१२५, १२६, १४७, १५३ उ ११६, ४२, ७७,

१२१, १२२, १२६; ३१२६, ११०, १४१, ४१२,

१८; ५११७

प्राण (स्नातु) ज २१३३; ३१२४

✓ प्राण (स्नापय, स्नपय) प्राणैऽ उ ३११४

प्राणैता (स्नपयिता, स्नापयिता) ज २११००

त

त (तन्) प १११ सू १११ उ १११

तइय (तृतीय) प ३१२१; ६१००१; १५११४३

ज २१३५११; ४१५६, ६७, १४२३३; ७१०८,

१५८ जं ४३ सू ११८३ उ २१२२; ३१६८;

४११

तइया (तृतीया) ज ७१२५ सू १०११४८, १५०

तइविह (ततिविह) प १५१५६

तउखंड (त्रपुखण्ड) प १११७४

तउय (त्रपुय) प ११२०१

तउस (त्रपुस) प ११८८४८ ज ३१११६ खीरा

तउसमिजिया (त्रपुसमिजिका) प ११५०

तउसी (त्रपुसी) प ११७०१ खीरा की लता

तए (ततस्) उ ११४; २१८; ३१११; ५११३

तओ (ततस्) प ३४१२ से ३; ३६१७७, ६२

उ ३१५१, ५३, ५४, ८६, १०७, ११०, १३६;

४१२१

तंजहा (तन्जहा) सू १११२

तंडय (तण्डय) तंडयैति ज ५१५७

तंडुल (तण्डुल) ज ३१२२, ८८; ५१५८ उ ३१५१

तंत (तान्त) उ ११५०

तंतवा (तान्त्रवक) प ११५१

तंती (तन्त्री) प २१३०, ३१, ४१, ४६ ज ११४५;

२१६५; ३१८२, १८५ से १८७, २०४, २०६,

२१८; ५११, १६; ७१५५, ५८, १८४ सू १८१२३;

११२३, २६

तंतु (तन्तु) ज ३११०६

तंतुवाय (तन्तुवाय) प ११६७

तंडुल (तण्डुल) उ ३१५१

तंडुलमच्छ (तण्डुलमत्स्य) प ११५६

तंडुलेज्जाग (तन्तुलीय) प ११४४१ वायविडंग,

बोलाई का साग

तंब (ताम्र) प ११२०११; २१३१; १७१२५

ज २११५; ३११३८१

तंबकरोडय (ताम्र'करोडय') प १७१२५

तंबखंड (ताम्रखण्ड) प १११७४

तंबच्छिकरण (ताम्राक्षिकरण) प १७१३४

तंबछिवाडिया (ताम्र'छिवाडिया') प १७१२५

तंबिय (ताम्रिक) उ ३१५०, ५५

तंस (त्र्यस) प ११४ से ६; १०१५, १६

तक (तकत्) ज ३१६५, १५६

तक्करबहुल (तस्करबहुल) ज १११८

तक्कलि (तकिल) प ११४३१ चक्रमर्द वृक्ष,

चकवड

तगरमेला (तगरमेला) ज ३१११३

तगरपुड (तगरपुट) ज ४११०७

तच्चा (तृतीय) प ३१८३; २११६०; ३३१६; ३६१२

ज ७१६२ सू ११४, १६, १७, २१ उ ११३६,

४०, ११५, ११६; ३११, २, २३, ५४, ६०, ६१, ७७,

७८, ८७, ८८, १०८

तच्चा (तृतीया) सू १२१२१

तच्छण (तक्षण) ज २१७०

तट्ट (दे०, स्थल) प २१८

तट्ट (त्रस्त) ज ७१२२१२ सू १०८४२

तट्टदेवया (त्वष्टदेवता) सू १०८३

तट्टु (त्वष्ट) ज ७१३३०, १८६१४

तड (तट) ज ३१०६ उ ५१५

तडाग (तटाग) प २११३

तडित (तडित्) ज ३१२४

तण (तृण) प १३३११, ११४२, ४४११, ११४५४६;

३५६१ ज ११३, २१, २६, २६, ३३, ४६; २१७,

२६, ५७, १२२, १२७, १४४ से १४७, १५०,

१५६, १६४; ३१६८, १६२; ४१६३, ५२; ५१५

तणमूल (तृणमूल) प ११४५८

तणय (तृणक) ज २१३६

तणवणस्सइआइय (तृणवनस्पतिकायिक)

ज २११३१

तणविट्ठिय (तृणवृन्तक) प ११५०

तणविहूण (तृणविहीन) ज १११४

तणसोल्लिद्या (दे०मल्लिका) ज ३१३५

तणाहार (तृणाहार) प ११५०

तणु (तनु) प २१६४ ज ११५१; २११५, १३३;

४१४५, १५६; ७१७८

तणुक (तनुक) ज ३१०६

तणुतणु (तनुतनु) प २१६४

तणुय (तनुक) ज ११८, ३५, ५१; २११५;

३१३६५१; ४१४५, ११०, ११४, १५६, २१३,

२४२

तणुयतर (तनुकतर) प ११४५३४ से ३७

तनुयरी (तनुतरी) प २१६४

तणुवाय (तनुवात) प ११२६; २११०

तणुवायवलय (तनुवातवलय) प २११०

तण्हा (तृणा) प २१६४१६ ज ३११२११

तत (तत) ज ५१५७

ततगति (ततगति) प १६११७, २२

तति (तति) प ११११३४

ततिय (तृतीय) प १०१४११ से ३; १११४२, ५८;

१२१३२, ३८; ३६५५, ५७ सू १०६५, ६६, ७३,

७७; १२१६; १३११० उ ११६३

ततिविह (ततिविह) प १६१२०

तते (ततस्) ज ११६

ततो (ततस्) प ३४११, ३; ३६५५ ज ३१३५

तत्त (तत्त) प ११४५५६; २१३१, ४८ ज ३१११७

तत्तकवेल्लुयभूय (तत्त'कवेल्लुय'भूत) ज २१३२,
१४१

तत्तजला (तत्तजला) ज ४१२०२

तत्ततव (तत्ततवस्) ज ११५

तत्तसमजोडभूय (तत्तसमज्योतिर्भूत) ज २१३२,
१४१

तत्तिय (तावत्) प १५११०३ ज ७१२००

सू १०६५, ६६, ७३, ७७; १२१६; १३११०

तत्तो (ततस्) प १११७, ११४५१; २१६४४;

२११४७१, २; ३४११, २

तत्थ (तत्र) प ११२० ज १११३ सू १११४

उ १११०

तत्थ (वस्तु) प २१२० से २७ ज ३११११-१२५

उ ११८६

तत्थगय (तत्रगत) ज ५१२१

तदणुरूव (तदणुरूप) ज २१४१ से १४५

तदुभय (तदुभय) प १४१३; २१४ से ६; २३१३
से २३

तण्य (तप्र) प ३३१६

तण्यभिइ (तत्प्रभृति) ज २१६७ उ ३१११८

तण्यउगम (तत्प्रायोग्य) प २३१२००, २०१

तम (तमस्) ज २१३१

तमतमण्यभा (तमस्तमःप्रभा) प ११५३; २११, २०;
१०११

तमतमा (तमस्तमा) प २१२७, २१२७३

तमण्यभा (तमःप्रभा) प ११५३; २११, २०, २६;

३१६६; ४१६६ से २१; १०११

तमस (तमस्) प २१२० से २७

तमा (तमा) प ३११८, १६, १८३; ६११५, ७८, ६१;

२०१४२; २११६७; ३३१८, १६

तमाल (तमाल) प ११४३१

तय (त्वच्) उ ३१५०, ५१, ५३

तयणंतर (तदनन्तर) ज ४१२१३

तयणुरूप (तदनु रूप) प ११७४

तया (त्वच्) प १३५, ३६; १४८, १३, २३, ६३;
१४८ ज २६७, १४५, १४६

तया (तदा) सू ११४; १०२६ उ ३६२

तयाणंतर (तदनन्तर) सू ११४, १६, २१, २४, २७;
२३

तयावरणिज्ज (तदावरणीय) ज ३२२३

तयाविस (त्वग्विष) प ११७०

तयाहार (त्वगाहार) उ ३५०

तरंग (तरङ्ग) २१५, १३३; ५३२

तरच्छ (तरक्ष) प १६६; ११२१ ज २३६, १३६

तरच्छी (तरक्षी) प ११२३

तरमल्लिहायण (तरोमल्लिहायन) ज ७१७८

तरुण (तरुण) ज २१५; ३३, २४, ३०, १७८;
५५, ७

तरुणी (तरुणी) ज ३८२, १८७, २१८

तल (तल) प २१२० से २७, ३०, ३१, ४१, ४६
ज १४५; २६५; ३७, ८२, १७८, १८४, १८६,
१८७, २०४, २०६, २१८; ४३, २५, ४६, ६७, ८२,
८५, १२५, १४२; ५१, ५, १६, ६२; ७५५, ५८,
१७४, १७८, १८४ सू १८२३; १६२३, २६

तलऊडा (त्रपुटी) प १३७३ छोटी इलायची

तलभंगय (तलभङ्गक) प २३१

तलवर (तलवर) प १६४१ ज २२५; ३६, १०,
७७, ८६, १७८, १८६, १८८; २०६, २१०, २१६,
२१६, २२१, २२२ उ १६२; ३११, १०१;
५१०

तलाग (तडाग) प ११७७ ज २३१

तलाय (तडाग) प २४, १६ से १६, २८

तलिण (तलिन) ज २१५

तलिय (तलित) उ १३४, ४६, ७४

तल्लेस (तल्लेस्य) प १७६२, १०२ से १०४

तव (तपस्) प ११०११० ज १५; २१७१, ८३;
३३२१, ११७, २२१; ७१६६ उ १२, ३;
३२६, ३१, ६६, १३२; ५२६, ३२

तव (तप्) तवइति सू १६१ तवइमु ज ७१

सू १६१ तवइस्संति सू १६१ तवति

ज ५१७ तवयति ज ७५४ सू ४१०

तविमु सू १६१ तविस्संति ज २१३१

सू १०१३२ तवेति ज ७१ सू ३१ तवेसु

सू १६१ तवेति सू ३२

तवणिज्ज (तपनीय) प १४८, १६; २३१, ४८

ज ३२४, ३५, १०६, ११७, ४४६; ५३८, ६७;

७१७८

तवणिज्जमय (तपनीयमय) ज ४७, १३, ८६, २०६,

२५१, २५२; ५३४

तवविसिट्ठया (तपोविशिष्टता) प २३२१

तवविहीणया (तपोविहीनता) प २३२२

तविय (तप्त) ज ३३५, १०६; ७११२५

सू १०१२६५

तवोकम्म (तपःकर्मन) उ २१०; ३१४, ५०;

४२४; ५२८, ३६, ४३

तवोवहाण (तपउपधान) उ ३८३

तव्वइरित्त (तदव्यतिरिक्त) प २३१६१, १६३

तव्वतिरित्त (तदव्यतिरिक्त) प २३१६२

तसकाइय (त्रसकायिक) प ३५० से ५२, ५६, ६०,

७२ से ७४, ८३ से ८७, ६५, १७१ से १७३;

१८२८, ३०, ३६, ४७, ५४

तसकाय (त्रसकाय) प १५५३, ५४

तसणाम (त्रसतामन्) प २३३८, ११७

तसरेणु (त्रसरेणु) ज २६

तसित (तृषित) प २२३

तसिय (तृषित) प २२० से २२, २४ से २७

उ १८६

तह (तथा) प १११३ ज ३११ चं ४१ सू १८

उ ३७६

तह (तथ्य) उ १२४; ३१०३

तस्संठित (तत्संस्थित) ज ४३

तहत्ति (तथेति) ज ३५३, १००

तहम्पगार (तथाप्रकार) प १२०, २३, २६, २६,

३५ से ३७, ३६ से ५१, ५६, ६०, ६३ से ६६,
 ७०, ७१, ७५, ७६, ७८, ८६, ८८; ११२१ से २५
 तहा (तथा) प ११३५।३ ज ३।१०७ सू ८।१
 उ १।७
 तहारूब (तथारूप) उ १।१७; २।१०, १२; ३।१४,
 १६१; ५।३६, ४१, ४३
 तहाविह (तथाविध) प १।४८।७, १० से ३७, ४१,
 ४३
 तहि (तत्र) प २।६४।५
 तहेव (तथैव) प १।४८।२ ज १।५१ सू १।१७
 उ १।७
 ता (तावत्) सू १।१०
 ताओ (ततस्) ज १।२० उ २।१३; ३।१८
 तागंधत्त (तदगन्धत्त्व) प १६।४६; १७।११५, ११६,
 ११८, १४८, १४९
 ताडिज्जमाण (ताड्यमान) सू ६।३
 ताण (त्राण) ज ५।२१
 ताफासत्त (तत्स्पर्शत्त्व) प १६।४६; १७।११५,
 ११६, ११८, १४८, १४९
 तामरस (दे०) प १।४६
 तामलित्ति (ताम्रलिप्ति) प १।६३।१
 ताय (तात) उ १।४२ से ४४
 तायत्तीसा (त्रयस्त्रिंशत्) प २।३२, ३३, ३५, ५०, ५१
 ज २।६०
 तार (तार) प १।१२५
 तारंतर (तारान्तर) ज ७।१६८।२
 तारगग (तारकाग्र) चं ५।२ सू १।६।२
 तारग (तारक) सू १।६।२।११
 तारग (ताराग्र) ज ७।१२७।१, १३१।२, १६७।१
 सू १०।५५; १।६।२।२, २६
 तारया (तारका) प २।४८ ज ५।२१
 सू १०।५५; १।६।२
 तारसत्त (तद्रसत्त्व) प १६।४६; १७।११५, ११६;
 ११८, १४८, १४९

तारा (तारा) प १।१३३ ज ३।७६, ११६, १८५,
 २०६; ७।१३१, १७७।३, १८२ सू १०।५५,
 ५६, ५७, ५८, ६१, ६२; १।५।१; १।८।४, १८, १९,
 ३७; १।६।२।१, १।६।२।२, ३१
 तारागण (तारागण) ज ३।६, १७, २१, ३४, १७७,
 २२२; ७।१।१, १७० सू १।८।४; १।६।१, ५।३,
 ८।३, १।१।४, १।५।४, १।६, २।१।५, ८, १।६।२।३।२,
 १।६।३१, ३५, ३८
 तारापिण्ड (तारापिण्ड) सू १।६।२।१
 तारारूब (तारारूप) प २।४६ से ५१, ६३
 ज ४।२७; ७।५५, ५८, १६८, १७३, १७४,
 १७८।२, १७९ से १८२, १८७ सू १।५।१;
 १।८।१ से ३, १८ से २०, ३७; १।६।२।३, २६;
 २०।७ उ २।१२; ५।४१
 ताराविमाण (ताराविमान) प ४।२०१ से २०६;
 ६।८५ ज ७।१६५, १६६ सू १।८।१, ८, १३,
 १७, ३५, ३६
 तारिस (तादृश) १०।१६४; २०।७
 तारिसग (तादृशक) सू २०।७ उ १।३३; २।८, २०;
 ५।१३, १५, ३१
 तारुवत्त (तद्रूपत्त्व) प १६।४६; १७।११५, ११६,
 ११८ से १२८, १४८ से १५२, १५४, १५५
 ताल (ताल) प १।४७।१; २।३०, ३१, ४१, ४६
 ज १।४५; २।६५; ३।८२, १८६, २०४, २०६,
 २१८, २२२; ५।१, १६; ७।५५, ५८, १८४
 सू १।८।१३; १।६।२।३, २६
 ताल (ताड) प १।४३।१
 √ताल (ताडम्) तालेइ उ ५।१६ तालेहि
 उ ५।१५
 तालण (ताडन) ज ७।१७८
 तालपुडग (तालपुटक) उ १।८६, ६०
 तालाघार (तालाचार) ज ३।१२, २८, ४१, ४६, ५८
 ६६, ७४, १४७, १६८, २१२, २१३
 तालिय (ताडित) उ ५।१७
 तालियंट (ताडयन्त) ज ३।११; ५।१०, ५५

तालु (तालु) प २।३१ ज २।१५; ३।३५, १०६,
 ७।१७८
 ताव (तावत्) प २४।७ उ १।५१
 ताव (ताव) ज ७।३२ उ ३।५०
 तावइय (तावत्) ज १।१६, ३।८; ४।१२१, १४०।२,
 २१७
 तावखेत्त (तापक्षेत्र) सू २।३; ४।५; ६।१;
 १६।२२।१४, १६।२३, २६
 तावखेत्तसंठिति (तापक्षेत्रसंस्थिति) ज ७।३१, ३५,
 सू ४।१, ३, ४, ६
 तावखेत्त (तापक्षेत्र) ज ७।३२, ५५, ५८, १६८, २१२,
 २१३
 तावखेत्तपह (तापक्षेत्रपथ) सू १६।२२।५
 तावण्णात्त (तद्वर्णत्त) प १६।४६; १७।११५,
 ११६, ११८, १४८, १४९
 तावतिथ (तावत्) प १५।५१, ५२, ६२ ज ४।१०
 तावत्तीस (त्रायस्त्रिंश) ज ५।५०
 तावत्तीसग (त्रायस्त्रिंशक) प २।३२, ३३, ३५, ४६
 से ५१ ज ५।१६
 तावत्तीसय (त्रायस्त्रिंशक) ज २।६०
 तावत्तीसा (त्रायस्त्रिंशक) प २।३० से ३२
 तावस (तापस) प २०।६१ उ ३।५०, ५५
 तावसत्त (तापसत्त) उ ३।५०, ५५
 ताहि (तत्र) प २४।६
 ताहे (तदा) ज ७।५६ उ १।५२; ३।१२३
 ति (त्रि) प १।१३ ज १।७ जं ३।३ सू १।७
 उ १।१४
 तिउड (दे०) ज ४।२०२
 तिहु (तिन्दु) प १।३६।१
 तिहुय (तिन्दुक) प १६।५५
 तिहुय (तिन्दुक) प १।४८।४८
 तिख (तीक्ष्ण) ज २।१३३; ७।१७८
 तिखग (तीक्ष्णाय) ज ७।१७८
 तिखधार (तीक्ष्णधार) ज २।१३१; ३।१०६
 तिखुत्तो (त्रि) ज १।६; २।६०; ३।५, ८८, ८९,
 ९८, १३१, १३५, १५५, १५६; ५।५, २१ से २४,

४४, ४६, ५८ उ १।१६, २१; ३।१०३, ११३;
 ४।१३, १६
 तिग (त्रिक) ज २।६५; ३।१८५, २१२, २१३;
 ५।७२, ७३; ७।१३१।१ उ १।६८
 तिगिच्छद्दह (तिगिच्छद्दह) ज ४।८८ से ६१
 तिगिच्छकूड (तिगिच्छकूट) ज ४।२७५
 तिगिच्छायण (चिकित्सायण) सू १०।११६
 तिगुण (त्रिगुण) ज २।६; ७।७, ६६, ६०, ११८, १२१,
 सू १०।६०, ६१, १८।६ से १३
 तिगुणित (त्रिगुणित) सू १६।२२।२३, २५
 तिजमलपय (त्रियमलपद) प १२।३२
 तिदुठानवडित (त्रिस्थानपतित) प ५।१२, १४, १६,
 २०, २६, ५३, ५७, ५९, ६३, ६८, ७२, ७४, ७८, ८३,
 ६४, ६७, १०१, ११२, ११५, ११६, १२२
 तिदुठानवडिय (त्रिस्थानपतित) प ५।१८
 तिणिस (तिनिश) ज ३।३५, १७८
 तिण्ण (तीर्ण) ज ५।२१
 तित्तिषख (तित्तिष) तित्तिषखइ ज २।६७
 तित्त (तृप्त) प २।६४।१६
 तित्त (मिक्त) प १।४ से ६; ५।५, ७, २०५; ११।५८,
 १३।२८; २३।४६; २८।२०, २२, ६६ ज २।१४५
 तित्तिर (तित्तिरि) प १।७६ सू १०।१२०
 तित्तीस (त्रयस्त्रिंशत्) ज ४।६८
 तिस्थ (तीर्थ) ज ३।१४, १५, १८, २०, २२, ३०, ३१;
 ४।३, २५; ५।५५; ६।६, १२ से १४
 तिस्थकर (तीर्थकर) ज २।६३, १२५
 तिस्थगर (तीर्थकर) प २०।१।१ ज २।६०, ६५,
 १०१ से १०३, ११३ ११४, ११६, १५३;
 ५।७, २२, ७०, ७३
 तिस्थगरचियगा (तीर्थकरचित्तगा) ज २।१०५ से
 ११२
 तिस्थगरणाम (तीर्थकरणामन्) प २३।३८, ५६,
 १२६, १४६, १७४, १८६
 तिस्थगरणामगोय (तीर्थकरणामगोत्र) प २०।३६
 तिस्थगरत्त (तीर्थकरत्त) प २०।३८ से ४०, ४५,
 ४६, ५१

तित्थगरवंश (तीर्थकरवंश) ज २११२४, १५२
 तित्थगरलरीरग (तीर्थकरलरीरक) ज २१६६
 तित्थगरसिद्ध (तीर्थकरसिद्ध) प १११२
 तित्थयर (तीर्थकर) ज ४१२४८, २५० से २५२,
 ५११, ३, ५, ८ से १४, १६, १७, २१, २२, ४४, ४६,
 ६०, ६२, ६४, ६६ से ६८, ७२, ७३; ७११६८
 तित्थयरमाउ (तीर्थकरमातृ) ज ५१६ से १२
 तित्थयरमायरा (तीर्थकरमातृ) ज ५१५, १४, १७
 तित्थयरमाया (तीर्थकरमातृ) ज ५१७, ८, ४६, ६७
 तित्थयराइसय (तीर्थकराशिय) उ ४११३
 तित्थयरातिसय (तीर्थकराशिय) उ १११६; ४११८
 तित्थयरामिसेय (तीर्थकरामिपेक) ज ५१५४ से ५६
 तित्थसिद्ध (तीर्थसिद्ध) प १११२; १६१३६
 तिघा (त्रिघा) ज १११८
 तिपएसिय (त्रिप्रदेशिक) प ५११३१, १५६; १०१८
 तिपडोयार (त्रिप्रत्यवतार, त्रिपदावतार) सू १६१३५
 तिपदेस (त्रिप्रदेशिक) प १०११४१
 तिभाग (त्रिभाग) प २१६४४, ६, ७, ८; ६१११६;
 २११६१; २३१७८, ७८, १४७, १६२, १६८,
 ज ११२०; ४८; २१५८, १२८, १५५, १५७, १५८;
 ३११; ७१३२, ३४ सू ११२३; ४१५८; ६१३
 तिभागतिभाग (त्रिभागत्रिभाग) प ६१११६
 तिभागतिभागतिभागवसेसाउय
 (त्रिभागत्रिभागत्रिभागवशेषाधुष्क) प ६१११५,
 ११६
 तिभागतिभागवसेसाउय (त्रिभागत्रिभागवशेषाधुष्क)
 प ६१११५
 तिभागवसेसाउय (त्रिभागवशेषाधुष्क) प ६१११५,
 ११६
 तिभागूण (त्रिभागूण) प २१६४७ सू ११२३
 तिभाय (त्रिभाग) ज २१५५ से ५७, ५८, १५६, १५८
 तिमि (तिमि) प ११५६
 तिमिगल (तिमिङ्गल) प ११५६
 तिमिर (तिमिर) प ११४११ ज ३१६५, १५६
 तिमिसगुहा (तिमिसागुहा) ज ११२४; ३१६८, ६८,

८३, ८५, ८८ से ९०, ९३, ९५ से ९७ १०६,
 १०६, १५५; ४१३७, १७२१, १७४; ६११३
 तिमिसगुहाकूड (तिमिसागुहाकूट) ज ११३४
 तिय (त्रि) प १६११५ ज ७११३११
 तिय (इदिय) श्रीश्रिय प १७१६६
 तियमंग (त्रिभंग) प २०१७, १३; २६१६, ६;
 २८११३, ११६, ११६, १२१, १२३, १२५, १२६,
 १२८, १२८, १३२, १३३, १३६ से १४५
 तिरिक्ख (तिरिक्ख) प १०१३३; २११७
 तिरिक्खजोणिपो (तिरिक्खजोणिका) प ३१३६, १२८,
 १८३; १७१४४, ६५, ६५ से ६८, ८८; १८१४, १०;
 २०११३; २३११६४, १६६, १६८
 तिरिक्खजोणिय (तिरिक्खजोणिक) प ११५२, ५४, ५५,
 ६० से ६२, ६६ से ६८, ७६, ७७, ८१; २१२८;
 ३१२४, ३८, ६६; १२७, १८३; ४१०४ से १५७;
 ५१३, २२, ८२, ८३, ८५, ८६, ८८, ८९, ९२, ९३,
 ९६, ९७; ६१२१, २५, ३८, ५४, ६५, ७०, ७१, ७८,
 ८१, ८२, ८३, ८७, ८८, ९२, ९६, ९८ से १०३,
 १०५, १०७, ११२-११६; ८१६, ७; ६१६, ७, १६,
 १७, २२, २३; १११६६; १२१४, ३१; १३११८;
 १५१३५, ४६, ८७, १०७, १२१, १३८; १६१७, १४,
 २५, २७; १७१३६, ३५, ३८, ४१ से ४३, ५८,
 ६३ से ६६, ८६, ८७, ८८, ९७, १०४; १८१३, १०;
 १६१४; २०११३, १७, २३, २५, २८, ३४, ३५, ४८,
 २११८ से १६, २६ से ३२, ४३, ५३, ६०, ६८,
 ७७, ८२, ८८; २२१३१, ७४, ८७, ८८; २३१७६,
 १६४, १६६, १६८, १६८; २४१७; २५१४७, ४८,
 ११६, १३०, १३६, १३७, १४४; २६११५, २२;
 ३११४; ३२१३; ३६११, १२, २१, २८, ३२, ३६;
 ३४१३, ८, ३५११४, २१; ३६७, ४०, ५१, ५७,
 ७२, ७३ ज ८१७, १३५ से १३७
 तिरिक्खजोणियअसंणमअउय
 (तिरिक्खजोणियअसंणमअउय) प २०१६४
 तिरिक्खजोणियत्त (तिरिक्खजोणियत्त) प १११६७,
 १०३, १००६

तिरिक्खजोणियाउय (तिर्यग्गोणिकायुष्)

प २०६३; २३१७६, १४७, १५८, १६२, १६५,
१७०

तिरिच्छ (तिर्यच्) सू १६।१

तिरिच्छगति (तिर्यग्गति) सू २।१ चं २।१

तिरिय (तिर्यच्) प २।४१ से ४३, ४६, ४८;

११।६५, ६६; १५।५२; २०।५३; २१।८७, ९० से
९३; २३।३६, ८२, ११२, ११५, १४८; २८।१५,
१६, ६१, ६२; ३१।६।१; ३२।६।१; ३३।१६, १७
ज २।४६, ७१, ९०, १३७; ३।७६, ११६, ११८;
४।५२; ५।५, ४४; ७।४४, ५४ सू २।१; ४।१०;
१८।१; १९।२२।१२

तिरियगति (तिर्यग्गति) प ६।२७; २३।१७२

तिरियगतिपरिणाम (तिर्यग्गतिपरिणाम) प १३।३

तिरियगतिय (तिर्यग्गतिक) प १३।१६ से १८

तिरियगामि (तिर्यग्गामिन्) ज १।२२, ५०; २।५८,

१२३, १२८, १४८, १५१, १५७; ४।१०१

तिरियलोग (तिर्यक्लोक) प २।१८६

तिरियलोय (तिर्यक्लोक) प २।१.४, ८, १०, १३,

१६ से १९, २८; ३।१२५ से १७३, १७५, १७७

तिरियवाय (तिर्यग्वात) प १।२६

तिरियाउय (तिर्यगायुष्) प २३।१८

तिरोड (किरीट) प २।४६ ज ३।३१

तिल (तिल) प १।४५।१, १।४७।३ ज २।३७, ११६

तिलक (तिलक) ज ३।१०६

तिलग (तिलक) ज ३।१२, ८८, १७२; ५।५८;

७।१७८

तिलचुण्ण (तिलचूर्ण) प ११।७६

तिलतंतुलग (तिलतण्डुलक) सू १०।१२०

तिलपप्पडिया (तिलपर्पटिका) प १।४७।३

तिलपुक्कवण्ण (तिलपुष्पवर्ण) सू २०।८, २०।८।३

तिलय (तिलक) प १।३६।३; २।४८; १५।५५।२

ज ४।४६ उ ३।११४

तिलसिगा (तिल'सिगा') प ११।७८ तिल की कली

तिवई (त्रिपदी) ज ३।१७८; ५।५७

तिवण्ण (त्रिवर्ण) प ७।१७८

तिवलि (त्रिवलि) ज ३।१३८।१

तिवलियवलि (त्रिवलिकवलि) ज २।१५

तिवलिया (त्रिवलिका) ज ३।२६, ३६, ४७

उ १।२२, १।१५, १।१७, १।४०

तिविह (त्रिविध) प १।१।१; १।५४, ६०, ६६, ७५,

७६, ८१, ८५; ६।१, ६, १३, २०, २६; १३।७, १०,

११, १३; १५।७५; १६।४, २४; १७।११, २५,

३०, १३६; १८।५६, ६४, ७७, ९०, १०५; २।१८;

२२।४ से ६; २३।३३, ४२; २६।७; ३०।३;

३५।१, ६, ८ से १० चं १।४ उ ३।३८, ४२

तिव्व (तीव्र) प २।२७, २६

तिसत्तखुत्तो (तिसप्तकृत्वस्) प ३६।८१

तिसमइय (तिसामयिक) प ३६।६०, ६७ से ६६,

७१, ७५

तिसरथ (तिसरक) ज ३।६, २२२

तिहा (त्रिधा) ज १।२०; २।५५; १५५

तिहि (तिथि) ज ३।२०६; ७।११८, १२१ सू १।६

तीत (अतीत) ज ७।३६

तीतवयण (अतीतवचन) प १।१८६

तीय (अनीत) प १५।५८।२ ज २।६०; ३।२६, ३६,

४७, ५६, १३३, १३८, १४५; ५।३, २२; ७।५२

तीर (तीर) ज ४।३, २५, ६७

तीस (त्रिशत्) प १।८४ ज १।२० सू १।१८

उ ३।१४

तीसइ (त्रिशत्) सू १०।४

तीसति (त्रिशत्) सू १०।३५

तीसतिविह (त्रिशद्विध) प १।८७

तु (तु) मु १६।२२

तुंग (तुङ्ग) प २।३१, ४८ ज २।१५; ३।८१, १५१,
४।४६; ५।४३ उ ५।५

तुंड (तुण्ड) ज ३।२४

तुंव (तुम्ब) प १।४८।४८ उ ३।३०, ३५, ११६

तुंबी (तुम्बी) प १।४०।१

तुच्छ (तुच्छ) ज ७।११८

તુચ્છત (તુચ્છત્વ) પ ૧૫૧૪૪, ૪૫

તુચ્છા (તુચ્છા) શુ ૧૦૧૬૦

તુટ્ઠ (તુટ્ઠ) જ ૨૧૧૪૬; ૨૧૨, ૬, ૮, ૧૫, ૧૬, ૨૬,
૩૧, ૪૨, ૫૦, ૫૨, ૫૩, ૫૬, ૬૧, ૬૨, ૬૭, ૬૯,
૭૦, ૭૫, ૭૭, ૮૪, ૯૧, ૧૦૦, ૧૧૪, ૧૩૭, ૧૪૧,
૧૪૨, ૧૪૮, ૧૫૦, ૧૬૫, ૧૬૬, ૧૭૩, ૧૮૧,
૧૮૬, ૧૯૨, ૧૯૬, ૨૦૮, ૨૧૩, ૫૧૫, ૧૫, ૨૧,
૨૩, ૨૭ સે ૨૬, ૪૧, ૫૫, ૫૭, ૭૦ ત ૧૧૨૧,
૪૨, ૪૫, ૧૦૮; ૩૧૩૩, ૧૦૧, ૧૦૩, ૧૧૩, ૧૩૬,
૧૬૦; ૪૧૧૧, ૧૪, ૨૦; ૫૧૫, ૩૮

તુટ્ઠિ (તુટ્ઠિ) જ ૨૧૭૧ ત ૧૧૭૧, ૭૨

તુટ્ઠિત (તુટ્ઠિ) પ ૨૧૩૦, ૩૧, ૪૬

તુટ્ઠિત (તુટ્ઠિ) જ ૧૧૩૧; ૨૧૨૬

તુટ્ઠિત (તુટ્ઠિ) પ ૨૧૩૦, ૩૧

તુટ્ઠિય (તુટ્ઠિય) પ ૨૧૩૦, ૩૧, ૪૧ જ ૩૧૬, ૬, ૨૬,
૩૬, ૪૭, ૫૬, ૬૪, ૭૨, ૧૩૩, ૧૩૮, ૧૪૫, ૨૧૧,
૨૨૧; ૫૧૨૧, ૫૮

તુટ્ઠિય (તુટ્ઠિય) જ ૨૧૪ સંહ્યા વિશેષ

તુટ્ઠિય (તુટ્ઠિય) પ ૨૧૩૦, ૩૧, ૪૧, ૪૬ જ ૧૧૪૫;
૨૧૬૫; ૨૧૪, ૩૦, ૪૩, ૫૧, ૬૦, ૬૮, ૮૨, ૧૩૦,
૧૩૬, ૧૪૦, ૧૪૬, ૧૭૨, ૧૮૦, ૧૮૫, ૧૮૬,
૧૮૭, ૨૦૪, ૨૧૮; ૫૧૧, ૧૬, ૨૨, ૨૬; ૭૧૫,
૫૮, ૧૮૪

તુટ્ઠિય (તુટ્ઠિય) જ ૭૧૬૮૨ શુ ૧૮૧૨૩ અન્ત:પુર

તુટ્ઠિયંગ (તુટ્ઠિયંગ) જ ૨૧૪

તુટ્ઠિયંગ (તુટ્ઠિયંગ) જ ૨૧૧૬૭૧૦

તુણાગ (તુણાગ) પ ૧૧૬૭

તુણાગ (તુણાગ) જ ૧૧૧૩, ૩૦,
૩૩; ૨૧૭; ૪૧૨ તુણાગ પ ૩૬૧૬૧

તુણાગ (તુણાગ) જ ૧૧૩૭; ૨૧૦૧; ૩૧૩, ૨૩, ૨૮,
૩૫, ૩૭, ૪૧, ૪૫, ૬૭, ૪૬, ૧૭૮; ૪૧૨૭; ૫૧૨૮

તુણાગ (તુણાગ) જ ૧૧૧૧૪ સે ૧૭

તુણાગ (તુણાગ) જ ૨૧૩૩૧, ૧૩૫

તુણાગ (તુણાગ) જ ૨૧૨૨, ૭૮

તુણાગ (તુણાગ) જ ૨૧૬૫, ૬૦; ૩૧૬, ૨૬, ૩૬, ૪૭,

૫૬, ૬૪, ૭૨, ૭૮, ૧૧૩, ૧૩૩, ૧૩૮, ૧૪૫, ૧૮૦,
૨૦૬; ૫૧૫, ૨૧, ૨૬, ૨૮, ૪૪, ૪૭, ૬૭

તુણાગ (તુણાગ) પ ૨૧૩૦, ૩૧, ૪૧ જ ૨૧૬૫, ૧૦૬,
૧૧૦; ૨૧૭, ૧૨, ૮૮; ૫૧૭, ૫૮ શુ ૨૦૧૭

તુણાગ (તુણાગ) જ ૭૧૧૩૩૨

તુણાગ (તુણાગ) પ ૧૧૩૭૧, ૧૧૪૪૩

તુણાગ (તુણાગ) શુ ૧૦૧૮૦

તુણાગ (તુણાગ) પ ૨૧૩૦ સે ૧૨૦, ૧૨૨ સં ૧૨૪,
૧૭૪, ૧૭૬, ૧૭૮ સે ૧૮૨, ૫૧૫, ૭, ૧૦, ૧૨, ૧૬,
૧૮, ૨૦, ૨૪, ૨૮, ૩૦, ૩૨, ૩૪, ૩૭, ૪૧, ૪૫, ૪૬,
૫૩, ૫૬, ૫૯, ૬૩, ૬૮, ૭૧, ૭૪, ૭૮, ૮૨, ૮૬,
૮૯, ૯૩, ૯૭, ૧૦૧, ૧૦૨, ૧૦૪, ૧૦૭, ૧૧૧,
૧૧૫, ૧૧૬, ૧૨૦, ૧૨૩, ૧૨૪, ૧૨૬, ૧૨૮,
૧૪૦, ૧૪૩, ૧૪૫, ૧૪૭, ૧૫૦, ૧૫૪, ૧૬૨,
૧૬૬, ૧૬૯, ૧૭૦, ૧૭૨, ૧૭૪, ૧૭૭, ૧૮૪,
૧૮૭, ૧૯૦, ૧૯૩, ૧૯૭, ૨૦૦, ૨૦૩, ૨૦૭,
૨૧૧, ૨૧૪, ૨૧૮, ૨૨૧, ૨૨૪, ૨૨૮, ૨૩૪,
૨૩૫, ૨૩૭, ૨૩૯, ૨૪૨; ૬૧૨૩૩, ૮૫, ૭, ૬,
૧૧; ૬૧૨૨, ૧૬, ૨૫; ૧૦૩૩ સે ૫, ૨૬ સે ૨૬;
૧૧૭૬, ૬૦; ૧૫૧૬, ૧૬, ૨૬, ૨૮, ૩૧, ૩૩,
૬૪; ૧૭૫૬ સે ૬૬, ૭૧ સે ૭૬, ૭૮ સે ૮૩,
૧૪૪ સે ૧૪૬; ૮૦૬૪; ૨૧૧૦૪, ૧૦૫;
૨૨૧૦૧, ૨૮૧૪૧, ૪૪, ૭૦; ૨૪૧૨૫, ૨૬૧૩૫ સે
૪૧, ૪૮, ૪૯, ૮૩૧ જ ૩૧૩, ૩૫; ૭૧૬૮, ૧૬૭
શુ ૧૮૧૨, ૩, ૩૭

તુણાગ (તુણાગ) જ ૭૧૬૬ શુ ૧૮૧૩

તુણાગ (તુણાગ) જ ૨૧૨૦૬; ૫૧૫૫, ૫૬

તુણાગ (તુણાગ) શુ ૧૦૧૨૦

તુણાગ (તુણાગ) પ ૨૧૬૪

તુણાગ (તુણાગ) જ ૨૧૬૦ ત ૧૧૩૬, ૬૧, ૬૨,
૬૬, ૮૭, ૧૦૦; ૨૧૬, ૬, ૫૬, ૬૧, ૬૪, ૬૮, ૭૧,
૭૪, ૭૬

તુણાગ (તુણાગ) જ ૨૦૧૭

તુણાગ (તુણાગ) જ ૭૧૧૩

તુણાગ (તુણાગ) જ ૪૧૧૩

तुवरी (तुवरी) प १।३।७।३

तेईदिय (त्रीन्द्रिय) प १।१०; २।७; ३।८, ४० से
४२, ४६, ४६, १४७ से १४६, १८३; ४।६८ से
१००; ५।३, २१, ८१; ६।२०, ६५, ७१, ८३, ८६,
१०४, ११५; ६।४; ११।४५; १५।३४, ७५, ८१,
८६, १३७; १७।४०, ६२, १०३; १८।१५, २२;
२०।८, २३, २८, ३३, ४७; २१।६, २८, ४२;
२२।३१; २३।८७, १५१, १६०, १६१; २८।४५
से ४७, १०१, १२५, १३६; २९।१३; ३०।११,
२१, ३१।३; ३४।६

तेईदियत्त (त्रीन्द्रियत्व) प १।५।६७, १४२

तेज (तेजस्) प ६।८६, ६२, १०४, ११५; १३।६,
१६; १७।४०, ६६; १८।२६; २०।८, २३, २८,
५७; २१।८५; २२।२४

तेजकाइय (तेजस्कायिक) प १।१५; २।७ से ६; ३।५०
से ५२, ५६, ६० से ६३, ६७, ७१ से ७४, ७८, ८४
से ८७, ९१, ९५, १६२ से १६४, १८३; ४।७२, ७५
से ७७; ५।३, १३, १४; ६।१६, १०२

तेजकाइयत्त (तेजस्कायिकत्व) ज ७।२।१२

तेजकाइय (तेजस्कायिक) प १।२४; २।७; ३।४,
१६४, १८३; ६।५; १२।२२; १५।२६, ८५, १३७;
१७।६१ से ६३, १०३; १८।३, ३८, ४०, ५१;
२०।२७, २६, ३१, ४५; २१।२५, ४०; २२।३१

तेजलेस (तेजोलेश्य) प १३।१५; १७।६५, ६६,
१०२, १६८

तेजलेसट्ठाण (तेजोलेश्यास्थान) प १७।१४६

तेजलेसा (तेजोलेश्या) प १७।५५, १२१, १४६

तेजलेस (तेजोलेश्य) प ३।६६; १३।१६, २०;
१७।३३, ५६, ५६, ६०, ६२, ६४, ६६ से ६८, ७१
से ७६, ७८ से ८४, ८७, ८६, ९५, १०१, १०२,
१६७; १८।७२; २८।१२३

तेजलेसट्ठाण (तेजोलेश्यास्थान) प १७।१४६

तेजलेसा (तेजोलेश्या) प १६।४६; १७।३४ से
३६, ३६, ५०, ५३, ५४, ६३, ६६, ११७, ११८,
१२१, १२२, १२६, १२६, १३३, १३७, १४४,

१५३, १६२ से १६४; २८।१२३

तेजलेसापरिणाम (तेजोलेश्यापरिणाम) प १३।६

तेदिय (त्रीन्द्रिय) प १।१४, ५०; ३।४२, ४६, ४६

तेदुय (तिन्दुक) प १७।१३२, १३३

तेदुस (तिन्दुस) प १।४८।४८

तेगिच्छायण (चिकित्सायन) ज ७।१३२।४

तेणबहुल (स्तेनबहुल) ज १।१८

तेण (तेन) सू ६।१

तेणउति (त्रिनवति) सू १२।१२

तेणउय (त्रिनवति) ज ४।६२

तेणमेव (तत्रैव) प ३।४।२२ ज ३।५

तेतलि (तेजस्तलिन्, तेतलिन्) ज २।५०, १६४;

४।१०६, २०५

तेतालीस (त्रिचत्वारिंशत्) सू १।१६

तेत्तीस (त्रयत्रिंशत्) प २।६४।६ ज ४।६८

सू १।२० उ १।१२६

तेदुरणमज्जिया (दे०) प १।५०

तेपण (त्रिपञ्चाशत्) सू १।२।२०

तेय (तेजस्) प २।२०, ३१, ४१, ४६; २८।१४१

ज २।१३३; ३।३, १८, ६३, १८०, १८८; ७।११२।५

सू १०।८८, १२६।५ उ ३।४८, ५०, ५५, ६३,

६७, ७०, ७३, १०६, ११८

तेयंसि (तेजस्थिन्) ज ३।७७, १०६

तेयग (तैजस) प २।१७६; ३६।३२

तेयगसमुग्घाय (तैजससमुद्घात) प ३६।८, १२, २६,

३२, ३५, ३७, ४१, ५३, ५५, ५७, ५८, ७३

तेयगसरीर (तैजससरीर) प २।१७५ से ८१, ८३,

६०, ६४, १००, १०३, १०४

तेयगसरीरय (तैजससरीरक) प १२।१०

तेयय (तैजस) प १२।१ से ५; २१।१; ३६।१।१

तेयलि (दे०) प १।४३।१

तेयलेस (तेजोलेश्य) ज १।५

तेयसि (तेजस्थिन्) ज २।६८, १३८

तेया (तैजस) प १२।१४, १८, २१, २५, २६, २६, ३५,

२१।६६, १०२, १०४, १०५; २३।६२; ३६।६२

तेया (तेजा) ज ७।१२०।२ सू १०।८८।२
 तेयाल (त्रिचत्वारिंशत्) ज १।२३
 तेयालीस (त्रिचत्वारिंशत्) सू १०।१५६
 तेयासमुग्धाय (त्रैजससमुद्घात) प ३६।१,५,७,४०
 तेयासरीर (त्रैजससरीर) प २।१८४ से ६३
 तेयाहिय (व्याहिक) ज २।४३
 तेरस (त्रयोदशन्) प ३६।८१ ज १।७ सू १।१४
 तेरसक (त्रयोदशक) सू १३।१२,१३,१७
 तेरसम (त्रयोदश) प १०।१४।३ सू १०।७७;
 १३।१०
 तेरसबिह (त्रयोदशविध) प १६।७
 तेरसी (त्रयोदशी) ज २।८८; ७।१२५
 तेरिच्छिद्य (तैरश्चिक) प २०।६१ ज ३।६२,११६
 तेलापूय (तैलापूप) प ३६।८१ ज १।७ सू १।४
 तेलोवक (त्रैलोक्य) प १।१।१; ३।१२५ से १७३,
 १७५,१७७
 तेल्ल (तैल) प १।१०१।७; १।५।१।२; १।५।५०
 ज ३।११।३, ५।१४ उ ३।१३०
 तेल्लकेला (तैलकेला) उ ३।१२८
 तेल्लसमुग्ग (तैलसमुद्ग) ज ५।५५
 तेल्लसमुग्गहृदयगय (हृत्तगततैलसमुद्ग) ज ३।११
 तेहलोक (त्रैलोक्य) उ ५।५
 तेवट्ठ (त्रिषष्टि) ज ७।२० सू २।३
 तेवट्ठि (त्रिषष्टि) ज २।६४
 तेवण (त्रिषष्टि) प ४।१३४ ज ४।६२
 सू १।१३
 तेवत्तरि (त्रिसप्तति) ज २।४
 तेवीस (त्रिविंशति) प २।४६ ज २।१२५ सू २।३
 तेवीस (त्रिविंशतितम) प १०।१४।३
 तेवीसइम (त्रिविंशतितम) प १०।१४।२
 तेवीसतिम (त्रिविंशतितम) सू १।२।६
 तेसट्ठि (त्रिषष्टि) ज ७।३३
 तेसीइ (व्यशीति) ज २।६४
 तेसील (व्यशीति) सू १।२३
 तेसीति (व्यशीति) सू १।२३
 तेसीय (व्यशीति) सू १।१४

तेहिय (व्याहिक) ज २।६
 तो (तनस्) प २।२७।३
 तोट्ठ (वे०) प १।५१
 तोण (तूण) प ३।३१, ३५, १७८ ज ३।३१, ३५
 १७८ उ १।१३८
 तोमर (तोमर) ज ३।३५, १७८
 तोयधारा (तोयधारा) ज ५।१।१, ६३, ६४
 तोरण (तोरण) प २।१, ३०, ३१, ४१ ज १।३७;
 २।१५, २०; ३।७, १७८, १६५; ४।५, २३, २७ से
 ३०, ३५, ३७, ३८, ४०, ४२, ६५, ६७, ७१, ७३,
 ७५, ७७, ८० से ६२, ६४, ११८, १२८, १४४,
 १७४, १८३, १८६, १६५, २२१, २४६; ५।३१
 त्ति (इति) प १।१ चं १।४
 तिथभग (स्तिभक) प १।४८।१
 तिथमिय (स्तिमित) ज १।२, २६; ३।१, ३, १८, ३१,
 १८० चं ६ सू १।१ उ १।१, ६, २८; ३।१५७;
 ५।२४
 तिथहु (स्तिभु) प १।४८।१
 थ
 थंभणया (स्तम्भन) प १६।५३
 थंभिय (स्तम्भन) प २।३०, ३१, ४१, ४६ ज ३।६,
 २२२; ५।२१, २८
 थककार (दे०) थककारेति ज ५।५७
 थण (स्वन) ज २।१५; ३।१३८ उ ३।६८, १३०;
 ४।६
 थणगंतर (स्वनकान्तर) उ ४।२१
 थणपाय (स्तापाय) उ ३।१३०
 थणमूल (स्तनमूल) उ ३।६८
 थणित (स्तनित) सू २०।१
 थणिय (स्तनित) प २।३०।१, २।४०।२, ८, १०
 ज ५।२२
 थणियकुमार (स्तनितकुमार) प १।१३१; ४।५५;
 ५।३, ८, ५१; ६।१८, ५२, ६१, ८१, ८५, १०२, १०६,
 ११४; ७।३; ८।३; ९।५; ११।४४; १२।२,
 १६; १३।१५; १५।१६, ७१, ७८, ८४, १३६;

१६।३,११;१७।१७,६३,१०१;१६।१;२०।८,
१२,२१,२३,२४,२७,३५;२१।५,५,६१,७०,६०;
२२।२३,३०,३६,७३,६८;२४।५;२८।२७,६८,
११६;२६।७,१६;३०।७,१७;३१।२;३३।११,
२०,२७,३१,३५;३४।२;३५।१८;३६।५,२४,
३७,७२
यणियकुमारत (स्तनितकुमारत्व) प १५।६५,१४१;
३६।२२,२५
यद्ध (स्तब्ध) ज ३।१०६ सू २०।६।२
यल (स्थल) प १।७५ ज २।१३१,१३४,३।३२,६८
उ ३।५५
यलज (स्थलज) प १।४८।४०
यलज (स्थलज) ज ५।७
यलजर (स्थलजर) प १।५४,६१,६२,६६ से ६८
७६;३।१८३;४।१२२ से १४८;६।७१,७८;
२१।८,११ से १६,३५,४४,५३,६०
यवईरयण (स्थपतिरयण) ज ३।३२।१
याल (स्थाल) प १।१।२५ ज २।१५;३।११;५।५५
यालइ (स्थालकिन्) उ ३।५०
यारुकिण्या (यारुकिनिका) ज ३।११।१
यालीपाक (स्थालीपाक) सु २०।७
यालीपाग (स्थालीपाक) ज २।३०
यावरणाम (स्थावरनामन्) प २३।३८,११७
यासग (स्थासक) ज ३।१०६,१७८;७।१७८
यिग्गल (दे०) प १५।१।२
यिबुग (स्तिबुक) प १५।२६;२१।२४
यिर (स्थिर) ज ७।१२४,१२५,१७८
यिरणाम (स्थिरनामन्) प २३।३८,१२२
यिरीकरण (स्थिरीकरण) प १।१०१।१४
यित्त्ली (दे०) ज २।३३
यी (स्त्री) प १।८४
यीणद्धि (स्थानद्धि) प २३।१४,२७
यीविलोयण (त्रीविलोचन) ज ७।१२३ से १२५
युरय (दे०) प १।४२।२
यूणा (स्थूणा) प १५।१।२,१५।५२

यूम (स्तूप) प ११।२५ ज २।१५,२०,३१;
४।१२५,१२६
यूमियग (स्तूपिकाग्र) प २।६४
यूमिया (स्तूपिका) प १।१६,३७;४।१०,४६
यूमियाग (स्तूपिका) प २।४८ ज १।३८;४।१०,
११५,२१७,२२६
येज्ज (स्थैर्य) उ ३।१२८
थेर (स्थविर) प १६।५१ सू २०।६।४ उ २।१०,
१२;३।१४,१५६,१६१,१६७;५।३६,४१,४३
थेरग (स्थविरक) ज २।१३३
थोव (स्तोक) प ३।१ से १७,२४ से १२०,१२२
से १८१,१८३;६।१२३;७।२,३;८।५,७,६,११;
९।१२,१६,२५;१०।३ से ५,२६,२७;११।७६,
६०;१५।१३,१६,२६,२८,३१,३३,३४,६४;
१७।५६ से ५६,६१,६४,६६ से ६८,७१ से
७४,७६,७८ से ८३,१४४ से १४६;२०।६४;
२१।१०४,१०५;२२।१०१;२८।४१,४४,७०;
३४।२५;३६।३५ से ४१,४८ से ५१,८२
ज २।४।२,६६ सू ८।१;२०।५
थोवतराग (स्तोकतरक) प ३।५।२
थोवूण (स्तोकोन) ज २।१५
व
वओदर (वकोदर) ज २।४३
वंड (वण्ड) प २।३०,३१,४१;३६।८५ ज २।६,
६० से ६२;३।३,१२,८८,११७,१७८,१६२;
४।२६;५।५,७,५८;७।१७८ उ १।३१
वंडग (वण्डक) प ६।१२३;११।८३,८५;१४।६,८,
१०,१८;२०।५;२२।२०,२४,२८,४५,५६,५८
७६;२३।८,१२;२८।१४५;३६।८,१२,२०,२६
से ३१,३३,३४,४४,४५
वंडनायग (वण्डनायक) ज ३।६,७७,२२२
वंडणीड (वण्डनीति) ज २।६० से ६२;३।१६,७।६
वंडदार (वण्डदार) उ ३।५।१।१
वंडपति (वण्डपति) ज ३।१०६

दंडय (दण्डक) प ११५०, ५२ से ५४; १४१३४;
 १५१०२, १४०; १७५६; २२१३३, ३५, ४१, ५४
 दंडरयण (दण्डरत्न) ज ३५५, ५६, १५५, १५६,
 १७५, २२०
 दंडरयणत्त (दण्डरत्नत्त) प २०६०
 दंडि (दण्डिन्) ज ३१७५
 दंडिया (दण्डिका) ज ३३५
 दंत (दन्त) प २१३१ ज २४३, १३३, १३४;
 ३१०६, १७५; ७१७५
 दंतंतर (दन्तान्तर) उ ११६७
 दंतग (दन्ताग्र) ज ७१७५
 दंतमाल (दन्तमाल) ज २५
 दंतमूल (दन्तमूल) उ ११६७
 दंतार (दन्तकार) प ११६७
 दंति (दन्तिन्) प १४५४ ज ३२२१ उ ११४,
 १५, २१, २२, २५, २६, १२१, १२५, १२६, १३२,
 १३३, १३६, १३७, १४०, १४७
 दंतुखलिय (दन्त'उत्खलिय') उ ३५०
 दंस (दंश) उ ३१२५
 दंसण (दर्शन) प ११०११०; २१६४१२;
 ३१११; ५१२१, २४, २५, ३०, ३२, ३४, ३७, ४१,
 ४६, ५०, ५३, ५४, ५६, ५७, ५८, ६४, ६६, १०१,
 १०२, १०४, १०५, १०७, १११, ११२, ११५,
 ११७; १३१६; १५११, २०६१; २३१२६,
 २५, ६२, १३४, १७५; ३०१२६, २५ ज २७१,
 ५५; ३१७५, २२३; ५४३ उ ३४४; ५१३,
 ३१
 दंसण (उत्तुत्त) (दर्शनोपयुक्त) प ३६१६३, ६४
 दंसणधर (दर्शनधर) ज ५१२१
 दंसणपरिणाम (दर्शनपरिणाम) प १३१२, १४, १६,
 १७, १८
 दंसणमोहणिज्ज (दर्शनमोहनीय) प २३१३, ३२, ३३
 दंसणवत्ति (दर्शनप्रत्यय) ज ५१२७
 दंसणारिय (दर्शनार्य) प ११६२, १०० से ११०
 दंसणावरण (दर्शनावरण) प २४१६

दंसणावरणिज्ज (दर्शनावरणीय) प २३११, ३, ५,
 १२
 दख (दक्ष) ज ५१५, ५२
 दक्षिण (दक्षिण) ज १४६; ४१५२, ५५, ५१, ५६,
 ६५, १०५, १४३, १५११, १५६, १६४, १६५,
 १८५, १८३, १८७, १८८, २००, २०४, २०६
 से २०८, २१३, २२७, २३०, २३७, २३८, २४६,
 २६२, २६५, २६८, २७१, २७७, ५४५; ६१३३;
 ७१२६
 दक्षिणकूल (दक्षिणकूल) उ ३५०
 दक्षिणा (दक्षिणा) उ ३४५, ५०
 दक्षिणिल्ल (दाक्षिणात्य) ज ११२६; ३१६३;
 ४१३५, ६५, ७१, ८०, ११०, १४१, २०२, २१२,
 २२८, २२९, २३८, ५४६; ७१७५
 दग (दक) प १७१२२ ज ३१२२; ५१७;
 ७११२४ सू ०११२६४, २०५, २०५३
 दगकलसग (दककलशक) ज ५१७
 दगकुंभग (दककुम्भक) ज ५१७
 दगथालग (दकस्थालक) ज ५१७
 दगपणवण्ण (दकपंचवर्ण) २०५, २०५३
 दगपिप्पली (दकपिप्पली) प १४४१२
 दगरय (दकरजस्) प २१३१, ६४; १७१२२
 ज २१५
 दगवण्ण (दकवर्ण) सू २०५
 दगवारग (दकवारक) ज ५१७
 दट्ठव्व (द्रष्टव्य) प १५१२६
 दड्ढ (दग्ध) प ३६१६४
 दढ (दृढ) ज ३१२४; ५१५; ७१७५
 दढपडण्ण (दृढप्रतिज्ञ) उ ११४१; २११३
 दढरह (दृढरथ) उ ५१२१
 दत्त (दत्त) उ ३१२१, ३१७१
 दहर (दे०) प २१३०, ३१, ४१ ज ३७, २४, १८४,
 २२१; ५१५५
 ददु (ददु) ज २१३३
 ददुदुर (ददुर्) सू २०१२ प २४६ सू २०१२

दधि (दधि) ज ४११२५; ५१६२ सू १०११२०
 दण्ण (दण्ण) ज ३११२, १७८; ४१२८; ५१५८
 दण्णज्ज (दण्णी) प १७११३४ ज २११८
 दण्णिय (दण्णित) ज ३१२४; ७११७८
 दध्म (दध्म) ज ७११२२३ उ ३५११ ५६
 दध्मपुण (दध्मपुण) प ११७०
 दध्मसंथार (दध्मसंस्तार) ज ३१२० ३३, ५४, ६३,
 ७१, ८४, १३७, १८७, १८२ उ ५१४३
 दध्मसंथारग (दध्मसंस्तारग) ज ३१२०, ३३, ५४,
 ६३, ७१, ८४, १३७, १४३, १८६
 दध्मियायण (दध्मियायण) प १०१११२
 दमण (दमण) प ११४४३ ज ५१५८ दीनावृक्ष,
 द्रोणलता
 दमणगुड (दमणगुड) ज ४११०७
 दमणय (दमणय) ज ३११२, ८८
 दमित (दमित, दमित) प ११८६
 दमिली (दमिली दमिली) ज ३१११२
 दरि (दरि) ज २१३८; ३१८८, १०६
 दरिदुह (दरिदुह) ज १११८
 दरिय (दरिय) ज २११२; ३१३४
 दरिसणावरणज्ज (दरिसणावरणी) प २२१२८;
 २३११४, २६; २६१७; २७४४
 दरिसणज्ज (दरिसणी) प २१३०, ३१, ४१, ४८,
 ४६, ५६, ६३, ६४ ज ११८, २३, ३१, ४२; २११२,
 १४, १५; ३११७८; ४१३ ६, १३, २५, २७, २६,
 ३३, ४६, ११६; ५१२८ ४३, ६२ सू १११ उ ५१४
 से ६
 दरी (दरी) उ ३१५५
 दल (दल) ज २११५; ३११०६ ज १११
 दलइत्ता (दलवा) ज २१६
 दलिय (दा) दलइत्ता उ ३११२८ दलइ
 ज ३१६; ४१६१; ५१४६ ज १११०३; ३१११४
 दलयति ज ५१५७ दल ति ज ३१८८ दलयह
 उ १११०३ दल ति उ १११०३; ३१११२
 दलयानो उ ४१२८
 दलयित्ता (दलवा) ज ३१८८

दलिय (दलिक) ज ३१३५
 दव (दव) प २१४१
 दवारग (दवकारक) ज ३११७८
 दव्व (दव्व) प १११०११६; ३११२४, १७७, १७८;
 १०५; १११४७, ५३, ५५, ५७, ५६, ७० से ७३, ७६
 से ८५; १५१५७, १६१५०; २११११; २११२२;
 २२११३, १५, १७, १६, ८०, ८२; २८१५;
 ३५१११ उ ११४०
 दव्वओ (दव्वतम्) प १११४८, ४६; १२१७, १०;
 २८१५, ५१; ३५१४, ५ ज २१६६
 दव्वजाय (दव्वजात) ज २१६६
 दव्वट्ठ (दव्वार्थ) प ३१११६ से १२०, १२२,
 १७६ से १८२; १०१३ से ५, २६ से २६;
 १७११४४ से १४६; २१११०४
 दव्वट्ठता (दव्वार्थ) प ३१११६ से ११८
 दव्वट्ठया (दव्वार्थ) प ३१११४, ११६, १२०, १२२,
 १७६ से १८२; ५१५, ७, १२, १४, १६, १८, २०,
 २४, २८, ३०, ३२, ३४, ३७, ४१, ४५, ४६, ५३,
 ५६, ५६, ६३, ६८, ७१, ७४, ७८, ८३, ८६, ८६,
 ८३, ८७, १०१, १०४, १०७, १११, ११५, ११६,
 १२६, १३१, १३४, १३६, १३८, १४०, १४३, १४५,
 १४७, १५०, १५४, १६३, १६६, १६६, १७२,
 १७४, १७७, १८१, १८४, १८७, १९०, १९३,
 १९७, २००, २०३, २०७, २११, २१४, २१८,
 २२१, २२४, २२८, २३०, २३२, २३४, २३७,
 २३६, २४२; १०१३ से ५, २६ से २६,
 १७११४४ से १४६; २१११०४ ज ७२०६
 उ ३१४४
 दव्वहलिया (दव्वहलिका) प ११७७
 दव्विदिय (दव्वेन्द्रिय) प १५१५८२, १५१७६ से
 ८४, ८६, ८१, ८४ से ८७, १००, १०४ से १०६,
 १०८, १०६, ११४, ११५, ११७ से १२०, १२३,
 १३१, १३२, १४०, १४२, १४३
 दव्वी (दव्वी) प ११४४२ दाहह्रिद्रा
 दव्वीकर (दव्वीकर) प ११६६, ७०

द्वन्द्वीय (द्वन्द्वेन्द्रिय) प १५१०३, १२६, १२६,
१४३

दस (दशन्) प १६६ ज १२३ सू १२४
उ ११७

दस (दशम) प १०१४३

दसगुण (दशगुण) प ५१५१; २८७, ५३

दसण (दशन) ज २१५; ३३५, १३८; ५२१

दसणह (दशनख) ज ३२६, ३६, ४७, ५६, ६४, ७२,
७७ १३३, १८८; ५२१

दसण्ण (दशार्ण) प १६३४

दसद्वयण (दशार्धवर्ण) ज २१०; ३१२, ८८;
४१६६; ५७, ५८

दसधणु (दशधनुष्) उ ५२११

दसपूरसिय (दशप्रदेशिक) प ५१३०, १६१, १७६,
१६५, २१६

दसपदेशिय (दशप्रदेशिक) प ५१२७, १७६

दसम (दशम) प १०१४२; ११३३१, ११३४१
ज ७६७, १०२, ११४२ चं ५४ सू १६;
१०७७, १२४२; १२२६; १३८ उ १७;
२१०, २२; ३१४, ८३, १५०, १६१; ४२४;
५२८, ३६, ४३

दसमी (दशमी) ज ७११८, १२५ सू १०६०

दसरह (दशरथ) उ ५२११

दसविध (दशविध) सू १२२६

दसविह (दशविध) प १३, १०१, १३१; ५१२४;
११३३, ३४, ३६; १३२, २१, २३१३

दससमयद्वितीय (दससमयस्थितिक) प ५१४८

दसहा (दशधा) प २३०१

दसार (दसार) उ ५१५, १०, १७, १६

दसारवंस (दसारवंश) ज २१२४, १५२

दह (द्रह) प २४, १३, १६ से १६, २८; ११७७;
१५५५२ ज २३१; ३१३३; ४३, ६४, ८८,
१४०२, १४१, १४२, २०७, २६८, २७४; ५१५५;
६६१

√दह (दह्) दहइ ज ३१२

दहकुलइ (दे०) प १४०५

दहवहुल (द्रहवहुल) ज ११८

दहावई (द्रहावती) ज ४१८८, १८६

दहावईकूड (द्रहावतीकूट) ज ४१८८

दहावती (द्रहावती) ज ४१८७, १६०

दहि (दधि) प ११२५; १७१२८ ज २१५;
७१७८

दहिता (दग्धवा) ज ३१२

दहिघण (दधिघन) ज २३१; १७१२८

दहिमुह (दधिमुख) ज २११६

दहिमुहपदवय (दधिमुखपर्वत) ज २११८, ११६

दहिवण (दधिपर्ण) प १३६३

√दा (दा) दिति सू १०१२६ देइ ज ७११२४
सू १०१२६ उ १११० दिति ज ७११२३;
उ ३६८

दाइजमाण (दर्शयमान) ज ३१८६, २०४

दाइय (दायिक) ज २६४

दाऊण (दत्त्वा) ज ५१५

दाडिम (दाडिम) प १३६१ ज २१५

दाढा (दंष्ट्रा) ज ७१७८

दाण (दान) ज ३११७१

दाणंतराइय (दानान्तरायिक) ब २३५६

दाणंतराय (दानान्तराय) प २३२३

दाणकम्म (दानकर्मन्) ज ३३२

दाणव (दानव) ज ३११५, १२४, १२५

दाम (दामन्) प २४८ ज ३१६७; ४४६, १२६;
५३८

दामणिसंठिय (दामनीसंस्थित) सू १०४६

दामणी (दामनी) ज ७१३३३ सू १०४६

दामिणी (दामिनी) ज २१५

दामिली (द्राविडी) प १६८

दाय (दाय) ज २६४ उ २६; ५१३, २५, ५२

दायव्व (दातव्य) सू २०६१५

दार (द्वार) प २१ ज ११५ से १७, ३८;

३१०६, १६३; ४१०, ६४, ११५, १२१, १२२,

१४७, २१७, २६२ चं ५४ सू १६४; १०१३१

दार (दार) उ ३।४८, ५०

दारग (दारक) उ १।५३ से ५५, ५७ से ५६, ६१
से ६३, ७८, ८६, ८२; २।६; ३।६२, ६८-१०१,
१०६, १३०, १३१

दारगख (दारग्रह) उ ३।१२६, १३४

दारय (दारक) ज ५।५७ उ १।५१, ५४, ५६, ६०
से ६२, ७६, ७८; २।६, १०; ३।११४, १२३, १२४

दारियत्त (दारिकात्त) उ ३।१२५

दारिया (दारिका) उ ३।६२, ६८, १०१, १०६, ११४,
१२३, १२६, १२८, १३०; ४।५, ६, ११ से १८, १८,
१६, २०

दारु (दारु) ज ३।३२

दारुग (दारुक) ज ३।७८

दालयिता (दालयित्वा) ज ४।३५

दालित्ताणं (दालयित्वा) प १।७४

दालिम (दालिम) प १६।५५; १७।१३२

दास (दास) ज २।२८; ३।१०३ उ १।५४, ५५, ७६,
८०

दासी (दासी) प १।३७।५ काकजंघा, नीलाम्बा,
नीलकिटी

दासी (दासी) ज ३।१०३

दाह (दाह) ज २।४३

दाहिन (दक्षिण) प २।१०, ३२, ३३, ३५, ४३, ५०
से ५२, ५४, ५६, ५८ से ६०; ३।१ से ३७, १७६,
१७८ ज १।१८, २०, २३, २५, २८, ३२, ४६, ४८,
५१; २।६५, ११३; ३।६, १२, ३६, १३६, १३७,
१४६, १५०, १८६, २०४; ४।१, ३, १६, २३, २६,
३७, ५५, ८२, ६५, ८१, ८४, ८६, ८८, ९०, ९८,
१०३, १०६, १०८, ११६, १२२, १६७ से १६९,
१७२ से १७४, १७७, १७८ १८० १८१, १८३,
१८७, १८८ से १९१, १९४, १९६ २०१ से
२०३, २०५, २१०, २१४, २२० २३८, २६२,
२६८, २७१, २७४; ५।३, २१, ३६, ५३, ५८;
७।१०१, १०२, १२६ १७८ ज १।१५ से १७,
१६; २।१; ३।१; १०।७५; १३।७, ८; १८।१४;

२०।२ उ ३।५१, ५३, ६२

दाहिनअवर (दक्षिणापर) ज ३।८१

दाहिनउत्तराय (दक्षिणोत्तरायता) ज ४।१४१

दाहिनओ (दक्षिणतस्) प २।४०।३

दाहिनड्ड (दक्षिणार्ध) प २।५० सू २।१; ८।१

दाहिनड्डकच्छ (दक्षिणार्धकच्छ) ज ४।१६८ से
१७४

दाहिनड्डभरह (दक्षिणार्धभरत) ज १।१६, २१ से

२३, ४५ से ४७; ३।१, २०८; ४।३५ उ ५।१०

दाहिनड्डभरहकूड (दक्षिणार्धभरतकूट) ज १।३४,
४१, ४५, ४६

दाहिनदारिया (दक्षिणद्वारिका) सू १०।१३१

दाहिनद्वभरह (दक्षिणार्धभरत) ज १।२०

दाहिनपच्चक्षिण (दक्षिणपश्चात्य) प ३।१७६,

१७८ ज ३।३०, ३१, १७२, १७३; ४।१६, १६३,

२०८, २०९, २२३, २२६, २३०; ५।३६, ४६

सू २०।२

दाहिनपच्चस्थिमिल (दक्षिणपश्चात्य)

ज ४।२३८

दाहिनपडोण (दक्षिणपश्चीन) सू १।१६

दाहिनपुरस्थिम (दक्षिणपूरस्थ) प ३।१७६, १७८

ज ४।१६, १०६, २०३, २२२, २२७, २२८; ५।३६,

४६ सू २।१, २०।२

दाहिनपुरस्थिमिल (दक्षिणपूरस्थ) ज ४।२३८;

५।४४, ४६ सू १।१६; २।१; १२।३०

दाहिनभुयंत (दक्षिणभुजन्त) सू २०।२

दाहिनवाय (दक्षिणवात) प १।२६

दाहिनवेयालि (दक्षिणवेयाली) प १६।४५

दाहिल्ल (दक्षिणात्य) प २।३२, ३३, ३५, ३६,

३८, ४३, ४४, ४७; ३।१८ से २३; १६।३४

ज १।२६, ५१; २।११६; ३।१४ ज १।२६, ५१;

२।११६; ३।१४, १५, १८, ३६, ५१, ५२, ६१, ८३,

८५, ८८ से ९०, ९२, ९३, १२६, १६२, २०६, २१६;

४।१७४ से १७६, १८२, १८३, १८८, १९५,

२०१, २०२, २१२, २४८, २५१; ५।१४, ४२, ४५,

५२ सू १०१४२, १४७
 दिगिदलय (दे०) उ ३११४
 दिट्ठ (दृष्ट) प ११०१३, ८ ज ३१२६
 दिट्ठंत (दृष्टान्त) प १७१४८; उ ३१८, २६, ६३
 दिट्ठंतिय (दाष्टान्तिक) ज ५१५७
 दिट्ठाभट्ठ (दृष्टाभाषित) उ ३५५
 दिट्ठि (दृष्टि) प २८१०६१ ज ३१०५; ५६७
 दिट्ठिवाय (दृष्टिवाद) प १११३; ११०११८
 दिट्ठीवित्त (दृष्टिविषय) प ११७०
 दिणकर (दिनकर) सू १६१११२, १६१११३,
 १६१२२१, १३
 दिणयर (दिनकर) ज ३११८८ सू १६१२२३०
 उ ३१४८, ५०, ५५, ६३, ६७, ७०, ७३, १०६, ११२
 दिण्ण (दत्त) प २३०, ३१ ज ३१७, १८४; ५१२६
 उ ११६६, १०३, १०६, ११०, ११३, ११४;
 ३१४८, ५०
 दित्त (दीप्त) प २१४६ ज ३१६, १८, ६३, १०३,
 १८०, २२२; ७१७८ सू १६१११२, २११३,
 १६१२२३०
 दित्त (दूत) ज ३१०३
 दित्ततव (दीप्ततपस्) ज ११५
 दित्तसिरय (दीप्तशिरस्क) ज ३१६, १८
 दिन्न (दत्त) प २१४१
 दिप्पंत (दीप्यमान) ज ३१६, १७, २१, ३४, १७७,
 २२२
 दिप्पमाण (दीप्यमान) ज ३११८, ६३, १८०
 दिली (दे०) प ११५८
 दिवड्ड (द्वयर्ध, द्वयपार्ध) प २३१७३, ८३, १३५,
 १५२, १७२; ३३१७, ८ ज ६१११ सू ३१२; ६३;
 १८११
 दिवड्डल्लेत्त (द्वयपार्धक्षेत्र) सू १०१४, ५
 दिवस (दिवस) प २८१२७, ७३ से ७६ ज २६४;
 ३१७६, ६५, ६६, ११६, १२०, १३६, १६०, २०६;
 ७१२६ से ३०, ११२१५, ११७, ११८, १२६, १५६
 से १६७ चं ५१३ सू १६१३, १११३, १४, १६,

२१, २२, २४, २७; २३३; ३१२; ४१८, ६; ६११;
 ८११; ६१२, ३; १०१५, ६३ से ७४, ८६३३, १२६१५
 १६१२२१८ उ १६३; ३६४, ६८, ७१, ७४,
 ७६, १२६; ५११३, ४५
 दिवसल्लेत्त (दिवसक्षेत्र) ज ७१२७, ३०
 दिवसतिहि (दिवसतिथि) सू १०१८६, ६०
 दिवा (दिवा) ज ७१२५
 दिव्व (दिव्य) प २३०, ३१, ४१, ४६ ज १३१,
 ४५; २६७, ६०, १००; ३१४, ५, १२, १४, १५, १८,
 २६, ३०, ३१, ३६, ४३, ४४, ४७, ५१, ५२, ५६,
 ६०, ६१, ६४, ६८, ६९, ७२, ७६, ८२, ८५,
 १०६, ११३, ११६, ११७, ११८, १२२, १२३, १२६,
 १३०, १३१, १३३, १३६ से १३८, १४०, १४१,
 १४५, १४६, १५०, १५६, १७२, १७३, १७८,
 १८०, २०६, २११; ५११, ३, ५, ७, १६, २२, २६,
 २८, ३०, ४१, ४३ से ४५, ४७, ५५, ५७, ५८,
 ६७, ७१५५, ५८, १८४, १८५ सू १८१२२, २३;
 १६१२६ उ ३१७, ८५, ८४, १२२, १२३, १६३;
 ४१२५
 दिव्वा (दिव्याक) प ११७१
 दिसा (दिशा) प २३०, ३१; २१४०१२, ८, १०,
 २१४१, ४६ ज १३८; २१३११; ३१४, १५,
 २२, ३०, ३१, ४३, ४४, ५१, ५२, ६०, ६१, ६८, ६९,
 १०० से १११, १२५, १३०, १३१, १३६, १३७,
 १४०, १४१, १४६, १५०, १७२, १७३, १६५,
 २११; ४११०, १२१, १५३, १६३, २१२, २१७,
 २३८; ५१५२, ७४; ७१७८ सू ११४; ५११
 उ ११२२, १४०; ३१५१, ५३, ५५, ६३, ६७, ७०,
 ७३
 दिसाकुमार (दिशाकुमार) प १११३१; ५१३;
 ६१८
 दिसाकुमारी (दिशाकुमारी) ज ५११ से ३, ५ से
 १०, १२ से १७
 दिसाचक्रवाल (दिशाचक्रवाल) ३१५०
 दिसाणुवाय (दिशानुपात) प ३११ से १७, २४ से

३७, १७६, १७८
 दिसादि (दिशादि) ज ४१२६०२ मेरुपर्वत
 दिशापोक्खि (दिशाप्रोक्षिन्) उ ३१५०
 दिसापोक्खिय (दिशाप्रोक्षिक) उ ३१५०, ५५
 दिसापोक्खिय (तावस) (दिशाप्रोक्षिकतःपस)
 उ ३१५०
 दिसाहत्थिकूड (दिशाःहस्तिकूट) ज ४१२२५ से २३३
 दिसि (दिश) प २१२७, २१३०१; २१६३; ३११११;
 ११६६, ६६११; २१६५, ६६; २०१६, ३१, ६५;
 ३६१५६, ६६, ६८, ७०, ७२ से ७४ ज ४१२०४,
 २१०, २१६, २२०; ५१३०; ७४८, ५०, ५२, ५३
 उ ११२४; ३१५१, ५३, ६२, ८१, १४३, १५६
 दिसीभाग (दिग्भाग) ज ३१२०८, ५१५, ४४, ४५
 उ ३११३; ४१२०
 दिसीभाय (दिग्भाग) ज ११३, ३१६२, २०४,
 २०८; ४१२०, १३६; ५१५, ७ चं उ सू ११२
 उ ५१५
 दीण (दीन) उ ११५, ३५; ३१६८
 दीणस्सर (दीनस्वर) ज २१३३
 दीणस्सरता (दीनस्वरता) प २३१२०
 दीव (द्वीप) प ११७४, ७५, ८०, ८१, ८४; २११, ४, ७,
 १३, १६ से १६, २८, २९, ३०११, २१३२, ३३, ३५,
 ३६, ४०१२, ६, ११, २१४३, ५०, ५१; १५११२,
 १५१५४, ५५; १६१३०; ३३११० से १२, १५ से
 १७; ३६१८१ ज ११७, १५ से १८, २०, २३,
 ३४, ३५, ४६, ४८, ५१; २११, ७, ५२, ५६, ६०, ११६,
 १६१, १६४; ३१८६, ३६, ४७, ५६, ११३, १३३,
 १३८; ४११, ३१, ३२, ३४, ४१, ५२, ५५, ६२, ६८,
 ६६, ७६, ८१, ८६, ९०, ९३, ९८, ११४, १५६,
 १६०, १६५, १६७, १६६, १७२ से १७४, १७८,
 १८१, १८२, २०१ से २०३, २०६, २१३, २६२,
 २६५, २६८, २७१, २७४, २७७; ५१३, २१, २२,
 २६, ४४, ५२, ७४; ६१ से ५७ से २६; ७१,
 ३, ४, ८ से १४, ३१, ३३, ३६ से ३६, ५२, ५४,
 ६२, ६३, ६७ से ७२, ८६, ८७, ९१, ९२, १०१.

१०२, १७५, १८२, १६८ से २०८, २१० से २१३
 सू ११४, १६, १७, १६ से २२, २४, २७; २११,
 ३; ३११, २; ४१३, ४, ७, १०; ६११, ८११; १०१३३२,
 १४२, १४७; १२१३०; १८१७, २०; १६११, २, ६,
 ७ ८१३, ६, १२ से १४, १५३, १६१६, १६१२२,
 २४, १६१२८, ३१ से ३४ उ ११६; ३१७, ६१,
 १२५, १५७; ५१२४, ४३
 दीवकुमार (द्वीपकुमार) प ११३३१; ५१३; ६१८
 दीवग (द्वीपिक) सू १०१२०
 दीवणिज्ज (द्वीपनीय) प १७१३४ ज २१८
 दीविग (द्वीपिक) ज २१३६
 दीविय (द्वीपिक) प ११६६; ११२१ ज ३१३६;
 ५१३२
 दीविग्रहाह (द्वीपिकग्रहाह) ज ३१७८
 दीविया (द्वीपिका) प ११२३
 दीवियाहत्थमय (हस्तगतद्वीपिका) ज ५१२
 √दीस (दूस्) दीनति प ११४८५७ ज ७३६, ३८
 दीह (दीर्घ) प २१६४४; १३१२३ ज २१५, ६६;
 ३१०६, १६७११
 दीहतर (दीर्घतर) ज ४१८
 दीहवेयड्ड (दीर्घवैतद्वय) ज ६११०
 दीहिया (दीर्घिका) प २१४, १३, १६ से १६, २८;
 १११७७ ज २१२२
 दु (दि) प ११३ सू ११४
 दुइय (द्वितीय) प ३१२२
 दुहुभय (दुन्हुभक) ज ७१८६१२ सू २०८
 दुहुइय (दुन्हुभक) सू २०८१२
 दुहुहि (दुन्हुमि) ज ३१२२, ७८, १८०, २०६; ५१५,
 २२, २६, ४६, ४७, ५६, ६७ उ ११२१, १२२,
 १२५, १२६, १३३, १३४, १३८, ३११११; ४११८;
 ५११६
 दुक्कालवहुल (दुष्कालबहुल) ज १११८
 दुक्ख (दुःख) प २१६४२२; ६१११०; २०११८;
 ३११११, २, ३१११०, ११; ३६१८८, ६२, ६४११
 ज ११२२, २७, ५०; २१५८, ७१, ८८, ९१, १२३,

१२८, १५१, १५७; ३७७, ६२, १०६, ११६,
 १२११, १२५; ४११०१, १७१ सू १६१२११३
 उ ११६३, १४१; ३१८६; ५४३
 दुःखलक्ष (दुःखत्व) प २८१२४
 दुःखभागि (दुःखभागिन्) ज २१३३३
 दुःखलक्षितो (द्विस्) सू १११२
 दुःखर (द्विखुर) प १६२, ६४
 दुग् (द्विक) ज ७११२१२
 दुग्गुच्छा (जुगुप्सा) प २३३३६, ७७, १४५
 दुग्गुण (द्विगुण) सू १६१२२२३
 दुग्गुणिय (द्विगुणित) ज २१२५
 दुग्गूल (दुकूल) सू २०१७
 दुग्ग (दुर्ग) उ ३१५५
 दुग्गइगामि (दुर्गतिगामिन्) प १७११३८
 दुग्गंध (दुर्गन्ध) ज २१३३३ उ ३१३०, १३१, १३४
 दुग्गम (दुर्गम) ज ३१७७, १०६
 दुग्गबहुल (दुर्गबहुल) ज १११८
 दुग्गुल (दुकूल) ज ४११३
 दुग्घण (द्विघणा) ज ५१५
 दुजडि (द्विजटिन्) सू २०१८
 दुज्जम्मय (दुर्जन्मक) उ ३१३३१, १३४
 दुज्जाय (दुर्जाति) उ ३१३३१, १३४
 दुदुठ्ठाणवडित (द्विस्थानपतित) प ५११३४, १४३,
 १४८, १५१, १६३, १६४, १८१, १६७, २१८
 दुदुठ्ठ (दुष्टु) उ ११८८, ६२
 दुत्तीस (द्वान्विशत्) ज ४१६४
 दुहंत (दुर्वान्त) उ ५११०
 दुहंसणिज्ज (दुर्दशनीय) ज २११३३
 दुद्ध (दुग्ध) प ११२५ उ ३१६८
 दुधा (द्विधा) सू १६११६
 दुन्निकम्म (दुस्त्रिक्कम) ज २१३२
 दुपएसिय (द्विप्रदेशिक) प ५१५५३, १५४, १५७,
 १५६, १६०, १७६, १७७, १६२, १६३, २१३,
 २१४; १०७; ११४६; ३०२६
 दुपदेस (द्विप्रदेशिक) प १०१४१

दुपदेसिय (द्विप्रदेशिक) प ५११२७, १३०, १३१;
 १६१३६
 दुप्पउत्तकाइया (दुप्पगुत्तकायिकी) प २२१२
 दुप्पव्वइय (दुप्पव्वजित) उ ३१५८, ६०, ७६ से ७६
 दुप्पवेस (दुप्पवेस) ज ११२४
 दुफास (दुम्पस) ज २१३३३
 दुबत्तीस (द्वि द्वाविशत्) सू १०१३८ से १४१,
 १४८, १५२, १२१२२
 दुव्वल (दुर्वल) ज २१३३३
 दुव्विभ (दुर्) प १३१२७, २१; २३११०७
 दुव्विभक्खबहुल (दुर्विभक्खबहुल) ज १११८
 दुव्विभगंध (दुर्गन्ध) प १४ से ६; २१२० से २७;
 ५१५, ७, २०५; १११५६; १७१३६; २८१२०,
 ३२, ६६ ज ५१५
 दुव्वभूय (दुर्वभूत) ज २१४३
 दूभागमंडल (द्विभागमण्डल) सू १५१३७
 दूम (द्रुम) ज २१८, १३, २०; ५१५०
 द्रुय (द्रुत) ज ५१५७ अभिनय का प्रकार
 दुरंतपन्तलक्खण (दुरन्तप्रान्तलक्षण) ज ३१२६,
 ३६, ४७, १०७, ११४, १२२, १२४, १३३
 उ ११८६, ११५, ११६
 दुरभि (दुरभि) प २३१४८
 दुरस (दूरस) ज २१३३३
 दुरहियास (दुरध्यास, दुरधिसह) प २१२० से २७
 दुरुठ (आरुठ) ज ३११७, २१, २२, ३५, ३६, ७७,
 ६१, १७७, १७८, १८३, २०१, २०२, २१४, २१७;
 ५१२२, २६, ४३
 √दुरुह (आ-रुह) दुरुह ज ३१२०, ३३, ५४, ६३,
 ७१, ८१, ८४, १०६, ११७, १३७, १४३, १६६,
 २०४, २२४; ५१४१, ४२ उ १११६ दुरुहंति
 ज ३११११; ४१५; ५१५ दुरुहति प १७१०६,
 १११
 दुरुहिता (आरुह्य) प १७१०६ ज ३१२० उ १११६
 दुरुठ (आरुठ) उ ११२४, १३१; ४१२२; ५११४
 दुरूव (दूरुप) ज २१३३३

√दुरुह (आ-हह) दुरुह उ १११०; ४१५
 दुरुहे उ ४१८
 दुरुहिता (आरुह्य) उ १११०; ४१५
 दुरुहेता (आरुह्य) उ ४१८
 दुल्लह (दुर्लभ) ज ३११७ सू २०६१
 दुव (द्वि) ज १२५ चं ४३ सू ११८३ उ ११११
 दुवयण (द्विवचन) प ११८६
 दुवण्ण (दुर्वण) ज २११५, १२३
 दुवार (द्वार) ज ३८३, ८५, ८८ से ६०, ६३, १०३,
 १५४, १५७, १६२, १८६
 दुवालस (द्वादशन्) प २६४ ज १२० सू ११३
 उ २११०
 दुवालससिय (द्वादशासिक) ज ३६४, १३५, १५८
 दुवालसक्खुत्तो (द्वादशकृत्वस्) सू १२२ से ६, ११
 दुवालसमा (द्वादशी) सू १०१४१, १४६, १४८, १५५,
 १६०
 दुवालसमी (द्वादशी) पु १०१४८, १५०
 दुवालसविह (द्वादशविध) प १३४; १२३७
 ज ७१०४ सू १०१२६ उ ३७६, १४३
 दुविध (द्विविध) सू ४१
 दुविह (द्विविध) प ११२, ४, १०, ११, १६ से १८
 २० से ३२, ३४, ४८ से ५१, ५३, ५७, ५६ से
 ६१, ६६, ६७, ६८, ७५, ७६, ८१, ८२, ८८, ९०,
 १००, १०२ से १२३, १२५ से १२६, १३१ से
 १३८, ५११, १२३; ६११५, ११६; ११३१, २२,
 ३५, ३६, ४१; १२३ से १३, १६ से १८, २०,
 २१, २३, २४, २७, ३१ से ३३; १३११, ८, २२
 २३, २७, ३१, १५११८, १६, ४८, ४९, ६८, ७१,
 ७२, ७५, ७६; १६१५, २८, ३३, ३५; १७२, ४, ६,
 ६, १६, २३, २५, २७; १८१३, २५, ५५, ६३, ६७
 ६८, ७६, ७६, ८६, ८४, ८७, ८६ १०१, १०६,
 १०६, १११, १२७; २११४ से ७, ६ से २०, ४६,
 ५५, ५८, ५६, ६१, ६५, ६६, ७०; २२२, ३, ८;
 २३६, २६, २८, ३२, ३४, ४८, ५६, ५७; २८१४,
 ४०, ५०, ६६; २६११, ५, ८, ६, ११, १४; ३०११, ५,
 ७, ११, १२; ३३११; ३४१२; ३५१२, ३५१२,

१४, १६, १८, २३ ज २११, ५, ६; ५११६; ७११४
 सू १०८६, १२१, १२४; १८२०; २०३
 उ ३३१, ३८, ४०, ४२, ४४
 दुव्विसय (द्विविध) ज २३१
 दुसमइय (द्विसामयिक) प ११७१; ३६१६०, ६७,
 ६८, ७१, ७५
 दुसमयट्ठतीय (द्विसमयस्थितिक) प ११५१
 दुसमसुसमा (दुष्पमसुपमा) ज २१४६
 दुस्समदुस्समा (दुष्पमदुष्पमा) ज २२, ३, ६
 दुस्समसुसमा (दुष्पमसुसमा) ज २२, ३, ६, ४६
 दुस्समा (दुष्पमा) ज २२, ३, ६
 दुहो (द्वितस्, द्वय) ज ४६१ सू १०१३६; २०३
 दुहोवत्त (द्वितआवर्त) प १४६
 दुहणाम (दुःखनामन्) प २३२०
 दुहट्ठ (दुधाट्ठ) उ १५२, ७७
 दुहता (दुःखता) प २३१६
 दुहतो (द्वितप्, द्वय) सू १०१७३
 दुहोनिहसंठिय (द्वितोनिपधसंस्थित) सू ४३
 दुहत्त (दुःखत्व) प २८२६
 दुहया (दुःखता) प २३३१
 दुहा (द्विधा) ज ११६, २०, २३; ४११, ४२, ६२, ६४,
 १०८, १७२
 दुइजमाण (द्वयमाण) ज ३१०६ उ १२, १७;
 ३१२६, ६६, १३२; ५३६
 दुभगणाम (दुर्भगनामन्) प २३३८, १२४
 दुमिय (दे० धववित्) सू २०३
 दुमिय (द्वय) उ १५६, ६३, ८४
 द्वय (द्वय) ज ३६, ७७, २२२ उ १६२, १०७ से
 ११६, १२७
 द्वर (द्वर) प २४६, ५०, ५२, ५३, ६३; १७१०६
 ज ७३६, ३८ सू २११
 द्वरतराग (द्वरतरक) प १७१०८, ११०
 द्वस (द्वय) ज २२४, ६५, ६६; ३६, २२२
 दूसमदूसमा (दुष्पमदुष्पमा) ज २१३०, १३५,
 १३६

द्वसमसुसमा (दुष्पमसुसमा) ज २।१२१

द्वसमा (दुष्पमा) ज २।१२६, १४०

द्वसरणाम (दुःस्वरणामन्) प २३।३८, १२५

द्वसि (द्वप्स्य) प १७।११६

देय (देय) सू २०।६।२

देयड (दे० दृत्तिकार) प १।६७

देव (देव) प १।५२, १३०, १३८; २।३० से ३६,

४१ से ४३, ४६, ४७।१, ४८ से ६३, २।६४।१४;
३।२६ से ३६, ३८, २६, १३१, १३३, १३५, १३७,
१३६, १८३; ४।२५ से २७, ३१ से ३३, ३७ से
३६, ४३ से ४५, ४६, ५५, १६५ से १६७, १७१,
१७७ से १७६, १८३ से १८५, १८६ से १६१,
१६५ से १६७, २०१ से २०३, २०७, २१३ से
२१५, २२५ से २२७, २३७ से २४३, २४६,
२४६, २५२, २५५ से २६६; ६।२७ से ३८, ४१
से ४३, ५०, ५२, ५६, ६५, ७०, ८१, ८२, ८५ से
८७, ८६, ९०, ९२, ९३, ९५, ९६, ९८, ९९, १०१,
१०३, १०५, १०६, ११०, ११२, ११३; ७।८ से
३०; ८।१०, ११; ९।११; १५।४५, ५५।३, ८७ से
६३, १०८, १०९, ११४, ११५, ११७, १२५, १२६,
१३२, १३६, १४३; १६।२५, २६, ३१, १७।४६,
५१, ५२, ७१, ७३, ७४, ७६, ७८ से ८१, ८३, ८६;
१८।५, ११; २०।४६, २१।५१, ५५, ६१, ६२, ७०,
७१, ७७, ८३, ९१ से ९३; २२।४१, ४२, ४५, ७६;
२३।३६, ५४, ८४, ११४, १४६, १७२, १६४,
१६६, १६८; २८।६७, १०२, १०५, १३३, १४३
से १४५; ३३।१, १६ से १८, २४, २५; ३४।१५,
१६, १८ से २५; ३६।५०, ८१ ज १।१३, २४,
३०, ३१, ३३, ३६, ४५ से ४७, ५१; २।६४, ६०,
६५ से ६६, १०० से १०२, १०४ से ११६,
१२०; ३।२०; २४।१, २, २५ से २८, ३०, ३२।२,
३३, ३८ से ४१, ४३, ४६ से ४६, ५१, ६३ से
६५, ६८, ७१ से ७४, ७६, ८४, ९२, १११ से
११५, ११६, १२३ से १२५, १३१।१, २, १३२ से
१३४, १३६, १५०, १५१, १६७।१३, १७८, १८४,

से १८६, १८८, १८९, १९१, १९२, १९८, १९९,
२०७ से २१०, २१६, २२१, २२४, २२६; ४।२,
१३, १६, २०, ५१ से ५४, ६०, ६१, ८०, ८४, ८५,
९७, १०२, १०६, १०७, ११२, ११३, ११४, १२०,
१४१, १४२, १५०, १५६ से १६१, १६३, १६५,
१६६, १७७, १८०, १८४, १८६, १८७, १९३,
१९६ से २००, २०३, २०४, २०८ से २१२,
२१५, २२६ से २३४, २३६, २४७, २४८, २५०
से २५२, २६१, २६४, २६६, २६७, २७०, २७२,
२७३, २७६, २७७; ५।१, ३ से ५, १४, १५, १६,
२२, २३, २६ से २६, ३६, ४२, ४३, ४५, ४७, ४६,
५०, ५३ से ५६, ६१, ६७, ६६ से ७४; ६।१६;
७।५५, ५६, ५६, १६६, १७८।१, १८५, १८७,
१८६, १९१, १९३, १९५, २१३, २१४ सू ६।१;
१३।१७; १७।१; १८।२ से ४, १४ से १७, २१,
२३, २५, २७, २६, ३१, ३३, ३५; १९।२३, २४,
२६, २७; २०।१, २, ४, ७ उ २।१३; ३।५१, ५६
से ६२, ६५, ६६, ६६, ७२, ७५ से ६१, १५१,
१५२, १५६, १६२ से १६५; ५।५, २६, ३०, ४२,
४३

देव (देव) सू १६।३६, ३८ देव नामक द्वीप

देवअर्णणिआउय (देवांसंज्ञायुष्) प २०।६२, ६४

देवउल (देवकुल) ज ५।५, ७

देवकहलहम (देवकहकहक) ज ५।५७

देवकुमार (देवकुमार) उ ३।६२

देवकुमारिया (देवकुमारिका) उ ३।६२

देवकुरा (देवकुरु) ज ४।६४, ६६, २०३, २०६ से
२०८, २१३

देवकुरु (देवकुरु) प १।८७; १६।३०; १७।१६४

ज २।६; ४।२०४।१, २०७, २०८, २१०।१

देवकुल (देवकुल) ज २।६५ उ ३।३६

देवगड (देवगति) ज २।६०; ३।२६, ३६, ४७, ५६,
६४, ७२, ११३, १३३, १४५; ५।५, ४४, ४७, ६७

देवगइय (देवगतिक) प १३।२०

देवगति (देवगति) प ६।४, ६

देवगतिपरिणाम (देवगतिपरिणाम) प १३।३

देवगति (देवगतिक) प १३।१५
 देवगामि (देवगामिन्) ज १।२२, ५०; २।५८, १२३,
 १२८, १४८, १५१, १५७; ४।१०१
 देवच्छंदग (देवच्छंदक) ज ४।२१६
 देवच्छंदय (देवच्छंदक) ज १।४०; ४।१३६, १४७,
 २१६
 देवजुइ (देवजुति) ज ३।२६, ३६, ४७, १२२, १२६,
 १३३
 देवजुति (देवजुति) ज ५।४४ उ ३।८५, १२२
 देवजुइ (देवजुति) उ ३।१२३
 देवडिड (देवडिडि) ज ३।२६, ३६, ४७, १२२, १३३
 देवता (देवता) चं ५।२ सू १।६।२
 देवत्त (देवत्व) प १।५।६ से १०१, १०४ से १०६,
 १०८, ११२, ११४ से ११७, ११६ से १२३,
 १२५, १२७ से १२८, १३१, १३२, १४३,
 उ २।१२; ३।१५०, १६१; ५।२८, ४१
 देवदारु (देवदारु) प १।४०।२
 देवदाली (देवदाली) प १।३६।२; १।७।१३०
 देवदालिपुष्प (देवदालीपुष्प) प १।७।१३०
 देवदुहुहुहग (देवदुहुहुहक) ज ५।५७
 देवदूस (देवदूष्य) ज २।६५, १००, २११; ५।५८
 उ ३।१४, ८३, १२०, १६१; ४।२४
 देवपञ्चय (देवपञ्चय) ज ४।२१२
 देवमइ (देवमति) ज ३।१०६
 देवय (देवता) प २।४८ ज ७।१२७।१, १६७।१
 देवय (देवत) ज २।६७; ३।८ सू १।८।२३,
 उ १।१७, ७२, ८८, ६२; ५।३६
 देवया (देवता) ज ३।३२, १०४, १०५; ४।५३,
 १०६, २०४, २१०; ७।३० सू १।०।७८ से ८३
 देवराय (देवराज) प २।५० से ५६ ज १।३१;
 २।८६ से ६३, ६५, ६७, ६६, १०१, १०३, १०५,
 १०७, १०६, १११, ११३, ११४, ११७ से ११६,
 १८६, २१७; ४।२२१; ५।१८, २० से २३, २६
 से २६, ३६ से ४१, ४३ से ४८, ५४, ५६, ६०,
 ६१, ६२, ६५ से ६८, ७१ से ७३ उ ३।१२२,

१५०
 देवलोग (देवलोक) प २।०।६१ ज २।४६, १५६;
 ३।१ उ २।१३; ३।१८, ८६, १२५, १५२, १६५;
 ४।२६; ५।३०, ४३
 देवलोय (देवलोक) ज २।४६ उ ५।४
 देवसंघाय (देवसंघात) ज ७।१७६
 देवसयणिज्ज (देवसयनीय) उ ३।१४, ८३, १२०,
 १६१; ४।२४
 देवसयसहस्सीसर (देवसतसहस्सेस्वर) ज ३।१२६।३
 देवसिरि (देवश्री) उ ३।१७१
 देवाउय (देवायुष्क) प २।०।६३, २३।१८, ३७, ८०,
 १४६, १७०
 देवाणंदा (देवानन्दा) ज ७।१२० सू १।०।८।३
 उ ३।११३; ४।२०
 देवाणुप्पिय (देवानुप्पिय) ज २।६५, ६७, १०१,
 १०५, १०७, १०६, १११, ११४, १४६; ३।५, ७,
 १२, १५, १८, २१, २६, २८, ३१, ३४, ३६, ४१,
 ४७, ४६, ५२, ५६, ५८, ६१, ६४, ६६, ६८, ७२,
 ७४, ७६, ७७, ८३, ८०, ८१, ८६, १०५, १०७,
 ११३, ११४, १२५, १२६।४, १२८, १३३, १३८,
 १४१, १४५, १४७, १५१, १५४, १५७, १६४,
 १६८, १७०, १७३, १७५, १८०, १८३, १८८,
 १९१, १९६, २०७, २१२; ५।३, ५, ७, १४, २२,
 २६, २८, ४६, ५४, ६८, ७२, ७३ उ १।१७,
 ३७, ३६, ४१, ४४, ५४, ५७, ६६, ७६, ८८, ९८,
 १०७, १०६, १११, ११३, ११५, ११६, १२१,
 १२३, १२७, १२८, १३१; ३।१३, ७८ से ८१,
 १०२, १०३, १०६, १०८, ११२, ११५, १३६,
 १३८, १३६, १४८; ४।११, १४ से १६, १६, २२;
 ५।१५, १८, २७, ३२, ४०
 देवाणुभाग (देवानुभाग) ज ३।१२६
 देवाणुभाव (देवानुभाव) ज ३।२६, ३६, ४७, १२२,
 १३३; ५।४४ उ ३।८५, १२२, १२३
 देवाहिव (देवाधिप) ज ५।५४
 देविद (देवेन्द्र) प २।५० से ५६ ज १।३१; २।८६
 से ६५, ६७, ६६, १०१, १०३, १०५, १०७, १०६,

१११, ११३, ११४, ११८, ११९; ४१२२१; ५११८,
२० से २३, २६ से २९, ३९, ४०, ४३ से ४८,
५४, ५६, ६० से ६२, ६५ से ६८, ७१ से ७३
उ ३११२३, १५०

देविङ्गि (देविङ्गि) ज ५१४४ उ ३११७, ८५, ९४,
१२२, १२३, १६३; ४१२५

देवित्त (देवीत्त) उ ३११२०

देवी (देवी) प २१३० से ३३, ३५, ४१, ४३, ४८ से
५१; ३१३९, १३२, १३४, १३६, १३८, १४०,
१८३; ४१२८ से ३०, ३४ से ३६, ४० से ४२,
४६ से ४८, ५२, ५५, १६८ से १७०, १७४, १८०
से १८२, १८६ से १८८, १९२ से १९४, १९८
से २००, २०४ से २०६, २१० से २१२, २१६
से २२४, २२८ से २३६; १७५०, ७२, ७३, ७५,
७६, ७८, ८०, ८२, ८३; १८६, ८, १२; २३१
१९४, १९६, १९८ ज ११३, १३, ३०, ३३, ३६,
४५; २१९०; ३१५२ से ५८, ६०, १४०, १४१,
१४३ से १४७, १४९; ४१२, १७ से २०, २२, ३३,
३४, ५३, ६४, ८९, १५९, १६४, २०३, २३७,
२३८, २४८, २५० से २५२; ५११, ५, १९, २६ से
२८, ४२, ४३, ४५, ४७, ६७, ७२, ७३; ७१८३,
१८५, १८८, १९०, १९२, १९४, १९६, २१४;
चं न सू ११३; १८१२१, २३, २६, २८, ३०, ३२,
३४, ३६; २०१४ उ १११० से १२, १५, १७, १९
से २४, ३० से ४१, ४३, ४४; ४६, ४८ से ५५,
५७, ५८, ७० से ७४, ८८, ९५, ९७, ९९ से १०२,
१०९, ११०, ११३, ११४, १४४ से १४६; २१४ से
९, १६, १७, १९, २०; ३१९०, ९२, ९४, १२१ से
१२५; ४१२५, २६; ५११०, १२, १३, १७, २५, ३०,
३१

देवुकलिया (देवोत्कलिका) ज ५१५७

देवोद (देवोद) सू १९१३८

देस (देश) प ११३, ४; २१६४११; ४१४३, ४५, ४६,
४८, ४९, ५१, ५२, ५४; ५१२४, १२५, १५१५३;
५४, ५७; १८१५९, ६४, ७७, ८१, ८३, ८४, ८९ से

९१, ९६, १०८; २११७४, २२१५५, ५६, ५८, ७६
ज ११३०; ३१३, २२४; ४१२२, ३४, ८३, ११३,
११४, १६६; ५१२६; ७१२१३ सू १११६; ६११;
९१३; १०११३८ से १५१, १६२ से १६९;
१२१३०; १३१२

देसपंत (देशप्रान्त) उ १११३३, १३४

देसभाग (देशभाग) प २११६, १७, ३०, ३१, ४१, ५०,
५२ ज २११२, ६५; ३१३, ११७; ५१३५ सू ३१९८
देसभाव (देशभाव) प २११८, १९, २८, ५१, ५९, ६४
ज ३१७; ५१३३, ३८

देसमाण (दिशत्) ज २१७२

देसि (देशिन्) प २१४१

देसिय (देशित) ज ३१२२, ३६, ९३, ९९ १०६, १६३,
१८०

देसुण (देशोन) ज १११२, १४, १७, २३, ३५, ३७, ५१;
२१४४, ४५; ४१११४

देसुणग (देशोनक) ज ३१२२५; ४१९, ३२, १४७,
१५५, २४२

देसोहि (देशावधि) प ३२१११, ३३३३१ से ३३

देह (देह) ज ३११०९

देहधारि (देहधारिन्) प २१४१ ज ३१३

देहमाण (दे० पशवत्) ज ३१२२२; ५१६७

दो (द्वि) प २०१५६ ज ११७ १११४ उ ११३५

दोच्च (द्वितीय) प ६१८०१; ३३११६, ३६१९२
ज ३११२८, १५१, १९२; ७१३३, २५, २८ से
३०, १५७, १६१, १६५, १७० सू १११३, १४,
१६, १७, २१, २४, २७; ३१३; ६११; १०६४, ६८,
१२७, १३९, १४०, १४४, १४५, १५८; १११२ से
४, १८१३, २०, २५; १३११, १२, १३ उ ११३९,
४०, १११, १४३; २११, १५, २१; ३११, २०, २२
२३, ५१, ५३ ६०, ६१, ७७, ७८, १०८

दोच्चा (द्वितीया) प ३११८३

दोणमुह (दोणमुख) प ११७४ ज २१२२, १३१;
३११८, ३१, ३२, १६७२, १८०; १८५, २०९,
२२१ उ ३११०१

दोला (दे०) ११५१
 दोवारिय (दोवारिक) ज ३१६, ७७, २२२
 दोस (दोष) प ११३४१; २२२०; २३६
 ज ३३२, ११७ सू २२; २०६१६ उ ३३५
 दोसणिस्सिया (दोषनिश्चिता) प ११३४
 दोसपुरिया (दोषपुरिका) प ११६८
 दोसिणा (दे० ज्योत्स्ना) चं २१४ सू १६१४;
 १४११ से ४; १६११, २
 दोसिणापक्ख (‘दोसिणा’पक्ष) सू १३११; १४११ से
 ४, ६, ७
 दोसिणाभा (‘दोसिणा’अभा) ज ७१८३
 सू १८२१; २०६
 दोसिणलक्खण (‘दोसिणा’लक्षण) चं २१४
 सू १६१४
 दोसिणालक्खण (‘दोसिणा’लक्षण) सू १६१२
 दोस्सिय (दोषिक) प ११६६
 दोहग (दीर्घग्य) ज २१५
 दोहल (दीर्घद) उ १३४, ३५, ४०, ४१, ४३, ४४,
 ४६, ७४

ध

धंत (ध्मात) प १४८१५६ ज ३२४
 धंतधोयरूपपट्ट (ध्मातधोतरूप, पट्ट) प १७१२८
 धण (धन) ज २६४, ६६; ३१०३; १६७१४
 धणंजय (धनञ्जय) ज ७११७२, १३२१
 सू १०८६१२ ६७
 धणवड्ड (धनपति) ज ३११, ३, १८, ३१, ६३, १८०
 १८३
 धणिट्ठा (धनिष्ठा) ज ७११३११, १२८ से १३०,
 १३६, १३८, १४१, १४६, १४६, १५७ सू १०१
 से ६, ८, २०, २३, २६, ५७, ६३, ६४, ७५, ८०, ८४,
 १२०, १३१ से १३३, १५२
 धणु (धनुष्) प १७५; २६४६; २१४६, ४७,
 ४७११, २; २१६५ से ६७; ३६८१ ज १७, ६,
 १०, २३, २५, ३८, ४०, ४३; २६, १६, ५२, ५६,
 ५८, ८६, १२३, १५१, १५७, १५६, १६१; ३३,

२३, २४, ३५, ३७, ६५, १३१, १५६, १६०, १७८;
 ४११०, १२, ५५, ६२, ८१, ८६, ८८, १०१, १०८,
 ११०, ११४, १४७, ५४, २४८, २६२, २६५,
 २६८, २७१, २७४; ७१८२, २०७ सू १११४;
 १८१३, २० उ १२२, १३८, १४०
 धणुग्गह (धनुर्ग्रह) ज २४३
 धणुप्पट्ठ (धनुष्पट्ठ) ज ११८, २०, २३, ४८;
 ४११, १७२
 धणुपुहत्तिय (धनुःपृथक्किंबक) प १७५
 धणुवर (धनुर्वर) ज २६६; ३७६, ११६, ११६,
 १२०, १६७३, १८५, २०६
 धणुह (धनुष्) ज ३३१
 धण्य (धान्य) प ११२६ से २८ ज २६६; ३७६,
 ११६, ११६, १२०, १६७३, १८५, २०६
 उ ३४०; ५१४
 धण्य (धन्य) ज ५१५, ४६, ५८ उ १३४, ४०, ४१,
 ४३, ४४, ७४; ३६८, १०१, १३१, ५३६
 धन्न (धन्य) ज २६४ उ ३३८
 धमाससार (धमाससार) प १७१२५
 धम्म (धर्म) प २०१७, १८; २२, २५, २८, २६, ३४,
 ४५ ज १४; २६४, ७२, ११३, १३३ चं ६ सू १४
 उ १२, २०, २१; ३१३३, १०२, १०३, १३४ से
 १३६, १३८, १४२, १४७; ४१४; ५१२०, २७
 धम्मंत (ध्माःमान) ज ३११७
 धम्मकहा (धर्मकथा) उ ३७१
 धम्मचरण (धर्मचरण) ज २१२६, १५८
 धम्मजागरिया (धर्मजागरिका) उ २१११; ५३६
 धम्मजायग (धर्मजायक) ज ५२१
 धम्मत्थिकाय (धर्मत्थिकाय) प १३; ३११४ से
 ११६, १२२; ५१२४; १५५३, ५४, ५७;
 १८१२५
 धम्मदय (धर्मदय) ज ५२१
 धम्मदेशय (धर्मदेशक) ज ५२१
 धम्महड्ड (धर्मरुचि) प ११०१११, १२
 धम्मलक्ख (धर्मलक्ष) प १४३११
 धम्मवर (धर्मवर) ज २६३; ५१२१, २८

धम्मसारहि (धर्मसारधि) ज ५।२१,
 धम्मिय (धार्मिक) उ १।१७, १६, २४; ४।१२, १३,
 १५
 धय (ध्वज) उ ३।१०८, १८४
 धर (धर) प २।३०, ३१, ४०।१०, २।४१, ४६ से ५४
 १ धर (धृ) धरेइ ज ५।४६, ६०, ६६
 धरण (धरण) ज २।३४, ३५, ४०।६ ज ३।१८५,
 २०६; ५।५२
 धरणि (धरणि) ज २।१३२
 धरणिखील (धरणिकील) सू ५।१
 धरणितल (धरणितल) प १।७।१०७, १०६, १११
 ज ३।६।१२, ३५, १०६; ४।२१३, २१५; ५।२१,
 ५८
 धरणिस्मि (धरणिस्मि) सू ५।१
 धरणीयल (धरणीयल) ज ३।१०६, ११७; ५।५, ४४
 उ १।२३, ६१
 धरिज्जमाण (धियमाण) ज ३।६, १८, ७७, ७८, ६३,
 १८०, २२२
 धरैत (धरत्) ज ३।६२
 धव (धव) प १।३६।३
 धवल (धवल) प २।३१ ज १।३७; २।१५; ३।६,
 १७, २१, ३१, ३४, ३५, ११७, १७७, १७८, २११,
 २२२; ५।५८, ७।१७८
 धवलवलभ (धवलवृषभ) ज ५।६२, ६३
 धस (दे०) उ १।२३, ६१
 धाडकम्म (धातुकर्म) उ ३।११५
 धाई (धातृ) उ १।६४
 धाय (धातृ) प २।४७।२
 धायइसंड (धातकीषण्ड) प १।५।५५; १।६।३०;
 १।७।६५ सू ८।१; १।६।७, ८।१, २, १।६।६;
 १।६।२।२५
 धायई (धातकी) प १।३५।२; १।५।५।१
 धायईसंड (धातकीषण्ड) सू १।६।२।२।३, २४
 √धार (धारय्) धारे ज ३।१२६।१
 धारणा (धारणा) ज ३।३
 धारणिज्ज (धारणीय) प २।२।१५, ८०

धारा (धारा) ज २।१४१ से १४५; ३।१२, ११५;
 ११६, १२२, १२४
 धाराहय (धाराहत) ज ५।२१
 धारि (धारिन्) प २।३०, ३१, ४१, ४६
 धारिणी (धारिणी) ज १।३; २।१५ चं न सू १।३
 धारेयव्व (धर्तव्य) सू २०।६।५
 धावण (धावन) ज ३।१७८; ७।१७८
 धिइ (धृति) ज ४।८६ उ ४।२।१
 धिइकूड (धृतिकूट) ज ४।६६
 धिक्कार (धिवकार) ज २।६२
 धिति (धृति) सू २०।६।३, ५
 धुर (धुर) सू २०।८
 धुरय (धुरक) सू २०।८।५
 धुरा (धूर्) ज ३।३५, १७८, १८८
 धुव (ध्रुव) ज १।११, ४७; ३।१६७, २२६; ४।२२,
 ५४, ६४, १०२, १५६; ७।२१०
 धुवराहु (ध्रुवराहु) सू २०।३
 धूमकेउ (धूमकेतु) प २।४८ सू २०।८।४
 धूमकेतु (धूमकेतु) सू २०।८
 धूमप्पभा (धूमप्रभा) प १।५३; २।१, २०, २५;
 ३।१५, १६, २०, १८३; ४।१६ से १८;
 ६।१४, ७७, ७८; १०।१; २०।७, ४१; २१।६७;
 ३३।७, १६
 धूमवट्टि (धूमवर्ति) ज ३।१२, ८८; ५।५८
 √धूमाय (धूमाय्) धूमार्हि (धूमार्हि) ज २।१३१
 धूया (दुहितृ) ज २।२७, ६६ उ ३।११४; ४।६, १६
 धूलि (धूलि) ज २।१३१, १३२
 धूव (धूप) प २।३०, ३१, ४१ ज १।४०; २।६५;
 ३।७, ६.११, १२, २१, ३४, ८५, ८८, ४।१३०,
 १३६, २१८, २४२; ५।७, ५७, ५८ सू २०।७
 उ ३।५०, ११०
 धोत (धौत) ज ३।११७
 धोय (धौत) प २।३१ ज ३।२४
 धोरण (दे०) ज ३।१७८; ७।१७८
 √धोव (धाव्) धोवइ उ ४।२१ धोवसि उ ४।२२

श्रोत्र्य (दे०) ज ३१६७६

न

न (न) उ १३७

नउय (नयुत) ज २१४

नउयंग (नयुताङ्ग) ज २१४

नंद (नन्द) ज २१६४; ३१८५, २०६

नंदण (नन्दन) उ २१२१

नंदणवण (नन्दनवन) उ ५१६, ७, ३६ ३७

नंदा (नन्दा) उ १३०, ३१

नंदि (नन्दि) प १५१५११

नंदिघोस (नन्दिघोष) ज ३१७८

नंदिय (नन्दि) ज ३१५, ६, ८, १५, १६ ३१, ५३,
६२, ७०, ७७, ८१, १००, ११४, १४२, १६५,
१७३, १८१, १८६, १८८, २१३; ५१२७

नंदीमुह (नन्दिमुख) ज २१२२

नंदीसरवर (नन्दीश्वरवर) ज २१११६

नक्षत्र (नक्षत्र) प ११३३; २१२३ से २७, ४८, ५०,
६३ उ २१२२

नगर (नगर) प ११७४ ज २१७१; ३१६, ७७, २२२

नगरावास (नगरावास) प २१४३

नगरी (नगरी) उ १११०

नग्नभाव (नग्नभाव) उ ५१४३

नच्चंत (नृत्यत्) ज ३१७८ उ ११३६

नज्ज (जा) नज्जइ उ ११५४

नट्ट (नाट्य) प २१३०, ३१, ४६ ज ११४५

नट्टविहि (नाट्यविधि) उ ३१७, २१, २५, ६२, १५६,
१६६; ४१५

नट्ठ (नष्ट) ज २१३३

नत्ती (नप्ती) उ ३१११४, ११५, ११६

नत्तु (नप्तु) ज २१६६ उ २१२२

नत्तुय (नप्तुक) उ ११०६, ११०, ११३, ११४;
३१११४

नत्थि (नास्ति) प ११८१; ५१५५; ३६१३३

नदी (नदी) प २१४, १३, १६ से १६, २८;
१५१५१२

नपुंसकालिगसिद्ध (नपुंसकलिङ्गसिद्ध) प ११२२

नपुंसग (नपुंसक) प ११४६ से ५१, ६०, ७५, ७६,
८१; ११२७

नपुंसगवेद (नपुंसकवेद) प १८१६२; २३१७५

नपुंसगवेदग (नपुंसकवेदक) प ३१६७; १३११६

नपुंसय (नपुंसक) प ६१७६

नभ (नभस्) ज २१६५

नमंस (नमस्य) नमंसइ ज ११६; ५१५८

उ १११६; ३१८१; ४१३३; ५१२० नमंसति

उ ४११६; ५१३६ नमंसीहामि उ ३१२६

नमंसेज्ज ज २१६७

नमंसमाण (नमस्यत्) उ १११६

नमंसित्ता (नमस्यत्वा) ज ११६ उ १११६; ३१८१;
४११४; ५१२०

नमिऊण (नत्वा) चं ११२

नय (नय) सू ११२५; २१२; ४१२ उ ११३८, ४०, ४२

नयण (नयन) उ १११५, ३५; ३१६८

नयर (नगर) उ १११२, २८, २६, १२१, १२२; ३१४,
२१, २४, ८६, १५५, १६८, १७१; ४१४, ६७, १३,
१५, १८, २८; ५१२४ से २६, ४३

नयरी (नगरी) चं ६, ७, ८ सू १११ से ३ उ ११६,
१०, १२, १६ ६३, ६५ ६७, ६८, १०५ से १०७,
११०, १११, ११५, १२२, १२५, १२६, १३०,
१३२, १४४, १४५; २१४, ५, १६, १७; ३१६, ११,
२१ २७ से २६, ४६, ४८, ५०, ५५, ६५, ६६, ६६,
१००, १११, ११५, १५८, १६६, १७१; ५१४, ५, ६,
११, १६, ३०, ३३

नर (नर) ज २१६५, ७१

नरग (नरक) प २१२२ से २७, २१२७१३, ४
उ ११२६

नरच्छाया (नरच्छाया) प १६१४७

नरय (नरक) प २१२३; ६१८०१२ उ ११४०

नरवड (नरपति) उ ११२४, १३१; ५११६

नलिण (नलिन) प ११४६, ११४८१४

नलिणहृत्थय (हृत्तगतनलिन) ज ३११०

नलिण्गुम्भ (नलिनीगुम्भ) उ २१२१

नव (नवन्) प ११८११ ज ३१०६ सू ११४
उ ११३

नव (नवम) प १०१४३

नवणउत्ति (नवनवति) सू ११२

नवणउय (नवनवति) सू ११२

नवणवति (नवनवति) सू ११२

नवति (नवति) सू २३

नवम (नवम) प १०१४३, २ उ १७; २१२२

नवरं (दे०) प २४०, ४४, ६२; ५४२, ४३, ४६,
५०, ५४, ६४, ८७, ९८, १०२, १०५, १०८, ११२,
११७, १२२, १३२, १४८, १५१, १६७, १७०,
१७५, १७८, १७९, १८२, १८५, १८८, १९४,
१९८, २०४, २०५, २०८, २१३, २१५, २१६,
२१९, २२२, २२५, २३५, २४०, २४३; ६४६,
५९, ७४ से ७८, ८०, ८१, ८३, ८४, ८६, ८९; ९२,
९४, १००, १०७, १०८, ११२; ११८२, ८३;
१२३१; १३१५; १५६०, ६२, ६६, ६७, १४३;
१७६९; ३६९ सू ११२२ उ ११४८; २१२०;
३७, १३; ४५; ५१३

नवविह (नवविध) प १७१३६

नह (नख) उ १३६, ५५, ५८, ८०, ८३, ९९, ११६
११८; ३१०६, १३८; ५१७

नाइ (जाति) उ ३४२, ११०, १११; ४१६, १८

नाइय (नादित) ज ३७८; ५१२

नाग (नाग) प २३०११, २४०१० ज ३१८५,
२०६

नागकुमार (नागकुमार) प ११३१; २३५; ४४३
से ४५, ५५; ५१८; ६१८, ६१

नागकुमारत्त (नागकुमारत्त) प ३६१२४

नागकुमारराय (नागकुमारराज) प २३६

नागकुमारी (नागकुमारी) प ४४६ से ४८

नागपवय (नागपवत) ज ४२१२

नागमाल (नागमाल) ज २८

नागलता (नागलता) प १३६१

नाडइज्ज (नाटकीय) ज ३७४

नाण (ज्ञान) प २६४१२; ५४३, ८७, १०२, १०५,
११५ ज २७१, ८५; ३२२३; ५२१ उ ३४४

नाणत्त (नाणात्त) प २४०

नाणा (नाना) ज ४१३

नाणाविह (नाणाविध) उ ५१५

नादित (नादित) ज ३२०६

नाम (नामन्) प ११०१५; २३०११, २५८, ६१;
२३१५१ ज १४६; ३२४; ४२६२ चं ६, ७,
८, १० सू १११ से ३, ५, ६ उ ११ से ३, ६ से
१३, २८ से ३२, ६५, १४४ से १४६, १४८;
२४ से ७, १६ से २०, २२; ३४, ६; १०, २१,
२७, २८, ४८, ५०, ५५, ८६, ९५ से ९७, १३२,
१५५, १५७, १५८, १७१; ४७ से ६, २८;
५२११, ४ से ७, ९, ११ से १३, २१, २४ से २६,
४०, ४१

नामधिज्ज (नामधेय) प २६४

नामधेज्ज (नामधेय) ज ३१३५१ सू १०८४
उ १६३; २६; ३१२६

नामय (नामक) चं ५२ सू १६१२

नायव्व (जातव्य) प १४८६, ११०१४, १२
सू ११२५; २१२

नारी (नारी) ज २६५

नालिप्री (नालिकेरी) प १४३२, १४७१

नालियावद्ध (नालिकावद्ध) प १४८४४

नासा (नासा) ज ३२११; ५५८

निउण (निपुण) प २४१ ज ५७

निओय (निपोग) ज ३१७८

√निव (निन्द) निदति उ ३११६

निदिज्जमाण (निन्दिमान) उ ३११८

निबकरय (निम्बकरज) प १३५३

निकुरं (निकुरम्ब) उ ३४६

निक्कं (निक्कङ्कट) ज १३१

निक्कं (निक्कङ्कटछाया) प २३०, ४६,
५९, ६३, ६४

निक्कं (निक्काङ्कित) प ११०११४

निक्कदठ (निकृष्ट) उ ११३८

निकषंत (निष्कान्त) उ ३१७०; ४१२८; ५१२७
 ✓निकषम (निर् + क्रम्) निकषमइ उ १११६
 निकषमण (निष्क्रमण) ज ४१७७ उ ३१०६;
 ४१६६
 निकषममाण (निष्कामत्) सू ११८२, ११२२, ११४,
 १६, १८, १९, २१, २४, २७; २१३; ६११
 निकषमिता (निष्क्रम्य) उ १११६
 निखित (निक्षिप्त) उ ३१४८, ५०, ५५
 निखेव (निक्षेप) उ ११४८
 निगम (निगम) प १७४ ज ३१६, ७७, २२२
 निगर (निकर) ज ३१२, ८८; ५१५८
 ✓निगिण्ह (नि + ग्रह्) निगिण्हइ ज ३१२३, ३७,
 ४४
 निगिण्हिता (निगृह्य) ज ३१२३
 निगोद (निगोद) प ३१६१ से ६३, ७० से ७४, ८२,
 ८४ से ८७, ९४, ९५, १८३; १८१४६
 निगोय (निगोद) प ११४८५६ से ५८; ३१८७
 निगम्य (निगम्य) ज २१७२ उ ३१३८, ४०, ४२,
 १०३, १३६; ४११४; ५१२०
 निगम्यी (निगम्यी) ज ३१०२, ११५, ११७, ११८;
 ४१२२ उ ३१०२, ११५, ११७, ११८; ४१२२
 ✓निगमच्छ (निर् + गम्) निगमच्छइ उ १११६;
 ३११३; ४११३; ५११६
 निगमच्छिता (निगम्य) उ १११६; ३१२६; ४११३
 निगम्य (निगम्य) चं ६ सू ११४ उ ११२, १६; २१६;
 ३१५, १२, २४, ८६, १४७, १५५, १५६; ४१४, १०;
 ५११४, २६, २७, ३७, ३८
 निगोस (निर्घोष) ज ३११२, ७८
 निघस (निकष) ज ११५
 निचिय (निचित) ज ५१५
 निच्च (नित्य) प २१२४, २६, २७
 निच्चच्छणय (नित्यासनक, नित्यक्षणक) उ ५१५
 निच्चालोय (नित्यालोक) सू २०८८६
 निच्चिट्ठ (निष्पेट) उ ११६०, ६१
 निच्छुभितकाम (निक्षेपुकाम) उ ११७३

निच्छय (निश्चय) उ ३१११
 ✓निच्छुहाय (नि + क्षेपय्) निच्छुहावेड उ १११७
 निच्छुहाविय (निक्षेपित) उ १११६
 निच्छूद (निक्षिप्त) उ १११८
 ✓निज्जर (निर् + ज्) निज्जरंति प १४११८
 निज्जरिसु प १४११८ निज्जरिस्संति
 प १४११८ निज्जरेंसु प १४११८
 निज्जरा (निर्जरा) प १४१८१
 निज्जाणसंठिय (निर्याणसंस्थित) सू ४१३
 निज्जाणभूमि (निर्याणभूमि) ज ५१४८
 निज्जाणमग्ग (निर्याणमार्ग) ज ५१४४ उ ३१६१
 निज्जुत्त (निर्युक्त) प २१३०
 निज्जर (निर्भर) ज २१४, १३, १६ से १६, २८
 निट्ठियट्ठ (निट्ठितार्थ) प ३६१६४
 निण (निम्न) ज ३१७७, १०६
 नितंब (नितम्ब) ज ४११६४
 नित्तेय (निस्तेजम्) उ ११३५
 निदाया (दे०) प ३५११८, १६
 निदाह (निदाघ) ज ७१११४१२
 निहा (निद्रा) प २३१६१
 निहायमाण (निद्रायमान) उ ३१२३०
 निद्ध (निगम्य) प ११४ से ६; ५१५, ७, १२६, २१४,
 २१८, २२१, २२६; १३१२२; १७११३८
 ज ३११०६
 निम्न (निम्न) उ ३१५५
 निष्पंक (निष्पङ्क) प २१३०, २१, ४६, ५६, ६३,
 ६४ ज ११३१
 निष्पट्ठपसिण्णमारण (निष्पट्ठप्रश्नव्याख्यान)
 उ ३१२६
 निष्पाण (निष्प्राण) उ ११६०, ६१
 ✓निष्पज्ज (निर् + पद्) निष्पज्जा ज ७१११२१४
 सू १०१२६१४ निष्पज्जंति प ६१२६
 निष्पन्न (निष्पन्न) ज २११८
 निष्पाव (निष्पाव) प ११४५१ ज ३१११६ सेम
 ✓निष्पञ्च (निर् + भस्) निष्पञ्छेइ उ ११५७
 निष्पञ्चणा (निर्भर्त्सना) उ ११५७, ८२

निभ (निभ) ज ३।१०६
 निमज्जक (निमज्जक) उ ३।५०
 निमित्त (निमित्त) उ १।४१, ४३
 निम्मंस (निर्मांस) उ १।३५
 निम्मम (निर्मम) प २।६४।१
 निम्मल (निर्मल) प २।३१, ४१, ४६, ५६, ६३, ६४
 ज ७।१७८
 नियम (निजक) ज २।६३ उ १।१६, १३६; ३।५०,
 ६८, ११०, १११, १२८; ४।१३, १६, १८
 नियत्त (निकुत्त) उ १।२३, ६१
 नियत्थ (दे०निवसित) उ ३।५१, ५३, ५५, ६३, ६७,
 ७०, ७३
 नियम (नियम) प ६।११६; १०।६, २१; ११।५५;
 २१।१०३; २२।५० से ५२, ६७; २७।२
 उ ३।३१
 नियमसो (नियमशस्) प २।६४।११
 नियमा (नियमा) ज ७।४८
 नियल (निगड) उ १।६५, ६६, ६८, ७२, ८८, ६२
 निरंगण (निरङ्गण) प ११।२५
 निरंजण (निरञ्जन) ज २।६८
 निरंतर (निरन्तर) प ६।४७ से ५८, १०६, ११०;
 १०।३५ से ३६, ४१ से ५३; ११।७०; २०।१६,
 ४४, ६०; २२।११, २७, ५३; ३६।२४ ज ५।५, ७
 निरय (निरय) प २।१, १० ज २।१३३
 निरयगति (निरयगति) प ६।१, ६
 निरयपत्थड (निरयप्रस्तर) प २।१
 निरयावलिया (निरयावलिका) प २।१, १० उ १।५
 से ८, १४२, १४३, १४८; २।१; ५।४५
 निरयावास (निरयावास) प २।२५
 निरवकंख (निरवकाङ्क्ष) ज २।७०
 निरवयव (निरवयव) उ ३।७६
 निरवसेस (निरवशेष) प ३।४।२१ ज ४।१६०, २७७
 उ १।१४७
 निरालंबण (निरालम्बन) ज २।६८
 निरालोय (निरालोक) उ १।२२, १४०
 निरावरण (निरावरण) ज ३।२२३

निरुक्कमाउय (निरुक्कमायुष्क) प ६।११५, ११६
 निरुवलेव (निरुपलेप) ज २।६८
 निरुवह्य (निरुपहत) उ ३।३२
 निरोदर (निरुदर) ज २।१५
 निलाड (नलाट) उ १।२२, ११५, ११७, १४०
 निवइय (निपतित) ज ३।२५, ३८, ४६
 √निवज्जाव (नि + सादय्) निवज्जावेइ उ १।४६
 निवज्जावेत्ता (निप.द्य) उ १।४६
 निवडिय (निपतित) उ १।२२, १४०
 निवड्ढेत्ता (निवर्धय्) ज ७।२७
 निवड्ढेमाण (निवर्धयत्) ज ७।२५, २७, ३०
 सू १।२०
 निवत्त (निवृत्त) उ १।६३
 निवयउप्पय (निपातोत्पात) ज ५।५७
 निवह (निवह) ज २।६५; ३।६३, १५७, १६३
 √निवार (नि + वारय्) निवारंति उ ३।११७
 निवारिज्जमाण (निवार्यमाण) उ ३।११८
 निवुड्ढिता (निवर्धय्) सू १।१४
 निवुड्ढेत्ता (निवर्धय्) सू ६।१
 निवुड्ढेमाण (निवर्धमान) सू १।१४, २१, २७; २।३;
 ६।१
 निवेदण (निवेदन) ज २।३०
 निवेश (निवेश) प १।७४ ज ३।१८, ६१, ६६,
 १३१, १३७ उ १।१३३, १३४
 निवेशिय (निवेशित) उ ३।६८
 निव्वत्त (निवृत्त) प २।६७।१ ज ३।१४, ४३, १४६
 निव्वत्तणया (निर्वर्त्तन) प ३।४।१, २, ३
 निव्वत्तणा (निर्वर्त्तना) प १।५।६०, ६५
 निव्वत्तणाहिकरणिया (निर्वर्त्तनाधिकरणिकी)
 प २।२।३
 निव्वत्ति (निवृत्ति) प १।४८।५३
 निव्वाघाड्य (निर्व्याघातिक) ज ७।१८२
 निव्वाघातिम (निर्व्याघातिन्, निर्व्याघातिम)
 सू १।८।२०
 निव्वाघाय (निर्व्याघात) ज २।७ ज ३।२२३
 निव्विट्ठ (निर्विष्ट) ज ३।३२।१, २२१

निर्विदुकाइय-नोईदियउवउत्त

निर्विदुकाइय (निर्विदुकायिक) प १११२७

निर्विदुष्ण (निर्विदुष्ण) उ ११५२, ७७

निर्विदुतिगिच्छा (निर्विदुतिगिच्छा) प १११०११४

निर्विदुसमान (निर्विदुसमान) प १११२७

निर्विदुकर (निर्विदुकर) ज ५३८

√निर्विदुड (नि+वर्धय्) निर्विदुडइ सू ६११

निर्विदुय (निर्विदुय) उ ११६१, ६२, ८६, ८७

√निर्विदुड (निर्+वेष्टय्) निर्विदुडइ सू २१२
निर्विदुडइ सू २१२

निर्विदुयण (निर्विदुयण) उ ११६१, ६२, ८६, ८७

निसंत (निशान्त) उ ३११३८

निसड (निषड) ज ४१६४ उ ५१२१, ५१३३, २०,
२२, २३, ३१, ३२, ३४ से ४३

निसम्म (निशम्म) ज ३१६१ उ ११२१; ३१३३;
४११४; ५१३०

निसामैत्तए (निशामितुं) उ ३११०२, १३४

निसास (निःश्वास) ज ३१२२१ उ ५१४३

√निसीय (नि+षद्) निसीयइ उ ११४१

निसीयित्ता (निषड) उ ११४१

निसीहिया (निषीधिका, नैषेधिकी) उ ४१२१ से २३

निसेण (निषेक) प २३१७४

निस्संकिय (निःशंकित) प १११०११४

निस्सग (निशगं) प १११०११४

निस्सासविस (निःश्वासविष) प ११७०

निहाण (निधान) प १११२

निहिरयण (निधिरत्न) ज ३१६६ से १६८

√नीण (नी) नीणइ उ ११६७

नीय (नीय) उ ३११००, १३३

नीरय (नीरजस्) प २१४१, ४६, ५६, ६३, ६४

नील (नील) प ११४ से ६; ५१२०५; १११५३;
२८१२० ज ४१२६

नीलपत्त (नीलपत्र) प ११५१

नीलमत्तिया (नीलमृत्तिका) प १११६

नीललेस्स (नीललेश्य) प १७१६४

नीललेस्सा (नीललेश्या) प १७३७

नीलवंत (नीलवत्) ज ४११४२३, १७८, १८०, २०७
२२७

नीलासोय (नीलाशोक) प १७१२४

नीली (नीली) प १३७११ नील

नीव (नीय) ज ५१२१

√नीसस (निर्+श्वस्) नीससंति प ७११ से ४,
६ से ३०; १७१२५

नीसा (निश्रा) ज २१३३३

नीसास (निःश्वास) प ११४८५३ ज २१४११;
५१५८

नीहरण (निर्हरण) उ ११६२

नूणं (नूनम्) उ ३१३८

नेउर (नुपूर) ज ११२६

नेमि (नेमि) ज ३१३५

नेयव्व (नेतव्य) प २१४७३; ३६१२७ ज ४१७५
सू २१२; ४१२ उ ११४८; २१२२; ५१४५

नेरइय (नैरयिक) प ११५२, ५३; २१२० से २७;
३११० से २३ ३८, ३९, १२६, १८३; ४११, ८४
से २४; ५१३ से ५, ८, २२, २७ से ३४, ३६, ३७,
४०, ४१, ४४, ४५; ६१० से १६, ४५, ४७, ५१,
५८, ६०, ६५, ६८, ७०, ७३ से ७८, ८० से ८६,
८७, ८८, ९० से ९३, ९६, ९९, १०१ से १०३,
१०५, १०६, ११०, ११४, ११७, ११९, १२१;
७११; ८१२, ४, ५; ९१२, १४, २१, २४; १०१२,
५१; १११४०, ४१, १११६०, ६१, ८८; १०१३३;
१७१६, १०१; १८१२; २०१६३; २०१७६;
२८१०६; ३६१२२ उ ११२६, १४०

नेरइयअसण्णिआउय (नैरयिकासंज्ञायुक्त)
प २०१६४

नेरइयत्त (नैरयिकत्व) उ ११२६, २७, १४०

नेवत्थ (नेपथ्य) ज ३११७८

नेसण (नैसर्प) ज ३१६७११

नेह (स्नेह) उ ११७२, ७३, ८७, ८८, ९२

नो (नो) प ५१२ सू ११८ उ १११५, ३१३४;
४१२२

नोईदियउवउत्त (नोईन्द्रियोपयुक्त) प ३११७४

नोइन्द्रियजवणिज्ज (नोइन्द्रिययापनीय) उ ३।३२,
३४

नोजुग (नोयुग) सू १२।७

नोपज्जत्तमनोअपज्जत्तग (नोपपिप्पकनोअपर्याप्तक)
प ३।११०

नोपज्जत्तनोअपज्जत्त (नोपपिप्पनोअपर्याप्त)
प ३।११०

नोपरित्तनोअपरित्त (नोपरीतनोअपरीत) प ३।१०६

नोभवसिद्धियनोअभवसिद्धिय

(नोभवसिद्धिकनोअभवसिद्धिक) प ३।११३

नोसंजत्तनोअसंजत्तनोसंजत्तासंजत्त

(नोसंजत्तनोअसंजत्तनोसंजत्तासंजत्त) प ३।१०५

नोसंजयमनोअसंजयनोसंजत्तासंजत्त

(नोसंजत्तनोअसंजत्तनोसंजत्तासंजत्त) प ३।१०५

नोसण्णिनोअसण्णि (नोसंजित्तनोअसंजित्त) प ३।११२

नोसुहुमनोबादर (नोसुहुमनोबादर) प ३।१११

प

पइदुठ (प्रतिष्ठ) ज ७।११४।१

पइदुठा (प्रतिष्ठा) ज ५।२१

पइदुठाण (प्रतिष्ठान) ज ३।१६७।११, ३।२०६,
२।१०; ४।२६; ५।५६

पइदुठित्त (प्रतिष्ठित) प २।६४।२

पइदुठिय (प्रतिष्ठित) प २।६४।३; १।४।१८।१

पइण्ण (प्रकीर्ण) ज ३।१२०

पइण्णग (प्रकीर्णक) प १।१०१।८

पउज (प्रयुज्ज) पउज्ज ज २।६०, ६३; ३।५६,
१।४५; ५।२१, ५८ पउज्जति ज २।१८; ३।११३;
१।८५, २०६; ५।३

पउजमाण (प्रयुज्जान) ज ३।१७८

पउजित्ता (प्रयुज्ज) ज २।६०

पउदुठ (प्रकीर्ण) ज ७।१७८

पउम (पद्म) प १।४६, १।४८।४१, ४४, ६२;

२।४६; १।१२५ ज १।५१; २।४, १।५, १।६; ३।३,

१०, १०६; २०६; ४।६, ७, १४, १।५, १।७ से २२,

३०, ६०, ६४, ८४, १।५४, १।५५, २।६६, २।७२;

५।५५, ५६; ७।१७८ उ २।२, ६ से १३

पउम (कंव) (पद्मकन्द) प १।४८।४२

पउमंग (पद्मङ्ग) ज २।४

पउममुग्ग (पद्मगुल्म) उ २।२।१

पउमहह (पद्मग्रह) ज ४।३, ४, ६, २२, २३, ३७,
३८, ६४, ८६, १।४१; ५।५५

पउमपत्त (पद्मपत्र) ज ५।३२

पउमप्पभा (पद्मप्रभा) ज ४।१५४, १।५५।१, २२१

पउमभद्द (पद्मभद्र) उ २।२।१

पउमलत्ता (पद्मलता) प १।३६।१

पउमलया (पद्मलता) ज १।३७; २।११, १०१;

४।२७; ५।२८, ३२, ३४; ७।१७८

पउमवरवेइया (पद्मवरवेदिका) ज १।१० से १२,
१४, २३, २५, २८, ३२, ३५, ५१; ४।१३, २५, ३१,
३६, ४३, ४५, ५७, ६२, ६८, ७२, ७६, ७८, ८६,
८५, १०३, ११०, ११८, १।४१, १।४३, १।४८, १।४९,
१।७८, १।८३, २००, २०१, २।२३, २।२५, २।३४, २।४०
से २४२

पउमसेण (पद्मसेत) उ २।२।१

पउमा (पद्मा) प १।४८।४ ज ४।१५५।१, २२१

पउमहत्थगय (हस्तगतपद्म) ज ३।१०

पउमावई (पद्मावती) ज ५।१०।१ उ १।११,

६६ से १०२, १।४४; २।४, ७ से ६, १।६; ५।२५

पउमुत्तर (पद्मोत्तर) प १।७।१३५ ज ४।२२५।१,
२२६

पउमुत्तरा (पद्मोत्तरा) ज २।१७ चीनी, खांड

पउमुत्तपिधाण (पद्मोत्तपिधान) ज ३।२०६

पउय (प्रयुत) ज २।४

पउयंग (प्रयुताङ्ग) ज २।४

पउर (प्रचुर) ज २।१३१; ३।१०३ उ ५।५

पउरजंघा (प्रचुरजंघा) ज २।५३, १।६२

पउरजण (पौरजन) ज २।६५

पउल (दे०) प १।४८।६

पउस (पओस) प १।८६

पञ्चसिया (बकुसिका) ज ३।११।१

पणस (प्रदेश) प १।४, १।४८।५८, ५९; २।६४,
२।६४।११; ३।१८०; ५।१३२, १३६ से १४५,
१६०, १६१, १७६ १६५, २१४, २१६; १।०२ से
५, १८ से २४, २६ से ३०; १।१५०; १।५।१।१;
१।५।१२, २५, ५४; १।७।१४१; २।१।१।१;
२।२।५६; ३।६।८२ ज २।१५; ३।१।१७; ५।३८;
६।१, ३; ७।१७८

पणसट्ठया (प्रदेशार्थ) प ३।१२२, १८०; ५।२४,
२८, ६८, ७८, ८६, ११५, १३६, १३८, १४०, १४३,
१४७, १५०, १५४, १६३, १६६, १६८, १६७,
२००, २१४, २१८, २२१, २३०, २४२; १।०३, २७
से २६; १।५।१३, २६, ३१; १।७।१४४ से १४६;
२।१।१०४ उ ३।४४

पओग (प्रयोग) प १।१।५, १६।१ से ८, १८
ज ३।१०३, १।१५, १।२४, १।२५

पओगगति (प्रयोगगति) प १६।१७ से २१

पओगि (प्रयोगिन्) प १६।१० से १५

पओय (प्रयोग) उ ३।१०१

पंक (पङ्क) प १६।५४

पंकगति (पङ्कगति) प १६।३८, ५४

पंकपभा (पङ्कप्रभा) प १।१३; २।१, २०, २४;

३।१४, २०, २१, १८३; ४।१३ से १५; ३।१३,
७६, ७७; १।०१; २।०६, १०, ४०; २।१६७; ३।३।६,
१६ उ १।२६, २७, १४०

पंकवहुल (पङ्कवहुल) ज २।१३२

पंकय (पङ्कय) ज ३।३५

पंकायई (पङ्कावती) ज ५।१६३ से १६६

पंकावती (पङ्कावती) ज ४।१६५

पंच (पञ्चन्) प १।७४ ज १।६ चं ३।३ सू १।७
उ १।२

पंच (पञ्चम) प १।०।१।४।४ से ६

पंचक (पञ्चक) प २।३।१।४

पंचग (पञ्चग) प २।३।१५५, १७७, १८०

ज ७।१३१२

पंचगुलितल (पंचांगुलितल) ज ३।५६

पंचगुलिया (पञ्चाङ्गुलिका) प १।४०।१

पञ्चगि ((पञ्चगानि) उ ३।५०

पञ्चणउय (पञ्चनयति) ज ४।११८

पञ्चतीत (पञ्चविंशत्) सू १।३।२५

पञ्चपणसिय (पञ्चप्रदेशिक) प १।०।१०

पञ्चम (पञ्चम) प ३।१६, १८३; ६।८०।१;

१।०।१।४।३; १।२।३२; १।७।६५; २।२।४।४।२;

३।३।१६; ३।६।८५, ८७ ज २।८८; ४।१०६;

७।१०१ से ११०, १३१।१ सू १।०।७७, १।२७;

६।३; १।१।२।६; १।२।६; १।३।१० उ २।२२;

३।७।४, ७६, १।५४, १६६, १६७; ५।१, ३, ४५

पञ्चमी (पञ्चमी) ज ३।२।४।४; ३।७।२; ४।५।२, १।१८,
१।२५, १।३।१४ सू १।०।६०; १।२।२८

पञ्चमुट्ठिय (पञ्चमुट्ठिक) ज ३।२।२४ उ ३।११३

पञ्चय (पञ्चक) प २।३।२६, २।७, ६१

पञ्चराइय (पञ्चरात्रिक) ज २।७०

पञ्चलइया (पञ्चलतिका) ज ३।८८

पञ्चवण (पञ्चवर्ण) ज १।१३, २१, २६, ३३, ३७,

३६; २।७, ५७, १।२२, १।२७, १।४७, १।५०, १।५६,

१।६४; ३।१, ७, २६, ३६, ४७, ५६, ६४, ७२, ८८,

१।१३, १।३३, १।३८, १।४५, १।६२; ४।६३, १।१४;

५।३२, ४३ सू २।०।२

पञ्चणिय (पञ्चगणिक) ज ३।११७

पञ्चिघ (पञ्चविध) सू २।०।७

पञ्चविह (पञ्चविध) प १।४, १।४, १।५, ५५, ५८, ६६,

१।२४, १।३३, १।३८; १।१।७२; १।३।४, ६, १।२, २।४

से २६, २८; १।५।५८ से ६०, ६२, ६३, ६५ से

६७; १।६।५, १।७, २।५, २।७; २।१।२, ३, ५।५, ७।५, ७६,

६४; २।३।१।७, २।३, २।५, २।७, ४०, ४१, ४३, ४४, ४६,

५६; ३।४।१।७, १।८ ज २।१।४५; ३।८२, १।८७,

२।१८; ७।१।०।५, १।११, १।१२ सू १।०।१२७ से

१।२६; १।६।२।२।१ उ ३।१।५, ८४, १।२१, १।६२;

४।२४; ५।२५

पञ्चवीस (पञ्चविंशति) सू १।२१

पंचसद्वय (पञ्चशक्ति) ज ४।१६२, १६८, २०४,

२१०, २३७, २६३, २६६, २७५

पंचसत्तर (पञ्चसप्तति) सू १६।२२।३२

पंचसत्तर (पञ्चसप्तति) सू १८।४

पंचाणुद्वय (पञ्चानुव्रतिक) उ ३।७६

पंचाल (पाञ्चाल) प १।६३।२

पंचावण (दे० पञ्चपञ्चाशत्) ज ७।८१, ८४

पंचासीद्व (पञ्चाशीति) ज ७।२५

पंचासीत (पञ्चाशीति) सू १३।१

पंचासीति (पञ्चाशीति) सू २।३

पंचिद्वय (पञ्चेन्द्रिय) प १।५२, ५४, ५५, ६६,

१३८; २।१६, २८; ३।१५३ से १५५, १८३;

४।१०५; ५।३; ६।१०७; १।२।५; १३।१४; १५।३५;

१७।२३; २०।३४, ३५; २१।४३, ७०; २२।३१;

२३।१६५ ज ३।१६७।५

पंचिद्वयरयण (पञ्चेन्द्रियरत्न) ज ३।२२०;

७।२०३, २०४

पंचेद्वय (पञ्चेन्द्रिय) प १।१४, ६० से ६२, ६६ से

६८, ७६, ७७, ८१; ३।२४, ४० से ४२, ४८, ४९,

१८३; ४।१०४, १०६ से १५७; ५।२२, ८२, ८३,

८५, ८६, ८८, ८९, ९२, ९३, ९६, ९७; ६।२१, २२,

५४, ६५, ७१, ७८, ८३, ८७, ८९, ९२, १००, १०२,

१०५, १०७, ११६; ६।६, ७, १६, १७, २२, २३;

११।४६; १२।३१; १३।१८, १९; १५।१७, ४६,

८७, ९७, १०२, १०३, १०६, १२१, १३८; १६।७,

१४, २७; १७।३३, ३५, ४१ से ४३, ६३ से ६८,

८६, ९७, १०४; १८।१६, १८, २४; १९।४;

२०।१३, १७, २३, २५, २६, ३४, ४८; २१।२, ७ से

१६, १६, २०, २६ से ३२, ३६, ४६, ५१ से ५५,

५८ से ६२, ६५, ६८, ६९, ७१, ७७, ८२, ८८, ९४;

२२।७४, ८७, ९६; २३।४०, ८६, १५०, १६७,

१७१, १७६, १७७, १८६, १८६ से २०१; २४।७;

२८।४७, ४८, ६८, ११६, १३०, १३६, १३७,

१४२, १४४, २६।१५, २२; ३१।४; ३२।३; ३३।१,

१२, २१, २८, ३०, ३६; ३४।३, ८; ३५।१४, २१;

३६।७, ४०, ५१, ५७, ७२, ७३, ६२

पंजर (पञ्जर) प २।४८ ज ३।११७; ४।४६

पंजलिड्ड (प्राञ्जलिपुट) ज ३।१२५, १२६; ५।५७

उ १।१६

पंजलियड (प्राञ्जलिपुट) ज १।६; २।६०; ३।२०५,

२०६; ५।५८

पंङग (पण्डक) उ ३।३६

पंङगवण (पण्डकवत) प २।१८७ ज ३।२०८;

४।२१४, २४१, २४२, २४४, २४५, २४६, २५१,

२५२; ५।४७, ५५

पंङर (पाण्डुर) प २।३१; ४।०८

पंङिय (पण्डित) ज ३।३२

पंङुकंबलसिला (पाण्डुकम्बलशिला) ज ४।२४४,

२४६

पंङुमत्तिया (पाण्डुमृत्तिका) प १।१६

पंङुय (पाण्डुक) ज ३।१६७।३

पंङुयय (पाण्डुक) ज ३।१६७।१, १७८

पंङुर (पाण्डुर) ज ३।११७, १८८

पंङुरोग (पाण्डुरोग) ज २।४३

पंङुलइयमुही (पाण्डुरकितमुखी) उ १।३५

पंङुसिला (पाण्डुशिला) ज ४।२४४ से २४७

पंति (पङ्क्ति) ज २।६५; ३।२०४; ४।११६

सू १६।२२।७, ८, ९

पंतिया (पङ्क्तिका) उ ३।११४

पंसु (पांशु, पांसु) ज २।१३३; ३।१०६

पंसुकोलियय (प्रांशुकीडितक) उ ३।३८

पकड्ड (प्र + कृप्) पकड्ड ज ५।४६

पकड्डिजमाण (प्रकृष्यमाण) ज ५।४४

पकर (प्र + कृ) पकरेति प ६।११४ से ११६;

२०।८ से १३ ज ७।५६ सू १६।२४

पकरेति प २०।६३

पकरेमाण (प्रकुर्वत्) प ६।१२३; २०।६३

पक्क (पक्व) प १६।५५

पक्कणिय (दे०) प १।८६

पक्कणी (दे०) ज ३।११२

पक्कमंत (प्रकामत्) ज ३१०६
 पक्कट्टगसंठाणसंठित (पक्केष्टकसंस्थानसंस्थित)
 सू १६१२६
 पक्कट्टगसंठाणसंठिय (पक्केष्टकसंस्थानसंस्थित)
 ज ७१५८
 पक्कोलिय (प्रकीडित) ज ३११, १२, २८, ४१, ४६,
 ५८, ६६, ७४, १४७, १६८, २१२, २१३
 पक्क (पक्ष) प ७१२, ७ से ३० ज २१४, ६४, ६६,
 ८८, ७११५, ११६, ११८, ११९, १२६, १२७
 सू ६११; ८११; १०८५, ८७, ६०, ६१
 पक्कच्छाया (पक्षच्छाया) सू ६१४
 √पक्कल (प्र+स्खल्) पक्कलेज्ज उ ३१५५
 पक्खि (पक्खिन्) प ६१८०११; १११४; २११४७१
 ज २११३१ सू २०१२
 पक्खित्त (प्रक्षिप्त) प १२१३२ उ ११६०
 √पक्खिप्प (प्र+क्षिप्) पक्खिप्पई ज ३१६८
 √पक्खिव (प्र+क्षिप्) पक्खिवइ उ ११४६; ३१५१
 पक्खिवन्ति ज २१२०; ५११६ पक्खिवेज्जाहि
 सू २०१६३
 पक्खिवित्ता (प्रक्षिप्य) ज २१२० उ ११६१;
 ३१४१
 पक्खिविराली (पक्खिविराली) प ११७८
 पक्खुभिय (प्रक्षुभित) ज ३१२२, ३६, ७८, ६३, ६६,
 १०६, १६३, १८०
 पक्खेवाहार (प्रक्षेपाहार) प २८१४०, ६६, १०२, १०३
 पक्खेवाहारत्त (प्रक्षेपाहारत्व) प २८१४०, ६६
 पक्खोलणय (प्रस्खलत्) उ ३११३०
 पगइ (प्रकृति) ज २११६; ३१३, ११७; ७११८०
 उ ५१४०, ४१
 पगइभइ (प्रकृतिभइ) ज ११४१; २१३६, ४१
 पगडि (प्रकृति) प २३१११
 पगय (प्रगत) उ ५१२११
 पगरेमाण (प्रकुर्वत्) प ६१२२३
 पगार (प्रकार) ज ३१८१
 पगास (प्रकाश) प २१३१ ज २११५; ३१३५, ११७,
 १८८; ४११२५; ५१६२; ७१७८ उ ५१६

√पगास (प्र+काश्) पगासइ ज ४१६१, २७३,
 ७११७८ पगासेति सू ३११ पगासेति सू ३१२
 पगिज्झिय (प्रगृह्य) उ ३१४२
 √पगिण्ह (प्र+गृह्) पगिण्हइ ज ३१२०, ३३, ५४,
 ६३, ७१, ८४, १३१, १३७, १४३, १६६, १८२
 पगिण्हति ज ३११११
 पगिण्हित्ता (प्रगृह्य) ज ३१२०
 पगहेत्तु (प्रगृह्य) ज ३११२, ८८; ५१५८
 पयसिय (प्रघषित) ज ३१३५
 पच्चकख (प्रत्यक्ष) ज ३११, २४१३, ३७११, ४५११,
 १३११३ उ ५१४
 पच्चकखयाधिणीय (प्रत्यक्षविनीत) ज ३१०६
 पच्चकखवयण (प्रत्यक्षवचन) प १११८६
 पच्चकखाण (प्रत्याख्यान) प २०११७, १८, ३४
 पच्चकखाणावरण (प्रत्याख्यानावरण) प १४१७;
 २३१३५
 पच्चकखाणी (प्रत्याख्यानिनी) प १११३७१
 पच्चणुभवमाण (प्रत्यनुभवत्) प २१२० से २७
 पच्चणुभवमाण (प्रत्यनुभवत्) ज १११३, ३०, ३६;
 ३१२६, ४१२ सू २०१७ उ ११११, ६८, ६६;
 ३१११४, ११५, ११६
 पच्चत्थाभिमुहि (पश्चिमाभिमुखिन्) ज ४१४२, ७७,
 २६२
 पच्चत्थिम (पश्चात्त्य) प ३११ से ३७, १७६ १७८,
 ज ११६, १८, २०, २३, २४, ३५, ४१, ४६, ४८,
 ५१; ३११, ४४, ६८, ६९, ६७, १२८; ४११, १६,
 २६, ३७, ४२, ४५, ४८, ५५, ५७, ६२, ७७, ८१, ८४,
 ८६, ९४, ९८, १०३, १०८, १२६, १३५, १४३,
 १५११२, १६२, १६७, १६९, १७२ से १७८, १८१,
 १८२, १८४, १८५, १९०, १९१, १९३, १९४,
 १९६, १९७, १९८, २०० से २०३, २०५, २०६,
 २०८, २०९, २१३, २१५, २२६, २३२, २३८,
 २५१, २६२, २६५, २६६, २७१, २७२, २७४,
 ५११०, ३६; ६११६ से २४, २६; ७१७८
 सू २११; ८११; १३१३२, १४, १६; १८११४;

२०१२ उ ३१५४
 पञ्चस्थिमलवणसमुद् (पाण्वात्यलवणसमुद्)
 ज ४१२६८, २७७
 पञ्चस्थिमल (पाण्वात्य) प १६१३४ ज ११२०,
 २३, ४८; २१११६, ३१४७, ७६, ६५, १४६, १५०,
 १५६, १६१, १६४; ४१३७, ५५, ६२, ८१, ८६, ६८,
 १०८, १७२, २१२, २१३, २३०, २३१, २३८;
 ७११७८ सू २११; १०११४२; १३११४, १६
 पञ्चस्थियु (प्रत्यवस्तुत) ज ३१११७
 √पञ्चपिण (प्रति + अप्य) पञ्चपिणह
 ज ३१३२, १७१; ५१७१ पञ्चपिणति ज ३१८,
 १३, १६, २६, ४२, ५०, ५६, ६७, ७५, १४८, १६६,
 १७४, १७६, १६८, २००, २१३; ५१७०, ७३
 पञ्चपिणति ज ३११६, ५३, ६२, ७०, १४२,
 १६५, १८१; ५१५ पञ्चपिणह ज २११०५;
 ३१७, १२, १५, ४१, ४६, ५८, ६६, ७४, १३०, १४७,
 १६८, १७३, १७५, १६१, १६६, २१२; ५१६६
 ७२ उ १११७; ४११६; ५११८ पञ्चपिणामि
 उ १११०६ पञ्चपिणामो उ १११२७
 पञ्चपिणाहि ज ३११८, ३१, ५२, ६१, ६६, ७६,
 ८३, ६८, १२८, १४१, १५१, १५४, १६४, १७०,
 १८०; ५१२८, ६८ उ ११११५ पञ्चपिणिज्ज
 उ १११२८ पञ्चपिणिज्जा प ३६१६१

पञ्चय (प्रत्यय) ज ३११०६

पञ्चामित्त (प्रत्यामित्र) ज २१२८

√पञ्चाया (प्रति + आ + जन्) पञ्चायाति ज ६१४
 पञ्चायाति ज २१६४ पञ्चायाहि उ ५१४३

पञ्चायात (प्रत्याजात) ज २११३३

पञ्चावड (प्रत्यावर्त) ज ५१३२

पञ्चावरणह (प्रत्यापराणह) उ ३१५६, ६४, ६८, ७१,
 ७४, ७६

पञ्चुद्धित्तए (प्रत्युत्थातुम्) उ ३१५५

√पञ्चुणम (प्रति + उत् + णम्) पञ्चुणमइ
 ज ५१२१, ५८

पञ्चुणमिता (प्रत्युत्तम्य) ज ५१२१

√पञ्चुत्तर (प्रति + उत् + त्) पञ्चुत्तरइ ज २१२८,
 ४१, ४६ उ ३१५१

पञ्चुत्तरिता (प्रत्युत्तीर्य) ज २१२८ उ ३१५१

पञ्चुत्पण (प्रत्युत्पन्न) ज २१६०; ३१२६, ३६, ४७,
 ५६, १३३, १३८, १४५; ५१३, २२

√पञ्चुवसम (प्रति + उप + शम्) पञ्चुवसमंति
 ज ५१७

पञ्चुवसमिता (प्रत्युपशम्य) ज ५१७

√पञ्चुवेख (प्रति + उप + ईक्ष्) पञ्चुवेखइ
 ज ३११८७

पञ्चुवेखिता (प्रत्युपेक्ष्य) ज ३११८७

पञ्चोषड (दे०) ज ४१३, २५

पञ्चोरभिता (प्रत्यवरुह्य) ज ४१३३

√पञ्चोरुह (प्रति + अव + रुह्) पञ्चोरुहइ
 ज ३१६, २०, ३३, ५४, ६३, ७१, १४३, १५१, १६६,
 १८२, १८६, २०४, २१४; ५१२१, ४४ उ १११६;
 ३१५१ पञ्चोरुहि ज ३१२१५; ५१५, ४५
 पञ्चोरुहि ज ३१२८, ४१ पञ्चोरुहेइ
 ज ३११११; ४११८

पञ्चोरुहिता (प्रत्यवरुह्य) ज २१६५ उ १११६,
 ३१५१; ४११५

√पञ्चोसक (प्रति + अव + षक्) पञ्चोसकइ
 ज ३११२, ८८, १५५ पञ्चोसकति सू २०१२
 पञ्चोसकित्था ज ३१८६, १०२, १५६, १६२

पञ्चोसकित्ता (प्रत्यवष्कप्य) ज ३११२

पञ्छभाग (पश्चाद्भाग) सू १०१४, ५

पञ्छा (पश्चात्) प ३४११, २; ३६१८५, ८८ सू १०१५
 उ २१७, ५१, ५३, ५४, ६१, १०७, ११८, १३६;
 ४१२१

पञ्छाकड (पश्चात्कृत) सू ८११

पञ्चिम (पश्चिम) ज २१५५, ५७ से ५६, ६४, १२६,
 १५५, १५६; ३१३५११

पञ्चिमकंठभाओवगता (पश्चिमकण्ठभाओवगता)
 सू २१४

पञ्चिमद्वारिया (पश्चिमद्वारिका) सू १०१३३१

पच्छिमग (पश्चिमक) प १७।७०

पच्छिमड्ड (पश्चिमार्ध) प १६।३०

पच्छिमद्व (पश्चिमार्ध) प १६।३०; १७।१६५

√ पच्छोल (प्र+क्षालय) पछोलेंति ज ५।५७

पच्छोवचण्णग (पश्चादुपपन्नक) प १७।४, ६, १६, १७

पजंपिय (प्रजल्पित) उ ३।६८

पज्जत्त (पर्याप्त) प १।१७, २२, ३१, ४८।६०,

१।४६ से ५१, ६०, ६६, ७५, ७६, ८१; २।१६ से
३६, ४१ से ४३, ४८ से ६३; ३।१२, ४३ से
४६, ५३ से ६०, ६४ से ७१, ७५ से ८४, ८८
से ९५, ११०, १७४; ४।५५, ७८, ८७, ९०, ९१,
९४, ९७, १००, २३६, २४२, २४५, २४८, २५१,
२५४, २५७, २६०, २६३, २६६, २६९, २७२,
२७५, २७८, २८१, २८४, २८७, २९०, २९३,
२९६, २९९; ६।६८; १८।११२; २१।६, १६, १८,
२३ से ३४, ३६, ४०, ४१, ४४, ४८, ५०, ५३, ५५;
२३।१६३, १६५

पज्जत्तग (पर्याप्तक) प १।२०, २३, २५, २६, २८,

२९, ४८ से ५१, ५३, १३१ से १३३, १३५,
१३७, १३८; २।१ से १६; ३।४२ से ४६, ५२ से
६०, ६३ से ७१, ७४ से ८४, ८७ से ८९, ९१, ९२,
९४, ९५, ११०, १४३, १४६, १८३; ६।७१, ७२,
८३, ९७, १०२, ११३; ११।३६, ४१; १५।४६;
२१।५, १०, १३, २०, ४१, ५२ से ५५, ७२;
३४।१२; ३६।६२

पज्जत्तगणाम (पर्याप्तकणामन्) प २३।३८, १२०

पज्जत्तभाव (पर्याप्तभाव) उ ३।१५, ८४, १२१,

१६२; ४।२४

पज्जत्तय (पर्याप्तक) प ३।७४, ८७, ८९, ९०, ९२,

९३, ९५, १४६, १५२, १५५, १५८, १६१, १६४,
१६७, १७०, १७३, १७४, १८३; ४।३, ६, ९, १२,
१५, १८, २१, २४, २७, ३०, ३३, ३६, ३९, ४२,
४५, ४८, ५१, ५४, ५८, ६१, ६४, ६७, ६८, ७१, ७४,
७५, ८१, ८४, १०३, १०६, १०९, ११२, ११५,
११८, १२१, १२४, १२७, १३०, १३३, १३६,

१३९, १४२, १४५, १४८, १५१, १५४, १५७,

१६०, १६४, १६७, १७०, १७३, १७६, १७९,

१८२, १८५, १८८, १९१, १९४, १९७, २००,

२०३, २०६, २०९, २१२, २१५, २१८, २२१, २२४,

२२७, २३०, २३३, २३६; ६।७१, ७२, ७६, ८३,

९७, ९८, १०२; ११।३१ से ३४; १८।६ से १२,

१६ से २४, ३१ से ३६, ४०, ४६ से ५१, ५३,

५४, ११३; २१।४०, ४२, ४४, ४५; २३।१६६,

१६९ से २०१; २८।१४२; ३६।६२

पज्जत्ति (पर्याप्ति) प १।८४; २३।१६५, १६६,

१६९ से २०१; २८।१०६।१, २८।१४२

उ ३।१५, ८४, १२१, १६२; ४।२४

पज्जव (पर्यव) प ३।१२४; ५।१ से ७, ९ से २०,

२३, २४, २७ से ३४, ३६ से ३८, ४० से ४२,

४४, ४५, ४८, ४९, ५२, ५३, ५५, ५६, ५८, ५९,

६२, ६३, ६७, ६८, ७०, ७१, ७३, ७४, ७७, ७८,

८२, ८३, ८५, ८८, ८९, ९२, ९३, ९६, ९७, १००

से १०७, ११० से ११२, ११४, ११५, ११८,

११९, १२८ से १३०, १३३, १३७ से १३९,

१४४, १४६, १४९, १५०, १५४, १५६, १६३,

१६०, १६३, १६७, २००, २०३, २०५, २०७,

२११, २१४, २१८, २२१, २२४, २२८, २३० से

२३२, २३७, २३९, २४१, २४२, २४४; १०।५

ज २।५१, ५४, ७१, १२१, १२६, १३०, १३८,

१४०, १४९, १५४, १६०, १६३; ७।२०९

उ ३।४७

पज्जवसाण (पर्यवसान) प ११।६६, ६७; १४।१८;

२८।१६, १७, ६२, ६३; ३६।२० ज २।६४; ५।५६;

७।२३, २५, २८, ३०, ४५ सू १।१४, १६, १७,

२१, २४, २७; २।३; ६।१; १०।१; ११।२ से ६

उ ३।४०

पज्जवसित (पर्यवसित) सू ११।२ से ६

पज्जवसिथ (पर्यवसित) प ११।३०

पज्जुण्ण (प्रद्युम्न) प ५।१०

पज्जुवट्ठिय (प्रद्युम्नस्थित) प १६।५२

√पञ्जुवास (परि+उप+आस्) पञ्जुवासइ
 ज २।६०, ६३; ५।४८, ५०, ५८, ६५ उ १।१६;
 ३।१३; ४।१३; ५।१६ पञ्जुवासंति ज ३।२०५,
 २०६; ५।४६ उ ५।३६ पञ्जुवासामि उ १।१७
 पञ्जुवासिज्जा उ ५।३६ पञ्जुवासीहामि
 उ ३।२६ पञ्जुवासेज्ज ज २।६७
 पञ्जुवासणया (पर्युपासन) उ १।१७
 पञ्जुवासणिज्ज (पर्युपासनीय) ज ७।१८५
 सू १८।२३
 पञ्जुवासमाण (पर्युपासीन) ज १।६ चं १०
 उ १।४; ५।२२
 पञ्जुभामाण (प्रभञ्जुभामान) ज ५।३८
 पट्ट (पट्ट) ज ३।२४, ३५, ७७, १०७, ११७, १२४;
 ४।१३ सू २०।७ उ १।१३८
 पट्टगार (पट्टकार) प १।६७
 पट्टण (पत्तन) प १।७४ ज २।२२, १३१; ३।१८,
 ३१, ३२, ८१, १६७।२, १८०, १८५, २०६, २२१
 उ ३।१०१
 पट्टणपति (पत्तनपति) ज ३।८१
 पट्टिया (पट्टिका) ज ३।७७, १०७, १२४ उ १।१३८
 पट्ठ (पुट्ट) ज २।१५; ३।१०६।१।१७ उ १।६७
 पट्ठविद्य (प्रस्थापित) प २०।३६
 पट्ठित (प्रस्थित) प १६।५२
 पट्ठिय (प्रस्थित) प १६।५२
 पड (पट) ज ३।६, ८१, १२५, १२६, २२२
 √पड (पत्) पडइ उ १।५१
 पडमंडव (पटमण्डप) ज ३।८१
 पडल (पटल) ज २।१३१; ३।११; ४।३, २५
 पडलग (पटलक) ज ५।५५
 पडलहत्थम (पटलहस्तक) ज ३।११
 पडसाडय (पटशाटक) ज २।६६
 पडह (पटह) ३।३।२२ ज ३।१२, ७८, १८०, २०६
 पडाग (पताका) प २।४१, ४८ ज १।३७ २।१५;
 ३।३, ३१
 पडागसंठिय (पताकासंस्थित) सू १०।४२
 पडागा (पताका) प १।५६, ७१; १।५।२६; २।१।२६,

५७ ज ३।३५, १०८ से १।११, १७८; ४।४६;
 ५।४३; ७।१३३।२, १८४ उ १।२२, १४०
 पडागाइपडागा (पताकातिपताका) ज ३।७, १८४;
 ४।३०
 पडागातिपडागा (पताकातिपताका) प १।५६
 पडिमुया (प्रतिश्रुत्) ज २।६५
 √पडिक्कप्प (प्रति+कृप्) पडिक्कप्पेइ ज ३।१५,
 २१, ३३ पडिक्कप्पेह ज ३।२१, ३४, ७७, ६१,
 १७३, १७५, १६६ उ १।१२३
 पडिक्कंत (प्रतिक्रान्त) उ २।१२; ३।१५०, १६१;
 ५।२८; ३६, ४१
 √पडिक्कम्म (प्रति+कृम्) पडिक्कमेहि उ ३।११५
 पडिगय (प्रतिगत) ज १।४; ३।१२५; ५।७४ चं ६
 सू १।४ उ १।२, २४; ३।७, २१, २५, ४५, ६२,
 ६६, ६६, ७२, ८१, १४३, १५६; ४।५; ५।२०
 √पडिचर (प्रति+चर्) पडिचरइ सू १।१८
 पडिचरंति सू १।१८ पडिचरंति सू १।३।१२
 √पडिच्छ (प्रति+इष्) पडिच्छइ ज ३।४०, ४८,
 ५७, ६५, ७३, १३४, १३६, १४६, १५१, १५२
 पडिच्छंति ज ५।१५ पडिच्छंतु ज ३।२६, ३६,
 ४७, ५६, ६४, ७२, १३३, १३८, १४५ उ ३।११२;
 ४।१६ पडिच्छाहि ज ३।७६, १२८, १५१
 पडिच्छण (प्रतिच्छन्न) ज २।८, ६, १३
 पडिच्छमाण (प्रतीच्छत्) ज २।६५; ३।१८, ३१,
 १८०, १८६, २०४
 पडिच्छायण (प्रतिच्छादन) ज ४।१३ सू २०।७
 पडिच्छित्ता (प्रतीक्ष्य) ज ३।७६ उ १।३३
 पडिच्छिय (प्रतीष्ट) उ ३।१३८
 पडिजागरमाण (प्रतिजाग्रत्) ज ३।२०, ३३, ८४,
 १८२, १६० उ १।६५ १०५
 पडिण (प्रतीचीन) सू १।१६
 पडिणिकास (प्रतिनिकाश) ज ३।६५, १५६
 √पडिणिक्खम (प्रति+निर्+कृम्) पडिणिक्खमइ
 ज ३।५, १२, १४, १७, २१, २८, ३०, ३४, ४१, ४३,
 ४६, ५१, ५८, ६०, ६६, ६८, ७४, ७७, ८४, ८५,
 १३६, १३६, १४०, १४७, १४६, १६८, १७२,

१७७, १८७, १८८, १९९, २१४, २१८, २१९,
२२२, २२४; ५१२३ पडिणिकखमति ज ३१८,
१५३; ५१७३ पडिणिकखमेति ज ३१३
पडिणिकखमिता (प्रतिनिष्क्रम्य) ज ३१५
पडिणिकखमेता (प्रतिनिष्क्रम्य) ज ३१३
पडिणियत (प्रतिनियत) ज ३१८
पडिणिव्वुड (प्रतिनिवृत्त) ज २१६८
पडिणीय (प्रत्यनीक) ज २१२८ सू २०११२
पडिदिशि (प्रतिदिश) सू २०१२
पडिदुवार (प्रतिद्वार) प २१३०, ३१, ४१ ज ३१७,
१८३
✓ पडिणिकखम (प्रति + निर + कम्) पडिणिकखमइ
उ १४२; ३१४६; ४११२ पडिणिकखमति
उ १४५; ३१४५ पडिणिकखमति उ ३१२९
पडिणिकखमह उ ११२१
पडिणिकखमिता (प्रतिनिष्क्रम्य) उ १४२; ३१२९;
४११२
पडिणिगच्छिता (प्रतिनिगच्छित) उ ११२४; ५११९
✓ पडिनियत्त (प्रति + नि + वृत्) पडिनियत्तति
प ३६१८८
पडिनियत्तित्ता (प्रतिनिवृत्त्य) प ३६१८८
पडिपाति (प्रतिपातिन्) प २३१३३४, १३५, १३८,
१४०, १४२, १४३, १४१ से १५५, १५७, १६०,
१६१, १६४, १६६ से १६८, १७१ से १७३
पडिपाद (प्रतिपाद) ज ४१३३
पडिपुच्छण (प्रतिप्रच्छन) उ ११७
पडिपुच्छणिज्ज (प्रतिप्रच्छनीय) उ ३१११
पडिपुण (प्रतिपूर्ण) प २११७४ ज २११५, ७१,
८५; ३१११७, १६७, ११२, २०९, २२३, २२५;
५१५६, ७१७८
पडिपुणचंद (प्रतिपूर्णचन्द्र) प २१५४, ६०; ३६१८१
ज ११७ सू १११४
पडिबन्ध (प्रतिबन्ध) ज २१६९ उ ३११०३, ११२,
१३६, १४८; ४१११
पडिबुड (प्रतिबुड) उ ११३३; २१८; ५१३३

पडिबोहण (प्रतिबोधन) ज ५१२६
पडिमंजरी (प्रतिमंजरी) ज ७१२१३
पडिमोयण (प्रतिमोचन) ज २११२
पडिय (पतित) उ ३१३१, १३४; ४१९
पडियाइक्खिय (प्रत्याख्यात) ज ३१२२४
✓ पडियागच्छ (प्रति + आ + गम्) पडियागच्छइ
सू २११
पडियागच्छिता (प्रत्यागत्य) सू २११
पडिरह (प्रतिरथ) उ ११२२, १४०
पडिरूव (प्रतिरूप) प २१३० से ३२, ३४, ३५, ३७,
३८, ४१ से ४३, ४५; ४५११, २, ४६, ४८ से ५२,
५८ से ६१, ६३, ६४ ज ११८ से १०, २३, २४,
२६, ३१, ३५, ४२, ५१; २११२, १४, १५; ३११,
१६५; ४११, ३, ६, १३, २५, २७ से ३०, ३३, ४६,
१४६, १७८, २०३; ५१३१, ३३, ३४, ६२ सू १११;
१८१८ उ ५१४ से ६
पडिरूवम (प्रतिरूपक) ज ३११६५; ४१४, ५, २६,
२७, ८६, ११८, १४४, २४६; ५१३०, ३१, ४६, ६७
पडिरूवय (प्रतिरूपक) ज ३११६५, २०४ से २०६,
२१४, २१६; ५१४१, ४२, ४४, ४५
पडिरूविय (प्रतिरूपित) ज ३११२०
✓ पडिलाम (प्रति + लाभ्य) पडिलामेइ उ ३१३३४
पडिलामेता (प्रतिलाभ्य) उ ३११०१
✓ पडिलेह (प्रति + लिख्) पडिलेहेइ ज ३१२२४
पडिलेहिता (प्रतिलिख्य) ज ३१२२४
पडिलोम (प्रतिलोम) ज २१६, ६७
पडिलोमच्छाया (प्रतिलोमच्छाया) सू ६१४
पडिवक्ख (प्रतिपक्ष) प ५१२२६
✓ पडिवज्ज (प्रति + पद्) पडिवज्जइ प ३६१९२
उ ३११०४; ५१२० पडिवज्जति सू ८११
पडिवज्जाहि उ ३१११५ पडिवज्जिसु
ज २१५१, ५४, १२१ पडिवज्जिस्सइ
ज २११२६, १३०, १३८, १४०, १४६, १५४, १६०,
१६३; ३११३४
पडिवज्जितए (प्रतिप्रतुम्) प २०११७, १८, ३४
उ ३११११

पडिवज्जिता (प्रतिपद्य) ३।४५, १०४, १४३; ५।२०
पडिवडितसम्महिदिठ (प्रतिपतितसम्महिदिठ)

प ३।१८३

पडिवण्ण (प्रतिपन्न) प ३६।६२ ज ३।१४, २६,
३०, ३६, ४३, ४७, ५१, ५६, ६०, ६४, ६८, ७२,
११३, १३०, १३६, १३८, १४०, १४५, १४६,
१७२ सू ८।१ उ ३।६६, ७६

पडिवति (प्रतिपत्ति) चं ६ सू १।७।३, १।८।१, २,
३, १।२० से २३, २५, २६; २।१ से ३; ३।१; ४।२,
३; ५।१; ६।१; ७।१; ८।१; ९।१ से ३; १०।१,
१३।१; १७।१; १८।१; १९।१; २०।१, २ उ १।११६

पडिवया (प्रतिपत्) ज २।१३८

पडिवा (प्रतिपत्) ज ७।१२५

पडिवाइ (प्रतिपातिन्) प ३३।१।१, ३३।३५

पडिवाति (प्रतिपातिन्) प १।११४

पडिवादिवस (प्रतिपत्तदिवस) ज ७।११६ सू १०।८५

पडिवाराइ (प्रतिपत्त्रात्रि) ज ७।११६

पडिवाराति (प्रतिपत्त्रात्रि) सू १०।८७

पडिवालेमाण (प्रतिपालयत्) उ १।१३३

√पडिविसज्ज (प्रति + वि + सज्ज्) पडिविसज्जइ
उ ३।१०४ पडिविसज्जेइ ज ३।६, २, ७, ४०,
४८, ५७, ६५, ७३, १२७, १३४, १३६, १४६, १५२,
१७१, १८६, २१६ उ १।१०६; ३।१३७

पडिविसज्जय (प्रतिविसज्जित) ज ३।१७१
उ १।३३, ११०

पडिविसज्जेता (प्रतिविसज्ज्य) ज ३।६

पडिसंखेमाण (प्रतिसंक्षिपमाण) ज ५।४४

√पडिसंवेद (प्रति + सं + वेद्) पडिसंवेदेति
प १५।३८

पडिसत्तु (प्रतिश्रु) ज ३।१३५।१

√पडिसाहर (प्रति + सं + हृ) पडिसाहरइ ज ५।६७
पडिसाहरंति ज ३।१२५ पडिसाहरति
प ३६।८५

पडिसाहरिता (प्रतिसंहृत्य) प ३६।८५ ज ३।१२५

पडिसाहरेमाण (प्रतिसंहर्त्) ज ५।४४

√पडिसुण (प्रति + श्रु) पडिसुणंति ज ५।७३

पडिसुणइ ज ३।१६, ५३, ६२, ७०, ७७, ८४,

१००, १४२, १६५, १८१; ५।२३, ६६ उ १।५५;

३।१४० पडिसुणंति ज ३।८, १३, १०७, ११३

१८६, १६२ उ १।४५ पडिसुणंमि उ १।८३

पडिसुणेत्ता (प्रतिश्रुत्य) ज ३।८ उ १।४५

पडिसेविय (प्रतिसेवित) ज २।७१

√पडिसेह (प्रतिसेध) प ६।७४ से ७८, ८०, ११०;
२०।२५

√पडिसेह (प्रति + सेध्) पडिसेहेइ ज ३।११०
पडिसेहेति ज ३।१०८

पडिसेहितए (प्रतिपेदुभ्) ज ३।११५, १२४, १२५

पडिसेहिता (प्रतिपिध्) उ १।११६

पडिसेहिय (प्रतिपिध्) ज ३।६५, १०६, १११, १५६
उ १।२७

पडिसेहेयव्व (प्रतिपेध्व्य) प ६।६८; १०।६ से ६

पडिस्सुइ (प्रतिश्रुति) ज २।५६, ६०

√पडिहण (प्रति + हन्) पडिहणंति सू ५।१

पडिहत (प्रतिहत) प २।६४।२, ३ ज ४।२५

पडिहता (प्रतिहता) सू ६।४

पडिहय (प्रतिहत) चं २ सू १।६; ५।१

पडीण (प्रतीचीन) प २।१०, ५० से ६२ ज १।१८,
२०, २४, ३।१; ४।१, ३, ८६, ८८, ९८, १०३, १०८,
१४१, १६२, १६७, १६६, १७८, १८५, १८७,
१६१, २००, २०३, २४५, २५१; ७।१०१
सू १।१६; २।१

पडीणउडीण (प्रतीचीनोडीचीन) सू ८।१

पडीणवाय (प्रतीचीनवात) प १।२६

पडीणा (प्रतीची) ज १।१८, २०, २३, २५,
२८, ३२, ४८; ३।१; ४।१, ३, ५५, ६२, ८१, ८६, ८८,
९८, १०३, १०८, १७२, २०५, २१४, २४६,
२५२, २६२, ३६८

पडु (पटु) प २।३०, ३१, ४१, ४६ ज १।४५; ३।८२,

१८५, १८७, २०६, २१८; ५।१, १६; ७।५।

५८, १८४ सू १।८।२३; १६; १६।२३, २६

पङ्कच (प्रतीक) प १७४; २१७; ६१६३; ८१४, ६,
८, १०; १११४६, ५३, ५५, ५७, ५९; १४१५;
१८११; २११६५; २३१६३, १७६; २८१६, ६, २०
२६, ३१, ५२, ५५, ६८ से १०१ ज ४१५४
सू ६१२

पङ्कचसञ्च (प्रतीक सञ्च) प १११३३, १११३३१

पङ्कचपण (प्रत्युपपन्न) प १२११२, ३२, ३८

ज ७३६, ५२ सू १२२७

पङ्कचपणभाव (प्रत्युपपन्नभाव) प २८१६८ से १०१

पङ्कचपणवयण (प्रत्युपपन्नवयण) प १११८६

पङ्कचय (प्रतिश्रुत) ज ५२५

पङ्कचयार (प्रत्युपपन्नयार) प ३०१२५, २६ ज १७, २१,

२२, २६, २७, २९, ३३, ४६, ५०; २१७, १४, १५,

२०, ५२, ५६, ५८, १२२, १२३, १२७, १२८, १३१,

१३२, १३३, १३६, १४७, १४८, १५०, १५१,

१५६, १५७, १५८, १६४; ८१५६, ८२, ८६ से

१०१, १०६, १७०, १७१

पङ्कच (पङ्कच) प ११३७२, ११४०१, ११४८४८

पङ्कच (प्रथम) प १११०३, १०६, १०७, १०९, ११०,

११३, ११४, ११६, ११९, १२०, १२२, १२३;

२१३१; ६१८०१; १०१४११ से ३; १२११२,

१६, ३१, ३२; २२१३३, ४१; ३६१५४, ८७, ८२

ज २१५५, ५६, ६३, ६४, १२८, १५५ से १५८;

३१३०, १३५, २१७; ४१४२३, १५३, १५४,

१८०; ७१८, २०, २३, २६, २८, ६७, १०१, १०६,

१५६, १६०, १६४ च ३१३ सू १७, १३, १४,

१६, २१, २४, २७; २१३; ६११; ८११; १०६३,

६७, ७७, १२७, १३८, १३९, १४३, १४४, १४८,

१५०, १५२, ११२, ३; १२२, १६, २०, २४;

१३११, ७, १०; १४३, ७ उ १६ से ८, ६३,

१४२, १४३, १४८; २११, ३, १४, १५, २२; ३१३,

१६, २०, ५०, ५१; ७१३, २७; ५१३, ४४

पङ्कचपणरीसर (प्रथमपङ्कचरीसर) ज ३११२६३

पङ्कचपण (प्रथम) प ११४८१५१

पङ्कचपण (प्रथम) ज ३१२११; ४१८०, ५१५८

सू १०५

पण (पञ्चन्) सू १०५७

पणगजीव (पनकजीव) प ३६१६२

पणगमस्तिया (पनकमृत्तिका) प १११६

√पणचव (प्र+नृत्) पणचवति ज ५१५७

पणटठ (प्रनटठ) प ११४८३६

पणतालीस (पञ्चचत्वारिंशत्) प ११८४

सू १६१२०

पणतीस (पञ्चविंशत्) सू ११२०

पणतीसतिभाग (पञ्चविंशत्भाग) प २३१८६, ८८,

६५ से ६८; ११८, १५१

पणपण (दे० पञ्चपञ्चाशत्) प ४१२८ ज ४१७२

सू १२१७

पणय (दे०) प ११४६, ११४८१, ११६५ ज २१३३

पणय (प्रणय) ज ३१८१, १०६

पणयबहुल ('पनक'बहुल) ज २१३२

पणयाल (पञ्चचत्वारिंशत्) ज ७१३४ सू १२२१

पणयालीस (पञ्चचत्वारिंशत्) ज ११६ सू ४३

उ ५१२८

पणव (प्रणव) ज ३१२, ७८, १८०, २०६; ५१५

पणवण (पञ्चपञ्चाशत्) ज ४१५५

पणवणिय (पणपन्निक) प २१४१

पणवन्तिय (पणपन्निक) प २१४७१

पणवीस (पञ्चविंशति) प २१२२ ज ११२३

सू ११२१

पणवीसतिविध (पञ्चविंशतिविध) सू ६१४

पणाम (प्रणाम) ज ३१५, ६, १२, ८८

√पणाव (प्र+नामय) पणावेइ उ १११६

पणावेहि उ १११५

पणावेत्ता (प्रणाम्य) उ १११५

पणासित (प्रणाशित) सू २०१७

पणिघाय (प्रणिघाय) प १७१११ सू ६१

पणिय (पणिन) ज २१२३

पणिवह्य (प्रणिपतित) ज ३१२५

पणिवय (प्र+णि+पत्) पणिवयामि ज ३१२४१,

१३११

१. पनकः प्रतलः कर्दमः—टीका

पणिहाय (प्रणिधाय) प १७।१०६ से १११

ज ४।५४, ८०; ७।२७, ३० सू १।१४, २४

पणुवीस (पञ्चविंशति) प ४।२७३ उ ३।७

पणुवीसइस (पञ्चविंशतितम) प १०।१४।३

पण्णट्ठ (प्रणष्ट) ज ३।३

पण्णट्ठ (पञ्चषष्टि) ज ७।६५, ६६

पण्णट्ठि (पञ्चषष्टि) ज ४।१६५ सू १०।१५२

पण्णत्त (प्रणत्त) प १।१ ज १।७ सू १।१४ उ १।४

पण्णत्तर (पञ्चसप्तति) ज ४।४५

पण्णत्तरि (पञ्चसप्तति) ज ४।१४२

पण्णत्ति (प्रणत्ति) सू २०।६।१ उ ३।१६०

पण्णर (पञ्चदशन्) प १०।१४।४, ५

पण्णरस (पञ्चदशन्) प १।७४ ज १।२३ सू १।१३

पण्णरसइ (पञ्चदशन्) सू १६।२२।१६

पण्णरसत्ति (पञ्चदशन्) सू २०।३

पण्णरसत्तम (पञ्चदश) ज ७।६७ सू १०।७७;

१२।६; १३।१, १०६; १४।३, ७; १६।२२,

२०।३

पण्णरसविह (पञ्चदशविध) प १।८८; १६।१, २;

८, १८, १६

पण्णरसी (पञ्चदशी) सू १०।६०; १३।१; १४।३, ७

पण्णरसीदिवस (पञ्चदशीदिवस) ज ७।११६

सू १०।८५

पण्णरसीराइ (पञ्चदशीरात्रि) ज ७।११६

पण्णरसीरात्ति (पञ्चदशीरात्रि) सू १०।८७

√पण्णव (प्र + ज्ञापय्) पण्णवेइ ज ७।२१४

उ १।६८ पण्णवेहिंति सू १६।२२।३

पण्णवणा (प्रज्ञापना) प १।१।२, ४, ४६, १३८;

२८।६८ से १०१ उ ३।१०६

पण्णवणी (प्रज्ञापनी) प १।१।४ से १०, २६ से २६,

३७।१, ८७

पण्णवित्तए (प्रज्ञप्तुम्) उ ३।१०६

पण्णवीस (पञ्चविंशति) प २।२७।४

पण्णा (दे०) प २।४०।३ ज ५।४६

√पण्णा (प्र + ज्ञा) पण्णायए ज ७।१६६

पण्णावग (प्रज्ञापक) ज ३।६५, १५६

पण्णास (पञ्चाशत) प २।२५ ज १।२३ सू १।२।३,

८ उ ५।१३

पण्हय (प्रसन्न) उ ३।६८

√पतणतण (प्र + तनतनाय्) पतणतणाइस्सइ

ज २।१४१, १४५ पतणतणावन्ति ज ३।११५;

५।७

पतणतणाइस्सा (प्रसन्नतनाय्) ज २।१४१

पतर (प्रतर) प १।२।१२, १६

√पतव (प्र + तव्) पतवन्ति ज ५।५७

√पताव (प्र + तापय्) पतावन्ति सू ६।१

पतिट्ठिय (प्रतिष्ठित) प १।४।३

पतिसम (प्रतिगम) ज ३।६२, ११६

पत्त (प्राप्त) प २।६४।२०; ६।६८; ८।७२; २३।१३

से २३; ३६।६४।१ ज २।८५; ३।२६, ३६, ४७,

१२२, १२६, १३३; ४।७ उ ३।८५, ६८, १०१,

१२२, १५०, १६१; ४।२५; ५।२३, २८, ३१, ३६,

४१

पत्त (पत्र) प १।३५, ३६, ४७।१, १।४८।६, १६, २६,

३६, ४५, ४७, ४८, ५१, ६३ ज २।८, ६, १२, १५,

६८, १४५, १४६; ३।११।३, ३।१२, ८८, ६८,

१०६; ४।३, २५; ५।५, ५८; ७।१७८ उ ३।५०,

५१, ५५

पत्त (प्राप्त, पात्र) उ १।१२८

पत्तउर (पत्तूर) प १।३७।३

पत्तकयवर (पत्रकचकार) ज २।३६

पत्तच्छण (पत्राच्छन्न) ज २।१२

पत्तट्ठ (दे०) ज ५।५

पत्तपुड (पत्रपुट) ज ४।१०७

पत्तल (पत्रल) ज २।१५; ३।१०६; ७।१७८ चं १।१

पत्त (वासा) (पत्रवर्षा) ज ५।५७

पत्तविच्छुय (पत्रवृद्धि) प १।५१

पत्तामोड (पत्रामोट) उ ३।५१

पत्तासव (पत्रासव) प १।७।३३४

पत्ताहार (पत्राहार) प १।५० उ ३।५०

पत्तिय (पत्रित) उ ३।४६

✓ पत्तिय (प्रति + इ) पत्तिएज्जा प २०११७,
१८,३४ पत्तिमामि उ ३११०३

पत्तेय (प्रत्येक) प ११४८१/१,४७,४६,६०; २१४८;
६११८; १०१४; १६१४ ज ११४६;
३१२०६; ४१४, २७, ११०, ११४, ११६, ११८,
१२२, १२४, १२८, १३६; ५११ से ३, ५, ७, ३१,
४२, ५६ उ ११२१, १२२, १२६

पत्तेयजिय (प्रत्येकजीव) प ११४८१६

पत्तेयजीविय (प्रत्येकजीवित) प ११३५, ३६

पत्तेयबुद्धसिद्ध (प्रत्येकबुद्धसिद्ध) प १११२

पत्तेयसरीर (प्रत्येकसरीर) प ११३२, ३३, ४७;
४७२, ३; ३१७२ से ७४, ८१, ८४ से ८७, ६५,
१८३; १८४४, ५२

पत्तेयसरीरनाम (प्रत्येकसरीरनामन्) प २३१३८,
१२१

पत्थ (पथ्य) ज ४३, २५

पत्थड (प्रस्तुट) प २११, ४, १०, १३, ४८, ६० से ६२
ज ४१४६

पत्थाइस्तण् (प्रस्थातुम्) उ ३१५५

पत्थाण (प्रस्थान) उ ३१५१, ५३, ५५

पत्थिज्जमान (प्रार्थ्यमान) ज २१६५; ३११८६, २०४

पत्थिय (प्रार्थित) ज ३१२६, ४७, ५६, ८७, १२२,
१२३, १३३, १४५, १८८; ५१२२ उ ११५५, ५१,
५४, ६५, ७६, ७६, ८६, १०५; ३१२६, ४८, ५०,
५५, ६८, १०६, ११८, १३१; ५१३६, ३७

पत्थिय (प्रस्थित) उ ३१५१, ५३, ५५

पत्थिव (पार्थिव) ज ३१३

पद (पद) प १११०१७; १२१३२; १८११२;

२८१४५; ३६१७२ ज ३१३२ सू १०६३ से ७४

पदाहिण (प्रदक्षिण) सू १६१२२१०, ११; १६१२३

✓ पदीस (प्र + दृश्) पदीसई प ११४८१० से
१७, १६ से २३ पदीसए प ११४८११ से १३
पदीसति प ११४८१२ से २६ पदीसती
प ११४८१८, २४

पदेस (प्रदेश) प ११३, ४; २१६४१, ११; ३११२४,

१८०, १८२; ५१२४, १२५, १३१, १६१, १७७,
१७६, १६३, २१६, २१८; १०१२, ४, ५, १८, १६,
२१ से २३, २५, २६; १२१३०, ५३, ५७;
१७११४११; २२१५८, ७६; २८१५, ५१ ज २१६५;
४११४३ सू १६१२६

पदेसघण (प्रदेशघन) प २१६४१५

पदेसदृता (प्रदेशार्थ) प ३१११६ से १२०, १२२

पदेसट्ठया (प्रदेशार्थ) प ३१११५, ११६, १२०, १२२,
१७६ से १८२; ५१५, ७, १०, १४, १६, १८, २०, ३०,
३२, ३४, ३७, ४१, ४५, ४६, ५३, ५६, ५६, ६३, ७१,
७४, ८३, ८६, ८३, ८७, १०१, १०४, १०७, १११,
११६, १२६, १३१, १३४, १४५, १६६, १७२,
१७४, १७७, १८१, १८४, १८७, १८०, २०३,
२०७, २११, २२४, २२८, २३२, २३४, २३७,
२३६; १०१३, ४, ५, २६, २७; १७१४४, १४६;
२११०४

पदेसणामणिहत्ताउय (प्रदेशनामनिधत्तायुष्क)

प ६१११८

पदेसणामनिहत्ताउय (प्रदेशनामनिधत्तायुष्क)

प ६१११६, १२२

✓ पधार (प्र + धृ) पधारैज्ज ५१७२, ७३
पधारैति प २२१४

पघोत (प्रघोत) ज ३११०६

पन्नरस (पञ्चदशान्) प ११८४

पन्नरसविह (पञ्चदशविध) प १११२; १६१३६

पप्प (प्राप्य) प १६१४६; १७११५ से १२२,
१४८, १५४; २३११३ से २३; २८१०५;
३४११६

पप्पडमोदय (पपटमोदक) प १७१३५

पप्पडमोयय (पपटमोदक) ज २११७

पपफुल (प्रफुल्ल) ज ४३, २५

पप्पट्ट (प्रभ्रष्ट) ज ३११२, ८८; ५१७, ५८

पप्पभार (प्राग्भार) प २११ ज ३१८८, १०६
उ ११२७, १४०; ५१५

पञ्चंकर (प्रभङ्कर) सू २०१८, २०१८७

पञ्चंकरा (प्रभङ्करा) ज ४१२०२; ७११८३

सू १८१२१, २४; २०६
 पभंजण (प्रभञ्जन) प २१४०७
 पभणिय (प्रभणित) उ ३१६८
 पभव (प्रभव) प ११३०१२
 √पभव (प्र+भू) पभवति प ११३०११
 पभा (प्रभा) प २१३०, ३१, ४०१०; २१४१, ४६
 ज ३१३५; २११; ४१२२, ३४, ६०, २७२; ५१८,
 ३२
 पभाव (प्रभाव) ज ३१६५, १५६, २२१
 पभावई (प्रभावती) उ ११३३
 पभावणा (प्रभावना) प १११०११४
 पभास (प्रभास) ज ४१२७२; ६१२ से १४
 √पभास (प्र+भाष्) पभासति ज ४१२११
 √पभास (प्र+भास्) पभासति ज ७१
 पभासिमु ज ७१ सू १६११६ पभासिस्मति
 ज ७१ सू १६११ पभासति ज ७५१, ५८
 सू १६११ पभासेतु सू १६११ पभासेति सू १६११
 पभासंत (प्रभासमान) सू १६११५१२
 पभासतित्थ (प्रभासतीर्थ) ज ३१४३, ४४, ४६
 पभासतित्थाधिपति (प्रभासतीर्थाधिपति) ज ३१४६
 पभासतित्थाहिबइ (प्रभासतीर्थाधिपति) ज ३१४७
 पभासतित्थकुमार (प्रभासतीर्थकुमार) ज ३१४७ से
 ४६, ५१
 पभासेमाण (प्रभासमान) प २१३० से ३३, ३५, ३६,
 ४१, ४८ से ५२, ५८
 पभिइ (प्रभृति) ज २११४६; ३१८६, १७८, १८६,
 १८८, १८६, २००, २१०, २१६, २१६, २२१
 उ ३११०१; ५११०, १७, १६, ३६
 पभिति (प्रभृति) ज ३११० सू १६१२२१५
 पभु (प्रभु) ज ५१५, ४६; ७१८३, १८४, १८५
 सू १८ से २३ उ ५१३२
 पभूय (प्रभूत) ज ३१८१, १०३, १६७१४; ५१७
 √पमज्ज (प्र+मृज्) पमज्जइ ज ३११२, २०, ३३,
 ५४, ६३, ७१, ८८, १३७, १४३, १६६

पमज्जित्ता (प्रमृज्ज) ज ३११२
 पमत्त (प्रमत्त) प १७३३; २११७२ ज ५१२६
 पमत्तसंजत (प्रमत्तसंयत) प ६१६८
 पमत्तसंजय (प्रमत्तसंयत) प ६१६८; १७१२५; २२१६१
 पमइ (प्रमद) ज ७११२६ सू १०१७५ उ ११३६
 पमइण (प्रमदन) ज ५१५
 पमाण (प्रमाण) प १११०११६; १२११२, ३८;
 १५११०, २३; २११११, २११८४, ८६, ८७, ६०
 से ६३; ३०१२५, २६; ३३११३; ३६१५६, ६६, ७०,
 ७४ ज ११३२, ३५, ४१; २१४; ६११, १५, १३३,
 १३८, १४१ से १४५; ३११०६, ११७, १३८,
 १६७३; ४११, ६, २५, ६४, ७०, ७६, ८६, ६०,
 १०६, १२३, १३३, १३६, १४०१२, १३४ से १६०,
 १६२ से १६५, १७४, १७५, १६४, २०२, २२२११,
 २३५, २३६, २४६, २५०, २५१; ५१४६, ४६;
 ७३५, १६८१२, १७८ सू ११२७; २१३; ४१६
 उ ११३८; ३११११
 पमाणभूय (प्रमाणभूत) उ ३१११
 पमाणमित्त (प्रमाणमात्र) ज ३१६५, ११५, ११६,
 १५६; ५१३८
 पमाणमेत्त (प्रमाणमन्त्र) ज ११४०; २११३३, १३४,
 १४१ से १४५; ३११८, ८८, ६२, ११६, ११६,
 १२२, १२४; ४११०; ५१७, ५८; ६१७
 पमाणसंवच्छर (प्रमाणसंवत्सर) ज ७११०३, १११
 सू १०११२५, १२८
 पमुइय (प्रमुदिन) प २१४१ ज ११२६; २१६५; ३११,
 १२, २८, ४१, ४६, ५८, ६६, ७४, १४७, १६८,
 २१२, २१३ सू १११
 पमुह (प्रमुख) ज ७११७८ सू २०८; २०८५
 पमोय (प्रमोद) ज ३१२१२, २१३, २१६
 पम्ह (पक्ष्मन्) प २१४६; ४१२०६, २१०, २१२;
 २१२११
 पम्ह (पद्म) ज ११५, २५१
 पम्हकूड (पक्ष्मकूट) ज ४१८४ से १८७, २१०
 पम्हगंध (पद्मगंध) ज २१५०, १६४; ४१२०६, २०५

पम्हगावई (पद्मावती) ज ४१२१२, २१२११
 पम्हल (पद्मल) ज ३१६, २१११, २१२; ५१५८
 पम्हलेस (पद्मलेखा) प १७१६८
 पम्हलेसट्ठाण (पद्मलेखास्थान) प १७१६६
 पम्हलेसा (पद्मलेखा) प १७१६२१
 पम्हलेस्स (पद्मलेखा) प ३१६६; १३१२०; १६१४६;
 १७१३५, ५६, ६४, ६६ से ६८, ७१, ७३, ७६ से
 ८१, ८३, ८४, ११२, १६७, १८७३; २८१२२३
 पम्हलेस्सट्ठाण (पद्मलेखास्थान) प १७१६६
 पम्हलेस्सा (पद्मलेखा) प १६१४६; १७१३५, ३६,
 ५४, ११७, ११८, १२१, २२५, १२७, १२६, १३४,
 १३७, १४४, १५३ से १५५
 पम्हलेस्सापरिणाम (पद्मलेखापरिणाम) प १३१६
 पम्हावई (पद्मावती) ज ४१२०२१२, २१२
 पय (पद) प १११०१७; २२१४५; २३१४६;
 २८११२; २८११२३; ३६१६६, ७२ ज ३१६, १२,
 ८८, १५५, १६७१७; ५१२१, ५८; ७१५६ से
 १६७ उ ३११०१, १३४
 पयंग (पतङ्ग) प ११५११
 पयग (पतंग, पदक) ज २१४१, २१४७१
 पयडि (प्रकृति) प २३१११
 पयणु (पतनु) ज २१२६
 पयत (पतंग, पदग) प २१४७३
 पयत (प्रत) ज ३१२२ ८८; ५१५८
 पयत्त (प्रवृत्त) ज ५१२४, २७
 पययपइ (पतंगपति, पदगपति) प २१४७३
 पयर (प्रतर) प ११४८१६०; १२१८, २७, ३६, ३७
 पयरग (प्रतरक) ज ३११०६; ५१३८, ६७
 पयरय (प्रतरक) प ११७५
 पयरभेद (प्रतरभेद) प ११७५, ७६
 पयरभेय (प्रतरभेद) प ११७३
 पयला (प्रचला) प २३१४
 पयलाइय (दे०) प ११७६
 पयलापयला (प्रचला, प्रचला) प २३१४
 पयलिय (प्रचलित, प्रगलित) ज ३१६; ५१२१

पयल (प्रकल्प) मू २०१८, २०१५
 पया (प्रजा) ज २१६४; ३११८५, २०६
 √पया (प्र+जन्) पयाएज्जा उ ३११०१ पयामि
 उ ११७८; ३१६८ पयाहिइ उ ३१३६
 पयात (प्रयात) ज ३१२४, १५, ३१, ४३, ४४, ५१,
 ५२, ६०, ६१, ६८, ६९, १३०, १३१, १३६,
 १३७, १४०, १४१, १४६, १५०, १७३
 पयाय (प्रयात) ज ३१३०, १४६, १६७, १७२
 पयाय (प्रजात) उ ११५३; ३१३४
 पयायमाण (प्रजनयत्) उ ३१२६
 पयार (प्रचार) ज २१३१
 पयालवण^१ (प्रयालवण) ज २१६
 पयावइ (प्रजापति) ज ७१३०, १८६३
 पयावइदेवया (प्रजापतिदेवता) मू १०८३
 पयाहिण (प्रदक्षिण) ज ११६; २१६०; ३१५; ५१५,
 ४४, ४६ उ ११६, २१; ३११३; ४१३
 पयाहिणावत्त (प्रदक्षिणावर्त) ज २११५; ७१५५
 पयोहर (पयोधर) ज २११५
 पर (पर) प १११०१४; २१६३; ३१३६; ६१८०१२;
 १४१३; २२१४ से ६; २३१३ से २३ मू ११६६;
 ६११; १३१२, १४ से १७
 पर (परं) प ११८६
 परंगण्य (पर्यङ्गत) उ ३१३०
 परंपर (परम्पर) प २०१६ से ८ ज ७१४२
 परंपरगत (परम्परगत) प २१६४२१
 परंपरसिद्ध (परम्परसिद्ध) प ११११, १३; १६१३५,
 ३७
 परंपरा (परम्परा) उ १११११, ११२
 परंपराघाय (परम्पराघात) प ३६१६४, ७८
 परंपरोगाढ (परम्परा, वगाढ) प ११६३
 परंपरोवचणग (परम्परोवचणक) प १५१४६;
 ३४१२
 परकम (पराक्रम) प २३११६, २० ज २१५१, ५४,
 १२१, १२६, १३०, १३८, १४०, १४६, १५४,
 १. पित्रावचण इति कल्पनापि जाते ।

१६०, १६३; ३३, ७७, १०६, १११, १२६, १२६,
१८८; ७११७८ सू २०११
परकममाण (पराक्रममाण) उ ३१३०
परघर (परगृह) उ ५१४३
परदूठाण (परस्थान) प ६१६३; १५११२१; ३६१२०,
२४, २७, ४७
परपरिवाय (परपरिवाद) प २२१२०
परपुट्ठ (परपुष्ट) प १७११२३
परभविद्याउय (परभविकायुष्क) प ६१११, ११४
से ११६
परम (परम) प २१२० से २७; २३११६६ ज २१४,
६६, ७१, १३३; ३३, ५, ६, ८, १५, १६, ३१, ५३,
६२, ७०, ७७, ८१, ८२, ८४, ८६, १००, ११४,
१४२, १६५, १७३, १८१, १८६, १८६, २१३;
५१२१, २७ उ ११२१, ४२; ३५१, ५६, १३०,
१३१, १३४, १४४
परमत्य (परमार्थ) प ११०११३
परमाणु (परमाणु) प १०१४११ ज २६३
परमाणुपोषग्ल (परमाणुपुद्गल) प ११४; ३१७६,
१८२; ५१२५, १२७ से १२६, १७३, १७४, १८६,
१६०, २०२, २१०, २११, २२६; १०६; १६१३४,
३६, ४३; ३०२६, २८
परलोय (परलोक) ज २१७०
परवस (परवश) उ ३१२६
परसु (परशु) उ १२३, ८८, ८६, ८१
परस्सर (पराशर) प १६६; ११२१ ज २१३६
परस्सरी (पराशरी) प ११२३
परहुय (परभृत) ज ३२४
पराघायणाम (पराघातनामन्) प २३३८, ५३, ११०
√पराजय (परा + जि) पराजिजिस्सइ उ ११५
परामुट्ठ (परामृष्ट) ज ३१७६, ८०, ११६, ११८
√परामुस (परा + मृश्) परामुसइ ज ३१२, २३,
३७, ४५, ७८, ८८, ८४, ११६, ११७, ११६, १३१,
१३५ उ १२२
परामुसित्ता (परामुस्य) ज ३१२ उ १२२
√परावत्त (परा + वृत्) परावत्तइ ज ३२८, ४१,

४६, १३५
परावत्तेत्ता (परावृत्त्य) ज ३२८
√परिकह (परि + कथ्य) परिकहेइ उ १२०; ४१४
परिकहेत्ति उ ३१३५ परिकहेमो उ ३१०२
परिकहेह उ १४२
परिकहण (परिकथन) उ ५१३
परिकहेउं (परिकथितुम्) प २१६४१७
परिकिण्ण (परिकीर्ण) उ ३१४१; ४१२, १३
परिखित्त (परिक्षिप्त) ज ३२२, २४, ३०, ३६, ७६,
७८, १७८; ४११०, ११६, ११८; ५१२८, ४४
उ ११६; ५१७
परिखेव (परिक्षेप) प २१५०, ५६, ६४; ३६८१
ज ११७, १०, १२, १४, २०, २३, ३५, ४८, ५१;
२१६; ४१, २१, २५, ३१ ४०, ४१, ४५, ४८, ५३
से ५५, ५७, ६२, ६७, ६८, ७५, ७६, ८०, ८१, ८४,
८६, ८२, ८३, ८६, ८८, १०८, ११०, ११४, ११८,
१४३, १६५, २१३, २२६, २४१, २४२; ७१७, १४
से १६, ३१, ३३, ६६, ७३ से ७८, ८०, ८३, ८४,
८८ से १००, २०७ सू ११४, १६, १७, १६, २१,
२४, २६, २७; २३; ३११; ४१४, ७; ६११; १०१३२;
१५१२ से ४; १८६; १६११, ४, ५११, ७, १०, १४,
१८, २०, ३०, ३१, ३४, ३५, ३७
परिगय (परिगत) ज ३३०, ११७; ४१२७; ५१२८
उ ५१५
परिगर (परिकर) ज ३२४३, ३१; ३७११, ४५११,
१३१३
परिगायमाण (परिगायन्) ज ५१५, ७ से १२, १७
उ ३११४
परिग्रह (परिग्रह) प २२११८, १६ ज २१४६
परिग्रहसण्णा (परिग्रहसंज्ञा) प ८१, २, ४ से ११
परिग्रहिय (परिग्रहीत) प ४२१६ से २२१, २३१
से २३३ ज २१५६; ३१५, ६, ८, १२, १६, २६,
३६, ४७, ५३, ५६, ६२, ६४, ७०, ७२, ७७, ८४, ८८,
९०, १००, ११४, १२६, १२७, १३३, १३८, १४२;
१४५, १५१, १५७, १६५, १७८, १८१, १८६,

२०५, २०६, २०६, ५१५, २१, ४६, ५८ उ ११३६,
४५, ५५, ५८, ६४, ८०, ८३, ६६, १०७, १०८,
११६, ११८, १२२; ३११०६, १३८, १४८; ४११५;
५११७

परिगहिया (परिगहिकी) प १७१११, २२, २३,
२५; २२१६०, ६२, ६७, ७०, ७६, ६२, १०१

परिघट्ट (परिघट्ट) ज ४१२८; ५१४३

परिछण (परिच्छन्न) ज २१२

√परिजाण (परि+ज्ञा) परिजाणइ उ १३८;
३१५८ परिजाणाइ उ १११०० परिजाणैति
उ ३१११८

परिज्जय (दे०) सू २०१२

परिणत (परिणत) प ११४ से ६, ११४८५६

√परिणम (परि+णम्) परिणमति प २८१२४
से २६, ३६, ४२, ४५, ४६, ७१, ७४, १०५; ३४१२०,
२२ से २४ ज ७११२१, ३, ५ सू १०१२६११,
३, ५ परिणमति प १६४६; १७१११५ से १२२,
१३६, १४८ से १५२, १५४, १५५

परिणममाण (परिणमत्) ज ३१२१, ३४, ५५, ६४,
७२, ८५, ११२, १३८, १४४, १६८, १८३, १६१
उ ११६०

परिणय (परिणत) प ११४, ६ से ६ ज २१६; ५१५
उ ३१३८, ४०, १२७, १२८; ५१४३

परिणयन्व (परिणन्तव्य) ज २१३३३

परिणाम (परिणाम) प १११५; १३११; १७१११४१,
१३६; २३११३ से २३, १६५, १६६ से २०१
२८१११ ज २१६, १३१; ३१२२३; ७१३६११,
२११

√परिणाम (परि+णम्) परिणामैति प १७१२;
२८१२१, ३३, ६७

परिणामण्या (परिणामन) प ३४११ से ३

परिणामिय (परिणामित) प २३११३ से २३

परिणामेमाण (परिणमत्) उ ११४१, ४३

परिणाह (परिणाह) ज ४११०२

परिणिद्धिय (परिनिष्ठित) ज ३१३५

√परिणित्वा (परि+नि+वा) परिणित्वन्ति
ज ११२२, ५०; २१५८, १२३, १२८; ४११०१
परिणित्वाइ प ३६१८८ परिणित्वायंति
प ६१११० परिणित्वाति प ३६१६२
परिणित्वाहि ज २११५१, १५७

परिणित्वाण (परिनिर्वाण) ज २१११६

परिणित्वाड (परिनिर्वृत) ज २१६८; ३१२२५

परिणित्वाव (परिनिर्वृत) ज २१८५, ६०

परितंत (परितान्त) उ ११५५, ७७

परित्त (परीत) प ११४८२० से २६, ३४ से ३७,
४३, ५२, ५६; ३११२, १०६; १८११२, १०६;
सू १३१२; १४१४, ८

परित्तमिस्तिया (परीतमिश्रिता) प ११३६

परित्तास (परित्तास) ज २१७०

√परिघाव (परि+घाव्) परिघावैति ज ५१५७

√परिनिष्ठा (परि+नि+वा) परिनिष्ठाहिइ
उ ५१४३

परिनिष्ठाड (परिनिर्वृत) ज २१८८, ८६

परिपीलइत्ता (परिपीड्य) प २८१२०, ३२, ६६

परिपीलिय (परिपीडित) ज २१३३३

परिपुंछणा (परिप्रच्छन) ज ७११७८

परिभट्ट (परिभ्रष्ट) ज २१३३३

परिभाएत्ता (परिभाज्य) ज २१६४

परिभाएमाण (परिभाज्यत्) उ ११३४, ४६, ७४

परिभाग (परिभाग) सू १०११७३

परिभुंजेमाण (परिभुञ्जान) उ ११३४, ४६, ७४

परिभुजमाण (परिभुजमान) ज ४११०७

परिभोगत्त (परिभोगत्व) ज २१२४, ३४, ३५, ३७;
७१२०२, २०४, २०७

परिमंडल (परिमण्डल) प ११४ से ६; १०११५ से
२४, २६ से ३०; ११२५; १३१२४ ज ५१५, ७,
२२ से २४

परिमंडिय (परिमण्डित) ज ११३७; ३११, ३५,

१०६, ११७, ११८, १७८; ५१४३; ७११७८

परिमाण (परिमाण) ज २१६; ४११६८, २४३

परियच्छिय (परिकक्षित) ज ५१४३

परिपण (परिजत) ज ३।१८७

√परिघर (परि+चर्) परिघर उ चं ३।१

सू १।७।१

परियाइता (पर्यादाय) प १६।२०

परियाइयणा (परि+दान) प ३।४।१ से ३

परियाग (पर्याय) उ २।१२; ३।१४, ८३, १२०,

१५०, १६१; ४।२४; ५।२८, ३६, ४१, ४३

परियागय (पर्यागत) प १६।५५

परियाण (परि+ज्ञा) परिमाण उ ३।१०८

√परियादि (परि+आ+दा) परियादियति
ज ३।१६२

परियादिता (पर्यादाय) ज ३।१६२

परियाय (पर्याय) ज २।८३, ८४; ४।२७२ उ २।२२;
३।१६६

परियायन्तकरभूमि (पर्यायान्तकरभूमि) ज २।८४

परियायसंग्रह्य (पर्यासाङ्गतिक) उ ३।५५

परियारणया (परिचारण) प ३।४।१ से ३

परियारणा (परिचारणा) प ३।४।२; ३।४।१ से ३,
१७, १८

परियारणिडिठ (परिचारणडिठ) सू १।८।२३

परियारिडिठ (परिचारिडिठ) ज ७।१८५

परियारिय (परिवारित) प २।३१

परियारेमाण (परिचारयत्) सू २०।२

परियाल (परिचार) ज २।१३३; ५।२२, २६

उ १।१६, ६३, ६७; ६८, १०५ से १०७

√परियाव (परि+तापय्) परियावति प ३।६।२

परियावण (पर्यापन्न) प १।७।१३३

परियावणय (पर्यापन्नक) प २।३.६, ६, १२, १५

परिरय (परिरय) ज ४।१४।२, १५६।१, २३४,

२४०; ७।१६, १६, ७५, ७८ सू १।२७; १।८।६ से

१३; १६।८।१, १११, १५१, २१२

परिलित (परिलीयमान) ज २।१२

परिली (दे०) प १।३।५

परिवंदिय (परिवन्दित) चं १।२

परिवज्जिय (परिवज्जित) उ ४।६

√परिवड्ड (परि+वृद्ध) परिवड्डति

सू १।६।२।१८ परिवड्डिज्जति प ५।१६१

परिवड्डमाण (परिवर्धमान) प १।१।७२ ज ४।३६,

४३, ७२, ७८, ८५, १०३, १७८ उ ३।४६

परिवड्डिठ (परिवृद्धि) ज २।१३८, १४०, १४६,

१५४, १६०, १६३

परिवड्डेमाण (परिवर्धमान) ज २।१३८, १४०,

१४६, १५४, १६०, १६३

परिवय (परि+वृन्) परिवयति ज ५।५७

√परिवस (परि+वस) परिवसति प २।३८

ज १।४५, ४७; ३।१०१; ४।५१, ५४, ६०, ६१,

६४, ८०, ८६, ८७, १०२, १०७, १६१, १६६,

१८६, १८७, १८८, १८९, २०३, २०८, २१०,

२६१, २६४, २६६, २६७, २७०, २७२, २७३,

२७६; ७।२१३ उ ३।२८ परिवसति उ ३।१५८;

४।७ परिवसति प २।२० से २७, ३० से ३६,

४१ से ४३, ४८, ४९, ५१ से ६४ ज १।२४, २६,

३१, ३।१०३; ४।१०२ परिवसति प २।३२, ३३,

३५, ३६, ३६, ४४, ५१, ५३ से ५५, ५७ से ५९

परिवसति ज ३।१२७ परिवसामो ज ३।१२६।४

परिवसण (परिवसन) ज २।१६

√परिवह (परि+वह) परिवहति उ १।५०

परिवहति ज ७।१७८ सू १।८।१४ परिवहति

सू १।८।१६ परिवहामि उ १।७५

परिवाडी (परिवाटी) प १।५।५५; २।३।१०८

परिवायणी (परिवायनी) ज ३।३१

परिवार (परिवार) ज २।६३, ६४; ५।५६;

७।१६८।१, १७०, १८३ सू १।८।४, २१, २३;

१।६।२।३१, ३२ उ १।१६; ४।५, १३

परिवारणा (परिवारणा) ज ४।१४०।१

परिवारिय (परिवारित) प २।३०, ४१

√परिविद्धंस् (परि+वि+ध्वंस्) परिविद्धसेज्जा

ज २।६

परिविद्धंसइत्ता (परिविध्वस्य) प २।८।२०, ३२

परिवुड (परिवृद्ध) ज ५।४४ उ ४।११, १३

परिवुडिठ (परिवृद्धि) प ५।१३२, १६१, १७६;

१६५, २१६; १११७२; १३११७; १५१३४, ७५
ज ४१०३, १७८
परिवेदिय (परिवेदित) १ १५१५१ ज २१३३
परिव्वायण (परिव्वाजक) ५ २०६१ ज ३१०६
परिसडिय (परिशटित) ज ३१३३ उ ३१५०
परिसण्य (परिसर्प) ५ १६१, ६७, ७६; ६१७१;
२११११, १४, ५३, ६०
परिता (परिपत्) ५ २३० से ३३, ३५, ४१, ४३,
४८ से ५१ ज १४, ४५; २६४, ६०; ४१६;
५१६, ३६, ४६ से ५१, ५६; ७५५, ५८ चं ६
सू १४; १८२३; १६२३, २६ उ १२, १६,
२०; २६; ३५, १२, २४, २८, ८६, १५५, १५६;
४४, १०, १४; ५१४, २६, ३७
परिसाड (परिशट) ५ १८४
√परिसाड (परि+शाट्य) परिसाडेंति
ज ३१६२; ५१५, ७
परिसाडइत्ता (परिशट्य) ५ २८२०, ३२, ६६
परिसाडेत्ता (परिशट्य) ज ३१६२; ५१५
परिहृत्थ (दे०) ज ४३, २५
√परिहृव (परि+भू) परिहृवेति सू २१२
परिहा (परिखा) ५ २३०, ३१, ४१ ज ३३२
परिहा (परि+हा) परिहायति सू १६१२२१४
परिहाण (परिधान) ५ २४०
परिहाणि (परिहाणि) ५ २६४ ज २५१, ५४,
१२१, १२६, १३०; ४१०३, १४३
सू १६१२२१६, २०
परिहायमाण (परिहीयमाण) ५ २६४ ज २५१,
५४, १२१, १२६, १३०; ४१०३, १४३, २००,
२१०, २१३ उ ३१४७
परिहारविसुद्धिय (परिहारविशुद्धिक) ५ ११२४,
१२७
परिहारविसुद्धियचरितपरिणाम
(परिहारविशुद्धिकचरितपरिणाम) ५ १३१२
परिहावेतव्य (परिहाययितव्य) सू ८१
परिहित (परिहित) सू २०१७

परिहिय (परिहित) ५ २३१, ४१, ४६ ज ३२६,
३६, ४७, ५६, ६४, ७२, ८५, ११३, १३३, १३८,
१४५ उ ११६
परिहीण (परिहीण) ५ २६४६; ३६६२
ज ५१२२, २६ से २८ सू १६८१; २०६१४
परीसह (परीषह) ज २६४
परुप्पर (परस्पर) ज ४१८०
परुड (परुड) ज २६, १३३, १४५, १४६
√परुव (प्र+रूपय) परुवेज्ज ज ७२१४ उ १६८
परुवण (परुपण) ज २६
परेंत (दे० पर्यन्त) ज ३१२६
परोक्खवयण (परोक्खवन्त) ५ ११८६, ८७
परोप्पर (परस्पर) ५ २२५१, ७३, ७४ ज १४६
√पलंघ (प्र+लङ्घ्) पलंघेज्ज ५ ३६६१
पलंडु (कन्द) (पलाण्डुकन्द) ५ १४८४३
पलंब (प्रलम्ब) ५ २३०, ३१, ४१, ४६ ज २१५;
३१७८; ५१६; ७१७८ सू २०८
पलंबमाण (प्रलम्बमाण) ज ३६, ६, २२२; ५१२१,
३८
पलवमाण (प्रलपत्) उ ३१३०
पलास (पलाश) ५ १३५१ ज ४१२५१
पलिओवम (पल्योपम) ५ १२४, ४३०, ३४, ३६,
४०, ४२, ४३, ४५, ४६, ४८, ४९, ५१, ५२, ५४,
१०४, १०६, ११०, ११२, १२४, १४६, १५१,
१५५, १५७, १५८, १६०, १६२, १६४, १६५,
१६७, १७१, १७३, १७७, १७९, १८०, १८२,
१८३, १८५, १८६, १८८, १८९, १९१, १९२,
१९४, १९५, १९७, १९८, २००, २०१, २०३,
२०४, २०६, २०७, २०९, २१०, २१२, २१३,
२१५, २१६, २१८, २१९, २२१, २२२, २२४,
२२५, २२७, २२८, २३०, २३१, २३३, २३४,
२३६; ६४३; १२२४; १८४, ६, १०, १२, ६०,
७० से ७२; २०६३; २३६१, ६४, ६६, ६८, ७३,
७५ से ७७, ७९, ८१, ८३ से ८६, ८८ से ९०,
९२, ९५ से ९६, १०१ से १०४, १११ से ११४,
११७, ११८, १३४, १३५, १३८, १४०, १४२.

१४३, १५१ से १५३, १५५ से १५७, १६०,
 १६१, १६४, १६६ से १६८, १७१ से १७३
 ज ११२४, ३१, ४५ से ४७; २५, ६, ४४, ५२,
 ५६, ५८, १५६, १६१; ३१६७, २२६; ४१२२,
 ३४, ५४, ६०, ६१, ६४, ८०, ८५, ८६, ८७, १०२,
 १४२, १६१, १६६, १६७। १३, १७७, १८६, १८६,
 २०८, २६१, २६६, २७०, २७२; ७। १८७ से १८६
 सू ६। १; ८। १; १८। २५ से ३६ उ ३। १६, ८५,
 १२४; ४। २५
पलिभाग (प्रतिभाग) प १२। २७, ३६, ३७; १५। ५०
 ज २। ६८
पलिभागभाव (प्रतिभागभाव) प १७। १५०, १५२
पलिमंथ (परिमन्थ^१) प १। ४५। १
पलिय (पलित) ज २। १५, १३३
पलियंक (पर्यङ्क) ज १। १८, ४८; ४। ५५, ६२, ६८,
 १६७, १६८; ७। १३३। २
पलुग (पलुआ) प १। ४८। ६ सन की जाति का एक
 पौधा
पल्ल (पल्य) ज २। ६
पल्लग (पल्यक) प ३३। २० ज ४। ५७
पल्लल (पल्लल) प २। ४, १३, १६ से १८, २८
पल्लत्थ (पर्यस्त) ज ३। १०५
पल्लत्थमुह (पर्यस्तमुख) उ १। १५; ३। ६८
पल्लव (पल्लव) प १। ८६
पल्लविया (पल्लविका) ज ३। ११। १
पल्लायणिज्ज (प्रल्ल वनीय) प १७। १३४ ज २। १८,
 १८५
पवंच (प्रपञ्च) प २। ६४
पवग (पल्लवक) ज २। ३२
पवड (प्र + पत्) पवडइ ज ४। २३ से २५, ३८
 से ४०, ६५ से ६७, ७३ से ७५, ६० से ६२
 पवडैज्ज उ ३। ५५
पवडणया (प्रपतन) प १६। ५३
पवण (पवन) प २। ३०। १ ज ३। ३५ १०६; ५। ५
पवत्त (प्र + वर्तय्) पवत्तड प १। ६८; १६। ३६

१. वनस्पतिकोश में हरिभन्थ शब्द मिलता है।

४०, ५५ पवत्तति प १६। ४३
पवत्त (प्रवृत्त) ज ३। ११५, १२३
पवत्ति (प्रवर्तिन्) प १६। ५१
पवत्ति (प्रवृत्ति) ज ४। २३, ३८, ६५, ७३, ६०, ६१
पवयण (प्रवचन) प १। १०। १५, ११ सू २०। ६। ४
पवर (प्रवर) प २। ३०, ३१, ४१, ४६ ज ३। ७, ६,
 १२, १५, १७, २१, २२, २४, २६, ३१, ३२, ३४
 से ३६, ३६, ४७, ५६, ६४, ७२, ७७, ७८, ८१,
 ८५, ८८, ९१, १०८ से १११, ११३, १३३, १३८,
 १४५, १६७। ५, १७३, १७५, १७७, १७८, १८६,
 २२२; ५। ५, ७, ४६, ५८ सू २०। ७ उ १। १७,
 १८, २२, २४, १२३, १४०; ४। १२, १३, १५;
 ५। १८
पवह (प्रवह) ज ४। ३६, ४३, ७२, ७८, ६०, ६५,
 १७४, १८३, २६२; ६। १८
पवा (प्रपा) ज २। ६५; ५। ५, ७ उ ३। ३६
पवाइत (प्रवादित) प २। ३१, ४६
पवाइय (प्रवादित) प २। ३०, ३१, ४१ ज १। ४५;
 ३। १२, ७८, ८२, १८०, १८५, १८७, २०६, २१८;
 ५। १, ५ १६; ७। ५५, ५८, १८४ सू १८। १३;
 १६। २३, २६
पवात (प्रपात) उ ५। ५
पवादित (प्रवादित) ज ३। २०६
पवाय (प्रपात) ज २। ३८; ३। ८८; ४। २३, ३८, ४२,
 ६५, ६७, ६८, ७१, ७३, ६० से ६४
पवायबहुल (प्रपातबहुल) ज १। १८
पवाल (प्रवान) प १। २०। २, १। ३५, ३६; १। ४८। १५,
 २५, ६३; २। ३१ ज २। २४, ६४, ६६, १३१, १४४,
 १४५, १४६; ३। ३५, ११७, १६७। ८
पवालंकुर (प्रवालाङ्कुर) प १७। १२६
पवालि (प्रवालिन्) ज ७। ११२। ३ सू १०। १२। ३
पविचरिय (प्रविचरित) ज ४। ३
पविज्जुय (प्र + विद्युत्) पविज्जुयाइस्सइ
 ज २। १४१ से १४५ पविज्जुयायति ज ३। ११५
पविज्जुयाइत्ता (प्रविद्युत्य) ज २। १४१

पविज्जुयायित्ता (प्रविद्युत्थ) ज ३।११५

पविट्ठ (प्रविष्ट) प १५।१।१, १५।३६, ४०.४२

ज ३।१०५, १।७८.२२३; ७।१७८

पविट्ठित्ता (प्रविश्य) सू १०।१३६, १३।५, ६

√पवित्थर (प्र+वि+स्तृ) पवित्थरइ ज ३।७६,
१।१६, १।१८

पविभत्त (प्रविभक्त) ज १।१८, २०.४८; ४।१६७,
२।१५

पविभत्ति (प्रविभक्ति) सू १५।३७

पवियरिय (प्रविचरित) ज ४।३, २५

पवियारण (प्रविचारण) प १।१।७

पविरल (प्रविरल) ज २।१३३; ५।७

√पविस (प्र+विश्) पविसंति ज ३।१८३

पविसंत (प्रविशत्) च ४।२ सू १।८।२; १।६।२।४

पविसमाण (प्रविशत्) ज ३।२०३; ७।१३, १।६, २३
से २५, २८ से ३०, ७२, ७८, ८४ सू १।१२, १।४,
१।६, १।८, १।९, २।२४, २।७, २।३; ६।१; १३।६
से १०, १।४ से १६

√पवुच्च (प्र+विच्) पवुच्चइ सू ५।१

पवूढ (प्रव्यूढ) ज ३।६७, १।६१; ४।२३, ३।५, ३।८, ४२,
६५, ७१, ७३, ७७, ८०, ८१, ८४, १।७४, १।८३,
१।८५, २।६२

पवेश (प्रवेश) ज १।१६, ३।८; ३।१२, ४।१, ४।६, ५।८,
६६, ७४, ७७, १०६, १।४७, १।६८, २।१२, २।१३;
४।१०, १।१५, १।२१, २।१७ उ ५।४३

पव्व (पर्वन्) प १।४८।४७; १।१२५ ज ७।१०६
से १।१० सू १०।१२७; १।२।६, १।७; १।३।१, २

पव्वइत्तए (प्रवज्जितुम्) प २०।१७.१८ उ ३।५०;
५।३२

पव्वइय (प्रवजित) ज २।६५, ६।७, ८५, ८७ उ २।६;
३।१३, २।५०, ५।५, ५।८, ६०, ७६, ७७, ७८, १।१३,
१।१८; ५।३८

पव्वंस (दे०) उ ५।२५ मिशिर ऋतु

पव्वग (पर्वक) प १।३३।१; १।४१, १।४८।४६
ज २।१४४ से १।४६; ३।३१

√पव्वज (प्र+व्रज्) पव्वज्जिहिइ उ ५।४३

पव्वज्जा (प्रव्रज्या) उ ३।१६६

पव्वत (पर्वत) प २।३२, ३।६, ५०, ५१; १।७।१११
ज १।४६; ३।२२४ सू ५।१; १।६।२६

पव्वतराय (पर्वतराज) सू १।६।२३

पव्वतिव (पर्वतेन्द्र) सू ५।१

पव्वय (पर्वक) प १।४२।१

पव्वय (पर्वत) प २।३३, ३।५, ४३, ४४; १।६।३०;
१।७।१०६ ज १।१६, १।८, २०, २३ से २५, २८,
३२, ३३, ४६।१, ४७, ४८, ५१; २।३१, ६०, १।१७,
१।१८, १।१९, १।३१, १।३३; ३।१, ६१, ८१, १।३०,
१।३१, १।३५ से १।३७, २।२४; ४।२३, ३।८, ४८,
५।७, ५।८, ६०, ६५, ७।१, ७३, ८४, ८०, ८१, ८४,
१०३, १०६, १।१०, १।११, १।१३, १।१४, १।४२,
१।६०, १।६२, १।६३, १।६७, १।६८, १।७२, १।७३,
१।७५, १।७६, २००, २०५ से २०६, २।१२ से
२।१६, २।२०, २।२१, २।२५, २।२६, २।३४, २।३५,
२।३७, २।३८ से २।४१, २।४३, २।४४, २।४७, २।४८,
२।६० से २।६२; ५।४४, ४।७, ४।८, ४।९, ५।५; ६।६।१;
६।१०, १।६, २।३, २।४; ७।८ से १।३, ३।१, ३।३, ५।५,
५।८, ६।७ से ७।२, ८।१, ८।२, १।७१ सू ४।४, ७; ७।१;
८।१; १।८।५ उ ३।५५; ५।५, ६

√पव्वय (प्र+व्रज्) पव्वयाइ उ ३।११२ पव्वयामि
उ ३।१३; ४।१४ पव्वयाहि उ ३।१०७

पव्वयग (पर्वतक) ज १।१३

पव्वयवहुल (पर्वतवहुल) ज १।१८

पव्वयराय (पर्वतराज) ज ७।५५ सू ५।१; ७।१

पव्वयसमिया (पर्वतसमिका) ज १।२३, २।५, २।८

पव्वयाउय (पर्वतायुष्) ज ५।१६

पव्वराहु (पर्वराहु) सू २०।३

पसंत (प्रशान्त) ज २।६८; ५।७, २६

पसदिल (प्रशिक्षिल) प २।४६

पसण्णा (प्रसन्ना) उ १।३४, ४।६, ७।४

पसत्त (प्रसक्त) ज ५।२६

पसत्थ (प्रशस्त) प १।७।१३३, १।३४, १।३८; २।३।५६;
१।०६, १।१६; ३।४।३ ज १।३७; २।१५; ३।३, ६;

१८, ३५, ६३, १०६, १८०, २२२, २२३; ७।१७८
 पसय (दे०) प १।६४ ज २।३५
 √पसर (प्र+सृ) पसरइ उ ३।५१ पसरई
 १।१०१।७
 पसरित्ता (प्रसृत्य) उ ३।५१
 √पसव (प्र+सू) पसवन्ति ज २।४६
 √पसार (प्र+सारय्) पसारइ उ ३।६२
 पसासेमाण (प्रशासयत्) ज ३।२ उ ५।६, ११
 पसिण (प्रसृज्) ज ७।२१४ उ ३।२६
 पसिय (प्रसृत) ज ३।३५
 पसु (पशु) प १।१४ उ ३।३६, ४८, ५०
 पसूय (प्रसूत) ज ३।१०६ उ ३।४८, ५०, ५५
 पसेढी (प्रश्रेणी) ज ५।३२
 पसेणइ (प्रसेनजित्) ज २।५६, ६२
 पसेणी (प्रश्रेणी) ज ३।१२, १३, २८, २९, ४१, ४२,
 ४६, ५०, ५८, ५९, ६६, ६७, ७४, ७५, १४७, १४८,
 १६८, १६९, १७८, १८६, १८८, २०६, २१०,
 २१६, २१६, २२१
 पह (पथ) ज ३।१८५, १८८; २।२, २।३; ५।७२,
 ७३ सू १।६।२।१५ उ १।६८
 पहंकरा (प्रभङ्करा) ज ४।२०२।२
 पहकर (दे०) ज २।१२ ६५; ३।१७, २१, १७७
 पहगर (दे०) ज ३।२२, ३६, ७८
 पहत (प्रहत) ज २।१३१
 पहरण (प्रहरण) ज ३।३१, ३५, ७७, १०७, १२४,
 १६७।६, १७८; ४।१३७ उ १।१३८
 पहरणरयण (प्रहरणरत्न) ज ३।३५
 पहराइया (प्रभाराजिका, प्रहारातिगा) प १।६८
 पहव (प्रभव) प १।१३०
 पहसिय (प्रहसित) प २।४८ ज १।४२; ४।४६,
 २२१; ७।१७६ सू १।८।८
 पहा (प्रभा) प २।३१ ज १।२४
 पहाण (प्रधान) ज २।१५, ६४, १३३; ३।३, ३२,
 ११७।१, १३८, १७५; ७।१७८
 पहार (प्रहार) ज ३।१०६ उ ३।१३१, १३४

√पहार (प्र+धारय्) पहारेत्थ ज २।६; ३।६,
 १८३ उ १।८८

पहारेमाण (प्रधारयत्) प ३।४।२४

पहाविय (प्रधावित) ज २।६५

पहिय (प्रधित) ज ३।१७, १८, २१, ३१, ६३, १७७.
 १८०

पहीण (प्रहीण) ज २।८८, ८९; ३।२२५

पहु (प्रभु) ज ७।१६८।२

पाई (पात्री) प १।४४।१ एकलता, मरकतपत्री

पाइक्क (दे०) ज २।६५

पाईण (प्राचीन) प २।१०, ५० से ५२, ५४ से ६२
 ज १।२०, २३ से २५, २८, ३२, ४८; ३।१,
 १२६।४; ४।१, ३, ५५, ६२, ८१, ८६, ८८, ९८,
 १०३, १०८, १४१, १६२, १६७, १६९, १७२,
 १७८, १८५, १८७, १९१, २००, २०३, २०५,
 २१५, २४५, २४६, २५१, २६२, २६८; ७।१०१,
 १०२ सू ८।१

पाईणपडिणायता (प्राचीनापाचीनायता) सू १।१६;
 २।१; १०।१४२, १४७; १२।३०

पाईणपडीणायता (प्राचीनापाचीनायता) प २।५०
 से ६२ ज १।२०

पाईणपडीणायया (प्राचीनापाचीनायता) ज १।२०;
 ३।१; ४।१, ३, ८६, ८८, ९८, १०८

पाईणवाय (प्राचीनवात) प १।२६

√पाउण (प्र+आप्) पाउणइ उ ३।१४; ५।३६
 पाउणति प ३।६।२२ पाउणिसइ उ ५।४३

पाउणित्ता (प्राप्य) प ३।६।२२ ज २।८८; ३।२२५
 उ २।१२; ३।१४; ४।२४; ५।२

पाउण्पमाय (प्रादुप्रभात) ज ३।१८८ उ ३।४८,
 ५० ५५, ६३, ६७; ७०, ७३, १०६, ११८

√पाउम्भव (प्रादुभू-भू) पाउम्भवन्ति ज ५।२७
 पाउम्भवह ज ५।२२, २६ उ १।१२१

पाउम्भवामि उ ३।२६ पाउम्भवित्ता

ज ३।१०४ पाउम्भवित्ताइ ज २।१४१ से १४५

पाउम्भवमाण (प्रादुर्भवत्) ज ५।२८

पाउम्भूय (प्रादुर्भूत) ज ३।१०५, ११३, १२५;

५१७४ सू ११४ उ ११२४, ३४, ४०, ४३, ७४;
 ३५७, ६२, ६५, ६६, ७२, ७५, ८१, १४३, १५६
 पाउभविस्त् (पादुर्भविस्त्) ज ३११३
 पाउया (पादुया) ज ३६, १७८; ५१२१
 पाउस (पादुस्) ज ७१२२ सू १२१४ उ ५१२५
 पाओ (पादस्) ज २११
 पाओवगय (पाओवगय) उ २१११
 पाओसिया (पाओसिया) प २२४६, ५६
 पागड (पागट) ज ३३ च ११३
 पागडभाव (पागटभाव) ज २६८
 पागडिय (पागटिय) ज २४८, ४६
 पागडिड (पागटिड) ज ५५, ४६
 पागत (पागट) सू १६१२२३
 पागतस्व (पागटस्व) प २१५० ज ५१८
 पागार (पागार) प २३०, ३१, ४१ ज ३१;
 ४११४, ११६; ७१३३३२
 पागारच्छाया (पागारच्छाया) सू ६१४
 पागारस्थित (पागारस्थित) सू १०४३
 पाड (पातस्) पाडे उ ३५१ पाडेति ज ५१६
 पाडण (पातण) उ १५१, ८६
 पाडल (पाटल) ज ३१२, ८८; ५१५
 पाडता (पाटता) प १३७५
 पाडलिपुड (पाटलिपुड) ज ४१०७
 पाडिष्क (पाटिष्क) ३११८; ४१२
 पाडिस्त् (पाटिस्त्) उ १५१, ७६, ७७
 पाडिस्तिथ (पाटिस्तिथ) ज ५५७
 पाडिस्वया (पाटिस्वया) सू २०३
 पाडिहस्विय (पाटिहस्विय) प ३६१६१
 पाडेस्त् (पाटिस्त्वा) ज ५१६ उ ३५१
 पाडा (पाटा) प १४८१४; १७१३१
 पाण (पाण) प २६४; ३६६२, ७७ ज २१३३;
 ३१०८ से १११; ७२१२
 पाण (पाण, पान) ज २४११, २
 पाण (पान) उ ३५०, ५५, १०१, ११०, ११४, १३४;
 ४१६

पाणकखय (पाणकखय) ज २४३
 पाणत (पाणत) प ११३५
 पाणम (पाणम) पाणमति प ७१ से ४, ६
 पाणय (पाणत) प २४६, ५८, ५९, ५९१२, ६३;
 ३१८३; ४१२५ से २६०; ६३६, ५६, ६६;
 ७१७; १५१८८; २१७०; २८८४; ३३१६;
 ३४१६, १८ ज ५४६ उ २१२
 पाणय (पाणक) उ ३११४; ४१२
 पाणयग (पाणतज) ज ५४६
 पाणयवडैसय (पाणतावतंसक) प २५८
 पाणाइवातकिरिया (पाणातिपातक्रिया) प २२१
 पाणाइवाय (पाणातिपात) प २२६ से ११, २१
 से २३
 पाणाइवायकिरिया (पाणातिपातक्रिया) प २२६,
 ४६, ४७, ५०, ५२, ५७, ५६
 पाणाइवायविरत (पाणातिपातविरत) प २२८३,
 ८४, ६१ से ६४, ६६
 पाणाइवायविरमण (पाणातिपातविरमण)
 प २२१७७ से ७६
 पाणातिवालकिरिया (पाणातिपातक्रिया) प २२६
 पाणि (पाणिन्) ज ३१७८
 पाणि (पाणि) ज ५५ उ १११ से १३, ३०, ३२;
 २१७; ४१८; ५१२, २५
 पाणिग्रहण (पाणिग्रहण) उ ५१३
 पाणिय (पाणीय) उ ३१३०
 पाणियग (पाणीयक) ज २१३१
 पाणिलेहा (पाणिरेखा) ज २१५
 पाणी (पाणि) प १४०१४
 पात (पातस्) सू १०५, १३६
 पाती (पात्री) ज ३११; ५१५
 पाद (पाद) प १७१११ ज ४१३
 पादपीठ (पादपीठ) ज ३१७८ उ १११५
 पादीणपडीणायया (पादीणापडीणायया) ज ११८
 पादुब्भ (पादु-दुर-भू) पादुब्भति
 प ३४१६, २१

पादो (प्रातस्) सू २।१
 पादोसिया (पादोषिकी) प २२।१,४,५६
 पामोकख (प्रमुख, प्रमुख्य) ज १।२६; २।७४, ७७;
 ४।१३७ उ ५।१०, १७, १६
 पाय (पाद) ज ३।१२५, १२६, २२०, २२४; ५।५, ७
 सू २०।६।६ उ १।११, १३, ३० से ३२, ७१,
 ११५, ११६; २।७; ३।११४; ४।८, २१; ५।१२
 पाय (प्रातस्) सू १०।१३६
 पायचारविहार (पादचारविहार) ज २।३३
 पायच्छित्त (प्रायश्चित्त) ज ३।७७, ८१, ८२, ८५,
 १२५, १२६ सू २०।७ उ १।१६, ७०, १२१;
 ३।११०, ११५; ५।१७
 पायत्त (पादात्त) ज ३।१७८
 पायत्ताणीय (पादातानीक, पादात्यनीक) ज ३।१७८
 पायत्ताणीयाह्विर्ह (पादातानीकाधिपति,
 पादात्यनीकाधिपति) ज ५।२२, २३, २६, ४८
 से ५२, ५३
 पायत्तिय (पादातिक) उ १।१३८
 पायद्वरय (पादद्वरक) ज ५।५७
 पायपीठ (पादपीठ) ज ३।६; ५।२१ उ १।११५
 पायमूल (पादमूल) उ ३।१२५
 पायरास (प्रातरास) उ १।११०, १२६, १३३
 पायव (पादप) ज २।६५, ७१; ३।१०४, १०५
 उ १।१, ६१; ३।५६, ६४, ६६, ६८, ७१, ७४, ७६
 पायवन्दय (पादवन्दक) उ १।७०; ४।११
 पायविहारचार (पादविहारचार) उ ३।२६
 पायसीस (पादशीर्ष) ज ४।१३
 पायहंस (पादहंस) प १।७६
 पायाल (पाताल) प २।१, ४, १०, १३
 पायावच्च (प्राजापत्य) ज ७।१२२।२ सू १०।८४।२
 पायीण (प्राचीन) ज २।५३
 पायोवगय (प्रायोपगत) ज ३।२२४
 √पार (पारय्) पारेइ ज ३।२८, ४१, ४६, ५८, ६६,
 ७४, १३६, १४७, १८७
 पारगत (पारगत) प २।६४।२१

पारगामि (पारगामिन्) ज ३।७०
 पारणग (पारणक) उ ३।५१, ५३, ५४
 पारस (तारस) प २।८६
 पारसी (पारसी) ज ३।११।२
 पारिणामिया (पारिणामिकी) उ १।४१, ४३
 पारिस्पव (पारिस्पव) प १।७६
 पारियावणिया (पारितापनिकी) प २२।१, ५, ५०,
 ५२, ५६
 पारेत्ता (पारयित्वा) ज ३।२८
 पारेवत्त (पारापत्त) प १।६।५५; १।७।१३२
 पारेवय (पारापत्त) प १।७६; ज ३।३५
 पारेवयगीवा (पारापत्तगीवा) प १।७।१२४
 √पाल (पालय्) पालयाहि ज ३।१८५ पालेंति
 ज १।२२, ५०, ५८, १२३, १२८; ४।१०१
 पालेहिंति ज २।१४८
 पालइत्ता (पालयित्वा) ज २।८८
 पालंब (प्रालम्ब) ज ३।६, ६, २२२; ५।२१
 पालक्का (पालक्का) प १।४४।१
 पालण (पालन) ज ३।१८५, २०६
 पालय (पालक) ज ५।२८, २६, ४६।३
 पालियायकुमुम (पारिजातकुमुम) प १।७।१२६
 पालेत्ता (पालयित्वा) ज १।२२
 पालेमाण (पालयत्) प २।३०, ३१, ४१, ४६
 ज १।४५; ३।१८५, २०६, २२१; ५।१६
 उ १।६५, ६६, ७१, ६४, १११, ११२; ५।१०
 √पाज (प्र + आप्) पाये प २।६४।१५
 पाव (पाय) प १।१०१।२; १।१।८६
 पावयण (प्रवचन) उ ३।१०३, १३६; ४।१४; ५।२०
 पाववल्ली (पावकवल्ली) प १।४०।२
 पावा (पावा) प १।६३।५
 √पास (दृश्) पासइ प १।७।१०८ से ११०;
 ३०।२८ ज २।७।१, ६०, ६३; ३।५, १५, २६, ३१,
 ३६, ४४, ४७, ५२, ५६, ६१, १०६, ११६, १३१,
 १३७, १४१, १७३; ५।३, २१, २८, ६३ उ १।१६;
 ३।७; ४।१३, ५।२२ पासउ ज ५।२१ पासंति

- प २।६४।१३; १५।४६ से ४६; ३३।२ से १३,
१५ से १८; ३४।६ से ६, ११, १२ ज ३।१०५,
११३ उ १।३६ पासति प १५।३७, ४१, ४४,
४५; १७।१०६ से १११; २३।१४; ३०।२५ से
२८; ३६।८०, ८१ पासह ज ३।१२४
पासिज्जा उ १।१५ पासिहिंति ज २।१४६
पासिहिंति उ १।२२ पासेइ उ १।५७ पासेज्जा
उ १।२१
- पास (पास) प १।८६
- पास (पाश्वर्य) ज २।१५; ३।३२; ४।१४२, २०२, २१२;
५।१७, ४३, ४६, ६०, ६६; ७।३१, ३३ सू ४।३, ४;
२०।२ उ ३।१२, १४, २१, २८, २९, ४६, ५१, ७६;
४।१०, ११, १३, १५, १६, २०, २८
- पाश (पाश) ज ३।१०६
- पासंडबहुल (पाषण्डबहुल) ज १।१८
- पासंडधम्म (पाषण्डधम्म) ज २।१२६
- पासग (पाशक) ज ७।१७८
- पासग्गाह (पाशग्राह) ज ३।१७८
- पासणया (दर्शन, पश्यत्ता) प १।१।७, ३०।१, ५, ८, १०
- पासत्यविहारि (पाश्वर्यविहारिन्) उ ३।१२०
- पासमण (पश्यन्) ज २।७१
- पासवण (प्रसवण) प १।८४
- पासाईय (प्रासादीय, प्रासादिक) प २।३१, ४८, ५६,
६३ ज १।२३, ४१; २।१५; ४।३, ६, १३, २५, २६,
३३, ४६, १४६; ५।६२ उ ५।६
- पासाण (पाषाण) ज ३।१०६; ४।३, २५; ७।१७८
- पासाद (प्रासाद) २।६५
- पासादच्छाया (प्रासादच्छाया) सू ६।४
- पासादसंठित (प्रासादसंस्थित) सू ४।२
- पासादीय (प्रासादीय, प्रासादिक) प २।३०, ४१, ४६,
६४ ज १।८, ३१; २।१२, १४, ४।२७ सू १।१
उ ५।४, ५
- पासाय (प्रासाद) ज १।४२, ४३; २।२०, ६५; ३।३२,
८२, १।८७, २१८, २१६; ४।३, ४६, ५०, ५३, ५६,
१०६, ११२, ११६, ११६; १२०, १४७, १५५, १५६,
२२१ से २२४, २२६, २३५, २३७, २३८, २४०,
- २४३; ५।१, ६, २५ उ १।४६, ६४; २।६; ५।१३,
२०, २७, ३१
- पासायवडैसय (प्रासादावतंसक) ज ४।१०२, ११६,
२२१, २२२, २२३।१, २२४।१
- पासि (पाश्वर्य) ज १।२३, २५, २८, ३२; ३।१७६;
४।१, ४३, ६२, ७२, ७८, ८६, ८६, १०३, १७८,
१८३, २००, २०१; ५।४६, ६०, ६६
- पासिउं (द्रष्टुम्) प १।४८।५७
- पासिउकाम (द्रष्टुकाम) प २३।१४
- पासित्ता (दृष्ट्वा) प २३।१४ ज २।६० उ १।१६;
३।१०१, ४।१३; ५।१३
- पासित्ताणं (दृष्ट्वा) उ १।३३; २।८
- पासियव्व (द्रष्टव्य) प २३।१४
- पासेत्ता (दृष्ट्वा) उ १।५७
- पाहाण (पाषाण^१) ज ५।१६
- पाहुड (प्राभूत) ज ३।८१ चं ३।२, ३; ५।४ सू १।७;
६।४, २५, १०।१७३
- पाहुडत्थ (प्राभूतस्थ) सू २०।६
- पाहुडपाहुड (प्राभूतप्राभूत) चं ५।४ सू १।६
- पाहुणिथ (प्राधुनिक) ज ७।१८६।१ सू २०।८
- पाहुय (प्राभूत) प १।५०
- पि (अपि) उ ३।३०
- पिड (पितृ) उ १।६१; ५।४३
- पिडदेवया (पितृदेवता) सू १०।८३
- पिउ (पितृ) ज ७।१३०, १८६।४ उ १।५२, ५४,
७६, ७६; ३।५१, ५६
- पिउसेणकण्ह (पितृसेनकृष्ण) उ १।७
- पिगल (पिङ्गल) ज ३।६, १६७।४, २२२
- पिगलक्ख (पिगलाक्ष) ज ७।१७८
- पिगलक्खग (पिगलाक्षक) ज २।१२
- पिगलग (पिगलक) ज ३।१६७
- पिगलय (पिगलक) ज ३।१६७।१, १७८ सू २०।२,
८, २०।८।४
- पिगायण (पिङ्गायन) ज ७।१३२।३ सू १०।१०८

पिडय (पिण्डक) ज ६।६।१
 पिडवाय (पिण्डवात्) उ ५।४३
 पिडित (पिण्डित) प २।६४।१५, १६
 पिडिम (पिण्डिम) ज २।१२; ५।५
 पिक्क (पक्क) प १७।१३३
 पिक्खुर (दे०) ज ३।८१
 पिच्छय (पिच्छक) उ १।५६, ६३, ८४
 पिच्छि (पिच्छिन्) ज ३।१७८
 पिट्ठ (दे०) उ ३।११४
 पिट्ठओ (पृष्ठतम्) ज ३।१०, ११, ८६, ८७, १७६;
 ५।४६, ६०, ६६
 पिट्ठओउदग्गा (पृष्ठतउदग्गा) सू ६।४
 पिट्ठंत (पृष्ठान्त) उ ३।३
 पिट्ठंतर (पृष्ठान्तर) उ २।१६; ५।५
 पिट्ठीय (पृष्ठ) उ ३।११४
 पिट्ठिकरंडक (पृष्ठकरण्डक) ज २।१६
 पिट्ठिकरंडग (पृष्ठकरंडक) ज २।४८, १५६
 पिट्ठिकरंडुक (पृष्ठकरण्डक) ज २।५२, १६१
 पिट्ठिकरंडुय (पृष्ठकरण्डक) ज २।५६
 पिडग (पिटक) सू १।६।२।४, ५, ६
 पिडय (पिटक) सू १।६।२।४, ५
 पिणद्ध (पिणद्ध) ज ३।६, ७७, १०७, १२४, २२२
 उ १।३८
 ✓ पिणद्ध (वि + नह्, पिणद्धेति) ज ३।२११
 ✓ पिणद्धाव (वि + नाह्व, वि + नि + धाय्)
 पिणद्धावेइ ज ५।५८
 पिणद्धाविता (पिनाह्वा, पिनिधाप्य) ज ५।५८
 पिणद्धेत्ता (पिणद्ध) ज ३।२११
 पित्तिपिड (पित्तपिण्ड) ज २।३०
 पित्त (पित्त) प १।८४
 पित्तिय (पैत्तिक) उ ३।३५, ११२, १२८
 पिप्परि (पिप्पली) प १।३६।२
 पिप्पलिच्छुण्ण (पिप्पलित्छूर्ण) प १।१।७६; १७।१३१
 पिप्पलिया (पिप्पलिका) प १।३७।२
 पिप्पली (पिप्पली) प १७।१३१
 पिप्पलीमूलय (पिप्पलीमूलक) १७।१३१

पिप्पीलिया (पिप्पीलिका) प १।५०
 पिय (प्रिय) प २।४१; २८।१०५ ज २।६४; ३।५,
 ६०, १५७, १८५, २०६; ५।५८ उ १।४१, ४४;
 ३।१२८; ५।२२
 ✓ पिय (पा) पियंति उ ३।६८
 पिय (पितृ) उ १।७२, ८८, ६२; ४।२८
 पियंगाल (दे०) १।५१
 पियंगु (प्रियङ्गु) प २।४०।६
 पियट्ठया (प्रियार्थ) ज ३।५, ११५, १२५
 पियतर (प्रियतर) ज २।१८; ४।१०७
 पियतरिया (प्रियतरिका) प १७।१२६ से १२८,
 १३३ से १३५ ज २।१७
 पियदंसण (प्रियदर्शन) ज ३।६, १७, २१, २८, ३४,
 ४१, ४६, १३६, १७७, २२२ सू २०।४ उ ५।५, २२
 पियर (पितृ) प १।१।१३, १८
 पियस्सरता (प्रियस्वरता) प २।३।१६
 पिया (पितृ) ज २।२७
 पिया (प्रिया) ज २।६६ उ ४।८, ६
 पियाल (प्रियाल) ज १।३५।२
 पिरिली (पिरिली) ज ३।३१
 पिलग (पिलक) ज २।१३७
 पिलुक्खरुक्ख (प्लक्षरूक्ष) १।३६।२
 पिल्लण (प्रेरण) ज ३।१०६
 पिव (इव) ज ३।२२ उ १।१३८; ३।५०
 पिवासा (पिपासा) उ ३।११४, ११५, ११६, १२८
 पिसाय (पिशाच) प १।१३२; २।४१ से ४३, ४५
 ४६; ६।८५
 पिसायइंद (पिशाचेन्द्र) प २।४२ से ४४
 पिसायराय (पिशाचराज) प २।४२ से ४४
 पिसुय (पिशुक) प १।५० ज २।४०
 पिधान (पिधान) ज ५।५६
 पिहुजण (पृथक्जन) प ६।२६
 पिहुल (पृथुल) ज २।१५; ७।३१, ३३ सू ४।३, ४,
 ६, ७
 पीइगम (प्रीतिगम) ज ५।४६।३; ७।१७८
 पीइदाण (प्रीतिदान) ज ३।६, २६, २७, ३६, ४०,

४७,४८,५६,५७,६४,६५,७२,७३,१३३,१३४,
१३८,१३९,१४५,१४६
पीडमण (प्रीतिमनस्) ज ३।५,६,८,१५,१६,३१,५३,
६२,७०,७७,८४,९१,१००,११४,१४२,१६५,
१७३,१८१,१८६,१९६,२१३; ५।२१,२७
उ १।२१,४२; ३।१३६
पीडवद्धण (प्रीतिवर्धन) ज ७।११४।१
पीढ (पीठ) प ३६।९१ उ ३।३६
पीढग्राह (पीठग्राह) ज ३।१७८
पीढमह (पीठमर्द) ज ३।९,७७
√पीण (प्रीणय्) पीणेति ज ५।५७
पीण (पीन) ज २।१५
पीणणिज्ज (प्रीणनीय) प १७।१३४
पीणित (प्रीणित) सू १२।२९
पीतय (पीतक) सू २०।२
पीति (प्रीति) उ १।१११,११२
पीतिदान (प्रीतिदान) ज ३।१५०
पीतिवद्धण (प्रीतिवर्धन) सू १०।१२४।१
पीय (पीत) ज ३।२४,३१
पीयकणवीरय (पीतकरवीर) प १७।१२७
पीयबंधुजीवय (पीतवन्धुजीवक) प १७।१२७
पीयासोग (पीताशोक) प १७।१२७
पीलु (पीलु) प १।३५।१
पीवर (पीनर) ज २।१५; ७।१०८
पीतिज्जमाण (पिष्यमाण) ज ४।१०७
पीहगपाय (पीहग'पान) उ ३।१३०
पुंख (पुङ्ख) ज ३।२४
पुंज (पुञ्ज) प २।३०,३१,४१ ज २।१०; ३।७,८८
४।१६६; ५।७
पुंडरीका (पुण्डरीका) ज ५।११।१
पुंडरीगिणी (पुण्डरीकिणी) ज ४।२००।१
पुंडरीय (पुण्डरीक) प २।४८ ज ३।१०; ४।४९,२७४
√पुक्कार (पुक्कारय्) पुक्कारेति ज ५।५७
पुक्खर (पुक्कर) प १५।५५।१ ज २।६८
सू १६।२१।१
पुक्खरकणिग्गा (पुक्करकणिका) प २।३०,३१,४१;

३६।८१ ज १।७ सू १।१४
पुक्खरद्ध (पुक्करार्ध) प १५।५५; १७।१६५
सू १६।२१।२,५
पुक्खरवर (पुक्करवर) सू १६।१२ से १६; २।१३,२८
पुक्खरवरदीवड्ड (पुक्करवरद्वीपार्ध) प १६।३०
सू १६।२१
पुक्खरवरोद (पुक्करवरोद) सू १६।२८ से ३१
पुक्खरसारिया (पुक्करसारिका) प १।६८
पुक्खरिणी (पुक्करिणी) प २।४,१३,१६ से १६,
२८; १।१७७; २।१८७ ज १।१३,३३; २।१२;
४।१४०,१५४,२२१ से २२४,२३५,२४३
पुक्खरोद (पुक्करोद) ज ५।५५ सू १६।२८ से ३१
पुक्खल (पुक्कल) ज ४।१९६
पुक्खलकूड (पुक्कलकूट) ज ४।१९८
पुक्खलचक्कयट्टिविजय (पुक्कलचक्रवर्तिविजय)
ज ४।१९४,१९५
पुक्खलविजय (पुक्कलविजय) ज ४।१९७
पुक्खलसंवट्टय (पुक्कलसंवर्तक) ज २।१४१,१४२
पुक्खलावड्डचक्कवट्टीविजय (पुक्कलावतीचक्रवर्ति
विजय) ज ४।२००
पुक्खलाई (पुक्कलावती) ज ४।१९६
पुक्खलावड्डकूड (पुक्कलावतीकूट) ज ४।१९६
पुग्गल (पुद्गल) प २८।३५
√पुच्छ (प्रच्छ्) पुच्छं च १।४ उ २।१२
पुच्छिज्जंति सू १०।६२
पुच्छिस्सामि उ १।१७; ३।२६
पुच्छणी (प्रच्छनी) प १।१३७।१
पुच्छा (पृच्छा) प २।४४; ४।५० से ५४,५६ से ६४;
६६,६७,६९,७०,७१,७३,७४,७६,७७,८०,८१
से ८७,८९,९०,९२ से ९४,९६,९७,९९,१००,
१०२,१०३,१०५ से ११२,११४ से १३०,
१३२ से १३६,१४१ से १४८,१५० से १५७,
१५९ से १६४,१६६,१६७,१६९,१७०,१७२,
१७३,१७५ से १८२,१८४ से २०६,२०८,
२०९,२११,२१२,२१४ से २६३,२६५,२६६,

२६८; ५।१३, १५, १६, ५५, ५८, ६२, ६७, ७०,
७३, ८८, ९६, १३०, १३३, १३५, १३७, १३९,
१४२, १४४, १४६, १४९, १५३, १५६, १५९,
१६२, १६५, १६८, १७१, १७३, १७६, १८०, १८३,
१८६, १८९, १९२, १९६, १९९, २०२, २०६,
२१०, २१३, २१७, २२०, २२३, २२७, २२९,
२३३, २३६, २३८; ६।२४ से २६, २८ से ४२,
७४, ७६, ७७, ११०, ११२; ६।२२; १।०७ से १३,
२२ से २४; १।२।२४, ३३; १।४।१५; १।५।४ से ६,
६, १०, ४२, ५७, ८१, ८२, ८५, ८६, ८७, ८९;
१।६।४, ६ से ८; १।७।१४, १७, २८, २९, ३३, ४१
से ५५, ६५, १०२, १०४, १३१ से १३४, १५८,
१६२, १६४; १।८।२६, ६२, ११२, ११८, १२१,
१२३, १२४, १२७; १।९।२, ३, ५; २।०।४, ७, १६,
३०, ३५, ४१ से ४४, ४६ से ४८, ५३, ५४;
२।१।३७, ६७; २।२।६८, ६९, ६५, ६६; २।३।४८ से
५०, ६५, ६६ से ७६, ८१, ८३ से ८६, ८८ से
९०, ९५, ९८, ९९, १०१ से १०४, १०६, १११ से
११८, १२८, १२९, १३१ से १३३, १५४, १७३;
२।४।६, ८; २।६।६, १०; २।८।७६ से ९७, ९९,
१०६, ११०, १२६, १४५, २६।८, ११, २०, २१;
३।०।१२, १८, २०, २२; ३।१।२, ३, ६; ३।२।३, ४, ६;
३।३।७ से ६, २० से २६, २८, २९, ३२, ३३, ३६;
३।४।७ से ६, ११; ३।५।३, ११, १६, २२; ३।६।३४,
५०, ५१, ५५ से ५७ ज ४।२०४, २१०, २५८,
२५९; ७।६।३, ७४, ७७, ८३, ८४, १०८, १४२ से
१४४ सू ६।३; १।०।१५१; १।८।१० से १३, ३५,
३६; १।९।५, ८, ११, १५, १६, २१, ३१, ३५, ३८
उ २।१३; ३।८, २१, २६, ६४, १५६, १६६; ४।५;
५।२३

✓पुच्छिज्ज (प्रच्छ) पुच्छिज्जइ प ३।१२१

पुच्छिज्जजति प ११।८२, ८३, ८५; १।७।३०;
२।१।६१; २।८।१५, ११७ पुच्छिज्जजति
प २।८।१४५

पुद्ध (स्पृष्ट) प २।६।१०, ११; ११।६१, ६२,

६६।१; १।५।११, १।५।३६ से ४०, ४५; २।०।३६;
२।२।५६; २।३।१३ से २३; २।८।११, १२, ५७, ५८
ज १।१।८, २०, २३, ४८; ३।३।५; ४।१, ५५, ६२,
८१, ८६, ८८, १०८, १७२; ६।१, ३; ७।४०, ५०,
५३

पुड (पुट) ज ५।१४, १७ उ १।५।५, ५७, ६१, ६२,
८०, ८२, ८६, ८७; ३।११४

पुडवि (पृथ्वी) प १।२।०।१, १।४।८।३८; १।५।३,

२।१, २० से २७, ३० से ३७, ४१ से ४३, ४६,
४८ से ५१, ६३, ६४; ३।११ से २३, १८३; ४।४
से २४; ६।१० से १६, ४५, ५१, ७३ से ७८, ८०;
८।११, २; ६।८।८, ६१, ६२, १००, १०६; १।०।१ से
३; १।१।२६ से २८; १।५।५।२; १।६।२६;
१।७।३३; १।८।१०७, ११६, २।०।६ से १०, ३८
से ४२, ४६, ५६; २।१।५२, ५६, ६६, ८५, ८७,
९०; २।२।२४; २।८।१२३; ३।०।२५ से २८,
३३।३ से ८, १६, १७ ज २।१६, १७, ६८;
३।२।२४; ४।२।५४; ७।११।२।४, २११, २१२
सू १।०।१२६।४

पुडविकाइय (पृथ्वीकायिक) प १।१५, १६; २।१

से ३; ३।२।५० से ५२, ५४, ६० से ६३, ६५
७१ से ७४, ७६, ८४ से ८७, ८९, ९५, १।५।६ से
१।५।८, १।८३; ४।५।६ से ६४, ६८; ५।३, ६, १०,
५२, ५३, ५५, ५६, ५८, ५९, ६२, ६३; ६।१६, ५३,
६२, ८२, ८३, ८६, ८९, १०२, १०३, ११५;
७।४; ८।३; ९।४, १६; १।२।२०, २१, २३, २५, २६;
१।३।१६; १।५।२० से २८, ५३, ५४, ७२ से ७४,
७६, १३७; १।६।१२, १।७।६५, १०२; २।०।२४;
२।२।३७; २।८।२८; २।९।२० ज २।७।२ सू २।१

पुडविकाइयत्त (पृथ्वीकायिकत्व) प १।५।६६; ३।६।२२
ज ७।२१२

पुडविककाइय (पृथ्वीकायिक) प १।२।३, २४;

१।५।५७, ८५; १।६।४; १।७।१८ से २२, ४०, ६०,
८७, ९४, ९५, ९७, १०२; १।८।२६, ३२, ३८, ४०,

पुडविकाय (पृथ्वीकाय) सू २।१

४२,५०; १६१२; २०१३, २२, २४ से २६, २८,
३२, ३५; २१३ से ५, २३, ४०, ७६, ८०;
२२३१, ७३; २४६; २८२६, ३०, ३३ से ३६,
३८, ६६; २६१८ से १०, २०; ३०१८, ६, १८, १६;
३१३; ३४३; ३५१६, २०; ३६६; २५, २६,
३८, ५१

पुढविककाइयत्त (पृथ्वीकायिकत्व) प १५१४१;
३६१२६

पुढविसिलापट्टक (पृथ्वीशिलापट्टक) उ ५१८

पुढविसिलापट्टग (पृथ्वीशिलापट्टक) ज ३१२२३

पुढविसिलापट्टय (पृथ्वीशिलापट्टक) उ १११

पुढविसिलापट्टय (पृथ्वीशिलापट्टक) ज ११३

पुढवी (पृथ्वी) सू २११; ६३; १८११ उ ११२६, २७,
१४०, १४१

पुण (पुनर्) प ६१८०१ सू ११२० उ १११७

पुणं (पुनर्) उ ३११०२

पुणभभव (पुनर्भव) प २१६४

पुणरवि (पुनरपि) प ३६१६४ ज २१६; ३१८१;
७११८, १२१ सू २११

पुणव्वसु (पुनर्वसु) ज ७१२८, १२६; १३४ से
१३६, १४०, १४६, १६१ सू १०१२ से ६, १३,
२४, ४०, ६२, ६८, ७५, ८३, १०५, १२०, १३१
से १३३, १५५, १६१; ११२ से ४

पुणो (पुनर्) ज ३११०६ सू १६१२२ उ ३१६८

पुण (पूर्ण) प २१४०६ ज २१६०, १०३, १०६,
१०८, १७८; ३१६, २२२; ४३, २५, १७२१;
५१४६; ७११७

पुण (पुर्ण) प १११०१२ ज ३१११७१; ५१५, ४६

पुणकलस (पूर्णकलश) प २१३० ज ५१४३

पुणचंद (पूर्णचन्द्र) ज ३१३, ११७

पुण (भद्र) (पूर्णभद्र) उ ३१२१

पुणभद्र (पूर्णभद्र) प २१४५, ४५१ ज ४१६२१,
१६५ उ ११६, १६, १४४; २१४४, १६; ३१५६,
१५८, १६० से १६५, १६६, १७१; ५१८

पुणभद्रकूड (पूर्णभद्रकूट) ज ११३४, ४६; ४१६५

पुणभासी (पूर्णभासी पूर्णभासी) ज ७११२२,

१४२ चं ५११ सू ११६१; १०२१

पुण्णा (पूर्णा) सू १०१६०

पुण्णाग (पुन्नाग) प ११३५३ ज ३१२, ८८; ५१८

पुण्णिमा (पूर्णिमा) ज ७१२५, १२७१, १३७ से
१४५, १५४, १५५, १६७१ सू १०१६ से १७,
१६ से २२, २६

पुण्णिमासी (पूर्णमासी) ज ७१३८, १४१ चं ५११
सू १०७, ८, १८, २०, २२, १२६१२, १३६ से
१५६; १३११ से ३, ६

पुत (पुत) उ ४१६

पुत (पुत्र) ज २१२७, ६४, ६६, १३३ उ ११०, १३,
१५, २१ से २३, ३१, ४३, ५७, ७२, ७४, ८२, ८७,
६५, १०६, ११०, ११३, ११४, १४६; २१६, ६, १८,
२२; ३१४८, ५०, ५५, ११४

पुत्तजीवय (पुत्रजीवक) प ११३५२

पुत्त (पुत्रत्व) उ ५१३०, ४३

पुष्प (पुष्प) प ११३५, ३६; ११४८१७, २७, ४०, ४१,
४७, ६३; २१३०, ३१, ४०१०, ४१; १५१२ ज २१८
से १०, १२, १५ से १८, ६५; १४५, १४६; ३१७,
११, १२, २१, ३४, ७८, ८५, ८८, १०६, १८०,
२०६; ४१६६, ५१७, २२, २६, ४८, ४६, ५५;
७३१, ३३, ३५, ५५, ११२३, ४ सू ४३३, ४, ६,
७, ६; १०२०, १२६३, ४; १६१२२२, १५;
१६१२३; २०१८६ उ ११३५; ३१५०, ५१, ५३,
११०, ११४; ५१६

√पुष्प (पुष्प्) पुष्पति ज ३१०४, १०५

पुष्पकेतु (पुष्पकेतु) सू २०१८

पुष्पचंगेरी (पुष्प 'चंगेरी') प ३३३२५ ज ३१११;
५१७, ५५

पुष्पचूला (पुष्पचूला) उ ४१२०, २२, २८

पुष्पचूलिया (पुष्पचूलिका) उ ११५; ४११ से ३,
२७; ५११

पुष्पछज्जिया (पुष्पछादिका) ज ५१७

पुष्पपटलहृत्थगय (हृत्थगतपुष्पपटल) ज ३१११

पुष्पपडलम (पुष्पपडलक) ज ५१७

पुष्पबद्दल (पुष्पवार्दलक) ज ५१७

पुष्कमाला (पुष्पमाला) ज ५।१।१
 पुष्कय (पुष्पक) ज ५।४।१३
 पुष्क (वासा) (पुष्पवर्षा) ज ५।५।७
 पुष्कांबटिय (पुष्पवृत्तक) प १।५०
 पुष्काराम (पुष्पाराम) उ ३।४८ से ५०, ५५
 पुष्कारुहण (पुष्पारोहण पुष्पारोपण) ज ३।१२, ८८
 पुष्कासव (पुष्पासव) प १।७।१३४
 पुष्काहार (पुष्पाहार) उ ३।५०
 पुष्किय (पुष्पित) उ ३।४६
 पुष्किया (पुष्पिका) उ १।५; ३।१ से ३, १६, २०,
 २२, २३, ८७, ८८, १५३, १५४, १६६, १६७, १७०;
 ४।१

पुष्कुत्तर (पुष्पोत्तर) प १।७।१३५
 पुष्कुत्तरा (पुष्पोत्तरा) ज २।१७ शक्कर की जाति
 पुष्कोदय (पुष्पोदक) ज ३।६, २२२;
 पुष्कोवयार (पुष्पोपचार) ज ७।१३३।१
 पुष्कोवयारसंठिय (पुष्पोपचारसंस्थित) सू १०।१३०
 पुम (पुंस्) प १।१।५ से १०, २४, २६ से २८
 पुमवयण (पुंस्वचन) प १।१।२६, ८६
 पुर (पुर) ज २।६४
 पुरओ (पुरतस्) ज ३।१२, ८८, १७८, १७९, २०२,
 २१७; ४।५, २७, १२२, १२४, १२७; ५।३१, ४३,
 ४४, ४६, ५७, ५८, ६०, ६६ उ ३।५०, ११२; ४।१६

पुरओउदग्गा (पुरतउदग्गा) सू ६।४
 पुरंदर (पुरन्दर) प २।५० ज ५।१८
 पुरक्खड (पुरस्कृत) सू ८।१
 पुरजण (पुरजन) ज ३।१२, २८, ४१, ४६, ५८, ६६,
 ७४, १४७, १६८, २१२, २१३

पुरतो (पुरतम्) सू २।२
 पुरत्थाभिमुह (पौरस्त्याभिमुख) ज ३।६, १२, २८,
 ४१, ४६, ५८, ६६, ७४, १४७, १८८, २०४, २१६,
 २२२; ५।२१, ४१, ४७, ६० उ १।४१; ३।६१
 पुरत्थाभिमुहि (पौरस्त्याभिमुखिन्) ज ४।२३, ३५,
 २६२

पुरत्थिम (पौरस्त्य, पूर्व) प ३।१ से ३७, १७६, १७८

ज १।१६, १८, २०, २३, २४, ३५, ४१, ४६, ४८,
 ५१; ३।१, १४, १५, २२, २६, ५१, ५२, १६१; ४।१,
 १८, २६, ३५, ४५, ५५, ५७, ६२, ७१, ८१, ८४, ८६,
 ९०, १०३, १०६, १०८, १२६, १५११, १५३,
 १६२, १६७, १६९, १७२, १७८, १८१, १८२,
 १८४, १८५, १९०, १९१, १९३, १९४, १९६,
 १९७, १९९ से २०३, २०५, २०६, २०८, २०९,
 २१३, २१५, २१६, २२८, २३३, २३५, २३८,
 २४३, २४५, २६२, २६५, २६६, २७१, २७२,
 २७४, २७७; ५।८, १०, ३६, ४७; ६।१६ से २४;
 ७।१७८ सू २।१; ८।१; १३।१२, १५; १५।८ से
 १३; १८।१४ से १७; २०।२ उ ३।५१

पुरत्थिमपच्चत्थिम (पौरस्त्यपाश्चात्य) सू २।१;
 ८।१

पुरत्थिमलवणसमुह (पौरस्त्यलवणसमुह) ज ४।२६८
 पुरत्थिमिल्ल (पौरस्त्य) प १६।३४ ज १।२०; २३,
 ४८; २।११७; ३।२६, ६५, ६७, ६९, १३५, १५१,
 १५६, १७०, २०४, २१४; ४।१, २३, ५५, ६२, ८१,
 ८६, ९८, १०८, १४३, १४७, १५६, १७२, २२६,
 २२७, २३७, २३८, २६२; ५।१४, ४४; ७।१७८
 सू २।१; १०।१४७; १३।१५

पुरवर (पुवर) ज ३।३२, ३५, २२१

पुरा (पुरा) ज १।१३, ३०, ३३, ३७; ४।२

पुराण (पुराण) ज ३।१६७

पुरिमकंठमाओवगता (पूर्वकण्ठमा ओपगता) सू ६।४

पुरिमड्ड (पूर्वाडि) प १६।३०

पुरिमताल (पुरिमताल) ज २।७१

पुरिमद्ध (पूर्वाडि) प १६।३०; १७।१६५

पुरिस (पुरुष) प १।६०, ६६, ७५, ७६, ८१, ८४;
 २।६४।१६; ३।१८३; ६।७६; १६।४८, ५२, ५४;
 १७।१०८, १०९, १११ ज ३।७, ८, १५, १६, २१,
 ३१, ३४, ३५, ७७, ८१, १२५, १६७।४, १७३,
 १७६, १७८, १८३, १९६, २००, २१२, २१३
 च ४।२ सू १।८।२; २०।७ उ १।१७, १८, ४४,
 ४५, १२३, १३१; ३।११०, १११; ४।१६ से १८;

पु.रि.स.कर-पु.व.वे.या.ली

५१५,१५ से १८

पु.रि.स.कार (पुरुषकार) सू २०१६।३

पु.रि.स.व.कार (पुरुषवकार) प २३।१६,२० ज २।५१,

५४,१२१,१२६,१३०,१३८,१४०,१४६,१५४,

१६०,२६३;३।१२६,१८८;७।१७८ सू २०।१

पु.रि.स.छाया (पुरुषछाया) ज ७।२२,२५ सू २।३

पु.रि.स.जुग (पुरुषजुग) ज २।८४

पु.रि.स.वरगंधहृत्थि (पुरुषवरगन्धहृत्थिन्) ज ५।२१

पु.रि.स.वरपुंडरीय (पुरुषवरपुण्डरीक) ज ५।२१

पु.रि.स.सिगसिद्ध (पुरुषसिगसिद्ध) प १।१२

पु.रि.स.वेद (पुरुषवेद) प १८।६१;२३।१४२,१८७;

२८।१४०

पु.रि.स.वेदग (पुरुषवेदक) प ३।६७;१३।१४,१८,१६

पु.रि.स.वेय (पुरुषवेद) प २३।३६,७४,८४,१४४

पु.रि.स.वेयग (पुरुषवेदक) प १३।१५

पु.रि.स.वेयपरिणाम (पुरुषवेदपरिणाम) प १३।१३

पु.रि.स.सीह (पुरुषसिंह) ज ५।२१

पु.रि.स.दाणीय (पुरुषादाणीय) उ ३।१२,२६,७६;

४।१०,११,१३,१४,१६

पु.रि.स.ोत्तम (पुरुषोत्तम) ज ५।२१

पु.रीष (पुनीप) उ ३।१३०,१३१,१३४

पु.रे.व.खड (पु.रि.स.कृत) प १५।८३ से ८५,८७,८६ से

१०१,१०३ से १०६,१०८ से ११०,११२ से

१२३,१२५ से १३२,१३४ से १४३;३६।८ से

२६,३० से ३४,४४,४५,४७

पु.रे.ख.डि.य (पु.रि.स.कृतक) प १५।५८।२

पु.रो.हि.य.र.य.ण (पु.रो.हि.य.र.य.ण) ज ३।१७८,१८६,

१८८,२०६,२१०,२१६,२१६,२२०

पु.रो.हि.य.र.य.ध.र. (पु.रो.हि.य.र.य.ध.र.) प २०।५८

पु.ल.ग (पुलक) प १।५८ ज १।५;५।५

पु.ल.य (पुलक) प १।२०।४ ज ३।३५

पु.ला.कि.मि.या (दे०) प १।४६

पु.लि.व (पुलिन्द) प १।८६

पु.लि.दी (पुलिन्दी) ज ३।११।२

पु.लि.ण (पुलिण) ज ४।१३ सू २०।७

पु.लि.य (पुलित) ज ३।१७८;७।१७८

पु.व.व. (पूर्व) प १६।२१;३६।६२ ज २।४,१६१;

३।१८५,२०६,२२१;४।१३५,२३८;७।३८,

२१२ जं १।३ सू ३।१८।१;१८।१,२१

उ १।६६,१०६,११०,११३,११४

पु.व.व.ग (पूर्ववङ्ग) ज २।४;७।११७।१ सू ८।१;

१०।८६।१

पु.व.व.भाग (पूर्वभाग) सू १०।४,५

पु.व.व.को.डा.को.डि (पूर्वकोटिकोटि) ज ३।१८५,२०६

पु.व.व.को.डि (पूर्वकोटि) प ४।१७७,१०६,११३,११५,

११६,११८,११९,१२१,१३१,१३३,१३७,१३९,

१४०,१४२,१४६,१४८;१८।४,६०,८१,८४,

८६,८६;२३।७८,७९,१४७,१५८,१६२,१६५,

१६६ ज २।१२३,१५१;३।१८५,२०६;४।१०१

पु.व.व.ग (पूर्ववङ्ग) प ११।४६

पु.व.व.चित्ति (पूर्वचिन्तित) उ ३।७६

पु.व.व.ण.त.थ (पूर्वव्यस्त) ज ५।४२

पु.व.व.ण.ह (पूर्ववृत्ति) ज २।७१,८८

पु.व.व.दा.रि.या (पूर्वद्वारिका) सू १०।१३१

पु.व.व.प.डि.व.ण.ण (पूर्वप्रतिपक्ष) उ ३।८१,८२

पु.व.व.पो.द.ठ.व.या (पूर्वप्रौढवदा) सू १०।६४

पु.व.व.फ.गु.णी (पूर्वफलगुनी) ज ७।१२८,१२९,१३६

पु.व.व.भ.द्व.व.या (पूर्वभद्रवदा) ज ७।१२८,१२९,१३६,

१३९,१४२ सू १०।६

पु.व.व.भ.व (पूर्वभव) उ ३।६,२१,२६,१४६,१५६,

१६६,१७१;४।५,२८

पु.व.व.भाव (पूर्वभाव) प २८।६८ से १०१

पु.व.व.र.इ.त.गु.ण.से.ढी.य (पूर्वरचितगुणश्रेणिक) प ३६।६२

पु.व.व.र.त (पूर्वरत्न) उ १।५१,६५,७६;३।४८,५०,

५५,५७,६६,७२,७५,७६,८८,१०६,१३१

पु.व.व.व.णि.य (पूर्ववर्णित) ज २।५२,१६१;३।१७१;

४।६६,१०१,१०६,१६०,२३७,२४३;५।६,७;

७।३५,१६७

पु.व.व.वि.दे.ह (पूर्वविदेह) प १६।३०;१७।१६१

ज २।६;४।६६,६६,२१३,२६३।१

पु.व.व.वे.या.ली (पूर्व 'वेयाली') प १६।४५

पुव्वसंगइय (पूर्वसांगतिक) उ ३।५५
 पुव्वसयसहस्स (पूर्वशतसहस्र) ज २।६४, ८७, ८८;
 ३।१८५, २२५
 पुव्वदाणुपुव्वी (पूर्वानुपूर्वी) उ १।२, १७; ३।२६, ६६,
 १३२, १४६, १५६; ४।११; ५।३६
 पुव्व्वा (पूर्व) सू १०।५, १२०; १।१३; १।२।२३
 पुव्व्वापोट्ठवत्ता (पूर्वप्रौष्ठपदा) सू १०।५६
 पुव्व्वापोट्ठवया (पूर्वप्रौष्ठपदा) सू १०।४, ५, ६, २१,
 २३, ३१, ८२, ६६, १३१, १३२
 पुव्व्वाफग्गुणी (पूर्वफल्गुनी) ज ७।१४०, १४८,
 १५१, १६३ सू १०।२ से ६, १५, २३, ४४, ६२,
 ७०, ७५, ८३, १०६, १२०, १३१ से १३३, १५२;
 १।२।२३
 पुव्व्वाभट्ठवया (पूर्वभट्टगदा) ज ७।१४६, १५७
 सू १०।२, ३, ५, ७५, १३१, १३३
 पुव्व्वामेव (पूर्वमेव) प ३६।६२ उ ४।२१
 पुव्व्वावर (पूर्वपर) ज १।२६; ४।२१, १४२, २५६;
 ६।१०, ११, १४, १५, १८ से २२, २६; ७।४, ६३,
 ८७, ११०, १८३
 पुव्व्वासाढा (पूर्वपाढा) ज ७।१२८, १३६, १४०,
 १४६, १६७ सू १०।२ से ६, १६, २३, ५३, ६२,
 ७४, ८३, ११८, १३१ से १३५
 पुर्व्वि (पूर्वम्) उ ३।११८
 पुर्व्वित्तल (पूर्वीय) ज ५।४१
 पुर्व्वोववण्ण (पूर्वोपपन्नक) प १।७।४, ६, १६, १७
 पुस (पुष्प) ज ७।१२६।१
 पुस्स (पुष्प) ज ७।१३६, १४०, १४६, १६१, १६२
 सू १०।२, ३, ५, ६, १३, २४, ४१, ६२, ६८, ६९,
 ७५, ८३, १०६, १२०, १३१ से १३३, १५६;
 ११।६; ११।२२।१७
 पुस्सदेवया (पुष्पदेवता) सू १०।८३
 पुस्सफल (पुष्पफल) प १।४८।४८
 पुस्सायण (पुष्पायण) ज ७।१३२।२ सू १०।६८
 पुहत्त (पृथक्त्व) प ७।३, ६ से ६; १।१८१, ८३, ८४;
 १।२।६; १५।६; १८।४, १६, २४, ३१, ३६, ४६, ५४,

६०, ६१, ११३, ११६; २।१४४ से ४७, ४७।१,
 २, ६, २१।६८; २४।१४, १५; २५।२, ४; २७।२, ६;
 २८।२७, ७३ से ७६, १२१, १२४, १२७ से
 १३२, १३६, १४३, १४५; ३६।१७, ३४
 पुहत्तय (पार्थक्त्वक) प १।१८५
 पुह्वी (पृथ्वी) ज ३।३, ३५; ५।१०।१
 पूअफलीवण (पुगफलीवण) ज २।६
 पूइ (पोई) प १।३५।३
 पूइत्त (पूतित्व) ज २।६
 पूइय (पूजित) ज ३।८१; ५।५
 पूजित (पूजित) उ ३।४८, ५०
 पूय (पूय) प १।८४; २।२० से २७ ज ३।१२०
 उ १।५६, ६१, ६२, ८४, ८६, ८७
 पूयणय (वे०) प १।६५
 पूयणवत्तिय (पूजनप्रत्यय) ज ५।२७
 पूयणिज्ज (पूजनीय) सू १८।२३
 पूयफली (पूगफली) प १।४३।२
 पूया (पूजा) उ ३।५१
 √पूर (पूरय्) पूरयते ज ३।३१ पूरेड प ३६।८५
 ज ७।११२।५ पूरेत्ति ज ५।१३ पूरेत्ति
 सू १०।१२६।५
 पूरय (पूरक) ज ३।८८
 पूरयंत (पूरयत्) ज २।६५; ३।३१
 पूरिम (पूरिम, पूर्य्य) ज ३।२११
 पूरेत्त (पूरयत्) ज ३।३०, ४३, ५१, ६०, ६८, १३०,
 १३८ से १४०, १४६; ७।१७८
 पूरेत्ता (पूरयित्वा) ज ५।१३
 पूस (पुष्प) ज ७।१२८, १३०, १८६।३ सू १०।४;
 १२।१६ से २३, २६
 पूसफली (पुष्पफली) प १।४०।१
 पूसमाणय (पुष्पमाणय) ज ३।१८५
 पूसमाणव (पुष्पमाणव) २।६४; ५।३२
 पेच्छणिज्ज (प्रेक्षणीय) ज २।१५
 पेच्छा (प्रेक्षा) ज २।२०, ३२
 पेच्छाघरसंठित (प्रेक्षागृहस्थित) सू ४।२
 पेच्छाघरमंडव (प्रेक्षागृहमण्डप) ज ३।१६३;

४१२३, १२४; ५१३३
 वेच्छिज्जमाण (प्रेक्षमाण) ज २१६५; ३१८६, २०४
 वेज्ज (प्रेक्ष) प ११३४१; २२१२०
 वेज्जणिस्सिया (प्रेयोनिस्थिता) प ११३४
 पेढ (पीठ) ज ४१४३, २०८; ५११३
 पेम्म (प्रेमन्) ज २१२७
 पेरंत (पर्यन्त) ज १११६; ३१२६४; ४१४३,
 २४५, २४६, २५१; ७१७८
 पेलव (पेल्व) ज ३१२११; ५१५८
 पेस (प्रेष) ज २१२६
 ✓ पेस (प्र- इप्) पेसिज्ज उ ११२८ पेसेइ
 उ १११० पेसेमि उ ११०६ पेसेमो
 उ ११२७ पेसेह उ ११०७ पेसेहि उ १११५
 पेसल (पेशल) प १७१३४
 पेसित्तए (प्रेषित्तम्) उ ११०७
 पेसिय (प्रेषित) उ ११११६, १२७
 पेसुण्ण (प्रेषुन्य) प २२१२०
 ✓ पेह (प्र- ईक्ष्) पेहति प १५१५०
 पेहमाण (प्रेक्षमाण) प १५१५०
 पेहुण्णिमिजिया (पेहुण् मज्जिका) प १७१२८
 पौडरीय (पौण्डरीक) प ११४६, ७६ ज ४३, २५
 पौडरीयदल (पौण्डरीकदल) प १७१२८
 ✓ पोक्ख (प्र- उक्ष्) पोक्खेइ उ ३१५१
 पोक्खरत्थिभय (पुष्करास्थिभय) ज ४१७
 पोक्खरपत्त (पुष्करपत्र) ज ३१०६
 पोक्खरवर (पुष्करवर) सू १६१५१, २
 पोक्खरवरदीव (पुष्करवरद्वीप) सू १६१५५
 पोक्खल (पुष्कर) प ११४६
 पोक्खलत्थिभय (पुष्करास्थिभय) प ११४६
 पोक्खलावतीचक्रवर्तिविजय
 (पुष्कलावतीचक्रवर्तिविजय) ज ४११६७
 पोगल (पुद्गल) प १८८४; ३११२, १२४, १७५,
 १७६, १८० से १८२; ५१४०, १४३, १४५,
 १४७, १४०, १५४, २३३, २३४, २३६ से २३६,
 २४१, २४२; ६१२६; १५१४० से ४७.४६:

१६३३, ३४; १७१२, २५; २११११, ६५, ६६;
 २३११३ से २३; २८१२०, २२ से २४, ३२, ३४,
 ३६, ३६ से ४२, ४४, ४५, ४८, ६६, ६८ से ७१,
 १०५; ३४१११, ३४६, १६, २०; ३६१५६, ६१,
 ६२, ६६, ७०, ७३, ७४, ७६, ७७, ७९ से ८१;
 ज २१६; ३११६२; ५१५, ७; ७१२११ सू ५११;
 ७११; ६११; २०१२
 पोगलमति (पुद्गलमति) प १६३८, ४३
 पोगलत्थिकाय (पुद्गलास्तिकाय) प ३१११४
 ११५, १२०, १२२
 पोगलपरियट्ट (पुद्गलपरिवर्त) प १८३, २७, ४५,
 ५६, ६४, ७७, ८३, ६०, १०८
 पोक्खड (दे०) उ ३१३०
 पोट्ट (दे०) ज २१४३
 पोट्टलिया (पोट्टलिका) ज ५११६
 पोट्टवई (प्रौष्ठवदी) ज ७१३६, १४२, १४८, १५१,
 १५५
 पोट्टवती (प्रौष्ठवदी) सू १०१७, ६, २१, २३, २६
 पोट्टवथ (प्रौष्ठवपद) सू १०१५, १२०, १५३
 पोडइल (पोटगल) प ११४२१ नल तृण
 पोत्तिया (दे०) प ११५११
 पोत्तिय (पौत्रिक) उ ३१५०
 पोत्थगग्गाह (पुस्तकग्राह) ज ३११७८
 पोत्थयरयण (पुस्तकरत्न) ज ४१२४०
 पोत्थार (पुस्तकार) प ११६७
 पोरग (पोर) प ११४४१ इक्षु
 पोरण (पुराण) प २८१२०, २६, ३२, ६६
 ज ११३३, ३०, ३३, ३६; ४१२
 पोरिसिच्छाया (पौरुषीच्छाया) सू ११६३; ६११ से ३
 पोरिसी (पौरुषी) ज ७११५६ से १६७ सू १०६४
 से ७४
 पोरिसीच्छाया (पौरुषीच्छाया) चं २३
 पोरेवच्च (पौरपत्त्र पौरवत्त) प २३० से ३३,
 ३५, ४१, ४८ से ५१ ज ११४५; ३१८५, २०६,
 २२१; ५११६ उ ५११०
 पौलिदी (पौलिन्दी) प ११६८

पोस (पौष) ज २।१६; ७।१०४ सू १०।१२४
उ ३।४०

पोसह (पौषध) ज २।१३५

पोसहघर (पौषधगृह) ज ३।३२

पोसहसाला (पौषधशाला) ज ३।१८ से २१, ३१,
३३, ३४, ५२ से ५४ ५८, ६१, ६३, ६६, ६६, ७०,
७१, ७४, ८४, ८५, १३७, १३६, १४१ से १४३,
१४७, १६४ से १६८, १८० से १८३, १६०,
१६६ उ ५।३५

पोसहिय (पौषधिक) ज ३।२०, ३३, ३५, ५४, ६३,
७१, ८४, १३७, १४३, १६७, १८२

पोसहोववास (पौषधोपवास) प २०।१७, १८, ३४,

पोसी (पौषी) ज ७।१३७, १४०, १४६, १४६, १५५,
सू १०।७, १३, २२, २३, २६

पोहत (पृथक्त्व) प १५।१।१, १५।८ से १०, २३,
३०, १४०; २४।६

पोहत्तिय (पार्थक्त्विक) प २२।२५, २८; २३।८, १२

फ

फगुण (फाल्गुन) ज २।७१; ७।१०४ सू १०।१२४
उ ३।४०

फगुणी (फाल्गुनी) ज ७।१३७, १४०, १४६, १५३,
१५५; १०।१२०; १२।२३ सू १०।७, १५, २३,
२५, २६, १२०, १५३, १५८; १२।२३

फणस (पनस) प १।३६।१; १६।५५; १७।१३२

फणिज्जय (फणिज्जक) प १।४४।३ मरुआ

फरिस (स्पर्श) ज ३।८२, १८७, २११, २१८; ५।५८
सू २०।७ उ ५।२५

फरस (वरुष) ज २।१३१, १३३

फल (फल) प १।३५, ३६; १।४८।६, १८, २८, ६३;
२३।१३ से २३ ज १।१३, ३०, ३३, ३६; २।८,
६, १२, १६, १७, १८, ७१, १४५, १४६; ३।११७,
२२१; ४।२; ७।११२।३, ४ सू १०।१२०,
१२६।३, ४ उ १।३४, ६८, ६६; ३।५०, ५३, ६८,
१०१, १३१; ५।६

फलम (फलक) प ३६।६१ ज ३।३१ उ ३।३६

फलमगाह (फलकगाह) ज ३।१७८

फलम (फलक) ज ४।२६ उ १।१३८

फल (वासा) (फलवर्षा) ज ५।५७

फलविटिय (फलवृन्तक) प १।५०

फलहसेज्जा (फलकशय्या) उ ५।४३

फलासव (फलासव) प १७।१३४

फलाहार (फलाहार) उ ३।५०

फलिय (फलित) उ ३।४६

फलहकूड (स्फटिककूट) प २।५१, ५६

'फलहामय (स्फटिकमय) सू १८।८

फणिय (फणित) प १५।१२, १५।५०

फालिय (स्फटिक) ज ४।३, २५

फालियामय (स्फटिकमय) प २।४८ ज ७।१७६,
१७८

फास (स्पर्श) प १।४ से ६; २।२० से २७, ३०, ३१,
४१, ४८, ४९; ३।१८२; ५।५, ७, १०, १२, १४, १६,
१८, २०, २४, २८, ३०, ३२, ३४, ३७, ३९, ४१, ४५,
५३, ५६, ५६, ६१, ६३, ६८, ७१, ७४, ७६, ७८,
८३, ८६, ८६, ९१, ९३, ९७, १०१, १०४, १०७,
१०९, १११, ११५, ११९, १२६, १३१, १३४,
१३६, १३८, १४०, १४३, १४५, १४७, १५०,
१५२, १५४, १६३, १६६, १६८, १७२, १७४,
१७७, १८१, १८४, १८७, १९०, १९३, १९७,
२००, २०७, २११, २१४, २१८, २२१, २२४,
२२८, २३०, २३२, २३४, २३७, २३९, २४२,
२४४; १०।५३।१; ११।५६; १५।३८, ७७, ८१,
८२; १७।१३२ से १३४; २३।१३ से २३, १०६,
२८।६, १०, २०, ३२, ५५, ५६, ६६; ३४।१२;
३६।८०, ८१ ज १।१३; २।७, १८, ६८, १४२;
३।१३८; ४।२७, ४६, ८२; ५।३२; ७।२०६
सू २०।७, ८, २०।८, ४

फासओ (स्पर्शतम्) प १।५ से ६; १।१६०;

२८।१०, २०, २६, ५६

फासचरिम (स्पर्शचरिम) प १०।५२, ५३

१ हे० १।१६७

फासणाम (स्पर्शनामान्) प २३।३८, ५०
 फासतो (स्पर्शतस्) प १।६ से ६; २८।३२, ६६
 फासपञ्जव (स्पर्शपञ्चव) ज २।५१, ५४, १२१, १२६,
 १३०, १३८, १४०, १४६, १५४, १६०, १६३;
 ७।२०६
 फासपरिणाम (स्पर्शपरिणाम) प १३।२१, २६
 फासपरिचार (स्पर्शपरिचार) प ३४।२१
 फासपरिचारक (स्पर्शपरिचारक) प ३४।२८, २१, २५
 फासपरिचारणा (स्पर्शपरिचारणा) प ३४।१७, २१
 फासमंत (स्पर्शवत्) प ११।५२, ५६; २८।५, ६, ५१;
 ५५
 फासविण्णाणावरण (स्पर्शविज्ञानावरण) प २३।१३
 फासादेस (स्पर्शादेश) प १।२०, २३, २६, २६, ४८
 फासावरण (स्पर्शावरण) प २३।१३
 फासिदिय (स्पर्शेन्द्रिय) प १५।१, ६, ७, १० से १८,
 २० से २७, ३०, ३१, ३५, ४२, ५८ से ६४, ६६, ७०,
 ७३, ७४, ८०, ८५, १३३; २८।४२, ४५, ४६, ७१
 उ ३।३३
 फासिदियत्त (स्पर्शेन्द्रियत्व) प २८।२४, २६; ३४।२०
 फासिदियपरिणाम (स्पर्शेन्द्रियपरिणाम) प १३।४
 फासु (प्रासु) उ ३।३६
 फासुय (प्रासुक, स्पर्शुक) उ ३।११४
 फासुयविहार (प्रासुकविहार) उ ३।३०, ३६
 फासैदिय (स्पर्शेन्द्रिय) प १५।१६, २८, ३१ से ३३,
 ६४ से ६७, ७६, १३४; २८।३६
 फुट्ट (दे०) ज २।१३३
 √फुट्ट (=फुट) फुट्ट उ ५।७२ फुट्टिहि ज ५।७३
 फुट्टमाण (फुट्टात्) ज ३।८२, १८७, २१८
 फुड (स्पृष्ट) प १५।५३ से ५७; ३६।५६, ६०, ६६
 से ६८, ७०, ७१, ७४, ७५, ८१ चं १।३
 फुडित्ता (स्पृष्टित्वा) प ११।७८
 फुडिय (=फुटित) प २।१३३
 फुल्ल (कुल) ज ३।१८८
 फुल्लावलि (कुल्लावलि) ज ५।३२
 √फुस (स्पृश) फुसइ ज ३।१३१ फुसई प २।६४।११
 फुसति प १।१७२ सू ५।१ फुसंतु ज ३।११२

फुसमाण (स्पृशत्) प १३।२३
 फुसमाणगति (स्पृशद्गति) प १६।३८, ३९
 फुसित्ता (स्पृष्टत्वा) प १५।५१; १६।३६; ३६।७६, ८१
 ज ३।१३१
 फुसिय (स्पृष्ट) ज ५।७
 फेण (फेन) ज ३।३५; ४।१२५; ५।६२; ७।१७८
 फेणमालिनी (फेनमालिनी) ज ४।२१२

ब

बउल (बकुल) प १।३५।१
 बउस (बकुश) प १।८६
 बंध (बन्ध) प ३।१।२; १३।२२।१, २; १४।१८।१;
 २६।१२ ज २।१३३
 √बंध (बन्ध्) बंधइ प २३।३, १६८; २४।१३ से
 १५ उ ३।५५ बंधति प १।१।८; २२।२२, २३,
 ८६, ८०; २३।५, ७, १३४, १३५, १३७ से १४०,
 १४२, १४३, १४६, १४७, १५१ से १५८, १६०
 से १६२, १६४, १६६, १६७, १६९, १७१ से
 १७४, १७६, १७७, १८१, १८५, १८६, १९०;
 २४।४, ५, १० से १२, १५; २६।४, ६ ज ५।१३
 बंधति प २२।२१, ८३, ८६, ८७; २३।१।१,
 २३।४, ६, १६४ से १६६, १६८ से २०१; २४।२,
 ३, १०, १५; २६।२, ३, ८ बंधिमु प १४।१७
 बंधिस्संति प १४।१८ बंधेमु प १४।१८
 बंधेसि उ ३।७६
 बंधग (बन्धक) प ३।१७४; २२।२२, २३, ८४, ८०;
 २३।६३; २४।४ से ८, १० से १३; २६।४ से
 ६, ८ से १०; २७।५
 बंधण (बन्धन) प २।६४।२२; १६।५५, ३६।८२।१,
 ८३।१, ८४।१ ज २।२७, २६, ८६, ८६, १३३;
 ३।२२५ उ १।६६, ६८, ७२, ८८, ८२
 बंधणछेदनगति (बन्धनछेदनगति) प १६।१७, २३
 बंधणपरिणाम (बन्धनपरिणाम) प १३।२१, २२
 बंधनविमोचनगति (बंधनविमोचनगति)
 प १६।३८, ५५

बंधमाण (बन्धन्) प २२२६, २७; २४२ से ५, ६
से १५; २५२, ४, ५
बंधय (बन्धक) प १११६२; २२२१ न३, न६, न७;
२३१११, २३१६१ से १६३; २४२, ३, ७, न,
१०, १२; २६२ से ४, ६, न से १०
बंधिता (बद्धा) ज ५१३ उ ३५५
बंधुजीवध (बन्धुजीवक) प १३८१ ज २१०;
३३५
बंधेउकाम (बद्धुकाम) उ १७३
बंधेता (बद्ध्वा) ज ५१६ उ ३७६
बंध (ब्रह्मन्) प २५४; १५८८ ज ७१२२१
सू १०८४१
बंधेवर (ब्रह्मचर्य) ज ७१६६ सू १८३
बंधेवरवास (ब्रह्मचर्यवास) उ ५४३
बंधणय (ब्राह्मण्यक) उ ३२८, ३८, ४०, ४२
बंधयारि (ब्रह्मचारिन्) ज ३२०, ३३, ५४, ६३, ७१,
८४, १३७, १४३, १६७, १८२
बंधलोग (ब्रह्मलोक) प २४६, ५४, ५५, ६०; ७१२;
३३१६; ३४१६
बंधलोय (ब्रह्मलोक) प ११३५; २४६, ५४ से ५७,
६३, ३३३, १८३; ४२४३ से २४५; ६३१, ५६,
६५; २०६१; २१७०; २८७६; ३४१८
उ २२२; ५२८
बंधलोयण (ब्रह्मलोकज) ज ५४६
बंधलोयवडिस्य (ब्रह्मलोकावर्तसक) प २५४
बंधी (ब्राह्मी) प १६८ ज २७५
बकुल (बकुल) ज ३१२, ८८; ५५८
बग (बक) प १७६
बज्ज (बंध) बज्जति उ ३१४२
बत्तीस (द्वाविंशन्) प २२२ सू २३ उ ३१२६;
५३५
बत्तीसइ (द्वाविंशन्) ज ३१८६, २०४
बत्तीसइविह (द्वाविंशत्विध) ज ५१७ उ ३१५६
बत्तीसण (द्वाविंशन्) ज ७१३११
बत्तीसजणवयहसराय (द्वाविंशज्जनपदसहस्र-
राजन्) ३१२६१२

बत्तीसमंगुलमूसियसिर (द्वाविंशदङ्गुलान्छितशिरस्क)
ज ३१०६
बत्तीसविह (द्वाविंशत्विध) ज ३१५६
बवर (बदरा) प १३७२ कपास का पीघा
बद्ध (बद्ध) प १५५८२; २०३६; २३१३ से २३
ज ३२४, ३५, ७७, ८२, १०७, १२४, १७८, १८६,
१८७, २०४, २१४, २१८, २२१; ४३.२५
उ ११३८
बद्धग (दे०) ज ७१७८ एक आभूषण
बद्धेल्लग (दे०) प १२८ से १३, १६, २०, २१, २३,
२४, २७, २८, ३१ से ३३; १५८३ से ८६, ८६
से ६३, ६५ से ६७, ६६ से १०६, १०८ से १२३,
१२५ से १२२, १३५, १३६ से १४१, १४३
बद्धेल्लय (दे०) प १२७, ८, १२, २०; १५६४
बद्धवर (बर्वर) प १८६ ज ३८१
बद्धवरी (बर्वरी) ज ३१११
बह (ब्रह्मन्) ज ७१३०, १७६, १८६३
बहदेवया (ब्रह्मदेवता) सू १०७८
बरण (दे०) ज ३११६ कालि विशेष
बरहण (बहिन्) प १७६
बल (बल) प २०१११, २३१६, २० ज २५१, ५४,
६४, ७१, १२१, १२६, १३०, १३८, १४०, १४६,
१५४, १६०, १६३; ३३, १२, ३१, ७७, ७८, ८१,
१०१, १०३, १०६, ११७, १२६, १२६, १५१,
१८०, १८८, २०६; ४२३६; ५१५, २२,
२६, ७१७८ सू २०११, ७, ६३, ५ उ १६६,
६६; ११५, ११६; ३१११, १७१
बलकर (बलकर) ज ३१३८
बलकूड (बलकूट) ज ४२३६, २३६
बलदेव (बलदेव) प १७४, ६१; ६२६ ज २१२५,
१५३; ७२०० उ ५१० से १२, ३०
बलदेवत्त (बलदेवत्त) प २०५५
बलव (बलवन्) ज ५५; ७१२२१ सू १०८४१
बलवग (बलवत्क) उ २५५
बलविसिद्धया (बलविसिद्धता) प २३२१

बलविहीणया (बलविहीणता) प २३२२

बलाग (बलाक) ज ३।३५

बलागा (बलाका) प १।७६

बलाबलोय (बलाबलोक) ज ३।८१

बलाहगा (बलाहका) ज ५।६।१

बलाहया (बलाहका) ज ४।२१०.२३८

बलि (बलि) प २।३१.३३; ४०।७ ज २।११३,
११६; ५।५१ उ ३।५१, ५६, ६४

बलिकर्म (बलिकर्मन्) ज ३।५८, ६६, ७४, ७७, ८२,
८५, १२५, १२६, १४७ सू २०।७ उ १।१६,
७०, १२१; ३।११०; ५।१७

बलिपेठ (बलिपीठ) ज ४।१४०

बलिमोडय (दे०) प १।४८।४७

बव (बव) ज ७।१२३ मे १२५

बहल (बहल) ज ३।१०६

बहलतर (बहलतर) प १।४८।३० से ३३

बहलिय (बहलीक) प १।८६

बहली (बहली) ज ३।११

बहव (बहु) ज १।१३, ३१; २।७, १०, २०, ६५, १०१,
१०२, १०४, १०६, ११४ से ११६, १२०; ३।१०,
८६, १०३, १७८, १८५, २०६, २१०; ४।२२, ८३,
६७, ११३, १३७, १६६, २०३, २६६, २७६; ५।२६,
७२ से ७४ सू १।८।२३ उ ३।४८ से ५०, ५५,
६२, १२३; ५।१७

बहस्सइ (बृहस्पति) सू २०।८, २०।८।४

बहस्सइदेवया (बृहस्पतिदेवता) सू १०।८३

बहस्सति (बृहस्पति) प २।४८

बहस्सतिमहग्गह (बृहस्पतिमहाग्रह) सू १०।१२६

बहि (बहिम्) प २।४८

बहिता (बहिस्तात्, बहिम्) सू १।१।२२।२७

बहिया (बहिस्तात्, बहिस्) ज १।३; २।७१; ७।५८
सू १।२; ६।३; १।१।२२।१ उ १।२; ३।२६,
४६, ४८, ५०, ५५, १४५; ५।५, ३३

बहु (बहु) प १।४८।५४; २।२० से २७, ३० से ३५,
३७ से ३९, ४१ से ४३, ४६, ४८ से ५५, ५८ से

६१, ६३, ६४; ३।१८३; ६।२६; ११।२२; १७।

१३६; २२।१०१; ३६।८२ ज १।४५;

२।११, १२, ५८, ६५, ८३, ८८, ९०, १२३,

१२८ १३३, १३४, १४५, १४८, १५१, १५७;

३।६, ११, २४, ३२।१, ८१, ८७, १०३, १०४

१०५, ११७, १७८, १८५, १८६, १८८, २०४,

२०६, २१६, २१६, २२१, २२२, २२५; ४।२, ३,

२५, २८ से ३०, ३४, ६०, १४०, १५६, २४८,

२५०, २५१, २५२; ५।१, ५, १६, ४३, ४६, ४७,

६७; ७।११२।१, २, ७।१६८, १८५, १६७, २१३,

२१४ चं २।४ सू १।६।४; २।१; १०।१२६।१,

२; १४।१ से ८, १८।२३; १६।१६; २०।७

उ १।१६, ४१, ४३, ५१, ५२, ७६, ७७, ६३, ६८;

२।१०, १२; ३।११, १४, २८, ५५, ८३, १०१, १०६,

१०६, ११४, ११५, ११६, १२०, १३० से १३२,

१३४, १५०, १६१, १६६; ४।२४; ५।७.१०

बहुआउपज्जव (बहुवायुःपर्यव) ज १।२२, २७, ५०

बहुउच्चत्तपज्जव (बहुच्चत्तपर्यव) ज १।२२, २७, ५०

बहुम (बहुक) प २।४६, ५०, ५२, ५३, ५५, ६३

बहुजण (बहुजन) ज ३।१०३

बहुणाय (बहुजात) उ ३।१०१

बहुतराग (बहुतरक) प १७।१०८ से १११

बहुतराय (बहुतरक) प १७।२, २५

बहुपडिपुण्ण (बहुप्रतिपूर्ण) ज २।८८; ३।२२५

उ १।३४, ४०, ४३, ५३, ७४, ७८; २।१२; ५।२८,

३६, ४१

बहुपट्ठिय (बहुपठित) उ ३।१०१

बहुपरिया (बहुपरिचार) उ ३।६६, १५६; ५।२६

बहुपरिदार (बहुपरिवार) उ ३।१३२

बहुपुत्तिय (बहुपुत्रिक) उ ३।६०, १२०

बहुपुत्तिया (बहुपुत्रिका) उ ३।२।१, ६०, ६२, ६४,
१२०, १२५; ४।५

बहुप्पयार (बहुप्रकार) ज २।१३१

बहुबीयग (बहुबीजक) प १।३४, ३६

बहुबीया (बहुबीजक) प १।३६

बहुमज्जदेसभाग (बहुमध्यदेशभाग) ज १३७;

४३५ सू १६१६

बहुमज्जदेसभाय (बहुमध्यदेशभाग) ज ११०, १६,

४०, ४२, ४३; ३११, ६७, १६१, १६३, १६४, १६७;
४३, ६, ६, १२, ३१, ३३, ४१, ४७, ४६, ५७, ५६,
६४, ६८, ७०, ७६, ८४, ८८, ६३, ६८, ११२, ११८,
११६, १३६, १४१, १४३, १४५ से १४७, १५६,
१६८, १७७, २०७, २०८, २१३, २१८, २२१, २४२,
२४८, २५०, २५२, २६६, २७२; ५११३

बहुमय (बहुमत) उ ३१२२

बहुय (बहुक) प १४७३, १४८५, ३३८ से १२०,

१२२ से १२४, १७४, १७६ से १८२; ६१२३;
८५, ७, ६, ११; ६११२, १६, २५; १०३ से ५, २६
मे २६; ११७६, ६०; १५१३, १६, २६, २८, ३१,
३३, ६४; १७५६ से ६६, ७१ से ७६, ७८ से
८३, १०६, १०७, १४४ से १४६; २०६४;
२११०४, १०५; २८४१, ४४, ७०; ३४२५;
३६३५ से ४१, ४८, ४६ सू १८३७

बहुल (बहुल) प २४१ ज २१२, ६४, ६५, ७१,

८८, १३३, १३४, १३८; ४२७७; ७१२६

बहुलपक्ख (बहुलपक्ष) ज ७११५, १२५ सू २०३

बहुवक्तव्य (बहुवक्तव्य) प १११४

बहुवयण (बहुवचन) प ११८६

बहुविह (बहुविध) प २६४१७; १७१३६

ज ३६, २२२

बहुसंघयण (बहुसंहनन) ज १२२, २७, ५०

बहुसंठाण (बहुसंस्थान) ज १२२, २७, ५०

बहुसत्त्व (बहुसत्त्व) ज ७१२२१ सू १०८४१

बहुसम (बहुसम) प २४८ से ५१, ६३; ३३६;

१७१०७, १०६, १११ ज ११३, २१, २५, २६,
२८, २६, ३२, ३३, ३६, ३७, ३६, ४०, ४२, ४६;
२३, १०, ३८, ५२, ५६, ५७, १२२, १२७, १४७,
१५०, १५६, १५६, १६१, १६४; ३८१, १६२,
१६३, १६६, १६७; ४२, ३, ८, ११, १२, १६,
३२, ४६, ४७, ४६, ५०, ५६, ५८, ५६, ६३, ६६, ७०,
८२, ८७, ८८, १००, १०४, १०६, १११, ११२,

११७, ११८, १३१, १६६, १७०, १७६, २३४, २४०

से २४२; २४७, २४८, २५०; ५३२, ३५ सू २१;

६३; १८१, २०७

बहुस्सुय (बहुश्रुत) उ ३६६, १५६; ५१२६

बाउच्चा (बाकुची) प १३७२

बाण (बाण) प १३८२ बाण का फल

बाणउत्ति (दानवत्ति) सू ११६१; १६१५१

बाणउय (दानवत्ति) ज १४८

बाणकुसुम (बाणकुसुम) प १७१२४

बाताल (द्विचत्वारिंशत्) सू १३१

बातालीस (द्विचत्वारिंशत्) सू १६१; २१२

बादर (बादर) प २१, २, ४, ५, ७, ८, १०, ११, १३,

१४; ३३२ से ६५, १११, १८३; ४६२ से ६४,

६६, ७०, ७६, ७७, ८५ से ८७, ६२ से ६४; ६८३,

१०२; ११६४; १८४१ से ४४, ४६, ४७, ४६,

५०, ५४, ११७; २१४, ५, २५, ४०, ४१ ५०;

२८१४, १५, ६०, ६१ सू २०१

बादरआउक्काइय (बादरअप्कायिक) प १२१, २३

बादरकाय (बादरकाय) प १२०२

बादरणाम (बादरनामन्) प २३३८, ११६

बादरतेउक्काइय (बादरतेजस्कायिक) प १२४, २६

बादरवणस्सइक्काइय (बादरवणस्पत्तिकायिक)

प १३०, ३२, ३३, ४७, ४८

बादरवाउक्काइय (बादरवायुकायिक) प १२७, २६

बादरसंपराय (बादरसंपराय) प १११४

बायर (बादर) प ६१०२; ११६५, ६६१; १८५२;

२१२३, २४, २६, २७ ज ७४३

बायरसंपराय (बादरसम्पराय) प १११२; २३१६२

बायाल (द्विचत्वारिंशत्) ज ४८६, १०८ सू ३१

बायालीस (द्विचत्वारिंशत्) प २६४ ज २६

सू ३१ उ ५६

बायालीसविह (द्विचत्वारिंशत्विध) प २३३८

बार (द्वारका) प १०१४३

बारवई (द्वारवती) उ ५४, ५, ६, ११, १६, ३०, ३३

बारवती (द्वारवती) प १६३३

बारस (द्वादशन्) प १।७४ ज १।८ सू ३।१
उ ५।४५

बारस (द्वादश) ज ७।११४।२ सू १०।१२४।२

बारसग (द्वादशक) प २३।६८, १४०, १८३, १८४

बारसम (द्वादश) प १०।१४।२ सू १०।७७;

१२।१७; १३।८

बारसविह (द्वादशविध) प १।१३५; २।१५५

बारसाह (द्वादशाह) उ १।६३; ३।१२६

बारसी (द्वादशी) ज ७।१२५

बाल (बाल) ज २।६५; ३।२४; ७।१७८

बालग (बालक) ज १।३७

बालचंद (बालचन्द्र) उ ३।२४

बालदिवागर (बालदिवाकर) प १।७।१२६

बालभाव (बालभाव) उ ३।१२७, १२८; ५।४३

बालव (बालव) ज २।१३८; ७।१२३ से १२६

बालिदगोव (बालेन्द्रगोप) प १।७।१२६

बालुया (बालुका) ज ४।१३

बावट्ठ (द्वाषष्टि) ज ४।४७

बावट्ठि (द्विषष्टि) प २।१।६७ सू १०।१३७

बावण्ण (द्विषञ्चाशत्) ज १।१७ सू १।२१

बावत्तर (द्वासप्तति) ज ४।११०

बावत्तरि (द्वासप्तति) प २।३० ज २।६४ सू २।३;
१६।११; २।१३

बावीस (द्वाविंशति) प ४।१६ ज २।८१ चं ५।४
सू १।६

बावीसइम (द्वाविंशतितम) प १०।१४।५

बावीसग (द्वाविंशतितम) प १०।१४।४

बासीत (द्वयसीति) सू १।१२

बाहल्ल (बाहल्य) प १।७४; २।२१ से २७, ३० से
३६, ४१ से ४३, ४६, ४८, ६४; १।५।११; १।५।७,
२२, ३०; २।१।८४, ८६, ८७, ९० से ९३; ३।६।५६,
६६, ७०, ७४ ज १।४३; २।१४१ से १४५;
४।६, ७, १२, १४, १५, २४, ३६, ६६, ७४, ६१,
११४, ११८, १२३, १२४, १२६ से १२८, १३२,
१३६, १४०, १४३, १४५, १४७, २१७, २४५,

२४८, २५७, २५८, २५९; ५।३५; ७।७, ६६, ६०;

१७७।१, २, ३ सू १।२६, २७; १।८१, ६ से १३

बाहा (बाहु) ज १।२३, ४८; २।१५; ३।६६ से १०१;

४।१, २६, ५५, ६२, ८१, ८६, ८८, ११५, १७२;

५।१४, १७; ७।३१, ३३, १६८।१, १७८ सू ४।३,

४, ६, ७ उ ३।५०

बाहाओ (बाहुतस्) सू ४।३, ४, ६, ७

बाहिं (बहिम्) प २।२० से २७, ३० से ३६, ४१

से ४३; ३।३।२७ से २६ ज १।१२, ३१; ४।४६,

११४, २३४, २४०; ७।३१, ३३, १६८।१ सू ४।३,

४, ६, ७; १६।२२।१५, १६

बाहिर (बाह्य) प १।४८।४५; १।१०।१६;

१।५।५५; ३।३।११ ज २।१२; ४।७, २१; ५।३६;

७।१० से १३, १६, १८, १९, २२, २५, २७ से

३०, ३५, ५५, ५८, ६६ से ७२, ७५, ७७, ७८, ८१,

से ८४, ८६, १२६।१, १७५ सू १।११, १२, १४,

१६, १७, २१, २२, २४, २७ से ३१; २।३; ३।२;

४।६; ६।१; ६।१, २; १०।७५; १३।१३ से १६;

१६।२२।१२; १६।२३, २६; २०।७

बाहिरओ (बाह्यतस्) ज ३।२४।१, १३१।१;

७।१२६

बाहिरपुक्खरद्ध (बाह्यपुष्करार्द्ध) सू १६।१६

बाहिरय (बाहिरक, बाह्यक) ग १।७५, ८०, ८१

ज ७।५, १७, ६४, ७६, ८८ सू १।१२

बाहिरिया (बाहिरिका) ज ३।५, ७, १२, १७, २१,

२८, ३४, ४१, ४६, ५८, ६६, ७४, ७७, १३५, १४७,

१५१, १७७, १८४, १८८, २१६; ४।१६; ७।३१,

३३ सू ४।३, ४, ६, ७ उ १।१६, ४१, ४२, १२४;

४।१२; ५।१६

बाहिरिल्ल (बाह्य) प २।१।६० सू १।८।७

बाहु (बाहु) ज ३।१२७; ५।५

बि (द्वितीय) प १०।१४।४ से ६ सू १।२६

बि (द्वि) ज ४।६३; ६।१४ सू १।२६

बिइविद्य (द्विन्द्रिय) प १।७।६६

बिइय (द्वितीय) प २।३१; ३।६।८५ ज ३।३;

७।१०७ उ २।२२; ३।६४
 बिइया (द्वितीया) ज ७।११७; १२५ सू १०।१४८,
 १५०
 बिइयादिवस (द्वितीयादिवस) ज ७।११६
 बिहु (विन्दु) प १।१०१।७; १५।२६; २१।२४
 ज ३।१०६; ७।१३३।२
 बिब (विम्ब) प २।३१, ३२
 बिबफल (विम्बफल) प २।३१ ज ३।३५
 बिहणिज्ज (बृहणीय) ज २।१८
 बिगुण (द्विगुण) ज २।४
 बिडाल (विडाल) प १।६६ ज २।३६
 बितिय (द्वितीय) प १।१४२, ८८; १२।१२, ३८;
 २२।३३, ४१; ३६।८७ ज ३।६५; ४।१४२।३
 सू १०।७२, ७७, ८५, ८७; १३।१, ८; १४।३, ७
 उ १।६३
 बितियादिवस (द्वितीयादिवस) सू १०।८५
 बितियाराति (द्वितीयाराति) सू १०।८७
 बिन्दोयण (दे०) ज ४।१३
 बिभेलय (विभीनक) प १।३५।२
 बिराल (विडाल) ज २।१३६
 बिल (विल) प २।४, १३, १६ से १६, २८
 ज २।१३४, १४६
 बिलपंथिया (विलपञ्चितका) प २।४, १३, १६ से
 १६, २८ ज ४।६०, ११३
 बिलवासि (विलवारिन्) ज २।१३३ उ ३।५०
 बिल्ल (विल्व) प १।३६।१; १६।५५; १७।१३२
 सू १०।१२०
 बिल्लाराम (दे०) उ ३।४८, ५५
 बिल्ली (विल्ली) प १।३७।२ एकसण, यथुआ
 बिल्ली (विल्ली) प १।४४।१
 बीभच्छ (बीभत्स) उ ३।१३०
 बीय (बीज) प १।४५।२, १।४८।१६, २६, ५१, ६३;
 ३६।६४ ज २।१०, १३३; ३।१६७।३ उ ३।५१,
 ५३
 बीय (द्वितीय) प १।२।२ सू १०।७७

बीयय (बीजक) प १।३८।१ बिजीरानीवु
 बीयरुह (बीजरुचि) प १।१०१।१, ७
 बीयरुह (बीजरुह) प १।४८।३
 बीय (वासा) (बीजवर्षा) ज ५।५७
 बीर्याविटिय (बीजवृन्तक) प १।५०
 बीर्याहार (बीजाहार) उ ३।५०
 √बुक्कार (दे०) बुक्कारेंति ज ५।५७
 √बुज्ज (बुध्) बुज्जह प ३६।८८ बुज्जति
 प ६।११० ज १।२२, ५०; २।५८, १२३, १२८;
 ४।१०१ बुज्जति प ३६।६१
 बुज्जिहिइ उ १।१४१; ३।८६; ५।४३
 बुज्जिहिति ज २।१५१, १५७ बुज्जिज्जा
 प २०।१७, १८, २६, ३४
 बुज्जिस्ता (बुद्धवा) उ ५।४३
 बुद्ध (बुद्ध) प २।६४।२१ ज २।८८, ८६; ३।२२५;
 ५।५, २१, ४६, ५८
 बुद्धंत (बुध्नान्त) सू २०।२
 बुद्धबोहिय (बुद्धबोधित) प १।१०५, १०७, १०८,
 १२०
 बुद्धबोहियसिद्ध (बुद्धबोधितसिद्ध) प १।१२
 बुद्धि (बुद्धि) ज ३।३, ३२; ४।२६।१ उ ४।२।१
 बुध (बुध्) सू २०।८
 √बुय (बू) बुयामि प १।१११, १६
 बुयमाण (बुवाण) प १।१११, १६
 बुह (बुध्) प २।४८ सू २०।८।४
 √बू (बू) वेमि सू १०।१७३ उ १।१४२; २।१४;
 ३।१६; ५।४४
 बूर (दे०) सू २०।७
 बे (द्वि) प १।२।३७ सू १३।६
 बेइंदिय (द्विन्द्रिय) प १।४६; २।१६; ३।७, ४० से
 ४२, ४५, ४६, १४४, १४५, १८३; ४।६५ से ६७;
 ५।३, १६, २०, ६७, ६८, ७०, ७१, ७३, ७४, ७८;
 ६।२०, ५४, ६४, ७१, ८३, ८६, १०२, १०४, ११५;
 ६।४, २२; १।१४५; १।२।७, १३।१७, १५।३० से
 ३३, ७५, ८०, ८६, १३७; १६।६, १३; १७।४०, ६२,

१०३; १०१५, २१; १६१३; २०१८, २३, २८, ३२,
४७; २१६, २८, ४२, ८६, ८८; २२३३१; २३१८६,
१५१, १५५ से १५७, १६३, १६६, १६७, १७५;
२८३७ से ४०, ४२, १००, १०३, ११६, १२५,
१३६; २६१११ से १३, २१; ३०११० से १२,
२०, २१; ३१३; ३६१३६, ६२

वेइंदियत्त (द्वीन्द्रित्व) प १५१६७, १४२

बैट्टठाइ (वृत्तस्थायित्व) ज ५१७

बैदिय (द्वीन्द्रिय) प ११४४, ४६; ३४२, ४५, ४६,
१४६; ५१५७; ६१७१

बेत्यालसतविह (द्वित्रिचत्वारिंशत्शतविध)
प १७१३६

बेपाहिय (द्व्याहिक) ज २४३

बेहिय (द्व्याहिक) ज २६

बोंड (दे०) प १३७१

बोंदि (दे०) प २३०, ३१, ४१, ४६; ६४२, ३
ज ५१८

बोद्धव (बोद्धव्य) प १०१४१२; ३४११२

ज ४१५६१, १६२११, २०४११, २१०११;
७११७२, १२०११, १३२११, १६७११,
१७७११, २, १८६४१ सू १०८६, ८८; २०८१८
उ १११७; ३१११; ४१११

बोधव (बोद्धव्य) प १२०४, ३३११, ३५१२,
३६१२, ३७१२, ४२१२, ४३१२, ४८१८, ४०,
११८१११; २६४६६, ७; ६१८०१२; १०५३११;
११३७२; १७१११; २८१११ सू २०८१७

बोर (बदर) प १६१५५; १७१३३

बोल (दे०) प २४१ ज २४२, ६५; ३१२२, ३६,
७८, ६३, ६६, १०६, १६३, १८०; ५१२६; ७५५,
१७८ सू १६१२३ उ ११३३८

बोहग (बोधक) ज ५१५, ४६

बोहय (बोधक) ज ३१८८; ५१२१

बोहि (बोधि) प २०१७, १८, २६, ३४

बोहिदय (बोधिदय) ज ५१२१

बोहिय (बोधित) ज २१५; ३१३

भ

भइज्ज (भज्) भइज्जति प २२१७४

भइज्जति प २२१७३

भइत्ता (भक्त्वा) सू १२११० से १२

भइत्त (भक्त) प २६४१६

भंग (भङ्ग) प १४८११० से २६; १०६ से ६;
१४१२६; १६११०, १५, २१; २२१२५, ८४, ८६;
२४१५, ८, १२; २६१४, ६, ६, १०; २८११८

भंगुर (भङ्गुर) ज २१५

भंगी (भृङ्गी) प १४८५५; १७१३१

भंगी (भृङ्गी) प १६३५

भंगीरय (भृङ्गिरजम्) प १७१३१

भंड (भाण्ड) ज ३७२, १५०; ४१०७, १४०

सू २०४ उ १६३, १०५, १०६, ११६; ३१५०,
५५, ६३, ७०, ७३, १२८

भंडग (भाण्डक) उ ३१५०, ५५

भंडवेयालिय (भाण्डवैचारिक) प १६६

भंडार (भाण्डकार) प १६७

भंडी (भण्डी) प १३७५ शिरीष का पेड़

भंत (भदन्त) प १७४, ८४; २१ से ३६, ४१ से

४३, ४६, ४८ से ६४; ३३८ से १२०, १२२ से
१२४, १७४, १७६ से १८३; ४१ से ४६, ५२,
५६ से ५८, ६५, ७२, ७६, ८५, ८८, १०१,
१०४, ११३, १३१, १४०, १४६, १५८, १६५,
१६८ से १७१, १७४, १७७, १७८, १८०, १८१,
१८३, २०७, २१०, २१३, २६४, २६७; ५१ से
७, ६ से १२, १४, १६ से १८, २०, २३, २४, २७
से ३४, ३६, ३७, ४०, ४१, ४४, ४५, ४८, ४९, ५२,
५३, ५५, ५६, ५८, ५९, ६२, ६३, ६७, ६८, ७०, ७१,
७७, ७८, ८२, ८३, ८५, ८६, ८८, ८९, ९३,
९६, ९७, १००, १०१, १०३, १०४, १०६, १०७,
११०, १११, ११४, ११५, ११८, ११९, १२३ से
१२६, १३१, १३४, १३६, १३८, १४०, १४३,
१४५, १४७, १५०, १५३, १५४, १५६, १५७,
१६२, १६३, १६५, १६६, १६८, १६९, १७१,

૧૭૩, ૧૮૦, ૧૮૨, ૧૮૬, ૧૮૮, ૨૦૨, ૨૦૩,
 ૨૧૦, ૨૧૭, ૨૨૭, ૨૨૮, ૨૩૧, ૨૩૩, ૨૩૬,
 ૨૩૮, ૨૪૧; ૬૧૧ સે ૨૩, ૨૭, ૪૩ સે ૪૫, ૪૭
 સે ૫૫, ૫૭, ૫૮, ૬૦ સે ૬૪, ૬૭, ૬૮, ૭૦, ૭૫,
 ૭૮, ૮૦ સે ૮૨, ૮૭, ૯૦, ૯૩, ૯૪, ૯૬, ૯૮,
 ૧૦૧, ૧૦૩, ૧૦૫, ૧૧૦, ૧૧૪ સે ૧૧૬, ૧૧૮
 સે ૧૨૧, ૧૨૩; ૭૧૧ સે ૪, ૬ સે ૩૦; ૮૧૧ સે
 ૧૧; ૯૧૧ સે ૪, ૬ સે ૧૬, ૧૮ સે ૨૧, ૨૫, ૨૬;
 ૧૦૧૧ સે ૧૩, ૧૫ સે ૨૪, ૨૬ સે ૫૩; ૧૧૧૧
 સે ૪૪, ૪૬ સે ૪૮, ૬૧ સે ૭૩, ૭૬ સે ૮૦;
 ૧૨૧૧ સે ૫, ૭ સે ૧૩, ૧૫; ૧૬, ૨૦, ૨૧,
 ૨૩, ૨૭, ૩૧ સે ૩૩; ૧૩૧૧ સે ૩૧;
 ૧૪૧૧ સે ૩, ૫, ૭, ૯, ૧૧ સે ૧૫, ૧૭; ૧૫૧૧ સે
 ૩, ૭, ૮, ૧૧ સે ૨૮, ૩૦ સે ૩૩, ૩૬ સે ૪૧, ૪૩
 સે ૫૪, ૫૬ સે ૭૪, ૭૬ સે ૮૦, ૮૩, ૮૪, ૮૬,
 ૮૧, ૮૪ સે ૮૭, ૧૦૦, ૧૦૩ સે ૧૦૬, ૧૦૮,
 ૧૧૪, ૧૧૫, ૧૧૭, ૧૧૮ સે ૧૨૦, ૧૨૩, ૧૨૬,
 ૧૨૮, ૧૩૨ સે ૧૩૫, ૧૪૦, ૧૪૧; ૧૬૧૧ સે
 ૩, ૧૦ સે ૧૩, ૧૫, ૧૭, ૧૮ સે ૨૧; ૧૭૧૧ સે
 ૬, ૮ સે ૧૬, ૧૮ સે ૨૧, ૨૪, ૨૮, ૨૯, ૩૩, ૩૬
 સે ૪૦, ૫૧, ૫૬ સે ૬૬, ૭૧ સે ૭૬, ૭૮ સે ૮૭,
 ૮૦ સે ૮૨, ૮૪, ૮૫, ૮૬ સે ૧૦૪, ૧૦૬ સે
 ૧૧૬, ૧૧૮ સે ૧૨૦, ૧૨૨ સે ૧૩૦, ૧૩૫ સે
 ૧૩૭, ૧૩૮ સે ૧૫૨, ૧૫૪ સે ૧૫૭, ૧૫૮ સે
 ૧૬૧, ૧૬૬, ૧૬૭, ૧૬૮ સે ૧૭૨; ૧૮૧૧ સે
 ૧૦, ૧૨ સે ૩૭, ૩૮, ૪૧ સે ૪૭, ૪૮ સે ૫૧,
 ૫૪ સે ૮૨, ૮૪ સે ૮૦, ૮૩ સે ૧૧૧, ૧૧૩,
 ૧૧૪, ૧૧૬ સે ૧૨૦, ૧૨૨, ૧૨૩, ૧૨૫ સે
 ૧૨૭; ૧૯૧૧; ૨૦૧૧ સે ૩, ૬, ૭, ૮ સે ૧૫, ૧૭
 સે ૨૫, ૨૭ સે ૨૮, ૩૨ સે ૩૪, ૩૮ સે ૪૦,
 ૪૫, ૪૮ સે ૫૧, ૬૧ સે ૬૪; ૨૧૧૧ સે ૧૫,
 ૧૮ સે ૨૫, ૨૮ સે ૩૨, ૩૬, ૩૮, ૪૦
 સે ૪૨, ૪૮, ૪૯, ૫૬ સે ૬૬, ૬૮ સે ૮૧,
 ૮૩ સે ૮૬, ૮૮ સે ૧૦૧, ૧૦૩ સે ૧૦૫;
 ૨૨૧૧ સે ૧૮, ૨૧ સે ૨૩, ૨૬, ૨૭, ૨૮, ૩૦,
 ૩૨ સે ૫૦, ૫૨ સે ૬૬, ૭૬ સે ૭૮, ૮૧ સે

૮૪, ૮૬, ૮૭, ૮૮ સે ૮૪, ૮૭ સે ૮૮, ૧૦૧;
 ૨૩૧૧ સે ૭, ૮, ૧૧, ૧૩ સે ૪૮, ૫૭ સે ૬૨,
 ૮૧, ૮૦, ૧૩૪, ૧૩૫, ૧૩૭ સે ૧૪૦, ૧૫૪,
 ૧૫૫, ૧૫૭, ૧૬૦, ૧૬૧, ૧૬૪, ૧૬૭, ૧૭૧,
 ૧૭૬, ૧૭૭, ૧૮૧ સે ૧૮૬, ૧૮૮ સે ૨૦૧;
 ૨૪૧૧ સે ૫, ૮, ૧૧, ૧૨, ૧૪; ૨૫૧૧, ૨,
 ૪, ૫; ૨૬૧૧ સે ૪, ૮, ૯; ૨૭૧૧ સે ૩, ૬;
 ૨૮૧૧, ૩ સે ૫, ૧૧ સે ૧૮, ૨૧ સે ૨૫, ૨૮
 સે ૩૧, ૩૩ સે ૪૨, ૪૪, ૪૫, ૪૮ સે ૫૦,
 ૫૧, ૫૭ સે ૬૦, ૬૨ સે ૬૫, ૬૭ સે ૭૧,
 ૮૮, ૧૦૨, ૧૦૪, ૧૦૬ સે ૧૦૮, ૧૧૧ સે
 ૧૨૦, ૧૨૨, ૧૨૩, ૧૨૫, ૧૨૭, ૧૨૮, ૧૩૨;
 ૨૯૧૧ સે ૩, ૫ સે ૭, ૮, ૧૦, ૧૨, ૧૩, ૧૬ સે
 ૧૮; ૩૦૧૧ સે ૩, ૫ સે ૧૧, ૧૩, ૧૫ સે ૧૭,
 ૧૮, ૨૧, ૨૫ સે ૨૮; ૩૧૧૧; ૩૨૧૧, ૨, ૪; ૩૩૧૧
 સે ૩, ૫, ૬, ૧૨ સે ૧૮, ૨૦, ૨૨; ૩૫૧૧, ૨, ૪ સે
 ૧૩, ૧૬ સે ૧૮, ૨૦, ૨૩; ૩૬૧૧ સે ૨૨, ૩૦
 સે ૪૮, ૫૩, ૫૪, ૫૮ સે ૬૭, ૭૦, ૭૧, ૭૩ સે
 ૮૮, ૮૨, ૮૪ જ ૧૧૭, ૧૫ સે ૧૮, ૨૦ સે ૨૩,
 ૨૬, ૨૭, ૨૮, ૩૩ સે ૩૫, ૪૧, ૪૫ સે ૫૧; ૨૧૧,
 ૪, ૭, ૧૪, ૧૫, ૧૭, ૪૩, ૫૨, ૫૬, ૫૭, ૫૮, ૧૨૨,
 ૧૨૩, ૧૨૭, ૧૨૮, ૧૩૧ સે ૧૩૭, ૧૩૮, ૧૪૭,
 ૧૪૮, ૧૫૦, ૧૫૧, ૧૫૬, ૧૫૭, ૧૬૧, ૧૬૪;
 ૩૧૧, ૮૮; ૪૧૧, ૨૨, ૩૪, ૪૪, ૪૫, ૪૮, ૫૧, ૫૨,
 ૫૪, ૫૫, ૫૬, ૫૭, ૬૦, ૬૨, ૭૮ સે ૮૨, ૮૪ સે
 ૮૬, ૮૬ સે ૮૮, ૧૦૦ સે ૧૦૩, ૧૦૬ સે ૧૧૦,
 ૧૧૩, ૧૧૪, ૧૪૧, ૧૪૩, ૧૫૬ સે ૧૬૭, ૧૬૮
 સે ૧૭૮, ૧૮૦ સે ૧૮૨, ૧૮૪, ૧૮૫, ૧૮૭,
 ૧૮૮, ૧૯૦ સે ૧૯૪, ૧૯૬, ૧૯૭, ૧૯૮ સે
 ૨૦૩, ૨૦૫ સે ૨૦૮, ૨૧૧ સે ૨૧૫, ૨૨૫,
 ૨૨૬, ૨૩૪, ૨૩૬, ૨૩૭, ૨૩૮ સે ૨૪૧, ૨૪૪,
 ૨૪૫, ૨૪૮, ૨૫૧ સે ૨૫૫, ૨૫૭, ૨૬૦ સે
 ૨૭૭; ૬૧૧, ૨, ૪, ૭ સે ૨૬; ૭૧૧ સે ૪૮, ૫૦,
 ૫૨ સે ૭૩, ૭૬, ૭૮ સે ૧૦૭, ૧૧૧ સે ૧૪૫,
 ૧૪૭ સે ૧૫૧, ૧૫૪ સે ૧૬૭, ૧૬૮ સે ૧૭૮,
 ૧૮૦ સે ૧૮૫, ૧૮૭, ૧૯૭ સે ૧૯૮, ૨૦૧ સે

२१३ उ ११४, ६, ८, २१, २४, २५, १४१, १४३;
२११, ३, १३, १५; ३११, ३, ८, १६, १८, २०, २३,
२६, ३० से ३२, ३५ से ४१, ४४, ८६, ८८, ९३,
९४, १२३ से १२५, १५२, १५४, १६४, १६५,
१६७; ४११, ३, १४, २६; ५११, ३, २०, २२, २३,
३२, ४०, ४३

भंतसंभंत (भ्रान्तसम्भ्रान्त) ज ५१५७

भंभा (दे०) ज ३३१

भंभाभूय (भंभाभूत) ज २११११, १३६

भक्षेय (भक्ष्य) उ ३३७ से ४२

भग (भग) ज ७१३०, १३३, १८६४ सू १०३५

भगंदर (भगंदर) ज २४३

भगदेवता (भगदेवता) सू १०१८३

भगव (भगवत्) प १११३; ३६१८१ ज ११५, ६;
२१६८, ७०, ७२, ८०, ८३, ८५, ८६, १०१ से
१०३, ११३, ११४; ५१३, ५, ७ से १४, २१, २२,
२६, ४४, ४६, ५८, ६०, ६२, ६४, ६७ से ७०, ७२
से ७४; ७२१४ चं १० सू ११५; २०१६१
उ ११२, ४ से ८, १६, १७, १९ से २६, १४२,
१४३; २११ से ३, १० से १२, १४, १५, २१; ३११
से ३, ७, ८, १६, २०, २२, २३, २६, ८७, ८८, ९०,
९३, १५३, १५४, १५६, १६१, १६६, १६७, १७०;
४११ से ३, २७; ५११ से ३, ४४

भगवंत (भगवत्) प २१६४ ज २१६६, ७१, ८३;

५११, २१ उ १११७

भगवती (भगवती) सू २०१६१

भगसंठिय (भगसंस्थित) सू १०३५

भगिणी (भगिनी) ज २१२७, ६६

भग्न (भग्न) प ११४८१० से २६ उ ३११३१, १३४

भगवेंस (भगवेंश) ज ७१३३२१ सू १०११००

भज्जमाण (भज्जमान) प ११४८१३८

भज्जा (भार्या) ज २१२७, ६६ उ १११२, १४५;
२१५, १७

भज्जिय (भजित) उ ११३४, ४६, ७४

भट्टित (भर्तृत्व) प २१३०, ३१, ४१, ४६ ज ११४५;

३१८५, २०६, २२१; ५११६ उ ५११०

भट्टिवारय (भर्तृदारक) प ११११५, २०

भट्ठरय (भ्रष्टरजस्) ज ५१७

भट्ठिठ (दे०) ज २११३१

भड (भट) ज ३११७, २१, २२, ३६, ७८, १७७

भडग (भटक) प ११८६

भभण (भण्) भणइ उ ३१६६ भणति प १७१८६

भणित (भणित) प ११४८१६, ४७; ११६३१६; २१४०;

३११८२; ५१२४४; ६१५६, ६६, ८३, ८६, ८२,

१००; १५१५५; २११७७ सू १०११४८; २०१७

भणितव्य (भणितव्य) सू ८११; १०११४८, १५०;
१५१६

भणिय (भणित) प ११४८१५२; २१२७३, ४७;

६४४, ६, ८; ५११५२; १११८०; १२११३, १५,

२१; १५११८, ३०, १४०; १६११८, १७३, ६७;

२०१२६, ३५; २११७६, ६४; २२१५४; २३११००,

१०८, १५६, १७६, १८१, १८५, १९०; २४१८, ६;

२६११५; ३६१२०, २४, ४६ ज २१४३, २११५;

३११०६, १३८; १६७३३, ४; ४१२०० चं ४३

सू ११८३; १०११५०; १६१२२१, २

भभण (भण्) भणइ प ५१२२६ ज ७१४६

भणति प ५१२०५ भणति प ५१२०५, २११;

३६१८८

भत्त (भक्त) ज २१६५, ७१, ८८; ३१२२५ उ २११२;
३११४, १२०, १५०, १६१, १६६; ५१२८, ३६, ४१,
४३

भत्तपाण (भक्तपाण) ज ३११०३, २२४

भत्तसाला (भक्तशाला) ज ३३२

भत्ति (भक्ति) ज ३११६७६

भत्तिचित्त (भक्तिचित्र) प २१४८ ज १३७;

२११०१; ३१३६, १२, ५६, ८८, १०६, ११७,

१४५, २२२; ४१२७, ४६; ५११६, २८, ३२, ३४,

५६ सू १८१८; १६१२२१, २

भत्तिय' (दे०) प ११४२११

भद् (भद्र) प २३१ ज २१६४, ८१; ३३, १२, ५६,

८८, ११७, १३८, १८५, २०६; ४१४६; ५१२८;

१. वनस्पति कोष में भूलीक शब्द मिलता है ।

७।११८ उ २।२; ३।६६ से ६८, १००, १०१;
 १०६ से ११२
 भट्ट (भद्रक) ज २।१६
 भट्टमुत्था (भद्रमुत्ता) ज १।४८।६
 भट्टय (भद्रक) ज ३।१०६ उ ५।४०, ४१
 भट्टवत् (भाद्रपद) सू १०।१२४
 भट्टवय (भाद्रपद) ज ७।१०४, ११३।१, ११४
 सू १०।१२६ उ ३।४०
 भट्टसालवण (भद्रशालवन) ज ४।६४, २।१४, २।१५,
 २।१६, २।२०, २।२१, २।२४, २।२६, २।३४, २।६२
 भट्टसेण (भद्रसेन) ज ५।५२
 भट्टा (भद्रा) ज ५।१०।१; ५।६८; ७।११८ सू १०।२,
 ६०
 भट्टासन (भद्रासन) ज ३।३, ५।६, १।७८; ४।२८,
 १।१२; ५।३६, ४२
 भट्टिलपुर (भट्टिलपुर) प १।६३।३
 भमंत (भ्रमत्, भ्रम्यत्) ज ४।३, २५
 भमर (भ्रमर) प १।५१; १।७।१२३ ज २।१२; ३।२४
 भमरावली (भ्रमरावली) प १।७।१२३
 भमास (दे०) प १।४१।१, १।४८।४६
 भय (भय) प १।१।१; २।२० से २७; १।१३।४।१;
 २३।३६, ७७, १।४५ ज २।६६, ७०; ३।६२, १।११,
 १।१६, १।२।१, १।२५, १।२७ उ १।८६; ३।११२,
 १।५६; ४।१६
 भयंकर (भयङ्कर) ज २।१३१
 भयग (भृतक) ज २।२६
 भयणा (भजना) प १।४८।५०
 भयणिस्त्रिया (भयनिश्चिता) प १।१।३४
 भयभैरव (भयभैरव) ज २।६४
 भयव (भगवत्) प १।१।२ ज २।६०; ५।३, १।४,
 १।६, १।७, २।१, ६६
 भयसणा (भयसंज्ञा) प ८।१, २, ४, ५, ७, ९, ११
 √भर (भृ) भरेड उ ३।५१
 भरणी (भरणी) ज ७।११३।१, १।२८, १।२६, १।३।४।२,
 १।३।४।२, १।३६, १।४०, १।४४, १।४६, १।५६,
 १।७५ सू १०।१ से ६, १।१, २।३, ३।५, ६।२, ६६,

७५, ८३, १००, १।२०, १।३१ से १।३४; १।८।७
 भरह (भरत) प १।८८; १।६।३०; १।७।१६०
 ज १।१८ से २०, २३, ४६, ४७, ५१; २।७ से
 १।५, २।१ से ४५, ५०, ५२, ५६, ५७, ५८, ६०, १।२२,
 १।२३, १।२७, १।२८, १।३१, १।३२, १।३३, १।३६,
 १।४१ से १।४७, १।५०, १।५६, १।५७, १।५६, १।६१,
 १।६४; ३।१ से १।३, १।५, १।७, १।८ से २३,
 २।५ से ३।४, ३।६ से ४२, ४४ से ५०, ५२ से ५६,
 ६१ से ६७, ६६, ७७, ८३, ८४, ९० से ९४, ९६,
 ९६, १००, १०१, १०३, १०६ से १०६, १।१५ से
 १।२६, १।३१ से १।३।४।१, १।३७, १।३८, १।३९, १।४१
 से १।४८, १।५० से १।५४, १।५७, १।५८, १।६०,
 १।६३ से १।७०, १।७३, १।७५, १।७७, १।७८, १।७९,
 १।८१ से १।८२, १।८८, १।८९, २०।१, २०।२, २०।४
 से २२६; ४।१, ४।८, ५।३, १०।२, १।७२, १।७४, १।७७,
 २।७७; ५।५।५; ६।७, ६।९, १।२, १।६
 भरहकूड (भरतकूट) ज ४।४४, ४८
 भरहवास (भरतवर्ष) ज २।१५; ४।३५
 भरहवासपदमवति (भरतवर्षप्रथमपति)
 ज ३।१२६।२
 भरहाह्वि (भरताध्वि) ज ३।१८, ८।१, ६३, १।२।१।१,
 १।३।४।२, १।६।७।१४, १।८०, २।२१
 भरिय (भृत) ज २।६; ३।१७८
 भरिली (भरिली) प १।५१
 भरु (भरु) प १।८६
 भरेता (भृत्वा) उ ३।५१
 भल्लाय (भल्लात) प १।३।५।२
 भल्ली (भल्ली) प १।४०।४
 भव (भव) प २।६।४।५, ६; ३।१।२; १०।५।३।१;
 १।८।१।२, १।८।६।५; २।३।१।३ से २३ ज ३।२४,
 १।३१
 भव (भवत्) उ ३।४३
 √भव (भू) भवइ ज १।४७; २।६६ सू १।१३
 उ १।२० भवउ ज २।६४, १।५७ भवति
 प १।४६ से ५१, ६०, ८०, ८१; ५।४३; १।६।१।५;
 २।१।८।४; २।३।१।५।२; ३।६।२०, ८२, ६३

ज ४।१५।१।१ सू ३।१ उ १।१४।१; ३।५०
 भवति प १।४।५ २८, ३२, ३६; २।४।७।३;
 १।५।८।१; ३६।१।१ ज १।२६ सू १।१३
 भवतु ज २।६४ भवह उ १।४२ भविस्सइ
 ज १।४।७, १।२७; २।७।१, १।३१ उ १।४।१; ५।४।३
 भविस्संति ज २।१३३ भवे प १।४।३।० से
 ३८ ज २।६ सू १।१।१।१; ५।३; १।५।१, ४,
 १।१।२।१।३, १।५; २।१।४, ५ भवेज्जा उ ३।८१
 भवंत (भवत्) ज ३।२।४।१, २, १।३।१।१, २
 भवकख्य (भवकख्य) प २।६४।१० उ ३।१८, १।२५,
 १।५२; ४।२६; ५।३०, ४३
 भवचरिम (भवचरिम) प १।०।३६, ३७
 भवण (भवन) प २।१, ४, १०, १३, ३० से ४०,
 ४०।३, ४, २।४२, ४३; १।१।२५ ज १।३।१, ५।१;
 २।१।५, २०, ६५, १।२०; ३।३, २५, २६, ३।२।२,
 ३८, ३६, ४६, ४७, ५१, ५२, १०३, १।४०, १।४।१,
 १।८३, १।८६, २०४; ४।६, १०, १।१, ३३, ४।१, ७०,
 ६०, ६३, १।४।७, १।५३, १।५६, १।७४, १।८२, २।३८,
 २।४३; ५।१, ५ से ७, १।७, ४४, ६७, ७० उ १।३३
 भवणपति (भवनपति) ज ३।१।८६, २०४
 भवणपत्थड (भवनप्रस्तट) प २।१
 भवणवड्ड (भवनपति) प १।६।२६; २।०।५४ ज २।६५,
 ६६ १०० से १०२, १०४, १०६, १।१०, १।१३ से
 १।१६, १।२०; ४।२।४८, २।५०, २।५१; ५।४।७, ५।६,
 ६७, ७२ से ७४
 भवणवति (भवनपति) प ६।१०६; ३।४।१६, १।८
 भवणवासि (भवनवासिन्) प १।१३०, १।३१; २।३०,
 ३।०।१, २।३२; ३।२६, १।३३, १।८३; ४।३१ से
 ३३; ६।८५; १।७।५।१, ७।४, ७।६, ७।७, ८।१, ८।३;
 २।०।६१; २।१।५५, ६।१, ७० ज २।६४; ५।५२
 सू २।०।७
 भवणवासिणी (भवनवासिनी) प ३।१।३४, १।८३;
 ४।३४ से ३६; १।७।५।१, ७।५, ७।६, ८।२, ८।३
 भवणावास (भवणावास) प २।३० से ३६
 भवत्थकेवलि (भवत्थकेवलिन्) प १।८।६६, १०१

भवधारणिज्ज (भवधारणीय) प १।५।१८, १।६;
 २।१।५८, ५।६, ६।१, ६।२, ६।५ से ६।७, ७।०, ७।१
 भवपञ्चइय (भवप्रत्ययिक) प ३।३।१
 भवसिद्धिय (भवसिद्धिक) प ३।१।१३, १।८३;
 १।८।१२२; २।८।१।१।१, १।१२
 भविता (भूत्वा) प २।०।१।७ ज २।६५ उ ३।१३
 ४।१।४; ५।३२
 भविय (भविक) प १।१।२; २।८।१०६।१
 भविय (भव्य) ज ५।५।८ उ ३।४३, ४।४
 भवोवगगह (भवोपग्रह) प ३।६।८।३।१
 भवोववायगति (भवोपघातगति) प १।६।२४, ३।१,
 ३।२
 भव्व (भव्य) प १।६।५५; १।७।१३२ कमरख,
 करेला
 भव्वपुरा (भव्यपुरा) ज ३।१।६।७।७
 भसोल (दे०) ज ५।५।७
 भाइणज्ज (भागिनेय) उ ३।१।२८
 भाइयव्व (भेतव्य) ज ५।५, ७ से १०, १।२, १।३, ४६
 भाइत्तल्लय (दे०) ज २।२६
 भाग (भाग) प २।१०, १।१; २।३।१६०, १।६४, १।६७,
 १।७५; २।८।४०, ४।३, ६।६ ज २।६४ चं ५।१
 सू १।१।६, २।४ २६, २।७, २।८, ३०; २।१, ३; ३।२;
 ४।४, ५, ७, १०; ६।१; ६।३; १।०।२, १।३३, १।३५,
 १।३८ से १।४२, १।४४ से १।६३; १।१।२ से ६;
 १।२।२, ३।६ से ६, १।२, १।३, १।६ से २८, ३०;
 १।३।१, ३, ४, ७ से १२, १।४ से १।७; १।४।३, ७;
 १।५।२ से २०, २२ से २६, ३।१, ३।२, ३।४; १।८।६,
 १०, २।५, २।६; १।६।२।१।६; २।०।३
 भागसय (भागशत) ज ७।८।१, ८।४, ६।८, ६।९, १००
 भागसहस्स (भागसहस्र) ज ७।८।१, ६।५, ६।६
 भाणितव्व (भणितव्य) प २।३।२, ४०, ४।२, ५०;
 ३।१।८२; ४।६८; ५।१२२, ३।६, ४।३, ६।१, ७।६, ६।६,
 १०६, १।१।७, १।२२, १।५।२, २।०६, २।२६, २।४४;
 ६।४६, ५।६, ६।६, ८।१, ८।३, ८।६, ८।८, ८।९, ८।५,
 १००, १०२, १०३ १०७, १०८; १।०।१४; १।६।२०
 सू १।१।४, २।२, २।५

भाणिय (भणित) ज ३।२४, १३१

भाणियव्व (भणितव्व) प २।४३, ४५, ४७, ६२;

५।६१, ११७, १२०, २०५; ६।६१, १२३; ६।४;
१०।२८; ११।४१, ४६, ८३, ८५; १२।८ से १३,
१५ से १७, २१, २५; १५।३०, ५६, ६२, ८४,
१०२, १०३, १२१, १३४, १३८, १४०; १६।१८,
२१, ३२; १७।७, २८, २९, ३३, ३५, ६५, ७०, ७७,
८६, ९७, १०२, १०३, १०५, १४६, १४८, १६५,
१६७; २०।२५, २६; २१।३५, ४३, ७७, ८०, ९४;
२२।२०, २५, २८, ३३, ३५, ४१, ४५, ५४, ५८,
८३, ८४, ८६; २३।१००, १०८, १५२, १५६,
१६०, १६४, १६७, १७५, १७६, १८०, १८१;
२४।८, ९, ११, १५; २५।५; २६।९ से १२; २७।४,
५; २८।१०, २५, ५६, ८७, १०२, १४५; २९।१५;
३४।२१; ३६।२०, २४, २६ से ३०, ३२, ३४, ४६,
४७, ६५ ज १।१६, २३, २६, ४४, ४६; २।७,
७२, ९३; ३।१२६, १५५, १७१; ४।३, ४, २५, ३१,
३६, ४१, ५२, ५७, ७०, ७६, ८२, ८४, ९०, ९३,
१०६, ११०, ११२, ११६, ११८, १२८, १६५,
१७५, १७७, १८४, १८३, १८६, २०१, २०२,
२०४, २०८, २१२, २१५; २१७, २२० से
२२२, २२६, २३७, २४०, २४८, २४९, २६२,
२६५, २७१; ५।३, ७, १३, ३२, ४६, ५५, ५६, ६५;
६।३; ७।१८६ सू ४।९; ५।१; ८।१; १५।११;
२०।६ उ १।१४७, १४८; २।२२; ४।२८;
५।१७, २५

भाणी (दे०) प १।४६, १।४८।६२

√भाय (भाज्) भाएति ज ५।५७

भाय (भाग) ज १।१८, ४८; ३।१, १३५।१; ४।१,
२३, ३८, ५५, ६२, ६५, ८१, ८६, ९१, ९८, १०३,
१०८, ११०, १४१, १६७, १७८, २००, २०५, २०७,
२१२, २१४, २४०; ७।७, ९, १०, १२, १३, १५,
१६, १८ से २५, ३१, ३३, ५४, ६४, ६६, ६८, ६९,
७१, ७२, ७६, १३४, १७७।१, २ उ १।६६, ६४

भाय (भातृ) ज २।२७, ६६ उ १।६५

भायण (भाजन) ज ३।३२ उ १।४६

भारंङ्गपक्खि (भारण्डपक्खिन्) प १।७८

भारगस (भाराग्रसम्) ज २।१०६, ११०

भारहाय (भारद्वाज) ज ७।१३२।२ सू १०।१०३

भारह (भारत) ज १।३४, ३५; २।१; ३।१३५।२
सू १।१८, १९; ४।३ उ १।९, ३।१२५, १५७;
५।२४

भारहण (भारतक) ज ४।२५०

भारहय (भारतक) सू १।१६

भारियत्त (भार्यत्व) उ ३।१२८

भारिया (भार्या) ज २।६३ सू २०।७ उ ३।६७,
१।२२, १२८; ४।८

भाव (भाव) प १।१।२, १०१।३, ४, ६; २।६४।३३;
१।१३३।१ ज २।६६, ७१ उ ३।४३, ४४

भावभो (भावनत्) प १।१४८, ५२, ५३, ५५;
२८।५, ६, ९, ५१, ५२, ५५; ३५।४, ५ ज २।६६

भावकेउ (भावकेतु) ज ७।१८६

भावकेतु (भावकेतु) उ २०।८, २०।८।९

भावचरिम (भावचरम) प १०।४४, ४५; ५३।१

भावणा (भावना) ज २।७१

भावणागम^१ (भावनागम) ज २।७२

भावतो (भावतस्) प १।१५७, ५६

भावरुइ (भावरुचि) प १।१०१।१०

भावसच्च (भावसत्त्व) ज १।१३३

भाविअण्य (भावित्तात्मन्) प १।५।३

भाविदिय (भावेन्द्रिय) प १।५।५८।२, १।५।७६, १३३
से १३५, १४०, १४१, १४३

भावित्ता (भावयित्वा) उ ३।१६१

भाविय (भावित) प १।७।८

भावियण्य (भावित्तात्मन्) प ३६।७६ ज ७।१२२।२
सू १०।८४।२

भावेमाण (भावयत्) ज १।५; २।७१, ८३ उ १।२,
३; २।१०; ३।१४, २६, ८३, ९६, १३२, १४४, १५०;
४।२४; ५।२६, २८, ३२, ३६, ४३

१. आधारचूला पञ्चदशाध्वयनानुसारी

भावेयव्य (भावयितव्य) प २२।४५
 √भास (भाष्) भासइ ज ७।२१४ उ १।६८
 भासति प ११।४३ से ४६ भासती
 प ११।३०।१,२ भासिति प १।६८
 भास (भस्मन्) सू २०।८,२०।८।८
 भासंत (भाषमाण) प ११।८६
 भासत (भाषक) प ३।१।२; १०८; ११।३८ से ४१;
 १८ गा २
 भासज्जात (भाषाजात) प ११।४२
 भासज्जाय (भाषाजात) प ११।८८, ८६
 भासत (भाषात्व) प ११।४७, ७० से ७२, ८० से
 ८५
 भासमणपज्जति (भाषामनःपर्याप्ति) उ ३।१५, ८४
 १२१; ४।२४
 भासमाण (भाषमाण) प ११।८६
 भासय (भाषक) प १८।१०४
 भासरासि (भस्मराशि) प २।५०, ५६, ६० सू २०।८
 भासरासिप्वभ (भस्मराशिप्वभ) प २।५४, ५८
 भासरासिप्वणभ (भस्मराशिप्वर्णभ) सू २०।२
 भासा (भाषा) प १।१।५, १।६८; २।३१;
 १०।५३।१; ११।१ से १०, २६ से ३०, ३०।१,
 २, ११।३१ से ३७, ३७।१, २; ११।४३ से ४६,
 ८२, ८३, ८७, ८६; २८।१४२, १४४, १४५
 ज ३।७७, १०६
 भासाचरिम (भाषाचरम) प १०।३८, ३६
 भासारिय (भाषार्थ) प १।६२, ६८
 भासासमिय (भाषासमित) ज २।६८ उ ३।६६
 भासुर (भासुर) प २।३०, ३१, ४१, ४६ ज ५।७, १८
 भिउडि (भृकुटि) ज ३।२६, ३६, ४७, १३३
 उ १।२२, ११५, ११७, १४०
 भिग (भृङ्ग) प १७।१२४
 भिगनिभा (भृङ्गनिभा) ज ४।२२३।१
 भिगपत्त (भृङ्गपत्र) प १७।१२४
 भिगप्वभा (भृङ्गप्वभा) ज ४।१५५।२
 भिगा (भृङ्गा) ज ४।१५५।२, २२३।१

भिगार (भृङ्गार) प ११।२५ ज ३।३, ११, १७८;
 ५।६, ४३, ५५
 भिगारग (भृङ्गारक) ज २।१२
 भिडिमाल (भिण्डिमाल, भिन्दिपाल)
 ज ३।३१, १७८
 भिक्खायरिया (भिक्षाचर्या) उ ३।१००, १३३
 भिज्जमाण (भिद्यमान) प ११।७६
 भिण्ण (भिन्न) प ११।७२ सू २०।२
 भित्तिकडग (भित्तिकटक) ज ३।६७
 भित्तुं (भेत्तुम्) ज २।६।१
 भिबिसमाण (वाभाष्यमाण) ज ४।२७; ५।२८
 भिस (विस) प १।४६, १।४८।४२ ज २।१७;
 ४।३, २५
 भिसंत (दे० भासमान) ज ३।१७८; ७।१७८
 भिसकंद (विषकंद) प १७।१३५
 भिसमाण (दे०) ज ४।२७; ५।२८
 भीत (भीत) प २।२० से २७
 भीम (भीम) प २।२० से २७, ४५; ४५।१
 उ १।१३६
 भीय (भीत) ज २।६०; ३।१११, १२५ उ १।८६;
 ३।११२; ४।१६
 √भुज (भुज्) भुजइ ज ३।३ भुजए ज ४।१७७
 भुंजाहि उ ३।१०७
 भुंजमाण (भुज्जान) प २।३० से ३२, ४१, ४६
 ज १।३३, ४५; २।६१, १२०; ३।८२, १७१,
 १८५, १८७, २०६, २१८; ४।११३; ५।१, १६;
 ७।५५, ५८, १८४, १८५ सू १८।२२, २३;
 १६।२६ उ ३।६०, ६८, १०१, १०६, १२६ से
 १३१, १३४; ५।२५
 √भुंजाव (भोजय्) भुंजावेइ उ ३।११४
 √भुकंड (दे०) भुकंडेति ज ३।२११
 मुक्खा (दे० नुमुक्खा) उ १।३५ से ३७, ४०
 भुजंग (भुजङ्ग) ज २।१५
 भुज्जो (भूयस्) प १६।४६; १७।११५ से १२२,
 १५४; २८।२४ से २६, ३६, ४२, ४५, ४६, ७१,
 ७४; ३।२०, २२ से २४ ज ३।१२६; ७।२१४

भुक्त (भुक्त) ज २।७१; ३।८२ सू २०।७ उ ४।१६
 भुक्तभोइ (भुक्तभोगिन्) उ ३।१०७, १३६
 भुमगा (भू) ज २।१५
 भुमग (भुजग) प २।४६ चं १।२
 भुमगवड (भुजगपति) प २।४१
 भुमपरिरूप (भुजपरिरूप) प १।६७, ७६; ४।१४०
 से १४८; ६।७१.७५; २१।१४, १६, ३५, ४६, ६०
 भुमपोयग (भुजमोचक) प १।२०।३
 भुमय (भुजग) प २।१।४७।१
 भुमरुख (भुतवृक्ष) प १।४३।२
 भुया (भुजा) प २।३०, ३१, ४१, ४६ ज ५।२१, ५८,
 उ ३।६२
 भुस (बुधा) प १।४२।१
 भू (भू) सू २।१
 भूत (भूत) प २।६४ सू १६।३८
 भूतिकम्म (भूतिकर्मन्) ज ५।१६
 भूतोद (भूतोद) सू १६।३८
 भूमि (भूमि) प १।७४ ज १।२६
 भूमिगय (भूमिगत) ज ३।१०५
 भूमिचवेडा (भूमिचपेटा) ज ५।७
 भूमितल (भूमितल) ज ५।५
 भूमिभाग (भूमिभाग) प २।४८ से ५।१, ६३;
 १७।१०७, १०६, १११ ज १।१३, २१, २५, २६,
 २८, २९, ३२, ३३, ३६, ३७, ३९, ४०, ४२, ४६;
 २।७, १०, ३८, ५२, ५६, ५७, १२२, १२७, १४१,
 १४७, १५०, १५६, १५९, १६१, १६४; ३।८१,
 १६२, १६३, १६६, १६७; ४।२, ३, ८, ११, १२,
 १६, ३२, ४६, ४७, ४९, ५०, ५६, ५८, ५९, ६३, ६९,
 ७०, ८२, ८७, ८८, ९३, १००, १०४, १०६, १११,
 ११२, ११७, ११८, ११९, १२२, १२३, १३१,
 १६६, १७०, १७६, २१७, २३४, २४० से २४२,
 २४७, २४८, २५०; ५।३२, ३३, ३५; ७।३३
 सू २।१; ६।३; १८।१; २०।७
 भूमिया (भूमिका) ज ३।३२
 भूसी (भूमि) ज १।२।१३२, १४२, १४३; ४।११६

भूय (भूत) प १।१३२; २।४१, ४५, ६४; १५।५५।३;
 ३६।६२, ७७ उ २।१०, ३१, १३१; ३।१, ६, २२,
 ३६, ७८, ८०, ८१, ८२, ८३, ८५, ८६, ११६, १२१,
 १५१, १५६, १६०, १६३, १६०, २२२; ७।२१२
 उ १।१३८; ३।४३, ४४, ४६; ५।४
 भूय (भूयन्) ज ३।३
 भूयग्गह (भूतग्रह) ज २।४३
 भूयणय (भूतृणक) प १।४४।३
 भूयत्थ (भूतार्थ) प १।१०।१२
 भूयवाइय (भूतवादिक) प २।४१, २।४७।१
 भूया (भूता) उ ४।६, ११ से १६, १८ से २४
 भूयाणंद (भूतानंद) प २।३४, ३६, ४०।७
 भूसण (भूषण) प २।३०, ३१, ४१ ज ३।८१, १७८;
 ७।१७८
 भूसणधर (भूषणधर) ज ३।६, २२१; ५।२१
 भूसिय (भूषित) ज ३।३०, ३५, १७८
 भे (भोस्) उ ३।३८, ४०, ४२, ४४
 भेद (भेद) प १।४८।३८; ६।८३; ११।७४, ७६ से ७८;
 १५।५३; २१।१६, ४०, ४३, ४४, ५२, ५५, ७६, ७७,
 ८४, २२।२०; ३३।११
 भेदक (भेदक) ज ३।१०६
 भेदपरिणाम (भेदपरिणाम) प १।३।२१, २५
 भेय (भेद) प १।१।७२, ७३, ७५; १६।३२; २१।७७
 उ १।३१
 भेयघाय (भेदघात) चं ४।१, ३ सू १।८।१, ३; २।२
 भेयपरिणाम (भेदपरिणाम) प १।३।२५
 भेरि (भेगि) ज ३।१२, ७८, १८०, २००
 भेरी (भेरी) उ ५।१५ से १७
 भेरुतालवण (भेरुतालवन) ज २।६
 भेसज्ज (भैषज्य) उ ३।१०१
 भेसण (भोषण) ज २।१३३
 भो (भोस्) ज २।६५, ६७, १०१, १०५, १०७, १०९,
 १११, ११४; ३।७, १२, २६, ३६, ४७, ४९, ५२,
 ५६, ६१, ६६, ८३, ९१, ९६, ११३, ११५, १२२,
 १२४, १२७, १२८, १३३, १४१, १४७, १५१,
 १५४, १६८, १७०, १७५, १८०, १८६, २०७,

२१२;५३,१४,२२,२६,५४,६८,६९,७२
 उ ११७,१२३,१३१;४१६;५१५,१८
भोग (भोग) प ११६५ ज २६५;३३ सू १८१२,
 २३;१६१२६ उ ११२७,६३,१४०;३१६८,१०१,
 १०६,१०७,१२६ से १३१ १३४,१३६
भोगंकरा (भोगङ्करा) ज ४१०६;५१११
भोगंतराय (भोगान्तराय) प २३१२३
भोगस्थि (भोगस्थिक) ज ३१८५
भोगभोग (भोगभोग) प २३०,३१,४१,४६
 ज २६१,१२०;३१७१,१८५,२०६;५११,१६;
 ७१५,५८,१८४,१८५
भोगमालिणी (भोगमालिनी) ज ४१६४;५१११
भोगवदया (भोगवदिका) प ११६
भोगवई (भोगवती) ज ४१०६;५१११;७१२१
 सू १०६१
भोगविस (भोगविष) प ११७०
भोक्त्वा (भुक्त्वा) सू १०१२०
भोत्नू (भुक्त्वा) प २६४१६
भोम (भौम) ज ७१२२३ सू १०८४३
भोमेज्ज (भौमेय) प २४१,४३ ज ३२०६;
 ५१५,५६
भोमेज्जग (भौमेयक) प २४१,४३,४६
भोमेज्जा (भौमेयक) प २४१,४२
भोयण (भोजन) प २६४१६ ज २१८ चं ५३
 सू ११६३;१०१२०;२०७ उ ३११०,११४
भोयणजाय (भोजनजात) ज २१८
भोयणमंडव (भोजनमण्डप) ज ३२८,४१,४६,
 ५८,६६,७४,१३६,१४७,१४६,१८७,२१८
 म
मइ (मति) ज ३३२
मइअण्णाणि (मत्थजातिन्) प ३१०२,१०३;
 १८८३;२८१३७
मइल (दे० गलिन) ज २१३१ उ ३१३०
मउड (मुकुट) प २३०,४८ से ५०;५१८
 ज ३३,६६,१८,२६,३१,४७,६३,१८०,२११,

२२१,२२२;५१८,२१
मउय (मृदुक) प १४ से ६;३१८२;५१५७,२०६;
 १५१५,१६,२७,२८,३२,३३;२८१२६,३२,६६
 ज २१५;३३;५१५,७,१७८
मउल (मुकुट) प २४१
मउल (मुकुल) ज २१५;३१७८;७१७८
मउलि (मुकुलिन्) प १६६,७१
मउलि (मौलि) प २३०,३१,४१,४६
मउलि (मुकुलित) ज ३६;५१२१
मंकुणहत्थि (मत्कुणहत्थित्) प १६५
मंख (मङ्ख) ज २६४;३१८५
मंगल (मंगल) ज २६७;३६,१२,१८,७७,८२,
 ८५,८८,६३,१२५,१२६,१८०,२२२;५१५,४६
 सू १८२३;२०७ उ ११७,१६,७० १२१;
 ३११०;५१७,३६
मंगलय (मंगलक) ज ३१७८;४१५८;५१५८,
 उ ५१६
मंगलावई (मंगलावती) ज ४१६१,२०२२,२०३
मंगलावईकूड (मंगलावतीकूट) ज ४२०४१
मंगलावत्त (मंगलावर्त) ज ४१६३,१६५
मंगलावत्तकूड (मङ्गलावर्तकूट) ज ४१६२
मंगल (मंगलय) ज २६४;३८५,१८५,२०६;
 ५१५ उ १४१,४४
मंगुल (दे०) प १७६
मंच (मञ्च) सू १२१२६
मंचाइमंच (मञ्चातिमञ्च) ज ३७,१८४
मंचातिमंच (मञ्चातिमञ्च) सू १२६
मंजरिका (मञ्जरिका) ज ५७२,७३
मंजिटावण्णाभ (मञ्जिटावर्णाभ) सू २०१२
मंजु (मञ्जु) ज २६५;३१८६,२०४
मंजुघोसा (मंजुघोषा) ज ५१२,५३
मंजुपाउयार (मञ्जुपादुकाकार) प १६७
मंजुल (मञ्जुल) उ ३६८
मंजुस्सर (मंजुस्वर) ज ५१२,५३
मंजूसा (मञ्जूषा) ज ३१६७;४२००११

मंडण (मण्डन) ज ३११०६

मंडल (मण्डल) ज ३१३०, ३५, ६५, ६६, १०६, १५६,

१६०; ७२, १०, १३, १६, १६ से ३१, ३५, ५५,
५६, ७२, ७५, ७८ से ८४, ६५, ६६, ६८, ६६,
१००, १०४, १२६।१ चं २।१; ३।२ सू १।६।१;
१।७।२; १।११, १।२, १।४, १।८ से २५, २७; २।१
से ३; ३।२; ४।४, ७, ६; ६।१; ६।२; १।०।७५,
१३८ से १५१, १७३; १।२।३०; १।३।४, ५, १३;
१।५।२ से ४, १।४ से ३६; १।६।२।१० से १२,
१।६।२३

मंडलगड (मण्डलगति) प २।४८

मंडलग (मण्डलाग) ज ३।३५

मंडलपति (मण्डलपति) ज ३।८१

मंडलरोग (मण्डलरोग) ज २।४३

मंडलवत (मण्डलवत्) सू १।२५ से ३१

मंडलसंठिति (मण्डलसंस्थिति) सू १।२५

मंडलि (मण्डलिन्) प १।७१

मंडलिय (माण्डलिक) प १।७४; २०।१।१

मंडलियत्त (मण्डलिकत्व) प २०।५७

मंडलियराय (माण्डलिकराज) ज ३।२२५

मंडलियावाय (मण्डलिकावात) प १।२६

मंडव (मण्डप) ज ३।८१; ५।३५

मंडवग (मण्डपक) ज १।१३; २।१२

मंडव्वायण (माण्डव्वायन) ज ७।१३२।३

सू १०।१०७

मंडित (मण्डित) प २।३१ ज ३।१८४

मंडिय (मण्डित) प २।३१ ज ३।७, १८, ३१, १८०;

५।२१, ३८

मंडूकी (मण्डूकी) प १।४४।२

मंडूकपुत्त (मण्डूकपुत्र) सू १।२।२६

मंडूय (मण्डूक) प १।६।४४

मंडूयगति (मण्डूकगति) प १।६।३८, ४४

मंत (मन्त्र) ज ३।११५, १२४, १२५ उ ३।११, १०१

मंति (मन्त्रिन्) ज ३।६, ७७, २२२

मंथ (मन्थ) प ३।६।८५

मंद (मन्द) ज २।६५; ५।३८, ५७; ७।५८ सू २।३;
१।८।१८

मंदकुमारय (मन्दकुमारक) प १।१।११ से १५

मंदकुमारिया (मन्दकुमारिका) प १।१।११ से १५

मंदगड (मन्दगति) चं ४।२ सू १।८।२

मंदर (मन्दर) प २।३२, ३३, ३५, ३६, ४३, ४४, ५०,
५१; १।५।५।३; १।६।३० ज १।१६, २६, ४६, ५१;
२।६८; ३।२; ४।६४, १०३, १०६, १०८, ११४,
१४३, १६०, १६२, १६३, २०३, २०५, २०८,
२०९, २१२ से २१६, २१६ से २२२, २२५,
२३३ से २३५, २३७ से २४१, २५३, २५४,
२५७, २५६, २६०।१, २६१, २६२; ५।४७ से ५०,
५३; ६।१०, २३, २४; ७।८ से १३, ३१, ३३, ६७
से ७२, ६१, ६२, १६८।१, १७१ सू ४।४, ७;
५।१; ७।१; ८।१; १।८।५ उ १।१०, २६, ६६

मंदरकूड (मन्दरकूट) ज ४।२३६; ६।११

मंदरचूलिया (मन्दरचूलिका) ज ४।२४१, २४२,

२४३, २४५, २४६, २५१, २५२

मंदरपर्वय (मन्दरपर्वत) प १।६।३० सू ४।४, ७

मंदलेस (मन्दलेश्य) सू १।६।२।३०; १।६।२६

मंदायवलेस (मन्दातपलेश्य) ज ७।५८ सू १।६।२६

मंदिर (मन्दिर) सू ७।१

मंस (मांस) प १।४८।४६; २।२० से २७

सू १०।१२० उ १।३४, ४०, ४३ से ४६, ४८,

४९, ५१, ५४, ७४, ७६, ७६

मंसकच्छभ (मांसकच्छप) प १।५७

मंसल (मांसल) ज २।१५; ७।१७८

मंसाहार (मांसाहार) ज २।१३५ से १३७

मंसु (मन्शु) ज २।१३३

मक्कार (माकार) ज २।६१

मगइत (दे०) उ १।१३८

मगइय (दे०) ज ३।३१

मगत (दे०) उ १।१३८

मगदंतिया (मदयंतिका) प १।३८।२ ज २।१०

मेंहदी

मगर (मकर) प ११५५, ५६; २३० ज १३७;
२१०१; ४१२४, २७, ३६, ६६, ६१; ५१३२
सू २०१२

मगरंडग (मकराण्डक) ज ५१३२

मगरण्डय (मकरध्वज) ज २११५

मगरमुहविउट्टसंठाणसंठिय (मकरमुखनिवृतसंस्थान-
संस्थित) ज ४१२४, ७४

मगसिरी (मार्गसिरी) सू १०१७, १२

मगसीसावत्तिंसंठिय (मृगशीर्षावत्तिंसंस्थित)

सू १०३८

मगह (मगध) प ११६३१

मगूस (दे०) प १११७८

मग (मार्ग) ज ८६४, ३१२२, ३६, ६३, ६६, १०६,
१६३, १७५, १८०

मगओ (दे० पृष्ठतत्) ज ५१४३

मग्गण (मार्गण) ज ३१२२३

मग्गदय (मार्गदय) ज ५१२१

मग्गदेसिय (मार्गदेशिक) ज ५१५, ४६

मग्गमाण (मार्गात्) उ ३११३०

मगगरिमच्छ (मकरीमत्स्य) प ११५६

मगगसिर (मार्गशीर्ष) ज ७११०४, १४५, १४६

सू १०१२४ उ ३१४०

मगगसिर (मृगशिरस्) ज ७१४०, १४५, १४६

मगगसिरी (मार्गसिरी) ज ७१३७, १४०, १४५,

१४६, १५२, १५५ सू १०१७, १२, २३, २५, २६

√मगिज्ज (मार्ग्य) मगिज्ज प १२३२

मघमघेत्त (दे० प्रसारत्) प २३०, ३१, ४१ ज ३१७,
८८; ५१७ सू २०१७

मघव (मघवन्) प २५० ज ५१८

मघा (मघा) ज ७१२८, १२६, १३६, १४०

सू १०१५, ६२

मच्छ (मत्स्य) प ११५५, ५६; ६१८०१ ज २११५,

१३४; ३१७८; ४३, २५, २८; ५१३२, ५८

सू २०१२

मच्छंडग (मत्स्याण्डक) ज ५१३२

मच्छंडिया (मत्स्याण्डिका) प १७१३५ ज २११७

मच्छाहार (मत्स्याहार) ज २१३५ से १३७

मच्छिय (मक्षिका) प ११५११

मच्छियपत्त (मक्षिकापत्र) प २१६४

मज्जण (मज्जन) ज ३१६, २२२

मज्जणघर (मज्जनगृह) ज ३१६, १७, २१, २८, ३१,
३४, ४१, ४६, ५८, ६६, ७४, ७७, ८५, १३६, १४७,
१५३, १६८, १७७, १८७, १८८, २०१, २१८,
२१६, २२२ उ ११२४; ५११६

मज्जणय (मज्जनक) उ ११६७

मज्जणविहि (मज्जनविधि) ज ३१६, २२२

मज्जाया (मर्यादा) ज २१३३

मज्जार (मार्जार) प १४४१ चित्रक

√मज्जाव (मज्जय) मज्जावेत्ति ज ५११४

मज्जावेत्ता (मज्जयित्वा) ज ५११४

मज्जिय (मज्जित) ज ३१६, २२२

मज्झ (मध्य) प ११४८६३; २१२१ से २७, २७३,
२३० से ३६, ३८, ४१ से ४३, ४६, ५० से ५६,
६४; ११६६, ६७; २८१६, १७, ६२, ६३
ज ११८, ३५, ४६, ४७११, ५१; ३१६, १७, २१,
२४३, ३४, ३७११, ४५११, १०६, १३१३, १७७,
१८५, २०६, २२२, २२४, २२५; ४१३, ४५,
११०, ११४, १२३, १४२११, २, १५५, १५६११,
२१३, २२२, २४२, २६०११; ५११४, १५, १७, ३३,
३८, ७४५, २२२११ सू १२३०; २०१७

मज्झमज्झ (मध्यमध्य) ज २१६५, ६०; ३११४,

१७२, १८३, १८४, १८५, २०४, २२४; ५१४४

सू २०१२ उ ११६६, ६७, ११०, १२५, १२६,

१३२, १३३; ३१२६, १११, १४१; ४१३३, १५,

१८; ५११६

मज्झंतिय (मध्यान्तिक) ज ७३६, ३७, ३८

मज्झगय (मध्यगत) ज ७२१४

मज्झयार (दे० मध्य) ज ७३२११

मज्झिम (मध्यम) प २१६४७; २३१६५ ज २१५५,

५६, १५५, १५६; ४११६, २१; ५१३३, १६, ३६

सू २१३ उ ३११००, १३३

मज्झिमउत्तरिम (मध्यमउत्तरित्त) प २८६२

मज्झिमउत्तरिमगेवेज्जग (मध्यमउपरित्तनग्रैवेयक)

प ११३७; ४१२८ से २८४; ७१२५

मज्झिमग (मध्यमक) प २१६१

मज्झिमगेवेज्ज (मध्यमग्रैवेयक) प ६१४०

मज्झिमगेवेज्जग (मध्यमग्रैवेयक) प २१६१, ६२;

३१२८३; ६१५६; ३३११६

मज्झिममज्झिम (मध्यममध्यम) प १८१६१

मज्झिममज्झिमगेवेज्जग (मध्यममध्यमग्रैवेयक)

प ११३७; ४१२७६ से २८१; ७१२४

मज्झिमय (मध्यमक) प २१६२१

मज्झिमहेट्ठिम (मध्यमाधस्तन) प २८१६०

मज्झिमहेट्ठिमगेवेज्जय (मध्यमाधस्तनग्रैवेयक)

प ११३७; ४१२७६ से २७८; ७१२३

मज्झिमिल्ल (मध्यम) ज ४१२५३, २५५, २५८

मज्झिय (मध्यक) ज २११५

मज्झित्तल (मध्यम) ज ३११

मट्ठिया (मृत्तिका) ज ३१२०६; ५१५५, ५६

मट्ठ (मृष्ट) प २१३०, ३१, ४१, ४६, ५६, ६३, ६४

ज ११८, २३, ३१; २१५, ४१२८; ५१४३

सू २०७

मट्ठमगर (मृष्टमकर) प ११५६

मड्ढव (मड्ढव) प ११७४ ज २१२२, १३१; ३११८,

३१, ८१, १६७२, १८०, १८५, २०६, २२१

उ ३११०१

मण (मनस्) प २२१४; २३१५, १६; ३४११२,

३४१२४ ज २१६४, ७१; ३१३, ३५, १०५, १०६;

४११०७, १४६; ५१३८, ७२, ७३ सू २०१७

उ १११५, ३५, ४१ से ४४, ७१; ३१६८

मणगुत्त (मनोगुत्त) ज २१६८ उ ३१६६

मणजोग (मनोयोग) प ३६१८६, ८८, ८९, ९२

मणजोगपरिणाम (मनोयोगपरिणाम) प १३१७

मणजोगि (मनोयोगिन्) प ३१६६; १३१४४, १६;

१८१५६; २८१३८

मणपज्जति (मनःपर्यवृत्ति) प २८११४२, १४४, १४५

मण (पज्जवणाण) (मनःपर्यवृत्तान) प २६११७

मणपज्जवणाण (मनःपर्यवृत्तान) प ५१२४, ११५,

१७११२, ११३; २०११८, ३२, ४७; २६१२;

३०१२

मणपज्जवणाणारिय (मनःपर्यवृत्तानार्य) प ११६६

मणपज्जवणाणि (मनःपर्यवृत्तानिन्) प ३११०१,

१०३; ५१११७; १८१८१; २८१३६; ३०११६, १७

मणपज्जवणाण (मनःपर्यवृत्तान) प २०१३३

मणपज्जवणाणपरिणाम (मनःपर्यवृत्तानपरिणाम)

प १३१६

मणपरियारग (मनःपरिचारक) प ३४११८, २४, २५

मणपरियारणा (मनःपरिचारणा) प ३४११७, १८,

२४

मणभक्खण (मनोभक्षण) प २८११०५

मणभक्खत्त (मनोभक्षत्त्व) प २८११०५

मणभक्खि (मनोभक्षिन्) प २८११२, २८११०४,

१०५

मणसमिय (मनःसमित) ज २१६८

मणसाइय (मनःस्वादित) ज ३१११३

मणसीकत्त (मनीकृत्) प २८११०५

मणसीकय (मनीकृत्) प ३४११६, २१ से २४

मणसीकरेसाण (मनीकृत्) ज ३१५४, ६३, ७१,

११११, ११३, १३७, १४३, १६७

मणहर (मनोहर) ज २११२, ६५; ३११३८, १८६,

२०४; ४११०७; ५१५, २८, ३८; ७११७८

मणाभिराम (मनोभिराम) ज ३११०६

मणाम (दे० 'मन' आप) प २८११०५ ज २१६४;

३११८५, २०६; ५१५८ उ १४११, ४४; ३११२८;

५१२२

मणामतर (मनःआपतर) ज २११८; ४११०७

मणामतरिय ('मन' आपतरक) प १७११२६ से

१२८, १३३ से १३५ ज २११७

मणामत्त ('मन' आपत्त) प २८१२६; ३४१२०

मणि (गणि) प ११२०१२; २१३१४६, ४८; १५११२,

१५१५० ज १११३, २१, २६, ३३, ४६; २१७, २४,

५७, ६४, ६६, १२२, १२७, १४७, १५०, १५६,

१६४; ३११, ६, २०, २४, ३०, ३३, ३५, ५४, ५६,

१. भिक्षुशब्दानुशासन ८।२।१६ अरुमनक्कक्षु...

६३,७१,८१,८४,८५,१०६,११७,१३७,१४३,
१४५,१५६,१६७,१८,१७८,१८२,१८२,
२२२,४३,१६,२५,४६,६३,८२,११४,५१६,
३२,३८ सू २०७,१८

मणिकंचण (मणिकाञ्चन) ज ४१२६६१

मणिदत्त (मणिदत्त) उ ५१२४,२६

मणिपेडिया (मणिपीठिका) ज १४३,४४;४१२,
१३,३३,१२३,१२४,१२६,१२७,१३२,१३३,
१३६,१३६,१४५,१४६,१४७,२१८,२१९;
५१३५

मणिमय (मणिमय) प २१४८ ज १४३;३१२०६;
४१५,७,१२,१३,२६,२७,४६,११४,१२३,
१२४;५१३५,५५

मणिरयण (मणिरत्न) ज ३६,१२,२४,३०,८८,
६२,६३,११६,१२१,१७८,२२०,२२२,४१६,
४६,६७;५१२८,५८;७१७८

मणिरयणक (मणिरत्नक) ज १३७;३६३

मणिरयणत्त (मणिरत्नत्व) प २०६०

मणिवड्या (मणिमती) उ ३१५०,१५८

मणिवई (मणिमती) उ ३१६६

मणिवर (मणिवर) ज ३६२,११६

मणिसिलागा (मणिसलाका) प १७१३४

मणुई (मनुजी) ज २११५

मणुण (मनोज) प २३११५,३०;२८१०५;

३४११६,२१ ज २६४;३१८५,२००;

४१०७;५१३८,५८ सू २०७ उ १४१,४४;

३१२८;५१२२

मणुणतर (मनोजतर) ज २११८;४१०७

मणुणतरिय (मनोजतरक) प १७१२६ से १२८,
१३३ से १३५ ज २१७

मणुणत्त (मनोजत्व) प ३४१२०

मणुणत्तरता (मनोजस्वता) प २३११६

मणुय (मनुज) प ६१८०२,६१८१;२०५३,

२३३६,८३,११३,१४६,१७२;२८१४४,

१४५;३१६१;३१६१ ज ११२२,२७,५०;

२१४,१६,१६,२१ से २६,२८ से ३७,४१ से

४६,५६,५८,६४,१२३,१२८,१३३,१३४,
१३५,१४६,१४८,१५१,१५७,१५६;४१८५,
१०१,१७१ उ ११४,१५,२१;३१६८,१०१,
१३१;५१२३,३१

मणुयअसणिआउय (मनुजासंज्ञायुष्क) प २०६४

मणुयगति (मनुजगति) प ६३,८

मणुयगतिय (मनुजगतिक) प १३११६

मणुयगामि (मनुजगामिन्) ज ११२२,५०;२१२२,
१२८,१४८,१५१,१५७;४११०१

मणुयगतिपरिणाम (मनुजगतिपरिणाम) प १३३

मणुयरण (मनुजरत्न) ज ३१२२०

मणुयलोग (मनुजलोक) सू १६१२१८

मणुयलोय (मनुजलोक) सू १६१२११,३ से ६

मणुयवड (मनुजपति) ज ३३

मणुयाउय (मनुजायुष्क) प २०६३,२३१८,१५८

मणुस्स (मनुष्य) प ११५२,८२ से ८५,१२६;

२१२६;३१२५,३८,३६,१२६,१८३;४१५८

से १६४;५३,२३,२४,१००,१०१,१०३,१०४,

१०६,१०७,११०,१११,११४,११५,११८ से

१२०;६१२३,२४,४६,५५,६५,६६,७०,७२,

७६,८१,८२,८४,८०,८२,८४,८६,८७,८८ से

१०४,१०८,११०,११३,११६;७४,८५,८६;

६१८ से १०,१६,१७,२२,२३;११२१,२२,

२४,२६;१२५,३२;१३१६;१५१२२;

१७४५,४६,१२६,१६४,१७१;१६४;२११७,

४८;२२३६;२३१६४,१६८;२६१५;

३४३;३६१११,३६४१,५२ ज २६,७,५०,

५३,१६२,१६४;३१६८,१७८,२२१ सू २३;

१६१२१३;२०१२ उ ११२१,१२२,१२६,

१३३,१३६,१३७,१४०

मणुस्सखित्त (मनुष्यक्षेत्र) प १७४

मणुस्सखित्त (मनुष्यक्षेत्र) प १८४;२१७,२६

सू १६१२२१

मणुस्सगामि (मनुष्यगामिन्) ज २१५८

मणुस्सरुहिर (मनुष्यरुधिर) प १७१२६

मणुस्सलोय (मनुष्यलोक) सू २०१२

मनुस्मादय (मनुष्यायुष्क) प २३।१४७, १६२, १६५,
१७०

मनुस्ती (मानुषी) प ३।३६, १३०, १८३; ११।२३;
१७।४८, १६०; २३।१६४, १६८, २०१ ज २।७

मनुस (मनुष्य) प ६।८४, ८७; १५।३५, ४४, ४५,
४७ से ५०, ८७, ९१, ९८, १०३ से १०६, ११५,
१२१ १२३, १२६, १३८; १६।८, १५, २५, २८;
१७।२४, २५, ३०, ३३, ३५, ४७, ७०, ९७, १०४,
१५७, १५९ से १६३, १६६, १६७, १७०, १७२;
१८।४, १०; २०।४, १३ १८, २५, ३०, ३२, ३५,
३६, ४८; २१।१६, २०, ३६, ५४, ६०, ६६, ७२,
७७, ८२, ८६; २२।३१, ४५, ७५, ७६ ८०, ८३ से
८५, ८८, ९०, ९६, १००; २३।१०, १२, ७६,
१६६, २००; २४।३, ८, १०, १२; २५।४, ५;
२६।३, ४, ६, ८, १०; २७।२, ३; २८।२, ४६ से
५१, ६७ से ६९, ७१, १०३, ११६ से १२१,
१२४, १२८, १३०, १३६ से १३८, १४१ से
१४३; २६।२२; ३०।१४, २४; ३१।४; ३२।४;
३३।१, १३, २१, २६, ३३, ३६; ३४।६; ३५।१४,
२१; ३६।७, १०, ११, १३ से १५, १७, २६, ३०,
३१, ३३, ३४, ५८, ७२, ८०, ८१ ज ४।१०२;
७।२० से २५, ७६, ८२ सू २।३

मनुसखेत्र (मनुष्यक्षेत्र) प २१।६२, ६३

मनुसत्त (मनुष्यत्व) प १५।६८, १०४, ११०, ११५,
१२६, १३०; ३६।२२, २६ ३०, ३१, ३३, ३४

मनुसादय (मनुष्यायुष्क) प २३।७६

मनुसी (मनुष्यणी) प २७।१५८, १५९, १६१ से
१६४; १८।४, १०; २०।१३; २३।१६६, २०१

मनोगम (मनोगम) ज ७।१७८

मनोगय (मनोगत) ज ३।२६, ३६, ४७, ५६, १२२,
१२३, १३३, १४५, १८८; ५।२२ उ १।१५, ५१,
५४, ६५, ७६, ७६, ९६, १०५; ३।२६, ४८, ५०,
५५, ६८, १०६, ११८, १३१; ५।३६, ३७

मनोगुलिया (मनोगुलिका) ज ४।१२६

मनोज्ञ (मनोज्ञ) प १।३८।१ ज २।१०

मनोणुकूल (मनोनुकूल) सू २०।७

मनोमाणसिय (मनोमानसिक) उ १।६३

मनोरम (मनोरम) प ३४।१६, २१, २२

ज ४।२६०।१; ५।४६।३; ७।१७८ सू ५।१
उ ५।२८

मनोरह (मनोरथ) ज ३।८८, २२१

मनोहरमाला (मनोरथमाला) ज २।६५; ३।१८६,
२०४

मनोसिला (मनःशिला) प १।२०।२ ज ३।११।३

मनोहर (मनोहर) प ३४।१६, २१ ज २।१२;

७।११७।१ सू १०।८६।१

√मण (मन्) मणामि प १।११ मणो १।१५;
३।६८

मति (मति) प १३।१० ज ३।१

मतिअण्णाण (मत्यज्ञान) प ५।५, ७, १०, १२, १४,
१६, १८, २०, ५६, ६३; २६।२, ६, ९, १२, १७, १९
से २१

मतिअण्णाणपरिणाम (मत्यज्ञानपरिणाम) प १३।१०

मतिअण्णाणि (मत्यज्ञानिन्) प ३।१०३; ५।८०, ९६,
११७; १३।१४, १६, १७; १८।८३

मतिणाण (मतिज्ञान) प २६।६

मत्त (मत्त) ज २।१२

मत्त (अमत्त) सू २०।४ उ १।६३, १०५, १०६

मत्तंग (मत्ताङ्ग) ज २।१३

मत्तजला (मत्तजला) ज ४।२०२

मत्तियावई (मृत्तिकावती) प १।६३।४

मत्थगसूल (मस्तकशूल) ज २।४३

मत्थय (पस्तक) ज ३।५, ६, ८, १२, १६, २६, ३६,

४७, ५३, ५६, ६२, ६४, ७०, ७७, ८१, ८२, ८४,
८८, ९०, १००, ११४, १२६, १३३, १३८, १४२,

१४५, १५१, १५७, १६५, १८१, १८७, १८९,

२०५, २०६, २०९, २१८; ५।५, २१, ४६, ५८

उ १।३६, ४५, ५५, ५८, ८०, ८३, ९६, १०७,

१०८, ११६, ११८, १२२; ३।१०६, १३८; ४।१५;

५।१७

मदनसलागा (मदनशलाका) प ११७६

मदनसाला (मदनशाला) उ ५१५५

मद्ग (दे०) प १३७४

मद्ग (मार्दव) ज २१६७१

मद्गुग (मद्गुग) ज २१३७

मधु (मधु) प १७१३४ ज २१०६, ११०

मधुर (मधुर) ज ३१८६, २०४

मन्मन् (मन्) मन्ने ज ३१०५

मम्म (मर्मन्) उ ११६६

मम्मण (मम्मन) उ ३१६८

मय (मय) च १११

मयकिञ्च (मृतकृत्य) उ ११६२

मयणिज्ज (मदनीय) प १७१३४ ज २१८

मयूर (मयूर) प ११७६ ज २१५ उ ५१५५

मरगय (मरगत) प ११२०३ ज ३१०६

मरण (मरण) प ११११; २१६४; २१६४६, २२;

३६१११, ३६८३३, ६४११ ज २१७०, ८८;

८६, १०३, १०४; ३१२२५ सू २०१६६

उ ३११२, १५६; ४१६

मरीड (मरीचि) ज १३७

मरीड्या (मरीचिका) ज ५३२

मरुदेव (मरुदेव) ज २१५६, ६२

मरुदेवा (मरुदेवा) ज २१६३

मरुय (मरुय) प १८६

मरुयग (मरुयक) प १४४३ मरुआ

मरुयरायवसभरूप्य (मरुद्राजवृषभकल्प)

ज ३१८, ६३, १८०

मरुयापुड (मरुयकपुट) ज ४१०७

मलय (मलय) प १८६, १८६३३ ज १२६; ३१२,

२११; ५१५ उ ११०, २६, ६६; ५११

मलयगिरि (मलयगिरि) ज ३१२४

मलिन (मलिन) ज २१३३

मलिय (मलित) ज ३१२१ उ १३५; ३१५०,

११०, ११३; ४१२०

मल्ल (मल्ल) प २३०, ३१, ४१, ४६ ज २१२०;

३१६, ११, १२, २१, ३४; ५१५५, ५७ उ १३५;

३१५०, ११०

मल्ल (मल्ल) ज २३२; ३१७८, ८५, ८८, १८०,

२०६, २११, २२१; ५१२२, २६

मल्लइ (मल्लवि) उ ११२७ से १३०, १३२

मल्लदाम (माल्यदामन्) प २३०, ३१, ४१

ज ३१७, ६, १२, १८, २८, ३०, ३५, ४१, ४६, ५८;

६६, ७४, ७७, ७८, ८८, ९३, ११७, ११६, १४७,

१६८, १७८, १८०, २१२, २१३, २२२

मल्ल (मल्ल) (माल्यवर्षा) ज ५१५७

मल्लि (मल्लि) ज ३१०६

मल्लिया (मल्लिका) प १३८२ ज २१०;

३१२, ८८, १७८; ५१५, ५८, ७१७८

मल्लियापुड (मल्लिकापुट) ज ४१०७

मविज्जमाण (माप्यमान) प १४८५६

मवेज्जमाण (माप्यमान) प १४८५८

मसग (मसक) प १४१११ ज २४० उ ३१२८

मसारगल्ल (दे०) प १२०३ ज ३१०६; ५१५

मसि (मसि, मसि) ज २१२३

मसूर (मसूर) प १४५११, ११७६; १५३, २१;

२१२३, ८० ज २३७

मह (महत्) प २३०, ३१, ४१, ४६, ६२; २३१६३;

३६८१ ज ११२, १४, २७, ४०, ४२, ४३;

२३११; ३१२४, १६१, १६३, १६४, १६७; ४३,

६, ६, १२, १३, २४, २५, ३१, ३३, ३६ से ४१, ४७,

४६, ५६, ६६ से ६८, ७०, ७४, ७५, ७६, ८८, ९३,

१५६, २१६, २१८, २२१, २३५, २४३, २५०;

५१५, ७, ३५ से ३८, ५४, ६७; ७१५०

मह (मह) महिति ज ५१६ महइ उ ३५१

महाल (महाल) ज ३१७६

महइ (महती) प २१२७ ज ११०; २११४, ११५;

५४३

महइमहालिय (महतीमहत्) ज १२०; ४१४

महंत (महत्) प २३१२३ ज १६, २६; ३१

उ ११०, २६, ६६; ५११

महंततर (महत्तर) ज ४५०, १०२

महंगय (महाग्रह) ज ७११३

महंगाह (महाग्रह) ज ७११, १०४, १७०

सू १०१३०; १६५, ८; ११३, १५३, १६,
२१४, ७; १६१२१६, १३; २०८ उ ३२५,
८४ से ८६

महंगहत (महाग्रहत्व) उ ३८३

महंग (महार्ग) ज ३८५, २०७, २०८, २२२; ५१५४

सू २०७ उ ११६, ४२; ३२६, १४१; ४१२

महज्जुइ (महाद्युति) ज १२४, ३१; ३११५, १२४,
१२५, २२६; ४१६५; ५११८

महज्जुइय (महाद्युतिक) प २४६

महज्जुतीय (महाद्युतिक) प २३०, ४१; ३६८१

महड्डिय (महद्विक) प २४६

महड्डिय (महद्विक) ज ४१७७

महण (मथन) ज ३२२१

महत (महत्) सू १८२३

महति (महती) ज ३३१

महतिमहालय (महतीमहत्) प २६३

महत्तरग (महत्तरक) उ ११६

महत्तरगत (महत्तरकत्व) प २३०, ३१, ४१, ४६

ज ३१८५, २०६, २२१; ५१६ उ ५१०

महत्तरिया (महत्तरिका) ज ४१८; ५११ से ३, ५
से १०, १२ से १७ उ ३६०; ४५

महत्थ (महार्थ) ज ३२०७, २०८; ५१५४, ५५

महदंडय (महादण्डक) प ३११२

महदह (महाद्रह) ज ५१५५; ६१७

महपत्थाण (महाप्रस्थान) उ ३५५

महप्प (महात्मन्) ज ३७७, १०६

महबल (महाबल) प २३०, ३१; ३६८१
उ ५२५

महया (महत्) ज १२६, ४५; २१२, ६५; ३२, १२,

२२, ३६, ७८, ८२, ८८, ८९, ९६, १०२, १०६,
१५५, १५६, १८०, १८५, १८७, २१२, २१३,
२१४, २१८; ४२३, ३८, ६५, ७३, ८०, ८१, १७७;

५१२२, २६, ५६, ५७, ५८, ७२, ७३; ७५५, ५८,

१७८, १८४ सू १६१२३, २६ उ १११०, २३,
२६, ६०, ६२, ६५, ६८, ७२, ८५, ८७, ८९ से
९३, १३८, १३९; ५१८, ११, १६, २०, २७

महरिह (महारह) ज ३१६, ८१, ११७, २०७, २०८,
२२२; ५१५४

महव्यय (महाव्रत) ज २७२

महा (मघा) ज ७१४७, १५०, १६२, १६३ सू १०१
से ४, ६, १४, २३, ६६, ७०, ७५, ८३, १२०, १३१
से १३३

महाओहस्सर (महौघस्वर) ज ५१५१

महाकंदिय (महाकन्दित) प २४१, ४२, ४७१

महाकण्ह (महाकृष्ण) उ १७

महाकच्छ (महाकच्छ) ज ४१८२ से १८५

महाकच्छकूड (महाकच्छकूट) ज ४१८६

महाकम्मतराग (महाकर्मतरक) प १७४, १६

महाकाय (महाकाय) प २४१, ४५, ४५२

महाकाल (महाकाल) प २२७, ४४, ४५, ४५१,
२४६, ४७ ज ३१६७१, ८, १७८ सू २०८,
२०८५ उ १७

महाघोस (महाघोष) प २४०७ ज ५१८८, ४६

महाचाव (महाचाप) ज ३२०४, ३७२, ४५२,
१३१४

महाजस (महायशस्) सू १७१; २०१, २

महाजाइ (महाजाति) प १३८३ ज २१०

महाजुतिय (महाद्युतिक) प १७१; २०१, २

महाजुतीय (महाद्युतिक) प २३४

महाजुद्ध (महायुद्ध) ज २४२

महाणई (महानदी) ज ११६, १८, २०, ४८; २१३३;

१३४; ३११, १४, १५, १८, ५१, ५२, ७६, ७८, ८१,
८७ से १०१, १११, ११३, १२८, १४६ से १५१,
१६१, १६४, १७०; ४२३, २४, २५, ३५, ३६, ३८
से ४०, ४२, ५७, ६५ से ६७, ७१, ७३, ७४, ७७,
७८, ८४, ८० से ८२, ८४, ८५, ११०, १४१, १४३,
१६७, १६८, १७४, १७७, १७८, १८१, १८३ से
१८५, १८७, १८८, १९०, २००, २०१, २०२,

२०६, २०८, २१२, २१५, २३२, २६२; ५१५५;
 ६१ से २२ उ ११६७; ३१११, ५६, ५८
 महाणक्खत्त (महानक्खत्त) सू १०१२५, ४३, १०८
 महाणदी (महानदी) ज ४१६५, २६८
 महाणिरय (महानिरय) प २१२७
 महाणिहि (महानिधि) ज ३११७८, १८३, २२०,
 २२१
 महाणुभाग (महानुभाग) प २१३०, ३१, ४१, ४६;
 ३६८१ ज ११२४, ३१; ३१११५, १२४, १२५,
 २२६; ४१६०; ५११८ सू १७११; २०११, २
 महाणुभाव (महानुभाव) सू १७११; २०११, २
 महातव (महातपस्) ज ११५
 महादंडय (महादण्डक) प ३११८३
 महादुम (महाद्रुम) ज ५१५१
 महाधनु (महाधनुस्) उ ५१२१
 महानिहि (महानिधि) ज ३११६७१, १०
 महानील (महानील) प २१३१ से ३३
 महापडम (महापद्म) ज ३११६७१, ६, १७८
 उ २१२, २०
 महापडमद्दह (महापद्मद्दह) ज ४१६४, ६५, ७३, ८६
 महापडमा (महापद्मा) उ २११६, २०
 महापण्ह (महापण्ह) ज ४१२१२, २१२११
 महापह (महापथ) ज ३११८५, २१२, २१३; ५१७२,
 ७३ उ ११६८
 महापाताल (महापाताल) प २११६१
 महापुंडरीय (महापुण्डरीक) ज ४१२६८
 महापुंडरीयहत्थगय (हस्तगतमहापुंडरीक) ज ३११०
 महापुरा (महापुरा) ज ४१२१२१२
 महापुरिस (महापुरिष) प २१४५, २१४५१२
 महापुरिसपडण (महापुरिषपत्तन) ज २१४२
 महापौंडरीय (महापौण्डरीक) प ११४६ ज ४१३, २५
 महाफल (महाफल) उ १११७
 महावल (महावल) प २१३१, ४१, ४६ ज ११२४,
 ३१; ३१७७, १०६, ११५, १२४, १२५, १२६,
 २२६; ५११८ सू १७११, २०११, २ उ २१६;
 ५११३, २५

महाभीम (महाभीम) प २१४५, २१४५११
 महामंडलिय (महामण्डलिक) प ११७४
 महामंति (महामन्त्रिन्) ज ३१६, ७७, २२२
 महामहिम (महामहिमन्) ज २१११७, ११८;
 ३१२, १३, १४, २८, ३०, ४१, ४२, ४६ से ५१,
 ५८ से ६०, ६६ से ६८, ७४ से ७६ १३६, १३६,
 १४७ से १५१, १६८, १६९, १७०; ५१७४
 महामेह (महामेघ) ज २११०, १४१, १४२, १४५;
 ३१६, १७, २१, ३१, ३४, ३५, १७७, २२२ उ ३१४६
 महायस (महायज्ञस्) प २१३०, ३१, ४१, ४६;
 ३६८१ ज ११२४, ३१, ३१११५, १२४, १२५,
 २२६; ५११८
 महारह (महारथ) ज ३१३५
 महाराय (महाराज) ३१२०७, २०८, २२५ उ ३१५१,
 ५३, ५४
 महारायवास (महाराजवास) ज २१६४
 महारुधिरपडण (महारुधिरपत्तन) ज २१४२
 महारोख्य (महारोक्क) प २१२७
 महालय (महन्, महालय) प २१२७, ६३
 ज २१११४, ११५; ५१४३
 महावच्छ (महावत्स) ज ४१२०२११, २०३
 महावप्प (महावप्प) ज ४१२१२, २१२१३
 महाविजय (महाविजय) ज २११७
 महावित्त (महावृत्त) ज ५१५८
 महाविदेह (महाविदेह) प ११७४, ८८; २१७
 ज ४१८६, ६८ से १०३, १०८, १६२, १६७,
 १६६, १७२ से १७४, १७८, १८१, १८२, १८४,
 १८५, १८७, १८८, १९०, १९१, १९३, १९४,
 १९६, १९७, १९८, २०० से २०३, २०५, २०६,
 २१३, २६२; ६१६, १४, २२ उ ११४१, १४७;
 २११३, २२; ३११८, २१, ८६, १५२, १६५, १६६;
 ४१२६, २८; ५१४३
 महाविमाण (महाविमान) प २१६४
 महावीर (महावीर) प १११११ प ११५, ६; ७१२१४
 ज १० सू ११५ उ ११२, ४ से ८, १६, १७, १६
 से २६, १४२, १४३; २११ से ३, १० से १२, १४,

१५, २१; ३१ से ३, ७, ८, १२, १६, २०, २२,
 २३, २६, ८७, ८८, ९१, ९३, १५३, १५४, १६६,
 १६७, १७०; ४१ से ३, २७; ५१ से ३, ४४
महावेदनतराग (महावेदनतरक) प १७६, २७
महासंग्राम (महासंग्राम) ज २४२
महासत्यपट्टण (महासत्यपतन) ज २४२
महासमुद्र (महासमुद्र) ज ३१२२, ३६, ७८, ९३, ९६,
 १०६, १६३, १८०
महासरीर (महासरीर) प १७२, २५
महासुक्क (महासुक) प २४६, ५६, ५७; ३१३,
 १८३; ४२४६ से २५१; ६१३३, ५६; ७१४;
 २१७०; २८८१; ३३१६; ३४१६, १८
 उ २१२२
महासुक्कग (महासुकज) ज ५४६
महासुक्कवडेंसय (महासुकवतंसक) प २५६
महासुमिण (महास्वप्न) उ १४० ४३
महासेनकण्ह (महासेनकण्ण) उ १७
महासेत (महास्वेत) प २४७३
महासौख्य (महासौख्य) प २३०, ३१, ४१, ४६;
 ३६८१ ज १२४, ३१; ३११५, १२४, १२५,
 २२६; ५१८ सू १७१; २०१
महाहिमवन्त (महाहिमवत्) प १६३० ज ४५४,
 ५५, ६१ से ६३, ७६ से ८१, २६८
महिङ्खिय (महिङ्खिक) प २३१, ३७, ३६, ४२, ४३,
 ४८, ५०, ५२; १७८४ से ८७, ८९; ३६८१
 ज १२४, ३१, ४५, ४७, ५१; ३११५, १२४,
 १२५, २२६; ४२२, ३४, ५१, ५४, ६०, ६१, ६४,
 ८०, ८४, ८५, ९७, १०२, १०७, ११३, १५६,
 १६१, १६५, १६६, १७७, १८०, १८४, १८६,
 १९६, १९८, २०३, २११, २६१, २६४, २६६,
 २७२; ५११८; ७१८१, २१३ सू १७१;
 १८१६; २०११, २
महिंद (महेन्द्र) ज १२६; ३२ उ ११०, २६, ६६;
 ५१११

महिंदज्जय (महेन्द्रज्जय) ज ४१२८, १३३, १३६;
 ५४३, ४४, ४६, ५०, ५२, ५३ उ ३१७
महिङ्खीय (महिङ्खिक) प २३०, ३४, ३५ से ३७,
 ३६, ४१, ४६, ४८, ५०, ५८
महिता (मथित्वा) ज ५१६
महित्थ (दे०) प १३७४
महिमा (महिमन्) प २३१, ६०, ११६; ५१३, ७, २२,
 ४६, ७४ ज २३१, ६०, ११६; ५३, ७, २२, ४६,
 ७४
महिय (महित) प २३०, ३१, ४१ ज १३७; ३१७,
 १०८ से १११
महिय (मथित) उ १२२, १४०
महिया (महिका) प १२३
महिला (महिला) ज २१५, ६४; २१३८, १६७४
महिलिया (महिलिका) ज ३१२६३
महिवड (महीपति) ज ३११७
महित (महिष) प १६४; २४६; ११२१
 ज ३२४, १०३
महिती (महिषी) प ११२३ ज २३४; ७१६८२
महु (मधु) ज ७१७८ उ १३४, ४६, ७४; ३५१
महु (मधुक) प १४८३
महुयरी (मधुकरी) ज २१२
महुर (मधुर) प १४ से ६; ५५, ७, २०५;
 ११५८; १३२८, २३४६, १०८; २८२६,
 ३२, ६६ ज २१२, १५६५, १४५; ४३, २५;
 ५१२८; ७१७८ उ १४१, ४४; ३१८
महुरत्तण (मधुरत्तण) प १४२२
महुरयर (मधुरतर) ज ५२२ से २४
महुररत्त (मधुररत्त) प १४८३
महुरा (मधुरा) प २१६३५
महुसिणी (मधुशृङ्गी) प १४८३
महुस्सर (मधुस्वर) प ५५२
महेत्ता (मथित्वा) उ ३५१
महेश्वर (महेश्वर) प २४७२

महोरग (महोरग) प ११६८, ७५, १३२; २१४५

ज ३११५, १२४, १२५

महोरगच्छाया (महोरगच्छाया) प १६१४७

मा (मा) उ ११४१; ३१०३, ११२; ४१११

माइ (मातृ) उ ११४८; २१२२; ४१२८; ५१४३

माइमिच्छहिट्ठि (मायिमिच्छादृष्टि) प १५१४६;

१७१२२; ३४११२; ३५१२३

माइमिच्छहिट्ठिउववण्ण

(मायिमिच्छादृष्ट्युपपन्नक) प १७१२७, २६

माइमिच्छहिट्ठिउववण्ण

(मायिमिच्छादृष्ट्युपपन्नक) प १७१२७

माइय (मायिक) ज २११५

माईवाह (मातृवाह) प ११४६

माउय (मातृक) ज ५१६ से १२, १७, ४६, ७२, ७३

माउलिग (मातुलिङ्ग) प ११२६१

माउलिगाराम (मातुलिगाराम) उ ३१४८, ५५

माउलिगी (मातुलिङ्गी) प ११३७१

माउलुंग (मातुलिङ्ग) प १६१५५; १७११३२

मागह (मागध) ज ५१५५; ६१६ से १४

मागहकुमार (मागधकुमार) ज ३१६१

मागहतित्थ (मागधतीर्थ) ज ३१४४, १५, १८, २२;

२६; ५१५५

मागहतित्थकुमार (मागधतीर्थकुमार) ज ३१२०,

२६, २७, २८, ३०

मागहतित्थाधिपति (मागधतीर्थधिपति) ज ३१२५

मागहतित्थाहिवइ (मागधतीर्थधिपति) ज ३१२६

माधी (माधी) ज ७११४०

माडंबिय (माडम्बिक) प १६४१ ज २१२५; ३१६,

१०, ७७, ८६, १७८, १८६, १८८, २०६, २१०,

२१६, २१६, २२१, २२२ उ ११६२; ३१११,

१०१; ५११०

माढरी (माढरी) प ११४८४

माढी (माढी) ज ३१३१

माण (मान) प १११३४१; १४४८, ६, १० से १४;

२२१२०; २३६, ३५, १८४ ज २१६६, ६६, १३३;

३१६५, १३८, १५६, १६७३, २२१ सू १२११७१

उ ३१३४

माणकसाइ (मानकपायिन्) प ३१६८; २८१३३

माणकसाय (मानकपाय) प १४११

माणकसायपरिणाम (मानकपायपरिणाम) प १३१५

माणकसायि (मानकपायिन्) प ३१६८

माणणिस्तिथा (माननिश्चिता) प १११३४

माणमूरण (मानभञ्जन) ज ५१५८

माणवग (माणवक) ज २११२०; ३१६७१, ६,

३१७८; ४१३३५ सू २०१८

माणवय (मानवक) ज ४१३३; ७१८५

सू १८१२३; २०१८

माणस (मानस) प ३५११२, ३५६, ७ ज ५१२६

माणसंजलणा (मानसंज्वलना) प २३१७०

माणसण्णा (मानसंज्ञा) प ८१२, २

माणसभुग्घाय (मानसमुद्घात) प ३६४२, ४६,

४८ से ५२

माणि (मानिन्) ज ४१७२१ सू २०१६१

माणिक (माणिक्य) ज ३१०६

माणिभद्द (माणिभद्र) प २४५५, २४५११ ज ११३;

७२१४ वं ७, ६ सू ११२, ४ उ ३१२१, ३१६६

माणिभद्दकूड (माणिभद्रकूट) ज ११३४, ४६

माणुत (मानुष) प २६४१४ ज २१५, ६७;

३१६२, ११६, ४१७७ सू १६१२१२; २०१२

माणुसत्थेस (मानुषक्षेत्र) सू १६१२११, २, १६१२६

माणुसत्थ (मानुषाश्रम) सू १६१२२१७, २६

माणुसत्थेय (मानुषलोक) सू १६१२१६; २०१२

माणुसुत्तर (मानुषोत्तर) ज ७१५५, ५८ सू १६१६

माणुसत्थ (मानुष्यक) उ ३१३७

माणुसत्थ (मानुष्यक) ज ३१८२, १८७, २१८,

२२१; ४११७७ सू २०७ उ ११११, ३४; ५१२५

माता (माता) प २६४

माय (मा) माणज्जा प २६४१६

मायज्ज (माताज्ज) ज ४१२०२

मायकसाइ (मानकपायिन्) प ३१६८, १८६५

मायणि (मायनि) उ ५१२१

१. हे० ४११०६

माया (माया) प ११३४१; १४१४, ६, ८, १० से
 १४; २२११०; २३१६, ३५, १८४ ज २१६, ६६,
 १३३ उ ३१३४
माया (मातृ) ज २१२७, ६६; ५१५, ७ से १०, १२,
 १४, १७, ४६, ६७ उ ११४८
माया (मात्रा) ज ४१३६, ४३, ७२, ७८, ६५, १०३,
 १४३, १७८, २००, २१३
मायाकसाइ (मायाकपायिन्) प २८१३३
मायाकसाय (मायाकपाय) १४१
मायाकसायपरिणाम (मायाकपायपरिणाम) १३१५
मायानिस्तिया (मायानिश्चिता) ११३४
मायामोस (मायामूषा) प २२१२०, ८०
मायामोसविरय (मायामूषाविरय) प २२१८५, ६६
मायावस्तिया (मायाव्रत्यया) प १७११, २२, २३,
 २५; २२१६०, ६३, ६८, ७१, ६३, ६६, १०१
मायासंजलण (मायासंज्वलन) प २३१७१
मायासण्णा (मायासंज्ञा) प ८१, २
मायासमुग्धात (मायासमुद्घात) प ३६१४६
मायासमुग्धाय (मायासमुद्घात) प ३६१४२, ४८
 से ५१
मारणंतिवसमुग्धाय (मारणःस्तिकममुद्घात)
 प १५१४३; २११८४ से ६३; ३६११, ४, ७, २७,
 २६, ३५ से ४१, ४६, ५३ से ५८, ६६
मार (मार) ज ५१३२
√मार (मारय्) मारिस्सइ उ ११८६
मारिबहुल (मारिबहुल) ज ११८
मारुय (मारुत) ज ५१५
मारेउकाम (मारयितुकाम) उ ११७३
माल (मालक) प ११३७१ नीम
माल (माला) प २१५० ज ५१८
मालव (मालव) प ११८६
मालवंत (माल्यवत्) ज ४१०८, १४२१३, १४३,
 १६२११, १६३ से १६७, १६६, १७२ से १७४,
 २०३, २०७, २०६, २१०, २१५, २६२
मालवंतकूड (माल्यवत्कूट) ज ४११६३

मालवंतद्रह (माल्यवत्द्रह) ज ४१२६२
मालवंतपरियाय (माल्यवत्पर्याय) प १६१३०
 ज ४१२७२
माला (माला) प २१३०, ३१, ४१, ४६ ज ३१६, २०,
 ३३, ४७, ५४, ६३, ७१, ८४, ११३, १३७, १४३,
 १६७, १८२, १८६, २०४, २२२
मालागार (मालाकार) ज ५१७
मालि (मालिन्) प ११७१ मांष विशेष
मालिया (मालिका) ज ७१७८
मालुय (मालुक) प ११३५१
मालुया (मालुका) प ११४०५, ११५०
मास (मास) प ४११०१, १०३; ६१५, १३ से १६,
 ३५, ३६, ४४; १८१२३; २३१६६, ७०, १६५,
 १८४ ज २१४, ६४, ६६, ८३, ८८; ३१११६;
 ७१११४२, ११५, १२६, १२७, १३६११, १५६ से
 १६७ ज ५१३ सू ११६; ६११; ८११; १०१६३ से
 ७४, १२४; १२१३ से ६, १० से १२, १५;
 १३१३, १४, १७; १५११४ से २८; २०१३
 उ ११३६, ४०, ४३, ५३, ७४, ७८; ३१४०
मास (माष) प ११४५१ ज २१३७; ३१११६
 उ ३१३६, ४०
मासखमण (मासखण) उ २११०; ३११४, ८३;
 ४१२४; ५१२८, ३६, ४३
मासचूर्ण (माषचूर्ण) प १११७६
मासद्ध (मासार्ध) उ २११०; ३११४ ८३; ४१२४;
 ५१२८, ३६, ४३
मासपणी (माषपर्णी) प ११४८१५
मासपुरी (मासपुरी) प ११६३१५
मासल (मांसल) प १७१३४
माससिगा (मास 'सिगा') प १११७८ उडद की फली
मासवल्ली (माषवल्ली) प ११४०१४
मासिय (मासिक) ज ३१२२५
मासिया (मासिकी) उ २११२; ३१५०; १६१, १६६;
 ५१२८, ४३
माह (माघ) ज २१८८; ७१०४ सू १०१२४
 उ ३१४०

माहण (माहन) उ ३।२८, २९, ४५, ४७, ४८, ५०,
५५, ५८, ६०, ७५, ७६, ७९

माहणकुल (माहनकुल) उ ३।१२५

माहणरिसी (माहनरिषी) उ ३।५१ से ५७, ६२, ८२

माहणी (माहनी) उ ३।१२६ से १३१, १३४ से
१४४, १४७, १४८

माहिंद (माहेन्द्र) प १।१३५; २।४९, ५३, ५४, ६३;
३।३२, १८३; ४।२४० से २४२; ६।३०, ५६, ६५,
१५।८८; २१।७०; २८।७८; ३४।१६, १८
ज ५।४९; ७।१२२।१ सू १०।८४।१ उ २।२२

माहिंदग (माहेन्द्रक) प २।५३; ७।११; ३३।१६

माहिंदवडैसय (माहेन्द्रावतंसक) प २।५३

माही (माघी) ज ७।१३७, १४९, १५३, १५४
सू १०।७, १४, २३, २५, २६

माहेसरी (माहेश्वरी) प १; ६८

मिउ (मृदु) ज २।१६; ३।११७; ७।१७८

मिजा (मज्जा) प १।४८।४५, ४९

मिग (मृग) प २।४९ सू १०।१२०

मिगसिरा (मृगशिरा) ज ७।१३६, १६०, १६१
सू १०।२ से ५, १२, २३, ३८

मिगसीसावलि (मृगशीर्षावलि) ज ७।१३३।१

मिच्छत (मिथ्यात्व) प २३।३ उ ३।४७

मिच्छतवेदणिज्ज (मिथ्यात्ववेदनीय) प २३।१६८,
१८२

मिच्छतवेदणिज्ज (मिथ्यात्ववेदनीय) प २३।१७,
३३, ६६, १३८, १५७, १६१, १६६

मिच्छताभिगमि (मिथ्यात्वभिगमिन्) प ३४।१४

मिच्छद्दिठि (मिथ्यादृष्टि) प १।७४, ८४;
३।१००, १८३; ६।९७; १३।१४, १६, १७;
१७।११, २३, २५; १८।७७; १९।१ से ५;
२१।७२; २३।१९९, २००; २८।१२९

मिच्छादंसणपरिणाम (मिथ्यादर्शनपरिणाम)
प १३।११

मिच्छादंसणवत्तिया (मिथ्यादर्शनवत्तिया)
प १७।११, २२, २३, २५; २२।६०, ६५, ६६,

६९, ७२ से ७४, ९४, ९५, ९७ से ९९, १०१

मिच्छादंसणसत्तल (मिथ्यादर्शनशल्य) प २२।२०, २५

मिच्छादंसणसत्तलविरय (मिथ्यादर्शनशल्यविरत)

प २२।८६, ८७, ८९, ९०, ९७ से ९९

मिच्छादंसणसत्तलवेरमण (मिथ्यादर्शनशल्यविरमण)
प २१।८१, ८२

मिच्छादंसणि (मिथ्यादर्शनिन्) प २२।६५

मिच्छादिदिठि (मिथ्यादृष्टि) प २३।१९५

मिज्जमाण (भीयमान) सू १२।२

मित (मित) उ १।४१, ४४

मित्त (मित्र) ज २।२९; ३।१८७; ७।१२२।१,
१३०, १८६।४ सू १०।८४।१ उ ३।३८, ५०,
११०, १११; ४।१६, १८

मित्तदेवधा (मित्रदेवता) सू १०।८३

मिय (मृग) प १।६४; ११।४ ज २।३५ उ ५।५

मिय (मित) ज २।१५

मियंक (मृगाङ्क) सू २०।४

मियगंध (मृगगन्ध) ज २।५०, १६४; ४।१०९, २०५

मियलुद्ध (मृगलुब्ध) उ ३।५०

मियवालुकी (मृगवालुकी) प १।४८।४; १७।१३०

मियवालुकीफल (मृगवालुकीफल) प १७।१३०

मिरिय (मरिच) प १७।१३१

मिरियचुण्ण (मरिचचूर्ण) प ११।७६; १७।१३१

मियसिर (मृगशीर्ष) ज ७।१२८

मिरीइ (मरीचि) ज ३।११७

मिरीचि (मरीचि) सू २।१

मिरीया (मरीचि) सू २।१

मित्तवु (म्लेच्छ) प १।८८, ८९ ज ३।७७, १०९

मिलायत्ता (मिलित्वा) ज ५।६४

√मिलाय (मिलय्) मिलायइ उ १।१२५ मिलायंति
ज ३।१११

मिलायित्ता (मिलित्वा) ज ३।१११

मिलिय (मिलित) प १६।१५; २२।८४

मिसिमिसेत (दे०) ज ३।१०९; ५।२१

मिसिमिसेत (दे०) ज ३।९, २४, २२२; ५।२८

मिसिमिसेमाण (दे०) ज ३२६, ३६, ४७, १०७,
 १०६, १३३ उ १२२, ५७, ८२, ११५, १४०
 मिस्त (मिश्र) प १४७अ
 मिस्तकेसी (मिश्रकेसी) ज ५११११
 मिस्ताकूर (मिश्राकूर) सू १०१२०
 मिहिला (मिथिला) प १६३१३ ज १२, ३;
 ७२१४ चं ६ से ८ सू ११ से ३ उ ३१७१
 मिहुण (मिथुन) ज २१२; ४३, २५ उ ५५
 मीसग (मिश्रक) प ३२६१
 मीसजोणि (मिश्रयोनि) प ६१६
 मीसजोणिय (मिश्रयोनिक) प ६१६
 मीसय (मिश्रक) ज २६५, ६६
 मीसाहार (मिश्राहार) प २८१, २
 मीसिय (मिश्रित) प ६१३ से १७
 मुद्रंग (मुद्रग) प २३०, ३१, ४१, ४६, ३३२४
 ज १४५; ३१२, २८, ४१, ४६, ५८, ६६, ७४,
 ७८, ८२, १४७, १६८, १८०, १८५, १८७, २०६,
 २१२, २१३, २१८; ५११, ५, १६; ७५५, ५८,
 १८४ सू १८२३; १६२३, २६
 मुद्रंगपुक्खर (मुद्रंगपुष्कर) ज २१२७
 √मुच (मुच्) मोच्छिहिति ज २१३१
 मुंजपाउयार (मुञ्जपायुकाकार) प १६७
 मुंड (मुण्ड) प २०१७, १८ ज २३५, ६७, ८५, ८७
 उ ३१३, १०६ से १०८, ११२, ११८, १३६,
 १३८, १३६; ४१४, १६; ५१३२
 मुंडभाव (मुण्डभाव) उ ५४३
 मुंडि (मुण्डिन्) ज ३१७८
 मुक्क (मुक्त) प २३०, ३१, ४१ ज २१०, १५;
 ३१७, ८८; ४१६६; ५१७
 मुक्केलग (दे०) प १२१ से १३, १६, २०, २१,
 २३, २४, २७, २८, ३१ से ३३
 मुक्केलय (दे०) प १२१ से १०, १६, २०, २४, २७,
 २८, ३६
 मुगुंव (मुकुन्द) ज ३३१
 मुग (मुद्रग) प १४५१ ज २३७; ३११६
 मुगचुण (मुद्रगचूर्ण) प १११७

मुग्गपणी (मुद्रगपर्णी) प १४८५
 मुग्गसिगा (मुद्रगसिगा) प ११७८ मूंग की फली
 मुग्गसुव (मुद्रगसूव) सू १०१२०
 √मुच्च (मुच्) मुच्चइ प ३६१८८ मुच्चंति
 प ६११० ज १२२, ५०; २५८, १२३, १२८;
 ४१०१ उ ३१४२ मुच्चति प ३६१६१
 मुच्चिहिइ उ ११४१; ३४६; ५४३
 मुच्चिहिति ज २१५१ मुच्चेज्जा प २०१८
 मुच्छिय (मूर्च्छित) ज ५२६ उ १४७; ३११४,
 ११५, ११६
 मुट्ठि (मुष्टि) ज २१४१ से १४५; ३११५,
 ११६, १२२, १२४
 मुट्ठिय (मौष्टिः, मुष्टिक) ज २३२; ५, ५
 मुणाल (मृणाल) प १४६, १४८४२; २६४
 ज ३१०६; ४३, २५
 मुणालिया (मृणालिका) प २३१
 मुणेषध्व (जातय) प १३८३; २४०६, ११;
 १५१४३ ज ४१४२३; ७१३४४
 सू १६२२११, २२
 मुत्त (मुक्त) २१८, ८६; ३१७६, ११६, ११७, २२५;
 ५५, २१, ४६
 मुत्त (मूत्र) उ ३१३०, १३१, १३४
 मुत्तजाल (मुक्तजाल) ज ३१७७
 मुत्तमाण (मुत्तयत्) उ ३१३०, १३१, १३४
 मुत्ता (मुक्ता) ज ४२७
 मुत्ताजाल (मुक्ताजाल) ज ३३०, ४७, २२२
 मुत्तादाम (मुक्तादामन्) ज ५३८
 मुत्तालय (मुक्तालय) प २६४
 मुत्तावलि (मुक्तावलि) ज ३२११; ४२३, ३८,
 ६५, ७३, ६०, ६१
 मुत्ति (मुक्ति) प २६४ ज २७१
 मुत्तियाजालय (मौक्तिकजालक) ज ३१०६
 मुत्तिमुह (मुक्तिमुख) प २६४१५
 मुत्तोली (दे०) ज ३१०६
 मुद्रा (मुद्रा) प २३१

मुद्दिया (मृद्वीका) प ११४०४

मुद्दिया (मुद्रिका) ज ३१६, २११, २२२

मुद्दियासारय (मृद्वीकासारक) प १७१३४

मुद्ध (मुधन्) ज ५१२१, ५८, ६४, ७२, ७३; ७१७८

मुद्धंत (मुद्धन्ति) मृ २०१२

मुद्धय (दे०) प ११५८

मुद्धागय (मुद्धगत) ज ३१६२, ११६

मुम्पुर (मुम्पुर) प ११२६

मुम्पुरभूय (मुम्पुरभूत) ज २१३२, १४१

√मुय (मुच्) मु० ति मृ २०१२

मुयंत (मुयन्ति) ज २११२

मुरव (मुरज) ज ३१२, ७८, १८०, २०६

मुरंड (मुरण्ड) प ११८६

मुरंडी (मुरण्डी) ज ३१११२

मुसल (मुसल) प २१३०, ३१, ४१ ज २१६, १४१,

१४५; ३१३, २०, ३३, ५४, ६३, ७१ ८४, ११५,

११६, १२२, १२४, १३७, १४३, १६७, १८२;

७१७८

मुसावाय (मुषावाद) प २२११२, १३, ८०

मुसावायधिरय (मुषावादधिरत) प २२१८५

मुसुंडी (दे०) प ११४८१; २१३०, ३१, ४१

मुह (मुख) ज २१७१, १३३; ३१०५, १०६,

१६७११; ४१३३, ३६, ३८, ३९, ४३, ६५, ६६,

७२, ७३, ७८, ६०, ६१, ६५, १८३, २६२; ७१७८

उ ३१५५, ५६, ६३, ६४, ६७, ६८, ७०, ७१, ७३,

७४, ७६; ४१२१

मुहकुल्लय (मुखकुल्लक) ज ७१३३३२

मुहकुल्लसंठिय (मुख'कुल्ल'संस्थित) मृ १०१४७

मुहभंडय (मुखभाण्डक) ज ३११७८

मुहभंगलिय (मुखमाङ्गलिक) ज २१६४; ३११८५

मुहमंडव (मुखमण्डप) ज ४११२२

मुहुत्त (मुहूर्त) प ६११ से ४, ६ से १०, १७, १८, २२

से ३०, ४५; ७३, ६ से ६; २३१६३, १२७, १३१,

१८८ ज २१४२, ३, २१६६, १३४; ३१३२२,

२०६; ७१२० से ३०, ३६ से ३८, ७६ से ८२,

६५, ६६, ६८ से १००, १२२, १२६, १२७,

१३४१२, २, ३, १३५११ से ४ चं ३११; ४११; ५१२

सू ११७११, ११८११, ११६१२, १११०, १३, १४, १६।

से १८, २१, २२, २४, २७; २१३; ३१२; ४१८, ६;

६११; ८११; ६१२; १०१२ से ५, ८४, १३३, १३४,

१५२ से १६५; १११२ से ६; १२१२ से ६,

१२, १३, १६ से २८, १३११३; १४१३, ७; १५१२

से ४, ८, ६, ११, १२, ३७; १७११ उ ११२४, ४७,

६०, ६२

मुहुत्तगइ (मुहूर्तगति) चं ४१३

मुहुत्तग (मुहूर्तगति) चं ५११ सू ११६११; १०१२;

१२१२ से ६

मूल (मूल) प ११३५, ३६; ११४८१०, २०, ३०, ३४,

५१ ज ११८, ३५, ५१; २१६; ३१२२२०; ४१७, १५,

४३, ४५, ७२, ७८, ६०, ६५, ११०, ११४; १२०,

१४२११, १४६, १५६११, १७४, २१३, २४२;

५१६७; ७१३६, ३८, ६२४११, १२८, १२६,

१३२१४, १३६, १४०, १४६, १५२, १६६, १६७,

१७५ सू १०१२ से ६, १८, २३, ५२, ६२, ७३ से

७५, ८३, ११७, १२०, १३१ से १३३; १२१२७;

१८१७ उ ३१५०, ५१, ५३

मूलग (मूलक) प ११४४२, ११४५२ ज ३१११६

मूलग (मूलाग) प ११४८६३

मूलपासायवडैसय (मूलपासादावतंसक) ज ४११२०

मूलय (मूलक) प ११४८१२

मूलाग (मूलक) उ ११६२

मूलापण (मूलकपण) मृ १०११२०

मूलाधीय (मूलकधीज) ज २१३७

मूलाहार (मूलाहार) उ ३१५०

मूसग (मूषक) प १११७८

मूसा (मूषक) प ११७६

मेइणी (मेदिनी) ज २११५

मेइणीय (मेदिनीक) ज ३११८, ३१, १८०

मेंढक (मेंढक) मृ १०११२० मेंढकनिगी लता

मेंढमुह (मेंढमुख) प ११८६

मेघ (मेघ) ज ३।२२४
 मेघमालिनी (मेघमालिनी) ज ४।२३८
 मेघस्तर (मेघस्वर) ज ५।५२
 मेच्छ (म्लेच्छ) प २।६४।१७
 मेच्छजाइ (म्लेच्छजाति) ज ३।८१
 मेढी (मेढी) उ ३।११
 मेढीभूय (मेढीभूत) उ ३।११
 मेत्त (मात्र) प १।४८।६०, १।७४, ८४; १२।१२,
 २४, ३८; १५।१०, २३; २१।८४, ८६, ८७, ९० से
 ९३; ३३।१३; ३६।५६, ६६, ७०, ७४ ज २।१३४
 उ ३।८३, १२०, १२१, १२७, १२८, १६१;
 ४।२४; ५।२३
 मेद (मेदस्) प २।२० से २७
 मेधावि (मेधाविन्) ज ५।५
 मेय (मेद) प १।८६
 मेरग (मैरेय) उ १।३४, ४६, ७४
 मेरय (मैरेय) प १७।१३४
 मेरा (मर्यादा) ज ३।२६, ३६, ४७, ७६, १३२, १३३,
 १३८, १५१, १८८ सू २०।६।४
 मेराग (मर्यादाक) ज ३।१२८, १५१, १७०, १८५,
 २०६, २२१ उ ५।१०
 मेरु (मेरु) ज ४।२६०।१; ७।३२।१, ७।५५ सू ५।१;
 ७।१; १६।२२।१०, १११, १६।२३
 मेरुतालवण (मेरुतालवन) ज २।६
 मेरुलिमिद (दे०) प १।७०
 मेसर (दे०) प १।७६
 मेह (मेघ) ज २।१३१; ३।७, ६३, १०६, १२५,
 १५७, १६३; ५।२२ से २४ उ २।११
 मेहंकरा (मेघंकरा) ज ४।२३७; ५।६।१
 मेहकुमार (मेघकुमार) उ २।१११, ११२
 मेहमालिणी (मेघमालिनी) ज ५।६।१
 मेहमुह (मेघमुख) प १।८६ ज ३।१११ से ११५
 १२४ से १२६
 मेहवई (मेघवती) ज ४।२३८; ५।६।१
 मेहवण (मेघवर्ण) उ ५।२४, २६

मेहा (मेघा) ज ३।३
 मेहाणीय (मेघानीक) ज ३।११५, १२४, १२५
 मेहावि (मेघाविन्) ज ३।१०६
 मेहुण (मैथुन) प २२।१६, १७, ८०
 मेहुणवत्तिय (मैथुनप्रवृत्ति) ज ७।१८५ सू १।८।२३,
 २४; २०।६
 मेहुणसण्णा (मैथुनसंज्ञा) प ८।१ से ५, ७ से ९, ११
 मोंढ (दे०) प १।८६
 मोख (मोक्ष) ज २।७१
 मोगली (मोगली) एक जंगली पेड़ प १।४०।५
 मोगर (मुद्गर) प १।३८।२; २।४१ ज २।१०
 मोगल्यण (मौद्गल्यन) ज ७।१३।१
 सू १०।६२
 मोत्ति (मौक्तिक) ज ३।१६।७।८
 मोत्तिय (मौक्तिक) प १।४६ ज २।२४, ६४, ६६;
 ३।३५
 मोहाल (दे०) ज २।८
 मोयई (मोची) प १।३५।१ हिलमोचिका साग
 मोयग (मोचक) ज ५।२१
 मोरगीवा (मयूरग्रीवा) प १७।१३४
 मोसभासग (मृषाभाषक) प १।१।६०
 मोसमण (मृषामनस्) प १६।१, ७
 मोसमणजोग (मृषामनोयोग) प ३६।८६
 मोसवइजोग (मृषावाक्ययोग) प ३६।६०
 मोसा (मृषा) प १।१।२ से १० २६ से २६, ३२,
 ३४, ४२, ४३, ४५, ४६, ८२, ८४, ८५, ८७ से ८९
 मोह (मोह) प २३।१६१ ज २।२३३
 ✓मोह (माहय) मोहंति ज १।१३
 मोहणिज्ज (मोहनीय) प २२।२८; २३।१, १२,
 १७, ३२, १६२; २४।१३; २६।१२; २७।६
 मोहरिय (मोखरिक) ज ३।१७८
 य
 य (च) प १।१० ज १।७ सू १।७ उ १।७;
 ३।२।१; ४।२।१; ५।२।१
 या (च) उ ३।२।१

√याण (जा) याणति प १५४६, ४८, ४९;

३४११, १२ याणति प २३१३ याणामो
उ ११३६

याव (यावत्) प ११२०, २३, २६, २९, ३६, ३७, ३९
से ४७, १४८। ७. १० से ३७, ४१, ४३, १४८ से
५१, ५६, ६०, ६३ से ६६, ७०, ७१, ७५, ७६, ७८,
८६, ८७

र

रइ (रति) प २४१ ज ५१२६

रइकरग (रतिकरक) ज ५४८, ४९

रइकरगपव्वय (रतिकरकपव्वय) उ ५४४

रइत्त (रचित) प ३६१६२

रइत्त (रतिद) ज ३३५

रइय (रचित) प २३०, ३१, ४१ ज १३७; २१५,
३६, ६, १८, २४, २५, ६३, १०६, ११७, १७८,
१८०, २२१, २२२; ५४३; ०५५

रइय (रतिक) प २४८

रइय (रतिद) ज २१५

रइयामय (रजतमय) ज ४१३

रउस्सल (रजस्वल) ज २१३१

रएत्ता (रचयित्वा) उ ११३७; ३५१

रंग (रङ्ग) ज ३१६७६

रखस (राक्षस) प ११३२; २१०१, ४५ ज ७१२२
सू १०८४।३

रक्खा (रक्षा) ज ५१६

रज्ज (राज्य) ज २१६४; ३१२, १७५, १८८ उ ११६६,
६४, ६६, १०३, १०६, ११०, ११३, ११४, १२१,
१२२, १२६; ५१६, ११

√रज्ज (रज्ज) रज्जति सू १३१

रज्जधुरा (राजधूर) उ १३१

रज्जवास (राजवास) ज २१८

रज्जसिरि (राजश्री) उ ११६५, ६६, ७१, ६४, ६८,
६९, १११, ११२

रज्जु (रज्जु) ज ३१०६; ७१७८

रज्जुच्छाया (रज्जुच्छाया) मू ६१४

रट्ठ (राष्ट्र) उ ११६६, ६४, ६९

रट्ठकूड (राष्ट्रकूट) उ ३१२८ से १३१.१३३,
१३६, १३८ से १४०, १४७, १४९

रणभूमि (रणभूमि) उ ११३५

रतण (रत्न) प २४८

रतणप्पभा (रत्नप्रभा) प २४८, ४९; ३१८३;
६१६१; १०१२, ३

रतणवड्डेसय (रत्नावत्सक) प २४५

रतणामय (रत्नमय) ० २४६

रति (रति) प २३३६, ७६, १४४

रतिणाम (रतिनामन्) प २३१६४

रतिपसत्त (रतिप्रसक्त) सू २०१७

रत्त (रक्त) प २३१, २४०।१० ज ३१७, २४, २५,
१८४, १८८; ७१७८ सू १३११; २०३, ७
उ ११७२, ७३, ८७, ८८, ९२

रत्त (रक्त) ज २१६१, २१४१ से १४५; ३११५,
११६, १२१, १२२, १२४

रत्तंसुय (रक्ताशुक) ज ४१३ सू २०१७

रत्तकंबलसिला (रक्तकम्बलशिला) ज ४१२४४,
२५२

रत्तकणवीरय (रक्तकरवीरक) प १७१२६

रत्तचंदण (रक्तचन्दन) प २३०, ३१, ४१

रत्तबंधुजीवय (रक्तबन्धुजीवक) प १७१२६

रत्तरयण (रक्तरत्न) ज २१२४, ६४, ६६; ३१६७

रत्तवई (रक्तवती) ज ४१२७४; ६१९

रत्तवईकूड (रक्तवतीकूट) ज ४१२७५

रत्तसिला (रक्तशिला) ज ४१२४४, २५१

रत्ता (रक्ता) ज ४१२७४; ६१९

रत्ताकूड (रक्ताकूट) ज ४१२७५

रत्ताभ (रक्ताभ) प २४६

रत्तासोग (रक्तासोक) प १७१२६

रत्ति (रक्ति) ज ३१६५, १५६

रत्तुप्पल (रक्तोत्पल) प १७१२६ ज २१५;
७१७८

रत्था (रथ्या) ज ३१७

√रम (रम्) रमन्ति ज १११३, ३०, ३३, ३७; ४१२

रमन्त (रममाण) ज ३११७८

रमण (रमण) ज ३११३८

रमणिज्ज (रमणीय) प २१३१, ४८ से ५१, ६३;

१७१०७, १०६ १११ ज ११३, २१, २५, २६,

२८, २९, ३२, ३३, ३६, ३७, ३९, ४०, ४२, ४६;

२१७, १०, १५, ३८, ५२, ५६, ५७, १२२, १२७,

१४७, १५०, १५६, १५९, १६१, १६४, ३१९, ८१,

१६२, १६३, १६६, १६७, २२२; ४१२, ३, ८, ११,

१२, १६, ३२, ४६, ४६, ४७, ४८, ५०, ५६, ५८, ५९,

६३, ६९, ७०, ८२, ८७, ८८, १००, १०४, १०६,

१११, ११२, ११७, ११८, १३१, १६६, १७०,

१७६, २०२१, २३४, २४० से २४२, २४७,

२४८, २५०, २६७; ५१३२, ३५; ७११७८

सू २११; ६१३; १८१

रम्म (रम्भ) ज २११०, १२; ३१८१; ४१२०२१

उ ३१४६; ५१६

रम्मग (रम्भक) ज ४११०२, २०२

रम्मगकूड (रम्भककूट) ज ४१२६३११, २६६११

रम्मगवास (रम्भकवर्ष) प ११८७; १६३०

ज ४११०२, १६२, २६६ से २६८, ६१६, २१

रम्मय (रम्भक) प १७१६४ ज ४१२०२१, २६५

से २६७

रम्मयवास (रम्भकवर्ष) ज २१६

रय (रजस्) ज ३१२२३; ५१७

√रय (रज्यु) रयइ उ १११३७; ३१५१ रयन्ति

ज २१६६ रयह ज २१६५ रयइ उ ३१११४

रयण (रत्न) प ११११२; ११३, ४८; २१३०, ३१, ४१,

४८; १११२५; १५१५५१२; २०१११ ज २१६४,

६६; ३१६, १२, १८, २४, ३०, ३१; ३२११, ३५,

५६, ६४, ७६, ७७, ८१, ११७, १२५ से १२८,

१३८, १४५, १५१, १५२, १६७, ११, ५, १२, १४;

३११६८, १७५, १७८, १८०, १८४, १८२, २११,

२२१, २२२; ४१४६, १३७; ५१५, ७, १३, १६,

३८, ५८; ७११७८ सू १८१८; २०१७ उ १११११;

११२, १२३, १३१

रयणकरंड (रत्नकरण्ड) ज ३१११

रयणकरंभ (रत्नकरण्डक) ज ५१५५ उ ३११२८

रयणकुण्डिधारिय (रत्नकुण्डिधारिका) ज ५१५, ४६

रयणचित्त (रत्नचित्त) ज ३१५६, १४५

रयणवपसा (रत्नवपसा) प ११५३; २११ २०, २१,

३० से ४६, ४१ से ४३, ४६, ५०, ५१, ६३;

३१११, २१; ४१० से ६; ६११०, ४५, ५१, ७३,

८८, ९१, १०६; १०१ से ३, २८, ३०; १६१२६;

२०१६, ९, ३८, ३९, ४६, ५०, ५६; २११५२, ५६,

६६; ३०१२५ से २८, ३३३३, १६ सू २११;

६१३; १८१

रयणपुष्पपुठविणेरइय (रत्नपुष्पपुठविणेरिका)

प २०१५०, ५१

रयणब्रह्मय (रत्नब्रह्मय) प २१५६

रयण (वासा) (रत्नवर्षा) ज ५१५७

रयणमय (रत्नमय) प २१३०, ३१, ४१ से ४३,

४६, ५० से ५२, ५८ से ६०, ६३ ज ११६, १०,

३१, ३५, ४०, ४६११; २१११४, ११५, ३१६६,

१००, १०१; ४१२८, ३०, ४१, ४५, ५७, ६२, ७४,

७६, १०३, ११४, १३६, १७८, २१२, २१७, २७६;

५१३७

रयणसंज्ञया (रत्नसंज्ञया) ज ४१२०२१२

रयणावली (रत्नावली) ज ३१२११

रयणि (रत्नि) प ११७५; २१६४७, ८; २११६६, ६७,

७०, ७१, ७४ ज २११३३

रयणि (रजनि) सू १११४; ६११

रयणिकर (रजनिकर) ज ३११०६ सू १११२२१२,

१३

रयणिलेख (रजनिलेख) ज ७१२७, ३०

रयणिगद (रजनिगद) ज ३१११७

रयणिपुहसिख (रजनिपुहसिख) प ११७५

रयणिय (रजनि) उ ४११०

रयणियर (रजनियर) ज २११५; ३१११७

रयणी (रत्नि) ज २१६, १२८, १३३, १४८

रयणी (रजनी) ज २।१२८, १३३; ३।१८८; ७।१२०
सू १०।८८।३ उ ३।४८, ५०, ५५, ६३, ६७, ७०,
७३, १०६, ११८

रयणुच्चय (रत्नोच्चय) सू ५।१

रयणोच्चय (रत्नोच्चय) ज ४।२६०।१

रयत्ताण (रजस्वाण) ज ४।१३ सू २०।७

रयमत्त (रत्नमत्त) ज २।१२

रयथ (रजत) ज ३।१०३; ४।२५, १२५, १४६;
१६२।१, २३८, २५५; ५।५, ६२; ७।१७८

रययकूड (रजतकूट) ज ४।१६४, २३६

रययखंड (रजतखण्ड) प १।१।७४

रययवालुया (रजतवालुका) ज ४।३

रययामय (रजतमय) ज १।२३; ३।१२, ८८; ४।३,
१३, २५, ६४, ८८, २०३; ५।५८; ७।१७८

रय (रत्न) प २।३०, ३१, ४१, ४६ ज १।४५; २।६५
३।२२, ३६, ७८, ८३, ६३, ६६, १६३, १८०, १८३,
१८५, १८७, २०४, २०६, २१३, २१६; ५।१, ५,
६, २२, २६, ४४, ४६, ४७, ५६, ६७; ७।५५, ५८,
१७८, १८४ सू १।८२३; १।८२३, २६
उ १।१२१, १२२, १२५, १२६, १३३, १३४, १३८;
३।१११; ४।१८; ५।१६

रयभूय (रत्नभूत) ज ३।१०६

रयि (रत्नि) ज २।१५; ३।३, ३०; ७।१२७।१, १६७
सू १०।७७; १६।८।२; २२।३

रयिकिरण (रत्निकिरण) ज २।१५

रय (रत्न) प १।४ से ६; ३।१८२; ५।५, ७, १०, १२,
१४, १६, १८, २०, २४, २८, ३०, ३२, ३४, ३७, ३६,
४१, ४५, ५३, ५६, ५६, ६१, ६३, ६८, ७१, ७४,
७६, ७८, ८३, ८६, ८६, ८६, ८७, १०१, १०४,
१०७, १०६, १११, ११५, ११६, १२६, १३८,
१५०, १५२, १५४, १६०, २०५, २०७, २११,
२१४, २२८, २४२, २४४; १०।५३।१; ११।५७,
५८; १५।३८; १७।११४।१; २३।१५, १६, १६,
२०, १०८; २८।२०, ३२, ६६; ३६।८०, ८१
ज २।१८, ४५, ४४२; ३।८२, १८७, २१८;

७।११२।४, २०६ सू १०।१२६।४; २०।७

उ ५।२५

रयओ (रसतत्) प १।५ से ६; २८।२६, ३२, ६६

रयचरिम (रसचरम) प १०।५०, ५१

रयनाम (रसनामन्) प २३।३८, ४६

रयतो (रसतस्) प १।६, ८, ६; ११।५८; २८।८, २०,
५४

रयदेवी (रसदेवी) उ ४।२।१

रयपज्जव (रसपर्वव) ज २।५१, ५४, १२१, १२६,
१३०, १३८, १४०, १४६, १५४, १६०, १६३

रयपरिणाम (रसपरिणाम) प १३।२१, २८

रयमेय (रसमेय) प १।४८।५

रयमंत (रसमन्त) प ११।५२, ५७; २८।५, ५१

रयमेह (रसमेघ) ज २।४५

रयविष्णणावरण (रसविज्ञानावरण) प २३।१३

रयादेस (रसादेश) प १।२०, २३, २६, २६, ४८

रयावरण (रसावरण) प २३।१३

रसिदियत्त (रसेन्द्रियत्त) प ३।४।२०

रसिय (रसित) ज ३।३५; ५।२२ से २४, २६

रसोदय (रसोदक) प १।२३

रसि (रसिन्) ज ३।३, १८८

रह (रथ) ज १।२६; २।१२, ३३, ६५, १३४; ३।३,
१५, १७, २१ से २३, २८, ३१, ३६, ३७, ४१, ४५,
४६, ७७, ७८, ६१, ६८, १०६, १३१, १३५, १७३,
१७५, १७७ से १७६, १६६, २२१; ५।५७
उ १।१४, १५, २१, २२, १२१, १२६, १३३, १३६
से १३८; ४।१५; ५।१८

रहचक्रवाल (रथचक्रवाल) प ३६।८१ ज १।७
सू १।४

रहच्छाया (रथच्छाया) प १६।४७

रहनेउरचक्रवाल (रथनूपुरचक्रवाल) ज १।२६

रहगह (रथगथ) ज २।१३४

रहमुसल (रथमुसल) उ १।१४, १५, २१, २२, २५,
२६, १३६, १३७, १४०

रहरेणु (रथरेणु) ज २।६

रहवर (रथवर) ज २।१५; ३।२२, ३६, ४४

रहसिर (रथशिरम्) ज ३।१३१, १३५
 रहस्स (रहस्य) उ ३।११
 रहस्सियग (राहसिक) उ १।४६
 रहस्सियय (राहसिक) उ १।४४
 √रहस्सीकर (रहस्योक्त) रहस्सीकरेसि उ १।३६
 रहिय (रहित) प ३।२।६।१; ३।५।१।२ ज २।१५,
 १३३ सू २०।६।६
 रहोकम्म (रहःकर्मन्) ज २।७१
 राइ (रात्रि) ज २।१५; ३।११७, ७।२६ से ३०,
 १२०, १२१ चं ५।२ सू १।६।३; २।१, ३;
 १६।१११
 राइ (राजन्) उ ५।१०
 राइंदिय (रात्रिदिव) प ६।३०; १।८।३३, ५१;
 २३।१६२ ज २।४६, ५२, ५६, १५६, १६१;
 ७।२७, ३०, १५८, १६१ से १६७ सू १।११,
 १४, २२ से २४, २७; २।३; ६।१; ८।१;
 १०।१६६ से १६६; १२।२ से ६, १३, १५;
 १५।३२, ३४, ३७ उ १।५३, ७८
 राइंदियग (रात्रिदिवग) सू १।११; १२।२ से ६,
 १५
 राइण्ण (राजन्य) प १।६५ ज २।६५
 राईसर (राजेस्वर) ज ३।६, ७७, ८६, १७८, १८६,
 १८८, २०६, २१०, २१६, २१६, २२१, २२२
 उ ३।११, १०१; ५।१०, १७, ३६
 राग (राग) प २।४१; १७।११६; २३।६
 ज २।२६; ३।७, ३५, १८४, १८८ सू १३।२
 राति (रात्रि) सू १।१३, १४, १६, २१, २२, २४, २७;
 २।३; ३।२; ४।८, ६; ६।१; ८।१; ६।२; १०।५,
 ८।३
 रातिंदिय (रात्रिदिव) प ४।७२, ७४, ७६, ७८, ८८,
 १००; ६।११, २६, ३१ से ३४; १।८।२२
 रातीतिहि (रात्रितिथि) सू १०।८६, ६१
 राम (राम) प १।६३।६
 रामकण्ह (रामकृष्ण) उ १।७
 राय (राजन्) प १६।४१ ज १।३, २६; २।१६, २५,
 ६३; ३।२ से ७, ६ से १३, १५, १७ से २४, २६

से २६, ३१ से ३४, ३६ से ४२, ४४ से ५०, ५२
 से ५६, ६१ से ६७, ६६ से ७४, ७६, ८३, ८८,
 ९० से ९४, ९६, ९६ से १०१, १०६ से १०६,
 ११५ से १२०, १२१।१, १२२ से १२५;
 १२६।१, १२७, १२८, १३१ से १३४, १३५।१,
 १३७ से १३६, १४१, १४३, १४५ से १४७,
 १५० से १५४, १५७ से १६०, १६३ से १६७,
 १७०, १७३, १७५, १७७, १८१ से १८३, १८५
 से १८२, १८८, १८६, २०१, २०२, २०४ से
 २१२, २१४, २१५, २१८, २१९, २२१ से २२३;
 ४।१७७, १८१, २००; ५।५, ७ चं ८ सू १।३, ४
 उ १।१० से १२, १४, १५, २१, २२, २५, २६, २६
 से ३२, ३४, ३६ से ४४, ४६, ४६, ५७, ५८, ६१,
 ६२, ६५, ६६, ६८ से ७४, ८२, ८३, ८६ से ९६,
 ९८ से ११६, १२१, १२७, १२६ से १४५;
 २।४, ५, १६, १७; ३।४, १५ से १८, २१, २४, ८६,
 १५५, १६८; ४।४, ६; ५।६, ११ से १३, २५, ३०
 रायकुल (राजकुल) उ १।१११, ११२; ५।४३
 रायनिह (राजगृह) प १।६३।१ उ १।१, २, २८, २६,
 ६३; ३।४, २१, २४, ८६, १५५, १६८; ४।४, ६, ७,
 १३, १५, १८
 रायगल (राजार्गल) सू २०।८; २०।८।६
 रायत (राजत) ज ३।११७
 रायतेय (राजतेजम्) ज ३।१८, ६३, १८०, १८७
 रायधम्म (राजधर्म) ज २।१२६, १५८
 रायपवर (राजप्रवर) ज ३।६५, ६६, १५६
 रायप्पसेणइज्ज (राजप्रस्थीय) ज ४।११५; ५।३२
 रायबहुल (राजबहुल) ज १।१८
 रायमग्ग (राजमार्ग) ज २।६५
 रायलच्छी (राजलक्ष्मी) ज ३।११७
 रायवण्णय (राजवर्णक) ज १।२६; ३।३
 रायवर (राजवर) ज ३।८२, ३६, ६३, ६६, १०६,
 १६३, १७५, १७८, १८०, १८८, २१६, २२४
 रायवल्ली (राजवल्ली) प १।४८।४
 रायसरिस (राजसदृश) उ १।१२८
 रायहंस (राजहंस) प १।७६

रायहाणी (राजधानी) प १७४ ज ११६, ४५,
४६, ५१; २१२, ६५; ३१, २, ७, ८, १४, १७२,
१७३, १८०, १८२ से १८५, १९१, १९२, २०४,
२०८, २०९, २१२, २२०, २२१, २२४; ४५२,
५३, ६०, ८४, ९६, १०६, ११४ से ११७, १५९,
१६०, १६३ से १६५, १७४, १७५, १७७ १८०,
१८१, १९२, २००, २०२, २०४, २०६, २०७,
२०८, २१०, २१२, २२६ से २३३, २३७ से
२३९, २६३, २६६, २६९, २७२, २७५; ५५०;
६१६; ७१६, ८५, १८५ उ ३१०१

रायाभिसेय (राज्याभिषेक) ज २१८५; ३१८८,
२०९, २१२, २१४ उ १६५, ६८, ७२

रायारिह (राजाह) ज ३१८

रालग (रालक) प १४५१२ ज २३७; ३११९
दक्षिण भारत के जंगलों में मिलने वाला एक
सदाबहार पेड़

राव (रावय्) रावेंति ज ५५७

रावेंत (रावयत्) ज ३१७८

रासि (राशि) प २६४१६; १२३२; १७१२६

राहु (राहु) प २४८ सू २०१२, ८, २०१४

राहुकर्म (राहुकर्म) सू २०१२

राहुदेव (राहुदेव) सू २०१२

राहुविमाण (राहुविमान) सू १९१२२१७; २०१२

रिउब्बेय (ऋजुवेंद) उ ३१२८

रिक्ख (ऋक्ष) ज ३१९, १७, २१, ३४, १७७, २२२
सू १५३७; १९१२२१६

रिगिसिगि (दे०) ज ३३१ वाद्य विशेष

रिट्ठ (रिट्ठ) ज ३१९२; ५५, ७, २१

रिट्ठपुरा (रिट्ठपुरा) ज ४२००१

रिट्ठा (रिट्ठा) ज ४२००१

रिट्ठामय (रिट्ठमय) ज ४७, २६

रिद्ध (ऋद्ध) ज ११२, २६; ३११ चं ६ सू ११
उ १११, ९, २८; ३११५७; ५१२४

रिसह (वृषभ) ज ७१२२३ सू १०८४३

रुइल (रुचिर) प २४८ ज २१५; ३३५; ४४९;

७१७८

रुंद (दे०) ज ७३२११

रुख (रुक्ष) प १३३१, १३४, ३६, ४७१;

१७१११ ज २१२०, ३१, १३१, १४४ से १४६;
३३२, १०९, १२६ उ ५५

रुखगेहालय (रुक्षगेहालय) ज २१९, २१

रुखमूल (रुक्षमूल) प १४८६१ ज २१८, ९

रुखबहुल (रुक्षबहुल) ज ११८

रुखमूलिय (रुक्षमूलिक) उ ३५०

रुठ (रुट) ज ३१२६, ३९, ४७, १०७, १०९, १३३
उ ११२२, १४०

रुद (रुद्र) ज ७१३०, १८६३

रुददेवया (रुद्रदेवता) सू १०८३

रुप्य (रूप्य) प १२०११ ज ३१६७८ उ ३४०

रुप्यकला (रूप्यकला) ज ४१२६८, २६९११, २७२;
६१२०

रुप्यपट्ट (रूप्यपट्ट) ज ४१२९, २७०

रुप्यमणिमय (रूप्यमणिमय) ज ५५५

रुप्यमय (रूप्यमय) ज ४१२६; ५५५

रुप्यामय (रूप्यामय) ज ३१२०९; ४१२७०

रुप्पि (रुक्मिन्) प १६३० ज ४१२६५, २६८;
२६९११, २७०, २७१ सू २०१८, २०१३

रुप्पिणी (रुक्मिणी) उ ५१०

रुप्पोभास (रूप्यावभास) सू २०१८

रुयग (रुचक) प २३१ ज ११२३, २१५; ३३२;
४११, ६२, ८६, २३८; ५१८ से १७ सू १९३५

रुयगकूड (रुचककूट) ज ४१९६, २३६

रुयगवर (रुचकवर) सू १९३५

रुयगवरोद (रुचकवरोद) सू १९३५

रुयगवरोभास (रुचकवरावभास) सू १९३५

रुयय (रुचक) प १२०३ सू १९३२ से ३४

रुह (रुह) प १४८१२ ज १३७; २३५, १०१;
४१२७; ५१२८

रुहिर (रुधिर) प २१२० से २७ ज ३३१
उ १४४ से ४६

रुहिरकद्वम (रुधिरकद्वम) उ १।१३६
 रुहिरबिन्दु (रुधिरबिन्दु) ज ७।१३३।२
 रुहिरबिन्दुसंस्थित (रुधिरबिन्दुसंस्थित) सू १०।३६
 रुत (रुत) ज ४।१३ सू २०।७
 रुयंता (रुयंता) ज ५।१३
 रुयगावई (रुयगावती) ज ५।१३
 रुया (रुया) ज ५।१३
 रुव (रुप) प १।१२५, ३३।१; १।२।३२; १।५।३७,
 ४१; २।१।७, ८०; २।३।१५, १६, १६, २०,
 ३४।१, २, ३४।२० से २२ ज २।१५, १३३;
 ३।३, ६, ७६, ८२, १०३, १०६, ११६, ११७, ११६,
 १३८, १७८, १८६, १८७, २०४, २१८, २२२;
 ४।२७, ४६; ५।२८, ४१, ४३, ५७, ६८, ७०
 सू २०।७ उ ३।१२७; ५।२५
 रुवग (रुपक) ज ४।२७; ५।२८; ७।१७८
 रुवपरियारग (रुपपरिचारक) प ३४।१८, २२, २५
 रुवपरियारणा (रुपपरिचारणा) प ३४।१७, २२
 रुवविसिद्धया (रुपविसिष्टता) प २३।२१
 रुवविहीणया (रुपविहीनता) प २३।२२
 रुवसच्च (रुपसत्य) प १।१३३
 रुवि (रुपिन्) प १।२, ४, ६; ५।१२३, १२५, १४४
 सू १।३।१७
 रुवी (रुपिका) प १।३।११ सफेद आक का वृक्ष
 रुसमाण (रुप्यत्) उ ३।१३०
 रेणु (रेणु) ज २।६, ६५, १३१; ५।७
 रेणुबहुल (रेणुबहुल) ज २।१३२
 रेणुया (रेणुका) प १।४८।५ रेणुका, संभालू के बीज
 रेरिज्जमाण (राराज्यमान) उ ३।४६
 रेवई (रेवती) ज ७।११३।१, १२८, १२६, १३६,
 १४०, १४३, १४६, १५८ सू १०।१ उ ५।१२,
 १३, ३०, ३१
 रेवतय (रैवतक) उ ५।५
 रेवती (रेवती) सू १०।२ से ६, १०, २२, २३, ३३,
 ६१, ६५, ७५, ८३, ८८, १२०, १३१ से १३३;
 १।२।२२

रेवयग (रैवतक) उ ५।६
 रोइंदम (रोविन्दक) ज ५।५७
 रोग (रोग) ज २।४३, १३१ उ ३।३५, ११२
 रोगबहुल (रोगबहुल) ज १।१८
 रोज्ज (रोज्ज) प १।६४
 रोह (रौद्र) ज ७।१२२।१, १२६ सू १०।८४।१
 रोम (रोमन्) प १।८६ ज २।१५, १३३
 रोमक (रोमक) ज ३।८१
 रोमकूच (रोमकूच) ज ५।२१
 रोमग (रोमक) प १।८६
 रोमराइ (रोमराजि) ज २।१५
 √रोय (रुच्) रोएइ १।१०।१२ रोएज्जा
 प २०।१७ १८, ३४ रोयए : १।१०।१५
 √रोय (रोचय्) रोएमि उ ३।१०३
 रोय (रोग) उ ३।१२८
 रोयणामिरि (रोयनगिरि) ज ४।२२५।१, २३३
 रोयमाण (रुदत्) उ १।६२; ३।१३०
 रोय्य (रोहक, रौद्र) प २।२७
 √रोवाव (रोय्य) रोवावेइ उ ३।४८
 रोवावित्तए (रोवावित्तुम्) उ ३।४८
 रोवाविय (रोति) उ ३।५०, ५५
 √रोह (रुह्) रोहति ज ३।७६, ११६
 रोहिणिय (रोहिणीक) प १।५०
 रोहिणी (रोहिणी) ज ७।११३।१, १२८, १२६,
 १३४।३, १३५।३, १३६, १४०, १४५, १४६, १६०
 सू १०।२ से ६, १२, २३, ३७, ६२, ६७, ७५, ८३,
 १०२, १२०, १३१ से १३३
 रोहियंस (रोहितांज) प १।४२।१ एक प्रकार का
 वृक्ष
 रोहियंसकूड (रोहितांशकूड) ज ४।४४
 रोहियंसदीप (रोहितांशदीप) ज ४।४१
 रोहियंसप्ययकुंड (रोहितांशाप्रपातकुण्ड)
 ज ४।४० से ४२
 रोहियंसा (रोहितांशा) ज ४।३८ से ४०, ४२, ४३,
 ५७, १८२, २७०; ६।२०

रोहियकूड (रोहितकूट) ज ४।७६

रोहियवीव (रोहितवीव) ज ४।६८, ६९

रोहियपचायकुंड (रोहितप्रवातकुंड) ज ४।६७, ६८,
७१

रोहियमच्छ (रोहितमत्स्य) प १।५६

रोहिया (रोहिता) ज ४।६५ से ६७, ७१, ७२, २६८;
६।२०

रोहीडय (रोहितक) उ ५।२४ से २६

ल

लउड (लकुट) ज ३।११

लउय (लकुच) प १।३६।३

लउल (लकुट) ज ३।१७८

लउस (लकुश) प १।८६

लउसिया (लकुशिकी) ज ३।११।२

लंख (लङ्ख) ज २।६४; ३।१८५

लंघण (लङ्घन) ज ३।१०६, १७८; ५।५; ७।१७८

लंतग (लान्तक) प २।४६, ५५, ६३; ६।३२, ५६,
६५; ७।१३; १५।८८; २१।७०; ३३।१६; ३४।१६,
१८ ज ५।४६

लंतगवडेसय (लान्तक.वतंसक) प २।५५

लंतय (लान्तक) प १।१३५; २।५५, ५६; ३।३४,
१८३; ४।२४६ से २४८; २०।६१; २८।८०
उ २।२२

लंभिय (लम्बित) ज ७।१७८

लंबूसग (लम्बूसक) ज ५।३८, ६७

लंभ (लम्) लंभति ज ३।३५

लंभणमच्छ (लम्भनमत्स्य) प १।५६

लबख (लक्ष) प १।८१।१ ज ३।१०३

लबखण (लक्षण) प १।४८।५५; २।६४।१२

ज २।१४, १५, ६६; ३।३, ३५, ७७, १०६, १३८,
१६७।१२; ७।१७८ च २।४ सू १।६।४; १६।२,
४, ६ उ १।३४

लबखणधर (लक्षणधर) ज २।१५

लबखणधारि (लक्षणधारिन्) ज २।१५

लबखणसंवच्छर (लक्षणसंवत्सर) ज ७।१०३, ११२
सू १०।१२५, १२६

लबखणसहस्सधारक (लक्षणसहस्रधारक)
ज ३।१२६।१

लबखारस (गाक्षारस) प १।७।१२६

लख (लक्ष) ज ३।३१

लच्छिकूड (लक्ष्मीकूट) ज ४।२७५

लच्छिमई (लक्ष्मीमती) ज ५।६।१

लच्छी (लक्ष्मी) ज ३।१८, ६३, १८० उ ४।२।१

लज्जिय (लज्जित) ज २।६० उ १।५८, ८३

लट्ठ (लष्ट) ज १।३७; २।१५; ३।६, ३५, ११७,
२२२; ४।१२८; ५।४३; ७।१७८

लट्ठवंत (लष्टवंत) प १।८६

लट्ठि (यट्ठि) ज २।१५

लट्ठिगाह (यट्ठिगाह) ज ३।१७८

लडह (दे०) ज २।१५

लण्ह (लक्षण) प २।३०, ३१, ४१, ४६, ५६, ६३, ६४
ज १।८, २३, ३१; ४।१

लता (लता) प १।३३।१

लद्ध (लब्ध) ज ३।२६, ३६, ४७, १०३, ११७, १२२,
१२६, १३३, १८५, २०६ उ १।१७, ५७, ८२, ६६,
१०७, १२७; ३।१३, २६, ३८, ८५, १२२, १४७,
१६०; ४।११, २५; ५।१५, २३, ३१, ३८, ४२

लद्धट्ठ (लब्धार्थ) सू २०।७

लद्धि (लब्धि) प १।१४६; १५।५८।१, १५।६२

ललम्भ (लम्) ललम्भइ ज ७।१४३

ललम्भ (लम्) ललम्भइ ज ७।१५।१ ललम्भति सू १०।५
ललम्भजा प २०।१७, १८, २२, २५, २८, २६, ३४,
३८, ३६, ४१ से ४३, ४५, ४६ से ५२, ५४, ५५,
५६

लय (लता) ७।१७८

लया (लता) प १।३६ ज २।११, ६७, १३१, १४४
से १४६; ३।१०६ उ १।२३; ५।५

लयाबहुल (लताबहुल) ज १।१८

लयावण (लतावर्ण) ज २।११

√लल (लल, लड्) ललन्ति ज १।१३, ३०, ३२; २।७

ललन्त (ललत्) ज ३।१७८; ७।१७८

ललाड (ललाट) ज ७।१७८

ललित (ललित) ज ३।६, २२

ललिय (ललित) ज ३।६, १७८, २२२; ७।१७८

ललियबाहा ('ललितबाहु) ज २।१५

लव (लव) २।४।२, २।६६; ७।११२।५ सू ८।१;
१०।१२६।५

√लव (लप्) लवन्ति सू २०।१

लवंगरूख (लवङ्गरूख) प १।४३।२

लवण (लवण) प १।५।५।१ ज ६।१, २, ४; ७।४,
३२।१, ६३, ८७ सू ८।१; १६।२, ३, ५;
१६।२२।२३

लवणजल (लवणजल) सू १६।५।३

लवणतोय (लवणतोय) सू १६।५।२; १६।२२।२४

लवणसमुद्र (लवणसमुद्र) प १।५।५।५; १६।३०

ज १।१६, १८, २०, २३, ३५, ४८, ४९; ३।१, २२,
२८, ३६, ४१, ४४, ४६; ४।१, ३५, ३७, ४२, ४५,
५५, ६२, ७१, ७७, ८१, ८६, ९०, ९४, ९८, २००,
२०१, २६२, २६५, २७१, २७४; ६।३, ५, १६ से
२६; ७।३१, ३३, ८७ सू १।२२; ४।४, ७; ८।१;
१६।३ से ६

लवणोदधि (लवणोदधि) सू १६।५।१

लवणोदक (लवणोदक) प १।२३

लहु (लघु) ज ३।३५, ४८, ४९; ७।१७८

लहुपरक्कम (लघुपराक्रम) ज ५।४८, ४९

लहुभूय (लघुभूत) ज २।७०

लहुय (लघुक) प १।४ से ६; ३।१८२; ५।५, ७,
२०६; १५।१५ से १७, २८, ३२, ३३; २८।२६,
३२, ६६

लहुयस (लघुकत्व) प १५।४४, ४५

लाइय (दे०) प २।३०, ३१, ४१ ज १।३७; ३।७; १८४

लाउय (अलायुक) ज ३।११६

लाउयवणाम (अलायुकवर्णाम) सू २०।२

लाघव (लाघव) ज २।७१

लाढ (लाढ) प १।६३।५

लाभ (लाभ) ज ३।१७८; ७।१७८

लाभन्तराय (लाभान्तराय) प २३।२३

लाभस्थिय (लाभार्थिक) ज ३।१८५

लाभविसिद्ध्या (लाभविशिष्टता) प २३।२१

लाभविहीणया (लाभविहीणता) प २३।२२

लायणन्त (लावण्यत्व) प ३४।२०

लाला (लाला) ज ७।१७८

लालाविस (लालाविष) प १।७०

लावग (लावक) प १।७६

लावणग (लावणिक) सू १६।२२।२३

लावण (लावण्य) प २३।१६, २० ज २।१५;
५।६८, ७० उ ३।१२७

√लास (लास्य) लामेति ज ५।५७

लासग (लासक) ज २।३२

लासिया (लासिका, ल्हासिका) ज ३।११।२

लिक्खा (लिक्षा) ज २।६, ४०

लित्त (लित्त) प २।२० से २७

लिचि (लिचि) प १।६८

लिहिय (लिखित) ज ७।१७८

लीला (लीला) ज ५।३, २८

लुक्ख (रूख) प १।४ से ६; ५।५, ७, १२६, १५२,

१५४, २११, २१८, २२१, २२६, २४४; ११।५६

से ६१; १३।२२।२, १३।२२, २६; १७।१३८;

२३।५०; २८।६ से ११, २०, ३२, ५५ से ५७, ६६

लुक्खत्तण (रूखत्व) प १३।२२।१

लुक्खया (रूखता) प १३।२२।१ ज २।१३१

लुद्धग (लुब्धक) उ ३।६८

√लूह (मृज्, रूक्ष्य) लूहेइ ज ५।५८ लूहेति
ज ३।२११

लूहिय (मृष्ट, रूक्षित) ज ३।६, २२२

लूहेता (मृष्ट्वा, मार्जयित्वा, रूक्षयित्वा) ज ३।२११;

५।५८

१. टीका में 'ललिनो बाहु' है।

लेख (लेख्य) १।६८

लेच्छइ (निच्छवि, वच्छवि) उ १।१२७ से १३०,
१३२

लेटु (लेण्टु) ज २।७०, ७१; ३।३५, ६५

लेप्पार (लेप्यकार) प १।६७

लेस (लिश) लेसेति प ३।६६२

लेसणया (श्लेषण) प १।६।३

लेसा (लेख्या) प १।१।५; २।३०, ३१, ४६; ३।१।१;
१।७।४३ से ४५, ४७, ६६, ६७, १।१४, १।४७, १।५६
से १।५८, १।६१, १।७२ चं २।२ ज ३।६५, १।५६,
२।२३; ७।३८, ५८ सू १।६।२; १।७।१; ६।१ से
३; १।६।२६; २।०।२, ३

लेसागति (लेख्यागति) प १।६।३८

लेसापडिघाय (लेख्याप्रतिघात) ज ७।३८

लेसापरिणाम (लेख्यापरिणाम) प १।३।२

लेसाहिताव (लेख्याभित्ता) ज ७।३८

लेमुद्देस (लेखोद्देश) सू ६।२

लेस्ता (लेख्या) प २।४१; १।६।५०; १।७।१।१, १।७।७,
१।७, १।८, ३०, ३६ से ४१, ८८, ६७, १।१४, १।२६,
१।३६, १।३७, १।४७, १।५६, १।५७, १।५६, १।६० से
१।६३; १।८।१।१; २।८।१०६।१

लेस्तागति (लेख्यागति) प १।६।४६

लेस्ताणुवायगति (लेखानुवातगति) प १।६।३८, ५०

लेस्तापरिणाम (लेख्यापरिणाम) प १।३।६, १।४, १।६,
१८ से २०

लेह (लेख) ज २।६४ उ १।११५, १।१६

लेहट्ट (लेखास्थ) ज ७।१५८, १।६१, १।६४, १।६७
सू १।०।६५, ६८, ७१, ७४

लोअण (लोचन) ज २।१५

लोइय (लौकिक) ज ७।११४ सू १।०।१२४
उ १।६२

लोउत्तरिय (लौकोत्तरिक) ज ७।११४ सू १।०।१२४

लोक (लोक) ज ३।१०६, १।६७

लोग (लोक) प १।४८।६०; २।१०, १।६, ३०, ३२,
३४, ३५, ३७, ३८, ४१ से ४३, ४८, ५० से ५२,

५८ से ६१, ६३; १।०।२, ३, ५; १।२।७, १।०, २०;
१।५।१।२; १।५।४३, ४५, ५६; १।६।३४; १।८।३,
२६, २७, ३७, ३८; ३।६।७६, ८१, ८५ ज २।६५,
७१; ३।३५, ६५, १।५६, १।६७; ४।२६।१

सू १।६।२२

लोगंत (लोकान्त) प २।६४; १।१।३०; २।१।८४, ८६,
८६ ज ७।१, ६८, १।६।८।१, १।७२

लोगणाली (लोकनाली, लोकनाडी) प ३।३।१८

लोगणाह (लोकनाथ) ज ५।५, २।१, ४६

लोगपईव (लोकप्रदीप) ज ५।२१

लोगपज्जोयगर (लोकप्रद्योतकर) ज ५।२१

लोगपाल (लोकपाल) प २।३० से ३३, ३५, ४६ से
५१ ज २।६०, १।१८, १।१६; ५।१६, ५०, ५६

लोगमज्झ (लोकमध्य) ज ४।२६०

लोगमज्झावसानिय (लोकमध्यावसानिक) ज ५।५७

लोगसण्णा (लोकसंज्ञा) प ८।१, २

लोगहिय (लोकहित) ज ५।२१

लोगगास (लोकाकाश) प १।४८।५८; २।१०

लोगाधिबति (लोकाधिपति) प २।५०, ५१

लोगालोग (लोकालोको) प १।०।५

लोगाहिबइ (लोकाधिपति) ज २।६१; ५।१८, ४८

लोगुत्तम (लोकोत्तम) ज ५।५, २।१, ४६

लोण (लवण) प १।२०।१

लोढ (लोघ्न) प १।३६।३

लोभ (लोभ) प १।१।३४।१; १।४।४, ६, ८, १० से
१५, १७; २।२।२०; २।३।६, ३५, १।८४ ज २।१६,
१३३ उ ३।३४

लोभकसाइ (लोभकषायिन्) प ३।६८; १।३।१४;
१।८।६६; २।८।१३३

लोभकसाय (लोभकषाय) प १।४।१, २; ३।६।४६

लोभकसायपरिणाम (लोभकषायपरिणाम) प १।३।५

लोभणिसिसया (लोभनिश्चिता) प १।१।३४

लोभसंजलणा (लोभसंज्वलना) प २।३।७२, १।४०

लोभसण्णा (लोभसंज्ञा) प ८।१, २

लोभसमुद्घात (लोभसमुद्घात) प ३।६।४७

लोभसमुग्धाय (लोभसमुद्घात) प ३६।४२, ४४ से
४६, ४८ से ५१

लोभ (लोभन) प २।२० से २७ ज ३।३, १०६;
७।१७८

लोभपक्खि (लोभपक्खिन्) प १।७७, ७९

लोभहत्थ (लोभहस्त) ज ३।८८

लोभहत्थग (लोभहस्तक) ज ३।१२

लोभहत्थगपटलहत्थगय (हस्तगतलोभहस्तकपटल)
ज ३।११

लोभाहार (लोभाहार) प २८।१।२, २८।४०, ६६,
१०२, १०३

लोभाहारत्त (लोभाहारत्व) प २८।६०, ६६

लोय (लोक) प १।४८।५८, ५९; २।१ से ३।१, ४६,
४९; ३।११३ सू २।१; १६।१, २१ उ ३।१३

लोय (लोच) ज २।६५; ३।२२४ उ ३।११३

लोयन्त (लोकान्त) प २।६४।१०; १।१७२ सू २।१;
१।८६

लोयग (लोकाग्र) प २।६४, २।६४।३

लोयगयूमिथा (लोकाग्रस्तूपिका) प २।६४

लोयगपडिबुज्झणा (लोकाग्रप्रतिबोधना) प २।६४

लोयण (लोयन) ज ७।१७८

लोयणाभि (लोकनाभि) सू ५।१

लोयमज्झ (लोकाग्रमध्य) सू ५।१

लोयाणी (दे०) प १।४८।६

लोल (लोल) ज २।१२

लोह (लोभ) ज २।६६

लोह (लोह) ज ३।३, ३५, १६७।८

लोहकडाह (लोहकटाह) उ ३।५०, ५५

लोहकसाइ (लोभकपायिन्) प ३।६८

लोहदंडग (लोहदण्डक) ज ३।१०६

लोहबद्ध (लोहवर्ध) ज ३।३५

लोहयक्खमय (लोहिताक्षमय) ज ४।१३

लोहि (लोहि) प १।४८।१ सकंद मुहुरा

लोहिच्च (लोहित्य) ज ७।१३३।२

लोहिच्चायण (लोहित्यायण) सू १०।१०४

१. लोचनी—वङ्गी गोरखमुण्डी ।

लोहित (लोहित) प ५।२०५ सू २०।२

लोहितक्ख (लोहिताक्ष) ज ७।१८६।१ सू २०।८

लोहिय (लोहित) प १।४ से ६; ५।५, ७; १।१५३;
१७।१२६; २३।१०३; २८।३२, ६६ ज ४।२६
सू २०।२

लोहियक्ख (लोहिताक्ष) प १।२०।३; २।३१, ३२
ज ४।१०६; ५।५ सू २०।८।१

लोहियक्खकूड (लोहिताक्षकूट) ज ४।१०५

लोहियक्खमणि (लोहिताक्षमणि) प १७।१२६

लोहियक्खमय (लोहिताक्षमय) ज ४।२६

लोहियक्खामय (लोहिताक्षमय) ज ३।३०

लोहियपत्त (लोहितपत्र) प १।५१

लोहियमत्तिया (लोहितमृत्तिका) प १।१६

लोहियमुत्तय (लोहितसूत्रक) प १७।११६

लहसणकंद (लग्नकन्द) प १।४८।४३

लहसिय (लहासिक, लासिक) प १।८६

व

व (वा) प १।१०१।६ ज ३।११३ जं २।१ सू १।६

वइ (वाच्) प १६।१, ७; २३।१५, १६ ज २।६८

वइउल (वे० व्याल) प १।७१

वइगुत्त (वाग्गुत्त) ज २।६८

वइजोग (वाग्गोम) प २८।१३८; ३६।८६, ८८, ९०,
९२

वइजोगपरिणाम (वाग्गोमपरिणाम) प १३।७

वइजोगि (वाग्गोगिन्) प ३।६६; १३।१४; १८।५६;
२८।१३८

वइत्ता (वदित्वा) ज ५।३

वइयरिय (व्यतिचरित) सू २०।२

वइयोगि (वाग्गोगिन्) प १३।१७

वइर (वज्र) प १।२०।१; २।३० ज ३।१२, १८,
२४, ३५, ८८, १०६, १८४, २१६; ४।३, २५, ४६,
६७, २३८, २५४; ५।५, १३, २८, ५८; ७।१७८

वइरउसह (वज्रऋषभ) ज ३।३

वइरकूड (वज्रकूट) ज ४।२३६

वइर (वासा) (वज्रवर्षा) ज ५।५७

वङ्गरवेड्या (वङ्गवेदिका) ज ११३७; ४१२७; ५१२८
 वङ्गरसारमड्या (वङ्गसारमटिका) ज ३१८८
 वङ्गरसेणा (वङ्गसेना) ज ४१२३८
 वङ्गराड (वङ्गराट) प ११६३१४
 वङ्गरामय (वङ्गमय) ज ११७, ८, ११, २४; २११२०;
 ३१३०; ४१३, ७, १३; १५, २४ से २६, २६, ३१,
 ३६, ६६, ६८, ७४, ६१, ६३, १२८, १४६; ५१३८,
 ४३; ७११७८, १८५ सू १८१२३
 वङ्गरोयणराय (वङ्गरोचनराज) प २१३३ ज २१११३
 वङ्गरोयणिद (वङ्गरोचनेन्द्र) प २१३३ ज २१११३
 वङ्गरोसभणाराय (वङ्गऋषभनाराच) प २३१४५,
 ६४ ज २१४६
 वङ्गसमिय (वाक्समित) ज २१६८
 वङ्गसाह (वङ्गशाख) ज ३१२४; ७११०४, १४६, १५५
 सू १०१२२४ उ ११२२, १४०; ३१४०
 वङ्गसाही (वङ्गशाखी) ज ७११३७ सू १०१७, १७, २३,
 २६
 वङ्गस्सदेव (वङ्गदेव) उ ३१५१, ५६, ६४
 वङ्ग (वाङ्ग) प १११५, ८, २१ से २६
 वङ्ग (वङ्ग, वङ्ग) ज २११३३
 वङ्गगति (वङ्गगति, वङ्गगति) प १६१३८, ५३
 वङ्ग (वङ्ग) प ११६३१ ज २११५
 वङ्गजण (वङ्गजन) ज २११४ सू २०१७
 वङ्गजणोगह (वङ्गजनावग्रह) प १५१५८१,
 १५१६८, ६६, ७१ से ७३, ७५
 वङ्गजुलण (वङ्गजुलक) प ११७६
 वङ्गका (वङ्गका) उ ३१६७, १३१
 वङ्ग (वान्त) प ११८४ सू २०१२
 √ वङ्ग (वङ्ग) वङ्ग ज ११६; २१६०; ५१२१, ६५
 उ १११६; ३१८१; ४११३; ५१२०
 वङ्गति उ ४११६; ५१३६ वङ्गमि प ११११
 ज ५१२१ सू २०१६ उ १११७ वङ्गजा
 उ ५१३६ वङ्गहिमि उ ३१२६ वङ्गज ज २१६७
 वङ्ग (वङ्ग) ज ३१२२, ३६, ७८ उ १११६
 वङ्गण (वङ्गण) उ १११७

वङ्गणकलस (वङ्गणकलश) ज ३१७, ८७; ५१५५
 वङ्गणकलसहृत्थयय (हृत्थगतवङ्गणकलश) ज ३१११
 वङ्गणवत्तिय (वङ्गणवत्तय) ज ५१२७
 वङ्गणिज्ज (वङ्गणीय) सू १८१२३
 वङ्गिज्ज (वङ्गिज्ज) चं ११४
 वङ्गित्ता (वङ्गित्ता) ज ११६ उ १११६; ३१८१;
 ४११४; ५१२०
 वङ्गिया (वङ्गिका) उ ४१११
 वङ्ग (वङ्ग) प ११४१२ वङ्ग
 वङ्ग (वङ्ग) प १११७५ ज २११२४, १५२; ३१३१,
 १०६ उ ५१४३
 वङ्गमूल (वङ्गमूल) प ११४८८
 वङ्गी (वङ्गी) प ११४७
 वङ्गीपत्त (वङ्गीपत्त) प ६१२६
 वङ्गीमुह (वङ्गीमुख) प ११४६
 वङ्गकन्ति (वङ्गकन्ति) प ११४८५३ ज २१८५
 वङ्गकन्ति (वङ्गकन्ति) प १११४
 √ वङ्गकम (वङ्गकम) वङ्गकमह प ११४८५१
 वङ्गकमन्ति प ११२०, २३, २६, २६, ४८; ६१२६
 वङ्गकमन्ति सू १६१२२१६
 वङ्गकल (वङ्गकल) उ ३१५११
 वङ्गकवासि (वङ्गकवासिन्) उ ३१५०
 वङ्गख (वङ्गख) ज २११५
 वङ्गखार (वङ्गखार) प २११; १५१५१२ ज ४१२१२;
 ६११०
 वङ्गखारकूड (वङ्गखारकूट) ज ४१२०२; ६१११
 वङ्गखारपव्वय (वङ्गखारपव्वन्त) ज ४१६४, १०३ से
 १०८, १४३, १६२, १६३, १६६, १६७, १६६,
 १७२ से १७४, १७६, १७८ से १८१, १८४,
 १८५, १८०, १८१, १८६, १८७, १८६, २००,
 २०२ से २०५, २०८ से २१२, २१५, २६२;
 ५१५५; ६११०
 वङ्ग (वङ्ग) प १११२१ ज २११३६
 वङ्गी (वङ्गी) प १११२३
 वङ्ग (वङ्ग) प २१६४१५, १६; १२११०, ३२, ३६,
 ३७ उ ११५ से ८; २११; ३११, २; ४११, ३; ५११,

३,४५

√वग्ग (वल्गु) वग्गति ज ५।५५

वग्गण (वल्गन) ज ३।१७८

वग्गणा (वर्गणा) प १।१७२; १।७।१।४।१.१४२

वग्गमूल (वर्गमूल) प १।२।१२, १६, २७, ३१, ३२, ३८

वग्गु (वल्गु) प २।६४।१५ ज २।६४; ३।१८५,

२०६; ४।२१२, ४।२१२।३; ५।५८

वग्गु (वाच्) उ १।४१, ४४

वग्गुरा (वागुरा) उ ५।१७

वग्गुलि (वल्गुलि) प १।७८

वग्घ (व्याघ्र) प १।६६; १।१।२१ ज २।३६, १।३६

वग्घमुह (व्याघ्रमुख) प १।८६

वग्घारिम (दे०) ज ३।८८

वग्घारिय (दे०) प २।३०, ३१, ४६ ज २।७, ८८, ११७

वग्घावच्छ (व्याघ्रावत्य) ज ७।१३२।४ सू १०।११६

वग्घी (व्याघ्री) प १।१।२३

√वच्च (वच्) वच्चंति ज ७।१३५।२, ३

√वच्च (वज्) वच्चइ सू १।६

वच्छ (वक्ष्) प २।३०, ३१, ४१, ४६ ज ३।३, ६,

६, १८, ६३, १८०, २२१, २२२; ५।२१

वच्छ (वत्स) प १।६३।४ ज ४।२०१, २०२।१, २४८

वच्छगावई (वत्सकावती) ज ४।२०२।१

वच्छमिता (वत्समित्रा) ज ४।२०४, २३८; ५।६

वच्छल (वत्सल) प ३।१२५; ५।५, ४६

वच्छल (वात्सल्य) प १।१०१।१४

वच्छाणी (वत्सादनी) प १।४०।४ सू १०।१२०

गजपीपल, गुडूची

वच्छावई (वत्सावती) ज ४।२०२

वज्ज (वज्ज) प १।४८।७ वज्जकंद, कोकिलाक्षवृक्ष,
तालमखाना

१ वज्ज (वर्जय्) वज्जेज्ज प १०।१।४।४

वज्ज (वज्ज) ज २।१५

वज्ज (वर्ज्य) प २।४०।५, २।५२; ६।४६, ५.६, ६६,

८६, ६४, ६५, १०२, १०४; १०।३६; ११।४१, ८०,

८४; १२।३, १३।२२।२; १५।६८, ११५, १२१,

१२६; १६।३२; १७।५८; २०।५६ से ५८;

२२।२५; २३।१६१, १६७; २४।१३; २५।३;

२६।४; २८।११२, १२३, १२६, १२७, १२८,

१३२, १३३, १३७ से १४१, १४३ ज २।७०,

१३१; ३।६; ४।१७७, २१०, २४०, २४८; ५।१३,
४६, ५२।१

वज्ज (वाद्य) ज ५।५७

वज्जकंदय (वज्जकंदक) प १।७।१३०

वज्जण (वर्जन) प १।१०१।३

वज्जणिज्ज (वर्जनीय) ज २।१४६

वज्जपाणि (वज्जपाणि) प २।५० ज ५।१८, ४६, ६६

वज्जमाण (वाद्यमान) उ १।१३८

वज्जरिसभणाराय (वज्जकृपभनाराच) ज १।५;
२।४६

वज्जरिसहणाराय (वज्जकृपभनाराच) ज २।१६, ८६

वज्जरिसहनाराय (वज्जकृपभनाराच) सू १।५

वज्जसंठिय (वज्जसंस्थित) प १।१।३०

वज्जसूलपाणि (वज्जशूलपाणि) ज ५।५७

वज्जिऊण (वर्जयित्वा) प २।२७।३

वज्जित्ता (वर्जयित्वा) प २।२२, ३२, ३४ ज ४।१३४

वज्जिय (वर्जित) प १०।१४।६ ज ५।५२ सू २०।७

वज्जेत्ता (वर्जयित्वा) प २।२१, २३ से २७, ३०,

३१, ३३, ३५, ३६, ४१ से ४३, ४६

वज्ज (वद्य) ज ३।६२, १।१६

वज्जार (वर्धकार) प १।६७

वज्जियायण (वध्यायन) ज ७।१३२।४ सू १०।११८

√वट्ठ (वृत्) वट्ठंति उ ३।३३ वट्ठति प १।६।२२

वट्ठ (वृत्त) प १।४ से ६, १।६३।५; २।२० से २७,

३० से ३६, ४१ से ४३; १०।१५, २६; ३६।८१

ज १।७, ३१; २।१५; ३।७, ८८, ११७; ४।३, २५,

६७, ११४, १२८, २३४, २४०, २४१; ५।५, ४३;

७।३१, ३३, १६७, १७८ सू १।१४; ४।३ से ७;

१०।७४; १६।२, ६, ६, १२, १६, २८, ३२, ३६

वट्ठण (वर्तक) प १।७६ ज ५।१६

वट्ठगमंस (वर्तकमांस) सू १०।१२० कमलकंद

वट्ठमाण (वर्तमान) प २।३१ ज २।७१; ३।१३८,

५।५७
 वटवेयङ्ग (वृत्तवृत्ताद्य) प १६।३० ज ४।४२,
 ५७,५८,६०,७१,७७,८४,२६६,२७२; ५।५५;
 ६।१०
 वट्टि (वर्ति) प १।४७।२
 वट्टिय (वर्तित) ज २।१५; ७।१७८
 वट्टिया (वर्तिका) प १।४७।२
 वड (वट) प १।३६।१ उ ३।७१
 वड (दे०) प १।५६ मत्स्य विशेष
 वडगर (दे०) प १।५६ मत्स्य विशेष
 वडभी (वडभी) ज ३।११।१
 वडिसग (अवतंसक) प २।५४,५८
 वडिय (पतित) ज ३।१२५,१२६
 वडेंस (अवतंस) ज ४।२२५,२३२,२६०।१
 वडेंसग (अवतंसक) प २।५०,५२,५५ से ५६
 ज १।४३; ३।१७८, १८३; ४।५०, १०६, ११२,
 ११६, १५५, १५६, २३७, २३८, २४०, २४३
 वडेंसगधर (अवतंसकधर) ज ७।२१३
 वडेंसय (अवतंसक) प २।५० से ५३, ५६
 ज १।४२; ३।१८६; ४।४६, ५६, १०२, ११६,
 १२०, १४७, २२१ से २२४, २३७; ५।१, ६, १८;
 ७।१८४, १८५
 √वड्ड (वृध्) वड्डति सू १।६।२२।१६, २०
 वड्डते सू १।६।२२।१४ वड्डिज्जति प ५।१७६,
 २१६
 √वड्ड (वर्धय्) वड्डेइ उ ३।५१ वड्डेसि
 उ ३।७६
 वड्डइरण (वर्द्धकिरत्त) ज ३।१८, १६, ३१, ५२,
 ५३, ६१, ६२, ६६, ७०, ६६, १००, १४१, १४२,
 १६४, १६५, १७८, १८०, १८१, १८६, १८८,
 २०६, २१०, २१६, २१६, २२०
 वड्डइरणत्त (वर्द्धकिरत्तत्त) प २०।५८
 वड्डमाणय (वर्धमानक) प ३३।३५
 वड्डावय (वर्धापक) उ ३।११
 वड्डियय (वर्धितक) उ ३।३८

वड्डेत्ता (वर्धयित्वा) उ ३।५१
 वड्डोवुड्डि (वृद्धयपवृद्धि) च ३।१ सू १।७।१,
 १।१०, १४; १३।१
 वण (वन) ज ४।२००, २०१, २१२, २१४, २१५,
 २३४, २३६, २३७, २४०, २४१, २४४, २४५,
 २४६, २५१, २५२; ५।५५, ५७; ७।११४
 वणप्फइ (वनस्पति) प १८।१४, १०५, ११०, १२०;
 २०।२२
 वणप्फइकाइय (वनस्पतिकायिक) प ६।१६, ८३;
 १२।२६; १३।१६; १५।२६, ५३, ५५, ७४; १४०;
 १६।४; १७।६२, ६६, १०२; १८।३८; १६।२;
 २०।१३, २६, ४६; २१।३, २७, ७६, ८५; २२।२४;
 २८।३६, १२३; २९।१०, २०; ३०।६; ३६।१३ से
 १६, ३४, ३८
 वणप्फइकाइयत्त (वनस्पतिकायिकत्व) प १५।६६
 वणप्फतिकाइय (वनस्पतिकायिक) प १६।१२;
 १७।४०
 वणमाला (वनमाला) प २।३०, ३१, ४१, ४६
 ज १।३८, ४।१०, १२१, १४७, २१७; ५।१८
 वणयर (वनचर) ३।१।६।१
 वणराइ (वनराजि) प १७।१२४ ज २।१२
 वणलय (वनलता) प १।३६।१
 वणलया (वनलता) ज १।३७; २।१०१; ४।२७;
 ५।२८
 वणविरोह (वनविरोध) ज ७।११४।२
 वणविरोहि (वनविरोधिन्) सू १०।१२४।२
 वणसंड (वनषण्ड) ज १।१२ से १४, २३, २५, २८,
 ३२, ३५; ४।१, ३, २५, ३१, ३६, ४३, ४५, ५७, ६२,
 ६८, ७२, ७६, ७८, ८६, ९०, ९३, ९५, १०३, ११०,
 ११६, ११८, १४१, १४३, १५२, १५३, १५४,
 १५६, १७४, १७६, १७८, १८३, २००, २१२,
 २१३, २१५, २२१, २३४, २४०, २४१, २४२,
 २४५; ७।२१३ उ ५।८
 वणस्सइ (वनस्पति) प ६।१०४; १७।३३;
 १८।५७, ६२; २०।२८

वणस्सइकाइय (वनस्पतिकामिक) प १।१५, ३०;
 २।१३ से १५; ३।६, ५० से ५२, ५८, ६० से ६३;
 ६६, ७१ से ७४, ८०, ८१, ८४ से ८७, ९३, ९५,
 १६८ से १७०, १८३; ४।८८, ९० से ९४; ५।३,
 १७, १८, ६६; ६।५३, ८६, १०२, ११५; ६।२१;
 १।५।८५, १२१, १३७; १।८।२७, ३५, ४०, ४३,
 ४४, ५२; २।०।८; २।१।५, ४१; २।२।३१; ३।६।३३
 ज २।१३१, १४४

वणस्सइकाइयत्त (वनस्पतिकामिकत्व) ज ७।२।१२
 वणस्सति (वनस्पति) प ६।१०२; ६।४

वणस्सत्तिकाइय (वनस्पतिकामिक) प ३।५०, ५१,
 ६०, ६३, ६५, १८३; ४।८९; ५।१८; ६।६३, ८३;
 १।५।७६; २।४।६; ३।०।१६

वणिज (वणिज) ज ७।१२३ से १२५ करण नाम
 वणिय (वणिज्) ज २।२३

वणीमगबहुल (वनीपकंबहुल) ज १।१८

√वण्ण (वर्णय्) वण्णइस्सामि प १।१।३

वण्ण (वर्ण) प १।४ से ६; २।२० से २७, ३०, ३१,
 ४०, ४०।६; २।४।१, ४८, ४९, ६४; ३।१८२, ५।५,
 ७, १०, १२, १४, १६, १८, २०, २४, २५, २८, ३०,
 ३२, ३४, ३७ से ३९, ४१, ४५, ४६, ५३, ५६, ५९,
 ६१, ६३, ६८, ७१, ७४, ७६, ७८, ८३, ८६, ८९, ९१,
 ९३, ९७, १०१, १०४, १०७, १०९, १११, ११५,
 ११६, १२६, १३१, १३४, १३६, १३८, १४०,
 १४३, १४५, १४७, १५०, १५२, १५४, १६३,
 १६६, १६९, १७२, १७४, १७७, १८१, १८४,
 १८७, १९०, १९३, १९७, २००, २०३, २०७,
 २११, २१४, २१८, २२१, २२४, २२८, २३०,
 २३२, २३४, २३७, २३९, २४२, २४४;
 १।०।५३।१; १।१।५३; १।७।१११, १।७।७, १।७, १।८;
 १।१।४।१, १।२।३ से १।२।६, १।३।२ से १।३।४;
 २।३।१०८, १।६०; २।८।६, ७, २०, २६, ३२, ५२,
 ५३, ६६; ३।०।२५, २६; ३।६।८०, ८१ ज १।१३,
 २।६; २।७, १।८, १।३३, १।४२; ३।३, १।१, १।२, ८८,
 २।११; ४।२२, ३४, ३६, ६०, ८२, ८४, ८६, ९४.

१।३५, १।६६, २।६६, २।७२; ५।३२, ५८; ७।१।७८
 वण्णओ (वर्णतस्) प १।५ से ६; १।१।५४; २।८।७,
 २०, २६, ५३

वण्णय (दे०वर्णक) उ ३।११४

वण्णय (वर्णक) ज १।३२; ३।६, २०, ३३, ५४, ६३,
 ७१, ८४, १३७, १।४३, १।६७, १।८२, १।९३, १।९७,
 २।२२; ४।१, १।१।७; ५।१३; ७।५।५

वण्णचरिम (वर्णचरम) प १।०।४६, ४७

वण्णणाम (वर्णणामन्) प २।३।३८, ४७, १०१ से
 १०६, १०९

वण्णतो (वर्णतस्) प १।८, ६; २।८।३२, ६६

वण्णणाम (वर्णणामन्) प २।३।१०१

वण्णपज्जव (वर्णपर्यव) ज २।५।१, ५४, १२१, १२६,
 १३०, १।४०, १।४६, १।५४, १।६०, १।६३; ७।२०९

वण्णपरिणाम (वर्णपरिणाम) प १।३।२१, २६

वण्णमंत (वर्णवत्) प १।१।५२, ५३; २।८।५, ६, ५१,
 ५२

वण्णय (वर्णक) प २।३२, ४२, ४३ ज १।२, ३, १२,
 १६, २३, २५, २८, ३१, ३५, ३८; २।११, ८३;
 ४।३, २५, ३१, ३६, ४०, ४७, ५७, ६७, ७६, १।१०,
 १।१२, १।१५ से १।२०, १।२६, १।२८, १।३५, १।३६,
 १।४१ से १।४४, १।४७ से १।४९, १।५३ से १।५६,
 १।७८, १।८३, २००, २०१, २।१३, २।१५, २।१६,
 २।२१, २।३४, २।४०, २।४५, २।४६, २।४८; ५।३,
 २६ से ३३, ३५ से ३७ चं ६, ७, ८ सू १।२, ३
 उ १।१; ३।६१; ४।१०; ५।१४

वण्णय (दे०वर्णक) उ ३।११४

वण्ण (वासा) (वर्णवर्षा) ज ५।५७

वण्णादेस (वर्णादेश) प १।२०, २३, २६, २९, ४८

वण्णाभ (वर्णाभि) प २।२० से २५, ५०, ५६, ६०
 ज ४।२२, ३४, ६०, ६४, ८४, १।१३, २।६६, २।७२

वण्णावास (वर्णवास) ज १।११, ४६; ३।१६५,
 १।९७; ४।४, ७, १।५, २६, ८४, १।४६; ५।१३

वण्णिय (वर्णित) प १।१।३; १।६।२१

वर्णदसा (वृष्णिदशा) उ १।५, ६; ५।१ से ३

वृत्त (वर्तय्) वृत्तइस्सामि प ३।१८३ वर्तेति
प ३६।६२

वृत्तमंडल (वृत्तमण्डल) ज ३।१७८

वृत्तव्य (वृत्तवः) ज ४।२६६; ७।१४१ से १४५,
१५० से १५२, १५४, १८६ सू १०।२० से २२
२५

वृत्तव्यया (वृत्तव्यया) प २।४०, ४४; ५।१५२,
२०५, २४४; ११।८०; १५।१८ ज ३।१५०,
१६१, २७७; ४।५३, ६४, ७५, ७६, ८३, ८६, ९०,
९२, १०६, ११५, १२६, २००, २०५, २०७, २०८,
२४०, २४६, २६२, २६८, २७७; ७।१०२

वृत्त (वृत्त) प २।३०, ३१, ४१, ४६ से ५४;
१५।५५२; १७।११६ ज ३।६, ११, १२, २६,
३६, ४७, ५६, ६४, ७२, ७८, ८१, ८५, ११३, १३३,
१३८, १४५, १६७।६, १८०, २२१ सू २०।७,
उ १।१६, ३५; ३।५१, ५३, ६३, ६७, ७०,
७३, ११०

वृत्तधर (वृत्तधर) ज २।६१; ५।४८

वृत्तव्य (वृत्तव्य) ज ५।१ से ३, ५ से ७

वृत्तारोहण (वृत्तारोहण, वृत्तारोहण) ज ३।१२, ८८

वृत्ति (वृत्ति) ज २।१५; ३।११७

वृत्तिकर्म (वृत्तिकर्मन्) उ ३।१०१

वृत्तिपुडग (दे०) उ १।४४ से ४६

वृत्तिभाग (वृत्तिभाग) ज ३।११६

वृत्तु (वृत्तु) प १।४।५ ज ३।३२; ७।१०१, १०२
सू १०।१; १५।१, ३७

वृत्तुपरिच्छा (वृत्तुपरिच्छा) ज ३।३२

वृत्तुप्रादेश (वृत्तुप्रादेश) ज ३।३२

वृत्तुल (वृत्तुल) प १।३।२, ३।२, ४।१
ज २।१०

वृद्ध (वृद्ध) वृद्ध उ ३।७७ वृद्धि सू २०।२
वृद्ध ज ३।११३; ५।७२ उ १।२४ वृद्धामो
गू ५।१ वृद्धिस्ति ज २।१४६ वृद्धिजा
सू ६।१२

वृद्धि (वृद्धि) ज ३।१२५

वृद्ध (वृद्ध) ज ३।३५

वृद्धमाण (वृद्धमाण) प २।३० ज ३।३२

वृद्धमाणग (वृद्धमाणग) ज २।६४; ३।३, १२, १७८;
४।२८; ५।३२; ७।१३३।२ गू २०।८, २०।८।६

वृद्धमाणगसंठिय (वृद्धमाणगसंस्थित) सू १०।४१

वृद्धमाणय (वृद्धमाणय) ज ३।१८५

वृद्धाव (वृद्धाव) वृद्धावेह ज ३।५, २६, ३६, ४७,
५६, ६४, ७२, ८०, १३३, १४५, १५१, १५७
उ १।११० वृद्धावेति ज ३।११४, १२६, १३८,
२०५, २०६ उ १।१२२; ५।१७ वृद्धावेहि
उ १।१०७

वृद्धावेत्ता (वृद्धावेत्ता) ज ३।५ उ १।१०७

वृद्ध (वृद्ध) उ ३।४८, ५०

वृष्ण (वृष्ण) ज ४।३, २५, २१२, २१२।३, २५१

वृष्णगावई (वृष्णगावती) ज ४।२१।३

वृष्णावई (वृष्णावती) ज ४।२११

वृष्णि (दे०) प २।४, १३, १६ से १६, २८

वृमण (वृमण) उ ३।१०१

वृममाण (वृमण) उ ३।१३०

वृमिय (वृमिय, वृमिय) उ ३।१३०, १३१, १३४

वृमम वृमन् (वृमम वृमन्) ज ३।३१

वृमिय (वृमिय) ज ३।७७, १०७, १२४ उ १।१३८

वृय (वृय) वृय उ २।१ वृय उ २।६४।१८
चं १।३

वृय (वृय) वृयज ज ७।३१ सू १०।१० वृयति
ज २।६।१, ६४ वृयह उ ३।१०३; ४।१४ वृयामि
उ १।७६ वृयामो सू १।२० वृयामी ज १।६;
२।६४, ६०, ६५, ६७, १०१, १०५, १०७, १०८,
१११, ११४; ३।५, ७, १२, १८, २१, २६, २८, ३१
से ३४, ३६, ४१, ४७, ४८, ५२, ५६, ५८, ६१, ६४,
६६, ६८, ७२, ७४, ७६, ७७, ८३, ८०, ८१, ८६,
१०५, १०७, ११३ से ११५, १२४, १२५, १२७,
१२८, १३३, १३८, १४१, १४५, १४८, १५४,
१५७, १६४, १६८, १७०, १७३, १७५, १८०, १८५,

१८८, १९१, १९६, २०६; ५१३, ५, १४, २१, २२, २६
 २८, ४६, ५४, ६६, ७२ चं १० सू ११५ उ ११४;
 ३१२६; ४१४, ५१५ वयाहि ज ५१२२
 उ ११०७
वय (वयस) ज २१३१
वय (व्रत) प २०११७, १८, ३४ उ ३१४८, ५०, ५५
वयंस (वयस्य) ज २१२६
वयगुप्त (वचोगुप्त) उ ३१६६
वयण (वचन) प १११८६ ज २११३३; ३१३, ८,
 १३, १६, २४, ३२, ५३, ६२, ७०, ७७, ८४,
 १००, १३१, १४२, १६५, १८१, १९२, २१३;
 ५११५, २३, २६, २७, ६६, ७३ उ ११३३, ४५, १०८
वयण (वदन) ज २११५, १६; ३१६; ५१२१
 उ १११५, ३५; ३१६०
वयणमाला (वदनमाला) ज २१६५; ३११८६, २०४
वयमाण (वदत्) प १११२६, ८७
वर (वर) प २१४०८, २१४६; ३६१८३१२
 ज १११६, ३७, ३८; २११५, २०, ६५, ७१, ८५,
 ६५, ६६, १००, १२०; ३१३, ६, ७, १२, १८, २२,
 २४, २८, ३१, ३२, ३५, ४१, ४६, ५२, ५८, ६१,
 ६६, ६६, ७४, ७६, ७७, ७८, ८८, ८८, ८९, १०७;
 १०६, १२४, १२५, १२८, १३१, १३७, १३८,
 १४१, १४७, १५१, १५२, १६३, १६४, १६८;
 १७५, १७८, १८३, १८६, १८७, २०६, २१०,
 २१३, २१८, २२१, २२३; ४११०, ११५, २१७;
 ५१७, २१, ४३, ५६, ५८; ७११७८ सू १६११११
 उ १११, ४१, ४६, ६४, ६१, १२१, १३८; २१६;
 ३१५६, ६४, ६६, ६८, ७६, ८१; ५१५, १३, १६,
 २०, २५, २७, ३१
वर (वरक) प ११४५१२ तृण धान्य, चीनाधान
 ॥ **वर** (वरय्) वरति सू १६१२२११६ वरयति
 चं २१२ सू १६१२ वरयति सू ७१
वरकणगणिहस (वरकनकनिकष) प १७११२७
वरग (वरक) ज २१३७ तृणधान्य
वरग (वरक) उ ४१६
वरगंध (वरगन्ध) प २१३०, ३१, ४१

वरगंधधर (वरगन्धधर) सू १७१
वरगंधित (वरगन्धिक) सू २०१७
वरगय (वरगत) ज ३१६, १२, १८, २८, ४१, ४६,
 ५८, ६६, ७४, ७८, ८२, ८३, १३६, १४७, १८०, १
 १८७, १८८, २१२, २१३, २१८, २१९, २२२;
 ५१४७, ६०
वरचंपग (वरचम्पक) ज ३१३ राजचंपक
वरण (वरण) प ११६३१४
वरदत्त (वरदत्त) उ ५१२१, २२, २४, ३१, ४०, ४१, ४३
वरदाम (वरदामन्) ज ३१३०, ३१, ३३, ३६, ३६, ४१;
 ६१२ से १४
वरदामतिस्थकुमार (वरदामतीर्थकुमार) ज ३१३३,
 ३६ से ४१, ४३
वरदामतिस्थाधिपति (वरदामतीर्थधिपति) ज ३१३८
वरपसण्णा (वरपसन्ता) प १७११३४
वरपुरिसवसन (वरपुरयवसन) प १७११२७
वरबौदिधर (वर'बौदि'धर) सू १७११; २०१
वरमल्लधर (वरमालधर) सू १७११; २०१, २
वरवत्थधर (वरवत्सधर) सू १७११; २०१, २
वरवारुणी (वरवारुणी) प १७११३४
वरसीधु (वरसीधु) प १७११३४
वराडा (वराटक) प ११४६
वराभरणधर (वराभरणधर) सू १७११
वराभरणधारि (वराभरणधारिन्) सू २०११, २
वराह (वराह) प ११६४; २१४६ उ २१३५
वराहमंस (वराहमांस) सू १०११२० वराहीकंद
वराहधर (वराहधरि) प १७११२६
वरिष्ठ (वरिष्ठ) ज ३१८१; ५१२१
वरिस (वर्ष) ज ३११७५
वरिसारत्त (वर्षारत्त) सू १२११४ उ ५१२५
वरुट्ट (वरुड) प ११६७ पिच्छिकार, वेंत का काम
 करने वाला
वरुण (वरुण) प १५१५५१ ज ७११३०, १८६३
 उ ३१५४

१. अतोऽनेकस्वरात् इति इक प्रत्ययः ।

वरुण (काइय) (वरुणकायिक) ज ११३१
 वरुणदेवया (वरुणदेवता) सू १०१८१
 वरुणवर (वरुणवर) सू ११३१
 वरुणोद (वरुणोद) सू ११३१
 वरेल्लग (वे०) प ११७६
 वलभीघर (वलभीगृह) ज २१२०
 वलभीसंठित (वलभीसंस्थित) सू ४१२
 वलय (वलय) प ११३३१, ११४३ ज ३१६, २२२
 वलयाकारसंठाणसंठिय (वलयाकारसं:थानसंस्थित)
 ज ४१२३४, २४०, २४१
 वलयागार (वलयाकार) सू ११३१, ६, ६, १२, १६,
 २८, ३२, ३६
 वलवा (वडवा) प १११२३
 वलि (वलि) ज २११५, १३३ उ ११३४, ४०, ४३,
 ४६, ४८, ४९, ५१, ५४, ७४, ७६, ७९
 वलिय (वलित) ज २११५; ३१०६; ५१५
 वल्लभ (वल्लभ) ज ११२६
 वल्ली (वल्ली) ज २११३१, १४४ से १४६; ३१३२
 उ ५१५
 वल्ली (वल्ली) प ११३३१ १४०, १४८, ६१
 वल्लीबहुल (वल्लीबहुल) ज १११८
 ववगय (व्यपगत) प ११११; २१२० से २७
 ज ११२४; २११५, २३, २५, २६, २८, ३० से ३२,
 ३६, ४०, ४२, ४३; ७०; ३१२०, ३३, ५४, ६३, ७१,
 ८४, १३७, १४३, १६७, १८२
 ✓ ववरोव (वि+अप+रोपय्) ववरोवेइ प २२१६
 उ ११२२
 ववरोविय (व्यपरोपित) उ ११२५, २६
 ववसाय (व्यवसाय) ज ४१४०१
 ववसायसभा (व्यवसायसभा) ज ४१४०
 ववहार (व्यवहार) प ११३३१; १६४६ उ ३१११
 ववहारसच्च (व्यवहारसत्य) प ११३३३
 ✓ वस (वस्) वसइ ज ३११२२ वसाहि
 ज ३११८५
 वस (वश) ज ३१५, ६, ८, १५, १६, ३१, ५३, ६२, ७०,

७७, ८४, ६१, १००, ११४, १४२, १६५,
 १६७, ११४, १७३, १८१, १८६, १९६, २१३;
 ५१२१, २७, ४१ उ ११२१, ४२; ३१३३, १३६
 वसंत (वसन्त) प ७१४४१२ सू १२१४ उ ५१२५
 वसंतमास (वसन्तमास) सू १०१२४१२
 वसंतलय (वसन्तलीला) ज ५१३२
 वसट्ट (वसार्त) उ ११५२, ७७
 वसण (वसन) प २१४०१०, ११ ज ३१७, १८४
 उ ३१३०
 वसणभूय (वसनभूत) ज २१४३
 वषभमंस (वृषभमांस) सू १०१२२०
 वसभवाहण (वृषभवाहन) प २१५१ ज २१६१;
 ५१४८
 वसभाणुजात (वृषभानुजात) सू १२१२६
 वसमाण (वसत्) प ३११८, ३१, १८० उ ११११०,
 १२६, १३३
 वसह (वृषभ) ज २१६१; ७१७८ चं १४
 वसहुरूवधारि (वृषभरूपधारिन्) ज ७११७८
 सू १८१४
 वसहि (वसति) ज २११६; ३११८, ३१, १४०
 उ ११११०, १२६, १३३; ३१३६
 वसा (वसा) प २१२० से २७; १५११२, १५१५०
 वसिदठकूड (वासिदठकूट) ज ४१२०४१
 वसु (वसु) ज ७१३०, १८६१३
 वसुंधरा (वसुंधरा) ज ५१६१
 वसुदेवया (वसुदेवता) सू १०१८०
 वसुहर (वसुधर) ज ३११२६१
 वसुहा (वसुधा) ज ३११८, ३१, १८०
 ✓ वह (वध्) वहति ज ७११६८१२
 वह (वध) उ १११३६; ३१४८, ५०
 वह (व्यथ) उ ५१२१
 वह (वह) उ ५१२१
 वहय (वधक) ज २१२८
 वहस्सइ (वृहस्पति) ज ७१३०, १८६१३
 वहिय (व्यथित) ज ३११११, १२५

वा (वा) प ११८७ ज २३६ सू ११४ उ १२७;
३१०१

√वा (वा) वाहित ज २१३१

वाइ (वादिन्) ज २८०

वाइंगण (दे० वातिकुण) प १३७१ वैगन का गाछ

वाइंगणकुसुम ('वाइंगणि'कुसुम) प १७१२५

वाइत (वादित) प २३०, ३१, ४६

वाइय (वादित) प २४१

वाइय (वाद्य) ज १४५; २६५; ३८२, १८५,
१८६, १८७, २०४, २०६, २१८; ५११, ११६; ७५५,
५८, १८४ सू १८२३; १६२३, २६

वाइय (वातिक) उ ३११२, १२८

वाउ (वायु) प ६८६, १०४, ११५; ६४; १३१६;
१७४०, ६६; २०८, २३, २८, ५७; २१८५;
२२२४ ज २१६; ३१७८; ४४६; ५४३, ५२;
७१२२१, १३०, १८६४ सू १०८४१

वाउकाइय (वायुकायिक) ११५; २१० से १२;
३५, ५० से ५२, ५७, ६० से ६३, ६८, ७१ से
७४, ७६, ८४ से ८७, ८२, ८५, १६५ से १६७,
१८३; ४७६, ८०, ८२, ८३, ८५ से ८७; ५३,
१५, १६; ६१६, ६२, ६२, १०२

वाउकाय (वायुकाय) सू २०१

वाउकुमार (वायुकुमार) प ११३१; २४०१,
६, ११; ५३; ६१८ ज २१०७, १०८

वाउक्कलिया (वातोत्कलिका) प १२६

वाउक्काइय (वायुकायिक) प १२७; २१११;
१२३, ४, २३; १५२६, ८५, १३७; १६५, १२;
१७६१, १०३; १८२६, ३४, ३८, ४०, ४२, ५२;
२०३१, ४५; २१२६, ४०, ५०, ५७, ६४; २२३१;
३४३; ३६६, ३८, ५६, ७२, ७५

वाउकाइयत्त (वायुकायिकत्व) ज ७२१२

वाउकाय (वायुकाय) ज २१०७, १०८

वाउभाम (वातोद्भाम) प १२६

वाउभविख (वायुभविन्) उ ३५०

वाउल (व्याकुल) ज २१३१

वाकरेमाण (व्यागृणत्) ज २७८

√वागरा (वि+आ+कृ) वागरेहित उ ३२६
वागरेहिती उ ३२६

वागरण (व्याकरण) ज ७२१४ सू ६३ उ ११७;
३२६

वागल (वात्कल) उ ३५१, ५३, ५५, ६३, ६६, ७०,
७३

वागली (दे०) प १४०१२ वागुची, एक औषधि

वाघाइय (व्याघातिक) ज ७१८२

वाघात (व्याघात) प १७४; २१६५

वाघातिम ('व्याघातिम, व्याघातिन्') सू १८२०

वाघाय (व्याघात) प २७; २८३१ उ १६५, ६६

वाण (वाण) प १३७४

वाणपत्थ (वानप्रस्थ) उ ३५०

वाणमंतर (वानव्यन्तर) प ११३०, १३१; २४१,
४३; ३२७, १३५, १८३; ४१६५ से १६७;
५३, २५, १२१; ६२५, ५६, ६५, ८५, ६३, १०६,
१११, ११७; ७५; ६११, १८, २४; १२६, ३६;
१३२०; १५३५, ४८, ८७, ६६, १०४, १०७,
१११, १२४; १६६, १६; १७२६, ३०, ३२, ३४,
५२, ७७, ८१, ८३, ८८, १०५; १६४; २०१३,
१६, २५, ३०, ३५, ३७, ४८, ५४, ६१; २१५५, ६१,
७७, ६०; २२३१, ३६, ७५, ८८, १००; २४८;
२८७२, ११७, ११६; २६१५, २२; ३१४;
३२५; ३३१४, २२, ३०, ३४, ३७; ३४४, १०,
१६, १८; ३५१५, २१; ३६२५, ४१, ७२
ज ११३, ३०, ३३, ३६; २६४, ६५, ६६, १००
से १०२, १०४, १०६, ११०, ११३ से ११६,
१२०; ४२, २४८, २५० से २५२; ५४७,
५३, ५६, ६७, ७२ से ७४ सू २०७

वाणमंतरत्त (वानव्यन्तरत्व) प ३६२२, २६

वाणमंतरी (वानव्यन्तरी) प ३१३६, १८३;

१. भावादिसः इति सूत्रेण इमः ,

४।१६८ से १७०; १७।५२, ८२, ८३; २०।१३
 वाणारसी (वाणारसी) प १।६३।१ उ ३।२७ से
 २६ ४६, ४८, ५०, ५१, ६५, ६६, ६६, १००, १११
 वाणिज्ज (वाणिज्ज) ज २।२३
 वातिय (वातिक) उ ३।३५
 वाय्याध (व्यावाध) ज २।३६, ४१
 वाम (वाम) ज २।११३; ३।६.१२, २४।४, ३७।२,
 ४५।२, ८८, ११७, १३१।४; ५।२१, ५८
 उ १।११५, ११६; ३।६२
 वामन (वामन) प १।५।३५; २३।४६
 वामणी (वामणी) ज ३।११।१
 वामभुयंत (वामभुजान्त) सू २०।२
 वामेय (वामेय) प २।३१
 वाय (वात) प २।४८ ज २।६.१०, १३१, १३३;
 ३।११, २४।३, ३७।१, ४५।१, ११७, १३१।३,
 २११; ४।१६६; ५।३८, ५८
 √वाय (वाच्य) वाएंति ज ५।५७
 वायंत (वादन्त) ज ३।१७८
 वायकरग (वातकरक) ज ३।११; ५।५५
 वायमंडलिया (वातमण्डलिका) प १।२६
 वायस (वायस) प १।७६
 वायुदेवया (वायुदेवता) सू १०।८३
 वारि (वारि) ज ३।२०६; ५।५६
 वारिसेणा (वारिषेणा) ज ४।२१०; ५।६।१
 वारुण (वारुण) ज ७।१२२।२ सू १०।८४।२
 वारुणी (वारुणी) ज ५।११।१
 वारुणोदय (वारुणोदक) प १।२३
 वाल (व्याल) ज ३।२२२ उ ३।१२८
 वाल (वाल) ज ७।१७८
 वालग (व्यालग) ज १।३७; २।४१, १०१; ३।२०;
 ४।२७; ५।२८
 वालग (वालाग) ज २।६; ७।१७८
 वालगपोडया (दे०) ज २।२०
 वालगपोतिघासंठित ('वालागपोतिका' संस्थित)
 सू ४।२, ३

वालपुच्छ (व्यालपुच्छ) ज ७।१७८
 वालिघाण (वालघान) ज ७।१७८
 वालिहर (वालिधर) ज ७।१७८
 वाली (पाली) ज ३।३०
 वालुक (वालुक) प १।४८।४८ कपिप्य की छाल
 वालुयप्पभा (वालुकाप्रभा) प १।५३; २।१, २०,
 २३; ३।१३, २१, २२, १८३; ४।१० से १२;
 ६।१२, ७५, ७६; १०।१; २०।६, ३६; २१।६७;
 ३३।५
 वालुया (वालुका) प १।२०।१; २।४८ ज ३।१११,
 ११३; ४।१३, २५, ४६ सू २०।७ उ ३।५१, ५६
 वावण (व्यापन्न) प १।१०।१।१३
 वावणय (व्यापन्नक) प २०।६१
 वावहारिय (व्यावहारिक) ज २।६
 वाविय (व्यापित) ज ३।७६.११६
 वावी (वापी) प २।४, १३, १६ से १६, २८; १।१७७
 ज १।३३; २।१२, १५; ४।६०, ११३; ७।१३३।१
 वास (वर्ष) प १।४६; २।१; ४।१, ३, ४, ६, २५, २७,
 २८, ३०, ३१, ३३, ३४, ३६, ३७, ३८, ४०, ४२,
 ४३, ४५, ४६, ४८, ४९, ५१, ५२, ५४, ५६, ५८,
 ६२, ६४, ६५, ६७, ६९, ७१, ७३, ७५, ७७, ७९,
 ८०, ८४, १२४, १२७, १३४, १३६, १४३,
 १४५, १५२, १५४, १६५, १६७, १६८, १७०,
 १७१, १७३, १७४, १७६, १७७, १७९, १८०,
 १८२, १८३, १८५, १८६, १८८; ६।३७ से ४१;
 १६।३०; १८।२, ६, ९, १२, २०, २१, २८, ३२,
 ३४, ३५, ४७, ५०, ५२; २०।६३; २३।६० से ६४,
 ६६, ६८, ६९, ७३ से ७८, ८१, ८३, ८५ से ९०,
 ९२, ९५ से ९९, १०१ से १०४, १११ से ११४,
 ११६ से ११८, १२७, १३०, १३१, १३३, १४७,
 १५८, १६९, १७६, १७७, १८२, १८३, १८७,
 २८।२५, ७४ से ७७, ८७ ज १।१८ से २३,
 ३४, ३५, ४७ से ५१; २।१, ४, ६ से १५, २१ से
 ४५, ५०, ५२, ५६ से ५८, ६५, ७१, ८८, ९०,
 १२२, १२३, १२६ से १२८, १३० से १३४,

१३८ से १५०, १५४, १५६, १५७, १५९, १६१,
१६४; ३११, ३, २६, ३२, ३९, ४७, ५६, ६४, ७२,
७७, ७९, १०३, १०९, ११३, १२४, १२६, १३३,
१३५, १२, १४५, १६७, १७५, १८५, १८८, २०९,
२२१, २२५, २२६; ४११, ३५, ४२, ५५, ५६, ६१,
६२, ७१, ७७, ८१ से ८३, ८५, ८६, ८४, ८८,
९९ से १०३, १०८, १०९, ११६, ७७, ११६, १७२
से १७४, १७८, १८१, १८२, १८५, १८७, १९३,
१९४, १९६, १९९ से २०३, २०५, २०९, २१३,
२६२, २६५, २६६, २७१ से २७३, २७७;
५१५५; ६१६१, ६१६, १२, १३, १४, १९; ७१५६
से १५९, १८७ से १९० मू ४३; ६११; १०६३
से ६६; ८११; १८२५ से ३०; २०७ उ ११९,
१४१, १४७; २१२, १३, २२; ३१४, १६, १८,
२१, ८३, ८६, १०४, ११८, १२५, १५०, १५२,
१५७, १६१, १६५, १६९; ४२४, २६, २८;
५२४, २८, ३९, ४१, ४३

वास (वर्ष) वर्षा ज ३११५, ११६; ५१७;

७११२३, ४ सू १०१२६३, ४

√**वास (वृष्)** वासंति ज ३१८४; ५१७, ५७

वासति सू १०१२६३ वासह ज ३१२४

वासिस्सज ज २१४१ से १४५ वासिहिति
ज २१३१

वासंतिय (वासन्तिक) ज २१०

वासंतिलता (वासन्तिलता) प १३६११

वासन्ती (वासन्ती) प १३८२ ज २११५

वासधर (वासगृह) ज ३३२ सू २०७ उ १३३;
२१२८

वासपुड (वासपुट) ज ४१०७

वासमाण (वर्षत्) ज ३११६

वासयंत (वासयत्) ज २६५

वासरणु (वासरणु) ज २६५

वासहर (वर्षधर) प १५५५१२ ज २६५; ३१३१;

४१०३, १०८, ११०, १४३, १६२, १६७, १८१,

१८२, १८४, १९०, २००; ६१०, १८

वासहरकूड (वर्षधरकूट) ज ६१११

वासहरपव्वय (वर्षधरपव्वंत) प २११; १६३०

ज ११८, ४८, ५१; ३१३१; ४१२, ४४, ४५,

४८, ५४, ५५, ६१ से ६३, ७९ से ८१, ८६, ८७,

९६ से ९८, १०२, १०३, १०८, ११०, १४३,

१६२, १६६, १७३ से १७६, १७८, १८०, १८४,

१९०, २०० से २०६, २०८, २०९, २६२ से २६४

२६८ से २७०, २७३ से २७६; ५१४, १५;

६११०, १८

वासावास (वर्षावास) ज २१७०

वासिउं (वाषितुम्) ज ३१११५

वासिकी (वाषिकी) सू १२१८ से ७३

वासिट्ठ (वाषिट्ठ) ज ७१३२१२ सू १०१५

वासित्ता (वर्षयित्वा) ज ५१७

वासी (वाषी) ज २१७०

वासुदेव (वासुदेव) प ११७४, ९१; ६२६; २०१११

ज २१२५ १५३; ७२०० उ ५१९, १५, १७ से
१९

वासुदेवत्त (वासुदेवत्व) प २०१५६

वाहण (वाहन) ज २६४; ३१७, २१, ३१, ३२,

८१, १०३, १०९, १७७; ५१८, २२, २६

उ १६६, ९४, ९९, ११५, ११६

वाहि (व्याधि) ज २११५, १३१, १३३

वाहिनी (वाहिनी) उ ३११०; ४१६, १८

वि (अपि) प ११५ ज ११६ सू ११९ उ ११७

विइक्कंत (व्यतिक्रान्त) ज २१७१, १३८, १४०

√**विउक्कम (वि । उन् । क्रम्)** विउक्कमंति
प ६१२६

√**विउट्ट (वि । वृत्)** विउट्टेहि उ ३११५

विउट्ट (निवृत्त) ज ७१३९, ६६, ९१

विउल (विपुल) प २१३०, ३१, ४१ ज ११५;

२६४, ६५, ९१, १२०, ३३, ६७, १०३, १८५,

२०९; ५२६, ५४; ७१७८ उ ११७, ९३;

२११; ३३७, ५०, ५५, ९१, ९८, १०१, १०६

१०७, ११०, १२९, १३१, १३४, १३९, १४९;

४११६

विउलमइ (विपुलमति) ज २।८०

√विउव्व (वि-कृ) विउव्वइ ज ५।४१, ४६, ६०,

६६ उ ३।६२ विउव्वति प ३।४।१६ २१ से २३

ज २।१०२, १०६, १०८; ३।११५, १६२, १६४,

१६५, १६७, १६८; ५।५५, ५७ विउव्वह

ज २।१०१, १०५; ५।३ विउव्वहि ज ५।२८

विउव्वेह ज ३।१६१

विउव्वणगिडिहपत्त (विकिाद्विप्राप्त) सू १३।१७

विउव्वणया (विकरण) उ ३।४१ से ३

विउव्वणा (विकरणा) उ ३।७

विउव्वमाण (विकुर्माण) सू २०।२

विउव्वित्तए (विकर्तुम्) ज ७।१८३ सू १८।२१

विउव्वित्ता (विकृत्य) प ३।४।१६, २१ से २३

उ ३।१२३

विउव्विय (विकृत) प २।४१

विउव्वेत्ता (विकृता) ज ३।१६१

विउसमण (व्यवशमन) सू २०।७

विज्झगिरि (विज्झगिरि) उ ३।१२५

विट (वृत्त) प १।४८।४६

विहणिज्ज (बृहणीय) प १।७।१३४

√विकंप (वि-कम्प) विकंपइ चं ३।२
सू १।७।२

विकंपइत्ता (विकम्प्य) सू १।२४

विकंपमाण (विकम्पमान) सू १।२४

विकप्प (विकल्प) ज ३।३२

विकप्पिय (विकल्पित) ज ३।१०६

विकल (विकल) ज २।१३३

विकिण्ण (विकीर्ण) ज ७।१७८

विकियभूय (विकृतभूत) ज ५।५७

विकिरणहर (विकिरणकर) ज ३।२२३

विकिरिज्जमाण (विकीर्यमाण) ज ४।१०७

विकुस (विकुस) ज २।८, ६

विककंत (विक्रांत) ज ३।१०३

विककम (विक्रम) ज ३।३; ७।१७८ चं १।१

विकखंभ (विक्रम) प १।७४; २।५०, ५६, ६४;

२।१८४, ८६, ८७, ९० से ९३; ३।५६, ६६,

७०, ७४, ८१ ज १।७ से १०, १२, १४, १६, १८,

२०, २३ से २५, २८, ३२, ३५, ३७, ३८, ४०, ४२,

४३, ४८, ५१; २।६, १४१ से १४५; ३।६५, ६६,

१५६, १६०, १६७; ४।१, ३, ६, ७, ९, १०, १२, १४,

२४, २५, ३१, ३२, ३६, ३९ से ४१, ४३, ४५, ४७,

४८, ५६, ५२ से ५५, ५७, ५९, ६२, ६४, ६६ से

६९, ७२, ७४, ७५, ७६, ७८, ८०, ८१, ८४ से ८६,

८८, ८९, ९१ से ९३, ९५, ९६, ९८, १०२, १०३,

१०८, ११०, ११४ से ११६, ११८ से १२७,

१३२, १३६, १४०, १४३, १४५ से १४७, १५४

से १५६, १६२, १६५, १६७।११, १६९, १७२,

१७४, १७६, १७८, १८३, २००, २०१, २०५,

२१३, २१५ से २१६, २२१, २२६, २३४, २४०

से २४२, २४५, २४८; ५।३५; ७।७, १४ से १६,

६६, ७३ से ७८, ९०, ९३, ९४, १७७, २०७

चं ३।२ सू १।७।२; १।१४, २६, २७; १।८।६ से

१३; १।६।४, ७, १०, १४, १८, २०, २१।१, ३०,

३१, ३४, ३५, ३७

विकखंभसूइ (विक्रमभसूति) प १।२।१२, १६, २७,

३१ ३६ से ३८

विकखय (विक्षत) ज २।१३३

विकखुर (दे०) प ७।१७८

विग (वृक) ज २।३६

विगत (विगत) प १।८४

विगतजोइ (विगतज्योतिस्) सू १।४।१०; १।५।८ से

१३

विगय (विकृत) ज २।१३३

विगयमिस्सिया (विगतमिस्सिता) प १।१३६

विगलिदिय (विकलेन्द्रिय) प १।१।८३ से ८५;

१।५।१०३; २०।३५; २२।८२; २८।११५, १२७,

१३८; ३।६।१, ३।७।१४; ३।१।१२, ३।५।७;

३।६।५६

विगलेन्द्रिय (विकलेन्द्रिय) प १।१।८२

विगोवइत्ता (विगोप्य) ज २।६४

विगह (विग्रह) प ३।६।६०, ६७ से ६९, ७१, ७५

ज ५।४४ उ ३।६१

विचारि (विचारित्) सू १६११

विचित्त (विचित्र) प २३०, ३१, ४१, ४६ ज २१२;
३६, १०६, २२२; ७१७८ सू २०७ उ २१०;
३१४, ८३, १०२, १३५, १४२; ४१४, ५१२, ३६, ४३

विचित्तकूट (विचित्रकूट) उ ६१०

विचित्तपक्ख (विचित्रपक्ष) प ११५१

विचिता (विचित्रा) ज ५१११

विच्छड्डयित्ता (विच्छर्द्य) ज २६४

विच्छड्डिय (विच्छर्दित) ज ३१०३

विच्छिण्ण (विस्तीर्ण) प २५१, ५२, ५४, ५६, ६०

ज १८, १८, २०, २३, २५, ३२, ३५, ४८, ५१;
२१५; ३१, १८, ३१, ३५, ५२, ८१, ६६, १०३,
१०६, १३१, १३७, १३८, १४१, १६४, १८०;
४११, ३, ४५, ५५, ६२, ८६, ८८, १०३, १०८,
११०, ११४, १४१, १५६, १६२, १६७, १६६,
१७२, १७८, १८५, १८७, १८१, २००, २०३,
२०५, २१३, २१५, २४२, २४५, २४६, २५१,
२५२, २६२, २६८; ५३, २८, ४६; ७१७७१, २
उ ३३७

विच्छिण्णतर (विस्तीर्णतर) ज ४१०२

विच्छिण्णमण (विस्पृश्यमान) ज २६५;

३१८६, २०४

विच्छुत (वृद्धिक) प १५११

विच्छुयअल (वृद्धिकाल) ज ७१३३३

विच्छुयनंगोलसंठिय (वृद्धिकलांगूलसंस्थित)

सू १०५२

विजडि (द्विजटित्) सू २०८, २०८८

विजय (विजय) प ११३८, २११, ४८, ६३;

४१२६४ से २६६; ६१४२, ५६; ७१२६;
१५१५१२, १५८६, ६२, १००, १०५, १०८,
१०६, ११३, ११४, ११६, १२०, १२१, १२३,
१२५, १२६, १३१, १३६; २८६६ ज ११५,
१६, ४६, ५१; २१७; ३१५, १८, २४४, २६,

१. हे० ४१५७

३१, ३५, ३७२, ३६, ४५१२, ४७, ५२, ५६, ६१,

६४, ६६, ७२, ८१, ६०, ११४ से ११६, १२२,

१२४, १२६, १३१४, १३३, १३५, १३७, १३८

१४१, १४५, १५१, १५७, १६४, १७२, १७८,

१८०, २०५, २०६, २०८, २०९; ४१४६ ५२,

१०३, १६२, १६७ से १७८, १८१ से १८४,

१८७ से १८९, १९३, १९८, १९७, १९९ से

२०३, २०६, २१२, २६२; ५१४३, ५५, ५७, ५८;

६१६१; ७११४, १२२२ से ५१४ सू १०८४१

२, १२४१ उ ११०७, ११०, ११६, ११८,

१२२, १३०; ५११७

विजय (विजय) सू ११६

विजयखंधवार (विजयखण्डवार) प ३१७२

विजयवृक्ष (विजयवृक्ष) प ४१४८; ५१३७

विजयपुरा (विजयपुरा) प ४१२१२

विजयवेजइया (विजयवैजि) ज ३१२२, २८,

४१, ४६, ५८, ६६, ७७, १४७, १६८

विजया (विजया) ज ४१२२, २१४४; ५१८१;

७१२०१, १८६

√विजह (विजहा) विमहति सू १५८

√विजज (विज्ज) विज्ज ज ३१२११

विज्जल (विज्जल) ज २३८

विज्जा (विज्जा) उ ३१०१

विज्जाहर (विज्जाहर) प १६१, २१६३ ज ३१३७

से १३६, २६०; ४१८७ उ ४२; ५१८ उ ५५

विज्जाहरसेठी (विज्जाहरसेठी) ज ११२५ से २८;

४१७२; ६१५

विज्जु (विज्जु) प १२६; २१०१, २१४०६, ११

ज ४१२१०१ सू २०१

विज्जुकुमार (विज्जुकुमार) प ११३१; ५१३;

६१८

विज्जुकुमारिद (विज्जुकुमारिद) प २१४०१

विज्जुर्द्ध (विज्जुर्द्ध) प १८६

विज्जुप्पस (विज्जुप्पस) ज ४१८, २०७ से २१०

विज्जुप्पसकूट (विज्जुप्पसकूट) प ४१२१०

विज्जुप्पसमह (विज्जुप्पसमह) ज ४१६४

विज्जुणह (विज्जुप्रम) ज ४२१५
 विज्जुणह-वज्ज (विज्जुप्रमवक्षस्कार) ज ४२०५
 विज्जुयुह (विज्जुयुह) प १५६
 विज्जुयुह (विज्जुयुह) ज २१३१; ४२११;
 ५१२२
 √विज्जुय (विज्जु) विज्जुयार्थंति ज ५१७
 विज्जुयवित्त (विज्जुयवित्त) ज ५१७
 विज्जुयडि (दे०, विज्जुय) ज २१३३
 विज्जुयडिगमवच्छ (विज्जुयडिगमवच्छ) प १५६
 विट्ठ (विट्ठ) ज ७१२३ से १२५
 विट्ठवि (विट्ठवि) ज ७१७८
 विट्ठ (दे०, विट्ठ) प २४६ ज ४१४६
 विट्ठान्तर (दे०, विट्ठान्तर) ज २१३
 विट्ठा (व्रीडा) उ १५८, ८३
 विणट्ठ (विणट्ठ) ज २१०३, १०४
 विणमि (विणमि) ज ३१३७, १३८, १३६
 विणय (विणय) प ११०११० ज १६; २१६०,
 ६०, १३३; ३१८, १३६ ५३, ३२ ७०, ७७, ८४,
 १००, १४२, १४७, १६५, १८१, १८६, १८२,
 २०५, २०६ २१३; ५११५, २३, ५८, ६६, ७३
 सू २०१६१६, ६ उ ११६, ४५, ५५, ५८ ६७,
 ८०, ८३, १०८, ११६, १२०, ३१२०
 विणास (विणास) प १७४
 विणासण (विणासण) ज ३१८८, १०६, ५१७
 विणिगमवच्छ (विणिगमवच्छ) ज ३१०६
 विणिगमुयंत (विणिगमुयंत) ज १३७; ३१२,
 ८८, ५१५८
 √विणी (वि - णी) विणो उ १४६ विणोति
 उ १३४ विणिमि उ १७४
 विणीता (विणीता) ज ३१८२
 विणीय (विणीय) उ ५४०, ४१
 विणीया (विणीया) ज २१६, ६५; ३१२, ७, ८,
 १४, ८७, ८८, १०६, १७३, १८०, १८३ से
 १८५, १८६, १८८, २०३, २०४, २०८ २०६,
 २१२ २२०, २२३, २२४; ४१७७
 विण्णय (विण्णय) उ २१२७, १२८; ५४३

√विण्णव (वि + ण्णव) विण्णवे उ ११०१
 विण्णवणा (विण्णवणा) उ ३१०६
 विण्णविज्जमाण (विण्णविज्जमाण) उ ११०२
 विण्णवित्तए (विण्णवित्तए) उ ११६
 विण्णु (विण्णु) ज ७१३०, १८६३
 विण्णुदेवया (विण्णुदेवया) सू १०७६
 वित्त (वित्त) ज ५१३२, ५७
 वित्तपक्खि (वित्तपक्खि) प १७७, ८१
 वित्त (वित्त) सू २०८, २०८८
 वित्तप (वित्तप) सू २०८, २०८८
 वित्तित्थि (वित्तित्थि) ज २४
 वित्तिमिर (वित्तिमिर) प २४३; ३६१६३, ६४
 वित्तिमिरतराग (वित्तिमिरतराग) प १७१०८, ११०
 वित्ति (वित्ति) ज ३१०३, ५५८
 वित्त (वित्त) ज ३१०६
 वित्ति (वृत्ति) ज ११३, ३०, ३३, ३६; २१३४;
 ४२
 वित्थड (वित्थड) ज ३११७; ७३०, ३१, ३३
 सू ४३, ४, ६, ७; १६१२१५
 वित्थय (वित्थय) ज ३३२, १०६
 वित्थर (वित्थर) ज २१३४
 वित्थारुह (वित्थारुह) प ११०११, ६
 वित्थिण (वित्थिण) प २५०, ५६, ५८ ज १२४,
 २८ उ ३६१, ५४
 विदिसा (विदिसा) ज ४१०६, १५५, २०४, २१०,
 २१२, २३५, २३७; ५१२
 विदिसि (विदिसि) प ३६१७०, ७२ ज ५१२
 विदिसीवाय (विदिसीवाय) प १२६
 विदेह (विदेह) प ११६३३, ६४१ उ ११२६,
 १३३
 विदेहजंघू (विदेहजंघू) ज ४१५७१
 विदुम (विदुम) ज ३३५
 विद्ध (विद्ध) ज ३३५
 विद्धंस (विद्धंस) प ११७२; २८४०, ४३, ६६
 √विद्धंस (वि + ण्णव) विद्धंस सू २१ उ १५१
 विद्धंसि (विद्धंसि) ज २१३३

विद्वंसइत्ता (विध्वंस्य) प २८१६६
 विद्वंसण (विध्वंसन) उ ११५१, ५२, ७६, ७७
 विद्वंसित्तण (विध्वंसित्तुम्) उ ११५१, ५२, ७६, ७७
 विद्धि (वृद्धि) ज ७११८६३
 विधाउ (विधानू) प २१४७२
 विधुय (विधुत) ज २११०; ४११६६
 विपुल (विपुल) ज २१६६; ३१८८, १०६
 विपुलतर (विपुलतर) ज ४११०२
 विप्पजह (विप्रहीण) उ ११६०, ६१
 √विप्पजह (वि + प्र + हा) विप्पजहति प ३६१६२
 सू ११५८
 विप्पजहण (विप्रहाण) प ३६१६२
 विप्पजहिता (विप्रहाय) प ३६१६२
 विप्पडिक्खण (विप्रतिपन्न) उ ३१४७
 विप्पमुक्क (विप्रमुक्त) प २१६४११, ६; १६१५५;
 ३६१८२२ ज ३११२, ८८, ६२, ११६; ५१७,
 ५८ उ ३११५६
 विप्परिणामइत्ता (विपरिणाम) प २८१२०, ३२, ६६
 विप्पलायमाण (विप्रलाययत्) उ ३११३०
 विप्पवसित (विप्रोषित) सू २०१७
 विप्पहय (विप्रहृत) उ ३११३१, १३४
 विबुद्ध (विबुद्ध) ज ३३३
 विव्वोयण (वे०) सू २०१७ उपधान
 विव्वल (विह्वल) ज २११३३
 विव्वंगअण्णपरिणाम (विव्वंगज्ञानपरिणाम)
 प १३११०
 विव्वंगण (विव्वङ्गज्ञान) प ५१५, ७; २६१२, ६,
 १७, १६; ३०१६
 विव्वंगणणि (विव्वंगज्ञानिन्) प ३११०२, १०३;
 ५१६६, १०७; १३११४, १७; १८१८४; २८११३७;
 ३०११६
 विव्वंगसाण (विव्वंगज्ञान) प ३०१२
 विव्वंगु (वे०) प ११४२१२
 √विव्वज (वि + वज्) विव्वज्जइ ज २१५५
 विव्वजिस्सइ ज २११५५

विव्वत्त (विव्वत्त) ज २११५, १३३
 विव्वजमाण (विव्वजमान, विव्वजत्) ज १११६, ४७;
 ४१४२, ७१, ७७, ६४, १६८, १८३, १८६, १६५,
 २६२ सू १६११६
 विव्वग (विव्वग) ज ३३२२
 विव्ववणा (विव्ववना) प २८११२
 √विव्वस (वि + वप्) विव्वसिज्जा ज ५१५५
 विव्वसेज्जा ज ५१५७
 विव्वसियव्व (विव्वसिपव्व) ज ५१४०, ५७
 विव्वु (विव्वु) ज ५१५, ४६
 विव्वुइ (विव्वुति) ज ३११२, ७८, १८०; ५१२२, २६
 विव्वुति (विव्वुति) ज ३१२०६
 विव्वुत्ता (विव्वुत्ता) ज ३११२, ७८, १८०, २०६;
 ५१२२, २६
 विव्वुसिय (विव्वुसित) ज २१६६, १००; ३१६, ३५,
 ७८, १०६, २११, २२०; ५११४, ४१, ४३, ५८;
 ७११७८ उ ११७०; ३१११०; ४११८; ५११७
 विव्वेल (विव्वेल) उ ३११२५, १३२, १३३, १४१, १४५
 विव्वण (विव्वण) ज २१६०, १०३, १०६, १०८
 उ ११३५
 विव्वय (वे०) प ११४११२
 विव्वल (विव्वल) प २१३१, ६४ ज ११३७; २११५;
 ३१६, १२, १८, ७७, ८१, ८८, १०७, ११७, १२४,
 १५१, १७८, २२२; ४१३, २५, १२५, २०४१;
 ५१५, ४६३, ५८, ६२; ७११७८ सू २०१८८
 उ १११३८
 विव्वलवाहण (विव्वलवाहन) ज २१५६, ६१
 विमाण (विमाण) प २११, ४, १०, १३, ४८ से ५२,
 ५६१२, २१५६ से ६३; ७१२६; ११२५; २११६२,
 ६३; ३३, १६, १७ ज २११२०; ३१३, ११७;
 ४१११५; ५१३, ५, १८, २२, २५, २६, २८, ३०, ३२,
 ४१, ४३ से ४५, ४६, ५०, ५२, ५३; ७११७८१,
 १७६, १८४ से १८६ सू ६११, १८१२२ से २४;
 २०१२ से ४ उ ३१६, ७, १४, २५, ८३, ६०, १२०,
 १५६, १६१, १६६, १७१; ४१५, २४, २८; ५१२८,
 ४१

विमाणकारि (विमानकारिन्) ज ५१४८ से ५०,५३
 विमाणवास (विमानवास) ज ३१११७
 विमाणवतिया (विमानावलिका) प २११,४,१०,१३
 विमाणवात (विमानावास) प २१४८ से ६३
 ज ५११८,१६,२४,४८
 विमाणोववण्ण (विमानोपपन्नक) सू १६१२३,२६
 विमुक्क (विमुक्त) प २१६४१०,१६,२२; ३६१६४१
 विमोवखण (विमोक्षण) ज २१७१
 विवट्टछउम (विवृत्तछदम्भ) ज ५१२१
 वियड (विकट) प ६१२० से २३ ज २११५ चं ११३
 सू २०१८,२०१८
 वियडजोणिय (विकटयोनि) प ६१२५
 वियडावड (विकटापातिन्) ज ४१७७,८४,२६६
 वियडावति (विकटापातिन्) प १६१३०
 वियस्थि (वितस्ति) प ११७५
 वियस्थिपुहत्तिय (वितस्तिपृथक्त्वक) प ११७५
 ✓वियर (वि + रु) वियरह ज ३११८८
 वियरम (दे०) ज ५११३
 वियरिय (विचरिन्) ज २११२
 वियल (विकल) प २४१७
 वियसंत (वितसत्) प २१४१
 वियसिय (विकसिन्) प २१३१,४८ ज ३१६;
 ४१६६; ५१२१
 ✓वियसण (वि + ण) वियसाहि प ११४८१३८,३६
 वियणंत (वियसत्) प २१६४१७
 वियणय (विजयन्) ज ३१३२,७७,१०६
 वियणप्ति (विज्ञा) उ ५१३७
 वियणिय (विज्ञात) ज ३१८७
 वियलय (विलाल) ज ७११८६१ सू २०१८१
 विरइय (विरचित) ज ३१३,६,२२२
 ✓विरज्ज (वि + रुज्ज) विरज्जति सू १३११
 विरत (विरत) प २६११०
 विरति (विरति) प २०१४१
 विरत (विरत) सू १३११; २०१३
 विरय (वि + रुज्ज) सू २०१८, २०१८७
 विरयाविरति (विरताविरति) प २०१४२

विरल्लिय (तत्) प १५१५१
 ✓विरव (वि + रुच्य) विरवेइ उ ११४६
 विरवेत्ता (विरच्य) उ ११४६
 विरसमेह (विरसमेघ) ज २१३३१
 विरह (विरह) उ ११६५, ६६, १०५
 विरहित (विरहित) प ६१५ से ७, ४३ सू १६१२५
 विरहिय (विरहित) प ६११ से ४, ८ से २३, २७,
 ४४, ४५ ज २१४०; ७१५७, ६० सू १०१७७
 विराइय (विराजित) प २१३०, ३१, ४१, ४६
 ज २११५; ३१११७; ७१७८
 विराग (विराग) सू १३१२
 विरायंत (विराजमान, विराजत्) ज ३१६; ५१२१
 विराल (विडाल) प १११२१
 विराली (विडाली) प १११२३
 ✓विराय (वि + राय्य) विरावेहिंति ज २१३३१
 विराहणी (विराधनी) प १११३
 विराहय (विराधक) प १११८६
 विराहिय (विराधित) उ ३११४, २१, ८३
 विराहियसंजम (विराधितसंजम) प २०१६१
 विराहियसंजमासंजम (विराधितसंजमासंजम)
 प २०१६१
 ✓विरिच (वि + रुच्य) विरिचइ उ ११६४
 विरिचित्ता (विभज्ज) उ ११६६, ६४
 विरिय (वीर्य) प २३११६, २० ज ३११०७, ११४
 विरेयण (विरेचन) उ ३११०१
 विलंब (विलम्ब) प २१४०१६
 विलवमाण (विलपत्) उ ११६२; ३१३०
 विलास (विलास) ज २११५; ३१३८ सू २०१७
 विलिय (व्रीडित) ज २१६० उ ११५८, ८३
 विलिहज्जमाण (विलिख्यमान) प २१५०
 ज ५११८
 विलेवण (विलेपन) ज ३१६, २०, ३३, ५४, ६३, ७१,
 ८४, १३७, १४३, १६७, १८२, २२२
 विज (इ) ज ११३८, ६८ उ ११२३; ३११२८
 १. हे० ४११३७

विवंचि (विपञ्ची) ज ३।३१

विवञ्जिय (विचञ्जित) उ ३।३६

विवडिय (विपतित) ज ३।१०८ से १११

√विवड्ड (वि-+वृध्) विवड्डति ज ३।६५, १५६

विवड्डंत (विवर्धमान) प १।४८।५२

विवण्ण (विवर्ण) उ १।१५; ३।६८

विवस्थ (विवस्त्र) सू २०।८

विवर (विवर) ज २।६५ उ ५।५

विवरीत (विपरीत) सू २०।६।२

विवरीय (विपरीत) ज ३।११७।१

विवाग (विपाक) प २३।१३ से २३

विवाह (विवाह) सू २०।७

विविह (विविध) प २।४१, ४८ ज ३।२४, ११७,

१६७।१२; ४।२७, ४६; ५।३८, ६७; ७।१७८

सू १।८८ उ ३।३५, ११२, १२८

विस (विष) उ १।८६, ६०

विसंघि (विसन्धि) सू २०।८।५

विसंघिकप्प (विसन्धिकल्प) सू २०।८

विसञ्जिय (विसञ्जित) ज ३।८१

विसण्पमाण (विसर्पत्) ज २।१५; ३।५, ६, ८, १५,

१६, ३१, ५३, ६२, ७०, ७७, ८४, ८१, १००, ११४,

१४२, १६५, १७३, १८१, १८६, १८८, २१३;

५।२१, २७, ४१ उ १।२१, ४२; ३।१३६

विसम (विषम) प १३।२२।२; १६।५२; ३६।८२।१

ज २।३८, १३१, १३३; ३।७६, ८८, १०६, १२८,

१५१, १७०; ७।११२।३ सू १०।१२६।३

उ ३।५५

विसमचउरंसंठाणसंठित (विषमचतुरस्रसंस्थित)

सू १।२५; ४।२

विसमचउरंसंठाणसंठित (विषमचतुरस्रसंस्थान-
संस्थित) सू १।२५

विसमचउरंसंठित (विषमचतुरस्रसंस्थित) सू ४।२

विसमचक्रवालसंठाणसंठित (विषमचक्रवालसंस्थान-
संस्थित) सू १६।६

विसमचक्रवालसंठित (विषमचक्रवालसंस्थित)

सू १।२५; ४।२; १६।३, ६, १३, १७, २६, ३३, ३६

विसमचारि (विषमचारिन्) ज ७।११२।२

सू १०।१२६।२

विसमबहुल (विषमबहुल) १।१८

विसमाउय (विषमायुष्क) प १७।१३

विसमेह (विषमेघ) ज २।१३१

विसमोववण्णग (विषमोपपन्नक) प १७।१३

विसय (विषय) प २।४८; ११।६६।१; १५।१।१,

१५।४०, ४१; २३।१।१ ज २।४; ३।१०४, १०५,

१०७, ११४, १२६।४; ५।४६; ७।१७८ सू १।८।१

विसय (विशद) ज २।४, ६५, १२६

विसयवासि (विषयवासिन्) ज ३।२४।२, ३।२६,

३६, ४७, ५६, ६४, ७२, १३१।२, १३३, १३८, १४५

विसयानुपुब्बी (विषयानुपूर्वी) ज ७।५०

विसह (विषय) ज २।६८

विसहरण (विषहरण) ज ३।६५, १५६

विसाएमाण (विस्वादयत्) उ १।३४, ४६, ७४

विसायणिज्ज (विस्वादी) ज २।१८

विसारय (विशारद) ज ३।७७, १०६ उ १।३१

विसाल (विशाल) प २।४७।२ ज २।१५; ३।१७८;

४।१५७।२; ७।१७८ सू २०।८, २०।८।८

विसाहा (विशाखा) ज ७।१२८, १२६, १३४।३,

१३५।३, १३६, १४०, १४६, १६५, १६६

सू १०।२ से ६, १७, २३, ४६, ६२, ७२, ७३, ७५,

८३, ११४, १२०, १३१ से १३३; १२।२१

विसाही (वैशाली) ज ७।१४०

विसिट्ठ (विशिष्ट) प २।४०।७ ज १।३७; २।१५,

२०; ३।६, ३५, १०६, ११७, २२१, २२२; ५।४३;

७।१७८

विसिट्ठतर (विशिष्टतर) सू २०।७

विसुज्झमाण (विशुद्धमाण) प १।११३, १२८;

२३।२००, २०१ ज ३।२२३

विसुद्ध (विशुद्ध) प २।६३; १७।१३८; ३६।६३, ६४

ज २।८, ६; ३।३, १०६; ५।५८ उ ५।४३

विसुद्धतर (विशुद्धतर) ज २।७१

विसुद्धतराग (विशुद्धतरक) प १७।१०८ से १११

विसुद्धलेख्यतराग (विशुद्धलेख्यतरक) प १७।७

विसुद्धवर्णतराग (विशुद्धवर्णतरक) प १७।६, १७

विसेस (विशेष) प १।१।४, २।६।४।८, १।२।३।१;

१।५।२।६, ३०; १।७।३०, १।४६ ज १।१।३, ३०

३३, ३६; २।४।५, १।४।५, ३।३।२; ४।२, २।५

सू २।२; ४।४, ७; १।५।५ से ७; १।६।८; २।२।१।३

विसेसाहिय (विशेषाधिक) प २।६।४; ३।१ से ६,

२।४ से ३२, ३७ से १२०, १।२।२ से १।२।५, १।२।७,

१।४।१ से १।४।३, १।५।६ से १।७।०, १।७।४ से १।८।३,

६।१।२।३; ८।५, ७, ८, १।१; ६।१।२, १।६, २।५; १।०।३

से ५, २।६ से २।६; १।१।७।६, ६०; १।५।१।३, १।६,

२।६ से २।८, ३।१, ३।३; १।५।५।८।१, १।५।६।४;

१।७।५।६ से ६।६, ७।१ से ७।६, ७।८ से ८।३, १।४।४

से १।४।६; २।०।६।४; २।१।१।०।४, १।०।५;

२।२।१।०।१; २।८।४।१, ४।४, ७।०; ३।४।२।५; ३।६।३।५

से ४।१, ४।८, ४।६, ५।१, ८।१ ज १।७, २।०, ४।४।५,

५।७, ६।२, ६।८, १।१०, १।४।३, २।३।३, २।३।४, २।४।१;

७।१।४, १।६, ७।३ से ७।५, ६।३, १।६।७, २।०।७

सू १।१।४, २।७; १।८।३।७; १।६।१०

✓ विसोह (वि-+शोधय) विसोहेहिह ३।१।१।५

विस्स (विश्व) ज ७।१।३०, १।८।३।४

विस्संभर (विश्वम्भर) प १।७।६

विस्सदेव्या (विश्वदेवता) सू १।०।८।३

विस्सुत (विश्रुत) ज ३।३।५

विस्सुय (विश्रुत) ज ३।७।७, १।०।६, १।२।६, १।६।७

विहगु (दे०) प १।४।८।४।६

विहग (विहग) ज १।३।७; २।६।८, १।०।१; ४।२।७;

५।२।८

विहगफइ (वृहस्पति) ज ७।१।०।४

✓ विहर (वि-+हृ) विहरइ प २।५।० से ५।३

ज १।५, ४।५; २।७।० ६।१, ३।२, २।०, २।३, ३।३,

८।२, ८।४, १।५।३, १।७।१, १।८।२, १।८।६, २।१।८, २।१।६,

२।२।४; ४।१।५।६; ५।१।६ उ १।२; २।७; ३।६;

४।१।१; ५।६ विहरंति प २।२।० से २।७, ३।० से

३।७, ३।६ से ४।२, ४।६, ४।८ से ५।२, ५।४, ५।५, ५।७

से ५।६ ज १।१।३, ३।०, ३।३; २।८।३, १।२।०; ४।२,

१।१।३; ५।१, ३।८ से १।३, ६।८; ७।५।६, ५।६

सू १।६।२।४ उ ३।५।०; ५।२।६ विहरति

प २।३।२, ३।३, ३।५, ३।६, ४।३ से ४।५, ४।८, ५।१

५।३ से ५।६ ज २।७।२; ३।१।२।६; ५।८ से १।३

सू २।०।७ विहरसि उ ३।८।१ विहरामि

उ १।७।१; ३।३।६ विहराहि ज ३।१।८।५, २।०।६

विहरिस्संति ज १।१।३।४, १।४।६ विहरेज्जा

सू २।०।७ उ ५।३।६

विहरमाण (विहर्तृ) ज २।७।१ उ १।२, २।०

विहरित्तए (विहर्तृम्) ज ७।१।८।४, १।८।५ सू १।८।२।२

उ १।६।५, ३।५।०

विहरिय (विहृत) उ ३।५।५

विहव (विभव) ज ५।४।३

✓ विहाड (वि-+घट्) विहाडेइ ज ३।६।०, १।५।७

विहाडेहि ज ३।८।३, १।५।४

विहाडिय (विघटित) ज ३।६।०

विहाडेत्ता (विघट्) ज ३।८।३

विहाण (विधान) प १।२।०।२, १।२।०, २।३, २।६, २।६,

४।८, ६।८

विहाणमगण (विधानमगण) प २।८।६, ६।५, २।५, ५।५

विहायगति (विहायोगति) प १।६।१।७, ३।८, ५।५

विहायगतिणाम (विहायोगतिणाम्) प २।३।३।८,

५।६, १।१।६, १।१।७, १।१।६, १।२।८, १।३।२

विहार (विहार) ज २।७।१

विहि (विधि) प २।४।५; २।१।१।१ ज ३।२।४।२,

सू १।६।२।२

विहिण्णु (विधिज्ञ) ज ३।३।२

विह्ण (विहीन) प १।०।१।४।५ ज ४।६।४, ८।६, १।३।६,

२।०।८

विह्णसण (विभूषण) ज ४।१।४।०।१

वीड (वीचि) ज ३।१।५।१

वीडकंत (व्यतिक्रान्त) ज २।५।१, ५।४, ७।१, ८।८,

८।६, १।२।१, १।२।६, १।३।०, १।४।६, १।५।४, १।६।०, १।६।३;

३।२।२।५ उ १।५।३, ७।८; ३।१।२।६

वीडभय (वीतिभय) प १।६३।४

वीडय (वीजित) ज ३।६, २२२

वीडवइत्ता (व्यतिव्रज) ज १।१६, ४६, ४।५२

उ ५।४१

वीड्वयमाण (व्यतिव्रजत्) ज २।६०; ३।२६, ३६,

४७, ५६, ६४, ७२, १२३, १४५; ५।४४, ४७, ६७;

वीचि (वीचि) ज २।१५; ३।८१

वीणग्माह (वीणाग्माह) ज ३।१७८

वीतराग (वीतराग) प १।१०७ से ११०, ११५,

११७ से १२३

वीतरागसंज्ञय (वीतरागसंज्ञत) प १।७।२५

वीतसोय (वीतसोक) सू २।०८

वीतिमिर (वितिमिर) १।२।६३

वीतिवयमाण (व्यतिव्रजत्) ज ३।११३; ५।४४

√वीतीवय (वि + अति + व्रज्) वीतिवयति

सू २।०२

वीतीवतित्ता (वतिव्रज) प २।६३

वीयणी (वीजनी) ज ३।३

वीयरग (वीतराग) प १।१००, १०४ से १०७,

१०९ से १११, ११५, ११६, ११८, १२१ से १२३

वीयरगय (वीतराग) प १।१०२ से १०४, ११६,

११७, ११९, १२०, १२२

वीयसोय (वीतसोक) ज ४।२१२, २१२।२

सू २।०।७

वीर (वीर) ज ३।६, १०३, १०८ से १११, २२२

चं १।१ उ १।२२, १४०; ५।५, १०

वीरंगय (वीरङ्गय) उ ५।२५, २७ से ३०

वीरकण्ह (वीरकण्ण) उ ५।१०

वीरण (वीरण) प १।४१।१

वीरवर (वीरवर) सू २।०।६।६

वीरसेण (वीरसेन) उ ५।१०

वीरिय (वीर्य) प २।३।६ ज २।५१, ५४, ७१, १२१,

१२६, १३०, १३८, १४०, १४६, १५४, १६०,

१६३; ३।३, १२६, १८८; ७।१७८ सू २।०।१,

२।०।६।३, ५

वीरियंतराइय (वीर्यान्तरायिक) प २।३।५६

वीरियंतराय (वीर्यान्तराय) प २।३।२३

वीवाह (विवाह) ज २।१३०

वीस (विस्) प २।२० से २७

वीस (विशति) प २।२४ ज १।२३ सू ७।१

उ ५।२८

वीस (विशतितम) प १।०।१४।४

वीसइ (विशति) ज ३।१०६ चं २।५ सू १।६।५

वीसइअंगुलवाहाक (विशत्यंगुलवाहुक) ज ३।१०६

वीसति (विशति) प २।३।७५

वीसतिम (विशतितम) सू १।२।१७

वीसधा (विशतिधा) सू १।२।३०

वीससा (विशसा) प १।६।५५; २।३।१३ से २३

वीससेण (विश्वसेन) ज ७।१२२।२ सू १।०।८४।२

वीसहा (विशतिधा) सू १।०।१४२, १४७

वीसायणिज्ज (विस्वादिनीय) प १।७।१३४

वीसुत (विश्रुत) ज ३।३५, ११६

वीहि (वीहि) प १।४।५।१ ज २।३७

√वृच्च (वच्) वृच्चइ प ५।७, ३४, १०१, ११६, १६६;

११।३, ४१; १।७।२, १३, २०, २७, ११६, ११६,

१५२, १५५; २।०।३६ ज १।४।५, ४७; २।४।१;

३।१, ६८, २२६; ४।२।२, ३४, ५१, ५४, ६०, ६१,

८०, ८५, ८६, ९७, १०२, १०७, ११३, १५६, १६१,

१६६, १७७, २०८, २११, २६१, २६४, २७०,

२७३, २७६, ७।१६६, १८५, २०६, २१३, २२६

उ ३।३८ वृच्चति प २।४।५; ३।०।१७ वृच्चति

प ५।३, ५, ७, १०, १२, १४, १६, १८, २०, २४,

२८, ३०, ३२, ३७, ४१, ४५, ४६, ५३, ५६, ५६;

६३, ६८, ७१, ७४, ७८, ८३, ८६, ८६, ८७,

१०४, १०७, १११, ११५, १२७, १२६, १३१,

१३४, १३६, १३८, १४०, १४३, १४५, १४७,

१५०, १५४, १५७, १६३, १६६, २०३, २४२;

१०।३; ११।३, ३६, ४१; १५।४।५, ४८, ६८;

१७।२, ४, ६, ११, १६, १८, २०, १०७, १०६,

१११, ११६, ११९, १५०, १५५; २।०।३६, ५१;

२।०।८, ४५; २।३।१६०; २।६।१७, १६ से २१;

३०।१६, १६, २१, २३, २६, २८; ३४।१२, १६,
१८; ३५।१८, २०, २३; ३६।२८, ८१, ६४
बुद्धि (बृष्टि) ज ३।११७
बुद्धकुमारी (बृद्धकुमारी) उ ४।६
बुद्धय (बृद्धक) ज २।६५
बुद्धा (बृद्धा) उ ४।६
बुद्धि (बृद्धि) प ३३।१।१ ज ७।१, १०, १३, १६,
१६, ६६, ७२, ७५, ७८ चं २।४ सू १।६।४, १।२७;
१३।१७
बुत्त (उत्त) ज ३।८, १३, १६, २६, ४२, ५०, ५३, ५६,
६२, ६८, ७०, ७५, ७७, ८४, १००, १२५, १२६,
१४२, १४८, १६५, १६६, १८१, १८६, १८२;
५।१५, २२, २६, ७० चं २।४, ५; ५।२
सू १।६।४, १।६।३ उ १।४०, ४५, ५५, ५८, ८०,
८२, १०८; ३।७८, ८२; ११३; ४।२०
√वेअ (वि+इ) वेअति सू ६।१
वेइगा (वेदिका) ज ४।१२८
वेइया (वेदिका) प २।१; २१।६० ज २।२०; ४।३,
२५, ३६, ५७, ६३, ११०, १४८, १५६, २२१, २४५
वेउव्वि (वैक्रियन्) प २।४६
वेउव्विय (वैक्रियक) प १।२।१, २, ४, ५, ८, १४, १८,
२४, २८, ३३, ३६; १६।५; २१।१, ८३, १०४,
१०५; २३।४२, ६०, ६२, १४६, १७३; ३६।१।१,
३६।३२ ज २।८०; ५।४०, ५६; ७।५५, ५८
सू १।६।२३ २६
वेउव्वियमीससरीर (वैक्रियमिश्रशरीर) प १६।१,
३, ७, १०
वेउव्वियमीसासरीर (वैक्रियमिश्रकशरीर)
प १६।११, १२, १५; ३६।८७
वेउव्वियसमुग्घाय (वैक्रियसमुद्घात) प ३६।१, ४
से ७, २८, ३५ से ३८, ४०, ४१, ५३ से ५८, ७०
७३ ज ३।११५, १६२, २०८; ५।५, ७, २६, ५५
वेउव्वियसरीर (वैक्रियशरीर) प १।२।२, १६;
१६।१, ३, ७, १२, १५; २१।४६ से ६५, ६८ से
७१, ७७, ८१, ८६, ८८, १०१, १०४, १०५;

३६।८७

वेउव्वियसरीरग (वैक्रियशरीरक) प १।२।३६
वेउव्वियसरीरय (वैक्रियशरीरक) प १।२।८, २१, ३१
वेउव्वियसरीरि (वैक्रियशरीरिन्) प २८।१४१
वेँट (वृन्त) प १।४८।४५
वेँटवद्ध (वृन्तवद्ध) प १।४८।४०
वेग (वेग) प २।२१ से २७, ३० ज २।१६
वेगच्छिग (वैकक्षिक) ज ७।१७८
वेच्च (दे०, व्युत्, व्यूत) ज ४।१३
वेजयंत (वैजयन्त) प १।१३८; २।६३; ४।२६४ से
२६६; ६।४२, ५६; ७।२६; १५।८६, ८२, १००,
१०५, १०८, १०९, ११३, ११४, ११६, १२०,
१२१, १२३, १२५, १२६, १३१, १३६; २८।६६
ज १।१५
वेजयंती (वैजयन्ती) प २।४८ ज ३।३१, १७८;
४।४६, २१२; ५।८।१, ५।४३; ७।२०।२, १८६
वेज्झ (वेध्य) ज ३।३२
वेड्ड (दे० क्रीडित) ज २।६०
वेढ (वेष्ट) ज २।१३६
√वेढ (वेष्ट्) वेढेइ उ १।४६
वेढय (वेष्टक) ज २।१३६
वेढल (दे०) प १।५८
वेढिम (वेष्टिम) ज ३।१११
वेढिय (वेष्टित) ज ३।३२
वेढेत्ता (वेष्टित्वा) उ १।४६
वेणइया (वैनयिकी, वैणकिया) प १।६८ उ १।४१,
४३
वेणुदालि (वेणुदालि) प २।३७, ३६, ४०।७
वेणुदेव (वेणुदेव) प २।३७, ३८; ४०।६ ज ४।२०८
वेणुयाणुजात (वेणुकानुजात) सू १।२।२६
वेत्त (वेत्त) प १।४१।१; ११।७५ ज २।६७
√वेद (वेदय्) वेदेइ प २३।१।१; २५।४ वेदेँति
प १।७।२०; २३।११; २५।४, ५; २७।२, ३; ३५।२,
३, ५, ७, ६, ११, १३, १४, १७ से २०, २२, २३
वेदेति प २३।६, १०, १२ से २३; २५।२; २७।२,
५, ६

वेद (वेद) प १११६; ३११२; १५१११;

२५१०६१ उ ३४८, ५०

वेदग (वेदक) प ११६४१; २५१५; २७३

वेदणा (वेदना) प २१२३, २६; १७१७, २०, २७,

२६, ३२, ३३; २२१५; ३५१११, ३५११ से ७, ६,

११ से १४, १६ से २०, २२, २३ ज २१३१

वेदणासमुद्घाय (वेदनासमुद्घात) प ३६११, २, ४

से ८, १२, १८ से २०, २२, २६ से ४१, ४६, ५३

से ५६, ६५

वेदणिज (वेदनीय) प २३११, १२; २४११२; २५१५;

२६१६, ११; २७१५; ३६१८२, ६२

वेदपरिणाम (वेदपरिणाम) प १३१२, १४, १५, १८,

१६

वेदय (वेदक) प २७२

वेदि (वेदि) उ ३५११, ५६, ६४, ६८, ७१, ७४, ७६

वेदिद्या (वेदिका) ज १११४

वेदेमाण (वेदत्) प २६१२ से ४, ८, ९, १२; २७१२,

३, ५, ६

वेमाणिपी (वैमानिकी) प ३११४०; ४१२१० से

२१२; १७१५५, ८०, ८२, ८३; २०१३

वेमाणिय (वैमानिक) प १११३०, १३४, १३८;

२४६ से ५१; ३१३६१, ४१२०७ से २०६;

५३३, २६, १२२, ६४६, ५६, ६६, ८५, ८६, ८२,

६५, १०६, १११, ११७, ११६, १२१, ७७;

८३; ६१११, १८, २४; १०३२ से ५३; १११४६,

८०, ८१, ८४; १२१६, ३८; १३१२०; १४१२, ३,

५, ७, ६, ११ से १५, १८; १५३५, ४६, ५६ से

६३, ६५ से ६७, ७५, ८२, १३४; १६१६, १६,

२०, २१, २६; १७१२७, २८, ३०, ३४, ३५, ५४, ७६

से ८१, ८३, ८६ से ८१, ८६, १०५; १६१४;

२०१४, ४, ५, १३, १६, २५, ३०, ३५, ३७, ५४, ५६;

२११५५, ६२, ७१; २२१११ १३, १५, १७, १६,

२०, २६, २७, ३१, ३५, ३७, ३८, ४१, ४२, ४४,

४७, ५३ से ५८, ६६, ७५, ७६, ७६, ८२, ८८,

९०, १००; २३१२, ४ से ७, १०, ११; २४११, ३,

८, १०, ११, १४, १५; २५११, २, ४; २६११, ३, ४,

८, ६; २७११, २, ६; २८११, ७४, १०१, १०२,

१०५, १०६, १०६, १११, ११५ से ११७, १२२,

१२७, १३२; २६११५, २२; ३०११४, २४;

३११५, ६१; ३२१५; ३३१३०, ३४, ३७;

३४१४, ५, ११ से १४; ३५१३, ५, ७, ६, १११५,

२३; ३६१७ से ६, ११ से १३, १५, २०,

२६, २७, ३०, ३२ से ३४, ४१, ४३ से ४५, ४७;

५०, ६५, ६६, ७२, ७३ ज १६०, ६५, ६६,

१००, १०१, १०२, १०४, १०६, ११०, ११३ से

११६, १२०, ४१२४८, २५० से २५२; ५११६,

२६, २८, ४७, ६७, ७२, ७३, ७४

वेमाणियत्त (वैमानिकत्व) प ३६११८, २०, २२, २४,

२६, २७, ३० से ३४, ४६, ४७

वेमायत्त (विमानत्व) प २८१३६, ४२, ४५, ४६, ७१

वेमाया (विमाया) प ७४; १३१२२१; २८१३८

वेय (वेदि) वेइसु प १४११८ वेइस्मंति

प १४११८ वेइह प २३११५, १६, १८ से २०

वेइंति प १४११८

वेय (वेच) प १४२११

वेय (वेद) प १४११८१

वेयग (वेदक) प २७१५

वेयड्ड (वैताड्ड) ज १११८ से २०, २२ से २५,

२८, ३२, ३३, ४६११, ४७, ४८; २११३३; ३११,

६१, १३७, २२०; ४११६७ से १६६, १७२११,

१७३, १७७

वेयड्डकूड (वैताड्डकूड) ज ११३४, ४६; ६१११

वेयड्डगिरि (वैताड्डगिरि) ज २११३१; ३१२२०

उ ५११०

वेयड्डगिरिकुमार (वैताड्डगिरिकुमार) ज ११४७;

३६३ से ६६, ६८, ७२

वेयड्डपध्वय (वैताड्डपध्वय) ज ११३४, ३५, ४१;

३६०, ६१, १३६, १३७, ४३५, ३७, १६७, १७४

वेयणा (वेदना) प १११७; २१२० से २२, २४, २५,

२७; ३५१८, १०, २०; ३६१११ ज २४३

उ १६०, ६२, ८५, ८७

वेयणासमुधाय (वेदनासमुधाय) प ३६३५, ३७, ३६, ४१
 वेयणिज्ज (वेदनी) प २२२२; २३२२६; २४११०, ११; २५१३, ४; २६१५; ३६१५२ ज ३२२२५
 वेयय (वेदक) प २५१४
 वेयवेयय (वेदवेदक) प ११११६
 वेर (वैर) ज १४२, १३३
 वेरमण (विरमण) प २०११७, १८, ३४
 वेराणुबंध (वैराणुबन्ध) ज २४२
 वेराणुसय (वैराणुसय) ज २२२
 वेरिय (वैरि) ज २२२
 वेरुलिय (वैरुल्य) प १२०४ ज १३७; ३१२२, ८८, ६२, ११६, १६७, १२७, ४२४२, २६४; ५१४, २१४, ५८; ७१७८
 वेरुलियकूड (वैरुल्यकूट) ज ४१७६
 वेरुलियमणि (वैरुल्यमणि) प १७११६, १४८ ज ४३३, २५
 वेरुलियमय (वैरुल्यमय) ज ३१२२, ८८; ४१७, २६, १६२, २४२, २६४; ५१४८
 वेरुलंबग (वैरुलम्बक) ज २३२
 वेरुलंबय (वैरुलम्बक) ज २३२
 वेला (वैला) प २११ उ ३११०
 वेलु (वैणु) प १४१२
 वेलुय (वैणुक) प १४८६१
 वेस (वैय) प २४१ ज २१५; ३१२८, २७८
 सू २०१३
 वेसमण (वैशमण) ज ३१२, ३१, ६३, १८०; ४१७३१; ५१८ से ७१; ७१२२२
 सू १०८४२ उ ६५४
 वेसमण (वैशमण) (वैशमणकायिक) ज १३१
 वेसमणकूड (वैशमणकूट) ज १३४, ४६; ४४४, २३, २०२
 वेसाणिय (वैपाणिक) प १८६
 वेसाली (वैशाली) उ ११०५ से १०७, ११०, १११, ११५, ११६, १२६, १३०, १३२

वेसासिय (वैशवासिक) उ ३१२८
 वेहल (वैहल) ज ११६५ से ६६, १०२ से ११७, ११६, १२७, १२८ राया श्रेणिक का एक पुत्र ।
 वेहास (वैहास) ज ३१३१, १३२; ५१६४ उ ११६७
 वेहासकडछाया (वैहासकडछाया) सू ६४
 वोकाण (वैक) प १८६
 वीचछ (वै) वीचछणि ज ७१३५१
 सू ११२२३१
 वीचछिद (वै) अच छिद वीचछिजिस्सि ज २१२६, १५८
 वीचछिण (वैचछिण) सू ८१ उ ३३४
 वीचछिणपोहण (वैचछिणपोहण) १५०, ७५
 वीचछेयकडुड (वैचछेयकडुड) प १७१३४
 वीचछ (वै) वीचछणि ज २१३४
 वीज्ज (वैज) ज ३२११; ५१५८
 वीज्जाण (वैज) प १४४११
 वीयड (वैयड) प ११३७२
 वीलीण (वैली) सू २०१४
 वीसट्ठकाय (वैसट्ठकाय) ज २६७
 वीसाह (वैशास) ज ७१०४
 व्व (वै) प ११०१७; २४८ ज २१५; ३२४३, ३७१, ४५१, १३१३ उ १३५
 स
 स (वै) प २३०, ३१, ४१, ४६, ५०, ५८ ज ११६; २१२०; ३१२२, १७८ सू १०७४ उ ३२६, ५५, ५४१; ४१२
 स (वै) प १४८४६; २३०, ३१, ३२, ४१, ४६, ५६, ६३, ६६ ज १८, १६, २३, २६, ३१, ३५; २६४, ७१, ७२, ७७ से ८२; ३१६, १७, १८, २१, २८, ३०, ३५, ४१, ४६, ५८, ६६, ७४, ७६, ८१, १०१, ११६ से १२८, १२८, १४७, १५१, १६७, १६८, १८०, २१२, २१३, २२०; ४३, १३, २१, २५, ३६, ४०, ४१, ५०, ५१, ५६, ६७, ११६, ११४, ११६
 १. है० ४१६२

११६, १३५, १४७, १५५, १५६, २२१ से २२४,
 २५६, २७७; ५११, २१, ३२ ४१, ४३, ५०, ५८;
 ६१०, ११, १४, १५, १८, १९, २१, २२, २६;
 ७१४, ४६, ६३, ६६, ८७, ९०, ११०, ११४, १३२,
 १६७, १८३, १९४ सू १८११; २०१२, ७
 उ ११२६, ४४ से ४६, ६३, १०५, १०६, ११५,
 ११६, ११९, १३८, १४८; ४५; ५१२८

सअंतर (सान्तर) प ६१११
 सई (सकृत्) सू ११२२, १४
 सईदिय (सेन्द्रिय) प ३४० से ४३, ४६; १८१३,
 १८, १९

सइय (शक्ति) ज ४१६२, १६८, २०४, २१०,
 २३६, २६६, २७५

सउण (शकुन) ज २१२२; ४३, २५

सउणरुय (शकुनरुत) ज २१६४

सउणि (शकुनि) ज २११६; ७१२३ से १२५,
 १३३१

सउणिपलीणसंठिय (शकुनिप्रलीनकसंस्थित)
 सू १०१२६

संकड (संकट) ज ३१२११

संकप्प (संकल्प) ज ३१२६, ३६, ४७, ५६, १०५,
 १२२, १२३, १३३, १४५, १८८; ४१४०११;
 ५१२२ उ १११५, ३५, ४१ से ४४, ५१, ५४, ६५,
 ७१, ७६, ७९, ८९, १०५; ३१२६, ४८, ५०, ५५,
 ६८, १०६, ११८, १३१; ५१३६, ३७

संकम (संकम) प १०१३० ज ३१६६ से १०१, १६१
 सू १६१२२१२

संकम (संकम) संकमति सू २१२

संमण (संकमण) सू १६१२२१२

संकममाण (संकमाम्) ज ७११०, १३, १६, १९, २२,
 २५, २७, ३०, ६६, ७२, ७५, ७८, ८१, ८४
 सू १११४, १६, १७, २१, २४, २७; २१२, ३; ६११

संकला (संखला) ज ३१३

संकाइय (दे०) ३१५१, ५३, ५५, ५६, ६३, ६४, ६७, ६८,
 ७१, ७३, ७४, ७६

संकाइयग (दे०) उ ३१५१

संकास (संकाश) प १४८१५६ ज २१७८; ३११

संकिलिट्ठ (संकिलण्ट) १७१११४११, १३८;
 २३११६५

संकलिस्समाण (संकलिदयमाण) प ११११३, १२८

संकिलेसबहुल (संकलेसबहुल) ज १११८

संकुचियपसारिय (संकुचितप्रसारित) ज ५१५७

संकुड (दे० संकुच) सू १६१२२१५

संकुडिय (दे० संकुचित) ज २१३३३

संकुय (संकुच) ज ७३११, ३३ सू ४३३, ४, ६, ७

संकुल (संकुल) ज २१६५; ३११७, २१, १७७; ५१२५

संख (शंख) प ११४६; २१३१; १७१२८ ज २११५,
 २४, ६४, ६८, ६९; ३१३, १२, ७८, १६७१, १०,
 १७८, १८०, २०६; ४१८५, १२५, २१२, २१२११;
 ५१६२; ७११७८ सू २०१८, २०१८२

संखणग (शंखनक) प ११४६

संखणाभ (शङ्खनाभ) सू २०१८

संखवल (शङ्खदल) प २१६४

संखघमा (शंखधमायक) उ ३१५०

संखमाल (शङ्खमाल) ज २१८

संखघण्णाभ (शङ्खवर्णाभ) सू २०१८

संखसणाम (शंखसनामन्) ज ७११८६१२

संखायण (शंखायन) ज ७१३२११ सू १०१६३

संखार (शंखकार) प ११६७

संखावत्त (शंखावर्त) प ६१२६

संखिज्ज (संख्येय) ज ३१६२; ५१५

संखित्त (संक्षिप्त) ज ११८, ३५, ५१; ४४५, ११०,
 ११४, १५६, २१३, २४२

संखित्तविउलतेयलेस्स (संक्षिप्तविपुलतेजोलेस्य)
 ज ११५ उ ११३

संखिय (शांखिक) ज २१६४; ३१३१, १८५

संखेज्ज (संख्येय) प ११३३, २०, २३, २६, २९, ४०,
 ४८, ११४८१, ४०, ५७; ३११८०; ५१२, ३, ५, १२६,
 १२७, १४२, १४३; ६१३५ से ४१, ६०, ६१, ६४,
 ६६, ६८; १०१६, १८ से २७, २९, ११५०,
 ७२; १२१३२, ३३, ३६; १५१८३, ८४, ८७, ८९,

६१,६३ से ६६,१०३,१०४,११०,११२,१२२,
१२३,१३० से १३२,१३५ से १३७,१३६,
१४२,१४३;१८१५,२० से २३,२८,३२ से
३५,४७,५० से ५२;३३११,१५;३६१८,१४,
१७ से २०,२२,२३,२५,३३,४४,७०,७२,७४
२१४,५८,१५७;५१७ नू १६१३०,३१

संख्येज्जभाग (संख्येयभाग) प ६१४३; २११६५ से
७०;३६१७२

संख्येज्जगुण (संख्येयगुण) प ३४ २५,३७,३६,४३,
४४,४६,५३ से ५८,६०,६४ से ७१,८८ से
६५,६७,६६,१०६,११०,१२८ से १४०,१४४
से १५५,१७१ से १७४,१७७,१७६ से १८३;
५१५,१०,२०,३२,१२६,१३४,१५१;६११२३;
८१५,७,६,११;१०१२६,२७;१५१३३,३१;
१७१५६,६३,६४,६६ से ८८,७१ से ७३,७६,
७८,८० से ८३;२११०५;२८१७,५३;
३४१२५;३६१३५ से ४१,४८ से ५१ ज ७१६७
नू १८१३७

संख्येज्जजीविय (संख्येयजीवित) प १४८१४१

संख्येज्जतिभाग (संख्येयभाग) प १२११६; १५१४१

संख्येज्जपएसिय (संख्येयप्रदेशिक) प ५१३४,१६२,
१६३,१८१,१६६,१६७,२१७,२१८; १०११४,
१७,२६,२६

संख्येज्जपदेसिय (संख्येयप्रदेशिक) प ३१७६;

५१२७,१३३,१८०,१८१;१०११८,२१,२६

संख्येज्जभाग (संख्येयभाग) प ५१५,१०,२०,३०,
३२,१२६,१३४

संख्येज्जवासाउग (संख्येयवर्णागुण) प ६१७१

संख्येज्जवासाउय (संख्येयवर्णागुण) प ६१७१,७२

७६,६७,६८,११३,११६;२११५,३,५४,७२

संख्येज्जसमयटिठतीय (संख्येयसमयस्थितिक)

प ३११८१;५११४८

संख्येज्जसमयठितीय (संख्येयसमयस्थितिक)

प ३११८१

संखेव (संक्षेप) प ११०१११

संखेवरुचि (संक्षेपरुचि) प ११०११११

संखोहबहुल (संक्षोभवहुल) ज १११८

संग (गङ्गा) ज २१७०

संगइय (साङ्गितिक) ज २१२६

संगंथ (मङ्गन्थ) ज २१६६

संगत (सङ्गत) नू २०१७

संगय (सङ्गत) ज २१४,१५; ३१०६,१३८;

७१७८

संगह (संग्रह) प १६१४६

संगहणिगाहा (संग्रहणीगाथा) प २१४७; २११४७

संगहणी (संग्रहणी) ज ११७७; ६१६१; ७१६७

नू १६११ उ ३१७१; ४१२८; ५१४५

संगहणीगाहा (संग्रहणीगाथा) प १०१५३

संगहिय (संग्रहीत) ज ३१३५

संगाम (संग्राम) ज ३१६२,११६ उ ११४,१५,

२१,२२,२५,२६,१२६,१३७,१४०

संगामेमाण (सङ्ग्रामेत्) उ ११२२,२५,२६,१४०

संगेलि (दे०) ज ३१७६

√संगोव (गं० गुप्) संगोवेति ज २१४६,५६

संगोवेस्सति ज २१५६

संगोविज्जमाण (संगोप्यमान) उ ३१४६

संगोवेत्ता (संगोप्य) ज २१४६

संगोवेमाण (संगोपयत्) उ ११५७,५८,८२,८३

संघ (सङ्घ) प २१३०,३१,४१ ज ११३१; २११३१

उ ५१५

√संघट्ट (सं० घट्ट) संघट्टेति प ३६१६२

संघट्टा (संघट्टा) प ११४०१३ इति नाम की लता

संघवाहिर (संघवाह्य) नू २०१६१४

संघयण (संहनन) प २१३०,३१,४१,४६; २३१६८,

१०५,१०७,१६० न ११५,२१६,४६,५८,८६,

१२३,१२६,१२८,१४८,१५१,१५७,४१०१,

१७१ नू ११५

संघयणणाम (संहननणाम्) प २३१३८,४५ ६४

मे ६७,६६,१००

संघयणपञ्जव (संहननपर्वय) ज ८१२१,५४,१२१,

१२६,१३०,१३८,१४०,१४६,१५४,१६०,१६३

संघरिससमुद्धिय (संघर्षसमुत्थित) प ११२६

संघाडम (संघातिम) ज ३१२११

संघाड (संघाट) प ११४८१६२

संघाडय (संघाटक) ज ३११००, १३३

✓संघात (संघातय) संघातैति सू १११८

संघाय (संघात) प ११४७१२, ३ ज ७११७८

✓संघाय (संघातय) संघातैति प ३६१६२

संचय (संचय) ज २११६; ३११६७१४

संचाय (संचय) संचायइ उ ११५२; ३११०६

संचायइ उ २०११७, १८, ३४ संचायमि

उ ११६५; ३१३१ संचायमो उ ११६६

संचायइ उ ३११३०

संचारिम (संचारिम) ज ३१११७

✓संचिदुठ (संचिदुठ) संचिदुठ उ ११३८; ३१५६

संचिदुठि उ ११८६; ३१७६

संचिय (संचित) प २३११३ से २३ ज ३१२२१

संछण (संछन) ज ४१३, २५

संजत (संजत) प ३११०५; ६१६७, ६८; २११७२;

३२१६१

संजतासंजत (संजतासंजत) प ६१६८; २११७२;

३२११३

संजतासंजय (संजतासंजय) प ३२१४

संजम (संजम) प ११११७ ज ११५; २०८३; ३१३२१

उ ११२, ३; ३१२६, ३१, ६६, १३२; ५१२६

संजय (संजय) प ३१११, १०५; ६१६८; १७१२५,

३०, ३३; १८१११, १८१८६; २११७२;

२८११०६१, २८११२८; ३२११ से ४, ६, ६१

संजयासंजय (संजयासंजय) प ३११०५; ६१६७;

१७१२३, २५, ३०; १८१६१; २११७२; २२१६२;

२८११३०; ३२११, २, ६

संजलण (संजलन) प १४१७; २३१३५

संजलण (संजलन) प २३११८४

संजाय (संजात) ज ३११११, १२५ उ ११८६

संजायौडहल (संजातकौतूहल) ज ११६

संजायसंजय (संजातसंजय) ज ११६

संजायसड्ड (संजातश्रद्ध) ज ११६

संजुत (संयुक्त) प १५१५७

संजोग (संयोग) प २११११ ज ५१५७; ७१३४१२, ३

संजोय (संयोग) प ११८४; १६११५

संजोयणाहिकरणि (संयोजताधिकरणिकी)

प २२१३

संज्ञभराग (संज्ञाभराग) प १७११२६

संज्ञा (संज्ञा) प २१४०११

संठाण (संस्थान) प ११४ से ६, ४७११; २१२० से

२७, ३०, ३१, ४१, ४८ से ५०, ५४, ५८ से ६०,

६४, ६४११, ४, ५, ६; १०११५ से २४, २६ से

३०; १५१११, १५१२ से ६, १८, १६, २१, २६,

३०, ३५; २११११, २१२२ से ३७, ५६ से ६२,

७३, ७८ से ८०, ८४; २३११००, १६०; ३०१२५,

२६; ३३१११, ३३२२ से २३; ३६८१ ज ११५,

७, ८, १८, २०, २३, ३५, ५१; २११६, २०, ४७,

८६, १२३, १२८, १४८, १५१, १५७; ३१३, ६५,

१५६; ४१, ३६, ४५, ५५, ५७, ६२, ६६, ७४, ८४,

८६, ८१, ८७, ८८, १०१, १०२, १०३, १०८, ११०,

१६७, १७८, २१३, २४२, २४५; ७१३१, ३२११,

३३, ३५, ५५, १२७११, १२६११, १३३१३, १६७११;

१६८१२, १७६ चं ३१२ सू ११७२, १११४;

१०६; १३११७; १८८ उ ११३

संठाणओ (संस्थानतय) प ११५ से ६

संठाणतो (संस्थानतय) प ११७ से ६

संठाणणाम (संस्थाननामन्) प २३१३८, ४६

संठाणपज्जव (संस्थानपर्यव) ज २१५१, ५४, १२१,

१२६, १३०, १३८, १४०, १४६, १५४, १६०, १६३

संठाणपरिणाम (संस्थानपरिणाम) प १३१२१, २४

संठाणा (दे०) सू १०६, ६२, ६७, ६८, ७५, ८३,

१०३, १२०, १३१ से १३३; १२१२० मृगशिरा

नक्षत्र

संठि (संस्थिति) ज ७१३१, ३३, ३५ चं २११; ३११,

५११ सू १६११, १७११, १६११

संठित (संस्थित) प २१२० से २७, ३०, ३१, ४१,

४८ से ५०, ५४, ५६, ६०, ६४ सू १।२५; ३।२;
४।२ से ४, ६, ७, ८, ३३, ३६; १०।२७ से ३१,
३३, ३४ से ४४, ४६ से ५४; १।८।८; १।६।२, ३,
६, ८, १२, १३, १६, १७; २।२।२, १५

संठिति (संस्थिति) ज २।४६ सू १।१५, १६, १७,
२५; ४।१ से ४, ६, ७, ८; ६।१; ८।१; ६।२;
१३।१७

संठिय (संस्थित) प २।४८, ६४; १५।२ से ६, १८,
५६, २१, २६, ३०, ३५; २।१२१ से ३७, ५६ से
६२, ७३, ७८ से ८१, ८३; ३३।१६ से २६;
३६।८१ ज १।५, ७, ८, १८, २०, २३, ३५, ३७,
४८, ५१; २।१५, १६, २०, ४७, ८६; ३।६, ६४,
६५, १३३, १३५, १५८, १५९, १६७, २२२; ४।१,
२३, ३८, ३९, ४५, ५५, ५७, ६२, ६५, ६६, ७३, ७४,
८६, ९०, ९१, ९७, ९८, १०३, १०८, ११०, १२८;
१६७।११, १६८, १७८, २१३, २४२, २४५;
५।४३; ७।३१ से ३३, ३५, ५५, १३३, १६७,
१७६, १७८ सू १।५, १४; ४।६ उ १।३

संठ (षण्ड) ज ३।११७, १८८

संठिल्ल (शाण्डिल्य) प १।६३।३

संणय (सन्त) ज ३।१०६

संत (सत्) प १।४७।३ ज २।६४, ६६ सू २०।६।२

संत (शान्त) ज २।६८

संत (श्रान्त) उ १।५२, ७७

संतइभाव (सन्तिभाव) प ८।४, ६

संततिभाव (सन्ततिभाव) प ८।८, १०

√संतप्प (सं + तप्) संतप्पंति सू ६।१

संतप्पमाण (संतप्पमान) सू ६।१

संतय (सन्तत) प ७।१

संतर (सान्तर) प ६।४७ से ५८; ११।७०, ७१

संताणय (सन्तानक) सू २०।८

√संताव (सं + ताव) संतवेति सू ६।१

संतिकर (शान्तिकर) ज ३।८८

√संथर (सं + स्तृ) संथरइ ज ३।२०, ३३, ५४, ६३,
७१, ८४, १३७, १४३, १६६ संथरेंति ज ३।१११

संथरित्ता (संस्तृत्य, संस्तीर्य) ज ३।२०

संथरेत्ता (संस्तृत्य, संस्तीर्य) ज ३।१११

संथव (संस्तव) प १।१०१।२३

संथार (संस्तार) ज ३।११३

संथारग (संस्तारक) ज ३।१११

संथारय (संस्तारक) ज ३।१११

√संथुण (सं + स्तु) संथुणइ ज ५।५८

संथुणित्ता (संस्तुत्य) ज ५।५८

संथुय (संस्तुत) ज २।६६

संथुव्वमाण (संस्तुयमान) ज ३।१८, ६३, १८०

संदमाणिया (स्यन्दमानिका) ज २।१२, ३३

संधि (सन्धि) प १।४८।३६ ज २।१५, १३३; ४।१३,

२६

संधिकम्म (सन्धिकर्मन्) ज ३।३५

संधिवाल (सन्धिपाल) ज ३।६, ७७, २२२ उ १।६२

√संधुक्क (सं + धुक्) संधुक्केइ उ ३।५१

संधुक्केत्ता (संधुक्क्य) उ ३।५१

√संधुक्ख (सं + धुक्) संधुक्खंति ज ५।१६

संधुक्खित्ता (संधुक्क्य) ज ५।१६

संनिक्खित्त (सन्निक्षिप्त) ज १।४०

संनिचित (सन्निचित) उ ५।५

संनिवडिय (संनिपतित) उ १।२३, ६१

संनिविट्ठ (संनिविष्ट) ज ४।२७; ५।४

संनिसण्ण (संनिषण्ण) उ ३।६१

संपउत्त (संप्रयुक्त) ज ३।३५, ८२, १०३, १७८,

१८७, २१८

संपखालग (सम्प्रक्षालक) उ ३।५०

संपगहिय (सम्प्रगृहीत) ज ३।३५, १७८

संपट्ठित (सम्प्रस्थित) प १६।२२

संपट्ठिय (सम्प्रस्थित) ज ३।१७८, १७९, २०२,
२१७; ५।४३

संपणदित्त (संप्रणदित) प २।३०, ४१

संपणदिय (संप्रणदित) प २।३१

संपणादित्त (संप्रणादित) ज ३।३१

संपण्ण (संपन्न) उ १।२; ३।१५६; ५।२६

संपत्त (सम्प्राप्त) ज ५।२१ सू २।३ उ १।४ से
 ८,६३,६३,१४२,१४३; २।१ से ३,१४,१५,
 २१; ३।१ से ३,२०,२३,२६,८८,१२६; १५३,
 १५४,१६६,१६७,१७०; ४।१ से ३,२७; ५।१,
 ३,४४
 संपत्ति (सम्प्राप्ति) उ १।४१,४३,४४
 संपत्स्थि (सम्प्रस्थित) उ ३।६३,६७,७०,७३
 संपन्न (सम्पन्न) ज २।१६
 √संपमज्ज (सं+प्र+मृज्) संपमज्जेज्जा ज ५।३,
 ७५ से ७६
 संपया (संपदा) ज २।७४
 संपराइयबंधग (साम्परायिकबन्धक) प २३।६३
 संपराइयबंधय (साम्परायिक बन्धक) प २३।१७६
 संपराय (सम्पराय) ज ३।१०३
 संपरिक्खित्त (सम्परिक्षित्त) ज १।७,६,२३,२५,
 २८,३२,३५; ४।१,३,६,१४,२५,३१,३६,४३,
 ४५,५७,६२,६८,७२,७६,७८,८६,९०,९५,
 १०३,१४१,१४३,१४८,१४९,१५२,१७४,
 १७६,१७८,१८३,२००,२१३,२१५,२३४,
 २४०,२४१,२४२,२४५; ५।३८ सू ३।१; १६।२,
 १२,२८,३२,३६ उ ५।८
 संपरिवुड (सम्परिवृत) ज २।८८,९०; ३।६,१४,
 १८,२२,३०,३१,३६,४३,५१,६०,६८,७७,
 ७८,८३,१३०,१३६,१४०,१४६,१७२,१८०,
 १८६,२०४,२१४,२२१,२२२,२२४; ५।१,५,
 २२,४६,४७,५६,६७ उ १।२,१६,६२,६३,६७,
 ६८,१०५ से १०७,१२१,१२२,१२६ से १२८,
 १३३; ३।१११; ४।१८; ५।१६
 संपलग (सम्प्रलग्न) ज ३।१०७,१०९ उ १।१३८
 संपलियंरु (संपर्याङ्क) ज २।८८
 संपाविडकाम (सम्प्राप्तुकाम) ज ५।२१
 संपिण्डिय (सम्पिण्डित) प १६।१५ ज २।१२
 संपिण्ड (संपिण्ड) ज २।१३३; ३।२४
 संपुच्छण (सम्प्रच्छन) ज ५।५
 संपुण्ण (सम्पूर्ण) ज ३।२२१ उ १।३४

संपुण्णदोहल (सम्पूर्णदोहल) उ १।५०,७५
 √संपेह (सं+प्र+ईक्ष्) संपेहेइ ज ३।२६,३६,४७
 उ १।१७; ३।२६ संपेहेति ज ३।१८८
 संपेहेमि उ १।७६
 संपेहेत्ता (सम्प्रेक्ष्य) ज ३।२६ उ १।१७; ३।२६
 संव (शम्ब) उ ५।१०
 संबधि (सम्बन्धिन्) ज ३।१८७ उ ३।५०,११०,
 १११; ४।१६,१८
 संबद्ध (संबद्ध) ज २।२० से २७
 संबद्धलेसाग (संबद्धलेश्याक) सू १६।११२
 संबररुहिर (शम्बररुधिर) न १७।१२६
 संबाह (सम्बाध) ज २।२२; ३।१८,३१,१८०,२२१
 उ ३।१०१
 संबुद्ध (सम्बुद्ध) उ ३।४५
 संभंत (सम्भ्रान्त) उ १।३७
 संभम (सम्भ्रम) ज ३।२०६; ५।२२,२६
 संभव (सम्भव) ज ७।११४
 संभिन्न (सम्भिन्न) प ३।११८
 संमिय (श्लेषिक) उ ३।३५
 संभूयग (सम्भूतक) उ ३।६८
 संभोग (सम्भोग) उ १।२७,१४०
 संमज्जग (सम्मज्जक) उ ३।५०
 संमज्जण (सम्मार्जन) उ ३।५१,५६,७१,७६
 संमज्जिय (सम्मार्जित) ज २।६५; ३।७,१८४;
 ५।५७
 संमदठ (सम्मूष्ट) ज २।६; ३।७; ५।५७
 संमुच्छ (सं+मुच्छ्) संमुच्छंति सू ६।१ संमुच्छति
 सू २०।१
 संमुच्छिता (सम्मूर्च्छ्य) सू २०।१
 संमुच्छिय (सम्मूर्च्छित) सू ६।१
 √सम्माण (सं+मान्) सम्माणेइ उ १।१०६;
 ३।११० सम्माणेति उ ५।३६ सम्माणेमि
 उ १।१७
 संलवमाण (संलवत्) उ १।४७
 संलाव (संलाप) ज २।१५; ३।१३८ सू २०।७

संलेहणा (संलेखना) ज ३१२२४ उ २११२; ३११४,
 ८३, १२०, १५०, १६१, १६६; ५१२८, ४३
 संवच्छर (संवत्सर) प ४१६५, ६७; २३१७४, १८७
 ज २१४, ६६, ६६; ७१२०, २५, २६, ३७, १०३,
 १०४, ११२१२, ३, ११३, ११४, १२६
 चं २१३; ५१३ सू ११६३; ११६, १३, १४, १६,
 १७, २१, २४, २७; २१३; ६११; ८११; १०११२४
 से १२७, १२६१२, ३, १३०, १३८ से १६१;
 ११११ से ६; १२११ से ६, १० से १३, १६ से
 २८, ३०; १३२; २०१३ उ ३११२६, १३४
 संवच्छरण (संवत्सरण) सू ११६३
 संवच्छरिय (संवत्सरिकर्य) ज २१४; ३१२१२, २१३,
 २१६; ७११०, १२७ सू १०११२२, १२३
 संवट्टकप (संवर्तकल्प) उ ११२३६
 संवट्टग (संवर्तक) ज २११३१
 संवट्टगवाय (संवर्तकवात) प ११२६ ज ५१५
 √संवड्ड (सं+वृध्) संवड्डे उ ११५८ संवड्डेमि
 उ ११८३ संवड्डेहि उ ११५७
 संवड्डमाण (संवर्धमान) उ ११५४
 संवड्डिजमाण (संवर्धमान) उ ३१४६
 संवत्त (संवृत्त) ज ३११०६
 संवद्धिय (संवद्धित) ज ३१३५
 संवर (संवर्) प ११६४ मृग की जाति
 संवर (संवर्) प १११०११२
 संवाह (संवाह) प ११७४ ज २१२२
 संविकिण (संविकीर्ण) प २१४१ ज ११३१
 संविगिण (संविकीर्ण) प २१३०, ३१
 सविणद्ध (संविनद्ध) ज ३१३१
 संवुक्क (दे०) प ११४६
 संवुड (संवृत्त) प ६१२० से २३ सू २०१७
 संवुडजोणिय (संवृत्तयोनि) प ६१२५
 संवुडवियड (संवृत्तविवृत्त) प ६१२० से २३
 संवुडवियडजोणिय (संवृत्तविवृत्तयोनि) प ६१२५
 संवृत्त (संवृत्त) ज ४११३
 संवृथ (संवृत्त) ज ३१२२२
 संस्यकरणी (संशयकरणी) प १११३७१२

संसत्त (संसक्त) उ ३११२०
 संसत्तविहारि (संसक्तविहारिन्) उ ३११२०
 संसार (संसार) प २१६४, ६४१ ज २१७०
 उ ३१११२
 संसारअपरित्त (संसारअपरीत) प १८१०६, १११
 संसारत्थ (संसारत्थ) प ३११८३
 संसारपरित्त (संसारपरीत) प १८१०६, १०८
 संसारपारगामि (संसारपारगामिन्) ज २१७०
 संसारसमावण (संसारसमापन्नक) प १११०, १४,
 १५, ४६ से ५२, १३८
 संसारसमावणग (संसारसमापन्नक) प १११३६;
 २११८
 संसिय (संश्रित) ज ३१८१ उ ३१५५
 संहित (संहित) प ११४७३
 संहिय (संहित) ज २११५
 सकथा (सकथा) उ ३१५११
 सकसाइ (सकपायिन्) प ३१६८, १८३; १८६४;
 २८११३२
 सकहा (दे०) ज २१११३
 सकाइय (सकायिक) प ३१५० से ५३, ६०; १८१२५;
 ३०, ३१
 सकिरिय (सक्रिय) प २२१७, ८
 सकोरंट (सकोरण्ट) ज ३१६, १८, ७७, ७८, ६३,
 १८०, २२२
 सकक (शक्य) प ११४८१५७ ज २१६१
 सकक (शक्र) प २१५०, ५१ ज ११३१; २१८६, ६०,
 ६३, ६५, ६७, ६६, १०१, १०३, १०५, १०७, १०८,
 १११, ११३, ११८; ३१११५, १२४, १२५;
 ४११७२; २२२, २२३१, २३५, २४०, २४३;
 ५११८, २० से २३, २७ से २६, ३६, ४१, ४३,
 ४५ से ५०, ६१, ६२, ६५ से ६६, ७२, ७३
 उ ३११२३, १५०
 सक्करप्पभा (शर्कराप्रभा) प ११५३; २११, २०, २२;
 ३११२, २२, २३, १८३; ४१७, ८, ६; ६१११, ७४,
 ७५; १०११; २०१५१, ५४; २११६७; ३३१४, १६

सक्करप्पभापुढविणेरइय (शर्कराप्रभापृथिवीनैरयिक) प २०५२, ५५
 सक्करा (शर्करा) प ११२०१; १७१३५
 ज २११७, ६८; ४२५४
 सक्कार (सत्कार) ज २१२५; ३१२१७ उ ११६२;
 ५११७
 √सक्कार (सत्कारय्) सक्कारेइ ज ३६, २७, ४०,
 ४८, ५३, ५७, ६५, ७३, ६१, १२७, १३४, १३६,
 १४६, १५१, १५२, १८६, २१६ उ ११०६;
 ३११० सक्कारैत्ति उ ५१३६ सक्कारेज्ज
 ज २१६७ सक्कारेमि उ १११७
 सक्कारणिज्ज (सत्कारणीय) सू १८१२३
 सक्कारवत्तिय (सत्कारप्रत्यय) ज ५१२७
 सक्कारिय (सत्कारित) ज ३१८
 सक्कारेत्ता (सत्कार्य) ज ३६ उ ३१५०
 सक्कुलिकण्ण (शक्कुलिकर्ण) प ११८६
 सक्कोत्त (सक्कोश) ज ११२३, ३५
 सखिखिणी (सक्किणी) ज ३१२६, ३०, ३६, ४७,
 ५६, ६४, ७२, ११३, १३३, १३८, १४५, १७८
 सग (स्वक) प २११६२, ६३; ३३१६, १७
 ज २११२०; ३१८१, ८६, १०२, १५६, १६२
 सग (शक) प ११८६
 सगंथ (सग्रन्थ) ज २१६६
 सगड (शकट) ज २११२, ३३, ७१; ७३१
 सगडवूह (शकटव्यूह) उ ११३७
 सगडुद्धिसंठिय (शकट 'उद्धि' संस्थित) सू १०३७
 सगडुद्धी (शकट 'उद्धि') ज ७१३३१
 सगडुद्धीमुहसंठिय (शकट 'उद्धि' मुखसंस्थित)
 ज ७३११, ३३
 सगडुद्धीसंठिय (शकट 'उद्धि' संस्थित) ज ७३२११
 सगल (शकल) प ११४७१२; २१३१ ज ७१७८
 सू ८११; १३३
 सगोत्त (सगोत्र) सू १०६२ से ११६
 सच्चित्त (सचित्त) प ६११३ से १७ ज २१६६
 सच्चित्तकम्म (सच्चित्तकर्मन्) मू २०१७ उ २१८
 सच्चित्तजोणि (सच्चित्तयोनि) प ६११६

सच्चित्तजोणिय (सच्चित्तयोनि) प ६११६
 सच्चित्ताहार (सच्चित्ताहार) प २८११, २
 सच्च (सत्य) प ११०१११० उ ११२४
 सच्चमासग (सत्यभाषक) प १११६०
 सच्चमण (सत्यमनस्) प १६११ से ३, ७, ८, १०,
 ११, १५, १८ से २१
 सच्चमणजोग (सत्यमनोयोग) प ३६१८६
 सच्चवइजोग (सत्यवाक्योग) प ३६१६०
 सच्चा (सत्य) प १११२, ३, ३२, ३३, ४२ से ४६, ८२,
 ८४, ८५, ८८, ८९
 सच्चाभोस (सत्यामृषा) प १११२, ३, ३५, ३६, ४२,
 ४३, ४५, ४६, ८२, ८४, ८५, ८८, ८९
 सच्चाभोसमासग (सत्यामृषाभाषक) प १११६०
 सच्चाभोसमण (सत्यामृषामनस्) प १६११, ७
 सच्चाभोसमणजोग (सत्यामृषामनोयोग) प ३६१८६
 सच्चाभोसवइजोग (सत्यामृषावाक्योग) प ३६१६०
 सच्चित्त (सचित्त) प २८१११
 सच्छंद (स्वच्छन्द) प २१४१
 सच्छंदमइ (स्वच्छन्दमति) उ ३११६; ४१२२
 सच्छीर (सक्षीर) प ११४८३६
 सजोगि (सयोगिन्) प ३१६६, १८३; १८१५५;
 २८१३८; ३६१६२
 सजोगिकेवलि (सयोगिकेवलिन) प १११०८, १०६,
 १२१, १२२
 सजोगिभवत्थकेवलि (सयोगिभवत्थकेवलिन)
 प १८१०१, १०२
 सज्ज (सज्ज) ज ३११७८
 सज्जाय (सर्जक) प ११४८१६ पीत शालवृक्ष
 √सज्जाय (सज्जय्) सज्जावेत्ति उ ११३५
 सज्जावेत्ता (सज्जयित्वा) उ ११३५
 सज्जाय (स्वाध्याय) उ ३१३१
 सट्ठ (षष्ठ) ज ३११७८ सू ११२१
 सट्ठाण (स्वस्थान) प २११, २, ४, ५, ७, ८, १०, ११;
 १३, १४, १६ से ३१, ४६; ५१३५, ४२, ४६, ५४,
 ५७, ६०, ६४, ६६, ७५, ७६, ८०, ८४, ८८, १०८,

११२, ११६, १२२, १५१, १६४, १६७, १६९;
 १६४, १६८, २०१, २०४, २०८, २१२, २१५;
 २१६, २२२, २२५, २४३, २४४; ६१६३;
 १५।१०२, १२१, १२२, १२७; ३६।२०, २४, २६,
 २७, ४७
 सट्ठि (पण्टि) प २।३३ ज १।२६ उ २।१२
 सट्ठिग (पण्टिग) ज ३।११६
 सट्ठिभाग (पण्टिभाग) ज ७।२१, २२, २५ सू १।१०
 सट्ठिभाय (पण्टिभाग) ज ७।२४
 सट्ठिय (पण्टिग) सू १।१८
 √सड (सट्) सडइ उ १।५१
 सडइ (ध्राद्वकिन्) उ ३।५०
 सण (शण, सण) प १।३७।४, १।४५।२ ज २।३७;
 ३।७६, १।१६
 सणकुमार (सन्तकुमार) प १।१३५; २।४६, ५२ से
 ५८, ६३; ३।३१, १८३; ४।२३७ से २३६;
 ६।२६, ५६, ६५, ६५, १।१२; ७।१०; १।५।८, ८,
 १३८; २।१७०, ६१; २।८।७७; ३।३।६; ३।४।१६,
 १८ उ २।२
 सणकुमारय (सन्तकुमारज) ६।६५ ज ५।४६
 सणकुमारबडैसय (सन्तकुमारावतंसक) प २।५२
 सणफद (सन्तखद) प १।६२, ६६
 सणिकखण (सन्निष्कमण) ज ४।२।७७
 सणिविखर (सन्निक्षिप्त) ज ७।१८५ सू १।८।२३
 सणिवरसंखण (सन्निश्चरसंवत्सर) ज ७।१३३
 सणिवरि (सन्निश्चारिन्) ज २।५०, १६४;
 ४।१०६, २०५
 सणिवर (सन्निश्चर) प २।४८ ज ७।१८६।१
 सू १।०।३०; २।०।८।१
 सणिवरसंखण (सन्निश्चरसंवत्सर) ज ७।१०३,
 ११३ सू १।०।२५, १३०
 सणिय (सन्निस्) ज ३।२२४
 सणजिउ (सन्तदु) ज ३।१२३
 सणज (सन्तदु) ज ३।१०७, १२४ उ १।१३८
 सणय (सन्तदु) ज ७।१७८

सणवणा (संज्ञपना) उ ३।१०६
 √सणवित्तए (संज्ञपयितुम्) उ ३।१०६
 सण्णा (संज्ञा) प १।१।४; ८।१।३ ज १।१३३
 सण्णासण्णि (संज्ञासंज्ञिन्) प ३।१।६।१
 √सण्णाह (सं-+नाह्य) सण्णाहेह ज ३।१५, २१
 ३१, ३४, ७७, ६१, १७३, १७५, १६६ उ १।१२३;
 ५।१८
 सण्णि (संज्ञिन्) प १।१।७; ३।१।२, १।१२; १।१।११
 से २०; १।८।१।२, १।८।१।६; २।३।१७६, १।७७,
 १।६५, १।६६, १।६६ से २०१; २।८।१०६।१,
 २।८।१।५, १।१६; ३।१।१ से ३, ५, ६, ६।१;
 ३६।६२
 सण्णिकास (सन्निकाश) ज ३।२२३; ४।८५
 सण्णिविखस (सन्निक्षिप्त) ज ७।१८५
 सण्णिविचय (सन्निचित) ज २।६
 सण्णिणाद (सन्निनाद) ज ३।३०, ३१, ४३, ५१, ६०,
 ६८, ७८, १३०, १३६, १४०, १४६
 सण्णिणाय (सन्निनाद) ज ३।१२, १४, १७२, १८०,
 २०६, २२४; ५।२२, २६; ७।१२७।१
 सण्णिभ (सन्निभ) ज ३।३, १७, १८, ३१, ८१, ६१,
 ६३, १७७, १८०, १८३, २०१, २१४
 सण्णिभूय (संज्ञिभूत) प १।५।४८; १।७।६; ३।५।१८
 सण्णिवाइय (सन्निपातिक) उ ३।११२, १।२८
 सण्णिवात (सन्निपात) सू १।०।२६
 सण्णिवाय (सन्निपात) चं ५।१ सू १।६।१
 सण्णिविट्ठ (सन्निविष्ट) ज १।३७; ३।६६ से
 १०१, १।६३; ४।६, ३३, १२०, १४७, २१६, २४२;
 ५।३, २८, ३३
 सण्णिवेस (सन्निवेश) प १।६।२२ ज २।२२;
 ३।३२, १।८५, २०६ उ ३।१०१, १।२५, १।३२,
 १।३३, १।४१, १।४५; ५।३६
 सण्णिवेसमारी (सन्निवेशमारी) ज २।४३
 सण्णिसण्ण (सन्निषण्ण) ज ३।६, २०४; ५।२१,
 ४१, ४७, ६०
 √सण्णिसीय (सं-+नि-+वर्) सण्णिसीयइ
 ज ३।१२

सण्णिसीयित्ता (संनिषद्य) ज ३।१२
 सण्णिहिय (सन्निहित) प २।४७।२
 सण्ह (श्लक्ष्ण) प १।१८, १६; २।३०, ३१, ४१, ४८,
 ४९, ५६, ६३, ६४ ज १।८, २३, ३१, ३५, ५१;
 ३।१२, ८८, १६४; ४।२४, २५, २६, ४६, ६७,
 ८८, ११०, १७८, २१३; ४।१०; ५।५८
 सण्हसच्छ (श्लक्ष्णमत्स्य) प १।५६
 सण्हसण्हिय (श्लक्ष्णश्लक्ष्णिक) ज २।६
 सत् (सत्) सू १३।२
 सत्त (शत) प २।४१ से ४३, ४६, ४८ से ५२, ५८
 से ६४; ४।१८६, १८८; ६।३४, ३६, ६७;
 १८।१६, २४, ४६, ५४, ६०, ६१, ११६; २०।१३;
 २१।६७, ६८; २३।६३, ६८, ६९, ७३, ७५ से
 ७७, ८१, ८३, ८५, ८७, ९०, ९२, ९६, ९७, ११२,
 ११४, ११६, १२७, १६४, १६६; ३६।१७, ३४,
 ४१ सू १।१८ से २०, २४; २।३; ३।१; ६।१;
 ६।३; १०।१२७, १६५; १२।२ से ६, १२, १३,
 ३०; १३।१ से ३; १४।७; १५।२ से ४, १७ से
 १६, २२, २५ से २६, ३१, ३२, ३४ से ३७;
 १८।१, ४ से ६, १७, २०; १९।१, ४, ५।३, १९।७,
 ८, १०, १५।१, २, ४, १९।१८ से २०; २१।४;
 १९।२२।३२
 सत्तक्कु (शतक्रतु) प २।५०
 सत्तक्कुत्तो (शतक्रत्वस्) सू० १२।१२
 सत्तत् (सत्तत्) प ७।१
 सत्तपोरग (शतपोरक) प १।४१।१
 सत्तप्पिसत्त (शतप्पिषग्) सू १०।६४
 सत्तप्पिसय (शतप्पिषग्) सू २०।२ से ६, ६, २१, २३,
 ३०, ५८, ७५, ८१, ९५, १२०, १३१ से १३५;
 १२।२५
 सत्तरा (सप्तति) सू १९।११।१
 सत्तयच्छ (शतवत्स) प १।७६
 सत्तवत्त (शतपत्र) प १।४८।४४
 सत्तवाइया (शतपादिका) प १।५०
 सत्तसहस्स (शतसहस्र) प १।२०, ४६, ५०, ७५, ७६,
 ८१; २।२० से २७, २७।२, २६ से ३३, ३६ से

३६; ४०।२; २।४१ से ४३, ४८ से ५३, ५४,
 ५६।१, २।६३, ६४; ४।१७१, १७३, १७७, १७९;
 ६।४१; २१।६३, ६६, ७० सू १५।२; १८।२५;
 १९।५।१, ३; १९।८।१, ३, १९।२।१, ८,
 १९।२।१६
 सत्तहा (सप्तधा) ज ५।७२, ७३
 सत्ता (सदा) सू १९।११
 सत्तीणा (दे०) प १।४५।१
 सत्तेरा (शतेरा) ज ५।१२
 सत्त (सप्तन्) प १।४६ ज १।२० चं ३।३ सू १।७
 उ ३।१०१
 सत्त (सत्त्व) प २।६४; ३६।६२, ७७ ज २।१३२;
 ३।३; ७।२१२ उ १।३; ३।५१
 सत्तंग (सप्ताङ्ग) उ ३।५१
 सत्तग (सप्तक) ज ७।१३१।२
 सत्तदिठ (सप्तषष्टि) सू १०।२
 सत्तदिठ्ठा (सप्तषष्टिधा) सू १०।१५२ से १६०,
 १६२, १६३; ११।२ से ६; १२।७, ८, १६ से २८
 सत्तदिठ्हा (सप्तषष्टिधा) सू ११।२
 सत्तणउत्ति (सप्तनवति) सू १८।१
 सत्तत्तरि (सप्तसप्तति) ज ३।२२५
 सत्ततीस (सप्तत्रिंशत्) ज ४।५५
 सत्तत्तीस (सप्तत्रिंशत्) ज ४।१४८।२
 सत्तधणु (सप्तधनुप्) उ ५।२।१
 सत्तपएसिय (सप्तप्रदेशिक) प १०।१२
 सत्तपदेस (सप्तप्रदेशिक) प १०।१४।५
 सत्तभाग (सप्तभाग) प २३।६१, ६४, ६८, ७३, ७५
 से ७७, ८१, ८३ से ८५, ८६, ९०, ९२, ९६,
 १०१, १११ से ११४, ११७, १२१, १२२, १३०,
 १३४, १३५, १४०, १४२, १४३, १५२, १५३,
 १५५, १६०, १६४, १६७, १७१ से १७३
 सत्तम (सप्तम) प ६।८।२; १०।१४।३; ३६।८५,
 ८६ ज ७।६७ सू १०।७७; १२।१६; १३।१०
 उ २।२२
 सत्तमी (सप्तमी) ज ७।१२५
 सत्तर (सप्तदशन्) प १०।१४।४ से ६ ज ७।२०२

सत्तरस (सप्तदशन्) प ४।१६ ज ३।७६ सू ८।१

सत्तरसविह (सप्तदशविध) प १६।३८

सत्तरि (सप्तति) प २।५३ ज ५।४६ सू १६।१४

सत्तविह (सप्तविध) प १।१६, ५३; १६।२६, ३२;
२२।२१ से २३, ८३, ८४, ८६, ८७, ६०; २४।२
से ८, १० से १३; २५।४, ५; २६।२ से ६, ८ से
१०; २७।२, ३; ३६।७

सत्तसट्ठ (सप्तपष्टि) ज ४।६८

सत्तसट्ठि (सप्तपष्टि) सू १०।२२

सत्तसिक्खावइय (सप्तसिक्खाव्रतिक) उ ३।७६

सत्तहत्तरि (सप्तसप्तति) ज २।४।२

सत्तहा (सप्तधा) ज ७।६५, ६८, ६९, ७१, ७२, ७४,
७५, ७७, ७८; ५।७२, ७३

सत्ताणउड (सप्तनवति) प २।४६

सत्ताणउत (सप्तनवति) प २।४८

सत्ताणउय (सप्तनवति) ज ७।१८ सू १।२७

सत्तातीस (सप्तत्रिंशत्) प ४।२७६

सत्तालीस (सप्तचत्वारिंशत्) सू १०।१५१

सत्तावण (सप्तपञ्चाशत्) ज ४।६२; ७।२१;

सू २।३ उ १।१३

सत्तावीस (सप्तविंशति) प ४।२७६ ज १।७

सू १।१०

सत्तावीससिंविह (सप्तविंशतिविध) प १७।१३६

सत्तासीय (सप्ताशीति) ज ७।७७

सत्ति (शक्ति) प २।४१ ज ३।३५, १७८

सत्तिवण (सप्तपर्ण) प १।३६।३ उ ३।६४

सत्तिवणवड्डेसय (सप्तपर्णवर्तसक) प २।५०, ५२

सत्तिवणवण (सप्तपर्णवत) ज २।६; ४।११६

सत्तु (शत्रु) ज ३।३, ३५, ८८, १०६, १७५, २२१

सत्तुस्सेह (सप्तोत्सेध) ज १।५ सू १।५

सत्थ (शत्रु) ज २।६।१; ३।२०, ३३, ५४, ६३, ७१,
७७, ८४, १०६, ११५, १२४, १२५, १३७, १४३,
१६७, १८२ उ ३।३८, ४०

सत्थ (शास्त्र) उ ३।२८

सत्थवाह (शार्थवाह) प १६।४१ ज २।२५; ३।६,
१०, ७७, ८६, १७८, १८६, १८८, १८९, २०६,

२१०, २१६, २१६, २२१, २२२ उ १।६२;

३।११, ६६, ६८, १००, १०१, १०६ से ११२;

५।१०, १७, १६, ३६

सत्थवाही (शार्थवाही) उ ३।६८, १०१ से १०५,
१०७, १०८, ११० से ११३

सत्थीमुहसंठित (स्वस्तिमुखसंस्थित) सू ४।३, ४, ६, ७

सदा (सदा) प २।३०, ३१, ४१

सदेवीय (सदेवीक) प २०।१२; ३४।१५, १६

सद् (शब्द) प २।३०, ३१, ४१; १५।३६, ३६, ४०;

१६।४६; २३।१५, १६, १६, २०, ३०, ३१;

३४।१।२, ३४।२३ ज १।१३, २६, ३१; २।७,

१२, ६५; ३।६, १२, १४, १८, ३० से ३२, ४३,

५१, ६०, ६८, ७७, ७८, ८२, ८८, ८९, ९३, १३०,

१३६, १४०, १४६, १५५, १५६, १७२, १७८, १८०,

१८५, १८७, २०६, २१२, २१३, २१८, २२२;

४।३, २५, ८२; ५।२२, २६, ३८, ५७, ५८, ७२, ७३,

७।१७८ सू २०।७ उ १।६० से ६२, ८५ से ८७;

५।१६, १७, २०, २५, २७

सद्परिणाम (शब्दपरिणाम) प १३।२१, ३१

सद्परियारण (शब्दपरिचारक) प ३४।१८, २३, २५

सद्परियारणा (शब्दपरिचारणा) प ३४।१७, २३

सद्ब्वया (सद्ब्रव्यता) ज ३।३

√सद्देह (श्रुत्-धा) सद्देह प १।१०१।४, १२

सद्देहाइ प १।१०१।३ सद्देहामि उ ३।१०३;

४।१४; ५।२० सद्देहेज्जा प २०।१७, १८, ३४

सद्देहणा (श्रुद्धान) प १।१०१।१३

√सद्दाव (शब्दय) सद्दाविस्संति ज २।१४६

सद्दावेइ ज २।६७, १०५, १०७, १११; ३।७,

१२, १५, १८, २१, २८, ३१, ३४, ४१, ४६, ५२,

५८, ६१, ६६, ६६, ७४, ७६, ७७, ८३, ८१, ८६,

१७०, १७३, १७५, १८०, १८३, १८८, १८९,

१९६, २०७, २१२; ५।२२, २८, ५४, ६१, ६८, ६९,

७२, १२८, १४१, १४७, १५१, १५४, १६४, १६८

उ १।१७; ३।६१; ४।१६; ५।१५ सद्दावेति

३।१०५, १०७, ११३; ५।३, १४ सद्दावेमि उ १।७६

सहावइ (शब्दापातिन्) ज ४।४२, १७, ५८, ६०, ७१,
७४

सहावति (शब्दापातिन्) प १६।३०

सहाविता (शब्दयित्वा) ज २।१४६

सहावेत्ता (शब्दयित्वा) ज २।६७ उ १।१७; ३।७;
४।१६; ५।१५

सद्बुण्णइय (शब्दोन्नतिक) ज २।१२; ४।३, २५

सद्ध (श्रद्धा) ज २।३०

सद्धा (श्रद्धा) सू २०।१।३

सद्धि (सार्धम्) प ३।४।१६, २१ से २४ ज २।६५,
८८, ९०; ३।६, २२, ३६, ७७, ७८, १८६, २०४,
२२२, २२४; ५।१, ५, ४१, ४४, ४६, ४७, ५६,
६७, १३४; ७।१३५, १८४ सू १०।२ उ १।२;
३।६८; ४।१८; ५।१६ उ १।२; ३।६८; ४।१८;
५।१६

सन्नद्ध (सन्नद्ध) ज ३।७७

सन्निकास (सन्निकाश) ज ३।२४

सन्निभ (सन्निभ) प २।३१

सन्निवाइय (सान्निपातिक) उ ३।३५

सन्निहिय (सन्निहित) प २।४६, ४७

सपक्ख (स्वपक्ष) उ १।२२, १४०

सपक्खि (स्वपक्षिन्) उ १।४६

सपक्खि (सपक्षम्) प २।५२ से ५६, ६१; १६।३०

सपज्जवसिय (सपर्यवसित) प १८।१३, २५, ५५,

५६, ६३, ६४, ६७, ६८, ७६, ७७, ७९, ८३, ८६,

९०, १०५, १११, १२२, १२६

सपडिदिसि (सप्रतिदिश) प २।५२ से ५६, ६१;

१६।३० उ १।२२, ४६, १४०

सपरिनिव्वाण (सपरिनिर्वाण) ज ४।२७७

सपरियार (सपरिचार) ३।४।१५, १६

सपरिवार (सपरिवार) प २।३२, ३३, ३५, ४३,
४८ से ५१ ज १।४४, ४५; २।६०; ४।५०, ५६,
१०२, ११२, १३५, १४७, १५५, २२१, २२२,
२२३।१, २२४।१; ५।१, १६, ४१, ५०, ५८

सपुव्वावर (सपूर्वावर) ज ४।२१, २५६ सू ३।१;

१०।१२७; १८।१, २१

सप्प (सर्प) ज ७।१३०, १८६।३

सप्पदेवया (सर्पदेवता) सू १०।८३

सप्पभ (सप्रभ) प २।३१, ४१, ४६, ५६, ६३, ६६
ज १।८, २३; ५।३२

सप्पसुयंघा (सर्पसुगन्धा) प १।४८।३ धवलवरुआ

सप्पह (सप्रभ) प २।३० ज १।२१

सप्पुरिस (सत्पुरुष) प २।४५, ४५।२

सप्फाय (दे०) प १।४८।५०

सबर (शबर) प १।८६

सबरी (शबरी) ज ३।११।२

सन्निभतर (साध्यन्तर) ज ३।७, १८४

सभा (सभा) ज २।६५, १२०; ४।१२०, १२१, १२६,
१३१, १४०; ५।५, ७, १८, २२, २३, ५०; ७।१८४,
१८५ सू १८।२२, २३ उ ३।६, ३६, ६०, १५६,
१६६; ४।५; ५।१५, १६

सभाव (स्वभाव) ज २।१५

सभावणग (सभावनाक) ज २।७२

सम (सम) प १।४८।१० से १६; १३।२२।१, २;
१७।१।१; २१।१०२; २२।६६, ७०; २३।१६७;
२६।६, ६; ३६।८२।१ ज २।७१; ३।३५, १३८,
१५१, १७०, २११; ४।३, २५, ५७, ६७, १८०;
१८३; ५।१८, ४३; ७।३७, ३८, १३५।१, ४, १६८,
१७८

समइक्कंत (समतिक्रान्त) प २।३१

समइच्छमाण (समतिक्रामत्) ज २।६५; ३।१८६,
२०४

समंतओ (समन्ततस्) ज २।६५

समंता (समन्तात्) प १७।१०६ से १११ ज १।७,
६, २३, ३२, ३५; २।१३१; ४।३, ६, १४, २०, २१,
२५, ३१, ४५, ४७, ५७, ६८, ७६, ८६, १०३, १०७,
१३१, १४३, १४८, १४९, १५२, २११, २१३,
२१५, २३४, २४० से २४२, २४५; ५।५, ७, ३८,
५७; ७।५८ सू ३।१ उ ५।८

समकम्म (समकर्मन्) प १७।३, ४, १५, १६

समकिरिय (समक्रिय) प १७।११,१७।१०,११,२१

समक्षेत्त (समक्षेत्र) सू १०।४,५

समग (समक) प १६।५२ ज १।२३,२५,३२;

३।७८;७।११२।२ सू १०।१२६।१,२

समग (समग्र) ज ३।२२१;४।३५,३७,४२,७१,

७७,६०,६४,१७४,१८३,२६२;६।१६ से २२;

सू २०।७

समचउक्कोणसंठित (समचतुष्कोणसंस्थित)

सू १।२५;४।२

समचउरंस (समचतुरस्त्र) प २।३०;१।५।१६,३५;

२१।२६,३१,३२,३६,६१,७३;२३।४६

ज १।५;२।१६,४७,८६;७।१६७ उ १।३

समचउरंससंठाणसंठिय (समचतुरस्त्रसंस्थानसंस्थित)

सू १।५,२५

समचउरंससंठित (समचतुरस्त्रसंस्थित) सू ४।२;

१०।७४

समचक्रवालसंठित (समचक्रवालसंस्थित)

सू १।२५;४।२;१।६।३,१३,१७,१६,२३

समजस (समयशम्) प २।६०

समजोगि (समयोगिन्) ज ५।५८

समज्जुतीथ (समद्युतिक) प २।६०

समदूठ (समर्थ) प ११।११ से २०; १५।४४;

१७।१,३,५,८,१०,१२,१४,१५,२४,१२३ से १२८,१३० से १३२,१३४,१३५;२०।२,३,१४ से १७,१६ से २५,२७ से ३०,३३,३४,४०

से ४८,५२,५३,५६,६०;२२।७६,८०,८२,६२, ६४,६५;३०।२५;३६।८०,८१,८३,८८,६२

ज २।१७,१८,२१ से २३,२५,२८,३० से ३३, ३८ से ४०,४२,४३;४।१०७;७।१८४

सू १८।२२

समण (श्रमण) प २।३,६,६,१२,१५,२० से २७,६०

से ६३;३।३६;१५।४३,४५;३६।७६,८१

ज १।५,६;२।१६,१६ से २१,२३,२५,२६, २८,३० से ३३,३६,३६ से ४३,४८,४६,५१, ५४,५६,६८,७२,७४,८२,१२१,१२६,१३०,

१३८,१४०,१४६,१५४,१५६,१६०,१६३;

५।५८;७।१०१,१०२,१२६,२१४ चं १०

सू १।५;८।१;२०।७ उ १।२,४ से ८,१६,

१७,१६ से २६,१४२,१४३;२।१ से ३.१०,

१२,१४,१५,२१;३।१ से ३,७,८,१२,१६,२०,

२२,२३,२६,३८,४०,४४,८७,८८,६१,६३,

१५३,१५४,१६६ १६७,१७०;४।१ से ३,२७,

५।१ से ३,३७,४४

समणी (श्रमणी) ज ७।२१४ उ ३।१०२,११५,

११७,११८;४।२२

समणुगम्भमाण (समनुगम्भमान) ज २।६४

समणोवासय (श्रमणोपासक) ज २।७६ उ ३।८३

समणोवासय (श्रमणोपासक) उ १।२०;५।३४

समणोवासिया (श्रमणोपासिका) ज २।७७ उ १।२०;

३।१०५,१०६,१४४

समण्णागय (समन्वागत) ज ५।५ उ १।६३

समतल (समतल) ज ३।६५,१५६

समतिक्रंत (समतिक्रान्त) प २।६७

समत्त (समस्त) प २।६४।१५ ज ३।१७५ उ ३।६१

समत्त (समाप्त) ज ३।१६७;४।२००;५।५८;

७।१०१,१०२ सू १३।१०,१३,१४ से १६

उ १।१४८;३।६१

समत्थ (समर्थ) ज ३।१०६;५।५ सू २०।७

समपज्जवसिय (समपर्यवसित) सू १२।१० से १२

√समप्प (सं+अर्पय्) समप्पेइ ज ३।१३८;४।३५,

३७,४२,७१,७७,६०,१७४,१८३,१८६,२६२;

६।२१ से २४ समप्पेति ज ३।६७,१६१;

६।१६,२५,२६;४।६४ सू १०।५ समप्पेति

सू १०।५

समबल (समबल) प २।६०,६३

समभिरूढ (समभिरूढ) प १६।४६ ज ३।१०६

समभिलोएमाण (समभिलोकमान) प १७।१०६ से १११

√समभिलोय (सं+अभि+लोक्)

समभिलोएज्जा प १७।१०७,१०६,१११

समय (समय) प १।१३,१०३,१०६,१०७,१०६,

११०, ११३, ११४, ११६, ११६, १२०, १२२,
 १२३; २।६४।५; ६।१।१, ६।१ से १८, २० से
 ४५, ६० से ६४, ६७, ६८; १०।३०।१, २,
 १०।७०, ७१; १।२।२४, ३३; १।५।५।८।१; १।६।३४,
 ३७; १।८।५।६, ६०, ६२, ६३, ६७, ८०, ८१, ८४,
 ८७, ८८, ८९, ९८, १०२, १०४; २०।१।१, २०।६
 से १३; २।२।५।४, ५।६, ५।८, ५।९, ७६; २।३।६३,
 १।६३; ३।०।२५, २६; ३।६।८।५, ८।७, ८।२ ज १।२,
 ४, ५, १।४; २।४, ७।१, ८।८, ८।९, १।३।१, १।३।४,
 १।३।८, १।४।१; ३।१०।३; ५।१।६, ८।६ से १३, १।८,
 ४।८, ५।० से ५।२; ७।५।७, ६०, १।१।२।१ चं ६।६,
 १० सू १।१, ४।५; ६।१; ८।१; ८।२; १०।१।५।२
 से १६।१; १।१।२ से ६, १।६ से २८, ३०;
 १।३।१, २; १।७।१; १।६।२।५; २०।३, ५, ७
 उ १।१ से ३, ६, १।६, २।८, ५।१, ६।५, ७।६, १।४।४;
 २।४, १।७; ३।४ से ६, ६, १।२, २।१, २।४, २।५, २।७,
 ४।८, ५।०, ५।५ से ५।७, ६।४, ६।८, ७।१, ७।४, ७।६, ८।६,
 ९।०, ९।५, ९।८, ९।९, १०।६, १।३।१, १।३।२, १।५।५ से
 १।५।७, १।५।९, १।६।८, १।६।९; ४।४ से ६, १।०; ५।४,
 १।४, २।१, २।४, २।६, ३।६, ४।०, ४।१

समय (समक) ज १।१४

समयक्षेत्र (समयक्षेत्र) सू १।६।२०, २१

समयक्षेत्र (समयक्षेत्र) प २।१।८६

समर (समर) ज ३।३, ३।५, १०३

समवर्ण (समवर्ण) प १।७।५, ६, १।७

समवेदन (समवेदन) प १।७।१।१, १।७।८, ६, १।६, २०

समसरीर (समसरीर) प १।७।१, २, २।८, २।९

समतोक्ख (समतोक्ख) २।३०, ६३

समा (समा) ज २।७ से १।५, २।१ से ४।५, ५।० से
 ५।९, ८।८, १।२।१ से १।३।३, १।३।८ से १।४।०, १।४।७
 से १।५।०, १।५।२ से १।६।४; ३।१।३।५।१; ४।१।८।०,
 १।८।३; ७।३।७ सू ६।४; १।८।२, ३

समाउय (समाउय) प १।७।१।१, १।७।१।२, १।३

समागम (समागम) ज २।४, ३

समाण (सत्) प १।५।१।५।२, १।७।१।१।६;

२।८।१।०।५; ३।४।१।६, २।१ से २।४; ३।६।६।२, ७।७
 ज २।६।० से ६।२, ७।१, १।४।२ से १।४।५; ३।३, ८,
 १।३, १।४, १।६, २।२, २।५, २।६, ३।०, ३।६, ३।८, ४।२,
 ४।३, ४।६, ५।०, ५।१, ५।३, ५।६, ६।०, ६।२, ६।७, ६।८,
 ७।०, ७।५, ७।७, ८।०, ८।२, ८।४, ८।६, ९।७, १०।०,
 १।१।१, १।१।८, १।२।५, १।२।६, १।३।२, १।३।६, १।४।२,
 १।४।८, १।४।९, १।५।६, १।६।१, १।६।५, १।६।९, १।७।८,
 १।८।१, १।८।६, १।९।२, २।०।२, २।०।८, २।१।२ से २।१।४,
 २।१।७, २।१।९, ४।२।३, २।५, ३।५, ३।७, ३।८, ४।२, ६।५,
 ७।१, ७।३, ७।७, ८।०, ८।१, ८।४, १।७।४, १।८।३, १।८।६,
 १।९।५, २।०।२; ५।१।५, २।२, २।४, २।६, २।९, ४।३, ७।०
 सू ६।१ उ १।१।७, २।३ से २।६, ३।७, ४।०, ४।५,
 ५।२, ५।५ से ५।८, ६।०, ६।२, ७।४, ७।७, ८।० से ८।३,
 ८।५, ९।० से ९।३, ९।६, १०।७, १०।८, ११।०, ११।८,
 १।२।७; ३।१।३, ३।५, २।६, ५।०, ५।५, ७।८, ८।२, ८।४,
 १०।६, १०।८, ११।२, ११।२, १।४।७, १।६।०, १।६।२;
 ४।१।१, २।०; ५।१।५, १।७, ३।८

समाण (समान) ज ३।१।१।७ सू २०।७ उ ३।१।२।८

√समाण (सं+आप्) समाणेइ ज ७।१०४

सू १०।१।३० समाणेति सू १०।१।२६

समाणीत (समानित) उ ३।४।८, ५।०

समाणुभाव (समानुभाव) प २।६।०, ६।३ ज २।१।३।१;
 ४।५।६

√समादह (सं+आ+धा) समादहे उ ३।५।१

समादीय (समादिक) सू १।२।१० से १।२

समायचित्तिए (समाचरितुम्) उ ३।१।०।२

समारंभ (समारम्भ) उ १।२।७, १।४।०

समारूढ (समारूढ) ज ३।१।२।१

√समालभ (सं+आ+लभ्) समालभइ
 उ ३।१।१।४

समावण्णस (समापन्नक) ज ७।५।५, ५।८

समास (समास) प ३।३।८, ३।९ ज ७।१०।१, १०।२

सू १।६।२।२।१

समासओ (समासतस्) प १।४।८।५।४; १।४।८

ज २।६।६

समासतो (समासतस्) प १।४।२।०, २।३, २।६, २।९,

४६ से ५१, ५३, ६०, ६६, ७५, ७६, ८१, ८८,
 १३१ से १३३, १३५, १३७, १३८
 √समासाद (सं + आ + सादय्)
 समासादेति सू १५१८
 समासादेत्ता (समासादय्) सू १५१८ से १३
 समासादेमाण (समासादयत्) सू २१३
 √समासास (सं + आ + स्वासय्)
 समासासेइ उ १४१
 समासासेत्ता (समास्वास्य) उ १४१
 समाहय (समाहत्) ज ५१५
 समाहार (समाहार) प १७११, २, १४, २४, २५, २८,
 २९
 समाहारा (समाहारा) ज ५१६१; ७१२०१२
 सू १०१८८१२
 समाहि (समाधि) उ ३१५०, १६१; ५१२८, ३६, ४१
 समाहिय (समाहित) ज ५१५८
 समिइ (समिति) प १११०११० ज २४, ६; ३१२२१
 उ ११६३
 समिडिहय (समिद्धि) प २१६०, ६३
 समित (समित) सू ६११
 समिद्ध (समृद्ध) ज ११२, २६; २११२; ३११, ८१,
 १६७११४, १७५ चं ६ सू १११ उ १११, ६, २८;
 ३११५७; ५१६, २४
 समिरीय (समरीचिक) प २१३०, ३१, ४१, ४६, ५६,
 ६३, ६६ ज ११८, २३, ३१
 समिहा (समिध्) ज ५११६
 समिहाकट्ठ (समिध्काष्ठ) उ ३१५१
 समीकर (समी + कृ) समीकरेहिंति ज २११३१
 समीकरण (समीकरण) ज ३१८८
 समीकरणया (समीकरण) प ३६१८२१
 समुदय (समुदित) ज २११४५, १४६
 समुक्खित्त (समुत्किण्त) उ १११३८
 समुग्गपक्खि (समुद्गपक्खि) प ११७७, ८०
 समुग्गय (समुद्गत) प ३६१८१
 समुग्गयभूय (समुद्गतभूत) ज ३११२१
 समुग्घात (समुद्घात) प २१२१

समुग्घाय (समुद्घात) प १११७; २११, २, ४, ५, ७, ८,
 १०, ११, १३, १४, १६ से २०, २२ से ३१, ४६;
 ३६११, ४ से ७, ४७, ५३ से ५८, ८२, ८३; ८३१
 २; ३६१८६, ८८
 समुज्जाय (समुद्घात) ज २१८८, ८९; ३१२२५
 √समुट्ठ (सं + उत् + णा) समुट्ठेति प ११७४
 समुत्त (समुत्त) ज ३१६, १७, २१, ३४, १७७, २२२
 समुत्तिण (समुत्तीर्ण) ज ३१८१
 समुदय (समुदय) ज २४, ६; ३१३, १२, ३१, ७८,
 १८०, २०६; ५१२२, २६, ३८, ६७ उ ११६२; १
 ५११७
 समुदाण (समुदान) उ ३११००, १३३
 समुदीरेमाण (समुदीरयत्) प ३४१२३
 समुद्द (समुद्) प ११८४; २११, ४, ७, १३, १६ से १६,
 २८, २९; १५१५५; २११८७, ६०, ६१; ३३११० से
 १२, १५ से १७; ३६१८१ ज १७, ४६, ४८;
 २१६०, ६७, ६८; ३११, ३६; ४१५२; ५१४४, ५५;
 ६११, २, ४; ७१४, ६३, ८७ सू १११४, १६, १७,
 १६ से २२, २४, २७; २१३; ३११, ४, ७; ६११;
 ८११; १०११३२; १६११ से ३, ५, ६ से १२;
 १६१२२१२६; १६१२८, २६ से ३२, ३५, ३६, ३८
 उ १११३८
 समुद्दय (समुद्दक) प ११७५, ८०, ८१
 समुद्दल्लिक्खा (समुद्दल्लिक्खा) प ११४६
 समुद्दवायस (समुद्दवायस) प ११७८
 समुद्दविजय (समुद्दविजय) उ ५११०, १७, १६
 √समुप्पज्ज (सं + उत् + पद्) समुप्पज्जइ
 प २८१७५, १०५; ३४११६, २१ से २४ ज २१२७;
 २६, ५६; ४११७७, १८१ समुप्पज्जति ज ५११
 उ १११११ समुप्पज्जति प २८४, २५, २७, २९,
 ३८, ४७, ५०, ७३, ७४, ६७; ३४१२३
 समुप्पज्जित्था ज २१५६, ६३, १२४, १२५;
 ३१२, ४, २६, ३६, ४७, ५६, १२२, १३३, १४५,
 १८८; ५१२२ समुप्पज्जिस्सइ ज २१५६
 समुप्पज्जिस्सति ज २१५५, २१, ५३
 समुप्पण (समुत्पन्न) ज ३११२३, २१६

समुपपन्न (समुत्पन्न) ज २।७१, ८५; ३।५
 उ १।१११, ११२
 समुपपन्न होउहुल (समुपपन्नकौतुहल) ज १।६
 उ १।१११, ११२
 समुपपन्नसंसय (समुत्पन्नसंशय) ज १।६
 समुपपन्नसङ्ग (समुत्पन्नश्रद्धा) ज १।६
 समुपभव (समुद्भव) ज ५।५, ४६
 समुल्लालिय (समुल्लालित) उ १।१३८
 समुल्लावग (समुल्लापक) उ ३।६८
 समुल्लावय (समुल्लापक) उ ३।६८
 समुपगूढ (समुपगूढ) ज ४।६१, २७३
 समुस्तासणिस्तास (समुच्छ्वासनिःश्वास) प १७।१,
 २, २८, २९
 समुस्तासणीस्तास (समुच्छ्वासनिःश्वास) प १७।२
 समूसिय (समुच्छित) ज ३।१७८; ५।४३
 समोगाढ (समवगाढ) प २।६४।१० सू १९।२६
 समोच्छण (समवच्छन्न) ज ३।१२१
 समोपपणा (समर्पणा) ज ३।११७
 समोथर (सं+अन्+तृ) समोथरति ज ७।६७
 समोवण्णग (समोपपन्नक) प १७।१३
 समोतढ (समववृत) ज १।४ चं ६ सू १।४
 उ ३।५, १२, २१, २४, २८, २९, ८६, १५६; ४।४;
 ५।३७
 √समोसर (सं+अन्+तृ) समोसरह ज ५।५०
 समोसरति ज ५।४६
 समोसरण (समवसरण) ज ५।५३ उ ३।२१; ४।१०
 समोसरिय (समववृत) ज ५।४८ उ १।१६; २।६३;
 ३।१५५, १६८; ५।१४
 समोहणित्ता (समवहत्य) प ३६।५६, ६६, ७०, ७३,
 ७४ ज ३।११५
 √समोहण (सं+अन्+हन्) समोहणति प
 ३६।८३ ज ३।११५, १६२, २०८; ५।५, ७
 समोहणति प ३६।८२
 समोहल (समवहत्य) प ३।१७४
 समोहय (समवहत्य) प ३।१७४, १५।४३; २।१८४

से ६३; ३६।३५ से ४१, ४८ से ५२, ५६, ६५,
 ६६, ७०, ७३, ७४, ७६
 सम्म (सम्यक्) सू १०।१२९।४
 सम्मं (सम्यक्) ज २।६७; ३।१८५, १८६, २०६;
 ७।११२।३, ४
 सम्मट्ठरत्थंतरावणवीहिय
 (संमृष्टरत्थान्नरापणवीहिक) ज ५।५७
 सम्मत (सम्मत) प १।१३३।१
 सम्मतसच्च (सम्मतसत्य) प १।१३३
 सम्मत (सम्यक्त्व) प १।१।५, १।१०।१।६, ७, १३;
 ३।१।१, १।८।१।१; २०।३६; २३।१७४; ३४।१।२
 ज २।१३३ उ ३।४७, ८३
 सम्मतवेदणिज्ज (सम्यक्त्ववेदनीय) प २३।१८१
 सम्मतवेयणिज्ज (सम्यक्त्ववेदनीय) प २३।१७, ३३,
 ६५, १३७
 सम्मत्ताभिगमि (सम्यक्त्वाभिगमिन्) प ३४।१४
 सम्महंसणपरिणाम (सम्यक्दर्शनपरिणाम)
 प १३।११
 सम्महिट्ठि (सम्यक्दृष्टि) प ३।१००; ६।६७, ६८;
 १३।१४, १७; १७।११, २३, २५; १८।७६; १९।१
 से ५; २१।७२; २३।२००, २०१; २८।१२५, १३५
 सम्मय (सम्मत) उ ३।१२८
 सम्मा (सम्यक्) प १३।११
 सम्माण (सं+मानय्) सम्माणेइ ज ३।६, २७, ४०,
 ४८, ५७, ६५, ७३, ६१, १२७, १३३, १३६, १४६,
 १५२, १८६, २१६ सम्माणेज्ज ज २।६७
 सम्माणजिज्ज (समाननीय) सू १८।२३
 सम्माणवत्तिय (समानप्रत्यय) ज ५।२७
 सम्माणियदोहद (समानितदोहद) उ १।५०, ७५
 सम्माणेता (सम्मान्य) ज ३।६ उ ३।५०
 सम्मानिच्छत (सम्यक्मिथ्यात्व) प २३।१७४
 सम्मानिच्छतवेदणिज्ज (सम्यक्मिथ्यात्ववेदनीय)
 प २३।६७, १८१
 सम्मानिच्छतवेयणिज्ज (सम्यक्मिथ्यात्ववेदनीय)
 प २३।१७, ३३, १३६

सम्प्राप्तिच्छासाभिगमि (सम्यक्मिथ्यात्वाभिगमिन्) प ३।१।४

सम्प्राप्तिच्छादिटिठि (सम्यक्मिथ्यादृष्टि) प ६।६७;

१३।१४, १७; १७।११, २३, २५; १८।७८; १९।१

से ५; २१।७२; २८।१२७, १३८

सम्प्राप्तिच्छादं सणपरिणाम

(सम्यक्मिथ्यादर्शनपरिणाम) प १३।११

सम्प्राप्तिच्छादिटिठि (सम्यक्मिथ्यादृष्टि) प ३।१००

✓ सम्मुच्छ (सं + मुच्छ्) सम्मुच्छति प १।८४

सम्मुच्छति प १।८४

सम्मुच्छिम (संमुच्छिम्) प १।४६ से ५१, ६०, ६६,

७५, ७६, ८१ से ८४; ३।१८३; ४।१०७ से

१०६, ११६ से ११८, १२५ से १२७, १३४ से

१३६, १४३ से १४५, १५२ से १५४, १६१;

६।२१, २३, ६५, ७१, ७२, ७४, ८४, ८७, १००,

१०२, १०८; ९।६, १६, २२; १६।२८; १७।४२,

४६, ६३ से ६५, ६७, ८६; २१।६, १०, १२, १३,

१५ से १६, ३०, ३३, ३५, ३७, ४३ से ४७;

२१।४७।२, २१।४८, ५३, ५४, ७२

सम्मुति (सन्मति) ज २।५६, ६०

सय (शत) प २।४१ से ४३, ४६, ५५, ५८, ५९।२,

६२।१; २।६३, २।६४।६; १।२।३६, ३७; १।८।३१,

३६, ६०, ११३; २।१६५; २।२।४५; २।३।७४, ८६,

८८, ८९, ९५, ९८, ९९, १०१ से १०४, १११,

११३, ११७, ११८, १३०, १३१, १६४, १८३, १८७

ज १।७, ९, १०, १८, २०, २३, २६, ३७, ३८, ४०,

४८; २।४।३, १६, ४८, ५२, ६४, ७५, ७७, ७८,

८०, ८६, १२८, १४८, १५७, १६१; ३।१, १८, ३१,

३५, ६३, ६५, ६६ से १०१, १०४, १०५, १०६,

१२६, १५६, १७८, १८०, १८३, २०६, २१०,

२१६, २२१, २२२; ४।६, १०, १२, १३, २३, २५,

३२, ४६, ५५, ५७, ६२, ६५, ६७, ७२, ७३, ७५,

७६, ८१, ८६, ९०, ९१, ९३, ९५, ९८, १०३, ११०,

१२०, १४१, १४२।१, २, १४३, १४७, १५४, १६३

से १६५, १६७, १६६, १७८, १८३, २००, २०५ से

२०७, २१३ से २१६, २२१, २२६, २३४, २४०,

२४१, २४५, २४८; ५।३, ४, २८, ३३, ५२, ५३, ५८;

६।७, ६।११, १४, १५; ७।१।१, ७।२ से ४, १०,

१२, १४ से २५, २७, ३०, ३२, ३४, ५४, ६२ से

६४, ६७ से ८१, ८४, ८६, ८७, ८८, ९१ से ९६, ९८

से १०२, ११०, १२७, १३१।१, १७१ से १७४,

१६०, २०१ से २०७ सू १।८।२, १।१० से १२,

१४, १६ से २४, २६ से ३१; २।१, ३; ४।४, ५,

७, ८, १०; ६।१; ८।१; १०।१३८ से १५१,

१६२ से १६४, १६६ से १६६; १२।२, ५;

१३।४; १४।३; १८।१, १३, ३०; १९।५।२,

१९।८।१, २, १९।२।५, १९।२।६, ६ उ १।२;

३।५५, ६२; ५।२८, ४१

सय (स्वक) ज ३।७७, ८४, १०२, १५३, १६२,

१७८, १८३, १८६, २२४; ५।१, ६, ८, १०, १३,

२२, २६, ४३, ५६ उ १।३३, ४२, ४४, १०८,

१२१, १२२, १२६; ३।११, ४३, ५३, १४८; ४।१५

सय (शी, स्वप्) सयति ज १।१३, ३०, ३३; २।७;

४।२, ८७, २१५, २४७; ६।८

सयं (स्वयं) प १।१०।१३; २३।१३ से २३

सू १९।१।१३

सयंजय (शतज्जय) ज ७।११७।२ सू १०।८६।२

सयंपभ (स्वयंप्रभ) ज ४।२६०।१ सू ५।१; २०।८,

२०।८।६

सयंबुद्ध (स्वयंबुद्ध) प १।१०५, १०६, ११८, ११९

सयंबुद्धसिद्ध (स्वयंबुद्धसिद्ध) प १।१२

सयंभूरमण (स्वयंभूरमण) प २।१।८७, ९०, ९१

सयंभूरमण (स्वयंभूरमण) प १५।५५, ५५।२

सू १९।३८

सयंतंबुद्ध (स्वयंतंबुद्ध) ज ५।२१

सयवकड (शतकनु) ज ५।१८

सयघी (दे०) प २।३०, ३१, ४१

सयज्जल (शतज्जल) ज ४।२१०।१;

सयण (शयन) प ११।२५ ज ३।१०३ सू २०।४, ७

उ ३।५०, ११०, १११, ४।१६, १८

सयण (स्वजन) ज २।६६

सयणिज्ज (शयनीय) ज ४।१३, ३३, ७६, ९३, १३५,

१३६, १४०, १४७, १५३; ५११७ सू २०७
 उ १४६; ५१३, २५, ३१
सयधणु (शतधनुष) उ ५१२१
सयपत्त (शतपत्र) प १४६ ज ४३, २५
सयपत्तहृत्थगय (हस्तगतशतपत्र) ज ३१०
सयपाग (शतपाक) ज ५११४
सयपुष्पा (शतपुष्पा) प १४४३ सौफ
सयभिसया (शतभिषग्) ज ७११३१, १२८;
 १३४२; १३५२, १३६, १३६, १४२, १४६, १५७
सयमेव (रक्तामेव) प ११०१३ ज २६५;
 ३१०२, १६२, २२४ सू १३५, ६, १२, १३, १७
 उ १६५, ६६, ७१, ८८, ६४; ३१८१, ८२, ११३;
 ४२०
सयरिसह (शतवृषभ) सू १०८४३
सयरी (शतावरी) प १३६१२
सयल (सकल) ज ३३१ सू १६११६
सयवत्त (शतपत्र) प २३१, ४८ ज ४४६
सयवसह (शतवृषभ) ज ७१२२३
सयसहस्र (शतसहस्र) प १२३, २६, २६, ४८, ४६,
 ५१, ६०, ६६, ८४; २२२, २५, २२७४, २३०,
 ३३ से ३५, ४०३, ४, २४६, ४६; १५४१;
 ३६८१ ज १७; २४, १८, ६४, ८७, ८८;
 ३१७८, १८५, २०६, २२१, २२५; ४२५६, २६२;
 ५११८, २४, २५, २८, ४४, ४८, ४६१२; ६८११,
 २० से २६; ७१११, ७११४ से १६, ७३, ७४,
 ७८, ६३, ६४, ६८ से १००, १८७, २०७
 सू ११४, २१, २७; २३; ३१; ६१; ८१;
 १०१६५, १७३; १२६; १८२७; १६१११,
 १६४, ८, ११, १४, १५४, १८, २०; २१११, ५
 उ ३१६
सयसाहस्रिय (शतसाहस्रिक) सू १६२६
सयसाहस्री (शतसाहस्री) ज ४२१; ६८; ७५८
सया (मदा) ज ७१२६, १७० सू १०७५, ७७,
 १३६, १७३; १६१, ११, २१; २०२
मयावरण (सदावरण) ज ३१०६ मसहरी

सर (शर) प १४११ ज ३२४१, २; ३२५, २६,
 ३१, ३५, ३८, ३६, ४७, १३११, २, १३२,
 १३३, १३५, १७८ उ ११३८
सर (सरस्) प २४, १३, १६ से १६, २८; ११७७
सर (स्वर) ज २१२, १३३; ३३; ४३, २५; ५२८;
 ७१७८
सरं (दे०) प १७६
सरग (शरक) ज ५१६ उ ३५६
सरड (सरट) प १७६
सरण (शरण) ज ३१२५, १२६; ५२१
सरणदय (शरणदय) ज ५२१
सरणाय (शरणागत) ज ३८१ उ ११२८
सरद (शरद्) सू १२१४
सरपंतिया (सरपंक्तिका) प २४, १३, १६ से १६,
 २८; ११७७
सरभ (शरभ) प १६४ ज १३७; २३५, १०१;
 ४२७; ५२८
सरय (शरक) उ ३५१
सरय (शरद्) उ ५२५
सरल (सरल) प १४३१, १४७१
सरलवण (सरलवन) ज २६
सरस (सरस) प २३०, ३१, ४१ ज २६५, ६६, ६६,
 १००; ३७, ६, १२, ८२, ८८, १८४, २११, २२२;
 ५१४, १५, ५५, ५८
सरसर (सरसरस्) ज ३१०२, १५६, १६२
सरसरपंतिया (सरसरपंक्तिका) प २४, १३, १६
 से १६, २८; ११७७
सराग (सराग) प ११००, १०१, १११ से ११४;
 १७३३
सरागसंजय (सरागसंयत) प १७२५
सरासन (शरासन) ज ३७७, १०७, १२४
 उ १३८
सरि (सदृक्) ज ३१६७१३ उ ३१७१; ४२८
सरिच्छ (सदृज) ज ३१८, ५२, ६१, ६६, १३१,
 १३६, १३७, १४१, १६४, १८०
सरित् (सदृश) प १४८३८; २३१ से ३३

ज १४१,४६; २१५,१६; ३१३,३५,७६,११६,
१३५,१८८; ४१५२,१०६,१६३,१७२,१७४,
१७७,२००,२०४,२१०,२१२,२२६; ७११७८
सू १०१६२; १६१३१,३५,३८ उ १११४८;
२१२२
सरिसय (सदृशक) ज १४६
सरिसव (सर्पप) प १४४१२,४५१२,१४७१२
ज २३७ उ ३३७,३८
सरिसवय (सदृशवयम्) उ ३३८
सरिसवय (सर्पपक) उ ३३८
सरिसवसमुग्ग (सर्पपसमुद्ग) ज ५१५५
सरिसवा (सदृशवयम्) उ ३३८,४०,४२
सरीणामय (सदृगनामक) ज १४६
सरीर (शरीर) प १११५,१४७१२,३,१४८५५३,
५७; ११३०; ३०१२; १४१५; १५११०,२३;
१६१२३; १७१११; २११११; २१३८,४० से
४२,४८,५३,५६,६१,६३ से ६६,६८ से ७१,
७४,८४ से ८३; २८११२,६८ से १०१;
१०६११; ३६१५६,६६,७०,७४ ज २४५,४७,
६०; ३१८२,८५.१०६.१३८ सू २०१७
उ ११६,३५,४२; ३१८,२६,३५,१२७,१४१;
४११२,१८
सरीरंगोवंगणाम (शरीराङ्गोपाङ्गनामन्) प २३३८,४२,६२
सरीरग (शरीरक) ज २१६६,१००,१०३,१०४,
१०७,१०८
सरीरणाम (शरीरनामन्) प २३३८,४१,८६ से
६३,१४६,१७३,१७४
सरीरस्थ (शरीरस्थ) प ३६१८५
सरीरपञ्जति (शरीरपञ्जति) प २८१४२,१४३
उ ३१५,८४
सरीरबन्धणाम (शरीरबन्धननामन्) प २३३८,
४३,६२
सरीरबाओसिया (शरीरबाओसिका) उ ४१२१,२२,
२८
सरीरय (शरीरक) प १२१२ से ५; २१११,२१६२

सरीरसंघातणाम (शरीरसंघातनामन्) प २३१४४
सरीरसंघायणाम (शरीरसंघातनामन्) प २३३८,
४४,६३
सख (स्वरूप) ज ५१४३
सललिय (सललित) च १११
सलाइया (शलाकिका) ज ५१५
सलाया (शलाका) ज ३११७; ५१५
सलिंगसिद्ध (स्वलिङ्गसिद्ध) प ११२
सलिंगि (स्वलिङ्गिन्) प २०६१
सलिल (सलिल) ज ३१७६,१०६; ४१३,२५,६४
सू ३११
सलिलबिल (सलिलविल) ज २१३१
सलिला (सलिला) ज ३१७६,११६; ४१३५,३७,४२,
७१,७७,६०,६४,१७४,१८३,२६२; ६१६११,
६१६ से २६
सलिलावई (सलिलावती) ज ४१२१२,४१२१२१
सलील (सलील) ज २१५
सलेस (सलेस्य) प १८६८; २८१२२,१२३
सलेस्स (सलेस्य) प ३१६६,१७१२८,५६
सल्ल (दे०) प १७६
सल्लई (सल्लकी) प ११३५११,११३७१
सल्लगसण (शल्यकर्तन) ज ५१५८
सर्वतीकरण (सर्वणीकरण) उ १४६
सवण (श्रवण) ज २१५; ३१२२५; ७१११३१,
१२८,१३०,१३६,१३८,१४१,१४६,१५६
सू १०११ से ६,८,२०,२३,२८,५६,६३,७५,
७६,६३,१२०,१२२,१३० से १३५; १५१६
सवणता (श्रवण) प २०१२८
सवणया (श्रवण) प २०११७,१८,२२,२५,२६,
३४,४५ उ ११७,३६,४०,४२,४३
सदहनावित (शपथश्रावित) उ ११५७,८२
सवालुइल (सवालुक) ज ३१०६
सविणय (सविणय) ज ३१८१
सविणु (सविणु) ज ७१३०,१८६
सविणदेवया (सविणुदेवता) सू १०८३
सविलेवण (सविलेपण) प ३६१८१

सविसय (सवविषय) प ११६७, ६८; २८१७, १८,
६३, ६४ ज ७४४६
सविसेत (सविशेष) ज २१६, ४११५६; ७७, ६६,
६० सू १८१६ से १३
सवेद (सवेद) प २८१४०
सवेदग (सवेदक) प ३१६७
सवेदय (सवेदक) प १८१५६
सवेयग (सवेदक) प ३१६७
सव्व (सर्व) प १११२ ज १७ चं १२ सू ११०
उ १७०
सव्वओ (सर्वतत्) प १७१०६ से १११; २८१११,
२८२१, ६७ ज १७, ६, २३, ३५; ४३, २१०,
२१४, २४१, २४२ सू ३१ उ ५८
सव्वओभद्द (सर्वतोभद्र) ज ३३२; ५४६१३
सव्वंग (सर्वज्ञ) ज २११५ उ १२३, ६१
सव्वकज्जवड्ढावय (सर्वकार्यवर्धापक) उ ३११
सव्वकामसमिद्ध (सर्वाकामसमृद्ध) ज ७११७१
सू १०८६१
सव्वकालत्ति (सर्वकालतृप्त) प २६४२०
सव्वक्खरसंनिवाड (सर्वाक्षरसन्निपातिन्) ज २७८
सव्वक्खरसंनिवाति (सर्वाक्षरसन्निपातिन्) ज ११५
सव्वखुड्डाय (सर्वशुद्धक) सू १११४
सव्वगम (सर्वग) ज ४६, १४, १४६, २५६; ७१६८,
१६६, २०१, २०३, २०५, २०७
सव्वज्जुणसुव्वणमत्ती (सर्वजुनस्वर्णमयी) प २६४
सव्वट्ठ (सर्वार्थ) ज ७१२२ सू १०८४३
सव्वट्ठसिद्ध (सर्वार्थसिद्ध) प ६११०
सव्वट्ठसिद्ध (सर्वार्थसिद्ध) प ११३८; २६३;
६१५६, ६२; २०६१; २११७ उ ५४१
सव्वट्ठसिद्धग (सर्वार्थसिद्धक) प ४२६७ से
२६६; ६४३; ७३०; १५१६०, ६३, १०१, १०६,
१०८, ११४, ११५, ११७, १२०, १२१, १२३,
१२५, १२८, १२९, १३२, १३६, १४३; २०४६;
२८१६७
सव्वण्णु (सर्वज्ञ) ज २७१; ५२१
सव्वतो (सर्वतत्) प २६४१३; २८२१, ३३, ६७;

ज ४१०७; ५१५, ७ सू १६२, १२, २६, २८
सव्वत्थ (सर्वत्र) प २३२; २१३५, ४२; २२२५;
३६४७ ज ३१०६; ४१५७, १८३; ७३७, १६७
सू १८३७ उ २२२
सव्वदरिसि (सर्वदर्शिन्) ज २७१; ५२१
सव्वपाणभूतजीवसत्तमुहावहा (सर्वपाणभूतजीव-
सत्त्वसुखावहा) प २६४
सव्वप्पभा (सर्वप्रभा) ज ५११११
सव्ववल (सर्ववल) ज ३१२, ७८, १८०, २०६;
५२२, २६
सव्ववर्धन्तराय (सर्ववर्धन्तरक) सू ११४
सव्वभाव (सर्वभाव) ज २७१
सव्ववरयण (सर्वरत्न) ज ३१६७, १७८
सव्वसिग्घगइ (सर्वशीघ्रगति) ज ७१८०
सव्वसिग्घगइतराय (सर्वशीघ्रगतितरक) ज ७१८०
सव्वसिद्धा (सर्वसिद्धा) ज ७१२१ सू १०६१
सव्वहेट्ठम (सर्वार्थस्तन) सू ६३
सव्वाजय (सर्वयुष्क) ज २८८; ३२२५
सव्वामयणासिणी (सर्वामयनाशिनी) ज ३१३८
सव्विदिय (सर्वेन्द्रिय) ज २१८
सव्वोउय (सर्वतुक्) ज २१२; ३३०, ३५, २२१; ५१५
उ ५१६
सव्वोहि (सर्वाधि) प ३३३१ से ३३
ससंभम (ससम्भ्रम) ज ३६; ५२१
ससक्कर (सशर्कर) ज ३१०६
ससग (शशक) प १६६ ज २१३६
ससविडु (शशविन्दु) प १४०१५
ससय (शशक) प ११२१
ससरीरि (सशरीरिन्) प २८१४१
ससरुहिर (शशरुधिर) प १७१२६
ससि (शशिन्) प २३१ ज २१५; ३१६, १७, २१,
२८, ३४, ४१, ४६, ६३, १०६, १३६, १५७, १६३,
१६७, १७७, २२२; ७११२२; ७१६८१
सू १०७७, १२६२; १६८२, १६२२३, २३,
२६, २६, ३१; २०४

ससिधा (शशिका) प १११२३

सस्स (शस्य) गु १०१२६४

सस्सिरीय (सश्रीक) प २१३०, ३१, ४१, ४८, ४९,

५९, ६३, ६४ ज ११३१; २१६४, ३१९, ३५, ११७,

१८५, २०९, २२२, ४१२७, ४९; ५१२८, ५८

उ ११४१, ४४

सह (सह) प २३१५६, १६०, १६४, १७५

ज २१५०, १६४; ४१०९, २०५; ७११३५४

उ ३१३८

✓ सह (सह) सहज २१६७

सहगत (सहगत) प २२११७

सहगय (सहगत) प २२१८०

सहजायय (सहजातक) उ ३१३८

सहपंसुकीलिय (सहप्रांशुकीलितक) उ ३१३८

सहरिल (सहर्ष) ज ३१८१

सहवडिदयय (सहवधितक) उ ३१३८

सहसम्मुड (स्वप्नस्मृति) प १११०११२

सहस्स (सहस्स) प २१२१ से २७, ३० से ३६, ४०५,

४१ से ४३, ४६, ४९ से ५२, ५५ से ५७, ५९,

५९११, ३; २१६३, ६४; ४११, ३, ४, ६, २५, २७, २८,

३०, ३१, ३३, ३४, ३६, ३७, ३९, ४०, ४२, ४३,

४५, ४६, ४८, ४९, ५१, ५२, ५४, ५६, ५८, ६२, ६४,

६५, ६७, ६९, ७१, ७३, ८१, ८५, ८७, ८८, ९०, ९४,

१२५, १२७, १३४, १३६, १४३, १४५, १५२,

१५४, १६५, १६७, १६८, १७०, १७४, १७६,

१८०, १८२, १८३, १८५; ६१४०; १२१९; १८१२,

६, ९, १२, १६, २०, २८, ३२, ३४, ३५, ४७, ५०,

५२, ८५; २०१६३; २११३८, ४१, ४३, ४५, ४७११,

२; २११६५, ६७, ८७; २३१६० से ६२, ६४, ६६,

७८, ८१, ८४, ९०, १११, १३३, १४७, १६७ से

१६९, १७१ से १७३, १७५ से १७७, १८२;

२८१२५, ४०, ४३, ६९, ७४ से ८७, ९७; ३६१६८,

८१ ज ११७१, १११६, १७, २०, २३, ४६, ४८;

२१४३, २१६, १६, ५२, ५६, ६५, ७१, ७७ से ८२,

८८, १२६, १३०, १३४, १३८, १४०, १४९, १५४,

१५९, १६१; ३१४४, १८, २२, ३०, ३१, ३६, ४३,

५१, ५६, ६०, ६८, ६९, ६९, १०६, ११७, १२०,

१२२, १२६३; ३११३०, १३६, १४०, १४५,

१४९, १६३, १७२, १७५, १८०, १८५, १८६,

१८८, १८९, २०९, २१०, २१४, २१५, २१९,

२२१, २२४; ४११, २७, ३५, ३७, ४२, ४५, ५२,

५५, ५७, ६२, ६४, ७१, ७७, ८१, ८६, ८८, ९०, ९१,

९४, ९८, १०३, १०८, ११०, ११४, ११६, १५१११,

१६५, १६७, १६९, १७४, १७८, १८३, २००,

२०५, २१३, २१५, २३४, २४०, २५७ से २५९,

२६२; ५१२८, ३२, ४३, ४८, ४९११, ५०, ५२११,

५३, ५५, ५६; ६१८१, १९ से २६; ७१११, ७८

से २५, ३१, ३३, ३४, ५४, ६७ से ८४, ९५, ९६,

१२७, १७०, १७८१, २, १८३, १८८, १८९, २०७

गु ११४, २० से २२, २६, २७; २११, ३; ३११;

४१३ से ८, १०; ६११; ८११; ९१३; १०१३५, १६४;

१२१२ से ७, ९; १८११, ४, २०, २१, २६, २८,

२९; १९१११, १९१४, ५१३, ७, ८३, १०, ११११,

३, ४; १९११४, १५११, ३, ४, १९११८, १९,

१९१२१२, ४, ५, ७, १९१२२२, ३२, १९१३०

उ ११४, १५, २१, २२, २५, २६, १२१, १२६,

१३२, १३३, १३६, १३७, १४०, १४७, ३१७, ९१,

११०, ११११; ४१६, १८; ५११७, ३७

सहस्सकव (सहस्सक) प २१५० ज ५१८

सहस्सगलो (सहस्सगलो) प ११२०, २३, २६, २९,
४८

सहस्सपत्त (सहस्सपत्त) प ११४६ ज ३१८६; ४१३,

२२, २५, ३०, ३४; ५१५५

सहस्सपत्तहत्थगय (हत्थगतसहस्सपत्त) ज ३११०

सहस्सपाग (सहस्सपाग) ज ५११४

सहस्सरस्ति (सहस्सरस्ति) उ ३१४८, ५०, ५५, ६३,

६७, ७०, ७३, १०६, ११८

सहस्सवत्त (सहस्सवत्त) प ११४८४४

सहस्सार (सहस्सार) प १११३५; २१४९, ५७, ५८

५९११, ६३; ३१३६, १८३; ४१२२२ से २५४;

६१३४, ५६, ६५, ८९, ९२, १०९; १५१८८;

२०१५९, ६१; २११७०, ९१; २८१८२; ३४१६, १८

ज ५४६१२ उ २१२२
 सहस्रसारग (सहस्रसारक) प ६१११२; ७११५;
 ३३११६
 सहस्रसारगडैल्य (सहस्रारावतंसक) प २१५७
 सहि (सखि) ज २१२६, ६६
 सहित (सहित) सू १६१२२१२५
 सहिय (सहित) प २६१२१ ज २११५; २३११, ६५,
 १५६; ७११५६१२ सू २००८, २००८१२
 सहोदर (सहोदर) उ ११६५
 साइ (स्वाति) ज ७११२८, १३४१२, १३५१२, १३६,
 १४०, १४६, १६५, १७५
 साइम (वाद्य) उ ३१५०, ५५, १०१, ११०, १३४;
 ४१२६
 साइवार (गातिचार) प ११२६
 साइरेग (सातिरेक) प १५७६; २३१६५ ज १३५,
 ४०, ५१; २१२२८, १४८; ४६, ४४ २३, ३१, ३८,
 ४१, ६५, ६८, ७३, ६०, ६१, ११६, ११६, १२२,
 १३६, १४६, १४७, २१६, २४२; ७१२५, १६६,
 २०७ सू ८११; १५१३७
 साजफल (स्वाहुफल) ज २११२
 साएय (साकेत) प ११६३१२
 सागर (सागर) प २१६८; ३३, ७६, ७६, ८१, १०५,
 ११६, १२६४, १२८, १५१, १७०, १८५, १८८,
 २०६, २२१; ४१६२११, २३६; ५३२, ५८
 ज २१६८; ३३, ७६, ७६, ८१, १०५, ११६,
 १२६४, १२८, १५१, १७०, १८५, १८८, २०६,
 २२१; ४१६२११, २३६; ५३२, ५८ सू १६१३१
 उ २११२, ५११०
 सागरकूड (सागरकूट) ज ४१६४
 सागरचित (सागरचित) ज ४१२३८
 सागरचितकूड (सागरचितकूट) ज ४१२३६
 सागरोज्य (सागरोपम) प ४११, ३, ४, ७, ६, १०,
 १२, १३, १५, १६, १८, १६, २१, २२, २४, २५, २७,
 ३१, ३३, ३७, ३६, २०७, २०६, २१३, २१५,
 २२५, २२७, २३७, २३६, २४०, २४२, २४३,
 २४५, २४६, २४८ २४६, २५१, २५२, २५४,

२५५, २५७, २५८, २६०, २६१, २६३, २६४,
 २६६, २६७, २६८, २७०, २७२, २७३, २७५,
 २७६, २७८, २७९, २८१, २८२, २८४, २८५,
 २८७, २८८, २९०, २९१, २९३, २९४, २९६,
 २९७, २९८; १५१२, २१६, १६, २४, २८, ३१,
 ३३, ४२, ४४, ४६, ४८, ४९, ५४, ६१, ६६ से ७४,
 ७६, ७६, ८४, ८५, ८७, ११३, ११६; २३१६० से
 ६६, ८८, ८९, ७३ से ७८, ८१, ८३ से ८०, ८२,
 ८५ से ८६, १०९ से १०४, १११ से ११४,
 ११६ से ११८, १२७, १८६ से १३१, १३३ से
 १३५, १३८, १४०, १४२, १४३ १५१, १५३, १५५
 से १५७, १६०, १६४, १६६ से १६८, १७१ से
 १७३, १७५ से १७७, १८२, १८३, १८६, १८७,
 १९० ज २१५, ८१, १५४, १८१, १२६, १५४,
 १६०, १६३ सू ६११; ८१ उ ११२८, १४०;
 ३११५०, १६४, १६६, १०१; ५१७६, ४२

सागार (सागर) प २१७४१२; २३१६५, १६६ से
 २०१; २६१११; ३०१६६, ८८
 सागारपत्ति (सागरपत्ति) प ३०१५ से १८,
 २०, २२, २३
 सागारपाठनता (सागरपाठनता) प ३०१७
 सागारपाठनता (सागरपाठनता) प ३०११, २, ५, ६,
 ८ से १२, १६, २१
 सागारपाठनता (सागरपाठनता) प २०१३६
 सागारोवज (सागरोवज) प ३१०६, १७४;
 १३१६४; १५१६३; २६१६ से २१; ३६१६२
 सागारोवज (सागरोवज) प २६११, २, ५, ६,
 ८, ९, १२
 सागारोवजोवज (सागरोवजोवज) प १३१८
 सागार (सागर) ज ३११२५, १२६
 सागार (सागर) ज १११, ५२, ७६, ७७
 सागार (सागर) ज ११२१, ५२, ७६, ७७
 सागार (सागर) प १११५१ ज २१६२

सारंग (सारङ्ग) प ११५१ ज ३३
 सारकल्लण (सारकल्याण) प ११४३१
 √सारकख (सं+रक्ष्) सारकखति ज २१४६, ५२,
 ५६ सारकखस्मंति ज २११५६, १६१
 सारकखमाण (संरक्षत्) उ ११५७, ५८, ८२, ८३
 सारकखज्जमाण (संरक्ष्यमाण) उ ३१४६
 सारकखत्ता (संरक्ष्य) ज २१४६
 सारय (शारद) ज ३१११७
 सारस (सारस) प ११७६ ज २१२ उ ५१५
 सारहि (सारथि) ज ३३५, १७८
 सारिख (सादृश्य) प २१६४१८
 सारीर (शारीर) प ३५१११; ३५१६, ७
 सारीरमाणस (शारीरमाणस) प ३५१६, ७
 साल (शाल) प ११३५१, ११४३१, ११४८१, २४
 सू २०८, २०८८
 सालवण (शालम्बन) ज ३१६६ से १०१
 सालभंजिया (शालभञ्जिका) ज ११३७; ५१३, २८
 सालवण (शालवन) ज २१६
 साला (दे०) प ११३५, ३६, ११४८३३, ३७
 सालि (शालि) प ११४५१ ज २१३७; ३११६;
 ४१३३; ७१७८
 सालिगण (शालिगण) सू २०१७
 सालिपिट्टराशि (शालिपिट्टराशि) प १७१२८
 सालिसच्छियामच्छ (शालिसाक्षिकामत्स्य) प ११५६
 सालिस्तय (सादृश्य) सू २०१७
 सावइज (स्वापतेय) ज २१२४, ६४
 सावगधम्म (आवकधर्म) उ ३१४५, ७६, १०३, १०४;
 १४३; ५१२०
 सावण (आवण) ज २१३८; ७१०४, ११४ १२६
 सू १०११२४, १२६ उ ३४४०
 सावतेय (स्वापतेय) ज २१६६
 सावत्थी (आवत्थी) प ११६३५ उ ३१६ से ११, २१
 सावय (स्वापद) ज २१३६
 सावय (आवक) ज ७१२१४
 सावयबहुल (स्वापदबहुल) ज १११८

साविट्ठी (आविष्ठी) ज ७१३७, १३८, १४१,
 १४७, १५०, १५४ सू १०१७, ८, २०, २३, २५, २६
 साविया (आविषा) ज ७१२१४
 सावैत (आवयत्) ज ३११७८
 सास (स्वास) ज २१४३
 सास (सम्य, शम्भ) ज ७१११२४
 सासग (सम्यक, शम्यक) प ११२०१२
 सासग (शासक) ज ३१३५
 सासण (शासन) ज ३१८१, १५१ उ ११३६
 सासत (शाश्वत) ३६१६४
 सासय (शाश्वत) प २१६४, २१६४२०, २२;
 ३६१६३, ६४, ६४११ ज ११११, ४७; ३१२२६;
 ४१२२, ३४, ५४, ६४, १०२, १०७, ११३, १५६,
 १६१; ७१२०८ से २१०
 सासचसमुग्यहृत्थगय (हस्तगतसर्षपसमुद्गत)
 ज ३१११
 सासैत (शासत्) ज ३११७८
 √साह (साधय्) साहेइ उ ३१५१
 साहट्टु (गृह्य) ज ३११२ उ ११२२
 √साहर (गं, ह्) साहरइ ज २१६५; ३१२६, ३६,
 ४७, १३३; ५१२१, ५८ साहरति ज २१६६;
 ५११५, ७०, ६८, ११० साहरइ ज २१६५, ६७,
 १०६; ५११४, ८६ साहरहि ज ५१६८
 साहरिज्जमाण (गृह्यमाण) ज ४११०७
 साहरिस्ता (गृह्य) ज २१६५
 साहस्तिग (साक्षिक) सू १११२३, २६ उ ३१६१
 साहस्ती (साहसी) प ३१३० से ३३, ३५, ४१, ४३,
 ४८ से ५६ ज ११४५; २१७४ से ७७, ६०;
 ३१२२१; ४१७३, १६, २०, ११२, ११३, १२६,
 १५०, १५११, १५६; ५११, ५, ६, १६, ३६, ४०,
 ४८ से ४६, ४६ से ५३, ५६, ६५, ६७; ७१५५,
 १७८, १८५ सू ११११४ से १७, २१, २३
 उ ३१६, १२, २५, ६० १५६, १६६; ४१५; ५११०
 साहारण (साधारण) प ११४८१, ५४, ५५, ६०
 साहारणसरीर (साधारणसरीर) प ११३२, ४८

साहारणसरीरणाम (साधारणशरीरनामन्)

प २३३३८, १२१

साहाविय (साहाभाविक) ज ५१५५

√साहि (कथय) साहिज्ज प १७११२६

साहिज्जति प १७११२६ साहिज्जति

प १७११२६

साहिय (साधिक) प ४१२४० ज २१६६; ३१७६,

११६, ११८; ७११६४

साहीय (साधिक) प २१६४०

सगु (साधु) चं ११२

साहेत्ता (साधित्ता) उ ३१५१

सिर्जिडि (दे०) प ११४८१

सिंग (शृङ्ग) ज ३११०६; ५१६३; ७११७८

सिंगम (शृङ्गम) ज ३१२४

सिंगवेर (शृङ्गवेर) प ११४८१२; १७११३१

सिंगवेरचुण्ण (शृङ्गवेरचूर्ण) प १११७६; १७११३१

सिंगभूत (शृङ्गभूत) ज ३११८६

सिंगभूय (शृङ्गभूत) ज ३१२१७

सिंगमाल (शृङ्गमाल) ज २१८

सिंगार (शृङ्गार) प ३४११६, २१ ज २११५

सू २०१७

सिंगारागार (शृङ्गारगार) ज ३११३८

सिंगिरिडि (शृङ्गिरिडि) प ११५१११

सिंघाडय (शृङ्गाटक) प ११४८१६ ज २१६५;

३१६५, २१२, २१३; ५१७२, ७३ उ ११६८

सिंघाडय (दे०) सू २०१२ राहु का नाम

सिंघाण (सिंघाण, सिंघाण) प ११८४

सिंघुवार (सिंघुवार) प ११३७४, ११३८१

ज २११०; ३१३५

सिंघुवारवरमल्लदाम (सिंघुवारवरमाल्यदामन्)

प १७११२८

सिंदूर (सिंदूर) ज ३१३५

सिंधु (सिंधु) ज १११८, २०, ४८; २१३१, १३३,

१३४; ३१, ५१, ५२, ५४ ६०, ७६, ७८, ८६,

१११, ११३, १२८; ४१३७, १६७, १७४ से १७८,

२७४; ६११६

सिंधुआवत्तणकूड (सिंधुआवत्तणकूट) ज ४१३७

सिंधुकुंड (सिंधुकुण्ड) ज ११५१; ४११७४, १७५

सिंधुकूड (सिंधुकूट) ज ४१४४

सिंधुगम (सिंधुगम) ज ३१६४, १५१

सिंधुदेवी (सिंधुदेवी) ज ३१५१, ५२, ५४, ५६, ५७,

५८

सिंधुद्वीप (सिंधुद्वीप) ज ४१३७

सिंधुप्पवायकूड (सिंधुप्रपातकुण्ड) ज ४१३७

सिंधुसागरंत (सिंधुसागरान्त) ज ३१८१

सिंधुसोवीर (सिंधुसौवीर) प ११६३१४

सिंभिय (जलधिक) उ ३१११२, १२८

सिंहल (सिंहल) प ११८६

सिंहलय (सिंहलक) ज ३१८१

सिंहली (सिंहली) ज ३११११

सिंहासण (सिंहासन) ज ११४४

सिक्खा (शिखा) प १११४६ उ ११२०

सिखिय (शिक्षित) ज ३११७८; ७११७८

सू २०१६३, ५

सिंघ (शीघ्र) ज २१६०; ३१२६, ३६, ४७, ५६, ६४,

७२, १०६, ११३, १३३, १३८, १४५, ५१५, २८,

४४, ४७, ६७ सू २१३; १५११, ३७; १८१८

सिंघगइ (शीघ्रगति) ज ७११८० चं २१४, ४१२

सू ११६४, ११८२

सिंघगामि (शीघ्रगामिन्) ज ३१३५, १०६

सिंघया (शीघ्रता) ज ३११०६

√सिज्ज (सिद्ध) सिज्जह प ३६१८८ सिज्जह

प २१६७२, ३ सिज्जति प ६१५७, ६७, ११०

ज ११२२, ५०; २१५८, १२३, १२८, १४८;

४११०१, १७३ सिज्जति प ३६१६२

सिज्जहि उ १११४१; २१२०; ३११८; ४१२६;

५१४३ सिज्जति ज २१५१, १५७

उ २१२२; ४१२८ सिज्जेज्जा प २०११८

सिज्जया (सिद्ध) प ६१२, ४४

सिणेहभाव (स्नेहभाव) ज २।१४३

सित्त (सित्त) प २।३१

सित्त (सित्त) ज २।६५; ३।७, ११६; ५।५७

सिद्ध (सिद्ध) प १।१।१, १।१३; २।६४, २।६४।२ से
४, ६ से १२, १४, १६, १८, २० से २२; ३।३७ से
३६, १८३; ५।३; ६।४४, ४६, ५७, ५६, ६७, ६६;
११।३६; १२।७, १०, २०; १६।२५, ३०, ३२, ३३,
३५, ३७; १८।७; १९।५; २०।२५; २०।१०७, ११०,
११३, ११४, १२०, १२१, १२४, १२५, १३१,
१३८, १३९, १४१; ३१।६; ३२।६; ३६।६३, ६४
ज २।५।१, २।५।८, ५।८, ३।२२५; ४।१६२।१,
१७२।१, २०४।१, २१०।१, २६३।१, २६६।१;
५।५८; ७।११७ जं १।२

सिद्धकेऽति (सिद्धकेऽतिन्) प १८।६८, १००

सिद्धगति (सिद्धगति) प ६।५

सिद्धत्व (सिद्धार्थ) उ ५।२६, २८

सिद्धत्व (सिद्धार्थ) ज ३।२०६; ५।५५, ५६

सिद्धत्वव्यय (सिद्धत्वव्ययन्) ज २।६५

सिद्धत्विया (सिद्धत्विया) प १७।१३५

सिद्धत्वयोरम (सिद्धत्वयोरम) ज ७।११७।१

सू १।५८६।१

सिद्धाय जगुड (सिद्धाय तनकुट) ज १।३४ से ३६,
४१; ४।४४, ४५, ४८, ७६, ८६, १०५, १०६,
१३६, १३७, १६०, १६६, १६७, १६८, २१०,
२११, २३५, २३७, २४२, २६३

सिद्धायव्यय (सिद्धाय तन) ज ४।१४७, १६३, १८०,
२१६, २१७, २२०, २३५, २३७, २४२

सिद्धायव्ययजगुड (सिद्धाय तनकुट) ज ४।२१२, २७५

सिद्धाव्यय (सिद्धाव्यय) प २।६४

सिद्धि (सिद्धि) प २।६४; ३६।८३।२

सिद्धिगड (सिद्धिगति) ज ५।२१

सिष्प (सिष्प) ज २।६४; ३।१६७।७; ५।५, ७

सिष्पारिष (सिष्पारिष) प १।६२, ६७

सिष्पिया (सिष्पिया) प १।४२।२

सिष्पिसंयुड (सिष्पिसंयुड) प १।४६

सिब्बिया (सिब्बिका) ज २।१०१, १०२

सिब्ब (सिब्बन्) ज २।१३३

सिय (स्यान्) प १।४८; ५।५, १०, २०, ३०, ३२,
१०२, १२६, १३१, १३२, १३४, १६०, १७७,
१६३, २१४, २२८; ६।११५, ११६; १०।७ से
१३, १७, १६, २०, ३१, ३२, ३४, ३६, ३८, ४०,
४२, ४४, ४६, ४८, ५०, ५२; ११।२, ३; १२।६,
२४, ३२, ३३; १५।५३, ५४, ६१, १२२, १२३;
१७।६४, ६५, १०२ से १०४, ११६, १५०, १५२;
२१।६५, ६८ से १००; २२।२६, २६, ३०, ३२,
३३, ३८ से ४०, ४२, ५० से ५२, ६७ से ६६,
७१, ७४, ६१, ६३, ६७, ६६; २८।३१, १०६,
१११, ११५, ११७, १२०, १२२, १२५, १२८,
१२९, १३२, १४३; ३६।१४, १७, १६, २२, २३,
२५, २७, ३३, ३४, ६२, ६३, ७७ ज ७।२०८, २०९

सिया (स्यान्) ज ५।७

सियाल (श्रुगाल) प १।६६; ११।२१ ज २।३६,
१३६

सियाली (श्रुगाली) प ११।२३

सिर (शिरम्) ज २।१३३; १८०, २२१

सिरय (शिरस्क) प २।४६ ज २।१५; ३।६, १८,
६३, १८०, २२२

सिरसावत्त (शिरसावर्त) ज ३।५, ६, ८, १२, १६,
२६, ३६, ४७, ५३, ५६, ६२, ६४, ७०, ७२, ७४,
७७, ८४, ८८, ९०, १००, ११४, १२६, १३३,
१३८, १४२, १४५, १५१, १५७, १६५, १८१,
१८६, २०५, २०६, २०६; ५।५, २१, ४६, ५८
उ १।३६, ४५, ५५, ५८, ८०, ८३, ६६, १०७,
१०८, ११६, ११८, १२२; ३।१०६, १३८; ४।१५;
५।१७

सिरसिज (शिरसिज) ज ३।१३८

सिरि (श्री) ज २।८, ६, १५; ४।२।१, ४।१७ से २०,
२२; ५।१११, ५।३८; ७।२१३

सिरिकंता (श्रीकंता) ज ४।१५।२, २२।१

सिरिकंदलग (श्रीकंदलग) प १।६३

सिरिकूड (श्रीकूट) ज ४४४
 सिरिघर (श्रीगृह) ज ३२२०
 सिरिचंद्रा (श्रीचन्द्रा) ज ४१५५, २२४१
 सिरिभिलया (श्रीभिलया) ज ४२२४१
 सिरिदाम (श्रीदाम) ज ५१६७
 सिरिदेवित्त (श्रीदेवित्त) उ ४२४
 सिरिदेवी (श्रीदेवी) उ ४५५
 सिरिनिलया (श्रीनिलया) ज ४१५५२
 सिरिमहिया (श्रीमहिया) ज ४१५५२, २२४१
 सिरिबोडेत्य (श्रीबोडेत्य) उ ४५५
 सिरिबडैय (श्रीबडैय) उ ४२४
 सिरिबच्छ (श्रीबच्छ) ज ३३, ७६, ११६, १७५;
 ४२५
 सिरिबच्छः (श्रीबच्छः) ज ५४६३
 सिरिसंभूया (श्रीसंभूया) ज ७१२०१
 सू १०५५१
 सिरिहिरिधित्त (श्रीहिरिधित्त) (श्रीह्रीधृतिवीति-
 पतिवित्त) उ ११५६, ११५, ११६
 सिरिय (श्रीय) ज ३५२
 सिरिस (श्रीस) १२२३३
 सिरिय (श्रीय) ज ३५५१
 सिला (श्रीला) प १२२३, २३३ ज २२४, ६४,
 ६६; ३२५, ११६, १६७, ५५; ४२४५, २४६
 ५५१, २५५
 सिलिध (श्रीलध) प २३३१, २३७०१०
 सिलुच्छ (श्रीलुच्छ) उ ५१२
 सिलत (श्रीलत) ज २३७२
 सिलोच्छ (श्रीलोच्छ) ज ४२६०१
 सिव (श्रीव) प २३७, २४४ ज २३७, ३१५,
 २०६; ५५२, २१, ५५; ७११७१ सू १०१२७१
 १४१, ४४; ३२१, १७१
 सिसिर (श्रीसिर) उ ७११७१ सू १०१२७१
 सिस्स (श्रीस्स) प २३३
 सिस्सिभिक्खा (श्रीस्सिभिक्खा) उ ४१६
 सिस्सिभिक्खा (श्रीस्सिभिक्खा) उ ४१६

सिस्सिणीभिक्खा (श्रीस्सिणीभिक्खा) उ ४१६
 सिंहिंठि (श्रीसिंहिंठि) ज ३१७५
 सिहर (श्रीहर) प २३५ ज १३७; ३२४;
 ४४६; ५४३ उ ५५५
 सिहरतल (श्रीहरतल) ज १३२, ३३; ४२४१
 सिहरि (श्रीहरि) प २३३; २३३० ज ३१५६,
 २१७; ४२७१, २७३, २७४, २७७
 सिहिकूड (श्रीसिहिकूड) ज ४२७५
 सिहरिसंठाणसंठिय (श्रीसिहरिसंठाणसंठिय)
 ज ४२७६
 सिहि (श्रीसिहि) ज २३३७
 सीउण्ह (श्रीसीउण्ह) ज २३३३; ३३३५
 सीओदध्वविकूड (श्रीसीओदध्वविकूड) ज ४६२
 से ६४
 सीओद (श्रीसीओद) ज ४६३, ६४
 सीओदकूड (श्रीसीओदकूड) ज ४६६
 सीत (श्रीसीत) प १५७, ७ से ६५७, २११, २१२,
 २१४, २१५, २१५, २२० से २२६; ६१ से ११;
 २५१०५; ३५१६; ३५१११
 सीतजोणिय (श्रीसीतजोणिय) प ६१२
 सीतल (श्रीसीतल) सू २०२
 सीता (श्रीसीता) प २३४ सू २३३
 सीतलीय (श्रीसीतलीय) सू २३३
 सीतलीय (श्रीसीतलीय) प २३३
 सीतोदा (श्रीसीतोदा) ज ४६१, ६२, ६५, २१०१,
 २१२, २१५, २२६ से २२८; ६२२
 सीतोदामुहणसंड (श्रीसीतोदामुहणसंड) ज ४२१२
 सीतोदामुहणसंडिय (श्रीसीतोदामुहणसंडिय) प ६१२
 सीतोलेण (श्रीसीतोलेण) प ६११ से ११; ३५१ से ३
 सीधु (श्रीसीधु) उ १३७, ७६, ७४
 सीभर (श्रीसीभर) उ १६७
 सीभर (श्रीसीभर) ज २३६, ६०
 सीभर (श्रीसीभर) ज २३६, ६०
 सीभर (श्रीसीभर) प २३५
 सीभर (श्रीसीभर) प २३५

सीय (शीत) प ११४ से ६; ५१५, १२६, १५४,
 २१०, २१३ से २१५, २१७ से २१६, २२१;
 ११५६, ६०; १७१३८; २८१२०, ३२, ६६,
 १०५; ३५१२, ३ ज २१३१, १३४ उ ३१२८
 सीयउरय (दे०) प ११३७३
 सीयल (शीतल) ज २१२०; ४१३, २५
 सीया (शिक्षिका) ज २१२२, ३३, ६४, ६५, १०३, १०४
 उ ३११०, १११; ४१६, १८
 सीया (शीता) ज ११६; ४११०, १४१, १४३,
 १६२१, १६७, १६६, १७२, १७४, १७७, १७८,
 १८०, १८१, १८३ से १८५, १८७, १८६ से
 १८१, १८३, १८६, १८७, १८६ से २०२, २१२,
 २१५, २२६, २२७, २३२, २३३, २६२, २६३१;
 ५१२०१; ६१२२; ७१२२
 सीयामहानदी (शीतामहानदी) ज ४१२००
 सीयामुहवण (शीतामुखवन) ज ४११६६ से २०२
 सीयाखीसा (सप्तचत्वारिंशत्) ज ७१२० सू ४१०
 सीयोद्या (शीतोद्या) ज ४१२०६, २०७, २०८, २१२,
 २२८
 सीयोद्यामुह (शीतोद्यामुख) ज ४१२१२
 सील (शील) प २०११७, १८, ३४ ज ३३; ५१५
 सीवण्णी (श्रीवर्णी) प ११३५३
 सीस (शीर्ष) उ ११६७; ३११४; ४१२१
 सीसपहेलियंग (शीर्षप्रहेलिकाङ्ग) ज २४
 सीसपहेलिया (शीर्षप्रहेलिका) ज २४ सू ८१
 सीसय (सीसक) प ११२०१
 सीसवा (शिक्षा) प ११३५३
 सीसवेवणा (शीर्षवेवणा) ज २४३
 सीसाखंड (सीसखण्ड) प १११७४
 सीसिणिभिक्खा (शिक्षाभिक्षा) उ ३११२
 सीह (सिंह) प ११६६; २१२०, ४६; ६१८०१;
 ११२१ ज २११५, ३६, १३६ उ ११३३; २१८
 ५१२, १५
 सीह (सोद्य) ज २१३६, १३६; ३१२६, ३६, ४७, ५६,
 ६४, ७२, ११३, १३३, १३८, १४५; ५१५, ४४, ४७,
 ६७

सीहकण (सिंहकर्ण) प ११८६
 सीहकणी (सिंहकर्णी) प ११४८१
 सीहगड (शीघ्रगति) ज ७१६८१२
 सीहघोस (सिंहघोष) ज २११६
 सीहणाद (सिंहनाद) सू १६१२३
 सीहणाय (सिंहनाद) ज ३१२२, ३१, ३६, ७८, ६३,
 ६६, १०६, १६३, १८०; ५१२, ५७; ७१५५, १७८
 उ ११३८
 सीहणिसाइ (सिंहनिपादिन्) ज ७१३३३३
 सीहणीसाइसंठिय (सिंहनिपादिसंस्थित) सू १०१५४
 सीहनाय (सिंहनाद) उ ११३८
 सीहपुरा (सिंहपुरा) ज ४१२१२, २१२१२
 सीहमुह (सिंहमुख) प ११८६
 सीहखूधारि (सिंहखूधारिन्) ज ७११७८
 सू १८१४ से १७
 सीहस्सर (सिंहस्वर) ज २११६
 सीहसीया (सिंहसीता, शीघ्रसीता) ज ४१२१२
 सीहासन (सिंहासन) ज ३१२, ६, १२, २६, २८, ३६,
 ४१, ४७, ४६, ५८, ६६, ७४, १३३, १४५, १४७,
 १७८, १८८, १८७, २०४, २१४, २१६, २२२;
 ४१५०, ५३, ५६, ११२, ११६, १२३, १३५, १४७,
 १५५, २२३१, २२४१, २४८, २५० से २५२;
 ५११३, १४, १८, २१, ३६, ३६ से ४१, ४७, ५०,
 ५५, ६० सू १८१२३ उ ११४१; ३१६, २५, ६०,
 ६१, १३६, १५६; ४१५
 सीहासनहस्थगय (हस्तगतसिंहासन) ज ३१११
 सीही (सिही) प १११२३
 सु (सु) ज १११३, ३७; २१६, १२, १५; ३१६, १२, २८,
 ३५, ४१, ४६, ५८, ६६, ७४, ११७, ११६, १३८,
 १७८, २२२; ४१३, १०२, १२८, १४६, १५७,
 १७८, १८०, १८१, १८२, २०२, २०४, २११;
 ५१५, ७, ६, ५३; ७१२०
 सुइ (शुचि) २११५; ३१६, २२२; ४१२६; ५१५७
 सुइग (शुचिक) ज २१६५; ३१७
 सुइभूय (शुचीभूत) ज ३१८२ उ ३१५१, ५६
 १. वनस्पति कोश में सिंहपर्णी शब्द मिलता है ।

सुईभूय (सुचीभूत) उ ४।१६
 सुउत्तार (सूत्तार) ज ४।३, २५
 सुंकलितण (सूकरीतृण) प १।४२।२
 सुंगा (शौङ्गा) ज ७।१३२।३
 सुंगाघण (शौङ्गायन) म १०।११४
 सुंठ (शुण्ठी) प १।४२।२, १।४८।४६
 सुंदर (सुन्दर) ज २।१५; ३।१३८; ७।१७८
 सुंदरी (सुन्दरी) ज २।१५, ७५
 सुंब (सुम्ब) प १।४१।१
 सुंभुमार (सुंभुमार, शिभुमार) प १।५५, ६०
 सुकच्छ (सुकच्छ) ज ४।१७८, १८१ से १८३
 सुकण्ह (सुकण्ह) उ १।७
 सुकत (सुकृत) प २।३१, ४१
 सुकय (सुकृत) प २।३१, ४१ ज १।३७; ३।७, ६,
 १८, २४, ३५, ६३, १०६, १७८, १८०, २२२;
 ७।१७८
 सुकरण (सुकरण) ज ३।३५
 सुकाल (सुकाल) उ १।७, १।४६, १।४७; २।१८, १६
 सुकाली (सुकाली) उ १।१४५, १।४६; २।१७, १८
 सुकुमाल (सुकुमार) ज २।१५; ३।३, ६, १०६,
 २०६, २११, २२२ उ १।१४६
 सुकुल (सुकुल) ज ३।१०६
 सुकुशल (सुकुशल) ज ३।११६
 सुक्क (सुक) प १।८४, १।३५; २।४८, ६३ सू २०।८,
 २०।८।४ उ ३।२।१, ३।२५, ८३, ८६
 सुक्क (सुक्क) प १।३।६
 सुक्क (सुक्क) उ ३।१२८
 सुक्क (सुक्क) उ ३।३५ से ३७, ४०, ४३
 सुक्कपक्ख (सुक्कपक्ख) ज ७।११५, १२५
 सू १।६।२।१।८
 सुक्कछिवाडिया (दे०) प १।७।१२८
 सुक्कलेस (सुक्कलेस्य) प १।७।५८, १०४, १६८;
 २३।२००
 सुक्कलेसदठण (सुक्कलेस्यस्थान) प १।७।१४६
 सुक्कलेसा (सुक्कलेसा) प १।७।४७, १३६

१. शौङ्गायन गोत्रस्य संक्षिप्त रूपम् ।

सुक्कलेसस (सुक्कलेस्य) प ३।६६; १३।१८, २०;
 १।७।३५, ५६, ५८, ६३ से ६६, ७१, ७३, ७६ से
 ८१, ८३, ८४, ८६, ८६, १०४, ११३, १६७;
 १८।७४, २३।२०१; २८।१२३
 सुक्कलेससदठण (सुक्कलेस्यस्थान) प १।७।१४६
 सुक्कलेसा (सुक्कलेसा) प १।६।४६, ५०; १।७।३५,
 ३६, ३८, ४१, ४३, ५४, ११४, ११७ से १२२,
 १२६, १३५, १३७, १४० से १४५, १४७, १५३
 से १६१
 सुक्कलेसापरिणाम (सुक्कलेस्यपरिणाम) प १।३।६
 सुक्कवडिसय (सुक्कवतसक) उ ३।२५, ८३
 सुक्किल (सुक्किल) प १।४ से ६; ५।५, ७, २०५;
 १।१।३३, ५४; १।३।२६; २।३।४७, १०१, १०६;
 १०६; २०।६, ७, २६, ३२, ५३, ६६ ज १।१३;
 २।७, १६४; ३।२४, ३१; ४।२६, ११४ सू २०।२
 सुक्किलपत्त (सुक्किलपत्र) प १।५१
 सुक्किलमत्तिया (सुक्किलमृत्तिका) प १।१६
 सुक्किलमुत्तय (सुक्किलसूत्रक) प १।७।११६
 सुक्किलय (सुक्किलक) प १।७।१२६ सू २०।२
 सुक्किल्ल (सुक्किल) प २८।५२
 सुग (सुक) प १।७६
 सुगइगामि (सुगतिगामिन्) प १।७।१३८
 सुगंध (सुगन्ध) प २।३०, ३१, ४१ ज २।१५, ६५;
 ३।७, १२, ८८, २११; ५।७, ५५ सू २०।७
 उ ३।१३१
 सुगंधि (सुगन्धिन्) ज २।१२
 सुगंधिय (सुगन्धिक) प १।४६
 सुगपत्त (सुकपत्र) ज ३।१०६
 सुगूढ (सुगूढ) ज २।१५
 सुघोसा (सुघोषा) ज ५।२२, २३, २४, ४६
 सुक्क (सुक्क) ज ३।३५
 सुक्करिय (सुक्करित) ज २।७१
 सुक्किण (सुक्कीर्ण) ज १।१३, ३०, ३३, ३६; ४।२
 सुजाणु (सुजानु) ज २।१५
 सुजाय (सुजात) ज २।१४, १५; ३।१०६; ४।३, २५,
 १५७; ७।१७८

सुजाया (सुजाता) ज ४११५७२

सुजोडय (सुयोजित) ज ७११७८

सुज्झ (दे०) ४३, २५

सुट्ठिय (सुस्थित) ज ७११७८

√सुण (शृ) सुणंनु ज ३१२४१, २, ३११३११, २

सुणहं प २१६४१८ सुणोइ प १५१३६

सुणेति प १५१३६, ४०

सुणग (शुनक) प ११६६ ज २३६, १३६

सुणखत्ता (सुशत्रा) ज ७११२०११ सू १०१८८११

सुणमिय (सुनत) ज ७११७८

सुणय (शुनक) प १११२१

सुणिम्मिय (सुनिमित्त) ज २११५

सुणिरिक्खण (सुनिरीक्षण) ज ७११७८

सुणिया (शुनिका) प १११२३

सुणिवेसिय (सुनिवेशित) ज २११२

सुण्हा (स्तुषा) ज २१२७, ६६

सुत्त (पाण) (श्रुतज्ञान) प २६११६

सुत्तअण्णाण (श्रुताज्ञान) प ५१७, १२, २०, ५६;

२६१६, १२, १७, १६, २०

सुत्तअण्णाणि (श्रुताज्ञानिन्) प ३११०२, १०३;

५१८०, ११७; ३०२३

सुत्तणाण (श्रुतज्ञान) प ५१७, २०, २४, ४१, ४६, ६७,

१११; २६११७, २१; ३०६, ११

सुत्तणाणि (श्रुतज्ञानिन्) प ३११०१, १०३; ५१४३,

८०, ६५, ११३; २८१३६

सुत्तिक्खण (सुतीक्षण) ज २१६११

सुतोवउत्त (श्रुतोपश्रुत) प २३११६५, १६६ से २०१

सुत्त (सूत्र) प १११०१६; २११३५

सुत्त (सुप्त) ज ३११७४

सुत्त (श्रुत) प १११०१६

सुत्त (रुद्ध) (सूत्ररुचि) प १११०११

सुत्तग (सूत्रक) ज ३१३६, १०६

सुत्तत्तय (सूत्रत्रय) प ४१५५

सुत्तरुद्ध (सूत्ररुचि) प १११०१६

सुत्तवेयालिय (सूत्रवैचारिक) प ११६६

सुत्तीमई (शुक्तिमती) प ११६३४

सुवंसण (सुदर्शन) प २१६४; ३३०; ४११४६,

१४७, १५०, १५७, १५६, २०८, २६०११;

७२१३ ज २१६४; ३३०; ४११४७, १५०,

१५६, २०८, २६०११; ७२१३ सू ५११ उ ४१७

से ६, १६, १८

सुवंसणभट्टसालवण (सुदर्शनभट्टसालवण) ज ५१५५

सुवंसणा (सुदर्शना) ज ४११५७१, २

सुविट्ठ (सुदृष्ट) प १११०११३

सुदुल्लह (सुदर्शन) ज ३१११७११

सुद्ध (सुद्ध) प १७१११४१, १७१११६ सू २०१७

सुद्धवंत (सुद्धवन्त) प ११८६

सुद्धप्पावेस (शुद्धपावेस, शुद्धात्मवेस, सुद्धपावेस्य)

ज ३१८५ सू २०१७ उ ११६

सुद्धवाय (सुद्धवात) प ११२६

सुद्धागणि (शुद्धाग्नि) प ११२६

सुद्धोदय (शुद्धोदक) प ११२३ ज ३१६, २२२

सुधम्म (सुधर्म) ज ४११४०११

सुधम्म (सुधर्मा) ज ४११३१ सू १८१२३

सुनिउण (सुनिपुण) ज ५१५, ७

सुपइट्ठ (सुपिण्ड) ज ५१४३, ५५ सू १०१२४११
उ ३१२१

सुपइट्ठण (सुपिण्डण) ज ३११५; ३१११

सुपइट्ठिय (सुपिण्डिय) ज २११४, ४११४६;
५१४३

सुपिण्ड (सुपिण्ड) ज ४११२८

सुवरुह (सुवर्ण) ज ४१२१२, २१२११

सुवरुहंत (सुवर्णाश्रित) ज १११३, ३०, ३३, ३६;
४१२

सुपरिनिट्ठिय (सुपरिनिपिट्ठ) उ ३१२८

सुपववइय (सुपवज्जित) उ ३१८०, ८१

सुपसत्थ (सुपसत्त) ज ३१११७

सुपिकखोयरस (सुपिकखोवरस) प १७११३४

सुपीय (सुपीय) ज ७११२२११ सू १०१८४३

सुपुट्ठ (सुपुट्ठ) ज ३१११७

सुप्पडण्णा (सुप्रकीर्णा) ज ५।६।१
 सुप्पबुद्धा (सुप्रबुद्धा) ज ४।१५।७।१; ५।६।१
 सुप्पभा (सुप्रभा) ज ७।१।७
 सुप्पमाण (सुप्रमाण) ज २।१५
 सुप्पमाणतर (सुप्रमाणतर) ज ४।१०२
 सुफुल्ल (सुफुल्ल) ज ३।१०६
 सुबद्ध (सुबद्ध) ज २।१५; ७।१।७
 सुबहु (सुबहु) उ ३।५०, ५५
 सुब्भि (सु) प १।३।२७, ३१; २।३।१०६
 सुब्भिगंध (सुगन्ध) प १।४ से ६; ५।५, ७, २०५;
 १।१।५६; १।७।१३७; २।५।२६, ३२, ६६
 सुभ (शुभ) प २।५।१०५ ज १।१३, ३०, ३३, ३६;
 ३।२२३; ४।२
 √सुभ (शुभ) सोमंति सू १।६।११ सोभिन्तु सू १।६।५
 सोमिस्संति सू १।६।१ सोमैति सू १।६।१
 सोमैन्तु सू १।६।१ सोमिस्संति सू १।६।३५
 सुभंकर (शुभंकर) ज ३।५५
 सुभग (शुभग) प १।४।५।४४, १।५० ज ४।३, २५;
 ५।६५; ७।१।७५ सू २।०।४
 सुभगणाम (शुभगणामन्) प २।३।३५, १२४
 सुभगत्त (शुभगत्त) प ३।४।२०
 सुभगा (शुभगा) प १।४।०।२ ज ४।१६४; ५।१।१
 सुभगाय (शुभगाय) प २।३।१६, ३५, १२३
 सुभद्द (सुभद्द) उ २।२
 सुभद्दा (सुभद्दा) ज २।७।७; ३।१३५; ४।१५।७।२
 उ ३।६७, ६५, १०१ से १२०, १४६; ७।२२
 सुभय (शुभय) प १।४६
 सुभय (शुभय) उ ५।५
 सुभा (शुभा) ज ४।२०।२।२
 सुभोगा (सुभोगा) ज ४।१६४; ५।१।१
 सुमणवाम (सुमनोदामन्) ज ३।२।११; ५।५।५, ५५
 सुमणसा (सुमणस्) प १।४।०।३ गालतीपुण्ड्रिता
 सुमणा (सुमणन्) ज ४।१५।७।२, २०३
 सुमहग्य (सुमहाग्यं) ज ३।६, २२२
 सुमहुर (सुमहुर) उ ३।६५
 सुमिण (स्वप्न) उ १।३३; २।५; ५।१३, २५, ३१

सुमिणपाठय (स्वप्नपाठक) उ १।३३
 सुमेहा (सुमेघा) ज ४।२३५; ५।६।१
 सुय (श्रुत) प १।१।२, ३; १।१०।१६; १।३।१०
 च १।३
 सुय (शुक) प १।७।१२४
 सुय (शुक) प १।४।२।१ बालतृण
 सुयअण्णाण (श्रुताज्ञान) प ५।५, १०, १४, १६; १५,
 ६३; २।१।२, ६, २१; ३।०।२, ६, ६, ११, १६, २१
 सुयअण्णाणपरिणाम (श्रुताज्ञानपरिणाम) प १।३।१०
 सुयअण्णाणि (श्रुताज्ञानिन्) प ५।६।५, ६६; १।३।१४,
 १६, १७; १।५।५३; २।५।३३७; ३।०।१६
 सुयखंघ (श्रुतस्कन्ध) उ ५।४५
 सुयणाण (श्रुतज्ञान) प १।१०।१।५; ५।५, ७५, ६३;
 १।७।११२, ११३; २।०।१७, १५, ३४; २।१।२, ६,
 १२; ३।०।२, २१
 सुयणाणारिय (श्रुतज्ञानार्य) प १।६६
 सुयणाणि (श्रुतज्ञानिन्) प ३।१०।१, १०३; १।३।१४,
 १७; १।५।५०; ३।०।१६, २३
 सुयतोंड (शुकतोण्ड) ज ३।३५
 सुयनाणपरिणाम (श्रुतज्ञानपरिणाम) प १।३।६
 सुयधम्म (श्रुतधर्म) प १।१०।१।१२
 सुयपुच्छ (शुकपिच्छ) प १।७।१२४
 सुयसुह (शुकमुख) ज ३।१।५५
 सुयविट (शुकवृत्त) प १।५०
 सुयविसिट्ठया (श्रुतविसिष्टता) ज २।३।२१
 सुयविहीणया (श्रुतविहीनता) ज २।३।२२
 सुयत्त (सुजात) ज ३।१०६
 सुर (सुर) प २।६।४।१५; ३।१।६।१ ज ३।१।१७
 सुरइय (सुरचित) प २।४।१
 सुरट्ठ (सौराष्ट्र) प १।६।३।३
 सुरत्त (सुरक्त) ज ७।१।७५
 सुरप्पिय (सुरप्रिय) उ ५।७, ५
 सुरभि (सुरभि) प २।३।१, ४१; २।३।४५ ज २।१२,
 १६; ३।७, ६, ३०, ५५, १०६, २०६, २११; ५।५,
 ७, १४, २१, ५६, ५५; ७।१।७५ उ ३।१३१

सुरम्म (सुरम्य) ज २।१२; ४।१३ सू २०।७
 सुरवर (सुरवर) ज ५।७
 सुरवार्दि (सुरवरेन्द्र) ज ३।१०६
 सुरहि (सुरभि) प २।३० ज ३।६, १२, ३५, ८८,
 २२१, २२२
 सुरा (सुरा) उ १।३४, ४६, ७४
 सुरादेवी (सुरादेवी) ज ४।४४, २७५; ५।१०।१
 उ ४।२।१
 सुरिद (सुरेन्द्र) प २।५० ज २।६१; ३।३५; ५।१८,
 २१, ४८, ५२
 सुरूया (सुरूया) ज ५।१३
 सुरूव (गुरूव) प २।३०, ३१, ४१, ४५, ४५।१, ४८
 ज ३।१०६, १३८; ४।२६ सू २०।४ उ १।१२,
 १३, ३१, ५३, ७८, ६५; ५।५, २२
 सुलद्ध (सुलब्ध) उ १।३४; ३।६८, १०१, १३१
 सुलस (सुलस) ज ४।६४, २०७
 सुलिप्त (सुलिप्त) उ ३।१३०, १३१, १३४
 सुवगु (सुवगु) उ ४।२१२, २१२।३
 सुवच्छ (सुवत्स) प २।४७।२ ज ४।२०२।१
 सुवच्छा (सुवत्सा) ज ४।२०४, २३८; ५।६।१
 सुवण (सुवर्ण) प २।३०।१, ४०।१, ८, १०; ५।३
 ज ३।२४।१, २, १३१।१, २
 सुवण (सुवर्ण) प १।२०।१ ज २।२४, ६४, ६६;
 ३।६, २०, ३३, ५४, ६३, ७१, ८४, ६५, १०६,
 ११७, १३७, १४३, १५६, १६७।८, १८२, १८४,
 २२२; ४।३, २५, २६; ५।३८, ५२, ५५, ६७, ६८
 उ ३।४०
 सुवणकुमार (सुवर्णकुमार) प १।१३१; २।३७ से
 ४०; ४।४६; ६।१८
 सुवणकुमारराय (सुवर्णकुमारराज) प २।३७ से
 ३६
 सुवणकुमारिद (सुवर्णकुमारेन्द्र) प २।३७, ३६
 सुवणकुमारी (सुवर्णकुमारी) प ४।५२
 सुवणकूट (सुवर्णकूट) ज ४।२७५
 सुवणकूला (सुवर्णकूला) ज ४।२७२, २७४, २७५;
 ६।२०

सुवणजहिया (सुवर्णयूथिका) प १।७।१२७
 पीलीजूही
 सुवणमय (सुवर्णमय) ज ४।२६; ५।५५
 सुवण (वाता) (सुवर्णवर्षा) ज ५।५७
 सुवणमिप्पि^१ (सुवर्णशुक्ति) प १।७।१२७
 सुवर्णिद (सुवर्णदि) प २।३८
 सुवप्प (सुवप्प) ज ४।२१२, २१२।३
 सुवयण (सुवचन) उ १।१७
 सुविण (स्वप्न) उ १।३३; ५।२५
 सुविभत्त (सुविभक्त) ज १।३७; २।१४, १५; ३।३
 सू २०।७
 सुविरइय (सुविरचित) ज २।१५; ३।२४; ४।१३
 सू २०।७
 सुव्वत (सुव्रत) सू २०।८
 सुव्वय (सुव्रत) सू २०।८।८
 सुव्वया (सुव्रता) उ ३।६६, १००, १०६ से १०८,
 १११ से ११३, ११५, ११६, ११८, १३२, १३३,
 १३६, १४१ से १४३, १४५, १४६, १४८, १५०
 सुसंगोविय (सुसङ्गोपित) उ ३।१२८
 सुसंठिय (सुसंस्थित) ज ७।१७८
 सुसंपरिहिय (सुसंपरिहित) उ ३।१२८
 सुसंव्य (सुसंवृत) ज ३।६, २२२
 सुसज्ज (सुसज्ज) ज ५।४३
 सुसद् (सुसब्द) ज ७।१७८
 सुसमण (सुसमन) ज २।५३, १६२
 सुसमदुस्समा (सुपमदुष्पमा) ज २।२, ३, ६, ७, ५४, ५६
 सुसमससमा (सुपमसुपमा) ज २।२, ३, ६, ७, ५२
 १६१, १६३, १६४; ४।१०६
 सुसमा (सुपमा) ज २।२, ३, ६, ५१, ५२, १६०, १६१;
 ४।८३
 सुसमाहिय (सुसमाहित) ज ३।३५
 सुसवण (सुश्रवण) ज २।१५
 सुसारखिय (सुसारक्षित) उ ३।१२८
 सुसाहय (सुसंहय) ज २।१५
 १ हे० २।१३८ सिप्पि (शुक्ति)

सुसिणिद्ध (सुस्तिग्ध) ज २।१५
 सुसिलिट्ठ (सुसिलण्ट) ज १।३७; ३।६, १२, १७८,
 २२२; ४।१२८; ५।४३; ७।१७८
 सुसीमा (सुसीमा) ज ४।२०२।२
 सुसील (सुशिण्य) ज ३।१०६
 सुसेण (सुषेण) ज ३।७६, ७७, ७८, ८०, ८२ से ६१,
 १०६ से १११, १२८, १५१ से १५७, १७०, १७१
 सुस्सर (सुस्वर) ज २।१५; ५।५२, ५३
 सुस्ससमाण (सुश्रुसमाण) ज १।६; २।६०; ३।२०५,
 २०६; ५।५८ उ १।१६
 सुह (सुख) प २।४८, २।६४।१५, १६, २०; ३।५।१।२,
 ३।५।१०, ११; ३।६।६४।१ ज २।१२, २०, ७१;
 ३।६, ८१, ६६, १००, १०१, ११७।१, १२१, २२२;
 ४।२७, ४८, १७७; ५।२६, २८ सू १।६।२२।१३
 उ १।११०, १२६, १३३
 सुह (सुभ) प २।४६ ज २।१२, २०; ३।६
 सुहंसुह (सुखंसुख) ज २।१४६; ३।१२१, १२७,
 २२४; ५।६७ उ १।२, ५०, ७५
 सुहणामा (सुभनामा) ज ७।१२१ सू १०।६१
 सुहता (सुखता) प २३।१५
 सुहत्त (सुखत्त) प २८।२४, २६
 सुहत्थि (सुहस्तिन्) ज ४।२२५।१, २२८
 सुहफास (सुख-पक्षा, सुभत्पक्षा) ज ५।२८
 सुहम्मा (सुधर्मा) ज २।१२०; ४।१२०, १२१, १२६,
 १३८; ५।१८, २२, २३, ५०; ७।१८४, १८५
 सू १।८।२२, २३ उ ३।६, ६०, १५६, १६६;
 ४।५; ५।१५.१६
 सुहया (सुखता) प २३।३०
 सुहलेसा (सुभलेस्या) ज ७।५८
 सुहलेसा (सुभलेस्या) सू १।६।२२।३०
 सुहावह (सुखावह) ज ४।२१२
 सुहासण (सुखासन) ज ३।२८, ४१, ४६, ५८, ६६,
 ७४, १३६, १४७. १८७, २१८
 सुहि (सुखिन्) प २।६४।२०; ३।६।६४।१ ज २।२६
 सुहिरण्णियाकुसुम (सुहिरण्यिकाकुसुम)
 प १।७।१२७

सुहुम (सूक्ष्म) प २।३, ६, ६, १२, १५, ३१; ३।१।२,
 ६१ से ७१, ८५ से ६५, १११, १८३, ४।५६ से
 ६१, ६८, ७५, ८२, ८३, ६१; ६।८३, १०२;
 १५।४३, ४५; १८।१।२, ३७ से ३६, ११६;
 २१।४, ५, २३ से २७, ४०, ४१, ५०; २३।१२१;
 ३६।७६, ८१, ६२ चं १।३ ज २।६; ७।१७८
 सुहुमआउक्काइय (सूक्ष्मअण्कायिक) प १।२१, २२
 सुहुमणाम (सूक्ष्मनामन्) प २३।३८, ११८, १२०
 सुहुमतेउक्काइय (सूक्ष्मतैजस्कायिक) प १।२४, २५
 सुहुमवणस्सकाइय (सूक्ष्मवन्तस्पत्तिकायिक)
 प १।३०, ३१
 सुहुमवाउक्काइय (सूक्ष्मवायुकायिक) प १।२७, २८
 सुहुमसंपराय (सूक्ष्मसंपराय) प १।११२, ११३,
 १२४, १२८; २३।१६१
 सुहुमसंपरायचरित्तपरिणाम (सूक्ष्मसंपरायचरित्र-
 परिणाम) प १३।१२
 सुहोतार (सुखावतार) ज ४।३, २५
 सुहोदय (सुखोदक, सुभोदक) ज ३।६ २२२
 सुहोवभोग (सुखोपभोग) ज २।१४५, १४६
 सुइ (सुचि) ज ४।२६
 सुईमुह (सूचीमुख) प १।४६
 सुई (सूची) प १५।२६; २१।२५
 सूणा (सूना) उ १।४४, ४५
 सूमाल (सुकुमार) ज ३।२११; ५।५६; ७।१७८
 उ १।११ से १३, ३० से ३२, ५३, ७८, ६५,
 १४५; २।५, ७, १६; ३।६७; ४।८; ५।१२
 सूमाला (सुकुमारा) ज ३।२२१; ५।५८
 सूय (सुय) ज ३।१७८, १८६, १८८, २०६, २१०,
 २१६, २१६, २२१
 सूयलि (दे०) प १।८६
 सूर (सूर) प १।१३३; २।२० से २७, ४८;
 १५।५५।३ ज १।२४; २।६८; ३।३५, ६५,
 ११७, १५६, १६७।१२, १८८, २०७, २१२;
 ५।५६; ७।१०२, १३५।१, ४, १७७।२, १७८।१,
 १८०, १८१ सू १०।३, १२३, १३४, १४३ से
 १४७, १५० से १६१, १६६ से १६६, १७२,

१७३; १११२ से ६; १२१६ से २८; १५११, ५,
७, ११, १२, १३, १५, १८, २१, २४, २७, ३०, ३३,
३६; १८११, १८, १९, ३४, ३७; १६१११,
१६१२१४, १०, १५, २१, २३, २४, २७ से ३०,
३२; १६१३५; २०१२, ३, ५, ६ उ २११२;
३१२११, २१, ४८, ५५, ६३, ६७, ७०, ७३, १०६,
११८

सूर (शूर) ज ३१०३; ४१६४

सूरकंत (सूरकान्त) प ११२०४

सूरकंतमणिनिस्सिय (सूरकान्तमणिनिश्चिन)

प ११२६

सूरणकंद (सूरणकन्द, शूरणकंद) प १४८१७

सूरस्थमण (सुरास्तमयन) ज २११३४

सूरपणत्ति (सूरप्रज्ञप्ति) ज ७११०१

सूरपव्वय (सूरपवर्त) ज ४१२१२

सूरप्पभा (सूरप्रभा) सू १८१२४

सूरमंडल (सूरमण्डल) ज ७१२ से १९, १७७

सूरलेस्सा (सूरलेखा) सू १६१३, ४

सूरवडंस (सूरावतंसक) सू १८१२४

सूरवर (सुरवर) सू १६१३५

सूरवरोभास (सूरवरावभास) सू १६१३५, ३६

सूरवल्ली (सुरवल्ली) प १४०१३

सूरविमाण (सुरविमान) प ४११८३ से १८८

ज ७११७३, १७४, १७६, १८६, १९० सू १८११,
८, १०, १४, २६, ३०

सूरसेण (सूरसेन) प १६३१५

सूरादेवीकूड (सूरादेवीकूट) ज ४१४४

सूराभिमुह (सूराभिमुख) उ ३१५०

सूरिय (सूर्य) प २१४८ से ५१, ६३ ज २१३३१;

७११, १३, २० से ३१, ३५ से ३६, ५४, ५८, ६६,
१०१, १५६ से १६८, १८०, १८१, १९७

चं २१२, ५ सू १६१२, ५; ११११, १२, १४, १६

से २४, २७; २११ से ३; ३११, २; ४११, २, ४, ७, ९,

१०; ५११; ६११; ७११; ८११; ९११ से ३; १०१६३

से ७४, १३२, १३४, १७१; १५११, ३; १७११;

१८१२, ३, १८, १९; ३७; १६११, ५१२, १६१११,

१५१२, १६, २११६, १६१२१२३, २६; २०११७

उ ५१४१

सूरियगत (सूर्यगत) सू १११६

सूरियपडिहि (सूर्यप्रतिधि) सू ६१३

सूरियाभ (सूर्याभ) ज ५१५५ उ ३१७, ६० से ६२,
१५६; ५१२३

सूरियाभगम (सूर्याभगम) ज ५१४०

सूरियावत्त (सूर्यावर्त) ज ४१२६०१२ सू ५११

सूरियावरण (सूर्यावरण) ज ४१२६०१२ सू ५११

सूरुगमण (सुरोद्गमण) ज २११३४

सूरुद (सुरोद) सू १६१३५

सूल (सूल) ज ३१३१, १७८

सूलपाणि (सूलपाणि) प २१५१ ज २१६१; ५१४८,
६०

सूसर (सुसर) ज २११६; ५१२२, २६

सूसरणांम (सुस्वरनामन्) प २३१३८, १२५

सूसरणिग्घोष (सुस्वरनिर्घोष) ज २११६

सूसरा (सुस्वरा) उ ३१७, ६१

से (दे०) प १११० उ १११५; ३१३३

सेउ (सेतु) ज २११२

सेज्जंस (श्रेयांस) ज २१७६ सू १०१२४११

सेज्जमंड (अध्याभाण्ड) उ ३१५११

सेज्जा (अध्या) प ३६१६१ उ ३१३६; ४१२१

सेट्ठि (श्रेष्ठिन) प १६१४१ ज २१२५; ३१६, १०,

७७, ८६, १७८, १८६, १८८, २०६, २१०, २१६,

२१६, २२१, २२२ उ ११६२; ३१११, १३, १०१

सेडिय (दे०) प ११४२१

सेडी (दे०) प ११७६ लोमपक्षी विशेष

सेडि (श्रेणि) प २१३१; १११८, १२, १६, २७, ३१,

३२, ३६ से ३८; २११६३ ज २११३३, २२०;

४११७२, २००; ५१३२; ६१६१, १५

सेणगपट्ठसंठित (सेनकपृष्ठसंस्थित) सू ४१३

सेणा (सेना) ज ३११५, १७, २१, ३१, ३४, ७७, ७८,

८८, १०६, १५६, १७३, १७५, १७७, १८०,

१६६ उ ११२३, १२७, १२८; ५११८

सेणावद् (सेनापति) प १६१४१ ज २११५; ३१६,

१०,७६ से ७८,८० से ६१,१०६ से १११,
 १२८,१२६,१५१ से १५७,१७०,१७८,१८६,
 १८८,२०६,२१०,२१६,२१६,२२१,२२२
 उ ११६२; ३१११,१००; ५११०
 सेणावइरण (सेना विरता) ज ३११७८,१८६,
 १८८,२०६,२१०,२१६ २२०,२२१; ५११६
 सेणावइरणस (सेना विरता) प २०१५८
 सेणावच्छ (नैरात्य) प २१३०,३१,४१,४६
 उ ११४५; ३११५५,२०६,२२१; ५११६ उ ५११०
 सेणि (श्रेणि) ज ३११०,१३,२८,२६,४१,४२,४६,
 ५०,५८,५६,६६,८७,७४,७५,१४७,१४८,
 १६८,१६६,१७८,१८६,१८८,२०३,२१६,
 २१६,२२१
 सेणिष (श्रेणिष) उ १११०,११,२६ से ३२,३४,
 ३६ से ४४,४६ से ४६,५७,५८,६१,६२,६५,
 ६६,६८,७२ से ७४,८२,८३,८६ से ६२,६५,
 ६६,१०३,१०६ से ११४,१४५; २१५,१७,२२;
 ३१४,२१,२४,८६,१५५,१६८,४१४
 सेण्ण (सैन्य) ज ३११५,२१,३१,३४,७७,७८,६१,
 ६५,१५६,१७३,१८५,१६६
 सेण्हा (सलदणक) प ११३५३
 सेत (स्वैत) प २१४७३,२१६४ ज ३११२,८८
 सेत (श्रेण्) सु १०८५११
 सेदसप्प (सेदसप्प) प ११००
 सेय (स्वैत) प ५१६६ ज १११६,३८; ३११८,३१,
 ३५,६३,१८०; ४११०,८५,११५,१२१ १२५,
 २१७; ५१६२; ७११७८ ज २११ सु ११६
 उ ११४५; ५११६
 सेय (श्रेण्) प ११६५४
 सेय (श्रेण्) ज ३११३; १३८११; ७११२११
 उ ११५१ ५४,६६,७६,७६,६६,१०७,११६;
 ३११८,५०,५५,१०६,११८
 सेयकर (श्रेण्कर) प २०८८,२०८१७
 सेयस (श्रेण्) ज ७१११४१
 सेयकण्णीर (सेयकण्णीर) प १७११२८
 सेयणम (सेचनक) उ ११६६,१०२ से ११६,१२७;

१२८
 सेयणमसंठित (सेचनकसंस्थित) सु ४३
 सेयणय (सेचनक) उ ११६६ से ६६,१०३,१११,
 ११२
 सेयता (स्वैतता) सु ४११
 सेयबंधुजीवय (स्वैतबन्धुजीवक) प १७११२८
 सेयमाल (स्वैतमाल) ज २१८
 सेयविया (स्वैतविका) प ११६३६
 सेया (स्वैतता) च ६ सु ११६११
 सेयात (एणत्काल) प २८१२२,३४,३६,६८
 सेयासीय (स्वैतासीय) प १७११२८
 सेरियय (सैरेयक) प ११३८१
 सेरिया (सेरिका) ज २११०; ४११६६
 सेरुतालवण (सेरुतालवन) ज २१६
 सेल (शैल) प २११; १११२५
 सेलसिहर (शैलसिहर) ज २१८८
 सेलु (शैलु) प ११३५११
 सेलेसि (शैलेशी) प ३६१६२
 सेलेसिपडिवण्णम (शैलेशीप्रतिपन्नक) प ११३६;
 २२१८
 सेल्लार (दे० कुन्तकार) प ११६७ भाला वनाने
 वाला
 सेवणा (सेवना) प १११०११३
 सेवाल (शैवाल) प ११३८२,११४६,११४८१,
 ११६२ ज २११०
 सेवालभक्खि (शैवालभक्षिन्) उ ३१५०
 सेस (सेष) प १११०११११; २१३२,३४,३६ से ४०,
 ५१ से ५४,५८,६०,६२; ३११८२; ५१६४,
 १५२,१५४,२०५,२४४; ६१८१,८३,८४;
 १०१४६; १२१३८,१३१५ से १८; १५११८,
 १६,३४,७५,८२; १७१२३,२५,२७,२६,३४,
 ३५; २०८,५६,६०; २२१४५,५५,८०;
 २३१५६,१५६,१५६,१६२,१६१,१६३,१६६;
 २४१८,६; २५१४; २८१२६,३८,४८,७४,१०१,
 १२३,१४५; ३०१४; ३२१६१; ३४१२२ से
 २४; ३५११२; ३६१३३,६७ से ६६,७१,७३

ज १४६; २५२, ८८, १६१; ३१५०, १५३,
१५७, १६१, १८३; ४३७, ४१, ५३, ७०, ६३,
१०६, १४१, १४७, १५३, १५५, १५६, १६५,
१७२, १७७, १८४, १८५, १८७ से १६१, २०३;
५१८, ५११; ७१३५१ सू ८११; ६३; १०२५,
१५२ से १६१; ११२ से ६; १२१६ से २८;
१८२४; १६२२२२ उ १४८; २१६, २२;
३७; ४२२, २८; ५१६, ४५

सेसय (शेषक) प २३१६०

सेसवई (शेषवती) ज ५१६१

सेसिय (शेषित) ज ७१४६

सेह (दे०) प १७६

सोईदिय (श्रोत्रेन्द्रिय) प १५१, २, ७, ८, ११ से १८,
४०; १५५८ से ६७, ६६, ७०, १३३, १३४;
२८७१ उ ३३३

सोईदियत्त (श्रोत्रेन्द्रियत्व) प २८२४; ३४२०

सोईदियपरिणाम (श्रोत्रेन्द्रियपरिणाम) प १३४

सोंड (शौण्ड) ज ७१७८

सोंडमगर (शौण्डमकर) प १५६

सोंडा (शुण्डा) उ १६७

सोवळ (सौख्य) प २६४१४, १८, २२

सोवळुप्पाय (सौख्योत्पाद) सू २०६१६

सोम (शोक) प २३३६, ७७, १४५ ज २१५, ७०;
३१०५

सोमंधिय (सौमन्धिक) प १२०१४, १४८१४४

ज ३१०; ४३, २५; ५१५

सोच्चा (श्रुत्वा) ज ३६ उ १२१; ३१३३;

४१४; ५२०

सोणि (श्राणि) ज २१५

सोणिय (शोणित) प १८४ ज ३३६ उ १५६,
६१, ६२, ८४, ८६ ८७

सोणीक (श्रोणिक) ज ३१०६१

सोत्त (श्रोत्र) प १५७७

सोत्तिय (शौत्तिक) प १४६

सोत्तिय (सौत्तिक) प १६६

सोत्थिय (स्वस्तिक) प २६४ ज २१५; ३३,

३२, १७८; ४२८; ५३२ सू २०८, २०८६

सोत्थियसाय (स्वस्तिकशाक) प १४४२

सोदामिणी (सौदामिनी) ज ५१२

√सोभ (शुभ) सोभति ज ७१ सोभते ज २१५;

३२४३, ३७१, ४५१, १३१३ सोमिमु

ज ७१ सोमिस्ति ज ७१ सू १६१

सोभेति सू १६१ सोमिमु सू १६१

सोभंत (शोभमान) ज २१५

सोभग्ग (सौभाग्य) ज ५६८, ७०

सोमण (शोमन) ज ३२०६

सोभमाण (शोभमान) ज ३२४३, ३७१, ४५१,
१०६, १३१३

सोभयंत (शोभमान) ज ७१७८

सोभा (शोभा) ज ७१

सोभावेंत (शोभयमान) ज ३१७८

सोभिय (शोभित) ज ३३५, २२१; ७१७८

सोभेंत (शोभमान) ज ३१७८

सोम (सोम) ज ४२०३; ७१३०, १८६२

सू २०८, २०८२ उ ३५१, १५१, १५२

सोम (सौम्य) ज २१५ सू २०४ उ ५५, २२

सोमंगलक (सौमङ्गलक) प १४६

सोम(काइय) (सौमकायिक) ज १३१

सोमणस (सौमणस) ज ४२०३, २०४१, २०५,
२०८, २१५; ५४६३, ५५; ७११७२

सू १०८६२

सोमणसवळार (सौमणसवक्षस्कार) ज ४२०५

सोमणसवण (सौमणसवन) ज ४२१४, २४०,
२४१, २४३

सोमणसा (सौमणस्या) ज ४१५७१; ७१२०१

सू १०८८१

सोमणस्सिय (सौमणस्सियत, सौमणस्सिक) ज ३५,

६, ८, १५, १६, ३१, ५३, ६२, ७०, ७७, ८४, ६१,

१०७, ११४, १४२, १६५, १७३, १८१, १८६,

१६६, २१३, ४२०३; ५२१, २७ उ १२१, ४२;

३१२६

सोमदंसण (सौम्यदर्शन) ज २।६८
 सोमदेवया (सोमदेवता) सू १०।८३
 सोमया (सोमता) ज ३।३
 सोमरूप (सौम्यरूप) उ ५।२२
 सोमा (सोमा) उ ३।१२६ से १३१, १३४ से १४४,
 १४७, १४८, १५०
 सोमान (सोमान) ज ५।४१, ४२, ४४, ४५
 सोमिल (सोमिल) उ ३।२८ से ३२, ३५ से ४५,
 ४७, ४८, ५० से ६५, ६७ से ८३
 सोय (श्रोतस्) ज २।१३४
 सोय (शोक) उ १।२३, ६१, ६३
 सोयमाण (ओचत्) उ १।६२
 सोयविष्णाणावरण (श्रौत्रविज्ञानावरण) य २३।१३
 सोयामणी (सौदामिनी) ज ३।३५
 सोयावरण (श्रौत्रावरण) प २३।१३
 सोरिक (सौरिक) प १।६३।२
 सोल (षोडश) प १०।१४।४ से ६ ज ४।१४२
 सू २।३
 सोल (षोडशन्) सू १।६।१६
 सोलस (षोडशन्) प २।२५ ज १।७ सू १।१४
 उ ३।१२, १२६, ५।१०
 सोलसअंगुलजंघाक (षोडशांगुलजङ्घाक)
 ज ३।१०६
 सोलसग (षोडशक) प २।२७।१, २
 सोलसम (षोडश) सू १।२।७
 सोलसमंडलचारि (षोडशमण्डलचारिन्) सू १३।५
 सोलसविह (षोडशविध) प १।१।८६; २३।३५
 सोला (षोडशन्) सू १।६।१६
 सोल्ल (दे० पक्व) उ १।३४, ४०, ४६, ७४
 सोल्लिय (दे० पक्व) उ ३।५०
 सोवक्कमाउय (सोमकमामुष्क) प ६।१।१५, ११६
 सोवच्चिय (सोपचित) ज २।७१
 सोवच्छिय (सौवस्तिक) प १।५०
 सोवणिय (सौवणिक) ज ३।३३५, २०६; ४।१३;
 ५।५५, ५६

सोवत्थिय (सौवस्तिक) ज ४।२।०।१; ५।३२
 सू २०।८, २०।८।६
 सोवाण (सोपान) ज ३।१।६५, २०४ से २०६,
 २१४ से २१६; ४।४, ५, २६, २७, ८६, ११८,
 १२८, १४४, २४६; ५।३०, ४१, ४२
 सोस (शोष) ज २।४३
 सोहंत (शोभमान) प २।१
 सोहग्ग (सौभाग्य) प ३४।२० ज २।६५; ३।१८६,
 २०४
 सोहम्म (सौधर्म) प १।१३५; २।४६ से ५२, ५८,
 ६३; ३।२६, १८३; ४।२१३ से २२४; ६।५६, ६५,
 ८५, ६५, १११; १०।२, ३; १५।८७; २०।६१;
 २१।६१, ७०, ६०; २८।७५; ३०।२६; ३४।१६,
 १८ ज ५।१८, २४, २५, ४४ उ २।१२, २२;
 ३।६०, १२०, १५६, १६१; ४।५, २४, २८; ५।४१
 सोहम्मकप्प (सौधर्मकल्प) प ६।२७
 सोहम्मकप्पवड्ढ (सौधर्मकल्पपति) ज ५।२६
 सोहम्मकप्पवासि (सौधर्मकल्पवासिन्) ज २।६०
 ५।१६, २६, ४३
 सोहम्मग (सौधर्मज) प २।५०, ५१; ७।८; १५।६६,
 १०८, ११२, १२५; २०।४६; ३३।१६, २४
 ज ५।४६
 सोहम्मगकप्पवासि (सौधर्मकल्पवासिन्) प २।५०
 सोहम्मवड्डेसय (सौधर्मवित्तंसक) प २।५६
 सोहम्मवड्डेसय (सौधर्मवित्तंसक) प २।५०, ५४
 ज ५।१८
 सोहा (शोभा) ज ३।६, २२२
 सोहिय (शोभित) ज २।१२
 हं
 हंत (हन्त) ज २।२४, २७, २६, ३४ से ३७, ४१, ६४,
 ६६; ४।२७३; ५।६८ से ७०; ७।३६, ३७, १०१
 हंता (हन्त) प १।११; १५।४३; १७।१६६; २०।१०,
 २२; २८।३ उ ५।३२
 हंदि (दे०) ज ३।२४।११, ३१।१; ५।२७, ७२, ७३
 हंभो (दे०) उ १।११५, ११६; ३।५८, ६०, ७६, ७६

हंस (हंस) प १२०।४, ७६ ज २।१२, १५ उ ५।५
 हंसगन्ध (हंसगन्ध) ज ५।५
 हंसलक्षण (हंसलक्षण) ज २।६६
 हंसस्वर (हंसस्वर) ज २।१६; ५।५२
 हक्कार (हाकार) ज २।६०
 √हक्कार (आ + कारय) हक्कारेति ज ५।५७
 हट्ठ (हृष्ट) ज २।४, १४६; ३।५, ६, ८, १३, १५, १६,
 २६, ३१, ४२, ५०, ५२, ५३, ५६, ६१, ६२, ६७,
 ६९, ७०, ७५, ८४, ९१, १००, ११४, १३७, १४१,
 १४२, १४८, १५०, १६५, १६६, १७३, १८१,
 १८६, १९२, १९६, २०८, २१३; ५।५, १५, २१,
 २३, २७ से २९, ४१, ५५, ५७, ७० उ १।२१,
 ४२, ४५, १०८; ३।१३, १०१, १०३, ११३, १३४,
 १३६, १४७, १६०; ४।११, १४, २०; ५।१५, ३८
 हडप्पगाह (‘हडप्प’ग्राह) ज ३।१७८
 हड (हठ) प १।४६, १।४८।६, १।६२
 हणमाण (घन्तु) ३।१३०
 हणुगा (हनुका) ज २।१५
 हथ्य (हस्त) प २।३०, ३१, ४१, ४६ ज २।६५;
 ३।६, २।४४, ३।७२, ४।५२, १०६, १३१।४, १८६,
 २०४; ५।२१; ७।१२८, १२९।१, १३३।२, १३६,
 १४०, १४६, १६४ सू १०।२ से ६, १६, २३,
 ४६, ६२, ७१, ७५, ८३, १११, १२०, १३१, १३२,
 १५६; १२।२४ उ १।८८, ८९; ३।५१, ५६, ६८;
 ४।२१ से २३
 हथ्यग (हस्तक) ज ४।३०; ५।५
 हथ्यगय (हस्तगत) ज ३।६, २१, ३४, ८५ से ८७;
 ५।८ से ११, ५७
 हथ्यसंठिय (हस्तसंस्थित) सू १०।४६
 हथ्यि (हस्तिन्) प १।६५; ११।२१ ज २।३५,
 ६५; ३।३१, ६८, १६७, १७८; ५।५७ उ १।१२१,
 १३१; ५।१८
 हथ्यिखंध (हरितस्कन्ध) ज ३।१८, ७८, ९३, १००,
 २१२, २१३
 हथ्यिणपुर (हस्तिनापुर) उ ३।१७१
 हथ्यिणाउर (हस्तिनापुर) उ ३।७१

हथ्यिणिया (हस्तिनिका) प ११।२३
 हथ्यितावस (हरितापस) उ ३।५०
 हथ्यिमुह (हस्तिमुख) प १।८६
 हथ्यिरयण (हस्तिरस्त) ज ३।१५, १७, २०, ३१, ३३,
 ५४, ६३, ७१, ७७, ९१, ९२, १४३, १५१, १६६,
 १७३, १७५, १७७, १७८, १८२, १८३, १८६,
 १९६, २०२, २०४, २१४, २१७, २२० उ १।१२३,
 १३१
 हथ्यिरयणत्त (हस्तिरस्तत्त्व) प २०।५६
 हथ्यिसोड (हस्तिशीण्ड) प १।५०
 हवमाण (हवमान) उ ३।१३०
 हम्ममाण (हन्थमान) उ १।१३०
 हम्मिय (हम्म्यं) ज २।२०
 हम्मियतलसंठित (हम्म्यतलसंस्थित) सू ४।२
 हय (हय) प २।३०, ४६ ज २।६५; ३।३, १५, १७,
 २१, २२, ३१, ३४, ३६, ७७, ७८, ९१, १०८ से
 १११, १७३, १७५, १७७, १८५, १८७, १९६,
 २०६, २१८ उ १।१२३, १३८; ५।१, ७, १८
 हय (हत) ज २।६० से ६२; ३।२२१; ७।१८४
 उ १।२२, १४०; ३।१२३, १२६
 हयकण (हयकर्ण) प १।८६
 हयच्छाया (हयच्छाया) प १६।४७
 हयपोषण (हयपोषण) ज ३।३
 हयरूपधारि (हयरूपधारिन्) ज ७।१७८
 हयलाला (हयलाला) ज ३।२११; ५।५८
 हयवति (हयपति) ज ३।१२६।२
 हयहेसिय (हयहेसिन) ज ३।३१; ५।५७; ७।१७८
 √हर (हृ) हरेज्जा ज २।६
 हरओ (हरतस्) ज ४।१४०
 हरडय (हरीतक) प १।३५।२
 हरतणुय (हरतनुक) प १।२३, १।४८।६
 हरि (हरित्) ज ३।३५; ४।८४, ९०; ६।२१
 सू २०।८, २०।८।४
 हरिकान्त (हरिकान्त) प २।४०।६
 हरिकान्तदीव (हरिकान्तदीव) ज ४।७६

हरिकंतपवायकुंड (हरिकान्ताप्रपातकुण्ड) ज ४७५,
७६,७७

हरिकंता (हरिकान्ता) ज ४७३ से ७५,७७,७८,
८४,८०,२६२,२६८;६२१

हरिकंताकूड (हरिकान्ताकूट) ज ४७६

हरिकूड (हरिकूट) ज ४६६,२१०१

हरिणेगमसि (हरिणैगमेपिन्) ज ५२२,२३,४६

हरितग (हरितक) प १४४१

हरिता (हरितक) ज २१४४,१४५

हरिमेली (हरिमेलः) ज ३१७८; ७१७८

हरिय (हरित) प १६४१ ज ३२४ उ ३५१,५३

हरियग (हरितक) उ ३४६

हरिया (हरितक) प १३३१,१४४ ज २१४५,
१४६

हरियाल (हरिताल) प १२०२; १७१२७
ज ३१११

हरियालगुलिया (हरितालगुलिका) प १७१२७

हरियालभेद (हरितालभेद) प १७१२७

हरियालिया (हरितालिका) ज ५१३

हरिवास (हरिवर्ष) प १८७; १६३०; १७१६४
ज २६; ४६२,७७,८१ से ८६,१०२,२६५;
६६,२१

हरिवासकूड (हरिवर्षकूट) ज ४७६,६६

हरिस् (हर्ष) प २२० से २७ ज ३५,६,८,१५,
१६,३१,५३,६२,७०,७७,८४,८१,१००,११४,
१४२,१६५,१७३,१८१,१८६,१८८,२१३; ५१२१
२७,४१ उ १२१,४२,७१,७२; ३१३१; ५१२२
हरिस्सह (हरिस्सह) २४०७ ज ४१६२१,१६५,
२१०

हरिस्सहकूड (हरिस्सहकूट) ज ४१६५,२३६

हलउलेमाण (दे०) उ ३११४

हलधरवसन (हलधरवसन) प १७१२४

हलिहपत्त (हरिद्रापत्र) प १५१

हलिहा (हरिद्रा) प १४८२

हलिही (हरिद्रा) ज ३११६

हलिमच्छ (हलिमस्स्य) प १५६

हलीमुह (हलीमुख) ज ३३५

हलीसागर (हलीसागर) प १५०

√हव (भू) हवइ प २४७२; ३६६४

ज ७१३२४,१७७३ सू १६२२६ हवति

प १३८३,१४८५,५६ ज ७१७८१,२

चं ३३ सू १७३; १२७१; १६१११,

१६२२८,२१ हवति प १३७३; ३५१११;

३६६४ हवेज प २६४४ हवेजजा

प २६४१६

हव्व (अर्वाच्) प ३६८१ उ १२२,७०,८६,१०७,
१०८,११५ से ११७,११८,१२७,१२८

हव्व (हव्य) ज २६,२४,३४,३५,३७; ३१०७,
११४; ७२० से २५,७६,८२,२०२,२०४,२०६
सू २३; २०७

✓हस (हस्) हसति ज २७

हसंत (हसत्) ज ३१७८

हसमाण (हसत्) उ ३१३०

हसित (हसित) सू २०७

हसिय (हसित) प २४१ ज २१५; ३१३८

हस्स (हस्व) प २६४४; १३२३

हस्सतर (हस्वतर) ज ४५४

हाण (मल्लिघाण) ज ३१०६

हायमाणय (हीयमाणक) प ३३३५

हार (हार) प २३०,३१,४१,४६,६४ ज ३६,६,
१८,२६,३५,६३,१८०,२११,२२२; ४२३,
३८,६५,७३,८०,८१; ५२१,३८,६७
उ १६६,१०२ से ११७,११६

हारितग (हारितक) ज ३११६

हारोस (दे० हारोष) प १८६

हालाहल (हालाहल) प १५०

हालिह (हारिद्र) प १४ से ६; ५५,७,२०५;

११५३; २३१०२; २८२६,३२,६६ ज ४२६
सू २०२

हालिहमुलिया (हारिद्रमुलिका) प १७१२७

हालिहमत्तिया (हारिद्रमृत्तिका) प ११६

हालिहय (हारिद्रक) प १७१२६

हालिद्ववर्णाभ (हारिद्ववर्णाभ) सू २०१२
 हालिद्वसुत्तय (हारिद्वसूत्रक) प १७११६
 हालिद्वा (हरिद्रा) प १७१२७
 हालिद्वाभेद (हरिद्राभेद) प १७१२७
 हास (हास) प २४१, २४७३; ११३४१;
 २३१३६, ७६, १४४ ज २६६, ७०
 हासकारण (हासकारक) ज ३१७८
 हासणिस्सिया (हासनिश्चिता) प ११३४
 हासरइ (हासरति) प २४७३
 हासा (हासा) ज ५११११
 हाहाभूय (हाहाभूत) ज २१३१, १३६
 हिगुरुख (हिगुरुख) प १४३२
 हिगुलय (हिगुलक) प १२०१२ ज ३११
 हिगुलुग (हिगुलुक) ज ३३५
 हिट्ठिम (अधस्तन) प २२७१
 हिट्ठ (अधस्) प २२४ से २७ रु १८२, ३;
 १६२२१७
 हिट्ठ (अधस्) ज ७१६८१
 हिट्ठल (अधस्तन) ज ७१७५
 हिट्ठलग (अधस्तन) ज ७१७५
 हिट्ठल्ल (अधस्तन) सू १८७
 हितकर (हितकर) ज ३८८
 हिदय (हृदय) ज ३१३८
 हिमय (हिमक) प १२३
 हिमवंत (हिमवत्) ज १२६; ३२, ३५; ४१७७
 उ११०, २६, ६६; ५११
 हिमवयकूड (हिमवत्कूट) ज ४२३६
 हिमसीतल (हिमशीतल) सू २०१२
 हिष (हित) ज २६४, ७१; ३८८; ५२६
 हियईसर (हृदयेश्वर) ज ३१२६३
 हियकर (हितकर) ज ३१६७
 हियकारण (हितकारक) ज ५५, ४६
 हियय (हृदय) ज ३५, ६, ८, १५, १६, ३१, ३५,
 ५३, ६२, ७०, ७७, ८७, ९१, १००, ११४, १४२,
 १६५, १७३, १८१, १८५, १८६, १८८, १८९,
 २१३; ५२१, २७, ४१, ५८ सू २०६१

उ १२१, ४२; ३१३१
 हिययगमणिज्ज (हृदयगमनीय) ज २६४; ३१८५,
 २०६; ५१५८
 हिययपल्हायणिज्ज (हृदयप्रह्लादनीय) ज २६४
 ३१८५, २०६; ५१५८
 हिययमाला (हृदयमाला) ज २६५; ३१८६, २०४
 हिययसूल (हृदयसूल) ज २४३
 हिरण्य (हिरण्य) ज २२४, ६४, ६६; ४२७३;
 ५१६८ से ७०
 हिरण्यवय (हिरण्यवत्) प १८७
 हिरण्यवास (हिरण्यवास) ज ३१८४; ५१५७
 हिरण्यविहि (हिरण्यविधि) ज ५१५७
 हिरि (ही) ज ४६४; ५११११ उ ४२१
 हिरिकूड (हीकूट) ज ४७६
 हिरिसिरिधीकित्तिधारक (हीश्रीधीकीतिधारक)
 ज ३१२६१
 हिरिसिरिपरिवज्जिय (हीश्रीपरिवर्जित) ज ३२६,
 ३६, ४७, १०७, ११४, १२२, १२४, १३३
 हिलियमाण (अभिलीयमान) ज ३१०६
 हिलिय (दे०) प ११५०
 हीण (हीन) प २६४४; ५१५, १०, २०, ३०, ३२,
 १०२, १२६, १३१, १३२, १३४, १६०, १७७,
 १६३, २१४, २२८
 हीणपुण्णचाउदस (हीनपुण्णचातुर्दश) ज ३२६,
 ३६, ४७, १०७, ११४, १२२, १२४, १३३
 हीणपुण्णचाउदसिय (हीनपुण्णचातुर्दशिक) उ १८६,
 ११५, ११६
 हीणस्सरता (हीनस्वरता) प २३२०
 हीनस्सर (हीनस्वर) ज २१३३
 हीर (हीर) प १४८२० से २६
 हीरमाण (हियमाण) ज ७३१, ३३ सू ४४, ७
 √हील (हेनय्) हीलेंति उ ३११७
 हीलज्जमाण (हेल्यमाण) उ ३११८
 √हु (भू) हुंति ज ११७; ४१४२१; ७१३४१, ४;
 १७२१ चं ४३ सू १८३, १६२४४, ५, १५,

२०, २३, २७, ३१
 हुंड (हुण्ड) प १५११८, ३०, ३५; २११२८ से ३३,
 ३५ से ३७, ५८, ५९; २३१४६
 हुंबउट (दे०) उ ३१५०
 हुड्डक (हुड्डक) ज ३१२०९
 १ हुण (हु) हुण्ड उ ३१५१
 हुत (हुत) उ ३१४८, ५०
 हुतवह (हुतवह) ज ३११०९
 हुयवह (हुतवह) ज २१२१
 हुहुय (हुहुक) ज २१४
 हुहुयंग (हुहुकाङ्ग) ज २१४
 हूण (हूण) प ११८९
 हेउ (हेतु) प ११०११५ उ ३१९
 हेट्ठ (अधम्) प २१२१ से २३, ३० से ३६, ४१ से
 ४३, ४६; १२१३२; ३६१९१ ज ३११८३; ४११३४
 हेट्ठा (अधम्) सू १२१३०; १७११; २०१६
 हेट्ठम (अधस्तन) प २१६२११; ३३११६
 हेट्ठमउवरिम (अधस्तनउपरितन) प २८१८९
 हेट्ठमउवरिमगेवेज्जग (अधस्तनउपरितनग्रैवेयक)
 प १११३७; ४१२७३ से २७५; ७१२२
 हेट्ठमग (अधस्तन) ज ७११३६१
 हेट्ठमगेवेज्ज (अधस्तनग्रैवेय) प ६१३९
 हेट्ठमगेवेज्जग (अधस्तनग्रैवेयक) प २१६० से
 ६२; ३११८३; ६१५६
 हेट्ठममज्झिम (अधस्तनमध्यम) प ४१२७१;
 २८१८८
 हेट्ठममज्झिमगेवेज्जग (अधस्तनमध्यमग्रैवेयक)
 प १११३७; ४१२७०, २७२; ७११
 हेट्ठमहेट्ठम (अधस्तनाधस्तन) प ४१२६८, २६९
 हेट्ठमहेट्ठमगेवेज्जग (अधस्तनाधस्तनग्रैवेयक)
 प १११३७; ४१२६७; ७१२०; २८१८७
 हेट्ठल्ल (अधस्तन) प १६१३४; २११९०; ३३११६,
 १७ ज २१११३; ४१२५३, २५४, २५७; ७११७४,
 २७५ सू १८११
 हेतु (हेतु) प ३०१२५, २६ सू १११४, १९, २१, २४,
 २७; २१३; ४१४, ७; ६११
 हेम (हेम) प २१५० ज ४१६१; ५११८

हेमंत (हेमन्त) ज २१७०, ८८; ७११६० से १६३
 सू ८११; १०१६७ से ७०; १२११४ उ ५१२५
 हेमन्ती (हेमन्ती) सू १२१२४ से २८
 हेमन्तीय (हेमन्तीक) सू १२११८
 हेमजाल (हेमजाल) ज ३१४७
 हेमव (हेमवन्) ज ७१११४१ सू १०१२४१२
 हेमवय (हेमवत) प ११८७; १६१३०; १७११६३
 ज ३११७८; ४११, ४२, ५३, ५५, ५६, ५७, ६१, ६२,
 ७१, ७९, १०२, २३८, २७१; ६१९, २०
 हेमवयकूड (हेमवतकूट) ज ४१४४, ७९
 हेमाभ (हेमाभ) उ ११२६, १४०
 हेरणवय (हेरणवत) प १६१३० ज ४११०२,
 २६४१, २६८, २७१ से २७४; ६१९, २०
 हेरणवयकूड (हेरणवतकूट) ज ४१२६९, २७५
 १ हौ (भू) हौड प ११८१५२; १८११ से १०, १२ से
 ३७, ३९, ४१ से ५१, ५४ से ५९, ६१ से ९०,
 ९२ से ११४, ११६, ११७, ११९, १२०, १२२,
 १२३, १२५ से १२७ ज १११६७१८, ८; ३१९,
 ११९; ४११४२१२; ७१११२११, १४२१२,
 १५१२२, १७७१२, सू १११२२१६, ७, १७, २८,
 २९; २०१८८ उ ४१२१ हौड प १११०११८;
 २१२७१ हौड उ ११६३; २१९ हौडि
 प ११४७२, ११४८४७, ४९, ११७५, ७६,
 ८१११; २१२७३, २१४०८ से ११२१६४९;
 २२१२५ ज १११६; ४११५१२; ७१११२१,
 १७२११ सू १०१२२१२, ५; २०१८३, २०१९
 उ २१२२ हौज्ज प २२१९०; २८१०९ हौज्जा
 प १६११०, ११, १३, १५, २१; १७११२; २२१२३;
 २४१४, ५, ११, १२; २५१५; २६१४, ६, ९, १०;
 २७१३ हौडि प ११४३२, ११४८३६, ५०;
 २१४०१, २१६४६; १०१४११; १२१२२१
 १८११२, १८१५९ ज ११४७१; ७१७२११;
 सू ११२२२१६ हौज्जा ज ११२; २१६६ ज ६
 सू १११ उ १११; २१४; ३१९, ४१८, ५१४
 होतए (होतए) उ ४१२२
 होत्तिय (होत्तिय) प ११४२१ उ ३१५०
 होमाण (होमात्) प १७११२, ११३
 होरभा (होरभा) ज ३१३१

शुद्धि पत्र

पृ०	पं०	अशुद्ध	शुद्ध
		पणवणा	
६	१७	संठाओ	संठाणओ
४४	१६	कोलोभासा	कालोभासा
४५	२३	परमममुहं	परममसुहं
८१	२१	अभि०	आभि०
९०	२६	गळभवकं०	गळभवकं०
१२५	२०	वण्णादि	वण्णादि
१४२	२८	०देवेहितो	० देवेहितो
१५४	४	सीतोसिणा	सीतोसिणा
१७४	१२	पडुच्च	पडुच्च
१६६	६	परिमंडलस्य	परिमंडलस्स
१७६	१८	ओसपप्पि ०	ओसप्पि ०
१८०	२३	पडुप्पणं	पडुप्पणं
१८२	२५	वाणमंतरणं	वाणमंतराणं
१९५	८	एणट्ठेणं	एणट्ठेणं
२००	१	पुविवक्क०	पुविवक्क०
२००	२	पुच्छाए	पुच्छाए
२००	४	बद्धेलग०	बद्धेलग०
२०६	३२	जस्सस्थि	जस्सस्थि
२०२	१६	बा	बा
२०८	४	०सरीकाय०	०सरीरकाय०
२०८	१६	०मीससरीर०	०मीसासरीर०
२१०	१	०आहाग०	आहारग०
२१०	२२	०मीसारीर०	०मीसासरीर०
२२६	७	पुरिस	पुरिसे
२२६	१५	होज्जा	होज्जा

२३१	पा० ४	भवेतारूवे	भवेतारूवे
२३२	पं० २०	पोंडरिय०	पोंडरीय०
२४३	१७	इत्थवेदे	इत्थवेदे
२५६	२	तिरिक्ख०	तिरिक्खजोगिय०
२५६	३	गम्भवक्क०	गम्भवक्क०
२८१	१५	छह्वि०	छह्वि०
२८५	१३	जाव	जहा
२८६	२३	पणत्ते	×
२६२	२४	व	य
२६७	१३	०सामरोव०	०सामरोवम०
३२४	४	सामारोव	०सामारोव०
३४१	६, १	सरीरा	सारीरा
३४१	१२	सरीर०	सारीर०
३४२	१६	समुग्घया	समुग्घया
३४३	२	०उवण्णगा	०उवण्णगा

जंबुद्दीव

३५६	१०	०पम्हगोरे	०पम्हगोरे
३५६	१२	महावीस्स	महावीरस्स
३६६	१६	०कूडे	०कूडे
३६६	२०	०कूडे	०कूडे
३७६	६	मत्तंगाणां	मत्तंगाणामं
३७८	१५	मणम०	मणाम०
३८०	१६	वोवाह	वीवाह
३८०	२०	ना	वा
३८०	२४	इणट्ठे	इणट्ठे
३८५	१०	अज्झावसत्ता	अज्झावसित्ता
३८५	१७	०दूसमाणामं	०दूसमाणामं
३८६	अंतिम	अभिरमाणा	अभिरममाणा
४०८	१४	०निग्घोषणा०	०निग्घोसणा०
४१२	१८	मिसिमिस	मिसिमिसे
४१३	२८	खिप्पमेव	खिप्पामेव
४१४	२	महाहिमं	महामहिमं
४१५	२२	खिप्पमेव	खिप्पामेव
४१६	१७	०इंदणी०	०इंदणील०
४१८	१५	अणुप्पदाए	अणुप्पदाए
४२०	३३	अटटारस	अटटारस

१०६६

४२२	१७
४२२	२१
४२३	२
४२३	१०
४२३	११
४२३	अन्तिम
४२५	३७
४३६	पा० ४

४४२	पा० २
४४५	४
४४५	८
४४५	२३
४६०	पा० ६
४६३	१४
४६३	६
४६६	६
४६८	१०
५६८	१
५७०	८

०वासिष्णो
पीड्दाणं
उस्सुक्कं
पूरंतं
पव्वयाभि०
णेषववो
हरि०
(स)

नं०
संपट्टियं
त णं
सद्धानेत्ता
०पीठं
०फल्लिह०
ध्व०
धण०
जंव
विहप्फइ
पणत्ताओ

०वासिणी
पीड्दाणं
उस्सुक्कं
पूरंतं
पव्वयाभि०
णेषववो
हिरि०
(स) ०अत्थमंतमेत्त
(शा वू पा)

जं०
संपट्टियं
तए णं
सद्धानेत्ता
०पीठं
०फल्लिह०
धूव०
धणु
जंबू
विहप्फई
पणत्ताओ

सूरपणत्ति

६१५	६
६५६	७
६६८	८
६८६	१२
६९४	१३
६९७	४
६९७	७

जोयय०
मुहुता
वावट्टि०
समुद्दं
वराभरण०
०विताए
धुम०

जोयण०
मुहुत्ता
वावट्टि०
समुद्दं
वराभरण०
०विताणए
०धूम

उवंगा

७२३	५
७२३	पा० ५
७३४	पं १६
७८०	४
७८१	७
१०८४	११०

सवन्तीकरणं
सवन्तीकरणं (क)
०वंक०
पुडिबुद्धा
पावयणं
०पारियासं

सवण्णीकरणं
सवन्तीकरणं (ग)
०वंकं
पडिबुद्धा
पावयणं
परियासं

शब्दकोश

क्रमांक	स्थल	अशुद्ध	शुद्ध
१.		अउज्झ	अओज्झ
२.	अंगपरियारिया	(अंगपरिचारिका)	(अंगप्रतिचारिका)
३.		अगच्छमाण	अगच्छमाण
४.	अगरुयलहुयपज्जव	ज २।१६३	ज २।१६३
५.	अट्ठावण्ण	(अष्टपञ्चाशत्)	(अष्टपञ्चाशत्)
६.		अधम्मत्थिकाय	अधम्मत्थिकाय
७.	अपज्जुवासणया	(अपर्युपासना)	(अपर्युपासन)
८.	अप्प	अप्प (अल्प) जवासा	अप्पा (अल्पा)
९.		अप्पिण	✓अप्पिण
१०.	अप्फोड	(आ + स्फोट्य)	(आ + स्फोट्य)
११.		अब्भंग	✓अब्भंग
१२.		अब्भन्तरपुक्खरद्ध	अब्भन्तरपुक्खरद्ध
१३.		अब्भुक्ख	✓अब्भुक्ख
१४.		अब्भुट्ट	✓अब्भुट्ट
१५.		अभिणंद	✓अभिणंद
१६.		अभिवुड्ढ	✓अभिवुड्ढ
१७.	आगासिथिगल	(आकाश थिगल)	(आकाश 'थिगल')
१८.	आहारगसरीरय	(आहारकशरीरक)	(आहारकशरीरक)
१९.	इच्छामण	(इच्छामनस)	(इच्छामनस्)
२०.	उज्झरबहुल	(निर्झरबहुल)	(उज्झरबहुल)
२१.	उत्तमपुरिस	(उत्तमपुर)	(उत्तमपुर)
२२.		उत्पन्न	उत्पन्न
२३.	उवदंसितए	(उपदर्शयितुम्)	(उपदर्शयितुम्)
२४.	ओघमेघ	(ओधमेघ)	(ओधमेघ)
२५.		ओलंग	✓ओलंब
२६.		कक्खंतर	कक्खंतर
२७.	कच्छभी	(कच्छभी)	(कच्छपी)

२८.		कल (कल)	(कलम)
२९.	कलंबुया	(कदम्बक)	(कलम्बुका)
३०.		कहिचि	कहिचि
३१.		कहिय	कहिय
३२.		कालहेसि (कालहेसिन्)	×
३३.	कुम्भिक	(कौम्भिक)	(कौम्भिक)
३३.	कुमुदा	(कुमुद)	(कुमुदा)
३५.		गरह	√गरह
३६.		गवेस	√गवेस
३७.		गा	√गा
३८.		गाह	√गाह
३९.		गिण्ह	√गिण्ह
४०.		√गुणड्ड	गुणड्ड
४१.		गेवज्ज	√गेवज्ज
४२.	चउपएसिय	चःतु प्रदेशिक	(चतुःप्रदेशिक)
४३.		चय	√चय
४४.		चय	√चय
४५.		चर	√चर
४६.		चि	√चि
४७.		चित्त	√चित्त
४८.	चुल्लहिमवन्त	(चुल्लहिमवत्)	(क्षुल्लहिमवत्)
४९.		छज्ज	√छज्ज
५०.	छायाछाया	(छायाछाया)	(छायाच्छाया)
५२.		छिद	√छिद
५२.	छिन्नसोय	(छिन्नस्रोतस)	(छिन्नस्रोतस्)
५३.		छेद	√छेद
५४.		छेय	√छेय
५५.	जटियायलय	(दे० जटिकायलक)	(दे० जटिकायलक)
५६.		जा	√जा
५७.		जाणियत्व	जाणियव्व
५८.		जोयणसत्तपुहत्तिय	जोयणसत्तपुहत्तिय
५९.	णिवुड्डत्ता	(निवृद्ध्य)	(निवृद्ध्य)
६०.	णिव्वत्त	(निवृत्त)	(निवृत्त)
६१.		णिव्वाण	णिव्वाय
६२.	णेरइयअसण्णिआउथ	(नेरयिकासंज्ञायुष्)	(नेरयिकासंज्ञायुष्क)
६३.	तउसी मिजिया	(त्रपुसीमिजिका)	(त्रपुसीमज्जिका)

६४.		तंडव	√तंडव
६५.	तट्टदेवता	(त्वष्टदेवता)	(त्वष्टदेवता)
६६.	तट्टु	(त्वष्ट)	(त्वष्ट)
६७.	तित्तीस	(त्रयस्त्रिंशत्) ज० ४।६८	×
६८.	तिरिक्खजोणियअसण्णिआउय	(तिर्यग्ग्योनिकासंज्ञायुष्)	(तिर्यग्ग्योनिकासंज्ञायुष्क)
६९.	तिरियाउय	(तिर्यगायुष्)	(तिर्यगायुष्क)
७०.	दलयित्ता	(दत्त्वा)	(दत्त्वा)
७१.	दाऊण	(दत्त्वा)	(दत्त्वा)
७२.	दुट्ठु	(दुष्टु)	(दुष्टु)
७३.	दुरभि	(दुरभि)	(दुर्)
७४.	दुहट्ट	(दुघाट्ट)	(दुघट्ट)
७५.	देवअसण्णिआउय	(देवासंज्ञायुष्)	(देवासंज्ञायुष्क)
७६.	पञ्चसत्तर	पञ्चसप्तति	पञ्चसप्तति
७७.	पच्चोसवित्ता	प्रत्यवष्कष्य	प्रत्यवष्कष्य
७८.	पडि सेहितए	प्रतिषेद्धुम्	प्रतिषेद्धुम्
७९.	पम्ह	(पद्म) २५१	(पद्म) ४।२५१
८०.		परिणित्वा	परिणित्वा
८१.		परियाण	√परियाण
८२.		परिवय	√परिवय
८३.		परिहा	√परिहा
८४.	पल्हायणिज्ज	(प्रह्लादनीय)	(प्रह्लादनीय)
८५.		पिट्ठीय	पिट्ठि
८६.		पुक्खलाई	पुक्खलाई
८७.	पुप्फपटलग	(पुष्पपटलक)	(पुष्पपटलक)
८८.		पुस्वरत्त	पुस्वरत्त
८९.	पूइय	पूजित	पूजित
९०.	पेहुणमिजिया	'पेहुण' मञ्जिका	पेहुणमञ्जिका
९१.	पोट्टवई	प्रौष्ठपदी	प्रौष्ठपदी
९२.	पोट्टवती	प्रौष्ठपदी	प्रौष्ठपदी
९३.	भंत	प १३।१ से ३१	प १३।१ से १३, २१ से ३१
९४.	भणित	प १।४८।४७	प० १।४८।४१
९५.	भत्तिचित्त	ज० ३।३९; ५।५९	ज० ३।३, ९, ५।५८
९६.	भवोववायगति	(भवोवपपातगति)	(भवोवपपातगति)
९७.	भासग	प ३।१।२, १०८	प ३।१।२, १०८
९८.	भूमिचवेउ	ज ५।७	ज ५।५७
९९.	मंलवता	मंलवता (मंलवता)	मंलवता / मंलवता

११००

१००.	माणवग	(माणवक)	(मानवक)
१०१.	मालवतपरियाय	(माल्यवत्पर्याय)	(माल्यवत्पर्याय)
१०२.	मेहुणसणा	मैथुन संज्ञा	मैथुन संज्ञा
१०३.	रयण (वासा)	(रत्नवर्षा)	(रत्नवर्षा)
१०४.	रयणिय	(रत्निक)	(रत्निक)
१०५.	रिसह	(वृषभ)	(वृषभ)
१०६.	लोम	(लोमन्)	(लोमन्)
१०७.		वरगंधधर	वरगंधधर
१०८.	वरदामतित्थाधिपति	(वरदामतीर्थधिपति)	(वरदामतीर्थधिपति)
१०९.		वालिघाण	वालिघाण
११०.	वालुंक	कपिस्थ	कपिस्थ
१११.	संवत्त	(संवृत्त)	(संवर्त)
११२.		सगोत	सगोत
११३.		सत्तणउत्ति	सत्तणउत्ति
११४.		सम्माणियदोहल	सम्माणियदोहल
११५.		सय	√सय
११६.	सिलिध	(सिलीन्ध)	(सिलीन्ध)
११७.	सुदुल्लह	(सुदर्लभ)	(सुदर्लभ)
११८.		स्यपुच्छ	सुयपुच्छ
११९.		सुसमससमा	सुसमसुसमा
१२०.			अट्टरुसग (अट्टरुषक) प ११३७१४
१२१.			एरावण (ऐरावत) प ११३७१४
१२२.	कुहण	×	प ११४८१५०
१२३.		णल (नड) प० ११४१११	×
१२४.			पोवलड (दे०) प ११४८१३
१२५.			वेणु (वेणु) प ११४८१४६

